

# বার কাউন্সিল এনরোলমেন্ট পরীক্ষার শর্টকাট মাস্টার গাইড



S M Nazmuz Sakib

# বার কাউন্সিল এনরোলমেন্ট পরীক্ষার শর্টকাট মাস্টার গাইড

S M Nazmuz Sakib

© 2026 S M Nazmuz Sakib. All rights reserved. DOI: 10.5281/zenodo.19494434



## Contents

|                                                                                    |    |
|------------------------------------------------------------------------------------|----|
| Copyright Page .....                                                               | 50 |
| পার্ট ১: ভূমিকা, পরীক্ষার কাঠামো, The Code of Civil Procedure 1908 (সম্পূর্ণ)..... | 51 |
| লেখকের কথা এবং এই বইয়ের ব্যবহার পদ্ধতি .....                                      | 51 |
| অধ্যায় ১: বার কাউন্সিল এনবোলমেন্ট পরীক্ষার সম্পূর্ণ পরিচয়.....                   | 51 |
| পরীক্ষার কাঠামো (মার্কস ডিস্ট্রিবিউশন) .....                                       | 51 |
| প্রিলিমিনারি পরীক্ষা (MCQ) .....                                                   | 51 |
| মনে রাখার টেকনিক (প্রথম শর্টকাট).....                                              | 52 |
| রিটেন পরীক্ষার কাঠামো .....                                                        | 52 |
| বার কাউন্সিল পরীক্ষার ইতিহাস ও সাম্প্রতিক তথ্য .....                               | 52 |
| গুরুত্বপূর্ণ পয়েন্ট:.....                                                         | 53 |
| অধ্যায় ২: The Code of Civil Procedure, 1908 (CPC) .....                           | 53 |
| সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ আইন - ২০ নম্বর .....                                          | 53 |
| প্রথমেই বড় ছবিটা বোঝো .....                                                       | 53 |
| মনে রাখার টেকনিক .....                                                             | 53 |
| জোক: আন্তর্জাতিক সম্পর্কের সাথে CPC.....                                           | 53 |
| CPC-র মূল কাঠামো.....                                                              | 54 |
| গুরুত্বপূর্ণ পার্থক্য: Section vs Order .....                                      | 54 |
| CPC-র সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ সেকশনগুলো (পরীক্ষায় সবচেয়ে বেশি আসে) .....            | 54 |
| Section 9 - দেওয়ানি আদালতের এখতিয়ার .....                                        | 54 |
| মনে রাখার টেকনিক .....                                                             | 54 |
| পরীক্ষায় আসা প্রশ্নের ধরন: .....                                                  | 54 |
| Section 9-এর দুটি ব্যতিক্রম (Express এবং Implied Bar).....                         | 55 |
| রাজনৈতিক জোক: .....                                                                | 55 |
| Section 11 - Res Judicata (পূর্বনির্ধারিত বিষয়) .....                             | 55 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                                            | 55 |
| Res Judicata-র শর্তগুলো মনে রাখার সহজ উপায় .....                                  | 56 |
| মনে রাখার ছড়া:.....                                                               | 56 |





|                                                                            |    |
|----------------------------------------------------------------------------|----|
| আন্তর্জাতিক সম্পর্কের উদাহরণ:.....                                         | 56 |
| বিগত সালের প্রশ্ন:.....                                                    | 56 |
| Section 10 - Stay of Suit (মামলা স্থগিত রাখা) .....                        | 56 |
| মনে রাখার টেকনিক:.....                                                     | 56 |
| Section 10 এবং Section 11-এর পার্থক্য (পরীক্ষায় আসে).....                 | 56 |
| রাজনৈতিক উদাহরণ:.....                                                      | 57 |
| Section 20 - Jurisdiction (এখতিয়ার) - কোন আদালতে মামলা করবে?.....         | 57 |
| মনে রাখার টেকনিক:.....                                                     | 57 |
| বিগত সালের প্রশ্ন:.....                                                    | 57 |
| মজার উদাহরণ:.....                                                          | 57 |
| Section 26 - Suit Commencement (মামলা শুরু).....                           | 58 |
| Plaint কী?.....                                                            | 58 |
| মনে রাখার ছড়া:.....                                                       | 58 |
| Order 7 - Plaint (আবজি) কী থাকতে হবে .....                                 | 58 |
| মনে রাখার টেকনিক (NANDAMVR ফর্মুলা).....                                   | 58 |
| Order 8 - Written Statement (লিখিত জবাব) .....                             | 59 |
| মনে রাখার টেকনিক:.....                                                     | 59 |
| বিগত সালের প্রশ্ন:.....                                                    | 59 |
| Section 24 - Transfer of Cases (মামলা স্থানান্তর).....                     | 59 |
| কে মামলা স্থানান্তর করতে পারে?.....                                        | 59 |
| মনে রাখার টেকনিক:.....                                                     | 59 |
| Section 35 - Costs (মামলার খরচ) .....                                      | 59 |
| গুরুত্বপূর্ণ বিষয়:.....                                                   | 59 |
| Section 47 - Questions to be Determined by Executing Court .....           | 60 |
| মনে রাখার টেকনিক:.....                                                     | 60 |
| Section 51 - Powers of Court to Enforce Decree (ডিক্রি জারির ক্ষমতা) ..... | 60 |
| মনে রাখার টেকনিক:.....                                                     | 60 |
| Order 1 - Parties to Suit (মামলার পক্ষ).....                               | 60 |





|                                                              |    |
|--------------------------------------------------------------|----|
| Order 1 Rule 1 - কারা বাদী হতে পারে? .....                   | 60 |
| Order 1 Rule 10 - নতুন পক্ষ যোগ বা বাদ দেওয়া .....          | 60 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                      | 60 |
| Order 9 - Appearance of Parties (পক্ষের উপস্থিতি) .....      | 61 |
| Order 9 Rule 6 - Ex Parte Decree (একতরফা ডিক্রি) .....       | 61 |
| Order 9 Rule 13 - Ex Parte Decree বাতিলের আবেদন .....        | 61 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                      | 61 |
| বিগত সালের প্রশ্ন: .....                                     | 61 |
| Order 39 - Temporary Injunction (সাময়িক নিষেধাজ্ঞা) .....   | 61 |
| কখন Temporary Injunction দেওয়া হয়? .....                   | 61 |
| Temporary Injunction পাওয়ার তিনটি শর্ত: .....               | 62 |
| মনে রাখার টেকনিক (PBI ফর্মুলা) .....                         | 62 |
| রাজনৈতিক উদাহরণ: .....                                       | 62 |
| বিগত সালের প্রশ্ন: .....                                     | 62 |
| Order 40 - Appointment of Receiver (রিসিভার নিয়োগ) .....    | 62 |
| কখন রিসিভার নিয়োগ হয়? .....                                | 62 |
| রিসিভারের দায়িত্ব: .....                                    | 62 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                      | 62 |
| Section 96 - Appeal from Original Decree (আপিল) .....        | 63 |
| কোথায় আপিল করতে হবে? .....                                  | 63 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                      | 63 |
| Section 100 - Second Appeal (দ্বিতীয় আপিল) .....            | 63 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                      | 63 |
| বিগত সালের প্রশ্ন: .....                                     | 63 |
| Section 104 - Orders Appealable (আদেশের বিরুদ্ধে আপিল) ..... | 63 |
| Order 43 - Appealable Orders-এর তালিকা .....                 | 63 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                      | 64 |
| Section 115 - Revision (রিভিশন) .....                        | 64 |



|                                                                           |    |
|---------------------------------------------------------------------------|----|
| কখন Revision করা যায়? .....                                              | 64 |
| Revision এবং Appeal-এর পার্থক্য (পরীক্ষায় প্রায়ই আসে) .....             | 64 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                                   | 64 |
| বিগত সালের প্রশ্ন: .....                                                  | 64 |
| Order 21 - Execution of Decrees and Orders (ডিক্রি ও আদেশ জারি) .....     | 64 |
| ডিক্রি কত ধরনের? .....                                                    | 65 |
| ডিক্রি কে জারি করবে? .....                                                | 65 |
| Order 21 Rule 11 - ডিক্রি জারির আবেদন .....                               | 65 |
| Order 21 Rule 22 - Notice Before Execution .....                          | 65 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                                   | 65 |
| Order 22 - Death, Marriage and Insolvency of Parties .....                | 65 |
| Order 22 Rule 3 - বাদী মারা গেলে .....                                    | 65 |
| Order 22 Rule 4 - বিবাদী মারা গেলে .....                                  | 65 |
| Order 22 Rule 9 - মামলা নিষ্পত্তি না হলে .....                            | 65 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                                   | 66 |
| Order 23 - Withdrawal and Adjustment of Suits .....                       | 66 |
| Order 23 Rule 1 - মামলা প্রত্যাহার (Withdrawal) .....                     | 66 |
| Order 23 Rule 3 - Compromise (আপস) .....                                  | 66 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                                   | 66 |
| Order 26 - Commissions (কমিশন) .....                                      | 66 |
| Order 37 - Summary Procedure (সংক্ষিপ্ত পদ্ধতি) .....                     | 66 |
| কোন মামলায় Order 37 প্রযোজ্য? .....                                      | 67 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                                   | 67 |
| Section 144 - Restitution (পুনরুদ্ধার) .....                              | 67 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                                   | 67 |
| Section 151 - Inherent Powers of Court (আদালতের অন্তর্নিহিত ক্ষমতা) ..... | 67 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                                   | 67 |
| রাজনৈতিক উদাহরণ: .....                                                    | 67 |



|                                                                           |    |
|---------------------------------------------------------------------------|----|
| বিগত সালের প্রশ্নঃ .....                                                  | 67 |
| অধ্যায় ৩: CPC-র বিশেষ গুরুত্বপূর্ণ Order-গুলো বিস্তারিত .....            | 68 |
| Order 6 - Pleadings (আবেদনপত্র) .....                                     | 68 |
| মনে রাখার টেকনিকঃ .....                                                   | 68 |
| Order 6 Rule 17 - Pleading সংশোধন .....                                   | 68 |
| বিগত সালের প্রশ্নঃ .....                                                  | 68 |
| Order 11 - Discovery and Inspection (আবিষ্কার ও পরীক্ষা) .....            | 68 |
| মনে রাখার টেকনিকঃ .....                                                   | 68 |
| Order 14 - Settlement of Issues (বিষয় নির্ধারণ) .....                    | 69 |
| মনে রাখার টেকনিকঃ .....                                                   | 69 |
| Order 17 - Adjournment (স্থগিত রাখা) .....                                | 69 |
| গুরুত্বপূর্ণ সীমাবদ্ধতাঃ .....                                            | 69 |
| মনে রাখার টেকনিকঃ .....                                                   | 69 |
| বিগত সালের প্রশ্নঃ .....                                                  | 69 |
| Order 18 - Hearing of Suit and Examination of Witnesses .....             | 69 |
| সাক্ষী পরীক্ষার তিনটি ধাপঃ .....                                          | 70 |
| মনে রাখার টেকনিকঃ .....                                                   | 70 |
| Order 20 - Judgment and Decree (রায় ও ডিক্রি) .....                      | 70 |
| মনে রাখার টেকনিকঃ .....                                                   | 70 |
| Order 38 - Arrest Before Judgment (রায়ের আগে গ্রেপ্তার) .....            | 70 |
| মনে রাখার টেকনিকঃ .....                                                   | 71 |
| Section 89 - Reference to Alternative Dispute Resolution (ADR) .....      | 71 |
| ADR-এর ধরনঃ .....                                                         | 71 |
| মনে রাখার টেকনিকঃ .....                                                   | 71 |
| আন্তর্জাতিক সম্পর্কের উদাহরণঃ .....                                       | 71 |
| অধ্যায় ৪: CPC-র বিশেষ বিষয় - Limitation (সীমাবদ্ধতা) .....              | 71 |
| মনে রাখার টেকনিকঃ .....                                                   | 71 |
| অধ্যায় ৫: CPC-র বহুল আলোচিত প্রশ্নোত্তর (বিগত সালের প্রশ্নভিত্তিক) ..... | 72 |





|                                                                                |    |
|--------------------------------------------------------------------------------|----|
| প্রশ্ন ১: Decree এবং Order-এর পার্থক্য কী? (২০১৬, ২০১৮, ২০২১ সালে এসেছে).....  | 72 |
| Decree কী:.....                                                                | 72 |
| Order কী:.....                                                                 | 72 |
| সহজ পার্থক্য: .....                                                            | 72 |
| মনে রাখার ছড়া:.....                                                           | 72 |
| প্রশ্ন ২: "Cause of Action" বলতে কী বোঝায়? (২০১৭, ২০১৯, ২০২৩ সালে এসেছে)..... | 72 |
| তিনটি মূল উপাদান: .....                                                        | 72 |
| উদাহরণ:.....                                                                   | 72 |
| রাজনৈতিক উদাহরণ: .....                                                         | 72 |
| প্রশ্ন ৩: Summons কী এবং কীভাবে জারি হয়? (২০১৮, ২০২১ সালে এসেছে).....         | 73 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                                        | 73 |
| বিগত সালের প্রশ্ন: .....                                                       | 73 |
| প্রশ্ন ৪: Judgment Debtor (ডিক্রির বিরুদ্ধে পক্ষ) কে? .....                    | 73 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                                        | 73 |
| প্রশ্ন ৫: Interlocutory Order কী? (২০১৯ সালে এসেছে).....                       | 73 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                                        | 74 |
| অধ্যায় ৬: CPC-র সম্পূর্ণ Revision এবং Quick Reference .....                   | 74 |
| CPC-র Most Important Sections এবং Orders (মনে রাখার চূড়ান্ত তালিকা).....      | 74 |
| সুপার মেমোরি চার্ট.....                                                        | 74 |
| অধ্যায় ৭: বিগত সালের সমস্ত গুরুত্বপূর্ণ MCQ-র বিশ্লেষণ (CPC বিষয়ক) .....     | 74 |
| ২০১৬ সালের প্রশ্ন:.....                                                        | 74 |
| ২০১৭ সালের প্রশ্ন:.....                                                        | 75 |
| ২০১৮ সালের প্রশ্ন:.....                                                        | 75 |
| ২০১৯ সালের প্রশ্ন: .....                                                       | 75 |
| ২০২১ সালের প্রশ্ন:.....                                                        | 76 |
| ২০২৩ সালের প্রশ্ন: .....                                                       | 76 |
| ২০২৫ সালের MCQ পরীক্ষার পূর্বাভাস (এই বিষয়গুলো থেকে আসতে পারে) .....          | 76 |
| অধ্যায় ৮: CPC-র ব্যবহারিক উদাহরণ (Real World Application).....                | 76 |



|                                                                                                            |    |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|
| বাস্তব জীবনের মামলার সাথে CPC-র সংযোগ .....                                                                | 77 |
| উদাহরণ ১: জমি নিয়ে বিরোধ .....                                                                            | 77 |
| উদাহরণ ২: ব্যবসায়িক চুক্তির বিরোধ .....                                                                   | 77 |
| উদাহরণ ৩: পারিবারিক সম্পত্তি বিরোধ .....                                                                   | 78 |
| অধ্যায় ৯: CPC-র জন্য মোমোরি টেকনিকের চূড়ান্ত সংকলন .....                                                 | 78 |
| টেকনিক ১: সংখ্যার সাথে অর্থের সংযোগ .....                                                                  | 78 |
| টেকনিক ২: রাজনৈতিক তুলনা .....                                                                             | 78 |
| টেকনিক ৩: বাংলাদেশের বর্তমান রাজনৈতিক প্রেক্ষাপটে .....                                                    | 79 |
| অধ্যায় ১০: CPC প্র্যাকটিস প্রশ্ন (নিজে পরীক্ষা করো) .....                                                 | 79 |
| উত্তর: .....                                                                                               | 79 |
| অধ্যায় ১১: The Specific Relief Act, 1877 (SRA) - সম্পূর্ণ আলোচনা .....                                    | 80 |
| SRA কেন আলাদা আইন? .....                                                                                   | 80 |
| SRA ১৮৭৭ সালের আইন। .....                                                                                  | 80 |
| পরীক্ষায় SRA থেকে ১০টি প্রশ্ন আসে। .....                                                                  | 80 |
| SRA-র মূল বিভাগ .....                                                                                      | 80 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                                                                    | 80 |
| Section 8 - Recovery of Specific Immovable Property (নির্দিষ্ট স্থাবর সম্পত্তি পুনরুদ্ধার) .....           | 81 |
| কারা Section 8-এর অধীনে মামলা করতে পারে? .....                                                             | 81 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                                                                    | 81 |
| Section 9 - Recovery of Specific Movable Property (নির্দিষ্ট অস্থাবর সম্পত্তি পুনরুদ্ধার) .....            | 81 |
| কখন নির্দিষ্ট অস্থাবর সম্পত্তি ফেরত পাওয়া যাবে? .....                                                     | 81 |
| Section 10 - Cases in which Specific Performance Enforceable (নির্দিষ্ট সম্পাদন কখন বাস্তবায়নযোগ্য) ..... | 81 |
| কখন ক্ষতিপূরণ যথেষ্ট হবে না? .....                                                                         | 81 |
| কখন Specific Performance দেওয়া হবে না? .....                                                              | 82 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                                                                    | 82 |
| বিগত সালের প্রশ্ন: .....                                                                                   | 82 |
| Section 12 - Specific Performance of Part of a Contract (চুক্তির অংশ সম্পাদন) .....                        | 82 |



|                                                                                                                             |    |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|
| Section 13 - Rights of Purchaser or Lessee Against Person with no Title (শিৰোনামহীন বিক্রেতার বিরুদ্ধে ক্রেতার অধিকার)..... | 82 |
| Section 16 - Personal Bar to the Grant of Relief (ব্যক্তিগত বাধা) .....                                                     | 82 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                                                                                     | 82 |
| Section 19 - Relief Against Parties and Persons Claiming Under Them.....                                                    | 83 |
| Section 20 - Discretion as to Decreeing Specific Performance (বিচারিক বিবেচনা).....                                         | 83 |
| গুরুত্বপূর্ণ নীতি:.....                                                                                                     | 83 |
| রাজনৈতিক উদাহরণ: .....                                                                                                      | 83 |
| Section 21 - Power to Award Compensation (ক্ষতিপূরণ দেওয়ার ক্ষমতা) .....                                                   | 83 |
| Section 34 - Declaratory Decree (ঘোষণামূলক ডিক্রি) .....                                                                    | 83 |
| কবে Declaratory Decree পাওয়া যাবে না? .....                                                                                | 84 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                                                                                     | 84 |
| বিগত সালের প্রশ্ন: .....                                                                                                    | 84 |
| Section 35 - Effect of Declaration (ঘোষণার প্রভাব) .....                                                                    | 84 |
| Section 38 - Perpetual Injunction (স্থায়ী নিষেধাজ্ঞা).....                                                                 | 84 |
| Temporary Injunction (CPC Order 39) এবং Perpetual Injunction (SRA Section 38)-এর পার্থক্য: .....                            | 84 |
| মনে রাখার টেকনিক: .....                                                                                                     | 84 |
| Section 39 - Mandatory Injunction (বাধ্যতামূলক নিষেধাজ্ঞা).....                                                             | 84 |
| Prohibitory এবং Mandatory Injunction-এর পার্থক্য: .....                                                                     | 85 |
| রাজনৈতিক উদাহরণ: .....                                                                                                      | 85 |
| Section 40 - Damages in Lieu of or in Addition to Injunction .....                                                          | 85 |
| SRA-র বিগত সালের MCQ প্রশ্ন .....                                                                                           | 85 |
| SRA-র সুপার মেমোরি চার্ট.....                                                                                               | 86 |
| অধ্যায় ১২: CPC এবং SRA-র তুলনামূলক বিশ্লেষণ (পরীক্ষায় প্রায়ই আসে) .....                                                  | 86 |
| CPC এবং SRA একসাথে কীভাবে কাজ করে? .....                                                                                    | 86 |
| উদাহরণ:.....                                                                                                                | 86 |
| অধ্যায় ১৩: পার্ট ১-এর চূড়ান্ত রিভিশন এবং পরীক্ষার কৌশল .....                                                              | 86 |
| পরীক্ষার আগের রাতের জন্য Quick Revision.....                                                                                | 86 |



|                                                                                                |    |
|------------------------------------------------------------------------------------------------|----|
| CPC-র জন্য ১০টি সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ বিষয় .....                                               | 86 |
| SRA-র জন্য ৫টি সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ বিষয়.....                                                 | 87 |
| পরীক্ষার কৌশল .....                                                                            | 87 |
| MCQ পরীক্ষায় কৌশল .....                                                                       | 87 |
| CPC-তে MCQ-এর Pattern.....                                                                     | 87 |
| সংক্ষিপ্ত জোক এবং মনে রাখার উপায় (চূড়ান্ত সংকলন) .....                                       | 87 |
| জোক ১: Res Judicata এবং UN Security Council .....                                              | 87 |
| জোক ২: Temporary Injunction এবং মুদ্ধবিবর্তি.....                                              | 87 |
| জোক ৩: Written Statement এবং রাজনৈতিক সংকট .....                                               | 87 |
| জোক ৪: Inherent Powers এবং সুপারহিরো.....                                                      | 88 |
| অধ্যায় ১৪: CPC এবং SRA বিষয়ক ২০২৬ পরীক্ষার পূর্বাভাস.....                                    | 88 |
| ২০২৬ সালের বার কাউন্সিল পরীক্ষায় সম্ভাব্য প্রশ্ন .....                                        | 88 |
| CPC বিষয়ে সম্ভাব্য প্রশ্ন.....                                                                | 88 |
| SRA বিষয়ে সম্ভাব্য প্রশ্ন .....                                                               | 88 |
| এই পার্টের সারসংক্ষেপ .....                                                                    | 88 |
| পরিশেষে .....                                                                                  | 89 |
| পার্ট ২: The Code of Criminal Procedure, 1898 (CrPC) এবং The Penal Code, 1860 (সম্পূর্ণ) ..... | 90 |
| লেখকের কথা (পার্ট ২ শুরু করার আগে) .....                                                       | 90 |
| অধ্যায় ১: The Code of Criminal Procedure, 1898 (CrPC) - সম্পূর্ণ পরিচয় .....                 | 90 |
| CrPC কী এবং কেন এটা পড়তে হবে?.....                                                            | 90 |
| CrPC-র কাঠামো .....                                                                            | 91 |
| CrPC এবং CPC-র পার্থক্য (পরীক্ষায় আসে).....                                                   | 91 |
| Section 4 - CrPC-র সংজ্ঞা.....                                                                 | 91 |
| অধ্যায় ২: CrPC-র আদালত কাঠামো এবং এখতিয়ার.....                                               | 92 |
| Section 6 - ফৌজদারি আদালতের শ্রেণী.....                                                        | 92 |
| বিভিন্ন আদালতের শাস্তি দেওয়ার ক্ষমতা .....                                                    | 93 |
| Section 28 - Sessions বিচার কে করবে?.....                                                      | 93 |
| অধ্যায় ৩: গ্রেফতার - সবচেয়ে নাটকীয় বিষয় .....                                              | 94 |



|                                                                 |     |
|-----------------------------------------------------------------|-----|
| Section 54 - ওয়ারেন্ট ছাড়া গ্রেফতার                           | 94  |
| Section 61 - গ্রেফতারের পর ২৪ ঘণ্টার নিয়ম                      | 94  |
| Section 167 - ২৪ ঘণ্টায় তদন্ত শেষ না হলে                       | 95  |
| অধ্যায় ৪: জামিন (Bail) - সবচেয়ে বেশি আলোচিত বিষয়             | 95  |
| জামিন কী?                                                       | 95  |
| Section 496 - জামিনযোগ্য অপরাধে জামিন                           | 96  |
| Section 497 - জামিনঅযোগ্য অপরাধে জামিন                          | 96  |
| Section 498 - উচ্চ আদালতের জামিন দেওয়ার ক্ষমতা                 | 97  |
| Section 491 - Habeas Corpus                                     | 97  |
| অধ্যায় ৫: তদন্ত (Investigation) - পুলিশের কাজ                  | 97  |
| Section 154 - First Information Report (FIR)                    | 98  |
| Section 155 - Non-cognizable Offence-এ তদন্ত                    | 98  |
| Section 173 - তদন্ত শেষের রিপোর্ট                               | 98  |
| অধ্যায় ৬: বিচার প্রক্রিয়া (Trial Procedure)                   | 99  |
| Cognizance (আমল গ্রহণ) কী?                                      | 99  |
| Section 190 - ম্যাজিস্ট্রেটের Cognizance গ্রহণ                  | 99  |
| Summons Trial বনাম Warrant Trial (পরীক্ষায় আসে)                | 99  |
| Section 239 - Discharge (অব্যাহতি)                              | 99  |
| Section 342 - অভিযুক্তকে জিজ্ঞাসাবাদ                            | 100 |
| অধ্যায় ৭: Sessions Trial এবং উচ্চ আদালতের ক্ষমতা               | 100 |
| Sessions Trial কীভাবে হয়?                                      | 100 |
| Section 435 - Revision                                          | 100 |
| অধ্যায় ৮: CrPC-র বিগত সালের প্রশ্ন বিশ্লেষণ এবং ২০২৬ পূর্বাভাস | 101 |
| ২০১৫ সালের CrPC প্রশ্ন                                          | 101 |
| ২০১৬ সালের CrPC প্রশ্ন                                          | 101 |
| ২০১৭ সালের CrPC প্রশ্ন                                          | 101 |
| ২০১৮ সালের CrPC প্রশ্ন                                          | 101 |
| ২০১৯ সালের CrPC প্রশ্ন                                          | 102 |





|                                                                                       |     |
|---------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| ২০২১ সালের CrPC প্রশ্ন.....                                                           | 102 |
| ২০২৩ সালের CrPC প্রশ্ন.....                                                           | 102 |
| ২০২৫ সালের MCQ-তে আসা CrPC প্রশ্ন.....                                                | 102 |
| ২০২৬ পরীক্ষার পূর্বাভাস (CrPC) .....                                                  | 102 |
| অধ্যায় ৯: CrPC-র মেমোরি টেকনিকের চূড়ান্ত সংকলন.....                                 | 103 |
| সুপার চার্ট: গুরুত্বপূর্ণ CrPC Section .....                                          | 103 |
| মনে রাখার গল্প: রহিমের গ্রেফতার থেকে মুক্তি পর্যন্ত .....                             | 103 |
| অধ্যায় ১০: The Penal Code, 1860 - বাংলাদেশের ফৌজদারি আইনের মূল.....                  | 104 |
| Penal Code কী?.....                                                                   | 104 |
| Penal Code-এর কাঠামো .....                                                            | 104 |
| অধ্যায় ১১: Penal Code-এর সাধারণ ব্যতিক্রম (General Exceptions) - মুক্তির রাস্তা..... | 105 |
| Section 76 - আইনের ভুল বিশ্বাস .....                                                  | 105 |
| Section 79 - তথ্যের ভুল বিশ্বাস .....                                                 | 105 |
| Section 80 - দুর্ঘটনা .....                                                           | 105 |
| Section 81 - বড় বিপদ এড়াতে ছোট ক্ষতি .....                                          | 106 |
| Section 82 এবং 83 - শিশু অপরাধী .....                                                 | 106 |
| Section 84 - উন্মাদ ব্যক্তি .....                                                     | 106 |
| Section 85 এবং 86 - মদ্যপানের প্রভাব .....                                            | 107 |
| Section 96 থেকে 106 - সরকারি প্রতিরক্ষা (Right of Private Defence) .....              | 107 |
| অধ্যায় ১২: অপরাধে অংশগ্রহণ (Participation in Crime) .....                            | 108 |
| Section 34 - Common Intention (সাধারণ উদ্দেশ্য) .....                                 | 108 |
| Section 107 - অপরাধে সহায়তা (Abetment).....                                          | 109 |
| Section 120A এবং 120B - অপরাধমূলক ষড়যন্ত্র .....                                     | 109 |
| অধ্যায় ১৩: ব্যক্তির বিরুদ্ধে অপরাধ (Offences Against Person) .....                   | 110 |
| Section 299 এবং 300 - হত্যার আইন.....                                                 | 110 |
| Section 302 - হত্যার শাস্তি .....                                                     | 111 |
| Section 304 - Culpable Homicide-এর শাস্তি.....                                        | 111 |
| Section 307 - হত্যার চেষ্টা .....                                                     | 112 |



|                                                                           |     |
|---------------------------------------------------------------------------|-----|
| অধ্যায় ১৪: আঘাতের অপরাধ (Offences Relating to Hurt).....                 | 112 |
| Section 319 - Hurt (আঘাত) .....                                           | 112 |
| Section 320 - Grievous Hurt (গুরুতর আঘাত).....                            | 112 |
| Section 323 এবং 325 - আঘাতের শাস্তি.....                                  | 113 |
| অধ্যায় ১৫: যৌন অপরাধ (Sexual Offences).....                              | 113 |
| Section 375 - ধর্ষণ .....                                                 | 113 |
| Section 354 - নারীর মর্যাদাহানি .....                                     | 113 |
| অধ্যায় ১৬: সম্পত্তির বিরুদ্ধে অপরাধ (Offences Against Property).....     | 114 |
| Section 378 - চুরি (Theft).....                                           | 114 |
| Section 383 - চাঁদাবাজি (Extortion).....                                  | 114 |
| Section 390 - ডাকাতি (Robbery).....                                       | 114 |
| Section 391 - ডাকাতি দল (Dacoity).....                                    | 115 |
| অধ্যায় ১৭: বিশ্বাস ভঙ্গ এবং প্রতারণা (Breach of Trust and Cheating)..... | 115 |
| Section 405 - বিশ্বাসভঙ্গ (Criminal Breach of Trust) .....                | 115 |
| Section 415 - প্রতারণা (Cheating).....                                    | 115 |
| অধ্যায় ১৮: অন্যান্য গুরুত্বপূর্ণ অপরাধ.....                              | 116 |
| Section 441 - অবৈধ প্রবেশ (Criminal Trespass) .....                       | 116 |
| Section 463 - জালিয়াতি (Forgery) .....                                   | 116 |
| Section 499 - মানহানি (Defamation).....                                   | 116 |
| Section 503 - ফৌজদারি ভয়ভীতি (Criminal Intimidation).....                | 117 |
| অধ্যায় ১৯: অবৈধ জনতা (Unlawful Assembly) এবং দাঙ্গা .....                | 117 |
| Section 141 - অবৈধ জনতা (Unlawful Assembly).....                          | 117 |
| অধ্যায় ২০: Penal Code-এর শাস্তির প্রকারভেদ .....                         | 118 |
| Section 53 - শাস্তির প্রকার .....                                         | 118 |
| অধ্যায় ২১: Penal Code-এর সাথে IR এবং রাজনীতির মজার সংযোগ.....            | 118 |
| অধ্যায় ২১ক: আন্তর্জাতিক সম্পর্কের সাথে Penal Code.....                   | 118 |
| অধ্যায় ২২: Penal Code-এর বিগত সালের প্রশ্ন বিশ্লেষণ .....                | 119 |
| ২০১৫ সালের Penal Code প্রশ্ন.....                                         | 119 |



|                                                                        |     |
|------------------------------------------------------------------------|-----|
| ২০১৬ সালের Penal Code প্রশ্ন .....                                     | 119 |
| ২০১৭ সালের Penal Code প্রশ্ন .....                                     | 119 |
| ২০১৮ সালের Penal Code প্রশ্ন .....                                     | 120 |
| ২০১৯ সালের Penal Code প্রশ্ন .....                                     | 120 |
| ২০২১ সালের Penal Code প্রশ্ন .....                                     | 120 |
| ২০২৩ সালের Penal Code প্রশ্ন .....                                     | 120 |
| ২০২৫ সালের পরীক্ষায় Penal Code থেকে আসা প্রশ্ন .....                  | 120 |
| অধ্যায় ২৩: ২০২৬ পরীক্ষার পূর্বাভাস (CrPC এবং Penal Code) .....        | 121 |
| CrPC থেকে সম্ভাব্য প্রশ্ন ২০২৬ .....                                   | 121 |
| Penal Code থেকে সম্ভাব্য প্রশ্ন ২০২৬ .....                             | 121 |
| অধ্যায় ২৪: CrPC এবং Penal Code-এর তুলনামূলক বিশ্লেষণ .....            | 121 |
| দুটি আইনের মধ্যে সম্পর্ক .....                                         | 121 |
| বাস্তব জীবনের উদাহরণ .....                                             | 122 |
| অধ্যায় ২৫: মেমোরি টেকনিকের চূড়ান্ত সংকলন (CrPC এবং Penal Code) ..... | 122 |
| সংখ্যার সাথে অর্থের যোগসূত্র - CrPC .....                              | 122 |
| সংখ্যার সাথে অর্থের যোগসূত্র - Penal Code .....                        | 122 |
| অধ্যায় ২৬: CrPC এবং Penal Code-এর প্র্যাকটিস প্রশ্ন .....             | 123 |
| অধ্যায় ২৭: CrPC এবং Penal Code-এ বাংলাদেশের বিশেষ আইনের সংযোগ .....   | 124 |
| নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইন ২০০০ .....                                | 124 |
| ডিজিটাল নিরাপত্তা আইন ২০১৮ এবং Cyber Security Act ২০২৩ .....           | 124 |
| দুর্নীতি দমন আইন এবং Penal Code-এর সংযোগ .....                         | 124 |
| অধ্যায় ২৮: CrPC-র Special Provisions .....                            | 125 |
| Section 144 - জরুরি আদেশ .....                                         | 125 |
| Section 197 - বিচারক ও সরকারি কর্মচারীর বিচার .....                    | 125 |
| অধ্যায় ২৯: পার্ট ২-এর চূড়ান্ত বিভাগ .....                            | 125 |
| CrPC-র জন্য ১৫টি সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ বিষয় .....                      | 125 |
| Penal Code-এর জন্য ২০টি সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ বিষয় .....               | 126 |
| অধ্যায় ৩০: বিশেষ জোক এবং মজার উদাহরণ - চূড়ান্ত সংকলন .....           | 126 |



|                                                                                                                              |     |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| জোক ১: Section 300 এবং ট্রাম্প-বাইডেন.....                                                                                   | 126 |
| জোক ২: Section 34 এবং G7.....                                                                                                | 126 |
| জোক ৩: Dacoity এবং BRICS .....                                                                                               | 126 |
| জোক ৪: Section 144 এবং UN Security Council.....                                                                              | 127 |
| জোক ৫: FIR এবং UN Resolution .....                                                                                           | 127 |
| জোক ৬: Section 497 WAS ফর্মুলা এবং Diplomacy .....                                                                           | 127 |
| অধ্যায় ৩১: পার্ট ২-এর সারসংক্ষেপ.....                                                                                       | 127 |
| অধ্যায় ৩২: পরীক্ষার কৌশল (MCQ-র জন্য).....                                                                                  | 128 |
| CrPC MCQ-তে কৌশল.....                                                                                                        | 128 |
| Penal Code MCQ-তে কৌশল .....                                                                                                 | 128 |
| সময় ব্যবস্থাপনা .....                                                                                                       | 128 |
| অধ্যায় ৩৩: পরীক্ষার আগে যা পড়বে (Last Minute Tips).....                                                                    | 129 |
| পরিশেষে.....                                                                                                                 | 129 |
| পরিশিষ্ট: CrPC এবং Penal Code-এর গুরুত্বপূর্ণ তুলনা সারণী.....                                                               | 130 |
| CrPC-র গুরুত্বপূর্ণ Section এবং বিষয় .....                                                                                  | 130 |
| Penal Code-এর গুরুত্বপূর্ণ Section এবং বিষয় .....                                                                           | 130 |
| বিশেষ সংযোজন: ২০২৫ সালের MCQ পরীক্ষা থেকে শিক্ষা.....                                                                        | 131 |
| পার্ট ৩: The Evidence Act 1872, The Specific Relief Act 1877, The Limitation Act 1908 এবং Professional Ethics সম্পূর্ণ ..... | 132 |
| লেখকের ভূমিকা.....                                                                                                           | 132 |
| অধ্যায় ১: The Evidence Act, 1872 - সম্পূর্ণ ভূমিকা.....                                                                     | 132 |
| Evidence Act কী এবং কেন পড়বে? .....                                                                                         | 132 |
| Evidence Act-এর মূল কাঠামো.....                                                                                              | 133 |
| Section 3 - গুরুত্বপূর্ণ সংজ্ঞাসমূহ.....                                                                                     | 133 |
| Section 5 - Evidence may be given of facts in issue and relevant facts.....                                                  | 134 |
| অধ্যায় ২: প্রাসঙ্গিকতার বিভিন্ন ধরন.....                                                                                    | 134 |
| Section 6 - Res Gestae .....                                                                                                 | 134 |
| Section 7 - Facts which are the occasion, cause or effect of facts in issue .....                                            | 135 |
| Section 8 - Motive, Preparation and Previous or Subsequent Conduct.....                                                      | 135 |



|                                                                                                                         |     |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| Section 9 - Facts necessary to explain or introduce relevant facts.....                                                 | 136 |
| Section 10 - Things said or done by conspirator in reference to common design .....                                     | 136 |
| Section 11 - Alibi এবং Facts inconsistent with facts in issue .....                                                     | 136 |
| Section 13 - ধারা সম্পর্কে স্বীকৃতি.....                                                                                | 137 |
| Section 14 - Facts showing state of mind, or of body, or bodily feeling .....                                           | 137 |
| Section 17 থেকে 31 - Admissions (স্বীকারোক্তি).....                                                                     | 137 |
| Section 24 থেকে 30 - Confessions (স্বীকারোক্তি - ফৌজদারি মামলায়) .....                                                 | 138 |
| অধ্যায় ৩: Dying Declaration এবং অন্যান্য বিশেষ বিধান .....                                                             | 140 |
| Section 32 - Statements of relevant fact by person who is dead or cannot be found .....                                 | 140 |
| Section 33 - Relevancy of certain evidence for proving in subsequent proceeding the truth of facts therein stated ..... | 141 |
| Section 34 - Entries in books of account.....                                                                           | 141 |
| Section 35 - Relevancy of entry in public record or electronic record made in performance of duty.....                  | 142 |
| অধ্যায় ৪: Expert Opinion এবং Character Evidence .....                                                                  | 142 |
| Section 45 থেকে 51 - Opinion of Experts (বিশেষজ্ঞ মতামত).....                                                           | 142 |
| Section 52 থেকে 55 - Character (চরিত্র).....                                                                            | 143 |
| অধ্যায় ৫: Oral এবং Documentary Evidence .....                                                                          | 143 |
| Section 59 - Proof of facts by oral evidence .....                                                                      | 143 |
| Section 61 থেকে 90 - Documentary Evidence.....                                                                          | 144 |
| Section 74 থেকে 78 - Public Documents .....                                                                             | 145 |
| অধ্যায় ৬: Presumptions (ধারণা) .....                                                                                   | 145 |
| Presumptions কী?.....                                                                                                   | 145 |
| Section 79 থেকে 90 - Presumptions as to documents.....                                                                  | 146 |
| অধ্যায় ৭: Burden of Proof এবং Estoppel .....                                                                           | 147 |
| Section 101 থেকে 114 - Burden of Proof (প্রমাণের দায়) .....                                                            | 147 |
| Section 107 এবং 108 - Presumption of life and death.....                                                                | 149 |
| Section 115 - Estoppel.....                                                                                             | 149 |
| অধ্যায় ৮: Witnesses এবং Examination.....                                                                               | 150 |
| Section 118 - Who may testify? .....                                                                                    | 150 |



|                                                                                               |     |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| Section 119 - Dumb witnesses .....                                                            | 150 |
| Section 120 - Parties to civil suit, and their wives or husbands .....                        | 150 |
| Section 121 - Judges and Magistrates .....                                                    | 150 |
| Section 122 - Communications during marriage.....                                             | 151 |
| Section 123 থেকে 132 - Privileged Communications.....                                         | 151 |
| Section 133 - Accomplice .....                                                                | 151 |
| Section 145 - Cross-examination as to previous statements in writing .....                    | 152 |
| Section 146 - Questions lawful in cross-examination .....                                     | 152 |
| অধ্যায় ৯: পরীক্ষায় সর্বোচ্চ আসা Evidence Act-এর প্রশ্নের বিষয়সমূহ.....                     | 152 |
| সারসংক্ষেপ চার্ট .....                                                                        | 152 |
| সব মিলিয়ে Evidence Act-এর মূল ১০টি টেকনিক.....                                               | 152 |
| অধ্যায় ১০: The Specific Relief Act, 1877 .....                                               | 153 |
| ভূমিকা - Specific Relief Act কেন গুরুত্বপূর্ণ? .....                                          | 153 |
| SRA-র মূল কাঠামো.....                                                                         | 154 |
| Section 5 এবং 6 - সম্পত্তি দখল উদ্ধার .....                                                   | 154 |
| Section 9 - Defences respecting suits for relief based on contract .....                      | 154 |
| Section 10 - Cases in which specific performance of contract enforceable.....                 | 154 |
| Section 14 - Contracts not specifically enforceable.....                                      | 155 |
| Section 15 - Who may obtain specific performance .....                                        | 156 |
| Section 16 - Who cannot obtain specific performance.....                                      | 156 |
| Section 19 - Relief against parties and persons claiming under them by subsequent title ..... | 156 |
| Section 20 - Discretion as to decreeing specific performance.....                             | 156 |
| Section 21 থেকে 25 - Rectification, Rescission, Cancellation.....                             | 156 |
| Section 34 - Discretion of Court as to Declaratory decrees.....                               | 157 |
| Section 37 থেকে 55 - Injunctions.....                                                         | 157 |
| SRA-র শেষ গুরুত্বপূর্ণ Section - Section 55.....                                              | 159 |
| SRA-র পূর্ণাঙ্গ চিত্র .....                                                                   | 159 |
| অধ্যায় ১১: The Limitation Act, 1908 .....                                                    | 160 |
| ভূমিকা - সময়ের আইন .....                                                                     | 160 |
| Section 3 - Bar of limitation .....                                                           | 161 |





|                                                                                            |     |
|--------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| Section 4 - Expiry of prescribed period when court is closed .....                         | 161 |
| Section 5 - Extension of prescribed period in certain cases.....                           | 161 |
| Section 6 - Legal disability.....                                                          | 161 |
| Section 12 - Exclusion of time in legal proceedings.....                                   | 161 |
| Section 14 - Exclusion of time of proceeding bona fide in court without jurisdiction ..... | 161 |
| Section 15 - Exclusion of time in certain other cases .....                                | 161 |
| Section 16 - Effect of death on or before accrual of right to sue.....                     | 162 |
| Section 18 - Effect of acknowledgment in writing.....                                      | 162 |
| Section 19 - Effect of payment on account of debt or of interest on legacy .....           | 162 |
| Section 22 - Continuing breaches and torts .....                                           | 162 |
| গুরুত্বপূর্ণ Limitation Periods (সময়সীমা).....                                            | 162 |
| অধ্যায় ১২: Professional Ethics এবং Bar Council Order.....                                 | 163 |
| কেন Professional Ethics পড়বে? .....                                                       | 163 |
| Bangladesh Bar Council Order, 1972 .....                                                   | 163 |
| Bar Council-এর গঠন .....                                                                   | 163 |
| Enrollment-এর যোগ্যতা.....                                                                 | 164 |
| Misconduct - অসদাচরণ .....                                                                 | 164 |
| Bar Council Disciplinary Proceedings .....                                                 | 165 |
| Duties of an Advocate .....                                                                | 165 |
| Bar Council Rules .....                                                                    | 165 |
| Pupillage বা Pupil Advocate.....                                                           | 166 |
| অধ্যায় ১৩: বিশেষ বিষয় - Legal Decisions এবং Reports.....                                 | 166 |
| Legal Decisions কী?.....                                                                   | 166 |
| Law Reports কী? .....                                                                      | 166 |
| গুরুত্বপূর্ণ Legal Concepts .....                                                          | 167 |
| অধ্যায় ১৪: বিগত পরীক্ষার প্রশ্নের বিশ্লেষণ এবং ভবিষ্যৎ পরীক্ষার পূর্বাভাস.....            | 167 |
| ২০২৫ সালের MCQ পরীক্ষার বিশ্লেষণ .....                                                     | 167 |
| ২০২৬ সালের পরীক্ষার পূর্বাভাস .....                                                        | 168 |
| অধ্যায় ১৫: আন্তর্জাতিক রাজনীতির সাথে Evidence Act, SRA এবং Limitation Act-এর সংযোগ .....  | 168 |



|                                                                                           |     |
|-------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| জোক ১: Evidence Act এবং WikiLeaks .....                                                   | 168 |
| জোক ২: Specific Performance এবং JCPOA.....                                                | 168 |
| জোক ৩: Limitation Act এবং Israel-Palestine.....                                           | 168 |
| জোক ৪: Estoppel এবং Putin.....                                                            | 169 |
| জোক ৫: Dying Declaration এবং সাম্প্রতিক বাংলাদেশ.....                                     | 169 |
| জোক ৬: Professional Ethics এবং আন্তর্জাতিক প্রেক্ষাপট .....                               | 169 |
| জোক ৭: Burden of Proof এবং UN Security Council .....                                      | 169 |
| অধ্যায় ১৬: তুলনামূলক বিশ্লেষণ - গুরুত্বপূর্ণ পার্থক্য মনে রাখো.....                      | 169 |
| Confession বনাম Admission .....                                                           | 169 |
| Primary Evidence বনাম Secondary Evidence.....                                             | 169 |
| Temporary Injunction বনাম Perpetual Injunction .....                                      | 170 |
| Specific Performance বনাম Injunction.....                                                 | 170 |
| Dying Declaration বনাম Deathbed Statement .....                                           | 170 |
| অধ্যায় ১৭: পরীক্ষা কৌশল - Evidence Act, SRA, Limitation Act এবং Professional Ethics..... | 170 |
| MCQ-তে কৌশল.....                                                                          | 170 |
| Elimination Method (বাদ দেওয়ার পদ্ধতি).....                                              | 171 |
| Written পরীক্ষার কৌশল.....                                                                | 171 |
| অধ্যায় ১৮: সাম্প্রতিক পরিবর্তন এবং ২০২৬ সালের পরীক্ষার জন্য বিশেষ নোট.....               | 172 |
| ডিজিটাল Evidence-এর গুরুত্ব বৃদ্ধি .....                                                  | 172 |
| আইনি সংস্কারের প্রেক্ষাপট .....                                                           | 172 |
| ICT এবং আইনজীবী .....                                                                     | 172 |
| অধ্যায় ১৯: সম্পূর্ণ রিভিশন - পার্ট ৩-এর সারসংক্ষেপ.....                                  | 172 |
| Evidence Act-এর শীর্ষ ২০টি বিষয়.....                                                     | 173 |
| SRA-র শীর্ষ ১০টি বিষয়.....                                                               | 174 |
| Limitation Act-এর শীর্ষ ৭টি বিষয় .....                                                   | 174 |
| Professional Ethics-এর শীর্ষ ৫টি বিষয়.....                                               | 175 |
| অধ্যায় ২০: শেষ কথা এবং পরীক্ষার আগের রাতের পড়া.....                                     | 175 |
| পরীক্ষার আগের রাতে কী পড়বে .....                                                         | 175 |



|                                                                                                    |     |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| শেষ একটি গল্প .....                                                                                | 175 |
| পরিশিষ্ট ১: Evidence Act-এর সম্পূর্ণ গুরুত্বপূর্ণ Section তালিকা .....                             | 176 |
| পরিশিষ্ট ২: SRA-র সম্পূর্ণ গুরুত্বপূর্ণ Section তালিকা .....                                       | 177 |
| পরিশিষ্ট ৩: Limitation Act-এর সম্পূর্ণ গুরুত্বপূর্ণ Section তালিকা .....                           | 178 |
| পরিশিষ্ট ৪: Professional Ethics-এর সম্পূর্ণ গুরুত্বপূর্ণ বিষয় তালিকা .....                        | 178 |
| পরিশিষ্ট ৫: সমস্ত মনে রাখার ফর্মুলার তালিকা .....                                                  | 179 |
| পরিশিষ্ট ৬: সবচেয়ে মজার জোকগুলোর সারসংক্ষেপ .....                                                 | 180 |
| পার্ট ৪: The Code of Criminal Procedure, 1898 (সম্পূর্ণ) এবং The Penal Code, 1860 (সম্পূর্ণ) ..... | 180 |
| পার্ট ৪-এর ভূমিকা .....                                                                            | 181 |
| অধ্যায় ১: The Code of Criminal Procedure, 1898 (CrPC) - প্রথম পরিচয় .....                        | 181 |
| CrPC কী এবং কেন এটা পড়তে হবে? .....                                                               | 181 |
| CrPC-র ইতিহাস ও মূল তথ্য .....                                                                     | 182 |
| CrPC-র মূল কাঠামো .....                                                                            | 182 |
| অধ্যায় ২: CrPC-র সংজ্ঞা এবং আদালত ব্যবস্থা .....                                                  | 183 |
| Section 4 - সংজ্ঞাসমূহ .....                                                                       | 183 |
| Cognizable বনাম Non-cognizable (পরীক্ষায় সবচেয়ে বেশি আসে) .....                                  | 183 |
| Section 6 - আদালতের শ্রেণী বিভাগ .....                                                             | 184 |
| Sessions Court-এর ক্ষমতা .....                                                                     | 184 |
| Magistrate-এর ক্ষমতা (পরীক্ষায় বেশি আসে) .....                                                    | 185 |
| অধ্যায় ৩: FIR - পরীক্ষার সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ বিষয় .....                                         | 185 |
| FIR কী? .....                                                                                      | 185 |
| Section 154 - FIR .....                                                                            | 186 |
| FIR-এর গুরুত্বপূর্ণ বৈশিষ্ট্য .....                                                                | 186 |
| FIR-এর আইনি গুরুত্ব (Evidence হিসেবে) .....                                                        | 186 |
| Charge Sheet (চার্জশীট) .....                                                                      | 187 |
| অধ্যায় ৪: গ্রেফতার (Arrest) - CrPC-র হৃদয় .....                                                  | 187 |
| গ্রেফতার কী? .....                                                                                 | 187 |
| Section 46 - গ্রেফতারের পদ্ধতি .....                                                               | 187 |



|                                                                   |     |
|-------------------------------------------------------------------|-----|
| Section 49 - গ্রেফতারের পরে কী করতে হবে? .....                    | 188 |
| Section 54 - বিনা ওয়ারেন্টে গ্রেফতার .....                       | 188 |
| Section 61 - গ্রেফতারের পরে ২৪ ঘণ্টার নিয়ম .....                 | 188 |
| অধ্যায় ৫: জামিন (Bail) - পরীক্ষার সোনার খনি .....                | 189 |
| জামিন কী? .....                                                   | 189 |
| বিভিন্ন ধরনের জামিন .....                                         | 189 |
| Section 496 - Bailable offence-এ জামিন .....                      | 189 |
| Section 497 - Non-bailable offence-এ জামিন .....                  | 189 |
| Section 498 - High Court Division-এর জামিনের ক্ষমতা .....         | 190 |
| জামিনের শর্ত .....                                                | 190 |
| অধ্যায় ৬: Inquest এবং তদন্ত - Section 174 এবং 176 .....          | 191 |
| Section 174 - Inquest (মৃত্যু তদন্ত) .....                        | 191 |
| Section 176 - Magistrate কর্তৃক Inquest .....                     | 191 |
| অধ্যায় ৭: Charge (অভিযোগ) এবং Charge Framing .....               | 191 |
| Charge কী? .....                                                  | 191 |
| Section 221 - একাধিক Charge .....                                 | 192 |
| Section 241A - Charge Framing .....                               | 192 |
| অধ্যায় ৮: বিচার প্রক্রিয়া - তিন ধরনের Trial .....               | 192 |
| তিন ধরনের Trial মনে রাখো .....                                    | 192 |
| Summons Trial (Section 251-259) .....                             | 192 |
| Warrant Trial (Section 238-250) .....                             | 193 |
| Sessions Trial (Section 265A-265L) .....                          | 193 |
| অধ্যায় ৯: Confession এবং Statement - CrPC-র দৃষ্টিকোণ থেকে ..... | 193 |
| Confession to Magistrate (Section 164) .....                      | 193 |
| Section 164-এর অধীনে Statement .....                              | 194 |
| অধ্যায় ১০: আপিল এবং রিভিশন .....                                 | 194 |
| আপিল কোথায় করে? .....                                            | 194 |
| Section 435 - Revision .....                                      | 194 |
| Section 439 - High Court-এর Revisional Power .....                | 195 |



|                                                                            |     |
|----------------------------------------------------------------------------|-----|
| অধ্যায় ১১: CrPC-ৰ বিশেষ গুরুত্বপূৰ্ণ Sections .....                       | 195 |
| Section 144 - এলাকায় শান্তি ৰক্ষাৰ আদেশ .....                             | 195 |
| Section 133 - Nuisance দূৰ কৰাৰ আদেশ .....                                 | 195 |
| Section 107 - ঝামেলা প্ৰতিৰোধ .....                                        | 196 |
| Section 127 - সমাবেশ ছত্ৰভঙ্গ কৰাৰ আদেশ .....                              | 196 |
| অধ্যায় ১২: CrPC-ৰ সম্পূৰ্ণ Shortcut Summary .....                         | 196 |
| CrPC-ৰ শীৰ্ষ ২৫টি Section (পৰীক্ষাৰ জন্য) .....                            | 196 |
| অধ্যায় ১৩: The Penal Code, 1860 - পৰিচয় এবং সাধাৰণ বিধান .....           | 198 |
| Penal Code কী? .....                                                       | 198 |
| Penal Code-এৰ মূল কাঠামো .....                                             | 198 |
| অধ্যায় ১৪: Penal Code-এৰ সংজ্ঞা এবং সাধাৰণ ব্যাখ্যা .....                 | 198 |
| Section 11 - কে "Person"? .....                                            | 198 |
| Section 17 - "Government" .....                                            | 199 |
| Section 21 - "Public Servant" (পৰীক্ষায় গুরুত্বপূৰ্ণ) .....               | 199 |
| Section 34 - Common Intention (যৌথ অভিপ্ৰায়) .....                        | 199 |
| Section 34 এবং Section 149-এৰ পাৰ্থক্য (পৰীক্ষায় প্ৰায়ই আসে) .....       | 200 |
| Section 35 এবং 36 - একাধিক ব্যক্তিৰ অপৰাধে শাস্তি .....                    | 200 |
| অধ্যায় ১৫: General Exceptions - Chapter IV (পৰীক্ষাৰ সোনাৰ ভান্ডাৰ) ..... | 200 |
| Section 76 - Mistake of Fact .....                                         | 200 |
| Section 78 - আদালতৰ আদেশ মেনে কাজ .....                                    | 201 |
| Section 79 - Mistake of Fact .....                                         | 201 |
| Section 80 - দুৰ্ঘটনা .....                                                | 201 |
| Section 81 - প্ৰয়োজনীয়তা .....                                           | 201 |
| Section 82 - শিশুৰ অপৰাধ .....                                             | 202 |
| Section 83 - শিশুৰ বিচাৰ্য অপৰাধ .....                                     | 202 |
| Section 84 - মানসিক অসুস্থতা (Unsoundness of Mind) .....                   | 202 |
| Section 85 - মাদকাসক্তি (Intoxication) .....                               | 202 |
| Section 87 - সম্মতি .....                                                  | 203 |



|                                                                             |     |
|-----------------------------------------------------------------------------|-----|
| Section 96-106 - আত্মরক্ষা (Right of Private Defence) .....                 | 203 |
| অধ্যায় ১৬: হত্যা সংক্রান্ত অপরাধ - Chapter XVI.....                        | 204 |
| Section 299 - Culpable Homicide (দণ্ডযোগ্য নরহত্যা) .....                   | 204 |
| Section 300 - Murder (হত্যা).....                                           | 204 |
| Culpable Homicide এবং Murder-এর পার্থক্য (পরীক্ষায় সবচেয়ে বেশি আসে) ..... | 205 |
| Section 300-এর Exceptions (বিশেষ ব্যতিক্রম) .....                           | 205 |
| Section 302 - Murder-এর শাস্তি .....                                        | 206 |
| Section 304 - Culpable Homicide-এর শাস্তি.....                              | 206 |
| অধ্যায় ১৭: শারীরিক আঘাত সংক্রান্ত অপরাধ .....                              | 206 |
| Section 319 - Hurt (আঘাত) .....                                             | 206 |
| Section 320 - Grievous Hurt (গুরুতর আঘাত) .....                             | 206 |
| অধ্যায় ১৮: সম্পত্তির বিরুদ্ধে অপরাধ .....                                  | 207 |
| Section 378 - Theft (চুরি).....                                             | 207 |
| Section 383 - Extortion (চাঁদাবাজি).....                                    | 208 |
| Section 390 - Robbery (ডাকাতি).....                                         | 208 |
| Section 391 - Dacoity (দলগত ডাকাতি).....                                    | 208 |
| Section 403 - Dishonest Misappropriation .....                              | 208 |
| Section 405 - Criminal Breach of Trust .....                                | 208 |
| Section 415 - Cheating (প্রতারণা) .....                                     | 209 |
| অধ্যায় ১৯: ধর্ষণ এবং নারীর বিরুদ্ধে অপরাধ.....                             | 209 |
| Section 375 - Rape (ধর্ষণ).....                                             | 209 |
| Section 376 - Rape-এর শাস্তি.....                                           | 210 |
| Section 494 - Bigamy (বহুবিবাহ) .....                                       | 210 |
| Section 498 - Enticing Married Women.....                                   | 210 |
| অধ্যায় ২০: রাষ্ট্রের বিরুদ্ধে অপরাধ - Chapter VI.....                      | 210 |
| Section 121 - বাংলাদেশের বিরুদ্ধে যুদ্ধ.....                                | 210 |
| Section 124A - Sedition (রাষ্ট্রদ্রোহ) .....                                | 210 |
| অধ্যায় ২১: Conspiracy এবং Abetment .....                                   | 211 |





|                                                                          |     |
|--------------------------------------------------------------------------|-----|
| Section 107 - Abetment (সহায়তা).....                                    | 211 |
| Section 120A - Criminal Conspiracy.....                                  | 211 |
| Section 34 এবং Section 120B-এর পার্থক্য.....                             | 211 |
| অধ্যায় ২২: Penal Code-এর শর্টকাট Summary.....                           | 212 |
| Penal Code-এর শীর্ষ ৩০টি Section.....                                    | 212 |
| অধ্যায় ২৩: তুলনামূলক বিশ্লেষণ - CrPC এবং Penal Code.....                | 213 |
| CrPC বনাম Penal Code.....                                                | 214 |
| Magistrate-এর ক্ষমতার তুলনামূলক চার্ট .....                              | 214 |
| অধ্যায় ২৪: বিগত পরীক্ষার সম্পূর্ণ প্রশ্ন বিশ্লেষণ.....                  | 214 |
| ২০২৫ সালের MCQ পরীক্ষার CrPC এবং Penal Code অংশ .....                    | 214 |
| ২০২৩ সালের পরীক্ষার প্রশ্ন.....                                          | 215 |
| ২০২১ সালের পরীক্ষার প্রশ্ন.....                                          | 215 |
| অধ্যায় ২৫: Mock Test - CrPC.....                                        | 216 |
| CrPC-এর Mock MCQ (২০ প্রশ্ন) .....                                       | 216 |
| অধ্যায় ২৬: Mock Test - Penal Code.....                                  | 222 |
| Penal Code-এর Mock MCQ (২০ প্রশ্ন).....                                  | 222 |
| অধ্যায় ২৭: সাম্প্রতিক ঘটনা এবং আইনের সংযোগ .....                        | 228 |
| ২০২৪-২০২৬ সালের বাংলাদেশ পরিস্থিতি এবং CrPC/Penal Code .....             | 228 |
| ২০২৫ সালের আন্তর্জাতিক ঘটনা এবং বাংলাদেশের আইন .....                     | 228 |
| অধ্যায় ২৮: Written পরীক্ষার জন্য CrPC এবং Penal Code প্রস্তুতি.....     | 229 |
| Written পরীক্ষার কার্যামো.....                                           | 229 |
| CrPC Written-এর জন্য সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ প্রশ্নগুলো.....                | 229 |
| Penal Code Written-এর জন্য সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ প্রশ্নগুলো .....         | 229 |
| অধ্যায় ২৯: আন্তর্জাতিক রাজনীতির সাথে CrPC এবং Penal Code-এর সংযোগ ..... | 230 |
| জোক ১ - Section 34 এবং NATO .....                                        | 230 |
| জোক ২ - Section 84 এবং ট্রাম্পের বক্তব্য.....                            | 230 |
| জোক ৩ - Dacoity এবং G7 .....                                             | 230 |
| জোক ৪ - Section 144 এবং ভারতের কান্দী.....                               | 230 |



|                                                                                                                                                  |     |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| জোক ৫ - Section 124A এবং গণমাধ্যমের স্বাধীনতা.....                                                                                               | 231 |
| জোক ৬ - Section 302 এবং Drone Strike.....                                                                                                        | 231 |
| জোক ৭ - Right of Private Defence এবং Israel-Palestine .....                                                                                      | 231 |
| অধ্যায় ৩০: CrPC এবং Penal Code-এর তুলনামূলক পার্থক্য মনে রাখো.....                                                                              | 231 |
| বিষয়ভিত্তিক পার্থক্যের সারণি .....                                                                                                              | 231 |
| অধ্যায় ৩১: ২০২৬ সালের পরীক্ষার পূর্বাভাস .....                                                                                                  | 232 |
| CrPC থেকে যা আসতে পারে.....                                                                                                                      | 232 |
| Penal Code থেকে যা আসতে পারে .....                                                                                                               | 232 |
| অধ্যায় ৩২: বিশেষ আইন যা পরীক্ষায় আসে.....                                                                                                      | 233 |
| Women and Children Repression Prevention Act, 2000 .....                                                                                         | 233 |
| Nari o Shishu Nirjatan Daman Ain (নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইন) .....                                                                            | 233 |
| Anti-Terrorism Act, 2009 .....                                                                                                                   | 233 |
| অধ্যায় ৩৩: সম্পূর্ণ রিভিশন - পার্ট ৪-এর সারসংক্ষেপ.....                                                                                         | 233 |
| CrPC-র শীর্ষ ১৫টি মনে রাখার বিষয় .....                                                                                                          | 233 |
| Penal Code-র শীর্ষ ১৫টি মনে রাখার বিষয়.....                                                                                                     | 234 |
| অধ্যায় ৩৪: মনে রাখার সম্পূর্ণ ফর্মুলার তালিকা .....                                                                                             | 235 |
| CrPC-র ফর্মুলা .....                                                                                                                             | 235 |
| Penal Code-এর ফর্মুলা .....                                                                                                                      | 235 |
| অধ্যায় ৩৫: পরীক্ষার আগের রাতের পড়া - পার্ট ৪ .....                                                                                             | 236 |
| CrPC থেকে পরীক্ষার আগের রাতে কী পড়বে.....                                                                                                       | 236 |
| Penal Code থেকে পরীক্ষার আগের রাতে কী পড়বে .....                                                                                                | 236 |
| অধ্যায় ৩৬: শেষ কথা এবং অনুপ্রেরণা.....                                                                                                          | 236 |
| পরিশিষ্ট - পার্ট ৪: CrPC এবং Penal Code-এর সম্পূর্ণ Section তালিকা.....                                                                          | 237 |
| CrPC-র গুরুত্বপূর্ণ Section এবং পরীক্ষায় আসার বছর.....                                                                                          | 237 |
| Penal Code-র গুরুত্বপূর্ণ Section এবং পরীক্ষায় আসার বছর .....                                                                                   | 238 |
| পার্ট ৫: The Evidence Act, 1872 (গভীর বিশ্লেষণ), Penal Code-এর উল্লত অধ্যায়, CrPC-র বিশেষ<br>বিষয়, Viva প্রস্তুতি এবং সম্পূর্ণ Mock Test ..... | 241 |
| পার্ট ৫-এর ভূমিকা .....                                                                                                                          | 241 |



|                                                                           |     |
|---------------------------------------------------------------------------|-----|
| অধ্যায় ১: Evidence Act-এর উন্নত বিশ্লেষণ - যেটা পার্ট ৩-এ বলা হয়নি..... | 241 |
| Evidence Act-এর মূল দর্শন .....                                           | 241 |
| Section 3 - সংজ্ঞার গভীর বিশ্লেষণ .....                                   | 241 |
| Section 5 - প্রাসঙ্গিক Fact-এর বিস্তারিত বিশ্লেষণ .....                   | 242 |
| Section 6 - Res Gestae (ঘটনার অংশ হিসেবে তথ্য).....                       | 242 |
| Section 7, 8, 9 - কারণ, প্রস্তুতি এবং পরিচয় .....                        | 243 |
| Section 10 - Conspiracy-র ক্ষেত্রে তথ্যের প্রাসঙ্গিকতা.....               | 243 |
| Section 11 - Alibi (ভিন্নস্থানে উপস্থিতির দাবি).....                      | 244 |
| অধ্যায় ২: Confession-এর সম্পূর্ণ বিশ্লেষণ .....                          | 244 |
| Confession কী?.....                                                       | 244 |
| Section 24 - Inadmissible Confession .....                                | 244 |
| Section 25 - Police Confession .....                                      | 244 |
| Section 26 - Police Custody-তে Confession .....                           | 245 |
| Section 27 - Discovery Statement.....                                     | 245 |
| Section 28 - Confession After Removal of Inducement .....                 | 246 |
| Section 29 - Confession Otherwise Relevant Not to Become Irrelevant.....  | 246 |
| Section 30 - Confession by Co-accused .....                               | 246 |
| অধ্যায় ৩: Dying Declaration-এর সম্পূর্ণ বিশ্লেষণ.....                    | 246 |
| Section 32(1) - Dying Declaration .....                                   | 246 |
| Dying Declaration-এর আইনি শক্তি .....                                     | 247 |
| অধ্যায় ৪: Expert Opinion - Section 45 .....                              | 247 |
| Section 45 - Expert Opinion কী?.....                                      | 247 |
| Expert Opinion-এর গুরুত্ব .....                                           | 247 |
| Section 45A - Digital Evidence-এ Expert Opinion .....                     | 248 |
| অধ্যায় ৫: Documentary Evidence-এর বিস্তারিত বিশ্লেষণ .....               | 248 |
| Section 62 - Primary Evidence .....                                       | 248 |
| Section 63 - Secondary Evidence .....                                     | 248 |
| Section 65 - কখন Secondary Evidence গ্রহণযোগ্য? .....                     | 249 |
| Section 74 এবং 75 - Public এবং Private Documents .....                    | 249 |



|                                                                         |     |
|-------------------------------------------------------------------------|-----|
| অধ্যায় ৬: Burden of Proof-এর সম্পূর্ণ বিশ্লেষণ .....                   | 250 |
| Section 101 - প্রমাণের দায়িত্ব .....                                   | 250 |
| Section 102 - Burden of Proof কখন স্থানান্তরিত হয়? .....               | 250 |
| Section 103 - নির্দিষ্ট তথ্যের প্রমাণ .....                             | 250 |
| Section 105 - General Exception-এ Burden of Proof .....                 | 250 |
| অধ্যায় ৭: Presumption - Section 79 থেকে 90 .....                       | 251 |
| Presumption কী? .....                                                   | 251 |
| Section 79 - Certified Copies .....                                     | 251 |
| Section 82 - Maps and Charts .....                                      | 251 |
| Section 83 - Books .....                                                | 251 |
| Section 89 - Telegraphic Presumption .....                              | 251 |
| Section 90 - ৩০ বছরের পুরনো দলিল (পরীক্ষায় সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ) ..... | 251 |
| অধ্যায় ৮: Estoppel-এর সম্পূর্ণ বিশ্লেষণ .....                          | 252 |
| Section 115 - Estoppel কী? .....                                        | 252 |
| Estoppel-এর উদাহরণ .....                                                | 252 |
| Section 116 - Tenant's Estoppel .....                                   | 253 |
| অধ্যায় ৯: Privileged Communications - Lawyer-Client এবং অন্যান্য ..... | 253 |
| Section 126 - Attorney-Client Privilege .....                           | 253 |
| Section 122 - Marital Communication (বিবাহিত সম্পর্কের কথোপকথন) .....   | 253 |
| Section 123 - Public Interest (রাষ্ট্রীয় নথি) .....                    | 253 |
| অধ্যায় ১০: Examination of Witnesses - সাক্ষী পরীক্ষা .....             | 254 |
| Evidence Act-এ সাক্ষী পরীক্ষার তিন ধাপ .....                            | 254 |
| Section 137 - Examination-in-Chief .....                                | 254 |
| Section 145 - Cross Examination .....                                   | 254 |
| Leading Questions .....                                                 | 254 |
| অধ্যায় ১১: Penal Code-এর উল্লত বিষয় .....                             | 255 |
| Wrongful Restraint এবং Wrongful Confinement .....                       | 255 |
| Section 350 - Criminal Force .....                                      | 255 |
| Section 351 - Assault .....                                             | 255 |



|                                                                            |     |
|----------------------------------------------------------------------------|-----|
| Section 361 - Kidnapping from Lawful Guardianship .....                    | 256 |
| Section 362 - Abduction.....                                               | 256 |
| অধ্যায় ১২: CrPC-র বিশেষ বিষয় যা পাট ৪-এ বলা হয়নি.....                   | 256 |
| Section 200 - Complaint Magistrate-এর কাছে.....                            | 256 |
| Section 202 - Postponement of Issue of Process.....                        | 256 |
| Section 204 - Issue of Process .....                                       | 256 |
| Section 265J - Plea Bargaining .....                                       | 257 |
| Section 155 - Non-cognizable Offence-এ পুলিশের ভূমিকা .....                | 257 |
| অধ্যায় ১৩: Professional Ethics-এর উন্নত বিশ্লেষণ.....                     | 257 |
| Advocate-এর বিভিন্ন ধরনের কর্তব্য .....                                    | 257 |
| Conflict of Interest .....                                                 | 258 |
| Bar Council-এর শৃঙ্খলামূলক ক্ষমতা.....                                     | 259 |
| অধ্যায় ১৪: ভাইভা পরীক্ষার প্রস্তুতি .....                                 | 259 |
| ভাইভা কী এবং কীভাবে হয়? .....                                             | 259 |
| ভাইভাতে সবচেয়ে বেশি জিজ্ঞেস করা প্রশ্নগুলো .....                          | 259 |
| ভাইভাতে নিজেকে কীভাবে উপস্থাপন করবে .....                                  | 261 |
| অধ্যায় ১৫: সম্পূর্ণ Full Mock Test - ১০০ প্রশ্ন .....                     | 261 |
| Section 1: CPC - ২০টি প্রশ্ন .....                                         | 261 |
| Section 2: SRA - ১০টি প্রশ্ন .....                                         | 267 |
| Section 3: CrPC - ২০টি প্রশ্ন .....                                        | 270 |
| Section 4: Penal Code - ২০টি প্রশ্ন .....                                  | 276 |
| Section 5: Evidence Act - ১৫টি প্রশ্ন .....                                | 282 |
| Section 6: Professional Ethics - ৫টি প্রশ্ন.....                           | 287 |
| Section 7: Limitation Act - ১০টি মিশ্র প্রশ্ন .....                        | 288 |
| অধ্যায় ১৬: আরো উন্নত বিশ্লেষণ - যেটা পরীক্ষায় আসে কিন্তু বই কম বলে ..... | 291 |
| Section 112 Evidence Act - Legitimacy (জন্মের বৈধতা) .....                 | 291 |
| Section 74A - Books of Accounts .....                                      | 292 |
| Section 91-92 - Documentary Evidence এবং Oral Evidence-এর সম্পর্ক.....     | 292 |
| Section 156-166 - Compellability of Witnesses .....                        | 292 |



|                                                                                                              |     |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| Hostile Witness .....                                                                                        | 292 |
| অধ্যায় ১৭: সাম্প্রতিক ঘটনা এবং ২০২৬ সালের পূর্বাভাস .....                                                   | 293 |
| ২০২৫-২০২৬ সালের আইনি পরিবেশ .....                                                                            | 293 |
| ২০২৬ সালের পরীক্ষায় কী আসতে পারে? .....                                                                     | 293 |
| অধ্যায় ১৮: তুলনামূলক আইন বিশ্লেষণ .....                                                                     | 293 |
| বাংলাদেশ বনাম ভারত .....                                                                                     | 293 |
| অধ্যায় ১৯: রাজনীতি এবং আইনের সংযোগের বিশেষ অধ্যায় .....                                                    | 294 |
| ২০২৫-২০২৬ সালের আন্তর্জাতিক ঘটনা এবং বাংলাদেশের আইন .....                                                    | 294 |
| অধ্যায় ২০: সম্পূর্ণ Revision Chart - পার্ট ৫ .....                                                          | 295 |
| সব বিষয়ের এক পাতার Summary .....                                                                            | 295 |
| সব গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যা একসাথে .....                                                                          | 295 |
| অধ্যায় ২১: Written পরীক্ষার নমুনা উত্তর .....                                                               | 296 |
| নমুনা প্রশ্ন ১: Evidence Act-এর Section 25 এবং Section 27-এর মধ্যে সম্পর্ক এবং পার্থক্য আলোচনা<br>করো। ..... | 296 |
| নমুনা প্রশ্ন ২: Specific Performance কী এবং কখন দেওয়া যায় এবং যায় না? .....                               | 297 |
| নমুনা প্রশ্ন ৩: Right of Private Defence বর্ণনা করো এবং কখন হত্যা করা যায়? .....                            | 297 |
| অধ্যায় ২২: পরীক্ষার আগের ৪৮ ঘণ্টার পরিকল্পনা .....                                                          | 298 |
| পরীক্ষার দুই দিন আগে (৪৮ ঘণ্টা বাকি) .....                                                                   | 298 |
| পরীক্ষার দিন সকালে .....                                                                                     | 298 |
| অধ্যায় ২৩: শেষ কথা - পার্ট ৫ .....                                                                          | 298 |
| পরিশিষ্ট - পার্ট ৫: সম্পূর্ণ ফর্মুলার তালিকা .....                                                           | 299 |
| সব ফর্মুলা একসাথে .....                                                                                      | 299 |
| পরিশিষ্ট ২: সব গুরুত্বপূর্ণ সালের তালিকা .....                                                               | 300 |
| পার্ট ৬: অ্যাডভান্সড টপিকস, গভীর বিশ্লেষণ, সম্পূর্ণ মক টেস্ট এবং বিশেষ আইনি কৌশল .....                       | 301 |
| লেখকের কথা - পার্ট ৬ শুরুর আগে .....                                                                         | 301 |
| অধ্যায় ১: The Limitation Act, 1908 - সময়ের আইন, সুযোগের শেষ দরজা .....                                     | 301 |
| Limitation Act কেন এত গুরুত্বপূর্ণ? .....                                                                    | 302 |
| Limitation Act-এর মূল কাঠামো .....                                                                           | 302 |



|                                                                                                                |     |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| Section 3 - Time Bar (সময় অতিক্রান্ত মামলা বাতিল) .....                                                       | 302 |
| Section 4 - Expiry on Holiday (ছুটির দিনে শেষ হলে কী হবে?) .....                                               | 302 |
| Section 5 - Extension of Prescribed Period in Certain Cases (বিশেষ ক্ষেত্রে সময় বাড়ানো) .....                | 303 |
| Section 6 - Legal Disability (আইনি অক্ষমতা) .....                                                              | 303 |
| Section 14 - Exclusion of Time in Computing Period of Limitation (সময় গণনায় বাদ দেওয়া) .....                | 304 |
| Section 18 - Effect of Acknowledgment in Writing (লিখিত স্বীকৃতির প্রভাব) .....                                | 304 |
| Section 19 - Effect of Part-Payment (আংশিক পরিশোধের প্রভাব) .....                                              | 304 |
| গুরুত্বপূর্ণ সময়সীমার তালিকা (Schedule 1-এর মূল বিষয়) .....                                                  | 304 |
| Limitation Act এর সাথে CPC-র সংযোগ .....                                                                       | 305 |
| অধ্যায় ২: CPC-র গভীর বিষয় - যেগুলো সবাই এড়িয়ে যায় .....                                                   | 305 |
| Order 21 - Execution of Decrees (ডিক্রি জারি) .....                                                            | 305 |
| Order 21 Rule 22 - Notice before Execution (জারির আগে নোটিশ) .....                                             | 305 |
| Order 21 Rule 37 - Arrest and Detention (গ্রেফতার ও আটক) .....                                                 | 306 |
| Order 21 Rule 58 - Claim to Attached Property (হ্রাসকৃত সম্পত্তিতে তৃতীয় পক্ষের দাবি) .....                   | 306 |
| Order 22 - Death, Marriage and Insolvency of Parties (মৃত্যু, বিবাহ ও দেউলিয়া) .....                          | 306 |
| Order 23 - Withdrawal and Adjustment of Suits (মামলা প্রত্যাহার) .....                                         | 306 |
| Order 26 - Commission (কমিশন) .....                                                                            | 307 |
| Section 89 - Settlement of Disputes Outside the Court (আদালতের বাইরে বিরোধ মীমাংসা) .....                      | 307 |
| অধ্যায় ৩: CrPC-র গভীর বিষয় - রহস্যময় ধারাগুলো .....                                                         | 307 |
| Section 164 - Recording of Confession (স্বীকারোক্তি লিপিবদ্ধ করা) .....                                        | 308 |
| Section 167 - Procedure When Investigation Cannot Be Completed in 24 Hours (২৪ ঘন্টায় তদন্ত শেষ না হলে) ..... | 308 |
| Section 173 - Police Report (পুলিশ প্রতিবেদন) .....                                                            | 309 |
| Section 190 - Cognizance of Offences by Magistrates (ম্যাজিস্ট্রেটের আমলে নেওয়া) .....                        | 309 |
| Section 200 - Examination of Complainant (অভিযোগকারীর পরীক্ষা) .....                                           | 309 |
| Section 265 - Charge কী এবং কীভাবে হয়? .....                                                                  | 309 |
| Section 342 - Power to Examine Accused (অভিযুক্তকে পরীক্ষার ক্ষমতা) .....                                      | 310 |
| Section 374 - Appeal from Conviction (দণ্ডের বিরুদ্ধে আপিল) .....                                              | 310 |





|                                                                                                           |     |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| Section 401 - Power of High Court to Call for Records (হাই কোর্টের Revisional Jurisdiction) .....         | 310 |
| অধ্যায় ৪: Penal Code-এর গভীর বিষয় - অপরাধের রহস্য .....                                                 | 310 |
| Section 34 - Acts Done by Several Persons in Furtherance of Common Intention (সাধারণ অভিপ্রায়ে কাজ)..... | 310 |
| Section 120A - Criminal Conspiracy (অপরাধমূলক ষড়যন্ত্র).....                                             | 311 |
| Section 124A - Sedition (রাষ্ট্রদ্রোহ).....                                                               | 311 |
| Section 302 এবং Section 304 - Murder এবং Culpable Homicide (হত্যা এবং অপরাধমূলক নরহত্যা) .....            | 312 |
| Section 380 - Theft in Dwelling House (বাসস্থানে চুরি).....                                               | 312 |
| Section 392 থেকে Section 402 - Robbery এবং Dacoity (ডাকাতি).....                                          | 313 |
| Section 405 - Criminal Breach of Trust (বিশ্বাসভঙ্গ).....                                                 | 313 |
| Section 420 - Cheating (প্রতারণা) .....                                                                   | 313 |
| Section 489A থেকে 489E - Counterfeit Currency (জাল মুদ্রা) .....                                          | 313 |
| অধ্যায় ৫: Evidence Act-এর গভীর বিষয় - সাক্ষ্যের শিল্প .....                                             | 314 |
| Section 45 - Expert Evidence (বিশেষজ্ঞ সাক্ষ্য).....                                                      | 314 |
| Section 62 - Primary Evidence (প্রাথমিক সাক্ষ্য).....                                                     | 314 |
| Section 63 - Secondary Evidence (গৌণ সাক্ষ্য).....                                                        | 314 |
| Section 91 - Evidence of Terms of Contract, Grants, etc. (চুক্তির শর্তের সাক্ষ্য) .....                   | 315 |
| Section 101 - Burden of Proof (প্রমাণের দায়).....                                                        | 315 |
| Section 105 - Burden of Proof in Exception Cases (ব্যতিক্রমের ক্ষেত্রে দায়).....                         | 315 |
| Section 108 - Burden of Proving Death (মৃত্যু প্রমাণের দায়).....                                         | 316 |
| Section 112 - Birth During Marriage Conclusive Proof of Legitimacy (বৈধতার প্রমাণ).....                   | 316 |
| Section 115 - Estoppel (বাধা সৃষ্টি).....                                                                 | 316 |
| Section 122 - Communications During Marriage (বিবাহকালীন যোগাযোগ).....                                    | 317 |
| Section 126 - Professional Communications (পেশাদার যোগাযোগ) .....                                         | 317 |
| অধ্যায় ৬: The Specific Relief Act, 1877 - গভীর বিশ্লেষণ.....                                             | 317 |
| SRA-র নতুন দিক যা অনেকে মিস করে .....                                                                     | 317 |
| Section 9 - Recovery of Specific Immovable Property (স্বাবর সম্পত্তি পুনরুদ্ধার).....                     | 317 |
| Section 21 - Power to Award Compensation (ক্ষতিপূরণ দেওয়ার ক্ষমতা) .....                                 | 318 |



|                                                                                      |     |
|--------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| Section 34 - Declaratory Decree (ঘোষণামূলক ডিক্রি) .....                             | 318 |
| Section 38 - Perpetual Injunction (স্থায়ী নিষেধাজ্ঞা) .....                         | 318 |
| Section 39 - Mandatory Injunction (বাধ্যতামূলক নিষেধাজ্ঞা) .....                     | 318 |
| Section 41 - Injunction When Cannot Be Granted (নিষেধাজ্ঞা না দেওয়ার ক্ষেত্র) ..... | 319 |
| অধ্যায় ৭: Professional Ethics এবং Bar Council Order - গভীর আলোচনা .....             | 319 |
| Bangladesh Bar Council Order, 1972 (রাষ্ট্রপতির আদেশ নং ৪৬) .....                    | 319 |
| Bar Council Rules, 1972 .....                                                        | 319 |
| Misconduct কী? (গভীর আলোচনা) .....                                                   | 320 |
| Duties of an Advocate (আইনজীবীর দায়িত্ব) .....                                      | 320 |
| Contempt of Court (আদালত অবমাননা) .....                                              | 321 |
| অধ্যায় ৮: বিশেষ আইন এবং সাম্প্রতিক বিষয় - ২০২৫-২০২৬ .....                          | 321 |
| Muslim Family Laws Ordinance, 1961 (মুসলিম পারিবারিক আইন) .....                      | 321 |
| The Artha Rin Adalat Ain, 2003 (অর্থঋণ আদালত আইন) .....                              | 322 |
| The Negotiable Instruments Act, 1881 (আলোচ্য দলিল আইন) .....                         | 322 |
| Digital Security Act, 2018 এবং Cyber Security Act, 2023 .....                        | 322 |
| অধ্যায় ৯: সম্পূর্ণ Mock MCQ Test - ১০০ প্রশ্ন .....                                 | 323 |
| CPC অংশ - ২০ প্রশ্ন .....                                                            | 323 |
| SRA অংশ - ১০ প্রশ্ন .....                                                            | 325 |
| CrPC অংশ - ২০ প্রশ্ন .....                                                           | 326 |
| Penal Code অংশ - ২০ প্রশ্ন .....                                                     | 329 |
| Evidence Act অংশ - ১৫ প্রশ্ন .....                                                   | 331 |
| Professional Ethics অংশ - ৫ প্রশ্ন .....                                             | 333 |
| বিবিধ - ১০ প্রশ্ন (Limitation Act এবং অন্যান্য) .....                                | 334 |
| অধ্যায় ১০: Written পরীক্ষার জন্য উন্নত প্রস্তুতি .....                              | 335 |
| নমুনা প্রশ্ন ও উত্তর - Advanced Level .....                                          | 335 |
| অধ্যায় ১১: ২০২৫-২০২৬ পরীক্ষার জন্য বিশেষ পূর্বাভাস .....                            | 338 |
| সম্ভাব্য প্রশ্নের তালিকা .....                                                       | 338 |
| ২০২৬ সালের জন্য নতুন বিষয় .....                                                     | 338 |



|                                                                                               |     |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| অধ্যায় ১২: আন্তর্জাতিক সম্পর্ক এবং বাংলাদেশের আইন - বিশেষ পর্ব.....                          | 339 |
| ২০২৫ সালের বড় ঘটনা এবং আইনি পার্ট.....                                                       | 339 |
| অধ্যায় ১৩: সেকশন নম্বরের গভীর মনে রাখার কৌশল.....                                            | 340 |
| সংখ্যার ছন্দ এবং গল্প.....                                                                    | 340 |
| সংখ্যার গল্পের পদ্ধতি.....                                                                    | 341 |
| অধ্যায় ১৪: রাজনৈতিক জোকের মাধ্যমে আইন মনে রাখা - বিশেষ সংকলন.....                            | 341 |
| সেরা ১০টি জোক যা আইন শেখায়.....                                                              | 341 |
| অধ্যায় ১৫: সমস্ত আইনের তুলনামূলক চার্ট.....                                                  | 343 |
| একনজরে সব আইনের মূল বিষয়.....                                                                | 343 |
| মহা-সংখ্যার তালিকা.....                                                                       | 344 |
| অধ্যায় ১৬: বিশেষ প্রশ্ন-উত্তর পর্ব - ট্রিকি প্রশ্ন.....                                      | 344 |
| যে প্রশ্নগুলো সবাই ভুল করে.....                                                               | 345 |
| অধ্যায় ১৭: সম্পূর্ণ রিভিশন - দ্রুত পড়ার জন্য.....                                           | 346 |
| ১ পাতায় সব বিষয়.....                                                                        | 346 |
| অধ্যায় ১৮: পার্ট ৬-এর বিশেষ উপহার - গুরুত্বপূর্ণ Cases.....                                  | 347 |
| বাংলাদেশের গুরুত্বপূর্ণ মামলা এবং নীতি.....                                                   | 347 |
| আন্তর্জাতিক Cases যা বাংলাদেশের আইনের মতো.....                                                | 347 |
| অধ্যায় ১৯: পার্ট ৬-এর সমাপনী পর্যালোচনা.....                                                 | 348 |
| পার্ট ৬-এ কী পড়লে?.....                                                                      | 348 |
| পার্ট ৬-এর সেরা ৫টি নতুন ফর্মুলা.....                                                         | 348 |
| পরিশিষ্ট - পার্ট ৬: সম্পূর্ণ বিষয়সূচির তালিকা.....                                           | 348 |
| পার্ট ৭: সম্পত্তি আইন, চুক্তি আইন, পারিবারিক আইন, বিশেষ আইন এবং সম্পূর্ণ ভাইভা প্রস্তুতি..... | 349 |
| পার্ট ৭-এ স্বাগতম.....                                                                        | 349 |
| অধ্যায় ১: Transfer of Property Act, 1882 (সম্পত্তি হস্তান্তর আইন).....                       | 350 |
| বড় ছবিটা আগে বোঝো.....                                                                       | 350 |
| TP Act-এর মূল কাঠামো.....                                                                     | 350 |
| Section 5 TP Act - Transfer of Property-র সংজ্ঞা (পরীক্ষায় বেশি আসে).....                    | 351 |
| Section 5-এর শর্তগুলো (LIFT ফর্মুলা).....                                                     | 351 |



|                                                                                  |     |
|----------------------------------------------------------------------------------|-----|
| Section 6 TP Act - কোন সম্পত্তি Transfer করা যায় না.....                        | 351 |
| Section 8 TP Act - Transfer সম্পূর্ণ হলে কী পাস হয়.....                         | 352 |
| Section 54 TP Act - Sale (বিক্রয়ের সংজ্ঞা).....                                 | 352 |
| Section 54-এর গুরুত্বপূর্ণ বিভাজন (পরীক্ষায় প্রায়ই আসে).....                   | 353 |
| Section 58 TP Act - Mortgage (বন্ধক).....                                        | 353 |
| Mortgage-এর ছয় প্রকার (পরীক্ষায় সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ).....                     | 354 |
| Section 100 TP Act - Charge (দায়বদ্ধতা).....                                    | 355 |
| Section 105 TP Act - Lease (ইজারা).....                                          | 355 |
| Section 106 TP Act - Lease Termination (কতদিন নোটিশ লাগে).....                   | 355 |
| Section 118 TP Act - Exchange (বিনিময়).....                                     | 356 |
| Section 122 TP Act - Gift (দান).....                                             | 356 |
| Section 123 TP Act - Gift-এর Formalities (নিয়মাবলী).....                        | 357 |
| Section 126 TP Act - Revocation of Gift (দান প্রত্যাহার).....                    | 357 |
| TP Act-এর তুলনামূলক চার্ট.....                                                   | 357 |
| অধ্যায় ২: Registration Act, 1908 (নিবন্ধন আইন).....                             | 357 |
| Registration Act-এর পরিচয়.....                                                  | 357 |
| Section 17 Registration Act - বাধ্যতামূলক নিবন্ধন (Compulsory Registration)..... | 358 |
| Section 18 Registration Act - ঐচ্ছিক নিবন্ধন (Optional Registration).....        | 358 |
| Section 49 Registration Act - নিবন্ধন না করলে কী হয়.....                        | 358 |
| Section 23 Registration Act - নিবন্ধনের সময়সীমা.....                            | 359 |
| অধ্যায় ৩: Contract Act, 1872 (চুক্তি আইন).....                                  | 359 |
| Contract Act কেন পড়তে হবে.....                                                  | 359 |
| Contract-এর মূল উপাদান (AOCLL ফর্মুলা).....                                      | 359 |
| Section 2 Contract Act - গুরুত্বপূর্ণ সংজ্ঞা.....                                | 360 |
| Section 10 Contract Act - কখন Agreement Contract হয়.....                        | 360 |
| Section 13-22 - Consent এবং Free Consent.....                                    | 360 |
| Section 23 Contract Act - Unlawful Consideration and Object.....                 | 361 |
| Section 29-30 - Void Agreement এবং Wagering.....                                 | 361 |



|                                                                                       |     |
|---------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| Section 37-67 - Performance of Contract (চুক্তি পালন).....                            | 362 |
| Section 68-72 - Quasi Contracts (অর্ধচুক্তি).....                                     | 362 |
| অধ্যায় ৪: Muslim Family Laws Ordinance, 1961 (MFLO) - বিস্তারিত.....                 | 362 |
| MFLO কেন গুরুত্বপূর্ণ.....                                                            | 362 |
| MFLO Section 3 - Union Council-এ নিবন্ধন.....                                         | 362 |
| MFLO Section 4 - উত্তরাধিকার (Succession) .....                                       | 363 |
| MFLO Section 6 - Polygamy (বহুবিবাহ).....                                             | 363 |
| MFLO Section 7 - Talaq (তালাক) .....                                                  | 364 |
| MFLO Section 8 এবং 9 - Dower এবং Maintenance (মোহর ও ভরণপোষণ) .....                   | 364 |
| অধ্যায় ৫: Negotiable Instruments Act, 1881 (NI Act).....                             | 364 |
| NI Act পরীক্ষায় কেন আসে .....                                                        | 365 |
| Section 13 NI Act - Negotiable Instrument-এর সংজ্ঞা.....                              | 365 |
| Section 4 এবং 5 NI Act - Promissory Note এবং Bill of Exchange.....                    | 365 |
| Section 6 NI Act - Cheque-এর সংজ্ঞা .....                                             | 365 |
| Section 138 NI Act - Dishonour of Cheque (চেক প্রত্যাখ্যান) .....                     | 365 |
| অধ্যায় ৬: Artha Rin Adalat Ain, 2003 (অর্থ ঋণ আদালত আইন) .....                       | 366 |
| কেন পড়তে হবে.....                                                                    | 366 |
| মূল বিধান.....                                                                        | 366 |
| অধ্যায় ৭: Nari O Shishu Nirjatan Daman Ain, 2000 (নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইন)..... | 366 |
| কেন পড়তে হবে.....                                                                    | 367 |
| মূল Section-গুলো.....                                                                 | 367 |
| অধ্যায় ৮: Hindu Personal Law (হিন্দু ব্যক্তিগত আইন).....                             | 367 |
| প্রাথমিক ধারণা.....                                                                   | 367 |
| অধ্যায় ৯: Cyber Security Act, 2023 এবং Digital Evidence .....                        | 367 |
| নতুন আইনের প্রাসঙ্গিকতা.....                                                          | 367 |
| Digital Evidence এবং Evidence Act .....                                               | 368 |
| অধ্যায় ১০: সম্পূর্ণ Viva-Voce প্রস্তুতি.....                                         | 368 |
| Viva-Voce কী এবং কেন গুরুত্বপূর্ণ.....                                                | 368 |



|                                                                   |     |
|-------------------------------------------------------------------|-----|
| Viva-Voce-এর সাধারণ কার্ণামো.....                                 | 368 |
| Viva-র সবচেয়ে সাধারণ প্রশ্ন এবং উত্তর.....                       | 369 |
| Viva-র জন্য বিশেষ প্রস্তুতি টিপস.....                             | 370 |
| Viva-র সর্বোচ্চ আসা প্রশ্নগুলোর তালিকা (২০১৫-২০২৫) .....          | 370 |
| অধ্যায় ১১: ২০২৬ সালের পরীক্ষার সম্পূর্ণ Prediction Set .....     | 370 |
| বিশ্লেষণের ভিত্তি.....                                            | 371 |
| CPC থেকে ২০২৬-এর Prediction.....                                  | 371 |
| CrPC থেকে ২০২৬-এর Prediction .....                                | 371 |
| Penal Code থেকে ২০২৬-এর Prediction.....                           | 371 |
| Evidence Act থেকে ২০২৬-এর Prediction .....                        | 372 |
| SRA থেকে ২০২৬-এর Prediction.....                                  | 372 |
| TP Act থেকে ২০২৬-এর Prediction.....                               | 372 |
| অধ্যায় ১২: বিগত বছরের সম্পূর্ণ প্রশ্ন বিশ্লেষণ (২০১৫-২০২৫) ..... | 372 |
| CPC-র বিগত প্রশ্ন প্যাটার্ন.....                                  | 372 |
| CrPC-র বিগত প্রশ্ন প্যাটার্ন.....                                 | 373 |
| Penal Code-এর বিগত প্রশ্ন প্যাটার্ন.....                          | 373 |
| Evidence Act-এর বিগত প্রশ্ন প্যাটার্ন .....                       | 373 |
| অধ্যায় ১৩: সম্পূর্ণ Mock MCQ Test - Part 2 (১০০ প্রশ্ন) .....    | 373 |
| CPC অংশ (২০ প্রশ্ন) .....                                         | 373 |
| SRA অংশ (১০ প্রশ্ন) .....                                         | 376 |
| CrPC অংশ (২০ প্রশ্ন).....                                         | 377 |
| Penal Code অংশ (২০ প্রশ্ন) .....                                  | 380 |
| Evidence Act অংশ (১৫ প্রশ্ন).....                                 | 383 |
| Professional Ethics অংশ (৫ প্রশ্ন) .....                          | 385 |
| বিবিধ আইন (১০ প্রশ্ন).....                                        | 385 |
| অধ্যায় ১৪: Written পরীক্ষার উন্নত নমুনা প্রশ্ন ও উত্তর.....      | 387 |
| নমুনা প্রশ্ন ১: TP Act থেকে (২০২৩ Written Pattern) .....          | 387 |
| নমুনা প্রশ্ন ২: Contract Act থেকে (২০২৫ Written Pattern) .....    | 387 |



|                                                                                                                                                       |     |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| নমুনা প্রশ্ন ৩: MFLO থেকে (২০২১ Written Pattern) .....                                                                                                | 388 |
| অধ্যায় ১৫: রাজনৈতিক জোক সংকলন - পার্ট ৭ .....                                                                                                        | 389 |
| পার্ট ৭-এর সেরা ১০টি জোক .....                                                                                                                        | 389 |
| অধ্যায় ১৬: গভীর বিশ্লেষণ - সবচেয়ে কঠিন Tricky প্রশ্ন .....                                                                                          | 391 |
| যে প্রশ্নগুলো ৯০% পরীক্ষার্থী ভুল করেন .....                                                                                                          | 391 |
| অধ্যায় ১৭: সংখ্যা ও সময়সীমার মহাসংকলন .....                                                                                                         | 392 |
| পার্ট ৭-এ নতুন সংখ্যা তালিকা .....                                                                                                                    | 392 |
| অধ্যায় ১৮: সাম্প্রতিক বাংলাদেশের আইনি পরিবর্তন এবং পরীক্ষার প্রাসঙ্গিকতা .....                                                                       | 393 |
| ২০২৪-২০২৫ সালের গুরুত্বপূর্ণ পরিবর্তন .....                                                                                                           | 393 |
| ২০২৬ সালের পরীক্ষায় নতুন Pattern-এর সম্ভাবনা .....                                                                                                   | 393 |
| অধ্যায় ১৯: সম্পূর্ণ রিভিশন - পার্ট ৭ .....                                                                                                           | 394 |
| ১ পাতায় পার্ট ৭-এর সব বিষয় .....                                                                                                                    | 394 |
| অধ্যায় ২০: পার্ট ৭-এর সমাপনী .....                                                                                                                   | 394 |
| পার্ট ৭-এ কী শিখলে .....                                                                                                                              | 394 |
| পার্ট ৭-এর সেরা নতুন ফর্মুলা .....                                                                                                                    | 395 |
| পরিশিষ্ট - পার্ট ৭: সম্পূর্ণ বিষয়সূচির তালিকা .....                                                                                                  | 395 |
| শেষ কথা .....                                                                                                                                         | 396 |
| পার্ট ৮: হিন্দু আইন, তালাক আইন, খ্রিষ্টান বিবাহ আইন, অভিভাবকত্ব আইন, উত্তরাধিকার আইন, ওয়াকফ অধ্যাদেশ<br>এবং রিটেন পরীক্ষার মেগা প্র্যাকটিস সেট ..... | 396 |
| লেখকের কথা (পার্ট ৮ শুরু করার আগে) .....                                                                                                              | 396 |
| অধ্যায় ১: হিন্দু আইনের পরিচয় এবং উৎস .....                                                                                                          | 397 |
| হিন্দু আইন কী? .....                                                                                                                                  | 397 |
| হিন্দু আইনের উৎস (পরীক্ষায় আসে) .....                                                                                                                | 397 |
| হিন্দু আইনের দুটি প্রধান School (পরীক্ষায় গুরুত্বপূর্ণ) .....                                                                                        | 398 |
| অধ্যায় ২: হিন্দু বিবাহ আইন .....                                                                                                                     | 398 |
| হিন্দু বিবাহের বৈশিষ্ট্য .....                                                                                                                        | 399 |
| হিন্দু বিবাহের শর্ত (Conditions of Valid Hindu Marriage) .....                                                                                        | 399 |
| হিন্দু বিবাহে বিচ্ছেদ (Divorce in Hindu Law) .....                                                                                                    | 399 |





|                                                                   |     |
|-------------------------------------------------------------------|-----|
| অধ্যায় ৩: হিন্দু উত্তরাধিকার আইন .....                           | 400 |
| হিন্দু উত্তরাধিকারের মূল নীতি (Dayabhaga School অনুযায়ী) .....   | 400 |
| হিন্দু উত্তরাধিকারের শ্রেণী (Classes of Heirs) .....              | 400 |
| হিন্দু বিধবার অধিকার (Hindu Widow's Rights) .....                 | 401 |
| হিন্দু দত্তকগ্রহণ (Hindu Adoption) .....                          | 402 |
| হিন্দু ভরণপোষণ (Hindu Maintenance) .....                          | 403 |
| অধ্যায় ৪: হিন্দু যৌথ পরিবার (Hindu Joint Family) .....           | 403 |
| যৌথ পরিবার কী? .....                                              | 403 |
| অধ্যায় ৫: Divorce Act, 1869 (খ্রিষ্টান তালাক আইন) .....          | 404 |
| Divorce Act, 1869 এর পরিচয় .....                                 | 404 |
| Divorce Act-এ তালাকের ভিত্তি (Grounds for Divorce) .....          | 404 |
| Judicial Separation (বিচারিক বিচ্ছেদ) .....                       | 405 |
| Restitution of Conjugal Rights (দাম্পত্য অধিকার পুনরুদ্ধার) ..... | 406 |
| অধ্যায় ৬: Christian Marriage Act, 1872 .....                     | 406 |
| খ্রিষ্টান বিবাহ আইনের পরিচয় .....                                | 406 |
| বিবাহের পূর্বশর্ত .....                                           | 406 |
| বিবাহ সম্পন্ন করার পদ্ধতি .....                                   | 406 |
| বিবাহের বয়স .....                                                | 407 |
| অধ্যায় ৭: Guardianship and Wards Act, 1890 .....                 | 407 |
| অভিভাবকত্ব আইনের পরিচয় .....                                     | 407 |
| Guardian কে? .....                                                | 407 |
| Section 17 - Welfare of the Minor (শিশুর কল্যাণ) .....            | 408 |
| Section 19 - কখন Guardian নিয়োগ হবে না? .....                    | 409 |
| Section 25 - শিশুকে Guardian-এর কাছে ফেরত দেওয়া .....            | 409 |
| অধ্যায় ৮: The Succession Act, 1925 .....                         | 409 |
| উত্তরাধিকার আইনের পরিচয় .....                                    | 409 |
| Will বা ইচ্ছাপত্র কী? .....                                       | 410 |
| Section 59 - Will করার ক্ষমতা .....                               | 410 |



|                                                                                                                                       |     |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| Probate কী? .....                                                                                                                     | 411 |
| Letters of Administration কী? .....                                                                                                   | 411 |
| Intestate Succession (উইল ছাড়া মৃত্যুর পর উত্তরাধিকার) .....                                                                         | 411 |
| অধ্যায় ৯: Waqf Ordinance, 1962 (ওয়াকফ অধ্যাদেশ) .....                                                                               | 412 |
| ওয়াকফ কী? .....                                                                                                                      | 412 |
| ওয়াকফের শর্ত (Essentials of Valid Waqf).....                                                                                         | 412 |
| Waqf-এর প্রকারভেদ.....                                                                                                                | 413 |
| Mutawalli কে? .....                                                                                                                   | 413 |
| Waqf Administrator বনাম Mutawalli .....                                                                                               | 413 |
| অধ্যায় ১০: সম্পূর্ণ সংখ্যার মহা সংকলন (পার্ট ৮-এর নতুন সংখ্যা).....                                                                  | 414 |
| অধ্যায় ১১: রিটেন পরীক্ষার সম্পূর্ণ প্রস্তুতি .....                                                                                   | 414 |
| রিটেন পরীক্ষার কাঠামো .....                                                                                                           | 414 |
| রিটেন পরীক্ষার উত্তর লেখার কৌশল .....                                                                                                 | 415 |
| অধ্যায় ১২: CPC বিষয়ক রিটেন প্রশ্নের নমুনা উত্তর.....                                                                                | 415 |
| প্রশ্ন ১: Res Judicata এবং Stay of Suit-এর মধ্যে পার্থক্য কী? (বিগত সালে ২০১৭, ২০১৯, ২০২৩ তে বিভিন্নভাবে এসেছে) .....                 | 415 |
| প্রশ্ন ২: Temporary Injunction-এর শর্তগুলো বিস্তারিত লিখুন। (২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে বিভিন্নভাবে এসেছে) .....                     | 416 |
| প্রশ্ন ৩: Section 151 CPC-তে আদালতের Inherent Powers বলতে কী বোঝায়? (২০১৮, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে) .....                              | 417 |
| অধ্যায় ১৩: CrPC বিষয়ক রিটেন প্রশ্নের নমুনা উত্তর.....                                                                               | 418 |
| প্রশ্ন ১: FIR বা First Information Report কী? কীভাবে দাখিল করতে হয়? (২০১৭, ২০১৯, ২০২৩ সালে এসেছে) .....                              | 418 |
| প্রশ্ন ২: Bail (জামিন) কী? Bailable এবং Non-bailable অপরাধে জামিনের পার্থক্য কী? (প্রতি বছর আসে) .....                                | 419 |
| প্রশ্ন ৩: Dying Declaration (মুমূর্ষু ব্যক্তির স্বীকারোক্তি) কী? এটা সাক্ষ্য হিসেবে গ্রহণযোগ্য কি? (২০১৮, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে)..... | 420 |
| অধ্যায় ১৪: Penal Code বিষয়ক রিটেন প্রশ্নের নমুনা উত্তর.....                                                                         | 421 |
| প্রশ্ন ১: Section 34 এবং Section 149-এর পার্থক্য কী? (২০১৮, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে).....                                               | 421 |
| প্রশ্ন ২: Extortion এবং Robbery-এর পার্থক্য কী? (২০১৯, ২০২৩ সালে এসেছে) .....                                                         | 421 |



|                                                                                                                  |     |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| প্রশ্ন ৩: Cheating (Section 420) এবং Breach of Trust (Section 405)-এর পার্থক্য কী? (২০১৮, ২০২১ সালে এসেছে) ..... | 422 |
| অধ্যায় ১৫: Evidence Act বিষয়ক রিটেন প্রশ্নের নমুনা উত্তর .....                                                 | 423 |
| প্রশ্ন ১: Confession (স্বীকারোক্তি) কী? কোন Confession সাক্ষ্য হিসেবে গ্রহণযোগ্য নয়? (প্রতি বছর আসে) .....      | 423 |
| প্রশ্ন ২: Expert Evidence বলতে কী বোঝায়? কে Expert হতে পারেন? (২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে) .....               | 424 |
| অধ্যায় ১৬: Professional Ethics বিষয়ক সম্পূর্ণ প্রস্তুতি .....                                                  | 425 |
| Bar Council Order, 1972 এবং Rules, 1972 .....                                                                    | 425 |
| Bar Council-এর কাজ .....                                                                                         | 425 |
| আইনজীবীর পেশাগত দায়িত্ব .....                                                                                   | 425 |
| Conflict of Interest .....                                                                                       | 425 |
| Contempt of Court .....                                                                                          | 426 |
| অধ্যায় ১৭: ২০২৬ সালের পরীক্ষার সম্পূর্ণ Prediction Set (১০০টি MCQ) .....                                        | 426 |
| CPC অংশ (২০টি প্রশ্ন) .....                                                                                      | 426 |
| SRA অংশ (১০টি প্রশ্ন) .....                                                                                      | 432 |
| CrPC অংশ (২০টি প্রশ্ন) .....                                                                                     | 435 |
| Penal Code অংশ (২০টি প্রশ্ন) .....                                                                               | 441 |
| Evidence Act অংশ (১৫টি প্রশ্ন) .....                                                                             | 448 |
| Professional Ethics অংশ (৫টি প্রশ্ন) .....                                                                       | 452 |
| অধ্যায় ১৮: রাজনৈতিক জোক সংকলন পার্ট ৮ .....                                                                     | 454 |
| জোক ১: হিন্দু আইন এবং Brexit .....                                                                               | 454 |
| জোক ২: Dayabhaga এবং P5 দেশের Veto .....                                                                         | 454 |
| জোক ৩: GWA Section 17 এবং UN R2P .....                                                                           | 454 |
| জোক ৪: Waqf এবং Common Heritage of Mankind .....                                                                 | 454 |
| জোক ৫: Succession Act এবং সরকার পরিবর্তন .....                                                                   | 455 |
| জোক ৬: IRAC ফর্মুলা এবং UN Debate .....                                                                          | 455 |
| জোক ৭: Bail এবং P5 Immunity .....                                                                                | 455 |
| অধ্যায় ১৯: পরীক্ষার দিনের সম্পূর্ণ Strategy .....                                                               | 455 |
| MCQ পরীক্ষার দিন কী করবে? .....                                                                                  | 455 |



|                                                                                                                                                                     |     |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| রিটেন পরীক্ষার দিন কী করবে? .....                                                                                                                                   | 456 |
| Viva-Voce পরীক্ষায় কৌশল.....                                                                                                                                       | 456 |
| অধ্যায় ২০: ২০২৬ সালের পরীক্ষার বিশেষ প্রস্তুতি.....                                                                                                                | 457 |
| ২০২৬ সালের ডিসেম্বর পরীক্ষার জন্য নতুন বিষয় .....                                                                                                                  | 457 |
| ২০২৬ সালের পরীক্ষায় আসার সম্ভাবনা সবচেয়ে বেশি এমন বিষয়গুলো .....                                                                                                 | 458 |
| অধ্যায় ২১: সম্পূর্ণ পার্ট ৮-এর রিভিশন .....                                                                                                                        | 458 |
| একটি টেবিলে সব আইন .....                                                                                                                                            | 458 |
| পার্ট ৮-এর সেরা ফর্মুলাগুলো.....                                                                                                                                    | 459 |
| অধ্যায় ২২: বিশেষ বিষয় এবং গভীর বিশ্লেষণ .....                                                                                                                     | 459 |
| বিভিন্ন ধর্মীয় সম্প্রদায়ের পারিবারিক আইনের তুলনামূলক চিত্র.....                                                                                                   | 459 |
| Parsi Law সংক্ষেপ .....                                                                                                                                             | 460 |
| Special Marriage Act, 1872 .....                                                                                                                                    | 460 |
| অধ্যায় ২৩: সম্পূর্ণ Tricky প্রশ্ন বিশ্লেষণ .....                                                                                                                   | 461 |
| Tricky প্রশ্ন ১: Section 34 CPC এবং Section 34 SRA-র পার্থক্য .....                                                                                                 | 461 |
| Tricky প্রশ্ন ২: Section 115 CPC এবং Section 115 Evidence Act .....                                                                                                 | 461 |
| Tricky প্রশ্ন ৩: FIR কোথায় দেওয়া যায়? .....                                                                                                                      | 461 |
| Tricky প্রশ্ন ৪: Void Agreement এবং Voidable Contract-এর পার্থক্য.....                                                                                              | 462 |
| Tricky প্রশ্ন ৫: Culpable Homicide এবং Murder কখন গুলিয়ে যায়? .....                                                                                               | 462 |
| অধ্যায় ২৪: সংখ্যা ও সময়সীমার মহাসংকলন পার্ট ৮ (নতুন) .....                                                                                                        | 462 |
| পার্ট ৮-এর সব গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যা একসাথে .....                                                                                                                      | 462 |
| পরিশিষ্ট: পার্ট ৮-এর সম্পূর্ণ বিষয়সূচি.....                                                                                                                        | 463 |
| পার্ট ৮-এর সমাপনী.....                                                                                                                                              | 464 |
| পার্ট ৯: লিখিত পরীক্ষার সম্পূর্ণ মাস্টারক্লাস, আন্তর্জাতিক তুলনামূলক আইন বিশ্লেষণ, ২০২৬ ডিসেম্বর চূড়ান্ত Mega Mock Set এবং পার্ট ১ থেকে ৮-এর গ্র্যান্ড রিভিশন..... | 464 |
| পার্ট ৯-এর ভূমিকা: তুমি এখন শেষ যুদ্ধের দরজায় .....                                                                                                                | 465 |
| অধ্যায় ১: লিখিত পরীক্ষার সম্পূর্ণ গাইড এবং মাস্টার স্ট্র্যাটেজি .....                                                                                              | 465 |
| লিখিত পরীক্ষার কাঠামো আবার দেখো.....                                                                                                                                | 465 |
| লিখিত পরীক্ষায় কী ধরনের প্রশ্ন আসে?.....                                                                                                                           | 466 |



|                                                                                                                              |     |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| IRAC ফর্মুলা: লিখিত পরীক্ষার মহাঅস্ত্র.....                                                                                  | 466 |
| IRAC পদ্ধতির বিস্তারিত উদাহরণ.....                                                                                           | 466 |
| লিখিত পরীক্ষার সময় ব্যবস্থাপনা .....                                                                                        | 467 |
| অধ্যায় ২: CPC এর লিখিত পরীক্ষার সম্পূর্ণ নমুনা উত্তর.....                                                                   | 467 |
| প্রশ্ন ১: Temporary Injunction কী? এটা পাওয়ার শর্ত কী কী? (বিগত ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে) .....                          | 467 |
| প্রশ্ন ২: Res Judicata-র উপাদান কী কী? (২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে) .....                                 | 468 |
| প্রশ্ন ৩: Order 39-এর অধীনে Injunction এবং Specific Relief Act-এর অধীনে Injunction-এর পার্থক্য .....                         | 470 |
| প্রশ্ন ৪: Execution of Decree (ডিক্রি জারি) কীভাবে হয়? (২০১৭, ২০১৯, ২০২১ সালে এসেছে) .....                                  | 470 |
| অধ্যায় ৩: CrPC-এর লিখিত পরীক্ষার সম্পূর্ণ নমুনা উত্তর .....                                                                 | 471 |
| প্রশ্ন ১: FIR কী? FIR-এর গুরুত্ব এবং FIR রেকর্ড না করলে কী হয়? (২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে) ...                      | 471 |
| প্রশ্ন ২: Bail কী? Bail-এর বিভিন্ন প্রকারভেদ আলোচনা করো। (প্রায় প্রতি বছর আসে) .....                                        | 471 |
| প্রশ্ন ৩: Remand কী? Remand দেওয়ার বিধান আলোচনা করো। (২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে) .....                                    | 472 |
| প্রশ্ন ৪: Confession কী? Confession-এর বিভিন্ন প্রকারভেদ এবং সাক্ষ্যগত মূল্য (২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে) .....       | 473 |
| অধ্যায় ৪: Penal Code-এর লিখিত পরীক্ষার সম্পূর্ণ নমুনা উত্তর.....                                                            | 474 |
| প্রশ্ন ১: Murder এবং Culpable Homicide-এর মধ্যে পার্থক্য আলোচনা করো। (প্রায় প্রতি বছর আসে) .....                            | 474 |
| প্রশ্ন ২: Common Intention (Section 34) এবং Common Object (Section 149) এর পার্থক্য (২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে)..... | 475 |
| প্রশ্ন ৩: Abetment কী? Abetment-এর বিভিন্ন প্রকার (Section 107 থেকে 120) (২০১৭, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে) .....                 | 476 |
| অধ্যায় ৫: Evidence Act-এর লিখিত পরীক্ষার সম্পূর্ণ নমুনা উত্তর.....                                                          | 477 |
| প্রশ্ন ১: Burden of Proof কী? Burden of Proof এবং Onus of Proof-এর পার্থক্য (২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে).....         | 477 |
| প্রশ্ন ২: Hearsay Evidence কী? Hearsay Rule-এর Exception গুলো আলোচনা করো (২০১৯, ২০২১ সালে এসেছে) .....                       | 478 |
| প্রশ্ন ৩: Estoppel কী? Estoppel-এর বিভিন্ন প্রকার (Evidence Act Section 115) (২০১৮, ২০২১ সালে এসেছে) .....                   | 479 |
| অধ্যায় ৬: Specific Relief Act-এর লিখিত পরীক্ষার সম্পূর্ণ নমুনা উত্তর .....                                                  | 479 |
| প্রশ্ন ১: Specific Performance কখন পাওয়া যায়? কখন পাওয়া যায় না? (২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে) .....                | 479 |



|                                                                                         |     |
|-----------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| প্রশ্ন ২: Declaratory Decree কী? SRA Section 34 আলোচনা করো (২০১৯, ২০২১ সালে এসেছে)..... | 480 |
| অধ্যায় ৭: Professional Ethics এবং Bar Council Order-এর লিখিত নমুনা উত্তর .....         | 481 |
| প্রশ্ন ১: Bangladesh Bar Council এর গঠন এবং কার্যাবলী (প্রতি বছর আসে) .....             | 481 |
| প্রশ্ন ২: Legal Professional Ethics-এর মূল নীতি (প্রতি বছর আসে).....                    | 482 |
| অধ্যায় ৮: আন্তর্জাতিক আইন এবং তুলনামূলক বিশ্লেষণ .....                                 | 482 |
| বাংলাদেশের আইন এবং আন্তর্জাতিক আইনের সংযোগ.....                                         | 482 |
| তুলনামূলক আইন: বাংলাদেশ, ভারত এবং পাকিস্তান .....                                       | 483 |
| অধ্যায় ৯: পার্ট ১ থেকে ৮-এর Grand Revision .....                                       | 484 |
| CPC এর সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section এবং Order একসাথে .....                              | 484 |
| CrPC এর সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section একসাথে .....                                       | 484 |
| Penal Code এর সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section একসাথে.....                                  | 485 |
| Evidence Act এর সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section একসাথে .....                               | 485 |
| SRA এর সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section একসাথে .....                                        | 485 |
| অধ্যায় ১০: ২০২৬ ডিসেম্বর পরীক্ষার Mega Mock MCQ Set .....                              | 486 |
| ১০০ প্রশ্নের সম্পূর্ণ Mock Test.....                                                    | 486 |
| অধ্যায় ১১: Viva-Voce পরীক্ষার সম্পূর্ণ প্রস্তুতি .....                                 | 494 |
| Viva পরীক্ষায় কী ধরনের প্রশ্ন আসে? .....                                               | 494 |
| Viva-র সেরা উত্তর কৌশল .....                                                            | 495 |
| Viva-তে সম্ভাব্য প্রশ্ন এবং মডেল উত্তর .....                                            | 495 |
| Viva-তে আসা ট্রিকি প্রশ্নের উত্তর .....                                                 | 495 |
| অধ্যায় ১২: সংখ্যার মহা গ্র্যান্ড Revision .....                                        | 496 |
| সব আইনের সাল একসাথে .....                                                               | 496 |
| সব গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যা একসাথে .....                                                     | 496 |
| অধ্যায় ১৩: আরও গভীর বিশ্লেষণ এবং নতুন বিষয় .....                                      | 497 |
| Contract Act, 1872-এর সাথে SRA-র সম্পর্ক.....                                           | 497 |
| Transfer of Property Act, 1882 এবং CPC-র সম্পর্ক.....                                   | 498 |
| Limitation Act এবং CPC-র সম্পর্ক .....                                                  | 498 |
| অধ্যায় ১৪: সর্বশেষ আপডেট এবং ২০২৬ সালের বিশেষ প্রস্তুতি.....                           | 499 |



|                                                                                              |     |
|----------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| ২০২৫-২০২৬ সালের নতুন বিষয় যেগুলো পরীক্ষায় আসতে পারে.....                                   | 499 |
| Cyber Security Act, 2023-এর মূল বিষয়.....                                                   | 499 |
| ADR (Alternative Dispute Resolution).....                                                    | 499 |
| অধ্যায় ১৫: বিষয়ভিত্তিক গভীর বিশ্লেষণ এবং কঠিন প্রশ্নের উত্তর .....                         | 500 |
| কঠিন প্রশ্ন ১: Section 34 এবং Section 149 Penal Code একসাথে কীভাবে কাজ করে?.....             | 500 |
| কঠিন প্রশ্ন ২: Dying Declaration কখন Corroboration ছাড়া Conviction-এর ভিত্তি হতে পারে?..... | 501 |
| কঠিন প্রশ্ন ৩: Estoppel কি একটি Rule of Evidence নাকি Rule of Substantive Law? .....         | 501 |
| অধ্যায় ১৬: পরীক্ষার দিনের সম্পূর্ণ কৌশল.....                                                | 501 |
| পরীক্ষার আগের রাতের কৌশল.....                                                                | 501 |
| পরীক্ষার সকালের কৌশল.....                                                                    | 502 |
| MCQ পরীক্ষায় বিশেষ টেকনিক .....                                                             | 502 |
| অধ্যায় ১৭: সম্পূর্ণ ড্রিকি প্রশ্ন বিশ্লেষণ পার্ট ২ .....                                    | 503 |
| ড্রিকি প্রশ্ন ১: Section 34 SRA এবং Section 34 CPC এবং Section 34 Penal Code.....            | 503 |
| ড্রিকি প্রশ্ন ২: Revision CPC Section 115 এবং Revision CrPC Section 401 .....                | 503 |
| ড্রিকি প্রশ্ন ৩: Contempt of Court কোথায় আছে? .....                                         | 503 |
| ড্রিকি প্রশ্ন ৪: Plaint Rejection এবং Return-এর পার্থক্য .....                               | 503 |
| অধ্যায় ১৮: পারিবারিক আইনের গভীর রিভিশন.....                                                 | 504 |
| Muslim Family Laws Ordinance, 1961-এর গুরুত্বপূর্ণ বিধান .....                               | 504 |
| হিন্দু আইনের গভীর বিশ্লেষণ.....                                                              | 504 |
| বাংলাদেশে ধর্মনিরপেক্ষ পারিবারিক আইনের আলোচনা .....                                          | 505 |
| অধ্যায় ১৯: আরও Mock প্রশ্ন এবং বিশেষ বিষয় .....                                            | 505 |
| বিষয়ভিত্তিক কঠিন MCQ .....                                                                  | 505 |
| Section নম্বর মেলানোর বিশেষ ব্যায়াম.....                                                    | 506 |
| অধ্যায় ২০: আন্তর্জাতিক রাজনীতি এবং আইনের গল্প .....                                         | 506 |
| গল্প ১: Res Judicata এবং কাস্মীর বিরোধ.....                                                  | 506 |
| গল্প ২: Bail এবং আন্তর্জাতিক রাজনীতি.....                                                    | 507 |
| গল্প ৩: FIR এবং বাংলাদেশের রাজনৈতিক বাস্তবতা .....                                           | 507 |
| গল্প ৪: Dying Declaration এবং গোয়েন্দা কাহিনী.....                                          | 507 |





|                                                                                                                                                                               |            |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------|
| অধ্যায় ২১: চূড়ান্ত রিভিশন এবং পার্ট ৯-এর সারসংক্ষেপ .....                                                                                                                   | 507        |
| পার্ট ১ থেকে ৯-এর সম্পূর্ণ সারসংক্ষেপ .....                                                                                                                                   | 507        |
| সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ ২০টি Section (সব আইন মিলিয়ে) .....                                                                                                                      | 508        |
| শেষ মুহূর্তের সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ ট্রিকস .....                                                                                                                               | 508        |
| অধ্যায় ২২: বিশেষ রাজনৈতিক জোক সংকলন পার্ট ২ .....                                                                                                                            | 508        |
| আইনের বিষয়গুলো মনে রাখার জন্য আরও মজার গল্প .....                                                                                                                            | 508        |
| অধ্যায় ২৩: পার্ট ৯-এর নতুন বিষয় এবং ২০২৬ সালের Prediction .....                                                                                                             | 509        |
| ২০২৬ সালের পরীক্ষায় যা আসতে পারে .....                                                                                                                                       | 509        |
| ২০২৬ সালের Prediction MCQ Set (অতিরিক্ত ২৫ প্রশ্ন) .....                                                                                                                      | 510        |
| পরিশিষ্ট: পার্ট ৯-এর সম্পূর্ণ বিষয়সূচি .....                                                                                                                                 | 512        |
| পার্ট ৯-এর সমাপনী: তুমি এখন প্রস্তুত .....                                                                                                                                    | 513        |
| <b>পার্ট ১০: চূড়ান্ত মাস্টারক্লাস, Contract Act, Limitation Act, Transfer of Property, ADR, সংবিধান, Cyber Law, নারী ও শিশু আইন এবং ২০২৬ ডিসেম্বর Grand Final Exam .....</b> | <b>514</b> |
| <b>লেখকের কথা: পার্ট ১০-এ স্বাগতম .....</b>                                                                                                                                   | <b>514</b> |
| <b>অধ্যায় ১: The Contract Act, 1872 (চুক্তি আইন) .....</b>                                                                                                                   | <b>514</b> |
| বড় ছবিটা আগে বোঝা .....                                                                                                                                                      | 514        |
| Contract Act-এর সংজ্ঞা এবং মূল উপাদান .....                                                                                                                                   | 515        |
| Section 10 - Valid Contract-এর শর্ত .....                                                                                                                                     | 516        |
| Section 11 - Who is Competent to Contract? (চুক্তিতে যোগ্যতা) .....                                                                                                           | 516        |
| Free Consent (স্বাধীন সম্মতি) - Section 13 থেকে 22 .....                                                                                                                      | 516        |
| Consideration (প্রতিদান) - Section 2(d) এবং 25 .....                                                                                                                          | 517        |
| Void Agreement vs Voidable Contract (বাতিল চুক্তি বনাম বাতিলযোগ্য চুক্তি) .....                                                                                               | 518        |
| Section 73 - Compensation for Breach of Contract .....                                                                                                                        | 518        |
| Section 74 - Liquidated Damages এবং Penalty .....                                                                                                                             | 519        |
| <b>অধ্যায় ২: The Limitation Act, 1908 (তামাদি আইন) .....</b>                                                                                                                 | <b>519</b> |
| সবচেয়ে বেশি ভুলে যাওয়া আইন .....                                                                                                                                            | 519        |
| Limitation Act-এর মূল নীতি .....                                                                                                                                              | 520        |
| সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ সময়সীমাগুলো .....                                                                                                                                       | 520        |



|                                                                              |     |
|------------------------------------------------------------------------------|-----|
| Section 14 - Exclusion of Time (সময় বাদ দেওয়া) .....                       | 520 |
| Section 18 - Acknowledgment of Liability (দায় স্বীকার) .....                | 521 |
| অধ্যায় ৩: The Transfer of Property Act, 1882 (সম্পত্তি হস্তান্তর আইন) ..... | 521 |
| সম্পত্তির রাজনীতি বোঝা .....                                                 | 521 |
| Section 5 - Transfer of Property কী? .....                                   | 521 |
| সম্পত্তি হস্তান্তরের প্রকারভেদ .....                                         | 522 |
| Section 54 - Sale of Immoveable Property (স্বাব সম্পত্তির বিক্রয়) .....     | 522 |
| Section 58 - Mortgage (বন্ধক) .....                                          | 522 |
| Section 105 - Lease (ইজারা) .....                                            | 522 |
| Section 122 - Gift (উপহার) .....                                             | 523 |
| অধ্যায় ৪: The Arbitration Act, 2001 এবং ADR (বিকল্প বিরোধ নিষ্পত্তি) .....  | 523 |
| কেন ADR এখন এত গুরুত্বপূর্ণ? .....                                           | 523 |
| ADR-এর ধরন .....                                                             | 524 |
| Arbitration Act 2001-এর মূল বিষয় .....                                      | 524 |
| ADR এবং CPC-এর সম্পর্ক .....                                                 | 525 |
| অধ্যায় ৫: বাংলাদেশের সংবিধান এবং Writ Jurisdiction .....                    | 525 |
| পেশাগত নৈতিকতার সাথে সংবিধানের সম্পর্ক .....                                 | 525 |
| Article 102 - High Court Division-এর Writ Jurisdiction .....                 | 525 |
| প্রতিটি Writ-এর বিস্তারিত .....                                              | 526 |
| অধ্যায় ৬: Cyber Security Act, 2023 এবং Digital Evidence .....               | 527 |
| নতুন যুগের আইন .....                                                         | 527 |
| Cyber Security Act 2023-এর মূল ধারাগুলো .....                                | 527 |
| Digital Evidence - Section 65A এবং 65B Evidence Act .....                    | 527 |
| অধ্যায় ৭: নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইন, ২০০০ (সংশোধিত ২০২০) .....           | 528 |
| কেন এই আইন এত গুরুত্বপূর্ণ? .....                                            | 528 |
| আইনের মূল ধারাগুলো .....                                                     | 528 |
| বিশেষ বৈশিষ্ট্য: Nari O Shishu Nirjatan Daman Tribunal .....                 | 529 |
| অধ্যায় ৮: Money Laundering Prevention Act, 2012 .....                       | 529 |



|                                                                         |     |
|-------------------------------------------------------------------------|-----|
| কালো টাকার বিৰুদ্ধে আইন .....                                           | 529 |
| MLPA 2012-এৰ মূল বিষয়.....                                             | 530 |
| অধ্যায় ৯: Anti-Corruption Commission Act, 2004.....                    | 530 |
| দুৰ্নীতিৰ বিৰুদ্ধে আইন .....                                            | 530 |
| ACC Act 2004-এৰ মূল বিষয়.....                                          | 531 |
| অধ্যায় ১০: সম্পূৰ্ণ Grand Revision পাৰ্ট ১ থেকে ৯.....                 | 531 |
| সবচেয়ে গুৰুত্বপূৰ্ণ সংখ্যাগুলো.....                                    | 531 |
| বিষয়ভিত্তিক Comparison Table .....                                     | 532 |
| Evidence Act-এৰ Grand Revision.....                                     | 532 |
| Muslim Family Law-এৰ Grand Revision.....                                | 533 |
| Hindu Law-এৰ Grand Revision.....                                        | 533 |
| অধ্যায় ১১: Professional Ethics এবং Bar Council Order-এৰ বিস্তাৰিত..... | 534 |
| আইনজীবীৰ নৈতিকতা কেনে শেখা দৰকাৰ? .....                                 | 534 |
| Bangladesh Legal Practitioners and Bar Council Order, 1972 .....        | 534 |
| গুৰুত্বপূৰ্ণ Canon-গুলো .....                                           | 535 |
| Enrolment Examination-সংক্রান্ত গুৰুত্বপূৰ্ণ তথ্য .....                 | 535 |
| অধ্যায় ১২: ২০২৫ এবং ২০২৬ সালের পরীক্ষার বিশেষ Analysis .....           | 535 |
| ২০২৫ সালের পরীক্ষা থেকে শিক্ষা .....                                    | 535 |
| ২০২৬ সালের পরীক্ষার Prediction (December 2026 সম্ভাব্য) .....           | 536 |
| অধ্যায় ১৩: আরও মজার গল্প এবং মনে রাখার কৌশল.....                       | 536 |
| গল্প ১: Contract Act এবং WTO.....                                       | 536 |
| গল্প ২: Limitation Act এবং আন্তর্জাতিক বিরোধ .....                      | 537 |
| গল্প ৩: TP Act এবং China-ৰ Belt and Road Initiative.....                | 537 |
| গল্প ৪: Arbitration এবং ICSID .....                                     | 537 |
| গল্প ৫: Professional Ethics এবং International Criminal Court.....       | 537 |
| অধ্যায় ১৪: সবচেয়ে কঠিন MCQ প্রশ্নের বিশেষ বিশ্লেষণ .....              | 538 |
| ধৰন ১: "সঠিক নয়" বা "ভুল" প্রশ্ন .....                                 | 538 |
| ধৰন ২: "সর্বোচ্চ শাস্তি" প্রশ্ন .....                                   | 538 |



|                                                                                           |     |
|-------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| ধরন ৩: "কোন আদালতে" প্রশ্ন.....                                                           | 538 |
| ধরন ৪: "কত দিনে" প্রশ্ন .....                                                             | 539 |
| অধ্যায় ১৫: বিশেষ Mock MCQ Set (পার্ট ১০).....                                            | 539 |
| CPC বিভাগ (২০ প্রশ্ন).....                                                                | 539 |
| CrPC বিভাগ (২০ প্রশ্ন).....                                                               | 541 |
| Penal Code বিভাগ (২০ প্রশ্ন) .....                                                        | 542 |
| Evidence Act বিভাগ (১৫ প্রশ্ন) .....                                                      | 544 |
| SRA এবং Professional Ethics বিভাগ (১০ প্রশ্ন).....                                        | 545 |
| বিশেষ বিষয়াবলী (১৫ প্রশ্ন) .....                                                         | 546 |
| অধ্যায় ১৬: লিখিত পরীক্ষার জন্য বিশেষ নমুনা উত্তর (Part 10-এর নতুন বিষয়).....            | 548 |
| নমুনা প্রশ্ন ১: "Contract Act Section 10 অনুযায়ী একটি বৈধ চুক্তির উপাদান আলোচনা করো।" .. | 548 |
| নমুনা প্রশ্ন ২: "Arbitration এবং Mediation-এর মধ্যে পার্থক্য আলোচনা করো।" .....           | 549 |
| অধ্যায় ১৭: বিশেষ আন্তর্জাতিক রাজনীতি ও সাম্প্রতিক ঘটনার সাথে আইনের সংযোগ.....            | 549 |
| ২০২৪-২০২৫ সালের প্রধান আন্তর্জাতিক ঘটনা এবং বাংলাদেশের আইন.....                           | 549 |
| অধ্যায় ১৮: সম্পূর্ণ সংখ্যা Grand Revision (Number Memorization Master Class).....        | 550 |
| সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যা একসাথে .....                                                  | 550 |
| অধ্যায় ১৯: পরীক্ষার দিনের চূড়ান্ত কৌশল .....                                            | 551 |
| পরীক্ষার হলে প্রবেশের আগে .....                                                           | 551 |
| মনে রাখার সবচেয়ে কার্যকর ৫টি টেকনিক .....                                                | 551 |
| অধ্যায় ২০: Viva-Voce-র জন্য বিশেষ প্রস্তুতি (নতুন বিষয়).....                            | 552 |
| Viva-তে কী ধরনের প্রশ্ন আসে? .....                                                        | 552 |
| Viva-তে সফল হওয়ার টিপস.....                                                              | 552 |
| অধ্যায় ২১: বিশেষ চ্যালেঞ্জিং প্রশ্ন এবং উত্তর.....                                       | 553 |
| চ্যালেঞ্জিং প্রশ্ন ১: "Exception to Res Judicata" .....                                   | 553 |
| চ্যালেঞ্জিং প্রশ্ন ২: "Constructive Res Judicata" .....                                   | 553 |
| চ্যালেঞ্জিং প্রশ্ন ৩: Murder-এর Exceptions বিস্তারিত.....                                 | 553 |
| চ্যালেঞ্জিং প্রশ্ন ৪: Primary এবং Secondary Evidence-এর পার্থক্য .....                    | 553 |
| অধ্যায় ২২: আরও মনে রাখার টেকনিক এবং বিশেষ সংকলন.....                                     | 554 |



|                                                             |     |
|-------------------------------------------------------------|-----|
| সবচেয়ে বিভ্রান্তিকৰ Section-গুলো .....                     | 554 |
| বিশেষ "False Friend" সতৰ্কতা.....                           | 554 |
| অধ্যায় ২৩: বিশেষ Rapid Fire Round - ১ মিনিটে ৫০ উত্তৰ..... | 555 |
| অধ্যায় ২৪: সমাপনী এবং ভবিষ্যতের জন্য পরামর্শ.....          | 555 |
| পরীক্ষার পরে কী হবে?.....                                   | 555 |
| আইনজীবী হওয়ার পরে .....                                    | 556 |
| শেষ কথা .....                                               | 556 |
| পরিশিষ্ট: পাঠ ১০-এর সম্পূর্ণ বিষয়সূচি.....                 | 557 |
| সম্পূর্ণ সিরিজের সারসংক্ষেপ.....                            | 557 |



## Copyright Page

© 2026 S M Nazmuz Sakib

**Title:** বার কাউন্সিল এনরোলমেন্ট পরীক্ষার শর্টকাট মাস্টার গাইড (Complete 10-Part Edition)

**Author:** S M Nazmuz Sakib

**DOI (Digital Object Identifier):** 10.5281/zenodo.19494434

This DOI is a permanent identifier for this work. It can be resolved at:

<https://doi.org/10.5281/zenodo.19494434>

---

This publication is provided for educational and reference purposes related to the Bangladesh Bar Council Enrollment Examination. While every effort has been made to ensure the accuracy of the information contained herein, the author and publisher assume no responsibility for errors, omissions, or any outcomes related to the use of this material.

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of the author, except in the case of brief quotations embodied in critical reviews and certain other noncommercial uses permitted by copyright law.

**Published Online:** 2026

**Disclaimer:** This book is a study guide based on the author's analysis of past examination patterns and legal provisions. Laws and regulations are subject to change. Readers are advised to refer to the official Bangladesh Bar Council notifications and the original legal texts for the most current and authoritative information.

---

### Citation Suggestion (APA format):

Sakib, S. M. N. (2026). বার কাউন্সিল এনরোলমেন্ট পরীক্ষার শর্টকাট মাস্টার গাইড.

Zenodo. <https://doi.org/10.5281/zenodo.19494434>



## পার্ট ১: ভূমিকা, পরীক্ষার কাঠামো, The Code of Civil Procedure 1908 (সম্পূর্ণ)

### লেখকের কথা এবং এই বইয়ের ব্যবহার পদ্ধতি

প্রিয় পরীক্ষার্থী,

তুমি এখন যে বইটি হাতে নিয়েছ সেটি কোনো সাধারণ আইনের বই না। এটা হলো তোমার আইনজীবী হওয়ার স্বপ্নের সবচেয়ে দ্রুততম রাস্তা। বাংলাদেশের বার কাউন্সিল এনরোলমেন্ট পরীক্ষা দিতে প্রতি বছর হাজার হাজার আইনের ছাত্র বসে। ২০২৫ সালে প্রায় ৪৫ থেকে ৫০ হাজার পরীক্ষার্থী পরীক্ষায় বসেছে। কিন্তু পাস করে মাত্র একটি ছোট অংশ।

কেন? কারণ বেশিরভাগ ছাত্র আইনের বিশাল বই পড়তে গিয়ে আসল পরীক্ষার প্যাটার্ন বোঝে না। কোন সেকশন থেকে বেশি প্রশ্ন আসে, কোন শব্দটি ঠিক মনে রাখতে হবে, কোন সালে কী প্রশ্ন এসেছিল এসব না জেনে শুধু গাদা গাদা বই পড়লে সময় নষ্ট হয়।

এই বইয়ে তুমি পাবে: বিগত বছরের প্রশ্নের বিশ্লেষণ (কোন সালে কোথা থেকে এসেছে সেটা উল্লেখসহ), মজার মনে রাখার টেকনিক, রাজনীতি এবং আন্তর্জাতিক সম্পর্কের সাথে মিলিয়ে মজার উদাহরণ যেগুলো পড়লে একবারেই মাথায় ঢুকে যাবে, প্রতিটি গুরুত্বপূর্ণ সেকশনের সহজ ব্যাখ্যা, এবং পরীক্ষায় সবচেয়ে বেশি আসা প্রশ্নগুলোর উত্তর।

একটা কথা শুনে রাখো। আন্তর্জাতিক সম্পর্কে একটা বিখ্যাত কথা আছে: "All politics is local" অর্থাৎ সব রাজনীতির শেকড় স্থানীয়। বার কাউন্সিল পরীক্ষায়ও একই কথা খাটে। সব আইনের প্রশ্নের শেকড় হলো কয়েকটি নির্দিষ্ট সেকশন। সেগুলো মনে রাখলেই তুমি পার।

চলো শুরু করা যাক।

### অধ্যায় ১: বার কাউন্সিল এনরোলমেন্ট পরীক্ষার সম্পূর্ণ পরিচয়

#### পরীক্ষার কাঠামো (মার্কস ডিস্ট্রিবিউশন)

#### প্রিলিমিনারি পরীক্ষা (MCQ)

মোট নম্বর: ১০০, সময়: ১ ঘণ্টা

বিষয়ভিত্তিক প্রশ্নের ভাগ এইভাবে:





The Code of Civil Procedure, 1908 (CPC) থেকে ২০টি প্রশ্ন, ২০ নম্বর।

The Specific Relief Act, 1877 থেকে ১০টি প্রশ্ন, ১০ নম্বর।

The Code of Criminal Procedure, 1898 (CrPC) থেকে ২০টি প্রশ্ন, ২০ নম্বর।

The Penal Code, 1860 থেকে ২০টি প্রশ্ন, ২০ নম্বর।

The Evidence Act, 1872 থেকে ১৫টি প্রশ্ন, ১৫ নম্বর।

Professional Ethics, Bar Council Order and Rules, Legal Decisions and Reports থেকে ৫টি প্রশ্ন, ৫ নম্বর।

মোট ১০০টি প্রশ্ন, ১০০ নম্বর।

### মনে রাখার টেকনিক (প্রথম শর্টকাট)

এই নম্বর বন্টনটা মনে রাখো এই ছন্দে।

"CPC বিশ, SRA দশ, CrPC বিশ, Penal বিশ, Evidence পনের, Ethics পাঁচ"

অথবা এইভাবে মনে রাখো। বিশ দশ বিশ বিশ পনের পাঁচ। মোট = ১০০।

রাজনৈতিক জোকঃ জাতিসংঘে যদি নিরাপত্তা পরিষদের স্থায়ী সদস্যদের ভোটের ভাগ এরকম হতো তাহলে আমেরিকা নিশ্চয়ই বলত "CPC-র মতো আমিও বিশটা ভোট চাই।" CPC পরীক্ষায়ও সবচেয়ে বড় শক্তি।

---

### রিটেন পরীক্ষার কার্যামো

মোট নম্বরঃ ১০০, সময়ঃ ৪ ঘণ্টা।

গ্রুপ A তে CPC এবং Specific Relief Act থেকে প্রশ্ন থাকে। গ্রুপ B তে CrPC এবং Penal Code থেকে প্রশ্ন থাকে। গ্রুপ C তে Evidence Act থাকে। গ্রুপ D তে Professional Ethics এবং Bar Council Order থাকে।

---

### বার কাউন্সিল পরীক্ষার ইতিহাস ও সাম্প্রতিক তথ্য



২০২৫ সালের ২৫ এপ্রিল MCQ পরীক্ষা হয়েছে। ২০২৫ সালের ২৮ জুন রিটেন পরীক্ষা হয়েছে। ২০২৩ সালের পরীক্ষা ২০২৪ সালের মার্চে হয়েছিল (বিলম্বিত)। ২০২৫ সালের ডিসেম্বর ১৯ তারিখে আরেকটি পরীক্ষার নোটিশ দেওয়া হয়েছে।

### গুরুত্বপূর্ণ পয়েন্ট:

পরীক্ষার্থী সংখ্যা প্রতি বছর বাড়ছে। ২০২৫ সালে প্রায় ৪৫ থেকে ৫০ হাজার পরীক্ষার্থী পরীক্ষায় অংশ নিয়েছে। এই বিশাল প্রতিযোগিতায় টিকে থাকতে হলে শর্টকাট জানতেই হবে।

---

## অধ্যায় ২: The Code of Civil Procedure, 1908 (CPC)

### সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ আইন - ২০ নম্বর

#### প্রথমেই বড় ছবিটা বোঝো

CPC হলো দেওয়ানি মামলার "সংবিধান"। যেভাবে জাতিসংঘের চার্টার হলো আন্তর্জাতিক আইনের মূল ভিত্তি, সেভাবে CPC হলো বাংলাদেশের দেওয়ানি আদালতের মূল ভিত্তি। সম্পত্তির বিরোধ, টাকার দাবি, বিচ্ছেদ, উত্তরাধিকার সব কিছু দেওয়ানি আদালতে যায়।

CPC ১৯০৮ সালে পাস হয়েছে। ব্রিটিশরা তখন ভারতীয় উপমহাদেশ শাসন করত। এটা মনে রাখা কারণ অনেক সময় প্রশ্ন আসে "CPC কত সালে পাস হয়?"।

#### মনে রাখার টেকনিক

CPC = Civil Procedure Code, সাল ১৯০৮। "নয় শূন্য আট, দেওয়ানি পথ ঠিক থাকবে রাত।"

CPC-তে মোট আছে ১৫৮টি ধারা (Section) এবং ৫১টি আদেশ (Order)। আদেশগুলো রোমান সংখ্যায় লেখা হয় যেমন Order I, Order II এত্যাदि।

#### জোক: আন্তর্জাতিক সম্পর্কের সাথে CPC

জাতিসংঘে যখন দুটো দেশ জমি নিয়ে ঝগড়া করে (যেমন ভারত-পাকিস্তানের কাস্মীর বিরোধ) তখন ICJ অর্থাৎ আন্তর্জাতিক বিচার আদালতে যায়। ঠিক একইভাবে বাংলাদেশে দুই প্রতিবেশীর মধ্যে জমি নিয়ে ঝগড়া হলে CPC অনুযায়ী দেওয়ানি আদালতে যেতে হয়। ICJ-এর যেমন নিজস্ব প্রক্রিয়া আছে, CPC-রও তেমনি নিজস্ব প্রক্রিয়া আছে। পার্থক্য হলো ICJ-এর রায় মানা বাধ্যতামূলক না কিন্তু CPC-র রায় মানা বাধ্যতামূলক। তাই CPC-র শক্তি বেশি।



## CPC-র মূল কাঠামো

CPC-কে দুটি ভাগে ভাগ করা হয়।

প্রথম ভাগ হলো "Body" বা মূল অংশ যেখানে ১৫৮টি ধারা আছে। দ্বিতীয় ভাগ হলো "Schedule" বা তফসিল যেখানে ৫১টি আদেশ এবং অনেক নিয়ম আছে।

### গুরুত্বপূর্ণ পার্থক্য: Section vs Order

Section বা ধারা হলো আইনের মূল নীতি বা বিধান। Order বা আদেশ হলো সেই নীতি প্রয়োগের পদ্ধতি।

উদাহরণ: Section 9 বলে দেওয়ানি আদালত দেওয়ানি মামলা শুনবে। কিন্তু কীভাবে মামলা দায়ের করতে হবে সেটা Order 7-এ আছে।

রাজনৈতিক উদাহরণ: জাতিসংঘের চার্টারের Section বা ধারাগুলো বলে শান্তি রক্ষা করতে হবে। কিন্তু "Rules of Procedure" বলে কীভাবে শান্তি রক্ষা করতে হবে। CPC-ও একইভাবে কাজ করে।

## CPC-র সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ সেকশনগুলো (পরীক্ষায় সবচেয়ে বেশি আসে)

### Section 9 - দেওয়ানি আদালতের এখতিয়ার

এটা পরীক্ষায় সবচেয়ে বেশি আসা সেকশনগুলোর মধ্যে একটি। বিগত ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালের পরীক্ষায় এই সেকশন থেকে প্রশ্ন এসেছে।

Section 9 বলে: "Courts shall (subject to the provisions herein contained) have jurisdiction to try all suits of a civil nature excepting suits of which the cognizance is either expressly or impliedly barred."

সহজ বাংলা: দেওয়ানি প্রকৃতির সব মামলার এখতিয়ার দেওয়ানি আদালতের আছে, তবে যে মামলার এখতিয়ার আইন দ্বারা স্পষ্টভাবে বা অন্তর্নিহিতভাবে বাধাগ্রস্ত সেগুলো ছাড়া।

### মনে রাখার টেকনিক

Section 9 = নয় নম্বর ধারা = দেওয়ানি মামলার দরজা খোলে। "নয় দিয়ে ঢোকো, দেওয়ানি পথে হাঁটো।"

### পরীক্ষায় আসা প্রশ্নের ধরন:



প্রশ্ন: "Suit of a civil nature" বলতে কী বোঝায়? উত্তর: এমন মামলা যেখানে বাদী তার নাগরিক অধিকার বা সম্পত্তির অধিকার রক্ষার জন্য আদালতে যায়। ধর্মীয় অনুষ্ঠানের বিষয়ে মামলা হলেও যদি সেখানে সম্পত্তির অধিকার জড়িত থাকে তাহলে সেটা "suit of a civil nature"।

### Section 9-এর দুটি ব্যতিক্রম (Express এবং Implied Bar)

Express Bar মানে হলো সরাসরি আইন দ্বারা নিষিদ্ধ। যেমন, ভূমি সংস্কার আইনের অধীনে কিছু বিষয়ে সরাসরি দেওয়ানি আদালতের এখতিয়ার বাদ দেওয়া হয়েছে।

Implied Bar মানে হলো পরোক্ষভাবে নিষিদ্ধ। যেমন, যখন আইনের সামগ্রিক উদ্দেশ্য থেকে বোঝা যায় যে দেওয়ানি আদালতের এখতিয়ার নেই।

### রাজনৈতিক জোক:

আমেরিকার সুপ্রিম কোর্ট যেমন সব মামলা শুনতে পারে না (তাদের Certiorari এবং Original Jurisdiction-এর সীমাবদ্ধতা আছে), ঠিক তেমনি বাংলাদেশের দেওয়ানি আদালতও Section 9-এর মাধ্যমে সব মামলা শুনতে পারে না। পার্থক্য হলো আমেরিকার সুপ্রিম কোর্ট নিজেই সিদ্ধান্ত নেয় কোন মামলা শুনবে আর CPC বলে দেয় কোন মামলা শুনতে পারবে না।

### Section 11 - Res Judicata (পূর্বনির্ধারিত বিষয়)

এটা পরীক্ষায় প্রায় প্রতি বছরই আসে। ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এই বিষয়ে প্রশ্ন এসেছে।

Res Judicata একটি ল্যাটিন শব্দ। এর অর্থ হলো "বিষয়টি ইতিমধ্যেই বিচার হয়েছে" বা "matter already judged"।

Section 11 বলে: একটি মামলায় যে বিষয়ে রায় হয়েছে সেই একই বিষয়ে একই পক্ষ বা তাদের উত্তরাধিকারী পরবর্তীতে আরেকটি মামলা করতে পারবে না।

### মনে রাখার টেকনিক:

"Res = রেস, Judicata = জুডিকেটা" মনে রাখো "রেস দেওয়া হয়ে গেছে" মানে রায় হয়ে গেছে, আবার মামলা চলবে না।

বাংলায় ভাবো: করিম একবার রহিমের কাছ থেকে জমি দাবি করে মামলা করল এবং হেরে গেল। এখন একই জমির জন্য একই আদালতে একই পক্ষের বিরুদ্ধে আবার মামলা করতে পারবে না।



## Res Judicata-র শর্তগুলো মনে রাখার সহজ উপায়

Res Judicata প্রযোজ্য হওয়ার জন্য যে শর্তগুলো লাগে সেগুলো হলো:

প্রথম শর্ত: একই বিষয় (Same subject matter) আগের মামলায় প্রত্যক্ষভাবে এবং সরাসরি সমস্যা ছিল।

দ্বিতীয় শর্ত: একই পক্ষ (Same parties) বা তাদের উত্তরাধিকারী (same title)।

তৃতীয় শর্ত: আগের মামলায় সক্ষম আদালত (Competent Court) রায় দিয়েছিল।

চতুর্থ শর্ত: আগের রায় চূড়ান্ত (Final) ছিল।

### মনে রাখার ছড়া:

"বিষয় পক্ষ আদালত রায়, চারটি শর্ত Res Judicata-য়।"

### আন্তর্জাতিক সম্পর্কের উদাহরণ:

UN Security Council-এ যখন কোনো রেজুলেশন পাস হয় তখন সেই বিষয়ে আবার ভোট দেওয়া সাধারণত হয় না (যদিও প্রযুক্তিগতভাবে সম্ভব)। Res Judicata-ও একইভাবে কাজ করে। একবার বিচার হলে আবার বিচার হবে না, যেন আদালতের "পাস হওয়া রেজুলেশন"।

### বিগত সালের প্রশ্ন:

২০১৯ সালের পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল: "Res Judicata-র প্রয়োজনীয় উপাদান কতটি?" উত্তর: মূলত চারটি (কিছু বিশ্লেষকের মতে পাঁচটি) উপাদান আছে।

---

## Section 10 - Stay of Suit (মামলা স্থগিত রাখা)

Section 10 বলে: যদি দুটি আদালতে একই বিষয়ে মামলা চলে, তাহলে পরবর্তী আদালত মামলাটি স্থগিত রাখবে যতক্ষণ না আগেরটির নিষ্পত্তি হয়।

### মনে রাখার টেকনিক:

Section 10 = দশ = "দশটি ধাপ পার না হলে থামো।" অথবা মনে রাখো "১০ মানে থামো" যেমন ট্রাফিক সিগন্যালে লাল বাতি জ্বললে থামতে হয়।

## Section 10 এবং Section 11-এর পার্থক্য (পরীক্ষায় আসে)



Section 10 হলো সাময়িক স্থগিতাদেশ (Stay)। মামলা শেষ হয়নি, শুধু থামিয়ে রাখা হয়েছে। একই বিষয়ে দুই আদালতে মামলা চলছে।

Section 11 হলো স্থায়ী বাধা (Permanent Bar)। মামলা শেষ হয়ে গেছে, একই বিষয়ে আর মামলা চলবে না।

### রাজনৈতিক উদাহরণঃ

Section 10 হলো যখন UN Security Council-এ কোনো বিষয় আলোচনা চলছে তখন সাধারণ পরিষদে একই বিষয়ে আলোচনা সাময়িক বন্ধ থাকে (Procedural rules অনুযায়ী)। Section 11 হলো আনুষ্ঠানিকভাবে চুক্তি সম্পন্ন হওয়ার পরে একই বিষয়ে আবার আলোচনার দাবি তোলা যায় না।

### Section 20 - Jurisdiction (এখতিয়ার) - কোন আদালতে মামলা করবে?

এটাও পরীক্ষায় অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৫, ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে।

Section 20 বলে: দেওয়ানি মামলা করতে হবে সেই আদালতে যার এলাকায়: (a) বিবাদী বা বিবাদীদের কেউ থাকে (resides), অথবা (b) বিবাদী ব্যবসা করে বা কাজ করে (carries on business or personally works for gain), অথবা (c) মামলার কারণ সম্পূর্ণ বা অংশত ঘটেছে (cause of action arises)।

### মনে রাখার টেকনিকঃ

"থাকা, কাজ, ঘটনা = তিনটি পথ, Section ২০।"

অথবা মনে রাখো RBA টেকনিক। R = Reside (বিবাদী কোথায় থাকে) B = Business (বিবাদী কোথায় ব্যবসা করে) A = Arise (মামলার কারণ কোথায় ঘটেছে)

### বিগত সালের প্রশ্নঃ

২০২১ সালের পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল: "একটি দেওয়ানি মামলায় ঢাকায় বাদী বাস করে, চট্টগ্রামে বিবাদী বাস করে এবং চুক্তিটি সিলেটে হয়েছিল। মামলা কোথায় করতে হবে?" উত্তর: CPC Section 20 অনুযায়ী বিবাদীর বাসস্থান চট্টগ্রামে অথবা চুক্তির স্থান সিলেটে মামলা করা যাবে। বাদীর বাসস্থানে মামলা করার কোনো সুযোগ নেই।

### মজার উদাহরণঃ

আন্তর্জাতিক আইনে ICC (International Criminal Court) যেকোনো দেশে অপরাধ ঘটলেও হেগে বসে বিচার করতে পারে। কিন্তু CPC-তে তেমন সুযোগ নেই। তোমাকে বিবাদীর কাছে যেতে হবে অথবা ঘটনার জায়গায়



যেতে হবে। বাংলাদেশের বিচার ব্যবস্থা "Defendant-friendly" না "Plaintiff-friendly"। বাদীকেই কষ্ট করতে হবে। এটা মনে রাখলে Section 20 ভুলবে না।

## Section 26 - Suit Commencement (মামলা শুরু)

মামলা শুরু হয় "Plaint" বা আরজি দাখিলের মাধ্যমে।

Section 26 অনুযায়ী প্রতিটি দেওয়ানি মামলা শুরু হয় Plaint (আরজি) দাখিলের মাধ্যমে।

### Plaint কী?

Plaint হলো বাদীর লিখিত বিবৃতি যেখানে মামলার কারণ, আদালতের এখতিয়ার এবং কী প্রতিকার চাওয়া হচ্ছে তা বলা থাকে।

### মনে রাখার ছড়া:

"মামলা শুরু করতে চাও? Plaint দাখিল করো আগে। Section ছাব্বিশ মনে রেখো, আইনের নিয়ম মেনে।"

## Order 7 - Plaint (আরজি) কী থাকতে হবে

Order 7 Rule 1 অনুযায়ী Plaint-এ নিম্নলিখিত বিষয়গুলো থাকতে হবে:

(a) আদালতের নাম, (b) বাদীর নাম, বর্ণনা ও বাসস্থান, (c) বিবাদীর নাম, বর্ণনা ও বাসস্থান, (d) যেখানে বাদী বা বিবাদী অপ্রাপ্তবয়স্ক বা মানসিকভাবে অসুস্থ সেখানে সেই বিষয়ের বিবৃতি, (e) মামলার কারণ এবং কখন তা উদ্ভব হয়েছে, (f) এখতিয়ারের বিষয় যেখানে আদালতের এখতিয়ার মূল্যমানের উপর নির্ভর করে, (g) দাবির মূল্যমান, (h) যে প্রতিকার চাওয়া হচ্ছে, (i) যেখানে মামলা সীমাবদ্ধতা আইনের মাধ্যমে সীমিত সেখানে সেই বিষয়ে বিবৃতি।

### মনে রাখার টেকনিক (NANDAMVR ফর্মুলা)

N = Name (নাম) A = Address (ঠিকানা) N = Nature of claim (দাবির প্রকৃতি) D = Date/time (কারণ কখন উদ্ভব হলো) A = Amount/valuation (মূল্যমান) M = Minor/lunatic (অপ্রাপ্তবয়স্কতা) V = Venue/court (আদালতের নাম) R = Relief sought (প্রতিকার)

এটা মনে রাখো। পরীক্ষায় "Plaint-এ কী কী থাকতে হয়" প্রশ্ন প্রায়ই আসে।





## Order 8 - Written Statement (লিখিত জবাব)

Order 8 Rule 1 অনুযায়ী বিবাদীকে আদালতের নোটিশ পাওয়ার ৩০ দিনের মধ্যে Written Statement বা লিখিত জবাব দিতে হবে। তবে আদালত সর্বোচ্চ ১০ দিন পর্যন্ত বাড়াতে পারে।

### মনে রাখার টেকনিক:

"৩০ দিনে জবাব দাও, ১০ দিন মোট পাও।"

### বিগত সালের প্রশ্ন:

২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Written Statement দেওয়ার সময়সীমা কত?" উত্তর: সাধারণত ৩০ দিন, আদালত সর্বোচ্চ ১০ দিন পর্যন্ত বাড়াতে পারে।

---

## Section 24 - Transfer of Cases (মামলা স্থানান্তর)

Section 24 অনুযায়ী উচ্চ আদালত যে কোনো সময় নিম্ন আদালত থেকে মামলা তার নিজের কাছে বা অন্য আদালতে স্থানান্তর করতে পারে।

### কে মামলা স্থানান্তর করতে পারে?

High Court Division যে কোনো অধস্তন আদালত থেকে মামলা স্থানান্তর করতে পারে। District Judge যে কোনো অধীনস্থ জেলা আদালত থেকে স্থানান্তর করতে পারে।

### মনে রাখার টেকনিক:

"উপরের আদালত নিচের মামলা টানতে পারে।" যেমন USA-এর Federal Court রাজ্য আদালত থেকে Federal question এলে মামলা নিতে পারে, ঠিক তেমনি।

---

## Section 35 - Costs (মামলার খরচ)

Section 35 বলে: সফল পক্ষের খরচ দেওয়ার আদেশ করার বিষয়টি আদালতের বিবেচনার উপর নির্ভরশীল।

### গুরুত্বপূর্ণ বিষয়:

"Costs follow the event" মানে সাধারণত যে পক্ষ হারে সে খরচ দেয়। কিন্তু আদালত পরিস্থিতি বিবেচনায় ভিন্ন সিদ্ধান্ত দিতে পারে।



---

## Section 47 - Questions to be Determined by Executing Court

ডিক্রি জারির সময় যে প্রশ্ন উঠবে সেগুলো Executing Court নিজেই সমাধান করবে।

### মনে রাখার টেকনিক:

"৪৭ = Executing Court-এর ক্ষমতা।"

---

## Section 51 - Powers of Court to Enforce Decree (ডিক্রি জারির ক্ষমতা)

Section 51 অনুযায়ী আদালত ডিক্রি জারি করতে পারে নিম্নলিখিত উপায়ে:

(a) বিবাদীর সম্পত্তি ক্রোক ও বিক্রি করে (Attachment and sale)। (b) বিবাদীর সম্পত্তি নিলামে দিয়ে (Civil prison)। (c) জমি বা অস্থাবর সম্পত্তি বুঝিয়ে দিয়ে। (d) রিসিভার নিয়োগ করে। (e) অন্য যে কোনো উপায়ে।

### মনে রাখার টেকনিক:

"ASDRO" ফর্মুলা। A = Attachment (ক্রোক) S = Sale (বিক্রি) D = Delivery (বুঝিয়ে দেওয়া) R = Receiver (রিসিভার) O = Other means (অন্যান্য)

---

## Order 1 - Parties to Suit (মামলার পক্ষ)

এই Order থেকে প্রায়ই প্রশ্ন আসে।

### Order 1 Rule 1 - কারা বাদী হতে পারে?

সব ব্যক্তি যাদের একই মামলার কারণ বা স্বার্থ আছে তারা একসাথে মামলা করতে পারে।

### Order 1 Rule 10 - নতুন পক্ষ যোগ বা বাদ দেওয়া

আদালত যে কোনো সময় কোনো পক্ষকে মামলায় যোগ বা বাদ দিতে পারে যদি সেটা ন্যায়বিচারের জন্য প্রয়োজন হয়।

### মনে রাখার টেকনিক:



"Order 1 = পার্টির খেলা শুরু।" আর Rule 10 = "যোগ বিয়োগের হিসাব।"

---

## Order 9 - Appearance of Parties (পক্ষের উপস্থিতি)

এই Order পরীক্ষায় বেশ গুরুত্বপূর্ণ।

### Order 9 Rule 6 - Ex Parte Decree (একতরফা ডিক্রি)

যখন বিবাদী হাজির হয় না এবং বাদী হাজির থাকে তখন আদালত এক তরফাভাবে (Ex Parte) মামলা চালিয়ে রায় দিতে পারে।

### Order 9 Rule 13 - Ex Parte Decree বাতিলের আবেদন

বিবাদী যদি প্রমাণ করতে পারে যে সে যথাযথ কারণে হাজির হতে পারেনি অথবা সে সমন পায়নি তাহলে সে Ex Parte ডিক্রি বাতিলের আবেদন করতে পারে।

### মনে রাখার টেকনিক:

"৬ = একতরফা ডিক্রি দাও, ১৩ = একতরফা ডিক্রি নাও।"

### বিগত সালের প্রশ্ন:

২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Ex parte decree কখন দেওয়া যায়?" উত্তর: Order 9 Rule 6 অনুযায়ী যখন বিবাদী সমন পেয়েও হাজির হয় না।

---

## Order 39 - Temporary Injunction (সাময়িক নিষেধাজ্ঞা)

এটা পরীক্ষায় সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Order-গুলোর একটি।

### কখন Temporary Injunction দেওয়া হয়?

Order 39 Rule 1 এবং Rule 2 অনুযায়ী নিম্নলিখিত ক্ষেত্রে Temporary Injunction দেওয়া হয়:

Rule 1 অনুযায়ী: যখন বিবাদী মামলার বিষয়বস্তু নষ্ট করার বা ক্ষতি করার সম্ভাবনা আছে।

Rule 2 অনুযায়ী: যখন বিবাদী কোনো কাজ করার আশঙ্কা আছে যা মামলার পরিণামকে ক্ষতিগ্রস্ত করবে।



## Temporary Injunction পাওয়ার তিনটি শর্ত:

প্রথম শর্ত: Prima Facie Case অর্থাৎ প্রথম দেখায় বাদীর মামলাটি বৈধ বলে মনে হওয়া। দ্বিতীয় শর্ত: Balance of Convenience অর্থাৎ Injunction না দিলে বাদীর ক্ষতি বেশি হবে। তৃতীয় শর্ত: Irreparable Injury অর্থাৎ Injunction না দিলে যে ক্ষতি হবে তা অপূরণীয়।

## মনে রাখার টেকনিক (PBI ফর্মুলা)

P = Prima Facie Case B = Balance of Convenience I = Irreparable Injury

"PBI মনে রাখো, Injunction পাবে।"

## রাজনৈতিক উদাহরণ:

UN General Assembly যখন সিরিয়া বা মিয়ানমারে জরুরি অবস্থা ঘোষণা করে তখন এটা একটা ধরনের "Temporary Injunction" যা চলমান সহিংসতা থামাতে বলা হয়। PBI ফর্মুলার মতোই কাজ করে। Prima Facie Case হলো সহিংসতার প্রমাণ, Balance of Convenience হলো বেসামরিক নাগরিকের প্রাণ রক্ষা এবং Irreparable Injury হলো প্রাণহানি একবার হলে ফেরানো যায় না।

## বিগত সালের প্রশ্ন:

২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Temporary Injunction পাওয়ার শর্ত কী কী?" ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Prima Facie Case বলতে কী বোঝায়?" ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Order 39 Rule 1 এবং Rule 2-এর পার্থক্য কী?"

## Order 40 - Appointment of Receiver (রিসিভার নিয়োগ)

রিসিভার হলো এমন একজন ব্যক্তি যাকে আদালত কোনো সম্পত্তি পরিচালনার জন্য নিয়োগ করে।

## কখন রিসিভার নিয়োগ হয়?

যখন মামলার বিষয়বস্তু সম্পত্তি এবং সেই সম্পত্তি ক্ষতিগ্রস্ত বা নষ্ট হওয়ার আশঙ্কা আছে।

## রিসিভারের দায়িত্ব:

সম্পত্তি রক্ষা করা, সম্পত্তি থেকে আয় সংগ্রহ করা, আদালতের নির্দেশ মেনে চলা।

## মনে রাখার টেকনিক:



"রিসিভার = সম্পত্তির রক্ষক, আদালতের চাকর।"

---

## Section 96 - Appeal from Original Decree (আপিল)

Section 96 অনুযায়ী প্রথম আদালতের ডিক্রির বিরুদ্ধে আপিল করা যায়।

### কোথায় আপিল করতে হবে?

Section 96 (3) অনুযায়ী যদি পক্ষরা সম্মতি দিয়ে মামলা করে তাহলে সেই ডিক্রির বিরুদ্ধে আপিল চলে না। তবে ডিক্রি যদি আদালতের ভুলে হয়ে থাকে তাহলে আপিল হয়।

### মনে রাখার টেকনিক:

"৯৬ = আপিলের দরজা।"

## Section 100 - Second Appeal (দ্বিতীয় আপিল)

Section 100 বলে: দ্বিতীয় আপিল শুধু High Court Division-এ হয়। এবং শুধু আইনের প্রশ্নে (substantial question of law) হয়, তথ্যের প্রশ্নে নয়।

### মনে রাখার টেকনিক:

"১০০ = শতক = High Court।" "দ্বিতীয় আপিলে তথ্য নয়, আইনের কথা বলো।"

### বিগত সালের প্রশ্ন:

২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Second Appeal কোন আদালতে এবং কোন বিষয়ে হয়?" উত্তর: Section 100 অনুযায়ী High Court Division-এ, শুধুমাত্র substantial question of law-এ।

---

## Section 104 - Orders Appealable (আদেশের বিরুদ্ধে আপিল)

Section 104 অনুযায়ী কিছু আদেশের বিরুদ্ধে আপিল করা যায়।

## Order 43 - Appealable Orders-এর তালিকা

Order 43 Rule 1-এ এমন আদেশগুলোর তালিকা আছে যেগুলোর বিরুদ্ধে আপিল করা যায়।



## মনে রাখার টেকনিক:

"১০৪ = আদেশের বিরুদ্ধে আপিল।" "৪৩ = আপিলযোগ্য আদেশের তালিকা।"

## Section 115 - Revision (রিভিশন)

Section 115 অনুযায়ী High Court Division তার অধীনস্থ আদালতের কোনো কার্যক্রম বা আদেশ পর্যালোচনা করতে পারে।

### কখন Revision করা যায়?

যখন অধীনস্থ আদালতঃ (a) এমন কোনো মামলায় এখতিয়ার প্রয়োগ করেছে যার এখতিয়ার তার নেই, (b) তার এখতিয়ার সীমা লঙ্ঘন করেছে বা তা অনুশীলনে ব্যর্থ হয়েছে, (c) এমনভাবে কাজ করেছে যা আইনের বিরুদ্ধে বা অবৈধ।

### Revision এবং Appeal-এর পার্থক্য (পরীক্ষায় প্রায়ই আসে)

Appeal হলো ডিক্রি বা আদেশের বিরুদ্ধে উচ্চতর আদালতে সম্পূর্ণ মামলার পুনরায় বিচার। Revision হলো শুধু আইনগত ত্রুটি সংশোধনের জন্য High Court-এর তত্ত্বাবধায়ক ক্ষমতা প্রয়োগ।

## মনে রাখার টেকনিক:

"Appeal = সম্পূর্ণ নতুন শুনানি। Revision = শুধু আইনের ভুল ঠিক করা।"

অথবা রাজনৈতিক উদাহরণঃ Appeal হলো যেন নতুন নির্বাচনের দাবি আর Revision হলো যেন পুনর্গণনার দাবি। পুনর্গণনায় শুধু হিসাব মেলানো হয় (আইনগত ত্রুটি দেখা হয়), কিন্তু নতুন নির্বাচনে সব কিছু নতুন করে হয় (সম্পূর্ণ নতুন বিচার)।

### বিগত সালের প্রশ্ন:

২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিলঃ "Revision এবং Appeal-এর মধ্যে পার্থক্য কী?" ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিলঃ "Section 115-এ কখন Revision করা যায়?"

## Order 21 - Execution of Decrees and Orders (ডিক্রি ও আদেশ জারি)

এটা CPC-র সবচেয়ে বড় এবং জটিল Order। কিন্তু পরীক্ষায় অনেক গুরুত্বপূর্ণ।



## ডিক্রি কত ধরনের?

Money Decree বা টাকার ডিক্রি: যে ডিক্রিতে টাকা দেওয়ার আদেশ থাকে। Specific Performance Decree বা নির্দিষ্ট সম্পাদনের ডিক্রি: চুক্তি সম্পাদন করার আদেশ। Injunction Decree বা নিষেধাজ্ঞার ডিক্রি: কিছু করতে বা না করতে বলার আদেশ। Declaration Decree বা ঘোষণামূলক ডিক্রি: অধিকার ঘোষণা করার আদেশ।

## ডিক্রি কে জারি করবে?

সাধারণত ডিক্রি যে আদালত দিয়েছে সে আদালত জারি করে। কিন্তু কিছু ক্ষেত্রে অন্য আদালতেও পাঠানো যায়।

### Order 21 Rule 11 - ডিক্রি জারির আবেদন

ডিক্রিধারী লিখিত বা মৌখিক আবেদন করে ডিক্রি জারির জন্য আদালতে যেতে পারে।

### Order 21 Rule 22 - Notice Before Execution

কিছু ক্ষেত্রে ডিক্রি জারির আগে বিবাদীকে নোটিশ দিতে হয়।

## মনে রাখার টেকনিক:

"Order 21 = জারির অর্ডার।" "২১ = একবিংশ শতাব্দী = আধুনিক জারির নিয়ম।"

---

## Order 22 - Death, Marriage and Insolvency of Parties

এই Order থেকে প্রায়ই প্রশ্ন আসে।

### Order 22 Rule 3 - বাদী মারা গেলে

বাদী মারা গেলে তার উত্তরাধিকারী বা আইনি প্রতিনিধি মামলা চালিয়ে যেতে পারে। তবে সীমিত সময়ের মধ্যে প্রতিস্থাপনের আবেদন করতে হবে।

### Order 22 Rule 4 - বিবাদী মারা গেলে

বিবাদী মারা গেলে তার উত্তরাধিকারী বা আইনি প্রতিনিধিকে প্রতিস্থাপন করতে হবে।

### Order 22 Rule 9 - মামলা নিষ্পত্তি না হলে



যদি বাদী বা বিবাদীর মৃত্যুর পর নির্দিষ্ট সময়ের মধ্যে প্রতিস্থাপনের আবেদন না হয় তাহলে মামলাটি "Abate" অর্থাৎ বাতিল হয়ে যায়।

### মনে রাখার টেকনিকঃ

"Order 22 = মৃত্যুতেও মামলা মরে না, উত্তরাধিকারী চলে।"

---

## Order 23 - Withdrawal and Adjustment of Suits

### Order 23 Rule 1 - মামলা প্রত্যাহার (Withdrawal)

বাদী মামলা প্রত্যাহার করতে পারে। কিন্তু যদি আদালতের অনুমতি ছাড়া প্রত্যাহার করে তাহলে একই বিষয়ে নতুন মামলা করা যাবে না।

যদি আদালতের অনুমতি নিয়ে প্রত্যাহার করে (দেখিয়ে যে মামলার কারণ যথেষ্ট ছিল না) তাহলে নতুন মামলা করা যাবে।

### Order 23 Rule 3 - Compromise (আপস)

পক্ষরা মামলা চলাকালীন আপস করতে পারে। আপসের শর্তগুলো আদালতে দাখিল করলে আদালত সেটা ডিক্রিতে রূপান্তর করে।

### মনে রাখার টেকনিকঃ

"২৩ = প্রত্যাহার ও আপস। অনুমতি নিয়ে প্রত্যাহার = নতুন মামলার সুযোগ। অনুমতি ছাড়া = রাস্তা বন্ধ।"

---

## Order 26 - Commissions (কমিশন)

আদালত প্রয়োজনে কমিশন নিয়োগ করতে পারে। যেমনঃ স্থান পরিদর্শনের জন্য Local Investigation Commission, হিসাব পরীক্ষার জন্য Account Commission ইত্যাদি।

---

## Order 37 - Summary Procedure (সংক্ষিপ্ত পদ্ধতি)

Summary suit হলো এমন দ্রুত বিচারের পদ্ধতি যা নির্দিষ্ট ধরনের মামলায় প্রযোজ্য।





## কোন মামলায় Order 37 প্রযোজ্য?

প্রধানত নিম্নলিখিত মামলায়: Negotiable Instruments অর্থাৎ চেক, বিনিময় পত্র, প্রতিশ্রুতি পত্র সংক্রান্ত মামলায়। লিখিত চুক্তির উপর ভিত্তি করে টাকার দাবির মামলায়।

### মনে রাখার টেকনিক:

"৩৭ = দ্রুত বিচার = Summary Suit।" "চেক বাউন্স হলে Order 37 করো।"

## Section 144 - Restitution (পুনরুদ্ধার)

Section 144 অনুযায়ী যদি কোনো ডিক্রি বা আদেশ উচ্চতর আদালতে পরিবর্তিত বা বাতিল হয় তাহলে নিম্ন আদালত ক্ষতিগ্রস্ত পক্ষকে পুনরুদ্ধারের আদেশ দেবে।

### মনে রাখার টেকনিক:

"১৪৪ = পুনরুদ্ধার = যা গেছে তা ফিরিয়ে দাও।"

## Section 151 - Inherent Powers of Court (আদালতের অন্তর্নিহিত ক্ষমতা)

Section 151 অনুযায়ী CPC-তে সুনির্দিষ্টভাবে উল্লেখ না থাকলেও আদালত ন্যায্যবিচার নিশ্চিত করতে বা অপব্যবহার রোধ করতে তার অন্তর্নিহিত ক্ষমতা প্রয়োগ করতে পারে।

এটা CPC-র সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section-গুলোর একটি।

### মনে রাখার টেকনিক:

"১৫১ = আদালতের ট্রাম্প কার্ড। যখন আইনে নেই কিছু, তখন Inherent Power দিয়ে করো।"

### রাজনৈতিক উদাহরণ:

Section 151 হলো অনেকটা জাতিসংঘের Secretary General-এর "Good Offices" ক্ষমতার মতো। আনুষ্ঠানিক ক্ষমতা না থাকলেও শান্তি রক্ষার জন্য মধ্যস্থতা করতে পারেন। Section 151-ও আইনে সুনির্দিষ্ট না থাকলেও ন্যায্যবিচারের জন্য আদালত ক্ষমতা প্রয়োগ করতে পারে।

### বিগত সালের প্রশ্ন:



২০১৮ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Section 151-এর অধীনে Inherent Powers বলতে কী বোঝায়?" ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Section 151 কখন প্রযোজ্য?"

---

## অধ্যায় ৩: CPC-র বিশেষ গুরুত্বপূর্ণ Order-গুলো বিস্তারিত

### Order 6 - Pleadings (আবেদনপত্র)

Order 6 Rule 1 - Pleading সংজ্ঞা: Plaint (বাদীর আবেদন) এবং Written Statement (বিবাদীর জবাব) উভয়কেই Pleading বলে।

Order 6 Rule 2 - Pleading-এর মূল নীতি: প্রতিটি Pleading-এ শুধু বস্তুগত তথ্য (Material Facts) থাকবে। আইনের বিষয় (Legal Pleading) থাকবে না। সাক্ষ্য (Evidence) থাকবে না।

#### মনে রাখার টেকনিক:

"Pleading = শুধু তথ্য, আইন বা সাক্ষ্য নয়।" Fact Only No Law No Evidence = FONLE

### Order 6 Rule 17 - Pleading সংশোধন

আদালত যে কোনো সময় Pleading সংশোধনের অনুমতি দিতে পারে যদি সেটা ন্যায্যবিচারের জন্য প্রয়োজন হয় এবং অন্য পক্ষের প্রতি অন্যায় না হয়।

#### বিগত সালের প্রশ্ন:

২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Material Facts এবং Evidence-এর মধ্যে পার্থক্য Pleading-এর ক্ষেত্রে কী?"

---

### Order 11 - Discovery and Inspection (আবিষ্কার ও পরীক্ষা)

Order 11 Rule 1 - Discovery of Documents বা দলিলপত্র আবিষ্কার: যে কোনো পক্ষ অন্য পক্ষের কাছে থাকা প্রাসঙ্গিক দলিলের তালিকা দিতে বলতে পারে।

Order 11 Rule 14 - Inspection of Documents বা দলিলপত্র পরীক্ষা: যে কোনো পক্ষ অন্য পক্ষের কাছে থাকা প্রাসঙ্গিক দলিল পরীক্ষা করে দেখতে পারে।

#### মনে রাখার টেকনিক:

"Order 11 = আবিষ্কারের অর্ডার। গোয়েন্দার মতো দলিল খোঁজো।"



---

## Order 14 - Settlement of Issues (বিষয় নির্ধারণ)

মামলায় আসল বিরোধের বিষয়গুলো চিহ্নিত করার প্রক্রিয়া।

Order 14 Rule 1 - Issues কত প্রকার?

Issues of Fact বা তথ্যগত বিষয়: এমন বিষয় যেখানে পক্ষরা তথ্য নিয়ে দ্বিমত পোষণ করে। Issues of Law বা আইনগত বিষয়: এমন বিষয় যেখানে আইনের ব্যাখ্যা নিয়ে দ্বিমত। Mixed Issues বা মিশ্র বিষয়: তথ্য ও আইন উভয় নিয়ে বিরোধ।

**মনে রাখার টেকনিক:**

"তথ্য, আইন, মিশ্র = তিন ধরনের Issues। F.L.M = Fact, Law, Mixed।"

---

## Order 17 - Adjournment (স্থগিত রাখা)

Order 17 Rule 1 অনুযায়ী আদালত ন্যায়্য কারণে মামলা মূলতবি রাখতে পারে।

**গুরুত্বপূর্ণ সীমাবদ্ধতা:**

প্রতিটি পক্ষ মোট তিনবারের বেশি Adjournment পাবে না।

**মনে রাখার টেকনিক:**

"মূলতবি = তিনবারের বেশি নয়।"

**বিগত সালের প্রশ্ন:**

২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Order 17 অনুযায়ী একটি পক্ষ কতবার Adjournment পেতে পারে?" উত্তর: সর্বোচ্চ ৩ বার।

---

## Order 18 - Hearing of Suit and Examination of Witnesses

মামলার শুনানি এবং সাক্ষীদের পরীক্ষার নিয়ম।



## সাক্ষী পরীক্ষার তিনটি ধাপ:

Examination-in-Chief বা মূল জিজ্ঞাসাবাদ: যে পক্ষ সাক্ষী হাজির করেছে সে জিজ্ঞেস করে।

Cross-Examination বা জেরা: বিপক্ষ জিজ্ঞেস করে।

Re-Examination বা পুনর্জিজ্ঞাসাবাদ: মূল পক্ষ আবার জিজ্ঞেস করে তবে শুধু Cross-Examination-এ যেসব নতুন বিষয় এসেছে সেগুলো নিয়ে।

## মনে রাখার টেকনিক:

"আমার সাক্ষী আমি জিজ্ঞেস করি (Chief), তোমার বিপক্ষ জিজ্ঞেস করে (Cross), আমি আবার জিজ্ঞেস করি যদি নতুন কিছু আসে (Re-Examination)।"

## Order 20 - Judgment and Decree (রায় ও ডিক্রি)

Order 20 Rule 1 - Judgment কখন দিতে হবে?

আদালত মামলার শুনানি শেষে যত দ্রুত সম্ভব Judgment দেবে। সর্বোচ্চ ৩০ দিনের মধ্যে Judgment দেওয়া উচিত তবে বিশেষ পরিস্থিতিতে ৬০ দিন পর্যন্ত যেতে পারে।

Order 20 Rule 3 - Judgment-এর বিষয়বস্তু: Judgment-এ নিম্নলিখিত বিষয় থাকবে: Concise statement of the case বা মামলার সংক্ষিপ্ত বিবরণ। Points for determination বা নির্ধারণের বিষয়। Decision on each issue বা প্রতিটি বিষয়ে সিদ্ধান্ত। Reasons for decision বা সিদ্ধান্তের কারণ।

## মনে রাখার টেকনিক:

"CPDR ফর্মুলা। C = Concise statement P = Points for determination D = Decision R = Reasons"

## Order 38 - Arrest Before Judgment (রায়ের আগে গ্রেপ্তার)

এটা CPC-তে ফৌজদারির মতো কিছু ব্যবস্থা।

Order 38 Rule 1 - কখন রায়ের আগে গ্রেপ্তার করা যাবে?

যদি আদালতের কাছে মনে হয় বিবাদী বিদেশে পালিয়ে যাচ্ছে বা তার সম্পদ সরিয়ে ফেলছে।



### মনে রাখার টেকনিক:

"৩৮ = পালানোর আগে ধরো।"

---

## Section 89 - Reference to Alternative Dispute Resolution (ADR)

Section 89 অনুযায়ী আদালত মামলার পক্ষদের ADR-এর মাধ্যমে বিরোধ মেটাতে উৎসাহিত করতে পারে।

### ADR-এর ধরন:

Arbitration বা সালিশি, Conciliation বা মধ্যস্থতা, Mediation বা মিলন, Lok Adalat বা জনআদালত।

### মনে রাখার টেকনিক:

"৮৯ = বিকল্প পথ খোঁজো।"

### আন্তর্জাতিক সম্পর্কের উদাহরণ:

দুই দেশের মধ্যে বিরোধে যেমন UN Mediation, WTO Dispute Settlement অথবা ICC Arbitration হয়, ঠিক তেমনি বাংলাদেশের দেওয়ানি মামলায় Section 89-এর মাধ্যমে ADR হয়। ইরান-আমেরিকা Algiers Accord ছিল একটি ঐতিহাসিক ADR-এর উদাহরণ। Section 89-ও সেই একই নীতিতে কাজ করে।

---

## অধ্যায় ৪: CPC-র বিশেষ বিষয় - Limitation (সীমাবদ্ধতা)

CPC-র সাথে সাথে The Limitation Act, 1908 মনে রাখতে হবে।

দেওয়ানি মামলায় সময়সীমার নিয়ম:

সাধারণ চুক্তির মামলায় ৬ বছর। সম্পত্তি পুনরুদ্ধারের মামলায় ১২ বছর। টর্ট বা অপকর্মের মামলায় ৩ বছর। সরকারের বিরুদ্ধে মামলায় আলাদা সময়সীমা।

### মনে রাখার টেকনিক:

"৩, ৬, ১২ = Limitation-এর তিন মাপ।"



## অধ্যায় ৫: CPC-র বহুল আলোচিত প্রশ্নোত্তর (বিগত সালের প্রশ্নভিত্তিক)

### প্রশ্ন ১: Decree এবং Order-এর পার্থক্য কী? (২০১৬, ২০১৮, ২০২১ সালে এসেছে)

#### Decree কী:

Decree হলো মামলার মূল বিষয়ে (মেরিট) আদালতের আনুষ্ঠানিক সিদ্ধান্ত যা পক্ষদের অধিকার নির্ধারণ করে।

Decree হয় তিন ধরন: Preliminary Decree বা প্রাথমিক ডিক্রি যা পরবর্তী পদক্ষেপ নির্ধারণ করে। Final Decree বা চূড়ান্ত ডিক্রি যা পুরোপুরি মামলার নিষ্পত্তি করে। Partly Preliminary and Partly Final Decree।

#### Order কী:

Order হলো আদালতের সিদ্ধান্ত যা মামলার মূল বিষয় ছাড়া অন্য কোনো বিষয়ে আসে। যেমন Adjournment-এর Order, Injunction-এর Order।

#### সহজ পার্থক্য:

Decree = মামলার মূল নিষ্পত্তি। Order = মামলা চলাকালীন আনুষঙ্গিক সিদ্ধান্ত।

#### মনে রাখার ছড়া:

"মামলার শেষে আসে ডিক্রি, মাঝে মাঝে আসে আদেশ গাহি।"

### প্রশ্ন ২: "Cause of Action" বলতে কী বোঝায়? (২০১৭, ২০১৯, ২০২৩ সালে এসেছে)

Cause of Action হলো সেই সব তথ্য বা পরিস্থিতির সমষ্টি যা একটি মামলা দায়েরের অধিকার দেয়।

#### তিনটি মূল উপাদান:

প্রথমত, বাদীর কোনো আইনসম্মত অধিকার আছে। দ্বিতীয়ত, সেই অধিকার লঙ্ঘিত হয়েছে বা হুমকির মুখে। তৃতীয়ত, সেই লঙ্ঘন প্রতিকারযোগ্য।

#### উদাহরণ:

করিম রহিমের কাছে ১ লাখ টাকা পাওনা আছে। রহিম দেওয়ার প্রতিশ্রুতি দিয়ে দেয়নি। এখন করিমের Cause of Action হয়েছে। সে মামলা করতে পারবে।

#### রাজনৈতিক উদাহরণ:

৭২ বার কাউন্সিল এনবোলমেন্ট পরীক্ষার শর্টকাট মাস্টার গাইড — © 2026 S M Nazmuz Sakib. All rights reserved. No part of this work may be copied, reproduced, or distributed without prior written permission. DOI: 10.5281/zenodo.19494434



Cause of Action হলো অনেকটা UN Security Council-এ Resolution আনার মতো। আগে "casus belli" বা যুদ্ধের কারণ থাকতে হতো, এখন Cause of Action থাকতে হয়। একটি দেশ অন্য দেশ আক্রমণ না করলে UN-এ অভিযোগ করার ভিত্তি নেই। ঠিক তেমনি অধিকার লঙ্ঘন না হলে মামলার ভিত্তি নেই।

### প্রশ্ন ৩: Summons কী এবং কীভাবে জারি হয়? (২০১৮, ২০২১ সালে এসেছে)

Summons হলো আদালতের পক্ষ থেকে বিবাদী বা সাক্ষীকে আদালতে হাজির হওয়ার নির্দেশ।

Order 5 Rule 9 - Summons জারির পদ্ধতি: প্রথমে Registered Post বা নিবন্ধিত ডাকে। তারপর সরাসরি হাতে হাতে (Personal Service)। তারপর কোনো প্রাপ্তবয়স্ক পরিবারের সদস্যকে দিয়ে। তারপর বাড়িতে লাগিয়ে দিয়ে (Affixture)। তারপর পত্রিকায় বিজ্ঞাপন দিয়ে (Substituted Service)।

#### মনে রাখার টেকনিক:

"ডাক হাত পরিবার লাগানো পত্রিকা = Summons-এর পাঁচ পদক্ষেপ।"

#### বিগত সালের প্রশ্ন:

২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Substituted Service কখন করা হয়?" উত্তর: যখন বিবাদীকে সরাসরি বা তার পরিবারকে Summons দেওয়া সম্ভব হয় না তখন Substituted Service হিসেবে পত্রিকায় বিজ্ঞাপন দেওয়া হয়।

### প্রশ্ন ৪: Judgment Debtor (ডিক্রির বিরুদ্ধে পক্ষ) কে?

Judgment Debtor হলো সেই পক্ষ যার বিরুদ্ধে ডিক্রি দেওয়া হয়েছে এবং যাকে ডিক্রির শর্ত পালন করতে হবে।

Decree Holder হলো সেই পক্ষ যার পক্ষে ডিক্রি দেওয়া হয়েছে।

#### মনে রাখার টেকনিক:

"Debtor = দেনাদার = ডিক্রি পালন করতে হবে। Holder = ধারক = ডিক্রির সুবিধা পাবে।"

### প্রশ্ন ৫: Interlocutory Order কী? (২০১৯ সালে এসেছে)

Interlocutory Order হলো মামলার চূড়ান্ত নিষ্পত্তির আগে মামলা চলাকালীন দেওয়া আদেশ। যেমন Temporary Injunction, Appointment of Receiver, Attachment Before Judgment এতাদি।



## মনে রাখার টেকনিক:

"Interlocutory = মাঝপথের Order।"

## অধ্যায় ৬: CPC-র সম্পূর্ণ Revision এবং Quick Reference

### CPC-র Most Important Sections এবং Orders (মনে রাখার চূড়ান্ত তালিকা)

Section 9 থেকে দেওয়ানি আদালতের সাধারণ এখতিয়ার। Section 10 থেকে পূর্ববর্তী মামলা চলার কারণে মামলা স্থগিত। Section 11 থেকে Res Judicata। Section 20 থেকে স্থানীয় এখতিয়ার। Section 24 থেকে মামলা স্থানান্তর। Section 26 থেকে মামলা শুরু হয় Plaint দিয়ে। Section 35 থেকে মামলার খরচ। Section 47 থেকে Executing Court-এর ক্ষমতা। Section 51 থেকে ডিক্রি জারির উপায়। Section 89 থেকে ADR-এর রেফারেন্স। Section 96 থেকে First Appeal। Section 100 থেকে Second Appeal। Section 104 থেকে Order-এর বিরুদ্ধে Appeal। Section 115 থেকে Revision। Section 144 থেকে Restitution। Section 151 থেকে Inherent Powers।

Order 1 থেকে পক্ষের যোগদান। Order 6 থেকে Pleadings-এর নিয়ম। Order 7 থেকে Plaint-এর বিষয়বস্তু। Order 8 থেকে Written Statement। Order 9 থেকে Ex Parte Decree। Order 11 থেকে Discovery। Order 14 থেকে Issues নির্ধারণ। Order 17 থেকে Adjournment। Order 18 থেকে Hearing। Order 20 থেকে Judgment এবং Decree। Order 21 থেকে Execution। Order 22 থেকে মৃত্যু বা দেউলিয়া হলে। Order 23 থেকে Withdrawal এবং Compromise। Order 26 থেকে Commission। Order 37 থেকে Summary Suit। Order 38 থেকে Arrest Before Judgment। Order 39 থেকে Temporary Injunction। Order 40 থেকে Receiver নিয়োগ। Order 43 থেকে Appealable Orders।

### সুপার মেমোরি চার্ট

CPC-র গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যাগুলো মনে রাখার জন্য এই ছড়া মনে রাখো।

"নয়ে মামলা দশে থামো এগারোতে বলো শেষ হয়েছে। বিশে এখতিয়ার ছাব্বিশে শুরু ছত্রিশে সব হয়েছে। ছত্রিশ আর সাত ও আট Plaint আর জবাবের নাম। নয় নম্বর Order-এ এক পক্ষে দাও ধরার কাম।"

## অধ্যায় ৭: বিগত সালের সমস্ত গুরুত্বপূর্ণ MCQ-র বিশ্লেষণ (CPC বিষয়ক)

### ২০১৬ সালের প্রশ্ন:

প্রশ্ন: CPC-র কোন ধারায় দেওয়ানি আদালতের সাধারণ এখতিয়ার বর্ণনা করা হয়েছে? উত্তর: Section 9।





প্রশ্ন: Preliminary Decree এবং Final Decree-র পার্থক্য কী? উত্তর: Preliminary Decree মামলার কিছু বিষয় নির্ধারণ করে এবং পরবর্তী পদক্ষেপের নির্দেশ দেয়। Final Decree মামলার সম্পূর্ণ নিষ্পত্তি করে।

প্রশ্ন: Res Judicata প্রযোজ্য হওয়ার শর্ত কতটি? উত্তর: মূলত চারটি শর্ত।

---

### ২০১৭ সালের প্রশ্ন:

প্রশ্ন: Temporary Injunction দেওয়ার শর্তগুলো কী কী? উত্তর: PBI ফর্মুলা: Prima Facie Case, Balance of Convenience, Irreparable Injury।

প্রশ্ন: Second Appeal কোথায় এবং কী বিষয়ে করা যায়? উত্তর: High Court Division-এ এবং Substantial Question of Law-এ।

প্রশ্ন: Written Statement দেওয়ার সময়সীমা কত? উত্তর: ৩০ দিন, সর্বোচ্চ ৯০ দিন।

---

### ২০১৮ সালের প্রশ্ন:

প্রশ্ন: Section 151-এর Inherent Powers কখন ব্যবহার করা হয়? উত্তর: যখন আইনে সুনির্দিষ্ট বিধান নেই কিন্তু ন্যায়বিচার নিশ্চিত করতে বা আদালতের অপব্যবহার রোধ করতে এই ক্ষমতা ব্যবহার হয়।

প্রশ্ন: Order 6 Rule 2 অনুযায়ী Pleading-এ কী থাকতে পারবে না? উত্তর: আইনের বিষয় এবং সাক্ষ্য থাকতে পারবে না, শুধু Material Facts থাকবে।

প্রশ্ন: Decree এবং Order-এর মধ্যে প্রধান পার্থক্য কী? উত্তর: Decree মামলার মূল বিষয়ে সিদ্ধান্ত দেয়, Order মামলার আনুষঙ্গিক বিষয়ে সিদ্ধান্ত দেয়।

---

### ২০১৯ সালের প্রশ্ন:

প্রশ্ন: Section 20 অনুযায়ী দেওয়ানি মামলা কোথায় দায়ের করতে হয়? উত্তর: বিবাদী যেখানে বাস করে, ব্যবসা করে বা মামলার কারণে যেখানে উদ্ভব হয়েছে।

প্রশ্ন: Ex Parte Decree কখন বাতিল করা যায়? উত্তর: Order 9 Rule 13 অনুযায়ী বিবাদী যদি প্রমাণ করতে পারে যে সমন পাননি বা যথাযথ কারণে হাজির হতে পারেননি।



প্রশ্ন: Summary Suit কোন ধরনের মামলায় প্রযোজ্য? উত্তর: Order 37 অনুযায়ী প্রধানত Negotiable Instruments এবং লিখিত চুক্তির টাকার মামলায়।

---

### ২০২১ সালের প্রশ্ন:

প্রশ্ন: Interlocutory Order বলতে কী বোঝায়? উত্তর: মামলার চূড়ান্ত নিষ্পত্তির আগে মামলার মাঝখানে দেওয়া আদেশ।

প্রশ্ন: Substituted Service কখন হয়? উত্তর: যখন সাধারণ পদ্ধতিতে সমন জারি সম্ভব না হয়।

প্রশ্ন: Order 17 অনুযায়ী কতবার Adjournment পাওয়া যায়? উত্তর: মোট ৩ বার।

---

### ২০২৩ সালের প্রশ্ন:

প্রশ্ন: Section 115-এর অধীনে Revision কখন করা যায়? উত্তর: যখন অধস্তন আদালত এখতিয়ার ছাড়া কাজ করে বা এখতিয়ার সীমা লঙ্ঘন করে বা আইনবিরুদ্ধভাবে কাজ করে।

প্রশ্ন: Order 39 Rule 1 এবং Rule 2-এর পার্থক্য কী? উত্তর: Rule 1 মামলার বিষয়বস্তু নষ্ট বা ক্ষতি রোধে Injunction দেয়। Rule 2 বিবাদীর কোনো কাজ রোধে Injunction দেয়।

প্রশ্ন: Cause of Action কী? উত্তর: সেই সব তথ্য যা মামলার অধিকার সৃষ্টি করে।

---

### ২০২৫ সালের MCQ পরীক্ষার পূর্বাভাস (এই বিষয়গুলো থেকে আসতে পারে)

CPC-র যেসব বিষয় থেকে প্রশ্ন আসার সম্ভাবনা বেশি:

Section 9 থেকে Civil Court-এর এখতিয়ার। Section 11 থেকে Res Judicata-র শর্ত। Section 20 থেকে Territorial Jurisdiction। Section 96 এবং 100 থেকে Appeal। Section 115 থেকে Revision। Section 151 থেকে Inherent Powers। Order 7 থেকে Plaint-এর বিষয়বস্তু। Order 8 থেকে Written Statement-এর সময়সীমা। Order 39 থেকে Temporary Injunction-এর শর্ত। Order 21 থেকে Execution।

---

### অধ্যায় ৮: CPC-র ব্যবহারিক উদাহরণ (Real World Application)



## বাস্তব জীবনের মামলার সাথে CPC-র সংযোগ

এই অংশটা পড়লে তুমি বুঝতে পারবে কেন আইনজীবী হওয়াটা এত গুরুত্বপূর্ণ এবং CPC জানাটা আরও বেশি জরুরি।

### উদাহরণ ১: জমি নিয়ে বিরোধ

ঢাকার মিরপুরে রাহেলা বেগমের একটি জমি আছে। তার প্রতিবেশী জামাল সাহেব ধীরে ধীরে জমির সীমানা পার করে তার জমি দখল করছেন।

এই ক্ষেত্রে রাহেলা বেগম CPC অনুযায়ী কী করবেন?

পদক্ষেপ ১: Section 20 অনুযায়ী মিরপুরের স্থানীয় দেওয়ানি আদালতে মামলা দায়ের করবেন (কারণ জমি সেখানে)।

পদক্ষেপ ২: Order 7 অনুযায়ী Plaint বা আরজি লিখবেন যেখানে জমির বিবরণ, কতটুকু দখল হয়েছে এবং কী প্রতিকার চাই সব লেখা থাকবে।

পদক্ষেপ ৩: Order 39 অনুযায়ী Temporary Injunction চাইবেন যাতে মামলা চলাকালীন জামাল আর দখল বাড়তে না পারেন। PBI শর্ত পূরণ করতে হবে: Prima Facie Case আছে কারণ জমির দলিল আছে, Balance of Convenience বাদীর দিকে কারণ জমি আরও বেশি হারাতে পারে, Irreparable Injury আছে কারণ জমি হারালে টাকা দিয়ে পোষানো যাবে না।

পদক্ষেপ ৪: আদালত Order 5 অনুযায়ী জামালকে Summons পাঠাবে।

পদক্ষেপ ৫: জামাল Order 8 অনুযায়ী ৩০ দিনের মধ্যে Written Statement দেবেন।

পদক্ষেপ ৬: মামলার শেষে Order 20 অনুযায়ী Judgment এবং Decree হবে।

পদক্ষেপ ৭: রাহেলা যদি জিতে যান তাহলে Order 21 অনুযায়ী Decree জারি করে জমি ফিরে পাবেন।

দেখো কীভাবে CPC-র প্রতিটি Section এবং Order বাস্তব জীবনে কাজ করে।

### উদাহরণ ২: ব্যবসায়িক চুক্তির বিরোধ

ঢাকার গার্মেন্টস কোম্পানি "Blue Star Ltd." জার্মানির ফ্রেতার সাথে চুক্তি করেছে। কিন্তু জার্মান কোম্পানি পণ্য নিয়ে টাকা দিচ্ছে না।



এই ক্ষেত্রে Blue Star Ltd. কী করবে?

যদি দুই পক্ষের মধ্যে Arbitration Clause থাকে তাহলে Section 89 অনুযায়ী Arbitration-এ যাবে।

যদি না থাকে তাহলে CPC Section 20 অনুযায়ী আদালতে যাবে। Order 37 অনুযায়ী Summary Suit করতে পারে (লিখিত চুক্তির উপর ভিত্তি করে)।

এই মামলার আন্তর্জাতিক দিকটা আকর্ষণীয়। বাংলাদেশের আদালতের জার্মান কোম্পানির উপর এখতিয়ার থাকবে কিনা সেটা Private International Law-এর বিষয়। কিন্তু যদি কোম্পানির বাংলাদেশে সম্পদ থাকে তাহলে CPC-র আওতায় আসবে।

---

### উদাহরণ ৩: পারিবারিক সম্পত্তি বিরোধ

বাবা মারা যাওয়ার পর তিন ভাইয়ের মধ্যে সম্পত্তি ভাগ নিয়ে বিরোধ হয়েছে।

এখানে CPC-র Order 1 Rule 1 প্রযোজ্য কারণ তিন ভাই একসাথে বা আলাদাভাবে মামলা করতে পারবে।

Res Judicata (Section 11) গুরুত্বপূর্ণ কারণ একবার যদি একটি বিভাজন নিয়ে আদালত সিদ্ধান্ত দেয় তাহলে সেই বিভাজন নিয়ে আবার মামলা করা যাবে না।

---

### অধ্যায় ৯: CPC-র জন্য মেমোরি টেকনিকের চূড়ান্ত সংকলন

#### টেকনিক ১: সংখ্যার সাথে অর্থের সংযোগ

Section 9 = নয় মানে এগিয়ে যাও, মামলা করো। Section 10 = দশ মানে দশ পা পিছিয়ে যাও, থামো (Stay)। Section 11 = এগারো মানে রেসলিং-এ TKO হয়ে গেছ, আর লড়াইতে পারবে না (Res Judicata)। Section 20 = বিশ মানে বিশ্ব মানে পুরো এলাকা, কোথায় থাকো সেখানে মামলা। Section 100 = একশ মানে High Court, সর্বোচ্চ পর্যায়। Section 115 = একশ পনের মানে Revision, এক পাঁচ মানে পাঁচটা ভুল ঠিক করো। Section 151 = একশ একাল্ল মানে একশ একাল্ল বিপদে Inherent Powers।

#### টেকনিক ২: রাজনৈতিক তুলনা

CPC Section 9 = UN Charter-এর Jurisdiction নীতি। Res Judicata = UN Security Council-এর পাস হওয়া Resolution। Temporary Injunction = UN Ceasefire Resolution। Execution = UN Enforcement Action (Chapter VII)। Second Appeal to HC = UN ICJ Final Decision।



## টেকনিক ৩: বাংলাদেশের বর্তমান রাজনৈতিক প্রেক্ষাপটে

২০২৪ সালে বাংলাদেশে যে রাজনৈতিক পরিবর্তন হয়েছে তার পরে অনেক সম্পত্তি পুনরুদ্ধার মামলা হচ্ছে। এই মামলাগুলোতে CPC-র Order 39 (Injunction) এবং Section 47 (Executing Court) অনেক বেশি প্রাসঙ্গিক হয়ে উঠেছে।

### অধ্যায় ১০: CPC প্র্যাকটিস প্রশ্ন (নিজে পরীক্ষা করো)

নিচের প্রশ্নগুলো নিজে সমাধান করার চেষ্টা করো। উত্তর পরের পাতায় দেওয়া আছে।

প্রশ্ন ১: করিম ঢাকায় বাস করে। রহিম চট্টগ্রামে বাস করে। তারা সিলেটে একটি চুক্তি করেছিল। বিরোধ হলে মামলা কোথায় করতে হবে?

প্রশ্ন ২: একটি মামলায় বাদী মারা গেছেন। কতদিনের মধ্যে উত্তরাধিকারীকে প্রতিস্থাপনের আবেদন করতে হবে?

প্রশ্ন ৩: Second Appeal-এ কোন ধরনের প্রশ্ন তোলা যাবে?

প্রশ্ন ৪: Temporary Injunction পাওয়ার তিনটি শর্ত কী?

প্রশ্ন ৫: Order 23 Rule 1 অনুযায়ী আদালতের অনুমতি ছাড়া মামলা প্রত্যাহার করলে কী হবে?

প্রশ্ন ৬: Written Statement দেওয়ার জন্য সর্বোচ্চ কতদিন সময় পাওয়া যায়?

প্রশ্ন ৭: Section 151-এর Inherent Powers কখন প্রযোজ্য?

প্রশ্ন ৮: Ex Parte Decree কীভাবে বাতিল করা যায়?

### উত্তর:

উত্তর ১: Section 20 অনুযায়ী চট্টগ্রামে (বিবাদীর বাসস্থান) বা সিলেটে (চুক্তির স্থান অর্থাৎ Cause of Action)। ঢাকায় মামলা করা যাবে না।

উত্তর ২: Order 22 অনুযায়ী সাধারণত ৯০ দিনের মধ্যে (তবে এটা আদালতের বিবেচনার উপর নির্ভরশীল)।

উত্তর ৩: Section 100 অনুযায়ী শুধুমাত্র Substantial Question of Law।

উত্তর ৪: PBI = Prima Facie Case, Balance of Convenience, Irreparable Injury।



উত্তর ৫: একই বিষয়ে নতুন মামলা করা যাবে না।

উত্তর ৬: ৯০ দিন (প্রথমে ৩০ দিন, আদালত আরও বাড়তে পারে সর্বোচ্চ ৯০ দিন পর্যন্ত)।

উত্তর ৭: যখন CPC-তে সুনির্দিষ্ট বিধান নেই কিন্তু ন্যায়বিচার করতে বা আদালতের অপব্যবহার রোধ করতে হবে।

উত্তর ৮: Order 9 Rule 13 অনুযায়ী বিবাদী প্রমাণ করবে যে সমন পাননি বা যথাযথ কারণে অনুপস্থিত ছিলেন।

---

## অধ্যায় ১১: The Specific Relief Act, 1877 (SRA) - সম্পূর্ণ আলোচনা

### SRA কেন আলাদা আইন?

CPC বলে কীভাবে মামলা করতে হবে। SRA বলে কী ধরনের প্রতিকার (Relief) পাওয়া যাবে।

SRA-র মূল প্রশ্ন: "আদালত কী করে দেবে?"

### SRA ১৮৭৭ সালের আইন।

মনে রাখার টেকনিক: "সাত সাত = SRA" অর্থাৎ ১৮৭৭।

পরীক্ষায় SRA থেকে ১০টি প্রশ্ন আসে।

---

### SRA-র মূল বিভাগ

SRA-কে প্রধানত দুটি ভাগে ভাগ করা যায়:

প্রথম ভাগ হলো Specific Relief অর্থাৎ নির্দিষ্ট প্রতিকার। এখানে আদালত হারানো জিনিস ফিরিয়ে দেওয়া বা হারানো অধিকার পুনরুদ্ধারের আদেশ দেয়।

দ্বিতীয় ভাগ হলো Preventive Relief অর্থাৎ প্রতিরোধমূলক প্রতিকার। এখানে আদালত Injunction দিয়ে কোনো কাজ করতে বাধা দেয়।

### মনে রাখার টেকনিক:

"Specific = পাওয়ার জন্য। Preventive = রোধ করার জন্য।"



---

## Section 8 - Recovery of Specific Immovable Property (নির্দিষ্ট স্থাবর সম্পত্তি পুনরুদ্ধার)

Section 8 বলে: যদি কোনো ব্যক্তি নির্দিষ্ট স্থাবর সম্পত্তির দখল থেকে বঞ্চিত হয় তাহলে আদালত সেই সম্পত্তির দখল পুনরুদ্ধারের আদেশ দিতে পারে।

### কারা Section 8-এর অধীনে মামলা করতে পারে?

যে ব্যক্তি সম্পত্তির মালিক। যে ব্যক্তি সম্পত্তির দখলদার এমনকি মালিক না হলেও।

### মনে রাখার টেকনিক:

"Section 8 = জমি ফিরে পাও। আট মানে আটকা পড়া জমি মুক্ত করো।"

---

## Section 9 - Recovery of Specific Movable Property (নির্দিষ্ট অস্থাবর সম্পত্তি পুনরুদ্ধার)

Section 9 বলে: যদি কোনো ব্যক্তি নির্দিষ্ট অস্থাবর সম্পত্তির দখল থেকে বঞ্চিত হয় তাহলে আদালত সেই সম্পত্তি ফেরত দেওয়ার আদেশ দিতে পারে।

### কখন নির্দিষ্ট অস্থাবর সম্পত্তি ফেরত পাওয়া যাবে?

যখন সম্পত্তির মূল্য টাকায় পরিমাপ করা কঠিন। যখন ক্ষতিপূরণ যথেষ্ট প্রতিকার দেবে না।

উদাহরণ: পারিবারিক ঐতিহ্যের গহনা, বিরল শিল্পকর্ম।

---

## Section 10 - Cases in which Specific Performance Enforceable (নির্দিষ্ট সম্পাদন কখন বাস্তবায়নযোগ্য)

এটা SRA-র সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section।

Section 10 বলে: চুক্তির নির্দিষ্ট সম্পাদন দেওয়া হবে যদিও ক্ষতিপূরণও পাওয়া যেতে পারে। তবে নির্দিষ্ট সম্পাদন তখনই দেওয়া হবে যখন ক্ষতিপূরণ যথেষ্ট প্রতিকার দেবে না।

### কখন ক্ষতিপূরণ যথেষ্ট হবে না?

যখন চুক্তির বিষয়বস্তু অনন্য বা অপরিবর্তনীয়। যেমন একটি বিশেষ জমি, একটি বিরল চিত্রকর্ম।



## কখন Specific Performance দেওয়া হবে না?

Section 14 অনুযায়ী নিম্নলিখিত চুক্তির Specific Performance দেওয়া যাবে না:

যে চুক্তি ব্যক্তিগত দক্ষতার উপর নির্ভরশীল যেমন গায়কের পরিবেশনা। যে চুক্তিতে বিস্তারিত তদারকি দরকার। যে চুক্তি অনির্দিষ্ট বা অনিশ্চিত। যে চুক্তি সহায়তামূলক প্রকৃতির।

### মনে রাখার টেকনিক:

"Section 10 = চুক্তি মানো, নইলে আদালত বাধ্য করবে। Section 14 = এই চার ক্ষেত্রে না।"

### বিগত সালের প্রশ্ন:

২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Specific Performance কখন দেওয়া হয় না?" উত্তর: Section 14 অনুযায়ী ব্যক্তিগত দক্ষতার, অনির্দিষ্ট বা অনিশ্চিত চুক্তির।

## Section 12 - Specific Performance of Part of a Contract (চুক্তির অংশ সম্পাদন)

যদি চুক্তির একটি অংশ বাস্তবায়ন করা সম্ভব এবং অন্য অংশ না হয় তাহলে বাস্তবায়নযোগ্য অংশের জন্য Specific Performance পাওয়া যাবে।

## Section 13 - Rights of Purchaser or Lessee Against Person with no Title (শিরোনামহীন বিক্রেতার বিরুদ্ধে ক্রেতার অধিকার)

যদি কেউ এমন সম্পত্তি বিক্রি করে যার মালিক সে নয় তাহলে ক্রেতা SRA Section 13-এর অধীনে প্রতিকার পেতে পারে।

## Section 16 - Personal Bar to the Grant of Relief (ব্যক্তিগত বাধা)

Section 16 বলে: নিম্নলিখিত ক্ষেত্রে Specific Performance দেওয়া হবে না:

যে ব্যক্তি চুক্তির শর্ত পালন করেনি বা পালন করতে অক্ষম সে Specific Performance পাবে না। যে ব্যক্তি চুক্তিটি জোর বা প্রতারণার মাধ্যমে করিয়েছে। যে ব্যক্তি চুক্তির শর্ত লঙ্ঘন করেছে।

### মনে রাখার টেকনিক:





"নিজে দোষী হলে Specific Performance পাবে না। এক হাত দিয়ে তালি বাজে না।"

---

## Section 19 - Relief Against Parties and Persons Claiming Under Them

Specific Performance-এর আদেশ কার বিরুদ্ধে হবে?

প্রধানত চুক্তির পক্ষদের বিরুদ্ধে। তাদের Representative এবং উত্তরাধিকারীদের বিরুদ্ধে। কিন্তু যে ব্যক্তি চুক্তির বিষয়ে ন্যায্য মূল্য দিয়ে এবং বিনা নোটিশে সম্পত্তি কিনেছেন তার বিরুদ্ধে নয়।

---

## Section 20 - Discretion as to Decreeing Specific Performance (বিচারিক বিবেচনা)

Specific Performance দেওয়া আদালতের বিবেচনামূলক ক্ষমতার মধ্যে পড়ে।

### গুরুত্বপূর্ণ নীতি:

Specific Performance একটি Discretionary Relief, অধিকারভিত্তিক নয়। মানে আদালত ন্যায্য মনে করলে দেবে, না করলে দেবে না।

### রাজনৈতিক উদাহরণ:

এটা অনেকটা UN Security Council-এর Discretionary Power-এর মতো। চাইলে দেয়, না চাইলে না। Veto Power আছে। ঠিক তেমনি আদালতও Specific Performance দিতে বা না দিতে পারে।

---

## Section 21 - Power to Award Compensation (ক্ষতিপূরণ দেওয়ার ক্ষমতা)

Section 21 বলে: যদি আদালত মনে করে Specific Performance বাস্তবে সম্ভব নয় তাহলে ক্ষতিপূরণ দেওয়ার আদেশ দিতে পারে।

---

## Section 34 - Declaratory Decree (ঘোষণামূলক ডিক্রি)

Section 34 বলে: আদালত যে কোনো ব্যক্তির আইনগত অধিকার বা মর্যাদা ঘোষণা করতে পারে যদি সেই ব্যক্তি মনে করে তার অধিকার সম্পর্কে বিরোধ আছে।



## কবে Declaratory Decree পাওয়া যাবে না?

যদি বাদী আরও বড় প্রতিকার পেতে পারতেন কিন্তু সেটা না চেয়ে শুধু ঘোষণা চেয়েছেন।

## মনে রাখার টেকনিক:

"Section 34 = তোমার অধিকার আছে বলো, ঘোষণা করো।"

## বিগত সালের প্রশ্ন:

২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Declaratory Decree কোন Section-এ?" উত্তর: SRA Section 34।

## Section 35 - Effect of Declaration (ঘোষণার প্রভাব)

Section 35 বলে: Section 34-এর অধীনে দেওয়া ঘোষণামূলক ডিক্রি মামলার পক্ষদের এবং তাদের উত্তরাধিকারীদের বিরুদ্ধে বাধ্যকর।

## Section 38 - Perpetual Injunction (স্থায়ী নিষেধাজ্ঞা)

Section 38 বলে: আদালত স্থায়ী Injunction দিতে পারে যদি:

বিবাদী বাদীর চুক্তিভিত্তিক বা অন্য কোনো অধিকার লঙ্ঘন করেছে বা করার আশঙ্কা আছে। ক্ষতিপূরণ যথেষ্ট প্রতিকার দেবে না। বিরোধের বিষয়টি পুনরায় মূল্যায়ন কর্তিন বা অসম্ভব।

## Temporary Injunction (CPC Order 39) এবং Perpetual Injunction (SRA Section 38)-এর পার্থক্য:

CPC Order 39 = সাময়িক, মামলা চলাকালীন। SRA Section 38 = স্থায়ী, মামলা শেষে।

## মনে রাখার টেকনিক:

"CPC-তে সাময়িক থামাও, SRA-তে স্থায়ীভাবে থামাও।"

## Section 39 - Mandatory Injunction (বাধ্যতামূলক নিষেধাজ্ঞা)



Section 39 বলে: আদালত Mandatory Injunction দিতে পারে যার মাধ্যমে বিবাদীকে কিছু করতে বাধ্য করা হয় (কিছু না করতে বলা নয়)।

### Prohibitory এবং Mandatory Injunction-এর পার্থক্য:

Prohibitory Injunction = কোনো কাজ করো না। Mandatory Injunction = একটা নির্দিষ্ট কাজ করো।

উদাহরণ: প্রতিবেশী তোমার জমিতে ভবন নির্মাণ করছে। Prohibitory Injunction-এ বলবে "নির্মাণ বন্ধ করো।" Mandatory Injunction-এ বলবে "অবৈধভাবে নির্মিত অংশ ভেঙে দাও।"

### রাজনৈতিক উদাহরণ:

UN Security Council-এর Resolution দুই ধরনে: Prohibitory = "আক্রমণ বন্ধ করো।" Mandatory = "দখলকৃত অঞ্চল ছেড়ে দাও।" ঠিক SRA-র Section 38 এবং 39-এর মতো।

---

### Section 40 - Damages in Lieu of or in Addition to Injunction

আদালত Injunction-এর বদলে বা সাথে ক্ষতিপূরণও দিতে পারে।

---

### SRA-র বিগত সালের MCQ প্রশ্ন

২০১৬ সালে: "Specific Performance কোন Section-এ?" উত্তর: SRA Section 10।

২০১৭ সালে: "Declaratory Decree কোন Section-এ?" উত্তর: SRA Section 34।

২০১৮ সালে: "Permanent Injunction কোন Section-এ?" উত্তর: SRA Section 38।

২০১৯ সালে: "Specific Performance কখন দেওয়া হয় না?" উত্তর: Section 14 অনুযায়ী ব্যক্তিগত দক্ষতার চুক্তিতে।

২০২১ সালে: "Mandatory Injunction এবং Prohibitory Injunction-এর পার্থক্য?" উত্তর: Mandatory-তে কিছু করতে বাধ্য করা হয়, Prohibitory-তে কিছু না করতে বলা হয়।

২০২৩ সালে: "Section 20 SRA অনুযায়ী Specific Performance কোন ধরনের Relief?" উত্তর: Discretionary Relief।



## SRA-র সুপার মোমোরি চার্ট

সেকশন ৮ থেকে স্থাবর সম্পত্তি। সেকশন ৯ থেকে অস্থাবর সম্পত্তি। সেকশন ১০ থেকে Specific Performance। সেকশন ১২ থেকে আংশিক সম্পাদন। সেকশন ১৪ থেকে Specific Performance যাবে না। সেকশন ১৬ থেকে ব্যক্তিগত বাধা। সেকশন ২০ থেকে বিচারিক বিবেচনা। সেকশন ২১ থেকে ক্ষতিপূরণ। সেকশন ৩৪ থেকে ঘোষণামূলক ডিক্রি। সেকশন ৩৮ থেকে স্থায়ী Injunction। সেকশন ৩৯ থেকে Mandatory Injunction।

## অধ্যায় ১২: CPC এবং SRA-র তুলনামূলক বিশ্লেষণ (পরীক্ষায় প্রায়ই আসে)

### CPC এবং SRA একসাথে কীভাবে কাজ করে?

CPC = প্রক্রিয়াগত আইন (Procedural Law)। SRA = মূল আইন (Substantive Law)।

অর্থাৎ SRA বলে কী প্রতিকার পাবে আর CPC বলে কীভাবে সেই প্রতিকার পাবে।

### উদাহরণ:

জমি বিক্রির চুক্তি হয়েছে কিন্তু বিক্রেতা দিচ্ছে না। SRA Section 10 বলে Specific Performance পাওয়া যাবে। CPC Order 7 বলে কীভাবে Plaint লিখতে হবে। CPC Section 20 বলে কোথায় মামলা করতে হবে। CPC Order 39 বলে মামলা চলাকালীন সম্পত্তি রক্ষার জন্য Injunction চাও। SRA Section 38 বলে মামলা শেষে স্থায়ী Injunction পাবে।

## অধ্যায় ১৩: পার্ট ১-এর চূড়ান্ত রিভিশন এবং পরীক্ষার কৌশল

### পরীক্ষার আগের রাতের জন্য Quick Revision

### CPC-র জন্য ১০টি সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ বিষয়

প্রথমটি হলো Section 9 থেকে দেওয়ানি আদালতের এখতিয়ার। দ্বিতীয়টি হলো Section 11 থেকে Res Judicata এবং তার চারটি শর্ত। তৃতীয়টি হলো Section 20 থেকে Territorial Jurisdiction এবং RBA ফর্মুলা। চতুর্থটি হলো Order 7 থেকে Plaint-এর বিষয়বস্তু এবং NANDAMVR ফর্মুলা। পঞ্চমটি হলো Order 8 থেকে Written Statement-এর সময়সীমা (৩০ থেকে ৯০ দিন)। ষষ্ঠটি হলো Order 9 Rule 6 এবং 13 থেকে Ex Parte Decree। সপ্তমটি হলো Order 39 থেকে Temporary Injunction এবং PBI ফর্মুলা। অষ্টমটি হলো Section 96 এবং 100 থেকে Appeal। নবমটি হলো Section 115 থেকে Revision এবং Appeal-এর পার্থক্য। দশমটি হলো Section 151 থেকে Inherent Powers।



## SRA-র জন্য ৫টি সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ বিষয়

প্রথমটি হলো Section 10 থেকে Specific Performance। দ্বিতীয়টি হলো Section 14 থেকে কখন Specific Performance দেওয়া হবে না। তৃতীয়টি হলো Section 16 থেকে ব্যক্তিগত বাধা। চতুর্থটি হলো Section 34 থেকে Declaratory Decree। পঞ্চমটি হলো Section 38 এবং 39 থেকে Perpetual এবং Mandatory Injunction।

## পরীক্ষার কৌশল

### MCQ পরীক্ষায় কৌশল

প্রতিটি প্রশ্নে সর্বোচ্চ ৩৬ সেকেন্ড সময় আছে (১ ঘন্টায় ১০০ প্রশ্ন)।

প্রথমে সহজ প্রশ্নগুলো সমাধান করো। কঠিন প্রশ্ন স্কিপ করে পরে ফিরে আসো। Section নম্বর সংক্রান্ত প্রশ্নে "elimination method" ব্যবহার করো।

### CPC-তে MCQ-এর Pattern

সাধারণত প্রশ্ন আসে Section নম্বর জিজ্ঞেস করে। অথবা একটি পরিস্থিতি দিয়ে জিজ্ঞেস করে কোন Section প্রযোজ্য। অথবা দুটি বিষয়ের পার্থক্য জিজ্ঞেস করে।

## সংক্ষিপ্ত জোক এবং মনে রাখার উপায় (চূড়ান্ত সংকলন)

### জোক ১: Res Judicata এবং UN Security Council

UN Security Council 2003 সালে ইরাক আক্রমণের পক্ষে Resolution দেয়নি। আমেরিকা তারপরও আক্রমণ করল এবং পরে আবার Resolution চাইতে গেল। Res Judicata হলে বলা হতো "একবার না বলা হয়েছে, আবার আসো কেন?" CPC-র Section 11-ও একই কথা বলে।

### জোক ২: Temporary Injunction এবং যুদ্ধবিরতি

২০২৩ সালে গাজায় যুদ্ধ শুরু হলে UN বলল "Ceasefire" বা যুদ্ধবিরতি। এটা হলো Order 39-এর Temporary Injunction। কিন্তু স্থায়ী শান্তি SRA Section 38-এর মতো Perpetual Injunction যা কেউ দিতে পারেনি।

### জোক ৩: Written Statement এবং রাজনৈতিক সংকট



বাংলাদেশের কোনো সরকার যদি আন্তর্জাতিক চাপে ৩০ দিনের মধ্যে জবাব না দেয় তাহলে বলা হয় "Written Statement-এর সময় পার হয়ে গেছে।" আন্তর্জাতিক কূটনীতিতেও "Response deadline" থাকে। Order 8 Rule 1-এ ৩০ দিনের সময়সীমা এই কারণেই গুরুত্বপূর্ণ।

## জোক ৪: Inherent Powers এবং সুপারহিরো

Section 151-এর Inherent Powers হলো আদালতের "Superman cape"। সাধারণত CPC-র নির্দিষ্ট ক্ষমতার মধ্যে কাজ করে। কিন্তু ন্যায়বিচারের জন্য cape পরে উড়ে যায়। ঠিক যেমন দুর্নীতিবাজ নেতা যখন দেশের সংবিধানের বাইরে যায় তখন আদালতের Inherent Power দরকার হয়।

## অধ্যায় ১৪: CPC এবং SRA বিষয়ক ২০২৬ পরীক্ষার পূর্বাভাস

### ২০২৬ সালের বার কাউন্সিল পরীক্ষায় সম্ভাব্য প্রশ্ন

#### CPC বিষয়ে সম্ভাব্য প্রশ্ন

প্রশ্ন: Order 17 অনুযায়ী একটি পক্ষ কতবার Adjournment পেতে পারে? উত্তর: সর্বোচ্চ ৩ বার।

প্রশ্ন: Section 89 CPC-তে ADR-এর কোন পদ্ধতিগুলো উল্লেখ আছে? উত্তর: Arbitration, Conciliation, Mediation, Lok Adalat।

প্রশ্ন: Order 38 Rule 1 অনুযায়ী কখন Arrest Before Judgment করা যায়? উত্তর: যখন আদালতের কাছে মনে হয় বিবাদী বিদেশে পালিয়ে যাচ্ছে বা সম্পদ সরাচ্ছে।

প্রশ্ন: Section 144 CPC অনুযায়ী Restitution কী? উত্তর: উচ্চতর আদালতে ডিক্রি পরিবর্তিত বা বাতিল হলে ক্ষতিগ্রস্ত পক্ষকে পুনরুদ্ধার দেওয়া।

#### SRA বিষয়ে সম্ভাব্য প্রশ্ন

প্রশ্ন: Section 20 SRA বলতে কী বোঝায়? উত্তর: Specific Performance একটি Discretionary Relief।

প্রশ্ন: Section 40 SRA কী বলে? উত্তর: Injunction-এর বদলে বা সাথে ক্ষতিপূরণ দেওয়া যাবে।

প্রশ্ন: Section 13 SRA কখন প্রযোজ্য? উত্তর: যখন বিক্রেতা সম্পত্তির প্রকৃত মালিক নয়।

## এই পার্টের সারসংক্ষেপ



তুমি এই পার্টে যা পড়লে সেটা সংক্ষেপে বললে:

CPC হলো দেওয়ানি মামলার প্রক্রিয়াগত সংবিধান। ১৯০৮ সালের এই আইনে ১৫৮টি সেকশন এবং ৫১টি আদেশ আছে।

গুরুত্বপূর্ণ Section হলো 9, 10, 11, 20, 24, 26, 35, 47, 51, 89, 96, 100, 104, 115, 144, 151।

গুরুত্বপূর্ণ Order হলো 1, 6, 7, 8, 9, 11, 14, 17, 18, 20, 21, 22, 23, 37, 38, 39, 40, 43।

SRA হলো দেওয়ানি প্রতিকারের মূল আইন। ১৮৭৭ সালের এই আইনে Specific Performance, Injunction, Declaratory Decree-র বিধান আছে।

গুরুত্বপূর্ণ Section হলো 8, 9, 10, 12, 13, 14, 16, 19, 20, 21, 34, 35, 38, 39, 40।

MCQ পরীক্ষায় CPC থেকে ২০ এবং SRA থেকে ১০ প্রশ্ন আসে। মোট ৩০ প্রশ্ন।

এই ৩০ প্রশ্নে ফুল মার্কস পেতে হলে উপরের Section এবং Order গুলো মুখস্থ রাখতে হবে।

মনে রাখার সহজ পথ: প্রতিটি Section-এর সাথে একটি গল্প বা উদাহরণ মিলিয়ে পড়ো। রাজনীতি, আন্তর্জাতিক সম্পর্ক এবং বাস্তব জীবনের উদাহরণ দিয়ে মনে রাখার চেষ্টা করো।

---

## পরিশেষে

এই পার্টটা পড়লে তুমি CPC এবং SRA-র সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ বিষয়গুলো জানলে। পরবর্তী পার্টে আমরা পড়ব The Code of Criminal Procedure, 1898 (CrPC) এবং The Penal Code, 1860 নিয়ে।

একটা শেষ কথা: আইনজীবী হওয়া মানে শুধু পাস করা নয়। আইনজীবী হওয়া মানে মানুষের অধিকার রক্ষা করা। বাংলাদেশে ৪৫ থেকে ৫০ হাজার মানুষ প্রতি বছর বার কাউন্সিল পরীক্ষা দেয়। তুমি তাদের মধ্যে যদি সেরাদের একজন হতে চাও তাহলে শুধু মুখস্থ না করে বুঝে পড়ো।

মনে রাখো আইনের প্রতিটি সেকশনের পেছনে একটি মানবিক গল্প আছে। Res Judicata এসেছে কারণ একই মামলা বারবার করলে আদালত অচল হয়ে যায়। Temporary Injunction এসেছে কারণ মামলা শেষ হওয়ার আগেই ক্ষতি হয়ে যায়। Inherent Powers এসেছে কারণ আইনের ফাঁকে পড়ে অন্যায় যেন না হয়।

এই মানবিক দৃষ্টিভঙ্গি নিয়ে আইন পড়লে শুধু পরীক্ষায় পাস না, জীবনে সফল আইনজীবী হওয়া যায়।

পার্ট ২-এ দেখা হবে!



## পার্ট ২: The Code of Criminal Procedure, 1898 (CrPC) এবং The Penal Code, 1860 (সম্পূর্ণ)

### লেখকের কথা (পার্ট ২ শুরু করার আগে)

প্রিয় পরীক্ষার্থী,

তুমি যদি পার্ট ১ পড়ে এসে থাকো তাহলে ইতিমধ্যে CPC এবং SRA-র ৩০ নম্বর তোমার কাছে অনেক সহজ হয়ে গেছে। এখন তুমি পার্ট ২-এ প্রবেশ করলে। এই পার্টে আমরা পড়ব দুটি সবচেয়ে রোমাঞ্চকর আইন।

প্রথমটি হলো The Code of Criminal Procedure, 1898 সংক্ষেপে CrPC। এটা হলো ফৌজদারি মামলার পদ্ধতির সংবিধান। পরীক্ষায় ২০ নম্বর।

দ্বিতীয়টি হলো The Penal Code, 1860 সংক্ষেপে PC বা IPC। এটা হলো অপরাধের সংজ্ঞা এবং শাস্তির আইন। পরীক্ষায় ২০ নম্বর।

এই দুটি মিলিয়ে মোট ৪০ নম্বর। মানে পরীক্ষার ৪০ শতাংশ।

একটা মজার বিষয় বলি। আন্তর্জাতিক সম্পর্কে একটা তত্ত্ব আছে যার নাম "Power Transition Theory"। এই তত্ত্ব বলে যখন কোনো দেশ শক্তি অর্জন করে সে তার শক্তি ব্যবহার করতে চায়। CrPC এবং Penal Code হলো রাষ্ট্রের সেই শক্তির প্রকাশ। রাষ্ট্রের বলছে এই এই কাজ অপরাধ (Penal Code) এবং সেই অপরাধীকে এইভাবে ধরা হবে এবং বিচার হবে (CrPC)।

তুমি যখন আইনজীবী হবে তখন এই দুটি আইন তোমার হাতের মুঠোয় থাকতে হবে। কারণ ফৌজদারি মামলায় মক্কেলের জীবন এবং স্বাধীনতা নির্ভর করে তোমার জ্ঞানের উপর।

চলো শুরু করি।

### অধ্যায় ১: The Code of Criminal Procedure, 1898 (CrPC) - সম্পূর্ণ পরিচয়

#### CrPC কী এবং কেন এটা পড়তে হবে?

CrPC মানে হলো The Code of Criminal Procedure, 1898। এটি পাস হয়েছে ১৮৯৮ সালে। ব্রিটিশ ভারতে।

মনে রাখার টেকনিক: "আট নয় আট = ১৮৯৮ = CrPC।" অথবা মনে রাখো "আট সালে অপরাধীকে ধরার নিয়ম হলো।"





CrPC হলো "Adjective Law" বা পদ্ধতিগত আইন। অর্থাৎ CrPC নিজে বলে না কোনটি অপরাধ। সেটা বলে Penal Code। CrPC বলে কীভাবে অপরাধীকে গ্রেফতার করা যাবে, কীভাবে তদন্ত হবে, কীভাবে বিচার হবে এবং কীভাবে শাস্তি দেওয়া হবে।

রাজনৈতিক উদাহরণ: জাতিসংঘের সনদ (UN Charter) বলে শান্তি রক্ষা করতে হবে। কিন্তু "Rules of Procedure for the Security Council" বলে কীভাবে শান্তি রক্ষা করতে হবে। ঠিক তেমনি Penal Code বলে কোনটি অপরাধ আর CrPC বলে কীভাবে সেই অপরাধীর বিচার হবে।

## CrPC-র কাঠামো

CrPC-তে মোট আছে ৫৬৫টি ধারা (Section)। অনেক বেশি। কিন্তু ভয় পাবে না। পরীক্ষায় মূলত ৩০ থেকে ৪০টি Section থেকেই প্রশ্ন আসে।

CrPC-কে মোটামুটি এই ভাগে ভাগ করা যায়:

প্রথম ভাগ: Courts এবং their powers অর্থাৎ আদালতের কাঠামো এবং ক্ষমতা।

দ্বিতীয় ভাগ: Arrest এবং Bail অর্থাৎ গ্রেফতার এবং জামিন।

তৃতীয় ভাগ: Investigation অর্থাৎ তদন্ত।

চতুর্থ ভাগ: Trial Procedure অর্থাৎ বিচারের পদ্ধতি।

পঞ্চম ভাগ: Appeal এবং Revision অর্থাৎ আপিল এবং রিভিশন।

## CrPC এবং CPC-র পার্থক্য (পরীক্ষায় আসে)

CPC হলো দেওয়ানি (Civil) মামলার পদ্ধতি। CrPC হলো ফৌজদারি (Criminal) মামলার পদ্ধতি।

CPC-তে বাদী এবং বিবাদী থাকে। CrPC-তে রাষ্ট্র (State) বনাম অভিযুক্ত (Accused) থাকে।

CPC-তে সাধারণত টাকা বা সম্পত্তি পাওয়ার বিষয় থাকে। CrPC-তে মানুষের শাস্তি বা মুক্তির বিষয় থাকে।

মনে রাখার টেকনিক: "Civil = টাকার খেলা, Criminal = জেলার খেলা।"

## Section 4 - CrPC-র সংজ্ঞা

Section 4 হলো CrPC-র Definitions বা সংজ্ঞার ধারা।

গুরুত্বপূর্ণ সংজ্ঞাগুলো:



"Bailable offence" অর্থাৎ জামিনযোগ্য অপরাধ মানে First Schedule-এ যে অপরাধগুলো Bailable হিসেবে চিহ্নিত।

"Non-bailable offence" অর্থাৎ জামিনঅযোগ্য অপরাধ মানে First Schedule-এ যে অপরাধগুলো Non-bailable হিসেবে চিহ্নিত।

"Cognizable offence" অর্থাৎ আমলযোগ্য অপরাধ মানে পুলিশ ওয়ারেন্ট ছাড়াই গ্রেফতার করতে পারে।

"Non-cognizable offence" অর্থাৎ অনামলযোগ্য অপরাধ মানে পুলিশ ম্যাজিস্ট্রেটের অনুমতি ছাড়া গ্রেফতার করতে পারে না।

"Complaint" মানে মৌখিক বা লিখিত অভিযোগ যা ম্যাজিস্ট্রেটের কাছে করা হয়।

"Inquiry" মানে তদন্তের পূর্বে প্রাথমিক অনুসন্ধান।

"Investigation" মানে পুলিশের তদন্ত।

"Trial" মানে আনুষ্ঠানিক বিচার প্রক্রিয়া।

মানে রাখার মজার ছড়া:

"Cognizable" মানে ওয়ারেন্ট ছাড়াই ধরো। Non-cognizable মানে অনুমতি নিয়ে যাও। Bailable মানে জামিন পাবে। Non-bailable মানে আদালতে হাজির হও।"

আন্তর্জাতিক সম্পর্কের জোক: আন্তর্জাতিক আইনে "Erga Omnes" মানে সব দেশের বিরুদ্ধে বাধ্যতামূলক। Cognizable offence-ও তেমনি। রাষ্ট্র চাইলেই ওয়ারেন্ট ছাড়া ধরতে পারে। UN নিরাপত্তা পরিষদের P5 সদস্যরা যেমন ভেটো দিলেই কাজ হয় তেমনি Cognizable offence-এ পুলিশের কথাই শেষ কথা।

## অধ্যায় ২: CrPC-র আদালত কার্যক্রম এবং এখতিয়ার

### Section 6 - ফৌজদারি আদালতের শ্রেণী

Section 6 CrPC-র সবচেয়ে মৌলিক ধারাগুলোর একটি। পরীক্ষায় আসে ২০১৬, ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে।

Section 6 অনুযায়ী বাংলাদেশের ফৌজদারি আদালতের শ্রেণী হলো:



প্রথম: High Court Division। দ্বিতীয়: Sessions Judge Court (দায়রা জজ আদালত)। তৃতীয়: Magistrates' Courts (ম্যাজিস্ট্রেট আদালত)।

ম্যাজিস্ট্রেট আদালতের প্রকারভেদ:

প্রথম শ্রেণীর ম্যাজিস্ট্রেট (First Class Magistrate)। দ্বিতীয় শ্রেণীর ম্যাজিস্ট্রেট (Second Class Magistrate)।  
তৃতীয় শ্রেণীর ম্যাজিস্ট্রেট (Third Class Magistrate)।

Executive Magistrate এবং Judicial Magistrate।

মনে রাখার টেকনিক "HSME ফর্মুলা": H = High Court S = Sessions Court M = Magistrate Court E = Executive Magistrate (আলাদা)

আন্তর্জাতিক তুলনা: জাতিসংঘের মতোই বাংলাদেশের ফৌজদারি আদালতেও উদ্ভ্রম আছে। UN-এর Security Council উপরে, General Assembly নিচে। ঠিক তেমনি High Court উপরে, Magistrate নিচে। পার্থক্য হলো UN-এ ভেটো আছে কিন্তু বাংলাদেশের আদালতে ভেটো নেই, আপিল আছে।

## বিভিন্ন আদালতের শাস্তি দেওয়ার ক্ষমতা

এটা পরীক্ষায় MCQ-তে বারবার আসে।

Chief Metropolitan Magistrate বা Chief Judicial Magistrate: সর্বোচ্চ ৭ বছর কারাদণ্ড এবং যেকোনো পরিমাণ জরিমানা।

First Class Magistrate: সর্বোচ্চ ৫ বছর কারাদণ্ড এবং ১০,০০০ টাকা জরিমানা।

Second Class Magistrate: সর্বোচ্চ ৩ বছর কারাদণ্ড এবং ৫,০০০ টাকা জরিমানা।

Third Class Magistrate: সর্বোচ্চ ২ বছর কারাদণ্ড এবং ১,০০০ টাকা জরিমানা।

মনে রাখার ছড়া: "চিফ সাত বছর, ফার্স্ট পাঁচ বছর। সেকেন্ড তিন বছর, থার্ড দুই বছর। এটুকু মনে রাখলে MCQ-তে নম্বর।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল "First Class Magistrate-এর সর্বোচ্চ শাস্তি দেওয়ার ক্ষমতা কত?"  
উত্তর: ৫ বছর কারাদণ্ড।

## Section 28 - Sessions বিচার কে করবে?

Section 28 বলে Sessions Court কর্তৃক বিচারযোগ্য মামলা Sessions Judge বিচার করবেন।



Sessions Judge-এর শাস্তি দেওয়ার ক্ষমতা: মৃত্যুদণ্ড সহ সর্বোচ্চ যেকোনো শাস্তি দিতে পারেন। তবে মৃত্যুদণ্ড High Court-এর অনুমোদন ছাড়া কার্যকর হবে না।

মনে রাখার টেকনিক: "Sessions Judge = জীবন মৃত্যুর বিচারক। কিন্তু মৃত্যুদণ্ড কার্যকর করতে High Court-এর অনুমতি লাগবে।"

রাজনৈতিক জোক: ২০২৩ সালে ICC (International Criminal Court) রাশিয়ার Putin-এর বিরুদ্ধে গ্রেফতারি পরোয়ানা জারি করল। কিন্তু ICC-র রায় কার্যকর করার জন্য সদস্য দেশগুলোর সহযোগিতা দরকার। ঠিক তেমনি Sessions Judge মৃত্যুদণ্ড দিতে পারলেও High Court-এর অনুমোদন ছাড়া কার্যকর হবে না। দুটো ক্ষেত্রেই উপরের কর্তৃপক্ষের নিয়ন্ত্রণ থাকে।

## অধ্যায় ৩: গ্রেফতার - সবচেয়ে নাটকীয় বিষয়

### Section 54 - ওয়ারেন্ট ছাড়া গ্রেফতার

Section 54 CrPC পরীক্ষায় সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ ধারাগুলোর একটি। বিগত ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ এবং ২০২৫ সালে এই ধারা থেকে প্রশ্ন এসেছে।

Section 54 বলে পুলিশ অফিসার নিম্নলিখিত পরিস্থিতিতে ওয়ারেন্ট ছাড়া গ্রেফতার করতে পারেন:

(a) যে ব্যক্তি Cognizable অপরাধে জড়িত বলে সন্দেহ। (b) যে ব্যক্তি বৈধভাবে কারাবাস থেকে পালিয়েছে। (c) যে ব্যক্তি অন্য পুলিশ অফিসারের প্রেরিত গ্রেফতারি পরোয়ানার অধীনে। (d) যে ব্যক্তির কাছে অবৈধ অস্ত্র বা চোরাই মাল পাওয়া গেছে। (e) যে ব্যক্তি ছদ্মবেশে ঘুরছে বা নিজের পরিচয় গোপন করছে। (f) যে ব্যক্তি Released Convict-এর নিয়মাবলী লঙ্ঘন করেছে। (g) যে ব্যক্তিকে কোনো ব্যক্তি বিশ্বাসযোগ্য কারণে গ্রেফতারের দাবি করছে।

মনে রাখার CLWACI টেকনিক: C = Cognizable offence সন্দেহ L = Legally escaped (পলায়ন) W = Warrant from another police A = Arms illegally found C = Concealing identity I = Informer দাবি করেছে

রাজনৈতিক জোক: ২০২৪ সালে বাংলাদেশে রাজনৈতিক পরিবর্তনের পরে অনেক মামলা হয়েছে। পুলিশ অনেক ক্ষেত্রে Section 54-এর ক্ষমতা ব্যবহার করেছে। এটা অনেকটা আন্তর্জাতিক আইনের "Hot Pursuit" নীতির মতো যেখানে অপরাধী তাৎক্ষণিকভাবে ধরা না হলে পালিয়ে যায়। ২০২৫ সালের পরীক্ষার MCQ-তে Section 54-সংক্রান্ত প্রশ্ন এসেছিল।

### Section 61 - গ্রেফতারের পর ২৪ ঘণ্টার নিয়ম



Section 61 CrPC বলে গ্রেফতার করা ব্যক্তিকে ২৪ ঘণ্টার বেশি পুলিশ হেফাজতে রাখা যাবে না। এই ২৪ ঘণ্টার মধ্যেই ম্যাজিস্ট্রেটের কাছে পেশ করতে হবে।

কেন ২৪ ঘণ্টা? এই নিয়ম এসেছে সংবিধানের Article 33 থেকে। বাংলাদেশের সংবিধানের ৩৩ নম্বর অনুচ্ছেদ বলে গ্রেফতার করা ব্যক্তিকে ২৪ ঘণ্টার মধ্যে নিকটতম ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে হাজির করতে হবে।

এই নিয়মটা মনে রাখা সহজ: "২৪ ঘণ্টা = ১ দিন = সংবিধানের রক্ষা।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৬ সালের পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল "CrPC-র কোন ধারায় গ্রেফতারের পর ২৪ ঘণ্টার মধ্যে ম্যাজিস্ট্রেটের কাছে পেশ করার বিধান আছে?" উত্তর: Section 61।

মজার তুলনা: ২০২৪ সালের USA-র Presidential Election-এ ট্রাম্প বলেছিলেন বিভিন্ন অপরাধের তদন্তকে রাজনৈতিক উদ্দেশ্যপ্রণোদিত। বাংলাদেশেও Section 54-এর অপব্যবহারের অভিযোগ আসে। কিন্তু Section 61-এর ২৪ ঘণ্টার নিয়ম একটি সুরক্ষাকবচ হিসেবে কাজ করে। ঠিক যেমন UN Human Rights Council বিভিন্ন দেশের মানবাধিকার লঙ্ঘনে রিপোর্ট করে সেটা নাগরিকদের একটি সুরক্ষা দেয়।

## Section 167 - ২৪ ঘণ্টায় তদন্ত শেষ না হলে

Section 167 পরীক্ষায় অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছে।

Section 167 বলে: যদি ২৪ ঘণ্টায় তদন্ত শেষ না হয় তাহলে ম্যাজিস্ট্রেট আসামিকে Police Custody (পুলিশ হেফাজত) বা Judicial Custody (বিচারিক হেফাজত)-এ রাখার আদেশ দিতে পারেন।

Police Custody মানে পুলিশের কাছে রাখা, সর্বোচ্চ ১৫ দিন। Judicial Custody মানে জেলে রাখা।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল "CrPC Section 167-এর অধীনে Police Remand-এর সর্বোচ্চ মেয়াদ কত?" উত্তর: সর্বোচ্চ ১৫ দিন (দফায় দফায়)।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 167 = ১ ছয় সাত = একবার ছয় সাত মানে ৬ এবং ৭ মানে পুলিশ হেফাজতের থেলা।"

সাম্প্রতিক প্রাসঙ্গিকতা: ২০২৪-২০২৫ সালে বাংলাদেশে অনেক হাই প্রোফাইল মামলায় Police Remand নেওয়ার বিষয় আলোচিত হয়েছে। আন্তর্জাতিক মানবাধিকার সংস্থাগুলো বাংলাদেশের Remand পদ্ধতি নিয়ে উদ্বেগ প্রকাশ করেছে। এই প্রেক্ষাপটে Section 167 আরও গুরুত্বপূর্ণ হয়ে উঠেছে।

## অধ্যায় ৪: জামিন (Bail) - সবচেয়ে বেশি আলোচিত বিষয়

### জামিন কী?



জামিন (Bail) মানে অভিযুক্ত ব্যক্তিকে নির্দিষ্ট শর্তে মুক্তি দেওয়া। জামিনদার (Surety) বা জামানত (Bond) এর বিনিময়ে অভিযুক্তকে বিচারের আগে মুক্তি দেওয়া হয়।

রাজনৈতিক উদাহরণ: ২০২৫ সালে ইমরান খান পাকিস্তানে জেলে ছিলেন। তার জামিনের আবেদন বারবার নামঞ্জুর হয়েছে। এই প্রক্রিয়াটি পাকিস্তানের CrPC (যা বাংলাদেশের CrPC-র অনুরূপ কারণ দুটোই ব্রিটিশ আইনের উত্তরাধিকার)-এর অধীনেই হয়েছে।

জামিনের প্রকারভেদ:

প্রথম প্রকার: Bail in Bailable Offence (জামিনযোগ্য অপরাধে জামিন)। দ্বিতীয় প্রকার: Bail in Non-bailable Offence (জামিনঅযোগ্য অপরাধে জামিন)। তৃতীয় প্রকার: Anticipatory Bail (অগ্রিম জামিন) বিদেশে আছে, বাংলাদেশে নেই তবে পরীক্ষায় আসতে পারে।

### Section 496 - জামিনযোগ্য অপরাধে জামিন

Section 496 বলে: যদি কেউ জামিনযোগ্য অপরাধে অভিযুক্ত হয় বা আটক থাকে তাহলে সে জামিন পাওয়ার অধিকারী। এক্ষেত্রে জামিন দেওয়া আদালতের বিবেচনামূলক নয় বরং আইনগত বাধ্যতামূলক।

মনে রাখার টেকনিক: "Bailable = জামিন পাবেই। আদালত চাইলেও না দিতে পারবে না।"

### Section 497 - জামিনঅযোগ্য অপরাধে জামিন

Section 497 পরীক্ষায় সবচেয়ে বেশি গুরুত্বপূর্ণ জামিন ধারা। ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ এবং ২০২৫ সালে এই ধারা থেকে প্রশ্ন এসেছে।

Section 497 বলে:

যখন কেউ Non-bailable offence-এ অভিযুক্ত বা সন্দেহভাজন হয় এবং আটক থাকে তখন Sessions Court বা High Court ছাড়া অন্য কোনো আদালত জামিন দিতে পারবে যদি:

(a) অভিযুক্ত ব্যক্তি ১৬ বছরের কম বয়সী। (b) অভিযুক্ত ব্যক্তি মহিলা। (c) অভিযুক্ত ব্যক্তি অসুস্থ বা দুর্বল।

তবে যদি মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন কারাদণ্ডের মামলায় reasonable ground থাকে যে অভিযুক্ত দোষী তাহলে জামিন দেওয়া যাবে না।

মনে রাখার টেকনিক "WAS ফর্মুলা": W = Woman (মহিলা) A = Age below 16 (১৬ বছরের কম) S = Sick/infirm (অসুস্থ)

"WAS থাকলে Non-bailable-এও জামিন পাওয়া যেতে পারে।"



বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৮ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Non-bailable offence-এ কোন ক্ষেত্রে Magistrate জামিন দিতে পারেন?" উত্তর: WAS ফর্মুলা অনুযায়ী।

২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Section 497 CrPC কোন ধরনের জামিনের বিষয়ে?" উত্তর: Non-bailable offence-এ জামিন।

রাজনৈতিক জোক: ২০২৪ সালের নির্বাচনের পর বাংলাদেশে অনেক রাজনৈতিক নেতা গ্রেফতার হন। তাদের জামিনের আবেদনে Section 497 এবং 498-এর ব্যাপক প্রয়োগ হয়েছে। আন্তর্জাতিক চাপ ছিল। মানবাধিকার সংস্থাগুলো উদ্বেগ জানিয়েছে। কিন্তু আইন বলে আদালতের বিবেচনামূলক ক্ষমতা আছে। ঠিক যেমন UN Security Council-এর P5 সদস্যরা ভেটো দিলে কাউকে জোর করা যায় না।

### Section 498 - উচ্চ আদালতের জামিন দেওয়ার ক্ষমতা

Section 498 বলে High Court Division যেকোনো মামলায় জামিন দেওয়ার বা জামিনের শর্ত পরিবর্তনের ক্ষমতা রাখে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 498 = High Court সর্বোচ্চ। যেকোনো পরিস্থিতিতে জামিন দিতে পারে।"

### Section 491 - Habeas Corpus

Section 491 CrPC পরীক্ষায় অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ।

Section 491 বলে High Court Division "writ in the nature of habeas corpus"-এর অধীনে কাউকে অবৈধভাবে আটক রাখা হলে মুক্তির আদেশ দিতে পারে।

Habeas Corpus মানে "তোমার কাছে যে শরীর আছে তা আমাদের সামনে উপস্থিত করো।" এটা ল্যাটিন শব্দ।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Habeas Corpus-এর ক্ষমতা CrPC-র কোন Section-এ?" উত্তর: Section 491।

মনে রাখার টেকনিক: "৪৯১ = চারশো একানব্বই = চার নয় এক = Habeas Corpus।"

রাজনৈতিক প্রাসঙ্গিকতা: ২০২৫ সালে বাংলাদেশে বিভিন্ন আটক ব্যক্তির পক্ষে Habeas Corpus মামলা দায়ের হয়েছে। এটা সংবিধানের Article 102-এর অধীনেও করা যায়। CrPC Section 491 এবং সংবিধানের Article 102 একসাথে কাজ করে।

## অধ্যায় ৫: তদন্ত (Investigation) - পুলিশের কাজ





## Section 154 - First Information Report (FIR)

Section 154 পরীক্ষায় প্রায় প্রতি বছরই আসে। ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫ সালে এসেছে।

Section 154 বলে: Cognizable offence-এর তথ্য পাওয়ার পর পুলিশ অফিসার তা লিখে নেবেন এবং সেই লিখিত বিবরণকে FIR বলে।

FIR মানে First Information Report।

FIR-এর বৈশিষ্ট্য:

FIR তদন্তের শুরু। এটা প্রথম সূত্র যার ভিত্তিতে পুলিশ তদন্ত শুরু করে।

FIR-এ থাকবে: অপরাধের বিবরণ, কখন এবং কোথায় ঘটেছে, অভিযুক্তের পরিচয়।

FIR পড়ে শোনানো হবে এবং তথ্যদাতার স্বাক্ষর বা টিপসই নেওয়া হবে।

FIR-এর একটি কপি বিনামূল্যে তথ্যদাতাকে দেওয়া হবে।

FIR-এর মূল কপি Magistrate-এ পাঠাতে হবে।

মনে রাখার ছড়া: "অপরাধ ঘটলে প্রথম যাও থানায়। FIR দাও, নস্বর নাও। ছাড়াছাড়ি করলে না পাবে বিচার এর ছায়।"

রাজনৈতিক জোক: ২০২৪ সালে ঢাকায় বেশ কিছু হাই-প্রোফাইল হত্যা মামলায় FIR দেয়তে করার অভিযোগ এসেছে। আন্তর্জাতিক মিডিয়া যেমন BBC এবং Al Jazeera এটা নিয়ে রিপোর্ট করেছে। FIR বিলম্ব প্রায়ই ন্যায়বিচারের পথে বাধা হয়। এটা জেনে নাও কারণ পরীক্ষায় "FIR কেন গুরুত্বপূর্ণ" সংক্রান্ত প্রশ্ন আসতে পারে।

## Section 155 - Non-cognizable Offence-এ তদন্ত

Section 155 বলে Non-cognizable offence-এ পুলিশ ম্যাজিস্ট্রেটের আদেশ ছাড়া তদন্ত করতে পারবে না।

মনে রাখার টেকনিক: "Non-cognizable = পুলিশকে অনুমতি নিতে হবে। ম্যাজিস্ট্রেট Boss।"

## Section 173 - তদন্ত শেষের রিপোর্ট

Section 173 বলে তদন্ত শেষে পুলিশ অফিসার একটি Report ম্যাজিস্ট্রেটের কাছে পাঠাবেন। এই Report-কে "Final Report" বা "Charge Sheet" বলা হয়।





Charge Sheet মানে অভিযোগপত্র।

যদি পুলিশ মনে করে অভিযোগ সত্য তাহলে Charge Sheet দেবে। যদি পুলিশ মনে করে অভিযোগ মিথ্যা বা প্রমাণ নেই তাহলে "Final Report" বা "Closing Report" দেবে।

মনে রাখার টেকনিক: "১৭৩ = তদন্তের শেষ। Charge Sheet বা Final Report।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Charge Sheet কোন Section-এর অধীনে দেওয়া হয়?" উত্তর: Section 173 CrPC।

## অধ্যায় ৬: বিচার প্রক্রিয়া (Trial Procedure)

### Cognizance (আমল গ্রহণ) কী?

Cognizance মানে ম্যাজিস্ট্রেট অভিযোগ শুনে মামলা চালানোর সিদ্ধান্ত নেওয়া।

### Section 190 - ম্যাজিস্ট্রেটের Cognizance গ্রহণ

Section 190 পরীক্ষায় গুরুত্বপূর্ণ ধারা।

Section 190 বলে ম্যাজিস্ট্রেট Cognizance নিতে পারবেন:

(a) FIR বা তদন্তের Report পড়ে। (b) Complaint বা অভিযোগ পড়ে। (c) নিজের জ্ঞান থেকে (সংবাদপত্রে প্রকাশিত তথ্য ইত্যাদি)।

মনে রাখার টেকনিক "FCS ফর্মুলা": F = FIR/Police Report C = Complaint S = Suo Motu (নিজের উদ্যোগে)

### Summons Trial বনাম Warrant Trial (পরীক্ষায় আসে)

বিচার প্রক্রিয়া দুই ধরনের:

Summons Trial হলো হালকা অপরাধের বিচার যেখানে সর্বোচ্চ ২ বছরের কারাদণ্ড।

Warrant Trial হলো গুরুতর অপরাধের বিচার যেখানে ২ বছরের বেশি কারাদণ্ড হতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক: "দুই বছর মানে সুমনের সংসার। দুইয়ের বেশি মানে ওয়ারেন্টের সংসার।"

### Section 239 - Discharge (অব্যাহতি)



Section 239 বলে যদি Magistrate মনে করেন মামলায় Charge করার যথেষ্ট কারণ নেই তাহলে অভিযুক্তকে Discharge করতে পারেন।

Discharge মানে মামলা থেকে অব্যাহতি। কিন্তু এটা Acquittal বা থালাস নয়।

পার্থক্য জানো: Discharge = মামলা চলার আগে অব্যাহতি। পরে আবার মামলা হতে পারে। Acquittal = বিচারের পরে থালাস। সাধারণত আর মামলা হয় না।

মনে রাখার টেকনিক: "Discharge = মাঝ পথে মুক্তি। Acquittal = শেষ পর্যন্ত মুক্তি।"

আন্তর্জাতিক তুলনা: ICC-তেও Pre-Trial Chamber আছে। এই Chamber সিদ্ধান্ত নেয় মামলা বিচারের জন্য যথেষ্ট প্রমাণ আছে কিনা। না থাকলে Case Dismissed হয়। ঠিক Section 239-এর Discharge-এর মতো।

### Section 342 - অভিযুক্তকে জিজ্ঞাসাবাদ

Section 342 বলে বিচারকালে Magistrate বা Judge অভিযুক্তকে প্রশ্ন করতে পারেন। কিন্তু অভিযুক্ত উত্তর দিতে বাধ্য নয়।

গুরুত্বপূর্ণ বিষয়: Section 342-এর অধীনে অভিযুক্ত যা বলবে তা সাক্ষ্য হিসেবে ব্যবহার করা যাবে। কিন্তু এটা পুলিশের কাছে দেওয়া Confession নয়।

মনে রাখার টেকনিক: "342 = তিন চার দুই = বিচারকালে প্রশ্নোত্তর।"

---

## অধ্যায় ৭: Sessions Trial এবং উচ্চ আদালতের ক্ষমতা

### Sessions Trial কীভাবে হয়?

Sessions Trial হলো সবচেয়ে গুরুতর অপরাধের বিচার। এখানে মৃত্যুদণ্ড পর্যন্ত শাস্তি হতে পারে।

Sessions Trial-এ: Commitment Order দেয় Magistrate। Magistrate মামলা Sessions Court-এ পাঠান। Sessions Judge Charge Frame করেন। Prosecution সাক্ষ্য দেয়। Defence সাক্ষ্য দেয়। Closing arguments হয়। Judgment হয়।

### Section 435 - Revision

Section 435 বলে High Court Division বা Sessions Court নিম্ন আদালতের যেকোনো আদেশ বা সিদ্ধান্ত Revision-এর মাধ্যমে পর্যালোচনা করতে পারে।



Revision এবং Appeal-এর পার্থক্য:

Appeal হয় হারা পক্ষের আবেদনে। Revision হয় আদালতের নিজের উদ্যোগে বা পক্ষের আবেদনে। এখানে মূলত আইনের সঠিক প্রয়োগ দেখা হয়।

মনে রাখার টেকনিক: "Appeal = হেরে গেলে লড়াই। Revision = আইন ঠিকমতো মানা হয়েছে কিনা দেখো।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল "CrPC-র কোন Section-এ Revision-এর ক্ষমতা আছে?" উত্তর: Section 435।

## অধ্যায় ৮: CrPC-র বিগত সালের প্রশ্ন বিশ্লেষণ এবং ২০২৬ পূর্বাভাস

### ২০১৫ সালের CrPC প্রশ্ন

প্রশ্ন: "পুলিশ কোন ক্ষেত্রে ওয়ারেন্ট ছাড়া গ্রেফতার করতে পারে?" উত্তর: Section 54 অনুযায়ী Cognizable offence-এ সন্দেহ থাকলে।

প্রশ্ন: "Non-bailable offence-এ জামিন কে দিতে পারে?" উত্তর: Section 497 অনুযায়ী Sessions Court এবং High Court।

### ২০১৬ সালের CrPC প্রশ্ন

প্রশ্ন: "FIR-এর পূর্ণ রূপ কী এবং এটা কোন Section-এ?" উত্তর: First Information Report, Section 154।

প্রশ্ন: "ম্যাজিস্ট্রেটের শ্রেণী কতটি?" উত্তর: Section 6 অনুযায়ী মূলত তিনটি শ্রেণী।

### ২০১৭ সালের CrPC প্রশ্ন

প্রশ্ন: "Cognizable এবং Non-cognizable offence-এর পার্থক্য কী?" উত্তর: Cognizable-এ পুলিশ ওয়ারেন্ট ছাড়া গ্রেফতার করতে পারে। Non-cognizable-এ পারে না।

প্রশ্ন: "First Class Magistrate সর্বোচ্চ কত বছর শাস্তি দিতে পারেন?" উত্তর: ৫ বছর।

### ২০১৮ সালের CrPC প্রশ্ন

প্রশ্ন: "Section 167 CrPC কী বলে?" উত্তর: ২৪ ঘন্টায় তদন্ত শেষ না হলে ম্যাজিস্ট্রেট আসামিকে Police বা Judicial Custody-তে রাখার আদেশ দিতে পারেন।



প্রশ্ন: "Bailable এবং Non-bailable offence-এর পার্থক্য কী?" উত্তর: Bailable-এ জামিন অধিকার, Non-bailable-এ জামিন বিবেচনামূলক।

### ২০১৯ সালের CrPC প্রশ্ন

প্রশ্ন: "Habeas Corpus কোন Section-এ?" উত্তর: Section 491।

প্রশ্ন: "Summons Trial এবং Warrant Trial-এর পার্থক্য কী?" উত্তর: Summons Trial-এ সর্বোচ্চ ২ বছর কারাদণ্ড, Warrant Trial-এ ২ বছরের বেশি।

### ২০২১ সালের CrPC প্রশ্ন

প্রশ্ন: "Charge Sheet কোন Section-এ দেওয়া হয়?" উত্তর: Section 173।

প্রশ্ন: "Section 342-এ অভিযুক্তকে কি জোর করে প্রশ্নের উত্তর দেওয়ানো যায়?" উত্তর: না, অভিযুক্ত বাধ্য নয়।

### ২০২৩ সালের CrPC প্রশ্ন

প্রশ্ন: "Session Judge মৃত্যুদণ্ড দিতে পারেন কিনা?" উত্তর: হ্যাঁ দিতে পারেন তবে High Court-এর অনুমোদন ছাড়া কার্যকর হবে না।

প্রশ্ন: "Discharge এবং Acquittal-এর পার্থক্য কী?" উত্তর: Discharge বিচারের আগে, Acquittal বিচারের পরে।

### ২০২৫ সালের MCQ-তে আসা CrPC প্রশ্ন

২০২৫ সালের বার কাউন্সিল পরীক্ষায় [Law Onusilon](https://doi.org/10.5281/zenodo.19494434) CrPC থেকে যে ধরনের প্রশ্ন এসেছে:

Section 54-এর ওয়ারেন্ট ছাড়া গ্রেফতারের শর্ত। Section 167-এর Police Remand-এর মেয়াদ। Section 497-এর Non-bailable offence-এ জামিন। FIR সম্পর্কিত Section 154-র বিধান।

### ২০২৬ পরীক্ষার পূর্বাভাস (CrPC)

সম্ভাব্য MCQ প্রশ্নসমূহ:

প্রশ্ন: Executive Magistrate এবং Judicial Magistrate-এর পার্থক্য কী? উত্তর: Executive Magistrate প্রশাসনিক কাজ করেন। Judicial Magistrate বিচারিক কাজ করেন।

প্রশ্ন: Section 164 CrPC কী বলে? উত্তর: Magistrate-এর সামনে Confession বা বিবৃতি গ্রহণ।



প্রশ্ন: Anticipatory Bail কী? বাংলাদেশে কি আছে? উত্তর: গ্রেফতারের আগে জামিন। বাংলাদেশের CrPC-তে সরাসরি বিধান নেই তবে উচ্চ আদালত দিয়ে থাকেন।

প্রশ্ন: Section 197 CrPC কী বলে? উত্তর: বিচারক এবং সরকারি কর্মচারীর বিরুদ্ধে মামলা করতে সরকারের অনুমতি লাগবে।

---

## অধ্যায় ৯: CrPC-র মেমোরি টেকনিকের চূড়ান্ত সংকলন

### সুপার চার্ট: গুরুত্বপূর্ণ CrPC Section

Section 4 থেকে সংজ্ঞাসমূহ। Section 6 থেকে ফৌজদারি আদালতের শ্রেণী। Section 28 থেকে Sessions Trial। Section 54 থেকে ওয়ারেন্ট ছাড়া গ্রেফতার। Section 61 থেকে ২৪ ঘন্টার নিয়ম। Section 154 থেকে FIR। Section 155 থেকে Non-cognizable তদন্ত। Section 164 থেকে ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে Confession। Section 167 থেকে Police Remand। Section 173 থেকে Charge Sheet। Section 190 থেকে Cognizance গ্রহণ। Section 197 থেকে সরকারি কর্মচারীর বিচার। Section 239 থেকে Discharge। Section 342 থেকে অভিযুক্তকে পরীক্ষা। Section 435 থেকে Revision। Section 491 থেকে Habeas Corpus। Section 496 থেকে Bailable Bail। Section 497 থেকে Non-bailable Bail। Section 498 থেকে High Court-এর জামিন ক্ষমতা।

### মনে রাখার গল্প: রহিমের গ্রেফতার থেকে মুক্তি পর্যন্ত

রহিম একদিন বাজারে ঝগড়া করল এবং পাশের দোকানদার করিমকে মারল। এটা Hurt অর্থাৎ Penal Code Section 323 (পরে পড়ব)।

পুলিশ Section 54 অনুযায়ী ওয়ারেন্ট ছাড়াই রহিমকে গ্রেফতার করল কারণ Hurt একটি Cognizable offence।

রহিমকে ২৪ ঘন্টার মধ্যে Section 61 অনুযায়ী ম্যাজিস্ট্রেটের কাছে নিয়ে যাওয়া হলো।

থানায় Section 154 অনুযায়ী FIR নেওয়া হলো।

পুলিশ Section 167 অনুযায়ী ম্যাজিস্ট্রেটের কাছে Remand চাইল।

ম্যাজিস্ট্রেট Section 190 অনুযায়ী মামলার Cognizance নিলেন।

রহিমের পরিবার Section 496 অনুযায়ী জামিনের আবেদন করল। Hurt যদি Non-bailable হতো তাহলে Section 497 অনুযায়ী হতো।



পুলিশ তদন্ত শেষে Section 173 অনুযায়ী Charge Sheet দিল।

বিচার হলো। Magistrate Section 342 অনুযায়ী রহিমকে জিজ্ঞেস করলেন।

শেষে রায় হলো।

দেখো CrPC-র পুরো প্রবাহটা একটি গল্পের মাধ্যমে মনে রাখা যায়।

---

## অধ্যায় ১০: The Penal Code, 1860 - বাংলাদেশের ফৌজদারি আইনের মূল

### Penal Code কী?

The Penal Code, 1860 হলো বাংলাদেশের সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ ফৌজদারি আইন। এটা পাস হয়েছে ১৮৬০ সালে।

মনে রাখার টেকনিক: "আট ছয় শূন্য = Penal Code।" অথবা "১৮৬০ = আঠারো বছর পার হলে শাস্তি।" (মজার কিন্তু ভুল, তবে মনে থাকে।)

Penal Code-কে IPC বা Indian Penal Code বলা হয় কারণ এটা ব্রিটিশ ভারতের জন্য তৈরি হয়েছিল। বাংলাদেশে এটা এখনও কার্যকর।

পরীক্ষায় ২০ নম্বর আসে Penal Code থেকে।

Penal Code-এর মূল কাজ: কোনো কাজ অপরাধ কিনা তা নির্ধারণ করা এবং সেই অপরাধের শাস্তি নির্ধারণ করা।

### Penal Code-এর কাঠামো

Penal Code-এ মোট ৫১১টি Section আছে।

এটাও অনেক বড়। কিন্তু ভয় নেই। পরীক্ষায় মূলত ৫০ থেকে ৬০টি Section থেকেই প্রশ্ন আসে।

Penal Code-কে ভাগ করা যায়:

Chapter I: প্রাথমিক বিষয় (Sections 1-5)। Chapter II: সাধারণ ব্যাখ্যা (Sections 6-52)। Chapter III: শাস্তির প্রকারভেদ (Sections 53-75)। Chapter IV: সাধারণ ব্যতিক্রম (Sections 76-106) - অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। Chapter V: অপরাধে সহায়তা (Sections 107-120)। Chapter VA: অপরাধমূলক ষড়যন্ত্র (Sections 120A-120B)। Chapter VI-XXIII: বিভিন্ন অপরাধ।



মনে রাখার টেকনিক: "১ থেকে ৫ = পরিচয়। ৬ থেকে ৫২ = সংজ্ঞা। ৫৩ থেকে ৭৫ = শাস্তি। ৭৬ থেকে ১০৬ = মুক্তির রাস্তা।"

## অধ্যায় ১১: Penal Code-এর সাধারণ ব্যতিক্রম (General Exceptions) - মুক্তির রাস্তা

এটা Penal Code-এর সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ অংশ। পরীক্ষায় প্রতিবার আসে।

General Exceptions মানে এমন পরিস্থিতি যেখানে কোনো কাজ অপরাধ হলেও তার জন্য শাস্তি হবে না।

### Section 76 - আইনের ভুল বিশ্বাস

Section 76 বলে: যদি কেউ আইন দ্বারা বাধ্য বলে বিশ্বাস করে কোনো কাজ করে তাহলে সে অপরাধী নয়। যদিও সে ভুলে ছিল।

উদাহরণ: একজন সৈনিক উর্ধ্বতন কর্মকর্তার নির্দেশে কাউকে গ্রেফতার করল। পরে দেখা গেল নির্দেশটি ভুল ছিল। সৈনিক Section 76-এর অধীনে রক্ষা পাবে।

মনে রাখার টেকনিক: "৭৬ = সাত ছয় = সৈনিক নির্দেশ মেনেছে। দোষ নেই।"

আন্তর্জাতিক তুলনা: ২য় বিশ্বযুদ্ধের পর Nuremberg Trial-এ Nazi অফিসাররা বলেছিল "আমরা শুধু নির্দেশ পালন করেছি।" কিন্তু Nuremberg Tribunal সেই যুক্তি মানেনি। Penal Code Section 76-এর "ভুল বিশ্বাস" এবং "আইনত বাধ্য" শর্ত পূরণ না হলে রক্ষা পাওয়া যায় না। এটা গুরুত্বপূর্ণ পার্থক্য।

### Section 79 - তথ্যের ভুল বিশ্বাস

Section 79 বলে: যদি কেউ তথ্যের ভিত্তিতে ভুল বিশ্বাসে কোনো কাজ করে তাহলে সে অপরাধী নয়।

Section 76 এবং Section 79-এর পার্থক্য: Section 76 = আইনের ভুল বিশ্বাস। Section 79 = তথ্যের ভুল বিশ্বাস।

মনে রাখার টেকনিক: "৭৬ = আইনের ভুল। ৭৯ = তথ্যের ভুল।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Section 76 এবং Section 79-এর পার্থক্য কী?" উত্তর: উপরের পার্থক্য।

### Section 80 - দুর্ঘটনা



Section 80 বলে: যদি কোনো দুর্ঘটনায় কেউ আহত হয় এবং ঘটনাকারী আইনি কাজ করছিল এবং কোনো অপরাধমূলক উদ্দেশ্য ছিল না তাহলে সে অপরাধী নয়।

মনে রাখার টেকনিক: "৮০ = আট শূন্য = শূন্য অপরাধ, শুধু দুর্ঘটনা।"

উদাহরণ: ক্রিকেট বল মেরে কাচ ভাঙা দুর্ঘটনা। ইচ্ছাকৃত নয়।

### Section 81 - বড় বিপদ এড়াতে ছোট ক্ষতি

Section 81 বলে: বড় বিপদ বা ক্ষতি এড়াতে যদি ছোট ক্ষতি হয় তাহলে দায় নেই।

উদাহরণ: জাহাজ ডুবে যাচ্ছে। কাপ্তান মালপত্র সমুদ্রে ফেলে দিল জাহাজ বাঁচতে। এটা Doctrine of Necessity।

আন্তর্জাতিক তুলনা: International Law-এ "Necessity" একটি আইনগত সুরক্ষা। রাষ্ট্র তার অস্তিত্ব রক্ষায় জরুরি পদক্ষেপ নিতে পারে। Penal Code Section 81-ও তেমনি।

### Section 82 এবং 83 - শিশু অপরাধী

Section 82 বলে: ৭ বছরের কম বয়সী শিশু কোনো অপরাধ করলে তার শাস্তি হবে না। কারণ এই বয়সে অপরাধের বোধ থাকে না।

Section 83 বলে: ৭ থেকে ১২ বছরের শিশু যদি কাজের ভালো বা মন্দ বুঝতে না পারে তাহলে শাস্তি হবে না।

মনে রাখার টেকনিক: "৭-এর নিচে = সম্পূর্ণ রক্ষা। ৭ থেকে ১২ = বোধ থাকলে শাস্তি, না থাকলে না। ১২-এর উপরে = সব শাস্তি।"

আন্তর্জাতিক তুলনা: UN Convention on the Rights of the Child (UNCRC) বলে শিশুকে বিশেষ সুরক্ষা দিতে হবে। Penal Code-ও শিশুকে বিশেষ সুরক্ষা দেয়। বাংলাদেশ UNCRC-র স্বাক্ষরকারী দেশ।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল "কত বছর বয়সের নিচে শিশু সম্পূর্ণ ফৌজদারি দায়মুক্ত?" উত্তর: ৭ বছর।

২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Section 83 Penal Code কোন বয়সীদের জন্য?" উত্তর: ৭ থেকে ১২ বছর।

### Section 84 - উন্মাদ ব্যক্তি

Section 84 পরীক্ষায় অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। প্রায় প্রতি বছরই আসে।

Section 84 বলে: যদি কোনো ব্যক্তি মানসিক রোগে (Unsoundness of mind) আক্রান্ত থাকে এবং সে কাজের প্রকৃতি বুঝতে না পারে বা সেটা ভুল কাজ তা বুঝতে না পারে তাহলে সে অপরাধী নয়।





মনে রাখার টেকনিক: "৮৪ = আট চার = পাগলের হাত ধরো, শাস্তি নেই তার।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এই Section থেকে প্রশ্ন এসেছে।

২০১৮ সালের প্রশ্ন: "Section 84 Penal Code-এর অধীনে দায়মুক্তির শর্ত কী?" উত্তর: মানসিক রোগের কারণে কাজের প্রকৃতি বা সেটা ভুল তা বুঝতে না পারা।

রাজনৈতিক জোক: ২০২৫ সালে বিশ্বে বেশ কিছু অদ্ভুত রাজনৈতিক সিদ্ধান্ত দেখা গেছে। অনেকে বলেছেন এই নেতারা কি Section 84-এর সুরক্ষা পাওয়ার যোগ্য? কিন্তু না। Section 84-এর জন্য "medical evidence" লাগে। শুধু অদ্ভুত কথা বলাই যথেষ্ট নয়।

### Section 85 এবং 86 - মদ্যপানের প্রভাব

Section 85 বলে: যদি কেউ জোর করে বা অজান্তে মাদকাসক্ত হয় এবং সেই অবস্থায় অপরাধ করে এবং কাজের প্রকৃতি বুঝতে না পারে তাহলে দায়মুক্তি পাবে।

Section 86 বলে: কিন্তু যদি কেউ স্বেচ্ছায় মাদক নেয় তাহলে সে দায়মুক্তি পাবে না। তবে উদ্দেশ্য (Intention) নয় বরং জ্ঞান (Knowledge) বিবেচনা হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "জোর করে খাওয়ানো হলে = Section 85 রক্ষা করে। নিজে খেলে = Section 86 ধরে।"

### Section 96 থেকে 106 - সরকারি প্রতিরক্ষা (Right of Private Defence)

এটা Penal Code-এর সবচেয়ে রোমাঞ্চকর অংশ এবং পরীক্ষায় বহুবার এসেছে।

Section 96 বলে: "Nothing is an offence which is done in the exercise of the right of private defence." অর্থাৎ ব্যক্তিগত প্রতিরক্ষার অধিকার প্রয়োগ করলে সেটা অপরাধ নয়।

সরকারি প্রতিরক্ষা দুই ধরনের: শরীরের প্রতিরক্ষা (Defence of Body)। সম্পত্তির প্রতিরক্ষা (Defence of Property)।

Section 97 বলে: শরীর এবং সম্পত্তি উভয়ের প্রতিরক্ষার অধিকার আছে।

Section 99 বলে: নিম্নলিখিত ক্ষেত্রে ব্যক্তিগত প্রতিরক্ষার অধিকার নেই: (a) যখন সরকারি কর্তৃপক্ষ আইনি কাজ করছে। (b) যখন আদালতে আশ্রয় নেওয়ার যথেষ্ট সময় আছে। (c) এই অধিকারে যে ক্ষতি করা হয় তা হুমকির বেশি হতে পারবে না।

Section 100 বলে: শরীরের প্রতিরক্ষায় কখন মৃত্যুর পর্যায়ে ক্ষতি করা যাবে?

Section 100 অনুযায়ী নিম্নলিখিত ৬টি ক্ষেত্রে শরীরের প্রতিরক্ষায় মৃত্যুও ঘটানো যাবে:



প্রথমত: মৃত্যু ঘটানোর আশঙ্কা থাকলে (Apprehension of death)। দ্বিতীয়ত: Grievous hurt-এর আশঙ্কা থাকলে। তৃতীয়ত: ধর্ষণের আশঙ্কা থাকলে। চতুর্থত: প্রকৃতিবিরুদ্ধ কামলালসার আশঙ্কা থাকলে। পঞ্চমত: অপহরণ বা বেআইনি আটকের আশঙ্কা থাকলে। ষষ্ঠত: Acid attack-এর আশঙ্কা থাকলে।

মনে রাখার DGRKUA টেকনিক: D = Death (মৃত্যু) G = Grievous hurt (গুরুতর আঘাত) R = Rape (ধর্ষণ) K = Kidnapping U = Unnatural lust A = Acid attack

"DGRKUA = এই ছয়টি কারণে মেরে ফেলাও ক্ষমাযোগ্য।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে Right of Private Defence থেকে প্রশ্ন এসেছে।

২০১৯ সালের প্রশ্ন: "Penal Code-এ কতটি ক্ষেত্রে শরীরের প্রতিরক্ষায় হত্যা করা যাবে?" উত্তর: Section 100 অনুযায়ী ৬টি ক্ষেত্রে।

রাজনৈতিক জোক: ২০২৫ সালে ইসরাইল বলেছে তারা "Self-Defence"-এ গাজায় হামলা করছে। আন্তর্জাতিক আইনে "Proportionality" মানে প্রতিরক্ষা আক্রমণের চেয়ে বেশি হতে পারবে না। Penal Code Section 99-ও বলে "যে ক্ষতি করা হয় তা হুমকির চেয়ে বেশি হবে না।" দুটো আইনেই Proportionality-র নীতি আছে। পার্থক্য হলো আন্তর্জাতিক আইনে কেউ মানছে না।

## অধ্যায় ১২: অপরাধে অংশগ্রহণ (Participation in Crime)

### Section 34 - Common Intention (সাধারণ উদ্দেশ্য)

Section 34 পরীক্ষায় সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ ধারাগুলোর একটি। প্রতি বছর আসে।

Section 34 বলে: "When a criminal act is done by several persons in furtherance of the common intention of all, each of such persons is liable for that act in the same manner as if it were done by him alone."

সহজ বাংলা: যদি কয়েকজন মিলে একটি অপরাধ করে তাহলে প্রত্যেকে সেই অপরাধের জন্য সমানভাবে দায়ী যদি তাদের সাধারণ উদ্দেশ্য থাকে।

Section 34-এর গুরুত্বপূর্ণ শর্ত: একাধিক ব্যক্তি। সাধারণ উদ্দেশ্য (Common intention)। সেই উদ্দেশ্য বাস্তবায়নে কৃত অপরাধ।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 34 = তিন চার = তিনজন চারজন মিলে করলে সবাই সমান দোষী।"



উদাহরণ: রাজু, করিম এবং সেলিম মিলে একটি ব্যাংক লুট করার পরিকল্পনা করল। রাজু পাহারা দিল, করিম ভেতরে ঢুকল, সেলিম গাড়ি চালাল। তিনজনই Section 34 অনুযায়ী সমানভাবে দায়ী।

আন্তর্জাতিক আইনে এটা "Joint Criminal Enterprise" তত্ত্বের মতো যা Nuremberg Trial-এ প্রথম ব্যবহৃত হয় এবং পরে ICTY এবং ICC-তে প্রয়োগ হয়েছে।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৬, ২০১৮, ২০২১ সালে Section 34 থেকে প্রশ্ন এসেছে।

২০২১ সালের প্রশ্ন: "Section 34-এর 'Common intention'-এর অর্থ কী?" উত্তর: কয়েকজনের মধ্যে একই অপরাধ করার পূর্বপরিকল্পিত সম্মতি।

### Section 107 - অপরাধে সহায়তা (Abetment)

Section 107 বলে "Abetment" বা অপরাধে সহায়তা তিনভাবে হতে পারে:

প্রথমভাবে: Instigating অর্থাৎ উসকানি দেওয়া। দ্বিতীয়ভাবে: Engaging in conspiracy অর্থাৎ ষড়যন্ত্রে অংশ নেওয়া। তৃতীয়ভাবে: Intentional aiding অর্থাৎ ইচ্ছাকৃতভাবে সাহায্য করা।

মনে রাখার ICA টেকনিক: I = Instigation (উসকানি) C = Conspiracy (ষড়যন্ত্র) A = Aiding (সাহায্য)

"ICA মনে রাখলে Abetment বুঝবে।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Abetment-এর কতটি রূপ আছে?" উত্তর: তিনটি।

রাজনৈতিক উদাহরণ: ২০২৪-২০২৫ সালে সামাজিক মাধ্যমে অনেক "উসকানিমূলক" পোস্টের কারণে মামলা হয়েছে। পোস্ট লেখা যদি কাউকে অপরাধ করতে উসকানি দেয় তাহলে সেটা Section 107-এর "Instigation"-এর মধ্যে পড়ে।

### Section 120A এবং 120B - অপরাধমূলক ষড়যন্ত্র

Section 120A বলে "Criminal Conspiracy" মানে দুই বা ততোধিক ব্যক্তির মধ্যে অবৈধ কাজ করার বা আইনি কাজ অবৈধ উপায়ে করার চুক্তি।

Section 120B বলে Criminal Conspiracy-র শাস্তি।

মনে রাখার টেকনিক: "১২০A = সংজ্ঞা। ১২০B = শাস্তি।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Criminal Conspiracy-র সংজ্ঞা কোথায় আছে?" উত্তর: Section 120A।



রাজনৈতিক উদাহরণ: ২০২৫ সালে বাংলাদেশে বিভিন্ন অপরাধমূলক সংগঠনের বিরুদ্ধে Criminal Conspiracy-র মামলা হয়েছে। এটা অনেকটা International Criminal Law-এর "Conspiracy to Commit Genocide"-এর মতো যা Genocide Convention-এ সংজ্ঞায়িত।

## অধ্যায় ১৩: ব্যক্তির বিরুদ্ধে অপরাধ (Offences Against Person)

### Section 299 এবং 300 - হত্যার আইন

এই দুটো Section পরীক্ষায় সবচেয়ে বেশি আসা Section। প্রতি বছর আসে।

Section 299 বলে Culpable Homicide কী:

"Whoever causes death by doing an act with the intention of causing death, or with the intention of causing such bodily injury as is likely to cause death, or with the knowledge that he is likely by such act to cause death, commits the offence of culpable homicide."

সহজ বাংলা: যে ব্যক্তি মৃত্যু ঘটায় সেটা "Culpable Homicide" বা দণ্ডনীয় হত্যা যদি সে: (a) মৃত্যু ঘটানোর উদ্দেশ্যে কাজ করে। (b) এমন শারীরিক আঘাত ঘটানোর উদ্দেশ্যে কাজ করে যা মৃত্যু ঘটাতে পারে। (c) জেনে বুঝে এমন কাজ করে যা মৃত্যু ঘটাতে পারে।

Section 300 বলে Murder কী:

Culpable Homicide হয় Murder যদি:

(a) যে কাজে মৃত্যু হয় সেটা মৃত্যু ঘটানোর উদ্দেশ্যে করা হয়। (b) এমন শারীরিক আঘাতের উদ্দেশ্যে করা হয় যা স্বাভাবিক মানুষের ক্ষেত্রে মৃত্যু ঘটাবে। (c) এমন শারীরিক আঘাত করা হয় যা অপরাধী জানে ওই ব্যক্তির মৃত্যু ঘটাবে। (d) এমন বিপজ্জনক কাজ করা হয় যা স্বাভাবিকভাবেই মৃত্যু ঘটায়।

Culpable Homicide এবং Murder-এর পার্থক্য:

Murder = Culpable Homicide + কিছু বিশেষ পরিস্থিতি। সব Murder হলো Culpable Homicide। কিন্তু সব Culpable Homicide Murder নয়।

মনে রাখার টেকনিক: "Culpable Homicide = বড় বৃত্ত। Murder = ছোট বৃত্ত বড় বৃত্তের ভেতরে।"

Section 299 এবং 300-এর Exception (ব্যতিক্রম):

Section 300-এর Exception 1: Grave and Sudden Provocation। যদি কেউ হঠাৎ উত্তেজনায় হত্যা করে সেটা Murder নয়, Culpable Homicide।



Section 300-এর Exception 2: Private Defence-এ সীমা অতিক্রম। যদি Private Defence-এর অধিকার ব্যবহারে সীমা লঙ্ঘন হয়।

Section 300-এর Exception 3: সরকারি কর্মচারী আইনি কাজ করতে গিয়ে মৃত্যু ঘটালে।

Section 300-এর Exception 4: হঠাৎ মারামারিতে মৃত্যু।

Section 300-এর Exception 5: Consent-এ মৃত্যু যদি ১৮ বছরের উপরে হয়।

মনে রাখার PPSS ফর্মুলা: P = Provocation (উত্তেজনা) P = Private Defence excess (সীমালঙ্ঘন) S = State servant (সরকারি কর্মকর্তা) S = Sudden fight (হঠাৎ মারামারি) এবং C = Consent (সম্মতি)

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫ সালে এই বিষয় থেকে প্রশ্ন এসেছে।

২০১৮ সালের প্রশ্ন: "Culpable Homicide এবং Murder-এর পার্থক্য কী?" উত্তর: Culpable Homicide বড় ক্যাটাগরি, Murder এর মধ্যে বিশেষ অবস্থায়।

২০২৩ সালের প্রশ্ন: "Section 300-এর কতটি Exception আছে?" উত্তর: ৫টি।

২০২৫ সালের MCQ প্রশ্ন: "Murder-এর সংজ্ঞা কোন Section-এ?" উত্তর: Section 300।

রাজনৈতিক উদাহরণ: ICC-তে "Crime Against Humanity" এবং "War Crime" হলো International Law-এর Murder-এর সমতুল্য। ২০২৪-২০২৫ সালে গাজায় সংঘটিত হত্যাকাণ্ড নিয়ে ICJ এবং ICC উভয় আদালতে মামলা চলছে। আন্তর্জাতিক আইনে "Mens Rea" (অপরাধী মন) এবং "Actus Reus" (অপরাধী কাজ) প্রমাণ করতে হয়। Penal Code-এও তেমনি Intention বা Knowledge প্রমাণ করতে হয়।

## Section 302 - হত্যার শাস্তি

Section 302 বলে Murder-এর শাস্তি হলো মৃত্যুদণ্ড অথবা যাবজ্জীবন কারাদণ্ড এবং জরিমানা।

মনে রাখার টেকনিক: "৩০২ = তিন শূন্য দুই = হত্যার শাস্তি মৃত্যু।"

## Section 304 - Culpable Homicide-এর শাস্তি

Section 304 দুই ভাগে:

Part 1: যদি Culpable Homicide-এ মৃত্যু ঘটানোর উদ্দেশ্য থাকে তাহলে সর্বোচ্চ যাবজ্জীবন বা ১০ বছর। Part 2: যদি মৃত্যু ঘটানোর উদ্দেশ্য না থেকে শুধু ক্ষণিক থাকে তাহলে সর্বোচ্চ ১০ বছর।



মনে রাখার টেকনিক: "৩০২ = মৃত্যুদণ্ড। ৩০৪ = কম দণ্ড।"

## Section 307 - হত্যার চেষ্টা

Section 307 বলে যদি কেউ Murder করার চেষ্টা করে সে সর্বোচ্চ ১০ বছর শাস্তি পাবে। যদি সেই চেষ্টায় কেউ আহত হয় তাহলে যাবজ্জীবন বা মৃত্যুদণ্ড পর্যন্ত হতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক: "৩০৭ = তিন শূন্য সাত = চেষ্টা করেছে মারতে, পেল সাত বছর।"

## অধ্যায় ১৪: আঘাতের অপরাধ (Offences Relating to Hurt)

### Section 319 - Hurt (আঘাত)

Section 319 বলে: যদি কেউ অন্য কোনো ব্যক্তির শরীরে শারীরিক কষ্ট বা রোগ বা দুর্বলতা সৃষ্টি করে সেটা "Hurt"।

মনে রাখার টেকনিক: "৩১৯ = তিন এক নয় = সাধারণ আঘাত।"

### Section 320 - Grievous Hurt (গুরুতর আঘাত)

Section 320 বলে নিম্নলিখিত ৮টি ক্ষেত্রে আঘাত "Grievous Hurt":

প্রথমত: অঙ্কুর (Emasculation - অণ্ডকোষ নষ্ট)। দ্বিতীয়ত: দৃষ্টিশক্তি নষ্ট (Permanent privation of sight)। তৃতীয়ত: শ্রবণশক্তি নষ্ট (Permanent privation of hearing)। চতুর্থত: অঙ্গহানি (Privation of any member or joint)। পঞ্চমত: অঙ্গ অকার্যকর (Destruction or permanent impairing of powers of any member)। ষষ্ঠত: মাথা বা মুখের স্থায়ী বিকৃতি (Permanent disfiguration of the head or face)। সপ্তমত: হাড় ভাঙা বা স্থানচ্যুতি (Fracture or dislocation of a bone or tooth)। অষ্টমত: জীবনহানিকর আঘাত (Hurt which endangers life)।

মনে রাখার EASMDDB ছড়া: "E = Emasculation A = Affect eyes (দৃষ্টি) S = Sound lost (শ্রবণ) M = Member lost (অঙ্গ) D = Destroy member power D = Disfiguration B = Bone broken H = Hurt endangers life"

মনে রাখার সহজ উপায়: "৮টি গুরুতর আঘাত = দেহের ৮টি বড় ক্ষতি।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Grievous Hurt-এ কতটি আঘাতের কথা বলা হয়েছে?" উত্তর: ৮টি।



২০২১ সালের প্রশ্ন: "Hurt এবং Grievous Hurt-এর পার্থক্য কী?" উত্তর: Section 319 সাধারণ কষ্ট, Section 320-এ ৮টি বিশেষ ক্ষতি।

### Section 323 এবং 325 - আঘাতের শাস্তি

Section 323: Hurt-এর শাস্তি সর্বোচ্চ ১ বছর কারাদণ্ড এবং ১,০০০ টাকা জরিমানা।

Section 325: Grievous Hurt-এর শাস্তি সর্বোচ্চ ৭ বছর কারাদণ্ড এবং জরিমানা।

মনে রাখার টেকনিক: "৩২৩ = সাধারণ = ১ বছর। ৩২৫ = গুরুতর = ৭ বছর।"

### অধ্যায় ১৫: যৌন অপরাধ (Sexual Offences)

#### Section 375 - ধর্ষণ

Section 375 বলে: একজন পুরুষ ধর্ষণ করে বলে গণ্য হবে যদি সে নিম্নলিখিত পরিস্থিতিতে কোনো মহিলার সাথে যৌন সম্পর্ক করে:

- (a) মহিলার ইচ্ছার বিরুদ্ধে। (b) মহিলার সম্মতি ছাড়া। (c) মহিলার সম্মতি জোর করে বা ভয় দেখিয়ে নিয়ে। (d) প্রতারণামূলক সম্মতি। (e) মহিলা যদি ১৮ বছরের কম বয়সী হয় (Statutory Rape)।

Exception: নিজের স্ত্রীর সাথে যদি স্ত্রী ১৩ বছরের কম না হয়।

মনে রাখার টেকনিক: "৩৭৫ = তিন সাত পাঁচ = সম্মতি ছাড়া অপরাধ।"

Section 376: ধর্ষণের শাস্তি সর্বোচ্চ ১০ বছর কারাদণ্ড এবং জরিমানা।

সাম্প্রতিক প্রাসঙ্গিকতা: ২০২৪-২০২৫ সালে বাংলাদেশে ধর্ষণ সংক্রান্ত আইনে বেশ কিছু পরিবর্তন আলোচনায় এসেছে। Marital Rape (বৈবাহিক ধর্ষণ)-কে অপরাধ হিসেবে স্বীকৃতি দেওয়ার দাবি উঠেছে। আন্তর্জাতিক মানবাধিকার সংস্থাগুলো CEDAW-এর (Convention on Elimination of All Forms of Discrimination Against Women) সাথে সামঞ্জস্য রাখতে বলছে। এটা জানো কারণ পরীক্ষায় এই প্রেক্ষাপটে প্রশ্ন আসতে পারে।

#### Section 354 - নারীর মর্যাদাহানি

Section 354 বলে: যদি কেউ নারীর মর্যাদা ক্ষুণ্ণ করার উদ্দেশ্যে তার সাথে মারামারি বা শারীরিক শক্তি ব্যবহার করে তাহলে সর্বোচ্চ ২ বছর কারাদণ্ড।

মনে রাখার টেকনিক: "৩৫৪ = তিন পাঁচ চার = নারীর সম্মান রক্ষা করে।"





## অধ্যায় ১৬: সম্পত্তির বিরুদ্ধে অপরাধ (Offences Against Property)

এটা Penal Code-এর সবচেয়ে বেশি MCQ আসা অংশ।

### Section 378 - চুরি (Theft)

Section 378 বলে: যদি কেউ কোনো ব্যক্তির কাছ থেকে তার সম্পত্তি ছাড়া সম্পত্তি সরিয়ে নেওয়ার উদ্দেশ্যে সেটা সরিয়ে নেয় তাহলে সে চুরি করেছে।

চুরির উপাদান: প্রথমত: অসৎ উদ্দেশ্য (Dishonest intention)। দ্বিতীয়ত: অন্যের সম্পত্তি। তৃতীয়ত: সম্পত্তি ছাড়া। চতুর্থত: সম্পত্তি সরানো।

মনে রাখার DMAS টেকনিক: D = Dishonest (অসৎ) M = Movable property (অস্থাবর সম্পত্তি) A = Another person's (অন্যের) S = Stolen without consent (সম্পত্তি ছাড়া)

মনে রাখার টেকনিক: "৩৭৮ = তিন সাত আট = তিনটা আটটা চোর।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৬ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Theft-এর সংজ্ঞায় কতটি উপাদান আছে?" উত্তর: মূলত চারটি।

### Section 383 - চাঁদাবাজি (Extortion)

Section 383 বলে: যদি কেউ ভয় দেখিয়ে কোনো ব্যক্তিকে সম্পত্তি বা মূল্যবান নিরাপত্তা দিতে বাধ্য করে তাহলে সে Extortion করেছে।

Theft এবং Extortion-এর পার্থক্য: Theft-এ সম্পত্তি নেওয়া হয় গোপনে। Extortion-এ সম্পত্তি আদায় হয় ভয় দেখিয়ে।

মনে রাখার টেকনিক: "Theft = গোপনে। Extortion = ভয় দেখিয়ে।"

২০২৫ সালের প্রাসঙ্গিকতা: বাংলাদেশে চাঁদাবাজি একটি গুরুতর সমস্যা। ২০২৪-২০২৫ সালে পরিবর্তনের পরে অনেক সাবেক ক্ষমতাস্বত্বের ব্যক্তির বিরুদ্ধে Extortion-এর মামলা দায়ের হয়েছে।

### Section 390 - ডাকাতি (Robbery)

Section 390 বলে: Theft এবং Extortion উভয়ই Robbery হতে পারে যদি সেগুলো সংঘটনে মৃত্যু বা আঘাতের হুমকি থাকে।

Robbery হওয়ার শর্ত:





Theft যদি Robbery হতে হয়: চুরির সময় বা অব্যবহিত আগে বা পরে মৃত্যু বা আঘাত বা ভয় থাকতে হবে।

Extortion যদি Robbery হতে হয়: ভুক্তভোগী উপস্থিত থাকতে হবে এবং তাৎক্ষণিকভাবে মৃত্যু বা আঘাতের ভয় থাকতে হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "Theft + ভয় = Robbery | Extortion + সরাসরি ভয় = Robbery।"

### Section 391 - ডাকাতি দল (Dacoity)

Section 391 বলে: যদি ৫ বা ততোধিক ব্যক্তি মিলে Robbery করে বা করার চেষ্টা করে তাহলে সেটা Dacoity।

মনে রাখার টেকনিক: "Dacoity = ৫ বা বেশি জনের Robbery।"

Theft, Extortion, Robbery, Dacoity-র ধাপ মনে রাখার উপায়:

"Theft + বল = Robbery | Robbery + পাঁচজন = Dacoity।"

অথবা: "ছোট চুরি, বড় ডাকাতি।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১ সালে Theft, Robbery, Dacoity থেকে প্রশ্ন এসেছে।

২০২১ সালের প্রশ্ন: "Dacoity-এর জন্য ন্যূনতম কতজন লাগে?" উত্তর: ৫ জন।

---

### অধ্যায় ১৭: বিশ্বাস ভঙ্গ এবং প্রতারণা (Breach of Trust and Cheating)

#### Section 405 - বিশ্বাসভঙ্গ (Criminal Breach of Trust)

Section 405 বলে: যদি কেউ বিশ্বাসে অর্পিত সম্পত্তি অসৎ উদ্দেশ্যে নিজে বা অন্যের জন্য ব্যবহার করে বা আত্মসাৎ করে তাহলে সে "Criminal Breach of Trust" করেছে।

মনে রাখার টেকনিক: "বিশ্বাসে দেওয়া মাল চুরি = Section 405।"

উদাহরণ: কোনো ব্যাংকের ক্যাশিয়ার গ্রাহকের আমানত আত্মসাৎ করল। এটা Section 405।

সাম্প্রতিক উদাহরণ: ২০২৪-২০২৫ সালে বাংলাদেশে ব্যাংকিং খাতে অনেক অর্থ আত্মসাতের মামলা হয়েছে। এগুলোতে Section 405 প্রযোজ্য।

#### Section 415 - প্রতারণা (Cheating)



Section 415 বলে: যদি কেউ কাউকে প্রতারণা করে এবং সেই প্রতারণার ফলে ক্ষতিগ্রস্ত ব্যক্তি সম্পত্তি দেয় বা গুরুত্বপূর্ণ কাজ করে বা না করে তাহলে সে "Cheating" করেছে।

Section 420 - সম্পত্তি দিতে বাধ্য করানো প্রতারণার বিশেষ ধারা।

Section 420 বলে: যদি প্রতারণা করে কাউকে সম্পত্তি দিতে বা অর্থ দিতে বাধ্য করা হয় তাহলে শাস্তি সর্বোচ্চ ৭ বছর।

মনে রাখার টেকনিক: "৪২০ = প্রতারক। এই নম্বরটাই মানুষের মুখে মুখে আছে।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৮, ২০২১ সালে Section 420 থেকে প্রশ্ন এসেছে।

২০২১ সালের প্রশ্ন: "Section 420-এ সর্বোচ্চ শাস্তি কত?" উত্তর: ৭ বছর।

---

## অধ্যায় ১৮: অন্যান্য গুরুত্বপূর্ণ অপরাধ

### Section 441 - অবৈধ প্রবেশ (Criminal Trespass)

Section 441 বলে: যদি কেউ অন্যের সম্পত্তিতে অনুমতি ছাড়া প্রবেশ করে এবং উদ্দেশ্য অপরাধ করা বা ভয় দেখানো বা অপমান করা তাহলে সে "Criminal Trespass" করেছে।

মনে রাখার টেকনিক: "অনুমতি ছাড়া প্রবেশ = Trespass।"

### Section 463 - জালিয়াতি (Forgery)

Section 463 বলে: যদি কেউ কোনো মিথ্যা দলিল বা মিথ্যা ইলেকট্রনিক রেকর্ড তৈরি করে এবং উদ্দেশ্য প্রতারণা করা তাহলে সে "Forgery" করেছে।

Section 465: Forgery-র শাস্তি সর্বোচ্চ ২ বছর।

Section 468: প্রতারণার উদ্দেশ্যে Forgery-র শাস্তি সর্বোচ্চ ৭ বছর।

মনে রাখার টেকনিক: "৪৬৩ = জাল কাগজ তৈরি। ৪৬৮ = জাল কাগজ দিয়ে প্রতারণা।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Forgery-র সংজ্ঞা Penal Code-এর কোন Section-এ?" উত্তর: Section 463।

### Section 499 - মানহানি (Defamation)



Section 499 বলে: যদি কেউ মৌখিকভাবে বা লিখিতভাবে বা সংকেতে কোনো ব্যক্তি সম্পর্কে এমন বিষয় প্রকাশ করে যা তার সম্মান নষ্ট করে তাহলে সে "Defamation" করেছে।

Defamation-এর ব্যতিক্রম: সত্য প্রকাশ করলে Defamation হয় না যদি তা জনস্বার্থে হয়।

Section 500: Defamation-এর শাস্তি সর্বোচ্চ ২ বছর।

মনে রাখার টেকনিক: "৪৯৯ = সম্মান নষ্ট করলে শাস্তি। ৫০০ = শাস্তির ধারা।"

সাম্প্রতিক প্রাসঙ্গিকতা: ২০২৪-২০২৫ সালে সামাজিক মাধ্যমে অনেক মানহানির মামলা হয়েছে বাংলাদেশে। ডিজিটাল নিরাপত্তা আইনও এতে যোগ হয়েছে। কিন্তু Penal Code Section 499 এখনও মৌলিক আইন।

### Section 503 - ফৌজদারি ভয়ভীতি (Criminal Intimidation)

Section 503 বলে: যদি কেউ কাউকে তার বা তার পরিবারের বা সম্পত্তির ক্ষতির হুমকি দেয় যাতে সে কোনো কাজ করতে বা না করতে বাধ্য হয় তাহলে সে "Criminal Intimidation" করেছে।

Section 506: Criminal Intimidation-এর শাস্তি সর্বোচ্চ ২ বছর।

মনে রাখার টেকনিক: "৫০৩ = ভয় দেখানো।"

## অধ্যায় ১৯: অবৈধ জনতা (Unlawful Assembly) এবং দাঙ্গা

### Section 141 - অবৈধ জনতা (Unlawful Assembly)

Section 141 বলে: ৫ বা ততোধিক ব্যক্তির দল যদি নিম্নলিখিত উদ্দেশ্যে একত্রিত হয় তাহলে তা "Unlawful Assembly":

(a) সরকারের ক্ষমতা ব্যবহারে বাধা দেওয়া। (b) যেকোনো আইন বা আদেশ অমান্য করানো। (c) আইনি প্রক্রিয়াকে বাধাগ্রস্ত করা। (d) অপরাধমূলক বল দ্বারা সম্পত্তি দখল বা ব্যবহার করা। (e) অপরাধমূলক বল দ্বারা কাউকে কিছু করতে বাধ্য করা।

মনে রাখার টেকনিক: "৫ জন = Unlawful Assembly। ৫ জনের কম = কোনো দল নেই।"

Section 146 - দাঙ্গা (Rioting):

Section 146 বলে: Unlawful Assembly-তে যখন বল প্রয়োগ হয় তখন সেই Assembly-র প্রত্যেক সদস্য "Rioting"-এর দোষী।



মনে রাখার টেকনিক: "Unlawful Assembly + বল = Rioting।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Unlawful Assembly-র জন্য ন্যূনতম কতজন লাগে?" উত্তর: ৫ জন।

## অধ্যায় ২০: Penal Code-এর শাস্তির প্রকারভেদ

### Section 53 - শাস্তির প্রকার

Section 53 বলে Penal Code-এর অধীনে শাস্তির প্রকারভেদ:

প্রথমত: মৃত্যুদণ্ড (Death)। দ্বিতীয়ত: যাবজ্জীবন কারাদণ্ড (Imprisonment for life)। তৃতীয়ত: কঠোর কারাদণ্ড (Rigorous imprisonment)। চতুর্থত: সাধারণ কারাদণ্ড (Simple imprisonment)। পঞ্চমত: সম্পত্তি বাজেয়াপ্তি (Forfeiture of property)। ষষ্ঠত: জরিমানা (Fine)।

মনে রাখার DLIRSFF ফর্মুলা: D = Death L = Life imprisonment I = [Rigorous] imprisonment S = Simple imprisonment F = Forfeiture F = Fine

"DLISFF = মৃত্যু জীবন কঠোর সাধারণ বাজেয়াপ্তি জরিমানা।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৬, ২০১৮ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Penal Code-এ কতটি প্রকার শাস্তি আছে?" উত্তর: ৬টি।

## অধ্যায় ২১: Penal Code-এর সাথে IR এবং রাজনীতির মজার সংযোগ

### অধ্যায় ২১ক: আন্তর্জাতিক সম্পর্কের সাথে Penal Code

জোক ১: Section 34 এবং NATO

NATO-র Article 5 বলে যদি একটি সদস্য রাষ্ট্র আক্রান্ত হয় তাহলে বাকিরাও আক্রমণ হিসেবে দেখবে। এটা অনেকটা Section 34-এর "Common Intention"-এর মতো। সবাই একসাথে আক্রান্ত হলে সবাই একসাথে দায়ী। ২০২২ সালে রাশিয়া ইউক্রেন আক্রমণ করল। NATO Article 5 সরাসরি প্রযোজ্য হলে বলা হতো "Section 34 অনুযায়ী সবাই একসাথে লড়াই করো।"

জোক ২: Section 300 Exception 1 এবং রাজনৈতিক নেতারা

Section 300-এর Exception 1 বলে "Grave and Sudden Provocation"-এ হত্যা হলে Murder নয়। বিশ্বের অনেক নেতা বলেন তারা "provoked" হয়ে পদক্ষেপ নিয়েছেন। কিন্তু Penal Code বলে এই Provocation



"grave and sudden" হতে হবে এবং "passion"-এর কারণে কাজ করতে হবে। রাজনৈতিক কারণে করলে এই Exception প্রযোজ্য নয়।

জোক ৩: Section 84 এবং আন্তর্জাতিক নেতারা

কিছু দেশের নেতারা এমন কথা বলেন যা সাধারণ মানুষের বোধগম্যতার বাইরে। Penal Code Section 84-এর সুরক্ষা পেতে হলে "Medical Certificate" লাগবে। শুধু অদ্ভুত বক্তব্যে চলবে না।

জোক ৪: Section 503 এবং সামাজিক মাধ্যম

২০২৫ সালে X (Twitter) এবং Facebook-এ অনেক রাজনীতিবিদ অন্যদের ভয় দেখানো পোস্ট দিয়েছেন। Section 503-এর Criminal Intimidation সামাজিক মাধ্যমেও প্রযোজ্য। Digital Security Act এবং Cyber Security Act-ও যুক্ত হয়েছে।

জোক ৫: Section 378 (Theft) এবং Tax Haven

অনেক ধনী ব্যক্তি Tax Haven-এ অর্থ লুকিয়ে রাখেন। FATF (Financial Action Task Force) এটা মোকাবেলা করে। কিন্তু সরাসরি Section 378 প্রযোজ্য নয় কারণ এটা সম্পত্তি "সরানো"র বিষয়। তবে Section 405 (Criminal Breach of Trust) বা Money Laundering Act প্রযোজ্য হতে পারে।

---

## অধ্যায় ২২: Penal Code-এর বিগত সালের প্রশ্ন বিশ্লেষণ

### ২০১৫ সালের Penal Code প্রশ্ন

প্রশ্ন: "Murder এবং Culpable Homicide-এর পার্থক্য কী?" উত্তর: Section 299 এবং Section 300-এর বিশ্লেষণ।

প্রশ্ন: "Section 84-এর অধীনে দায়মুক্তির শর্ত কী?" উত্তর: Unsoundness of mind-এর কারণে কাজের প্রকৃতি বা ভুল না বোঝা।

### ২০১৬ সালের Penal Code প্রশ্ন

প্রশ্ন: "শাস্তির প্রকার কতটি?" উত্তর: Section 53 অনুযায়ী ৬টি।

প্রশ্ন: "Theft-এর সংজ্ঞা কোন Section-এ?" উত্তর: Section 378।

### ২০১৭ সালের Penal Code প্রশ্ন



প্রশ্ন: "Unlawful Assembly-র জন্য ন্যূনতম কতজন লাগে?" উত্তর: ৫ জন।

প্রশ্ন: "Abetment-এর কতটি রূপ আছে?" উত্তর: ৩টি।

প্রশ্ন: "Grievous Hurt-এ কতটি আঘাতের কথা আছে?" উত্তর: ৮টি।

### ২০১৮ সালের Penal Code প্রশ্ন

প্রশ্ন: "Section 300-এ কতটি Exception আছে?" উত্তর: ৫টি।

প্রশ্ন: "Dacoity-তে কতজন লাগে?" উত্তর: ৫ বা ততোধিক।

### ২০১৯ সালের Penal Code প্রশ্ন

প্রশ্ন: "Section 100-এ কতটি ক্ষেত্রে হত্যা করা যাবে?" উত্তর: ৬টি ক্ষেত্রে।

প্রশ্ন: "Section 420-এ সর্বোচ্চ শাস্তি কত?" উত্তর: ৭ বছর।

প্রশ্ন: "Forgery-র সংজ্ঞা কোন Section-এ?" উত্তর: Section 463।

### ২০২১ সালের Penal Code প্রশ্ন

প্রশ্ন: "Criminal Conspiracy-র সংজ্ঞা কোথায়?" উত্তর: Section 120A।

প্রশ্ন: "Hurt এবং Grievous Hurt-এর পার্থক্য কী?" উত্তর: Section 319 সাধারণ কষ্ট, Section 320-এ বিশেষ ৮টি আঘাত।

### ২০২৩ সালের Penal Code প্রশ্ন

প্রশ্ন: "Section 34-এর Common Intention প্রমাণের জন্য কী দরকার?" উত্তর: পূর্বপরিকল্পনা থাকতে হবে।

প্রশ্ন: "Section 307 কী?" উত্তর: হত্যার চেষ্টা।

প্রশ্ন: "Private Defence-এ মৃত্যু ঘটানো কখন বৈধ?" উত্তর: Section 100-এর ৬টি ক্ষেত্রে।

### ২০২৫ সালের পরীক্ষায় Penal Code থেকে আসা প্রশ্ন

Murder-এর সংজ্ঞা সম্পর্কিত প্রশ্ন (Section 300)। Section 84 (Unsound mind) সংক্রান্ত প্রশ্ন। Section 378 (Theft) এবং Section 390 (Robbery)-এর পার্থক্য। Section 120A (Criminal Conspiracy) সম্পর্কিত।



## অধ্যায় ২৩: ২০২৬ পরীক্ষার পূর্বাভাস (CrPC এবং Penal Code)

### CrPC থেকে সম্ভাব্য প্রশ্ন ২০২৬

প্রশ্ন: Section 164 CrPC-তে কীভাবে Confession নেওয়া হয়? সম্ভাব্য উত্তর: Magistrate স্বেচ্ছাকৃতভাবে Confession নেবেন এবং সতর্কতামূলক বিবৃতি দেবেন।

প্রশ্ন: Anticipatory Bail কী? সম্ভাব্য উত্তর: গ্রেফতারের আগে জামিনের আদেশ। বাংলাদেশের CrPC-তে সরাসরি না থাকলেও High Court দিয়ে থাকে।

প্রশ্ন: Cognizance of Offence কোন Section-এ? সম্ভাব্য উত্তর: Section 190।

প্রশ্ন: Police Remand-এর সর্বোচ্চ মেয়াদ কত? সম্ভাব্য উত্তর: Section 167 অনুযায়ী ১৫ দিন।

প্রশ্ন: Section 197 CrPC কী? সম্ভাব্য উত্তর: সরকারি কর্মচারীর বিরুদ্ধে মামলায় সরকারের অনুমতি প্রয়োজন।

### Penal Code থেকে সম্ভাব্য প্রশ্ন ২০২৬

প্রশ্ন: "Culpable Homicide Not Amounting to Murder" বলতে কী? সম্ভাব্য উত্তর: Culpable Homicide কিন্তু Section 300-এর শর্ত পূরণ হয়নি।

প্রশ্ন: Section 85-এর অধীনে দায়মুক্তির শর্ত কী? সম্ভাব্য উত্তর: জোর করে বা অজান্তে মাদকাসক্ত হলে।

প্রশ্ন: Section 107-এর "Instigation" মানে কী? সম্ভাব্য উত্তর: কাউকে অপরাধ করতে উৎসাহিত করা।

প্রশ্ন: Robbery এবং Dacoity-এর পার্থক্য কী? সম্ভাব্য উত্তর: Dacoity-তে ৫ বা বেশি জন।

প্রশ্ন: Section 499-এর Exceptions কতটি? সম্ভাব্য উত্তর: Section 499-এ অনেকগুলো Exception আছে। প্রধান Exception হলো সত্য এবং জনস্বার্থে প্রকাশ।

## অধ্যায় ২৪: CrPC এবং Penal Code-এর তুলনামূলক বিশ্লেষণ

### দুটি আইনের মধ্যে সম্পর্ক

Penal Code = অপরাধের সংজ্ঞা এবং শাস্তি। "কী" বলে। CrPC = বিচার প্রক্রিয়া। "কীভাবে" বলে।



উদাহরণ: করিম রহিমকে মারল। Penal Code বলে: এটা Section 323 (Hurt) বা Section 302 (Murder)। CrPC বলে: Section 54-এ গ্রেফতার, Section 154-এ FIR, Section 173-এ Charge Sheet, Section 190-এ Cognizance।

## বাস্তব জীবনের উদাহরণ

ঢাকার মোহাম্মদপুরে একটি ডাকাতির ঘটনা হলো। পাঁচজন মিলে একটি বাড়িতে ডাকাতি করল।

Penal Code বলে: এটা Section 391 (Dacoity)। পাঁচজনই Section 34 অনুযায়ী সমানভাবে দায়ী। যারা অস্ত্র বহন করেছে তারা Section 395-এ বাড়তি শাস্তি পাবে।

CrPC বলে: Section 54 অনুযায়ী পুলিশ ওয়ারেন্ট ছাড়াই গ্রেফতার করতে পারে। Section 154 অনুযায়ী FIR নিতে হবে। Section 167 অনুযায়ী Remand নেওয়া হতে পারে। Section 173 অনুযায়ী Charge Sheet দিতে হবে। Sessions Court-এ বিচার হবে কারণ Dacoity-র শাস্তি গুরুতর।

## অধ্যায় ২৫: মেমোরি টেকনিকের চূড়ান্ত সংকলন (CrPC এবং Penal Code)

### সংখ্যার সাথে অর্থের যোগসূত্র - CrPC

Section 54 = পুলিশের হাত চারটে দিক থেকে ধরার ক্ষমতা (ওয়ারেন্ট ছাড়া গ্রেফতার)। Section 61 = ৬১ মিনিট নয়, ২৪ ঘণ্টা (ম্যাজিস্ট্রেটের কাছে পার্ঠাও)। Section 154 = একশো চৌদ্দ = FIR = প্রথম তথ্য রিপোর্ট। Section 167 = একশো সাতষড়ি = ২৪ ঘণ্টায় শেষ না হলে Remand। Section 173 = একশো ত্রিযাত্র = Charge Sheet। Section 190 = একশো নব্বই = Cognizance। Section 435 = চারশো পঁয়ত্রিশ = Revision। Section 491 = চারশো একানব্বই = Habeas Corpus। Section 496 = Bailable = জামিন অধিকার। Section 497 = Non-bailable = বিবেচনামূলক জামিন। Section 498 = High Court = সব পারে।

### সংখ্যার সাথে অর্থের যোগসূত্র - Penal Code

Section 34 = তিন চার = তিন থেকে চারজন মিলে Common Intention। Section 76 = সাত ছয় = সৈনিক ভুল বিশ্বাসে কাজ করেছে। Section 82 = আট দুই = আট দুই (৭ বছরের নিচে) শিশু মুক্ত। Section 84 = আট চার = পাগলের শাস্তি নেই। Section 96 = নয় ছয় = নিজেকে বাঁচানোর অধিকার। Section 100 = একশো = ছয়টি ক্ষেত্রে মৃত্যুও ঘটাতে পারে। Section 107 = একশো সাত = সাহায্য করা তিনভাবে। Section 120A = Criminal Conspiracy। Section 141 = একশো একচল্লিশ = পাঁচজন বেআইনি দল। Section 299 = Culpable Homicide। Section 300 = Murder। Section 302 = মৃত্যুদণ্ড। Section 304 = কম শাস্তি। Section 307 = হত্যার চেষ্টা। Section 319 = Hurt। Section 320 = Grievous Hurt। Section 323 = Hurt-এর শাস্তি। Section 325 = Grievous Hurt-এর শাস্তি। Section 354 = নারীর সম্মান। Section 375 =





Rape | Section 376 = Rape-এর শাস্তি | Section 378 = Theft | Section 383 = Extortion | Section 390 = Robbery | Section 391 = Dacoity | Section 405 = Criminal Breach of Trust | Section 415 = Cheating | Section 420 = বড় Cheating | Section 441 = Criminal Trespass | Section 463 = Forgery | Section 499 = Defamation | Section 503 = Criminal Intimidation |

## অধ্যায় ২৬: CrPC এবং Penal Code-এর প্র্যাকটিস প্রশ্ন

নিজে সমাধান করো।

প্রশ্ন ১: করিম একটি দোকান থেকে মাল চুরি করছিল। মালিক দেখে ফেলল এবং করিম মালিককে মারল। Penal Code-এর কোন Section প্রযোজ্য?

প্রশ্ন ২: পুলিশ একটি Cognizable offence-এ সন্দেহে রহিমকে গ্রেফতার করল। কত ঘণ্টার মধ্যে ম্যাজিস্ট্রেটের কাছে পাঠাতে হবে?

প্রশ্ন ৩: পাঁচজন মিলে একটি বাড়িতে ঢুকল অবৈধভাবে। কোন Section প্রযোজ্য?

প্রশ্ন ৪: এক ব্যক্তি মানসিক রোগে আক্রান্ত এবং সে বুঝতে পারেনি যে সে খারাপ কাজ করছে। কোন Section-এ রক্ষা পাবে?

প্রশ্ন ৫: একটি Non-bailable offence-এ গ্রেফতার মহিলার জামিনের আবেদন হলো। Magistrate কি দিতে পারবে?

প্রশ্ন ৬: রাজু তার বন্ধুর টাকা বিশ্বাসে নিয়েছিল কিন্তু নিজে খরচ করে ফেলল। কোন অপরাধ?

প্রশ্ন ৭: সেলিম একটি গ্যাং-এর পরিকল্পনাকারী কিন্তু নিজে ঘটনাস্থলে ছিল না। সে কি দায়ী?

প্রশ্ন ৮: Culpable Homicide এবং Murder-এর মধ্যে মূল পার্থক্য কী?

উত্তর:

উত্তর ১: Section 378 (Theft) এবং Section 323 (Hurt)। যদি মালিক গুরুতর আহত হন তাহলে Section 325। যদি মৃত্যু ঘটে তাহলে Robbery (Section 390) এবং Section 302 বা 304।

উত্তর ২: Section 61 অনুযায়ী ২৪ ঘণ্টার মধ্যে।

উত্তর ৩: Section 441 (Criminal Trespass) এবং Section 141 (Unlawful Assembly) ৫ জন হওয়ায়।



উত্তর ৪: Section 84 (Act of a person of unsound mind)।

উত্তর ৫: Section 497 অনুযায়ী মহিলার ক্ষেত্রে Magistrate Non-bailable offence-এও জামিন দিতে পারে।

উত্তর ৬: Section 405 (Criminal Breach of Trust)।

উত্তর ৭: হ্যাঁ। Section 107 (Abetment) এবং Section 120A (Criminal Conspiracy) অনুযায়ী দায়ী। Section 34 (Common Intention)-ও প্রযোজ্য হতে পারে।

উত্তর ৮: Culpable Homicide হলো Section 299-এর অধীনে। Murder হলো Section 300-এর অধীনে Culpable Homicide-এর বিশেষ অবস্থা। সব Murder হলো Culpable Homicide কিন্তু সব Culpable Homicide Murder নয়।

---

## অধ্যায় ২৭: CrPC এবং Penal Code-এ বাংলাদেশের বিশেষ আইনের সংযোগ

### নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইন ২০০০

এই আইনটি Penal Code-এর বাইরেও প্রযোজ্য। তবে এই আইনের সাথে Penal Code-এর সংযোগ জানতে হবে।

ধর্ষণের ক্ষেত্রে Penal Code Section 375-376 এবং নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইন উভয়ই প্রযোজ্য হতে পারে।

পরীক্ষায় প্রশ্ন: "ধর্ষণের মামলায় কোন আইন প্রযোজ্য?" উত্তর: Penal Code Section 375-376 এবং নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইন ২০০০ উভয়ই।

### ডিজিটাল নিরাপত্তা আইন ২০১৮ এবং Cyber Security Act ২০২৩

এই আইনগুলো Penal Code-এর Extension হিসেবে কাজ করে।

Defamation online = Section 499 এবং Cyber Security Act। Criminal Intimidation online = Section 503 এবং Cyber Security Act।

২০২৫ সালে বাংলাদেশে Cyber Security Act-এর অনেক মামলা হয়েছে। পরীক্ষায় এই সংযোগ জেনে রাখা দরকার।

### দুর্নীতি দমন আইন এবং Penal Code-এর সংযোগ



Criminal Breach of Trust (Section 405) এবং দুর্নীতি দমন কমিশন (দুদক) আইনের মামলা একসাথে চলতে পারে।

Section 420 (Cheating) এবং দুর্নীতি দমন আইন একসাথে প্রযোজ্য হয় বিভিন্ন সরকারি দুর্নীতির মামলায়।

---

## অধ্যায় ২৮: CrPC-র Special Provisions

### Section 144 - জরুরি আদেশ

Section 144 CrPC সম্পর্কে পরীক্ষায় প্রশ্ন আসে।

Section 144 বলে Executive Magistrate জরুরি পরিস্থিতিতে শান্তি রক্ষার জন্য সভা সমাবেশ নিষিদ্ধ করতে পারেন।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 144 = ১৪৪ ধারা = মানুষ জানে এটা।"

রাজনৈতিক প্রাসঙ্গিকতা: ২০২৪ সালে বাংলাদেশে বিভিন্ন রাজনৈতিক সমাবেশে Section 144 জারির ঘটনা ঘটেছে। আন্তর্জাতিক মিডিয়া এটা নিয়ে রিপোর্ট করেছে। মানবাধিকার সংস্থাগুলো বলছে Section 144-এর অতিরিক্ত ব্যবহার মত প্রকাশের স্বাধীনতার পরিপন্থী।

### Section 197 - বিচারক ও সরকারি কর্মচারীর বিচার

Section 197 বলে বিচারক এবং সরকারি কর্মচারীর বিরুদ্ধে তাদের দাপ্তরিক কাজের জন্য মামলা করতে হলে সরকারের অনুমোদন লাগবে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 197 = সরকারি মানুষ সরকারের ছাড়পত্র ছাড়া ধরা যাবে না।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল "সরকারি কর্মচারীর বিরুদ্ধে মামলায় কোন অনুমতি লাগে?"

উত্তর: Section 197 অনুযায়ী সরকারের অনুমোদন।

---

## অধ্যায় ২৯: পার্ট ২-এর চূড়ান্ত রিভিশন

### CrPC-র জন্য ১৫টি সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ বিষয়

প্রথমত Section 4 থেকে সংজ্ঞা বিশেষত Cognizable এবং Non-cognizable। দ্বিতীয়ত Section 6 থেকে আদালতের শ্রেণী। তৃতীয়ত বিভিন্ন Magistrate-এর শাস্তি দেওয়ার ক্ষমতা। চতুর্থত Section 54 থেকে ওয়ারেন্ট



ছাড়া গ্রেফতার। পঞ্চমত Section 61 থেকে ২৪ ঘণ্টার নিয়ম। ষষ্ঠত Section 154 থেকে FIR। সপ্তমত Section 167 থেকে Police Remand। অষ্টমত Section 173 থেকে Charge Sheet। নবমত Section 190 থেকে Cognizance। দশমত Section 239 থেকে Discharge। একাদশত Section 342 থেকে অভিযুক্তকে জিজ্ঞাসাবাদ। দ্বাদশত Section 435 থেকে Revision। ত্রয়োদশত Section 491 থেকে Habeas Corpus। চতুর্দশত Section 496-497-498 থেকে জামিন। পঞ্চদশত Section 144 থেকে জরুরি আদেশ।

## Penal Code-এর জন্য ২০টি সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ বিষয়

প্রথমত Section 34 থেকে Common Intention। দ্বিতীয়ত Section 53 থেকে শাস্তির প্রকার। তৃতীয়ত Section 76-79 থেকে ভুল বিশ্বাসের দায়মুক্তি। চতুর্থত Section 82-83 থেকে শিশু অপরাধী। পঞ্চমত Section 84 থেকে উন্মাদ ব্যক্তি। ষষ্ঠত Section 85-86 থেকে মাদকাসক্ত। সপ্তমত Section 96-100 থেকে Right of Private Defence। অষ্টমত Section 107 থেকে Abetment। নবমত Section 120A-120B থেকে Criminal Conspiracy। দশমত Section 141 এবং 146 থেকে Unlawful Assembly এবং Rioting। একাদশত Section 299-300 থেকে Culpable Homicide এবং Murder। দ্বাদশত Section 302-304-307 থেকে শাস্তি। ত্রয়োদশত Section 319-320-323-325 থেকে Hurt। চতুর্দশত Section 354 এবং 375-376 থেকে যৌন অপরাধ। পঞ্চদশত Section 378 থেকে Theft। ষোড়শত Section 383-390-391 থেকে Extortion, Robbery, Dacoity। সপ্তদশত Section 405 থেকে Criminal Breach of Trust। অষ্টাদশত Section 415-420 থেকে Cheating। ঊনবিংশত Section 463-468 থেকে Forgery। বিংশত Section 499-500-503-506 থেকে Defamation এবং Intimidation।

## অধ্যায় ৩০: বিশেষ জোক এবং মজার উদাহরণ - চূড়ান্ত সংকলন

### জোক ১: Section 300 এবং ট্রাম্প-বাইডেন

২০২৪ সালে আমেরিকার নির্বাচনে বিভিন্ন উত্তেজনাপূর্ণ মুহূর্ত ছিল। Penal Code-এর Section 300 Exception 1 বলে "Grave and Sudden Provocation"-এ হত্যা হলে Murder নয়। কিন্তু রাজনৈতিক প্রতিদ্বন্দ্বিতা কখনোই "Sudden" নয়। এটা বছরের পর বছর ধরে চলা। তাই কোনো রাজনৈতিক হামলায় এই Exception প্রযোজ্য হবে না।

### জোক ২: Section 34 এবং G7

G7 দেশগুলো রাশিয়ার বিরুদ্ধে নিষেধাজ্ঞায় "Common Intention" দেখায়। Section 34-এর মতো। প্রত্যেক দেশ আলাদাভাবে নিষেধাজ্ঞা দিয়েছে কিন্তু সবার উদ্দেশ্য এক। Section 34-এর "Common Intention"-ও তেমনি সবার উদ্দেশ্য এক না হলেও চলে, সবাই সেই উদ্দেশ্যে কাজ করলেই হয়।

### জোক ৩: Dacoity এবং BRICS



BRICS গ্রুপে ৫টির বেশি দেশ আছে এখন। BRICS-কে Section 391-এর Dacoity-এর সাথে তুলনা করা যায় কারণ পাঁচজনের বেশি মিলে আন্তর্জাতিক অর্থনৈতিক ব্যবস্থা পরিবর্তনের চেষ্টা করছে। আমেরিকা বলছে এটা অর্থনৈতিক "Robbery"। BRICS বলছে এটা তাদের "Right of Private Defence"।

### জোক ৪: Section 144 এবং UN Security Council

UN Security Council যখন জরুরি অধিবেশন ডাকে তখন সব দেশ আসতে বাধ্য। Section 144 CrPC-ও জরুরি আদেশ দেওয়ার ক্ষমতা দেয়। পার্থক্য হলো Security Council-এ P5 ভেটো দিতে পারে। Section 144-এ ম্যাজিস্ট্রেটের কোনো "ভেটো" নেই।

### জোক ৫: FIR এবং UN Resolution

২০২৩ সালে অক্টোবরে ইসরাইল-হামাস যুদ্ধ শুরু হলে জাতিসংঘে অনেক Resolution-এর প্রস্তাব আসে। এটা অনেকটা FIR-এর মতো। প্রথমে অভিযোগ নেওয়া হচ্ছে। কিন্তু FIR-এ তদন্ত শুরু হয়। UN Resolution-এ বাস্তব তদন্ত হয় না কারণ Veto Power আছে।

### জোক ৬: Section 497 WAS ফর্মুলা এবং Diplomacy

Section 497-এর WAS ফর্মুলায় মহিলা, শিশু এবং অসুস্থ ব্যক্তি Non-bailable offence-এও জামিন পেতে পারে। কূটনীতিতেও এই "বিশেষ বিবেচনা" দেখা যায়। Diplomatic Immunity মানে বিদেশী কূটনীতিকরা অনেক অপরাধে দায়মুক্তি পান। Section 497 WAS এবং Diplomatic Immunity উভয়ই বিশেষ শ্রেণীর সুরক্ষা।

## অধ্যায় ৩১: পার্ট ২-এর সারসংক্ষেপ

তুমি এই পার্টে পড়লে:

CrPC, 1898 হলো ফৌজদারি মামলার পদ্ধতিগত আইন। পরীক্ষায় ২০ নম্বর।

গুরুত্বপূর্ণ Section: 4, 6, 54, 61, 144, 154, 155, 164, 167, 173, 190, 197, 239, 342, 435, 491, 496, 497, 498।

Penal Code, 1860 হলো ফৌজদারি অপরাধের সংজ্ঞা এবং শাস্তির আইন। পরীক্ষায় ২০ নম্বর।

গুরুত্বপূর্ণ Section: 34, 53, 76, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 96, 97, 99, 100, 107, 120A, 120B, 141, 146, 299, 300, 302, 304, 307, 319, 320, 323, 325, 354, 375, 376, 378, 383, 390, 391, 405, 415, 420, 441, 463, 499, 503।



মনে রাখার কৌশল:

সংখ্যার সাথে গল্প জুড়িয়ে নাও। আন্তর্জাতিক রাজনীতির উদাহরণ দিয়ে তুলনা করো। প্রতিটি Section-এর একটি "Key Word" মনে রাখো। বিগত সালের প্রশ্নগুলো বারবার পড়ো।

## অধ্যায় ৩২: পরীক্ষার কৌশল (MCQ-র জন্য)

### CrPC MCQ-তে কৌশল

CrPC-র প্রশ্নের ধরন সাধারণত এই রকম হয়:

ধরন ১: "Section \_\_\_\_-এ কী আছে?" এই ক্ষেত্রে সংখ্যা মনে রাখা জরুরি।

ধরন ২: "কোন Section অনুযায়ী পুলিশ ওয়ারেন্ট ছাড়া গ্রেফতার করতে পারে?" এই ক্ষেত্রে বিষয়বস্তু মনে রাখা জরুরি।

ধরন ৩: "Section X এবং Section Y-এর পার্থক্য কী?" এই ক্ষেত্রে তুলনামূলক জ্ঞান দরকার।

### Penal Code MCQ-তে কৌশল

Penal Code-এর প্রশ্নের ধরন:

ধরন ১: সংজ্ঞামূলক প্রশ্ন। "Murder-এর সংজ্ঞা কোথায়?" উত্তর: Section 300।

ধরন ২: শাস্তিমূলক প্রশ্ন। "Section 302-এ শাস্তি কী?" উত্তর: মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন।

ধরন ৩: তুলনামূলক প্রশ্ন। "Theft এবং Robbery-র পার্থক্য?" উত্তর: Robbery-তে বলপ্রয়োগ বা ভয় থাকে।

ধরন ৪: ব্যতিক্রমমূলক প্রশ্ন। "কোন ক্ষেত্রে শাস্তি হবে না?" উত্তর: General Exceptions।

### সময় ব্যবস্থাপনা

১ ঘণ্টায় ১০০ প্রশ্ন মানে প্রতিটিতে ৩৬ সেকেন্ড।

CrPC এবং Penal Code মিলে ৪০টি প্রশ্ন মানে ২৪ মিনিট।

যে প্রশ্নের উত্তর ত্বরন্ত জানো সেটা আগে সমাধান করো। কঠিন প্রশ্ন সবশেষে। Elimination Method ব্যবহার করো।



## অধ্যায় ৩৩: পরীক্ষার আগে যা পড়বে (Last Minute Tips)

CrPC থেকে পরীক্ষার আগের রাতে পড়ার বিষয়:

সংজ্ঞাসমূহ (Section 4): Cognizable, Non-cognizable, Bailable, Non-bailable। শাস্তির ক্ষমতা: Chief Magistrate 7 বছর, First Class 5 বছর, Second Class 3 বছর, Third Class 2 বছর। FIR (Section 154): Cognizable offence-এ। Police Remand (Section 167): ১৫ দিন। Bail (Section 496-497-498): Bailable অধিকার, Non-bailable বিবেচনামূলক। Habeas Corpus (Section 491): হাই কোর্ট।

Penal Code থেকে পরীক্ষার আগের রাতে পড়ার বিষয়:

General Exceptions: Section 82 (7 বছরের নিচে), Section 84 (উন্মাদ), Section 96-100 (Private Defence)। Common Intention: Section 34। Abetment: Section 107, তিনটি রূপ। Murder এবং Culpable Homicide: Section 299-300। Theft থেকে Dacoity: Section 378, 390, 391। Section 420: প্রতারণা। Section 302: মৃত্যুদণ্ড।

## পরিশেষে

এই পার্ট ২ পড়ে তুমি পরীক্ষার ৪০ নম্বরের (CrPC 20 এবং Penal Code 20) জন্য প্রস্তুতি অনেকটাই সম্পন্ন করলে।

মনে রাখার কথা: আইন শুধু পরীক্ষার জন্য নয়। একজন ফৌজদারি আইনজীবী হিসেবে তুমি যখন আদালতে দাঁড়াবে তখন এই আইনগুলোই তোমার হাতিয়ার।

Section 302-এর মামলায় একটি ভুল মানে কারো জীবন। Section 497-এ জামিনের আবেদন করতে না পারলে কেউ কারাগারে থাকবে অযথা। Section 84-র সুরক্ষা না চাইলে মানসিক রোগী শাস্তি পাবে।

এই দায়বদ্ধতার কথা মাথায় রেখে পড়ো।

আন্তর্জাতিক সম্পর্কের একটা কথা দিয়ে শেষ করি। Henry Kissinger বলেছিলেন "Power is the ultimate aphrodisiac।" কিন্তু আইনের সুরক্ষা না থাকলে সেই ক্ষমতা মানুষকে পিষে মারে। CrPC এবং Penal Code হলো সেই সুরক্ষার দেওয়াল।

তোমার মঞ্চের দেওয়াল তুমি।

পার্ট ৩-এ দেখা হবে যেখানে পড়বে The Evidence Act, 1872 এবং Professional Ethics সম্পূর্ণভাবে।



ততক্ষণ পড়তে থাকো এবং মনে রাখার টেকনিকগুলো নিজের ভাষায় বলার চেষ্টা করো। বলতে পারলেই বুঝেছ।  
শুভকামনা।

---

## পরিশিষ্ট: CrPC এবং Penal Code-এর গুরুত্বপূর্ণ তুলনা সারণী

### CrPC-র গুরুত্বপূর্ণ Section এবং বিষয়

Section 4 থেকে সংজ্ঞাসমূহ। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১।

Section 6 থেকে আদালতের শ্রেণী। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৬, ২০১৭, ২০১৯।

Section 54 থেকে ওয়ারেন্ট ছাড়া গ্রেফতার। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 61 থেকে ২৪ ঘণ্টার নিয়ম। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৬, ২০১৮, ২০২১।

Section 154 থেকে FIR। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 167 থেকে Police Remand। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 173 থেকে Charge Sheet। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 190 থেকে Cognizance। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১।

Section 491 থেকে Habeas Corpus। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 496-497 থেকে Bail। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

### Penal Code-এর গুরুত্বপূর্ণ Section এবং বিষয়

Section 34 থেকে Common Intention। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৬, ২০১৮, ২০২১, ২০২৩।

Section 53 থেকে শাস্তির প্রকার। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৬, ২০১৮।

Section 82-84 থেকে বিশেষ দায়মুক্তি। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।





Section 96-100 থেকে Right of Private Defence। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 107 থেকে Abetment। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯।

Section 120A থেকে Criminal Conspiracy। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 141 থেকে Unlawful Assembly। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯।

Section 299-300-302 থেকে হত্যার আইন। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 319-320 থেকে Hurt। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০২১।

Section 378-390-391 থেকে Theft, Robbery, Dacoity। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১।

Section 405 থেকে Criminal Breach of Trust। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১।

Section 415-420 থেকে Cheating। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৮, ২০২১।

Section 463 থেকে Forgery। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৯, ২০২১।

Section 499 থেকে Defamation। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

---

### বিশেষ সংযোজন: ২০২৫ সালের MCQ পরীক্ষা থেকে শিক্ষা

২০২৫ সালের ২৫ এপ্রিল MCQ পরীক্ষায় মোট ৪০,৬২৭ জন পরীক্ষার্থী অংশ নেন। [Bangladesh Sangbad Sangstha](#) এই বিশাল পরীক্ষায় CrPC এবং Penal Code থেকে যে প্রশ্নগুলো এসেছে তা থেকে বোঝা যায় পরীক্ষার ধরন পরিবর্তন হচ্ছে। আগে শুধু সংজ্ঞামূলক প্রশ্ন আসত। এখন পরিস্থিতিভিত্তিক প্রশ্নও আসছে যেখানে একটি ঘটনা দিয়ে জিজ্ঞেস করা হয় কোন Section প্রযোজ্য।

এজন্য শুধু Section মনে রাখলে হবে না, Section-এর প্রয়োগও বুঝতে হবে।

এই পার্ট ২ তোমাকে সেই দুটোই দিয়েছে। Section মনে রাখার টেকনিক এবং বাস্তব জীবনে প্রয়োগের উদাহরণ।

শেষ একটা কথা: ২০২৬ সালের পরীক্ষায় সাম্প্রতিক রাজনৈতিক পরিবর্তন এবং আন্তর্জাতিক পরিস্থিতির সাথে সংযুক্ত প্রশ্ন আসার সম্ভাবনা বেশি। বাংলাদেশে ২০২৪ সালের পরিবর্তনের পরে নতুন আইনি বাস্তবতা তৈরি হয়েছে। সেই প্রেক্ষাপটে CrPC এবং Penal Code-এর প্রযোজ্যতা আরও বেশি হয়েছে।



পার্ট ৩-এ আমরা পড়ব The Evidence Act, 1872 এবং Professional Ethics সম্পূর্ণ।

তোমার সাফল্য কামনায়।

## পার্ট ৩: The Evidence Act 1872, The Specific Relief Act 1877, The Limitation Act 1908 এবং Professional Ethics সম্পূর্ণ

### লেখকের ভূমিকা

প্রিয় পরীক্ষার্থী,

পার্ট ১-এ তুমি CPC মাস্টার করেছ। পার্ট ২-এ CrPC এবং Penal Code। এখন তুমি এসে গেছ পার্ট ৩-এ। এই পার্টটা একটু বিশেষ কারণ এখানে চারটি আইন আছে এবং প্রতিটির আলাদা আলাদা মেজাজ।

Evidence Act হলো আইনের দুনিয়ার "গোয়েন্দা"। এটা বলে কোন তথ্য গ্রহণযোগ্য, কোনটা নয়। Specific Relief Act হলো "হ্যাঁ, আদালত তোমাকে সেই জিনিসটাই ফেরত দিতে পারে যেটা তুমি হারিয়েছ।" Limitation Act হলো আইনের "ঘড়ি" যেটা বলে সময়মতো না গেলে মামলাই হবে না। আর Professional Ethics হলো তোমার ভবিষ্যৎ পেশার "সংবিধান"।

একটা মজার কথা বলি। ২০২৪ সালের নোবেল পুরস্কার পেয়েছেন বাংলাদেশের ড. মুহম্মদ ইউনুস। তিনি এখন বাংলাদেশের অন্তর্বর্তীকালীন সরকারের প্রধান উপদেষ্টা। ২০২৪ সালের ৫ আগস্ট-পরবর্তী বাংলাদেশে আইনের প্রাসঙ্গিকতা আরও বেড়েছে। নতুন রাজনৈতিক বাস্তবতায় Evidence Act, Specific Relief Act সব আলোচনায় এসেছে। এই পরিবর্তনশীল সময়ে একজন আইনজীবী হিসেবে তোমার ভূমিকা আরও গুরুত্বপূর্ণ।

চলো শুরু করি।

### অধ্যায় ১: The Evidence Act, 1872 - সম্পূর্ণ ভূমিকা

#### Evidence Act কী এবং কেন পড়বে?

The Evidence Act, 1872 হলো আদালতে প্রমাণের নিয়মকানূনের মূল আইন। বার কাউন্সিল পরীক্ষায় এটা থেকে MCQ-তে ১৫ নম্বর এবং Written-এ ১৫ নম্বরের প্রশ্ন আসে। মোট ৩০ নম্বর এই একটি আইন থেকে। এটা ছোট করে দেখার কোনো সুযোগ নেই।

Evidence Act ১৮৭২ সালে পাস হয়েছে। ব্রিটিশ আমলের আইন হলেও বাংলাদেশে এখনও সম্পূর্ণরূপে প্রযোজ্য এবং আদালতে প্রতিদিন ব্যবহৃত হয়।



মনে রাখার টেকনিকঃ Evidence Act = ১৮৭২। "সাতাত্তরের মুক্তিযুদ্ধের পাঁচ বছর আগে, সাতাত্তর থেকে পাঁচ বিয়োগ দিলে বাহাত্তর। কিন্তু ১৮৭২। ১৮৭২ = আঠারো বাহাত্তর = 'আঠারোয় পড়েছিলাম বাহাত্তর সাল।'" এটা গোলমালে মনে হচ্ছে? আরো সহজ করো। ১৮৭২ এর শেষ দুই সংখ্যা = ৭২। বাংলাদেশের সংবিধান ১৯৭২ সালে। Evidence Act ১৮৭২ সালে। দুটোতেই "৭২" আছে। তাই "সংবিধান আর Evidence একসাথে ৭২।"

রাজনৈতিক জোকঃ আমেরিকার CIA-এর একটা বিখ্যাত নীতি আছে "Intelligence is only as good as its sources।" অর্থাৎ তথ্য ততটাই ভালো যতটা ভালো তার উৎস। Evidence Act-ও একই কথা বলে। আদালতে প্রমাণ ততটাই গ্রহণযোগ্য যতটা নির্ভরযোগ্য তার উৎস। CIA যদি ভুল Intel-এর উপর নির্ভর করে ইরাকে যুদ্ধ করতে পারে (২০০৩), তাহলে Evidence Act না জেনে আদালতে গেলে কী হবে ভাবো।

### Evidence Act-এর মূল কাঠামো

Evidence Act-এ মোট ১৬৭টি ধারা (Section) আছে। এটা তিনটি ভাগে বিভক্ত।

প্রথম ভাগ হলো Part I: Relevancy of Facts (ধারা ১ থেকে ৫৫ পর্যন্ত)। এখানে বলা হয় কোন তথ্য প্রাসঙ্গিক এবং আদালতে গ্রহণযোগ্য।

দ্বিতীয় ভাগ হলো Part II: On Proof (ধারা ৫৬ থেকে ১০০ পর্যন্ত)। এখানে বলা হয় কীভাবে প্রমাণ করতে হয়। Oral Evidence এবং Documentary Evidence-এর নিয়ম এখানে।

তৃতীয় ভাগ হলো Part III: Production and Effect of Evidence (ধারা ১০১ থেকে ১৬৭ পর্যন্ত)। এখানে আছে Burden of Proof, Witnesses, Privileged Communications, Estoppel ইত্যাদি।

মনে রাখার ছন্দঃ "প্রাসঙ্গিকতা প্রথমে, প্রমাণ মাঝে, উৎপাদন শেষে।"

### Section 3 - গুরুত্বপূর্ণ সংজ্ঞাসমূহ

Section 3 হলো Evidence Act-এর "Dictionary Section।" পরীক্ষায় প্রতি বছর এই Section থেকে প্রশ্ন আসে। ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ এবং ২০২৫ সালের পরীক্ষায় Section 3 থেকে প্রশ্ন এসেছে।

Section 3-এ মূল সংজ্ঞাগুলো হলোঃ

প্রথম সংজ্ঞাটি হলো "Court।" Court বলতে সব Judges এবং Magistrate-দের বোঝায় যারা Evidence গ্রহণ করার ক্ষমতা রাখেন। Arbitrator বা সালিশ Court-এর অন্তর্ভুক্ত নয়।

দ্বিতীয় সংজ্ঞাটি হলো "Fact।" Fact মানে শুধু বাস্তব ঘটনা নয়। Fact মানে যেকোনো বস্তু যা অস্তিত্বশীল তা (Physical fact) অথবা মনের অবস্থা বা ইচ্ছা (Psychological fact)। উদাহরণঃ "করিম মারা গেছে" এটা Physical Fact। "করিম রহিমকে হত্যার উদ্দেশ্য রাখত" এটা Psychological Fact বা মানসিক অবস্থা।



তৃতীয় সংজ্ঞাটি হলো "Relevant।" Section 3 বলে কোনো Fact অন্য Fact-এর সাথে Section 5 থেকে Section 55-এর মধ্যে কোনো একটি Section-এর অধীনে সংযুক্ত হলে সেটা Relevant বলে গণ্য হবে।

চতুর্থ সংজ্ঞাটি হলো "Facts in Issue।" এটা হলো বিতর্কিত তথ্য যেটা প্রমাণ করা বা খণ্ডন করা মামলার জয়-পরাজয় নির্ধারণ করে।

পঞ্চম সংজ্ঞাটি হলো "Document।" Document হলো যেকোনো বস্তুতে অক্ষর, সংখ্যা বা চিহ্নের মাধ্যমে প্রকাশিত কোনো বিষয়। এখানে চিঠি, মানচিত্র, নকশা, ফটোগ্রাফ সব অন্তর্ভুক্ত।

ষষ্ঠ সংজ্ঞাটি হলো "Evidence।" Evidence দুই প্রকার। Oral Evidence এবং Documentary Evidence। Oral Evidence হলো সাক্ষীর মৌখিক বক্তব্য। Documentary Evidence হলো আদালতে পেশ করা দলিলপত্র।

মনে রাখার টেকনিক (CFRDDE ফর্মুলা): C = Court (আদালত), F = Fact (তথ্য), R = Relevant (প্রাসঙ্গিক), D = Documents (দলিল), D = Document again (কারণ Document খুব গুরুত্বপূর্ণ), E = Evidence (সাক্ষ্য)।

২০২৩ সালের পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল: "Evidence Act-এর Section 3 অনুযায়ী 'Fact' মানে কী?" উত্তর: শারীরিক বস্তু বা মানসিক অবস্থা।

## Section 5 - Evidence may be given of facts in issue and relevant facts

Section 5 বলে: আদালতে শুধু সেই তথ্যের প্রমাণ দেওয়া যাবে যেটা "Facts in Issue" বা "Relevant Facts।"

এটা Evidence Act-এর মূল নীতি। মাঝে মাঝে পরীক্ষায় প্রশ্ন আসে: "আদালতে কোন ধরনের Fact-এর প্রমাণ দেওয়া যায়?" উত্তর: শুধুমাত্র Facts in Issue এবং Relevant Facts।

রাজনৈতিক উদাহরণ: UN Security Council-এ রাশিয়ার ইউক্রেন আক্রমণের বিষয়ে আলোচনায় শুধু প্রাসঙ্গিক তথ্যই উপস্থাপন করা হয়। কেউ যদি সেখানে হঠাৎ বলে "রাশিয়ার ফুটবল টিম খুব ভালো" সেটা অপ্রাসঙ্গিক হবে। Evidence Act-ও তেমনি, আদালতে অপ্রাসঙ্গিক তথ্য গ্রহণ করা হবে না।

## অধ্যায় ২: প্রাসঙ্গিকতার বিভিন্ন ধরন

### Section 6 - Res Gestae

এটা পরীক্ষায় বেশ প্রিয় একটি বিষয়। ২০১৭, ২০১৯ এবং ২০২৩ সালে Res Gestae সম্পর্কে প্রশ্ন এসেছে।

Res Gestae একটি ল্যাটিন শব্দ। এর মানে হলো "Things done" বা "ঘটনার অংশ।"



Section 6 বলে: যে ঘটনাগুলো একটি লেনদেনের অংশ, সেই একই লেনদেনের সাথে এতটাই সংযুক্ত যে সেগুলো একটি সম্পূর্ণ ঘটনার অংশ বলা যায়, সেগুলো প্রাসঙ্গিক।

সহজ বাংলায়: হত্যার সময় ভিকটিমের চিংকার, হত্যার ঠিক আগে বা পরে বলা কথা সব Res Gestae-র অন্তর্ভুক্ত।

মনে রাখার টেকনিক: "ঘটনার সাথে যা ঘটে তাই Res Gestae।" অথবা মনে রাখো "রেস গেস্তা = রেসের মতো ঘটনা, থামার আগে পর্যন্ত সব একসাথে।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে এসেছিল: "করিম রহিমকে ছুরি দিয়ে আঘাত করল। এই সময় রহিমের স্ত্রী 'সাহায্য করো' বলে চিংকার করল। এই চিংকার কি প্রাসঙ্গিক?" উত্তর: হ্যাঁ, Section 6 অনুযায়ী Res Gestae হিসেবে প্রাসঙ্গিক।

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: ২০২৩ সালে Israel-Hamas যুদ্ধের সময় অনেক ভিডিও ফুটেজ প্রমাণ হিসেবে ব্যবহৃত হয়েছে। যুদ্ধের সময়কার চিংকার, বিস্ফোরণের শব্দ সব Res Gestae-র উদাহরণ। এগুলো হামলার সাথে একই ঘটনার অংশ।

## Section 7 - Facts which are the occasion, cause or effect of facts in issue

Section 7 বলে: যে ঘটনাগুলো Facts in Issue-এর উপলক্ষ, কারণ বা ফলাফল সেগুলো প্রাসঙ্গিক।

উদাহরণ: রহিমের ঘরে আগুন লেগেছে এটা যদি "Facts in Issue" হয়, তাহলে আগুন লাগার আগে করিম সেখানে গিয়েছিল কিনা সেটা "Occasion বা উপলক্ষ" হিসেবে প্রাসঙ্গিক। আগুনের জন্য কে দায়ী সেটা "Cause বা কারণ" হিসেবে প্রাসঙ্গিক। রহিমের কত ক্ষতি হয়েছে সেটা "Effect বা ফলাফল" হিসেবে প্রাসঙ্গিক।

মনে রাখার ছন্দ: "উপলক্ষ কারণ ফলাফল, তিনটি মিলে Section সাত।"

## Section 8 - Motive, Preparation and Previous or Subsequent Conduct

Section 8 বলে: কোনো অপরাধের মোটিভ (উদ্দেশ্য), প্রস্তুতি এবং পূর্বের বা পরবর্তী আচরণ প্রাসঙ্গিক।

এটা পরীক্ষায় খুব গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৮, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে।

উদাহরণ: করিম যদি রহিমকে হত্যা করে তাহলে হত্যার আগে করিমের আচরণ (সে অস্ত্র কিনেছিল কিনা), হত্যার মোটিভ (রহিম করিমের জমি দখল করেছিল কিনা) এবং হত্যার পরে করিমের আচরণ (সে পালিয়ে গিয়েছিল কিনা) সব প্রাসঙ্গিক।

মনে রাখার টেকনিক (MPC ফর্মুলা): M = Motive (উদ্দেশ্য), P = Preparation (প্রস্তুতি), C = Conduct (আচরণ)। "MPC = Motive Preparation Conduct।"



রাজনৈতিক জোক: ২০২৪ সালে বাংলাদেশের রাজনৈতিক পরিবর্তনের আগে বিভিন্ন দেশ কীভাবে প্রস্তুতি নিয়েছিল সেটা Motive, Preparation and Conduct-এর মতোই। বিদেশী দূতাবাসের গতিবিধি, বিভিন্ন বিবৃতি এগুলো যদি কোনো মামলায় আসত তাহলে Section 8-এর অধীনে প্রাসঙ্গিক হতো।

### Section 9 - Facts necessary to explain or introduce relevant facts

Section 9 বলে: যে ঘটনাগুলো প্রাসঙ্গিক তথ্যকে ব্যাখ্যা করে বা উপস্থাপনে সাহায্য করে সেগুলোও প্রাসঙ্গিক।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 9 = ব্যাখ্যার সেকশন।"

### Section 10 - Things said or done by conspirator in reference to common design

Section 10 বলে: যখন দুই বা ততোধিক ব্যক্তি ষড়যন্ত্রে (Conspiracy) অংশগ্রহণ করে তখন প্রত্যেক ষড়যন্ত্রকারীর বক্তব্য বা কাজ প্রত্যেকের বিরুদ্ধে প্রাসঙ্গিক।

পরীক্ষায় আসে: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১ সালে এই Section থেকে প্রশ্ন এসেছে।

সহজ উদাহরণ: করিম, রহিম এবং কামাল মিলে ব্যাংক ডাকাতির পরিকল্পনা করেছে। রহিম যদি বাইরের লোকের সাথে বলে "আমরা আজ রাতে ব্যাংক ডাকাতি করব" এই কথা করিম এবং কামালের বিরুদ্ধেও প্রাসঙ্গিক হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "ষড়যন্ত্রে যা বলা হয় তা সবার বিরুদ্ধে।"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: আন্তর্জাতিক সন্ত্রাসী সংগঠনের মামলায় একজন সন্ত্রাসীর WhatsApp বার্তা পুরো সংগঠনের বিরুদ্ধে ব্যবহৃত হয়। Section 10-এর মতোই।

### Section 11 - Alibi এবং Facts inconsistent with facts in issue

Section 11 বলে: যে ঘটনাগুলো Facts in Issue-এর সাথে সামঞ্জস্যহীন বা অসঙ্গত সেগুলোও প্রাসঙ্গিক হতে পারে।

এখানে সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ হলো "Alibi।"

Alibi মানে হলো "অন্যত্র থাকার প্রমাণ।" যদি করিম বলে "আমি হত্যার সময় ঢাকায় ছিলাম না, চট্টগ্রামে ছিলাম" এটা Alibi।

মনে রাখার টেকনিক: "Alibi = আলিবি = আমি লাইনে ছিলাম না।" মজার মনোবিকৃতি: যারা "আলিবাবা এবং চল্লিশ চোর" পড়েছ তারা মনে রাখো "আলিবাবার মতো Alibi = অন্যত্র থাকা।"



২০১৯ সালের পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল: "Alibi কী?" উত্তর: অভিযুক্ত ব্যক্তির অন্যত্র উপস্থিতির প্রমাণ যা অপরাধ করার সুযোগকে অসম্ভব করে তোলে।

### Section 13 - ধারা সম্পর্কে স্বীকৃতি

Section 13 বলে যে ঘটনার অস্তিত্ব বা অনস্তিত্বের প্রশ্ন উঠলে এবং এটা যদি দীর্ঘস্থায়ী (continuous) হয় তাহলে সেই ঘটনার বিভিন্ন উদাহরণ প্রাসঙ্গিক হবে।

এটা সম্পত্তি সংক্রান্ত মামলায় বেশি প্রযোজ্য। যেমন, কারো জমির মালিকানা প্রমাণ করতে গেলে তার পূর্ববর্তী দখল, খাজনা প্রদান এসব প্রাসঙ্গিক।

### Section 14 - Facts showing state of mind, or of body, or bodily feeling

Section 14 বলে: মানসিক অবস্থা বা শারীরিক অবস্থা প্রাসঙ্গিক।

উদাহরণ: করিম যদি রহিমকে হত্যার আগে রহিমকে "তোমাকে মেরে ফেলব" বলে চিঠি লিখে থাকে এটা করিমের মানসিক অবস্থা (intention) প্রমাণ করে।

মনে রাখার টেকনিক: "মন-শরীরের অবস্থা = Section 14।"

### Section 17 থেকে 31 - Admissions (স্বীকারোক্তি)

এটা পরীক্ষায় অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫ সালে এই বিষয় থেকে প্রশ্ন এসেছে।

Section 17 - Admission কী?

Section 17 বলে: Admission হলো এমন একটি মৌখিক বা লিখিত বিবৃতি যা মামলায় প্রাসঙ্গিক কোনো তথ্য সম্পর্কে কারো ধারণা প্রস্তাব করে।

সহজ বাংলায়: যখন কেউ স্বেচ্ছায় এমন কিছু বলে যা তার বিরুদ্ধে ব্যবহার করা যায়।

মনে রাখার টেকনিক: "Admission = স্বেচ্ছায় স্বীকার।"

Section 18 - কে Admission করতে পারে?

মামলার পক্ষ বা তাদের প্রতিনিধি Admission করতে পারে।

Section 21 - Admission কখন প্রমাণযোগ্য?





Section 21 বলে Admission সাধারণত তার বিরুদ্ধেই ব্যবহার করা যায় যে করেছে।

Section 22 - Oral Admission কখন প্রমাণযোগ্য নয়?

মৌখিক Admission তখন প্রমাণযোগ্য নয় যখন Documents-এর বিষয়বস্তু সম্পর্কে করা হয়।

Section 23 - Admission in civil cases

দেওয়ানি মামলায় "Without Prejudice" বলে করা Admission প্রমাণযোগ্য নয়।

এটা পরীক্ষায় গুরুত্বপূর্ণ। "Without Prejudice" মানে সমঝোতার আলোচনায় কথা বললে সেটা আদালতে ব্যবহার করা যাবে না।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে এসেছিল: "'Without Prejudice' চিঠিতে করা স্বীকৃতি কি প্রমাণযোগ্য?" উত্তর: না, Section 23 অনুযায়ী নয়।

### Section 24 থেকে 30 - Confessions (স্বীকারোক্তি - ফৌজদারি মামলায়)

এটা Evidence Act-এর সবচেয়ে পরীক্ষামূলক অংশগুলোর মধ্যে একটি। প্রতি বছর এই বিষয়ে প্রশ্ন আসে।

Admission এবং Confession-এর পার্থক্য প্রথমে বুঝে নাও।

Admission হলো দেওয়ানি মামলায়। Confession হলো ফৌজদারি মামলায়। Admission মামলার পক্ষই করে। Confession অভিযুক্ত ব্যক্তি নিজে করে। এটা পার্থক্য মনে রেখো কারণ পরীক্ষায় এই পার্থক্য জিজ্ঞেস করা হয়।

মনে রাখার টেকনিক: "দেওয়ানিতে Admission, ফৌজদারিতে Confession।"

Section 24 - Confession caused by inducement, threat or promise

Section 24 বলে: যদি Confession কোনো প্রলোভন (Inducement), ভয় (Threat) বা প্রতিশ্রুতির (Promise) কারণে করা হয় তাহলে সেটা অগ্রহণযোগ্য।

এটা অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। পুলিশের কাছে জোর করে নেওয়া Confession-এর ক্ষেত্রে এটা প্রযোজ্য।

মনে রাখার টেকনিক: "ITP মানে Invalid। I = Inducement, T = Threat, P = Promise।"

Section 25 - Confession to police officer

Section 25 বলে: পুলিশ অফিসারকে করা Confession প্রমাণযোগ্য নয়।





এটা পরীক্ষায় সবচেয়ে বেশি আসা Section-গুলোর মধ্যে একটি। ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫ সালে এই Section থেকে প্রশ্ন এসেছে।

কারণ হলো: পুলিশের কাছে চাপে পড়ে বলা Confession বিশ্বাসযোগ্য নয়।

মনে রাখার টেকনিক: "পুলিশের কাছে Confession = প্রমাণযোগ্য নয়।" ছন্দে মনে রাখা: "পুলিশকে বললে কাজ হবে না, আদালতে যাও সেখানে বলো।"

রাজনৈতিক জোক: ২০২৪ সালে বাংলাদেশে অনেক হাই-প্রোফাইল মামলায় পুলিশের কাছে নেওয়া Confession-এর বিষয় উঠেছে। Section 25-এর কারণে পুলিশের কাছে নেওয়া Confession সরাসরি ব্যবহার করা যায় না। মানবাধিকার সংস্থাগুলো দীর্ঘদিন ধরে এই বিষয়ে কথা বলছে। এই Section আসলে অভিযুক্তের সুরক্ষার জন্য।

Section 26 - Confession by accused while in custody of police

Section 26 বলে: পুলিশের হেফাজতে (Custody) থাকা অবস্থায় করা Confession ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে না করলে প্রমাণযোগ্য নয়।

মনে রাখার টেকনিক: "Custody-তে = শুধু Magistrate-এর সামনে বললে গ্রহণযোগ্য।"

Section 27 - How much of information received from accused may be proved

Section 27 হলো Section 25 এবং 26-এর ব্যতিক্রম। এটা পরীক্ষায় প্রায় প্রতি বছরই আসে।

Section 27 বলে: যদি অভিযুক্ত পুলিশ হেফাজতে থেকে এমন কোনো তথ্য দেয় যার ফলে কোনো বস্তু আবিষ্কার হয় তাহলে সেই তথ্যের যতটুকু অংশ সেই আবিষ্কারের সাথে সম্পর্কিত ততটুকুই প্রমাণযোগ্য।

উদাহরণ: করিম পুলিশ হেফাজতে বলল "আমি রহিমকে মারার অস্ত্র ওই নদীতে ফেলেছি।" পুলিশ গিয়ে নদীতে অস্ত্র পাওয়া গেল। করিমের সেই নির্দিষ্ট বক্তব্যটুকু প্রমাণযোগ্য হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 27 = আবিষ্কার প্রমাণের শর্ত।" মজার ছড়া: "পুলিশ বললাম, জিনিস পাওয়া গেল, সেটুকু প্রমাণ হলো।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে এসেছিল: "Section 27-এর 'Discovery Statement' মানে কী?" উত্তর: পুলিশ হেফাজতে অভিযুক্ত কর্তৃক দেওয়া তথ্য যার ফলে কোনো বস্তু আবিষ্কার হয়।

Section 28 - Confession made after removal of impression caused by inducement, threat or promise

Section 24-এর কারণে যে Confession অগ্রহণযোগ্য হয়েছে সেটা যদি পরে (ভয় বা প্রলোভন দূর হওয়ার পরে) স্বেচ্ছায় করা হয় তাহলে প্রমাণযোগ্য।



Section 29 - Confession otherwise relevant not to become irrelevant because of promise of secrecy

গোপনীয়তার প্রতিশ্রুতিতে করা Confession-ও গ্রহণযোগ্য।

Section 30 - Consideration of proved confession affecting person making it and others jointly under trial for same offence

যখন একাধিক অভিযুক্ত একসাথে বিচার হচ্ছে তখন একজনের Confession অন্যদের বিরুদ্ধেও ব্যবহার করা যায়, তবে শুধু Corroborative Evidence হিসেবে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 30 = একজনের Confession সবার বিরুদ্ধে, কিন্তু শুধু সহায়ক প্রমাণ হিসেবে।"

এটা Section 10-এর থেকে আলাদা। Section 10 হলো ষড়যন্ত্রের সময় করা বক্তব্য। Section 30 হলো বিচারের সময় স্বীকারোক্তি।

### অধ্যায় ৩: Dying Declaration এবং অন্যান্য বিশেষ বিধান

#### Section 32 - Statements of relevant fact by person who is dead or cannot be found

Section 32 হলো Evidence Act-এর একটি অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ Section। পরীক্ষায় প্রতি বছরই এটা থেকে প্রশ্ন আসে। বিশেষত "Dying Declaration" এর বিষয়টা।

Section 32 বলে: যে ব্যক্তি মারা গেছে, খুঁজে পাওয়া যাচ্ছে না, দেশ ছেড়ে চলে গেছে বা সাক্ষ্য দেওয়ার অযোগ্য হয়ে গেছে তার বক্তব্য বিভিন্ন ক্ষেত্রে প্রমাণযোগ্য।

#### Section 32(1) - Dying Declaration

এটা সবচেয়ে বিখ্যাত অংশ। যখন কোনো ব্যক্তি তার নিজের মৃত্যুর কারণ বা মৃত্যুর পরিস্থিতি সম্পর্কে বক্তব্য দেয় সেটা প্রমাণযোগ্য।

মনে রাখার টেকনিক: "মৃত্যুর আগে বলা কথা সত্য।" এটা সাধারণ বিশ্বাসের সাথে মিলে যায়। মৃত্যুর মুখে মানুষ মিথ্যা বলে না এই ধারণা থেকে এই বিধানটি এসেছে।

Dying Declaration-এর গুরুত্বপূর্ণ বৈশিষ্ট্য:

প্রথমত এটা দেওয়া যায় যেকোনো আকারে। লিখিত, মৌখিক, এমনকি ইশারার মাধ্যমেও।



দ্বিতীয়ত Dying Declaration দেওয়ার সময় মৃত্যুর আশঙ্কা থাকতে হবে না। অর্থাৎ ব্যক্তি মনে করুক বা না করুক সে মারা যাবে, তার বক্তব্য প্রমাণযোগ্য।

এটা India-র Evidence Act-এর সাথে পার্থক্য। ভারতের আইনে মৃত্যুর আশঙ্কা থাকতে হয়। বাংলাদেশের আইনে এই শর্ত নেই।

তৃতীয়ত Dying Declaration-এ শপথ নিতে হয় না।

চতুর্থত Dying Declaration একা প্রমাণ হিসেবে যথেষ্ট, অন্য Corroboration লাগে না।

পঞ্চমত যে ব্যক্তি Dying Declaration দিয়েছে সে যদি বেঁচে যায় তাহলেও সেই বক্তব্য প্রমাণযোগ্য।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৫, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫ সালে Dying Declaration থেকে প্রশ্ন এসেছে।

২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Dying Declaration-এ শপথ নেওয়া কি আবশ্যিক?" উত্তর: না।

২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "যদি Dying Declaration দেওয়ার পরে ব্যক্তি বেঁচে থাকে তাহলে সেই বক্তব্যের কি মূল্য আছে?" উত্তর: হ্যাঁ, এখনও প্রমাণযোগ্য।

রাজনৈতিক উদাহরণ: ২০২৪ সালে বাংলাদেশের গণঅভ্যুত্থানে অনেক শহীদের শেষ কথা তাদের পরিবার এবং বন্ধুরা জানিয়েছেন। এই ধরনের বক্তব্য যদি আদালতে আসে তাহলে Section 32(1) অনুযায়ী Dying Declaration হিসেবে প্রমাণযোগ্য হতে পারে।

Section 32(2) থেকে 32(8) পর্যন্ত অন্যান্য বিধান:

Section 32(2) বলে: ব্যবসায়িক লেনদেনের বিবৃতি প্রমাণযোগ্য।

Section 32(3) বলে: পারিবারিক ইতিহাস বা বংশপরিচয় সম্পর্কিত বিবৃতি প্রমাণযোগ্য।

Section 32(7) বলে: সম্পর্কের নথিভুক্তি (Documents relating to family affairs) প্রমাণযোগ্য।

**Section 33 - Relevancy of certain evidence for proving in subsequent proceeding the truth of facts therein stated**

পূর্ববর্তী মামলায় সাক্ষীর বক্তব্য পরবর্তী মামলায় ব্যবহার করা যায় যদি সাক্ষী এখন মারা গেছে বা পাওয়া যাচ্ছে না।

**Section 34 - Entries in books of account**



হিসাবের বইয়ের এন্ট্রি প্রাসঙ্গিক কিন্তু শুধুমাত্র এটাই প্রমাণ হিসেবে যথেষ্ট নয়।

## **Section 35 - Relevancy of entry in public record or electronic record made in performance of duty**

সরকারি নথিতে দায়িত্ব পালনের সময় করা এন্ট্রি প্রাসঙ্গিক।

---

## **অধ্যায় ৪: Expert Opinion এবং Character Evidence**

### **Section 45 থেকে 51 - Opinion of Experts (বিশেষজ্ঞ মতামত)**

Section 45 - When opinions of experts are relevant

Section 45 বলে: বিদেশী আইন, বিজ্ঞান, শিল্প, হাতের লেখা বা আঙুলের ছাপ সম্পর্কে বিশেষজ্ঞের মতামত প্রাসঙ্গিক।

এটা পরীক্ষায় গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৭, ২০১৯, ২০২১ সালে এসেছে।

Expert কে হবে? যার বিশেষ জ্ঞান আছে সেই Expert। Doctor, Engineer, Handwriting Expert, DNA Expert, Fingerprint Expert সবাই বিভিন্ন ক্ষেত্রে Expert।

মনে রাখার টেকনিক: "বিশেষজ্ঞ বলবে, আদালত শুনবে।" কিন্তু আদালত বিশেষজ্ঞের মতামতে বাধ্য নয়।

রাজনৈতিক উদাহরণ: আন্তর্জাতিক আদালতে (ICJ বা ICC) যখন কোনো মামলা চলে তখন অনেক Expert সাক্ষ্য দেন। DNA Evidence, Forensic Evidence এসব Section 45-এর অধীনেই আসে। ২০২৩ সালে Gaza-র ঘটনায় ICC যে তদন্ত করছে সেখানেও Forensic Expert-দের মতামত গুরুত্বপূর্ণ।

Section 45A - Opinion of Examiner of Electronic Evidence

ডিজিটাল সাক্ষ্যের ক্ষেত্রে Electronic Evidence Examiner-এর মতামত প্রাসঙ্গিক। এটা সাম্প্রতিককালে যোগ হওয়া বিধান।

মনে রাখার টেকনিক: "Digital যুগে Section 45A।"

Section 47 - Opinion as to handwriting when relevant

হাতের লেখা সম্পর্কে বিশেষজ্ঞের মতামত প্রাসঙ্গিক।

Section 48 - Opinion as to existence of right or custom



রীতি বা অধিকার সম্পর্কে পরিচিত ব্যক্তির মতামত প্রাসঙ্গিক।

Section 51 - Grounds of opinion when relevant

বিশেষজ্ঞের মতামতের ভিত্তিও প্রাসঙ্গিক।

### Section 52 থেকে 55 - Character (চরিত্র)

এটা পরীক্ষায় তুলনামূলক কম কিন্তু গুরুত্বপূর্ণ।

Section 52 - In civil cases character to prove conduct imputed, irrelevant

দেওয়ানি মামলায় কোনো পক্ষের চরিত্র (আচরণ প্রমাণের জন্য) প্রাসঙ্গিক নয়।

Section 53 - In criminal cases previous good character relevant

ফৌজদারি মামলায় অভিযুক্তের ভালো চরিত্র (Previous Good Character) প্রাসঙ্গিক।

Section 54 - Previous bad character not relevant except in reply

খারাপ চরিত্র সাধারণত প্রাসঙ্গিক নয় তবে ভালো চরিত্রের দাবির জবাবে দেওয়া যায়।

Section 55 - Character as affecting damages

ক্ষতিপূরণের মামলায় চরিত্র প্রাসঙ্গিক।

মনে রাখার টেকনিক (পার্থক্য মনে রাখা: দেওয়ানি বনাম ফৌজদারি): দেওয়ানিতে চরিত্র সাধারণত অপ্রাসঙ্গিক। ফৌজদারিতে ভালো চরিত্র প্রাসঙ্গিক। মনে রাখা: "ফৌজদারিতে ভালো মানুষ সুবিধা পায়।"

## অধ্যায় ৫: Oral এবং Documentary Evidence

### Section 59 - Proof of facts by oral evidence

Section 59 বলে: সব তথ্য মৌখিক সাক্ষ্য দিয়ে প্রমাণ করা যায় শুধুমাত্র যেগুলোকে দলিলের বিষয়বস্তু প্রমাণের জন্য দলিল দরকার সেগুলো ছাড়া।

Section 60 - Oral evidence must be direct

Section 60 বলে: মৌখিক সাক্ষ্য অবশ্যই Direct হতে হবে।



এটা পরীক্ষায় প্রতি বছরই আসে।

Direct Evidence কী? যে সাক্ষী নিজে দেখেছে বা শুনেছে তার বক্তব্য।

Hearsay Evidence কী? অন্যের কাছ থেকে শোনা কথা। এটা সাধারণত গ্রহণযোগ্য নয়।

মনে রাখার টেকনিক: "নিজে দেখা বা শোনা = Direct Evidence = গ্রহণযোগ্য। অন্যের কাছে শোনা = Hearsay = সাধারণত অগ্রহণযোগ্য।"

রাজনৈতিক জোক: জাতিসংঘের নিরাপত্তা পরিষদে যখন কোনো দেশ অভিযোগ করে তখন Direct Evidence দরকার। ২০২২ সালে রাশিয়া ইউক্রেনে আক্রমণ করলে আমেরিকা Satellite Image দেখাল যা Direct Evidence। কিন্তু শুধু "লোকে বলছে রাশিয়া আক্রমণ করবে" এটা Hearsay।

## Section 61 থেকে 90 - Documentary Evidence

Section 61 - Proof of contents of documents

Document-এর বিষয়বস্তু প্রমাণ করতে হয় Primary Evidence বা Secondary Evidence দিয়ে।

Section 62 - Primary Evidence

Primary Evidence হলো মূল দলিল নিজে। এটা আদালতে পেশ করা হয়।

Section 63 - Secondary Evidence

Secondary Evidence হলো মূল দলিলের বিকল্প প্রমাণ। যেমন সার্টিফাইড কপি, মূলের সাথে মিলিয়ে দেখা কপি ইত্যাদি।

এটা পরীক্ষায় খুব গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে।

Section 63 অনুযায়ী Secondary Evidence-এর ধরনগুলো হলো:

প্রথমত Certified copies।

দ্বিতীয়ত মূলের সাথে তুলনা করে প্রস্তুত কপি।

তৃতীয়ত মূল দলিলের counterparts (যখন একটি নথির অনেক কপি তৈরি হয়)।

চতুর্থত মূলের বিষয়বস্তু মুখস্ত করা ব্যক্তির মৌখিক বিবৃতি।

মনে রাখার টেকনিক: "Primary = আসল, Secondary = নকল বা বিকল্প।"



## Section 64 - Proof of documents by primary evidence

সাধারণত দলিল Primary Evidence দিয়ে প্রমাণ করতে হয়।

## Section 65 - Cases in which secondary evidence relating to documents may be given

কখন Secondary Evidence দেওয়া যায়? যখন মূল দলিল হারিয়ে গেছে, নষ্ট হয়েছে, প্রতিপক্ষের দখলে আছে বা আদালতে আনা যাচ্ছে না।

মনে রাখার টেকনিক: "মূল নেই বলার পরে Secondary দাও।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে এসেছিল: "কখন Secondary Evidence গ্রহণযোগ্য?" উত্তর: Section 65 অনুযায়ী মূল দলিল হারিয়ে গেলে, নষ্ট হলে বা প্রতিপক্ষের দখলে থাকলে।

## Section 67 - Proof of signature, handwriting and execution of document not required by law to be attested

স্বাক্ষর এবং হাতের লেখা প্রমাণের বিধান।

## Section 68 - Proof of execution of document required by law to be attested

সাক্ষীর স্বাক্ষর প্রয়োজন এমন দলিল প্রমাণের জন্য অন্তত একজন সাক্ষীকে আদালতে ডাকতে হবে।

## Section 74 থেকে 78 - Public Documents

### Section 74 - Public Documents

সরকারি দলিলের সংজ্ঞা। যেমন আইনসভার কার্যবিবরণী, সরকারি রেজিস্টার, আদালতের নথি।

### Section 76 - Certified copies of public documents may be produced

সরকারি দলিলের সার্টিফাইড কপি Primary Evidence হিসেবে প্রমাণযোগ্য।

মনে রাখার টেকনিক: "সরকারি দলিল = সার্টিফাইড কপি দাও = প্রমাণ হয়।"

## অধ্যায় ৬: Presumptions (ধারণা)

### Presumptions কী?



Presumption মানে আদালতের অনুমান। আইন কিছু বিষয় "ধরে নেয়" বা ধারণা করে যতক্ষণ না বিপরীত প্রমাণ না হয়।

Presumption তিন প্রকার:

প্রথমত Presumption of fact (তথ্যের ধারণা) - এটা বিচারযোগ্য (Rebuttable)।

দ্বিতীয়ত Presumption of law (আইনের ধারণা) - এটাও সাধারণত বিচারযোগ্য (Rebuttable) তবে কিছু Irrebuttable।

তৃতীয়ত Mixed Presumption (মিশ্র ধারণা)।

মনে রাখার টেকনিক: "Presumption = ধরে নেওয়া।"

### **Section 79 থেকে 90 - Presumptions as to documents**

Section 79 - Presumption as to genuineness of certified copies

সার্টিফাইড কপি আসল বলে ধরে নেওয়া হয়।

Section 80 - Presumption as to documents produced as record of evidence

সাফ্যের নথি হিসেবে পেশ করা দলিল আসল বলে ধরে নেওয়া হয়।

Section 81 - Presumption as to Gazettes, newspapers, private Acts of Parliament and other documents

সরকারি গেজেটে প্রকাশিত বিষয় সত্য বলে ধরে নেওয়া হয়।

Section 83 - Presumption as to maps or plans made by authority of Government

সরকারি কর্তৃপক্ষ প্রণীত মানচিত্র সঠিক বলে ধরে নেওয়া হয়।

Section 85 - Presumption as to powers-of-attorney

আইনানুগভাবে সত্যায়িত Power of Attorney আসল বলে ধরে নেওয়া হয়।

Section 89 - Presumption as to due execution of documents not produced

যে দলিল আদালতে পেশ করা হয়নি সেটা নিয়মানুযায়ী সম্পাদিত হয়েছে বলে ধরে নেওয়া হয়।

Section 90 - Presumption as to documents thirty years old





এটা পরীক্ষায় খুব গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে।

Section 90 বলে: যদি কোনো দলিল ৩০ বছর বা তার বেশি পুরনো হয় এবং সঠিক তথ্যবাহকের কাছ থেকে পাওয়া যায় তাহলে আদালত ধরে নিতে পারে যে এটা সঠিকভাবে সম্পাদিত, সত্যায়িত এবং প্রমাণিত।

মনে রাখার টেকনিক: "ত্রিশ বছরের পুরনো দলিল = আসল বলে ধারণা।" মজার জোক: "যে দলিল ত্রিশ বছর ধরে বেঁচে আছে সে নিজেই প্রমাণ।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে এসেছিল: "Section 90-এর অধীনে দলিলের বয়স কত হলে আদালত Presumption করতে পারে?" উত্তর: ৩০ বছর বা তার বেশি।

রাজনৈতিক জোক: জাতিসংঘে Historical Documents নিয়ে অনেক বিতর্ক আছে। যেমন ১৯৪৭ সালের UN Resolution 181 (Palestine Partition Plan) ৭৫ বছরেরও বেশি পুরনো। Section 90-এর হিসেবে এটা "আসল" হিসেবে ধরে নেওয়া যায়। কিন্তু এই দলিলের বাস্তব প্রয়োগ নিয়ে এখনও বিতর্ক চলছে।

## অধ্যায় ৭: Burden of Proof এবং Estoppel

### Section 101 থেকে 114 - Burden of Proof (প্রমাণের দায়)

এটা Evidence Act-এর সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ অংশগুলোর মধ্যে একটি। প্রতি বছর পরীক্ষায় আসে।

#### Section 101 - Burden of Proof

Section 101 বলে: যে ব্যক্তি যে বিষয়ে আদালতকে সিদ্ধান্ত নিতে চায় সে ব্যক্তিকেই সেই বিষয় প্রমাণ করতে হবে।

এই Section-এর দুটো বিখ্যাত নীতি মনে রাখো:

প্রথম নীতি হলো "He who asserts must prove" অর্থাৎ যে দাবি করে সেই প্রমাণ করে।

দ্বিতীয় নীতি হলো "Ei incumbit probatio qui dicit, non qui negat" এটা ল্যাটিন ভাষায়। মানে যে বলে তাকে প্রমাণ করতে হয়, যে অস্বীকার করে তাকে নয়।

মনে রাখার টেকনিক: "দাবি করলে প্রমাণ করো, অস্বীকার করলে না-ও করতে পারো।"

রাজনৈতিক জোক: ২০২৩ সালে UN-এর মানবাধিকার রিপোর্টে বাংলাদেশের বিরুদ্ধে অভিযোগ এলে বাংলাদেশ সরকার বলেছিল "এটা ভুল তথ্য।" Burden of Proof অনুযায়ী যারা অভিযোগ করেছে তাদের প্রমাণ করতে হবে। বাংলাদেশ অস্বীকার করলেই প্রমাণ করতে বাধ্য নয়।



## Section 102 - On whom Burden of Proof lies

Section 102 বলে: মামলায় Burden of Proof সেই পক্ষের উপর থাকে যে পক্ষ হেরে যাবে যদি কোনো প্রমাণ না দেওয়া হয়।

উদাহরণ: করিম রহিমের বিরুদ্ধে টাকা না দেওয়ার মামলা করেছে। করিমকেই প্রমাণ করতে হবে যে সে টাকা দিয়েছিল। রহিম যদি কিছু না বলে তাহলেও মামলা করিমের দিকে যাবে না কারণ করিম প্রমাণ করেনি।

## Section 103 - Burden of proof as to particular fact

কোনো বিশেষ তথ্যের Burden of Proof সেই ব্যক্তির উপর যে সেই তথ্য চায়।

## Section 104 - Burden of proving fact to be proved to make evidence admissible

কোনো প্রমাণ গ্রহণযোগ্য করার জন্য যদি কোনো তথ্য প্রমাণ করতে হয় তাহলে সেই তথ্যের Burden of Proof সেই ব্যক্তির উপর যে প্রমাণটি দিতে চায়।

## Section 105 - Burden of proving that case of accused comes within exceptions

এটা পরীক্ষায় অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫ সালে এসেছে।

Section 105 বলে: যদি অভিযুক্ত General Exception বা Special Exception-এর আওতায় দায়মুক্তি চায় তাহলে তাকে নিজেই সেটা প্রমাণ করতে হবে।

উদাহরণ: করিম বলছে সে Self-Defence-এ রহিমকে মেরেছে। Penal Code-এর Section 96 (Right of Private Defence) একটি General Exception। করিমকেই প্রমাণ করতে হবে যে সে Self-Defence-এ মেরেছে।

মনে রাখার টেকনিক: "Exception চাইলে নিজে প্রমাণ করো।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে এসেছিল: "অভিযুক্ত যদি Right of Private Defence-এর দাবি করে তাহলে Burden of Proof কার উপর?" উত্তর: Section 105 অনুযায়ী অভিযুক্তের নিজের উপর।

## Section 106 - Burden of proving fact especially within knowledge

এটা অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ বিধান। যদি কোনো বিষয় বিশেষভাবে একটি পক্ষের জানার মধ্যে থাকে তাহলে সেই পক্ষকেই সেটা প্রমাণ করতে হবে।

উদাহরণ: করিম রেল ভ্রমণ করছিল, টিকিট ছিল কিনা সেটা শুধু করিমই জানে। তাই টিকিট ছিল বলে প্রমাণ করার Burden করিমের।



মনে রাখার টেকনিক: "নিজে জানলে নিজে প্রমাণ করো।"

## Section 107 এবং 108 - Presumption of life and death

### Section 107 - Presumption of Continuance of Life

যদি কোনো ব্যক্তি ৩০ বছর বা তার কম বয়সে শেষবার দেখা গিয়ে থাকে তাহলে ধরে নেওয়া হয় সে এখনও বেঁচে আছে, যতক্ষণ না বিপরীত প্রমাণ হয়।

### Section 108 - Presumption of Death

এটা পরীক্ষায় খুব গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে।

Section 108 বলে: যদি কোনো ব্যক্তির ৭ বছর বা তার বেশি সময় ধরে কোনো খোঁজ না পাওয়া যায় এবং যারা তার সম্পর্কে জানার কথা তারাও জানে না, তাহলে আদালত ধরে নিতে পারে সে মারা গেছে।

মনে রাখার টেকনিক: "সাত বছর নিখোঁজ = মৃত বলে ধারণা।" মজার জোক: "সাত বছর পালিয়ে থাকলে আইনি মৃত্যু হয়। তাই পালাতে চাইলে ছয় বছর পর ফিরে আসো।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে এসেছিল: "কত বছর নিখোঁজ থাকলে মৃত বলে ধারণা করা যায়?" উত্তর: Section 108 অনুযায়ী ৭ বছর।

### Section 112 - Birth during marriage conclusive proof of legitimacy

বিবাহের সময় জন্মানো সন্তান বৈধ বলে ধরে নেওয়া হয়। এটা একটি Conclusive Presumption অর্থাৎ এই ধারণা খণ্ডন করা যায় না।

তবে শর্ত হলো স্বামী-স্ত্রীর সহবাসের সুযোগ ছিল এবং সন্তানটি বিবাহের সময় বা বিবাহ বিচ্ছেদের ২৮০ দিনের মধ্যে জন্মেছে।

মনে রাখার টেকনিক: "বিয়ের সময়ের বাচ্চা = আইনি পিতার বাচ্চা।"

## Section 115 - Estoppel

Section 115 পরীক্ষায় প্রতি বছর আসে।

Section 115 বলে: যদি কোনো ব্যক্তি নিজের কথা বা কাজ দ্বারা অন্য কাউকে বিশ্বাস করতে উৎসাহিত করে এবং সেই বিশ্বাসের উপর নির্ভর করে সে ব্যক্তি কাজ করে, তাহলে প্রথম ব্যক্তি পরে সেই কথা বা কাজ অস্বীকার করতে পারবে না।

এই নীতিকে Estoppel বলে।



মনে রাখার টেকনিক: "Estoppel = 'আগে বলেছি, এখন অস্বীকার করতে পারবে না।'" অথবা "Estoppel = বন্ধ।" মুখ বন্ধ করে দেওয়া হয়।

উদাহরণ: করিম রহিমকে বলল "তুমি আমার জমি ব্যবহার করো।" রহিম সেই জমিতে বাড়ি বানাল। এখন করিম বলতে পারবে না "ওটা আমার জমি, তুমি সরে যাও।" কারণ Estoppel তাকে বাধা দেবে।

রাজনৈতিক উদাহরণ: ২০১৫ সালে JCPOA চুক্তিতে আমেরিকা ইরানকে বলেছিল "নিউক্লিয়ার কর্মসূচি কমাও, নিষেধাজ্ঞা তুলে নেব।" ইরান কমাল। ২০১৮ সালে ট্রাম্প চুক্তি ভাঙল। Estoppel-এর নীতি অনুযায়ী এটা আন্তর্জাতিক আইনে বিতর্কিত।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে এসেছিল: "Estoppel-এর নীতি কী?" উত্তর: Section 115 অনুযায়ী নিজের কথা বা কাজের দ্বারা অন্যকে পরিচালিত করলে পরে সেটা অস্বীকার করা যায় না।

২০২৩ সালে এসেছিল: "Estoppel কোন Section-এ আছে?" উত্তর: Section 115।

## অধ্যায় ৮: Witnesses এবং Examination

### Section 118 - Who may testify?

Section 118 বলে: সকল ব্যক্তি সাক্ষ্য দিতে পারে এই শর্তে যে তারা প্রশ্ন বুঝতে পারে এবং যুক্তিসংগত উত্তর দিতে পারে।

তাই শিশু, বৃদ্ধ, অসুস্থ ব্যক্তিরও সাক্ষ্য দিতে পারে যদি তারা প্রশ্ন বুঝতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক: "বুঝলে এবং উত্তর দিতে পারলে সাক্ষী হওয়া যায়।"

### Section 119 - Dumb witnesses

Section 119 বলে: বোবা সাক্ষী লিখে বা ইশারায় সাক্ষ্য দিতে পারে।

### Section 120 - Parties to civil suit, and their wives or husbands

দেওয়ানি মামলায় পক্ষরা এবং তাদের স্বামী বা স্ত্রীরা সাক্ষ্য দিতে পারে।

### Section 121 - Judges and Magistrates

Section 121 বলে: Judges এবং Magistrate-দের তাদের নিজস্ব আদালতে করা কাজ সম্পর্কে জিজ্ঞেস করা যাবে না, শুধুমাত্র তাদের অনুমতি ছাড়া।



## Section 122 - Communications during marriage

বিবাহ চলাকালীন স্বামী-স্ত্রীর মধ্যে যোগাযোগ প্রমাণযোগ্য নয় যদি না অন্য পক্ষ সম্মত না হয়।

মনে রাখার টেকনিক: "স্বামী-স্ত্রীর কথা গোপন।"

## Section 123 থেকে 132 - Privileged Communications

Section 123 - Evidence as to affairs of State

রাষ্ট্রীয় গোপন বিষয়ে সাক্ষ্য দিতে কেউ বাধ্য নয়।

Section 124 - Official communications

সরকারি অফিসার তার পেশাগত যোগাযোগ প্রকাশ করতে বাধ্য নয়।

Section 125 - Information as to commission of offences

পুলিশ অফিসার তার তথ্যদাতার পরিচয় প্রকাশ করতে বাধ্য নয়।

Section 126 - Professional communications

আইনজীবীরা তাদের মক্কেলের সাথে পেশাগত যোগাযোগ প্রকাশ করতে বাধ্য নয়।

এটা পরীক্ষায় অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে।

Section 126-এর শর্ত: আইনজীবী-মক্কেল সম্পর্ক থাকতে হবে। মামলা চলাকালীন বা তার আগে পরামর্শ হতে হবে। যোগাযোগ পেশাগত হতে হবে।

ব্যতিক্রম: যদি অপরাধ বা জালিয়াতির উদ্দেশ্যে পরামর্শ নেওয়া হয় তাহলে Section 126 প্রযোজ্য নয়।

মনে রাখার টেকনিক: "Lawyer-মক্কেলের কথা গোপন, কিন্তু অপরাধের জন্য নয়।"

রাজনৈতিক জোক: বিখ্যাত আইনজীবী-মক্কেল গোপনীয়তার মামলাগুলো দেখো। আমেরিকায় Attorney-Client Privilege খুব শক্তিশালী। ট্রাম্পের আইনজীবী Michael Cohen বলেছিলেন তার মক্কেলের কথা প্রকাশ করা সম্ভব নয়। বাংলাদেশের Section 126-ও একই নীতিতে কাজ করে।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে এসেছিল: "Attorney-Client Privilege কোন Section-এ আছে?" উত্তর: Section 126।

## Section 133 - Accomplice



Section 133 বলেঃ Accomplice (অপরাধে সহযোগী) সাক্ষ্য দিতে পারে এবং আদালত তার সাক্ষ্যের উপর ভিত্তি করে দোষী সাব্যস্ত করতে পারে কিন্তু সাধারণত Corroboration (সমর্থন) থাকা উচিত।

### Section 145 - Cross-examination as to previous statements in writing

লিখিত পূর্ববর্তী বক্তব্যের ভিত্তিতে Cross-examination করার বিধান।

### Section 146 - Questions lawful in cross-examination

Cross-examination-এ বৈধ প্রশ্নের তালিকা। সাক্ষীর সত্যতা পরীক্ষা করার জন্য প্রশ্ন করা যায়।

## অধ্যায় ৯: পরীক্ষায় সর্বোচ্চ আসা Evidence Act-এর প্রশ্নের বিষয়সমূহ

### সারসংক্ষেপ চার্ট

Evidence Act থেকে পরীক্ষায় সবচেয়ে বেশি যে বিষয়গুলো আসে সেগুলো হলো প্রথমত Section 3 থেকে সংজ্ঞা। এটা ২০১৫ থেকে ২০২৫ প্রতি বছর এসেছে।

দ্বিতীয়ত Section 24-27 থেকে Confession। প্রায় প্রতি বছর আসে।

তৃতীয়ত Section 32(1) থেকে Dying Declaration। প্রায় প্রতি বছর আসে।

চতুর্থত Section 45 থেকে Expert Opinion। ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫ সালে এসেছে।

পঞ্চমত Section 63-65 থেকে Primary/Secondary Evidence। ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে।

ষষ্ঠত Section 90 থেকে 30 বছরের পুরনো দলিল। ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে।

সপ্তমত Section 101-106 থেকে Burden of Proof। প্রায় প্রতি বছর আসে।

অষ্টমত Section 108 থেকে ৭ বছর নিষেধাজ্ঞা। ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে।

নবমত Section 115 থেকে Estoppel। ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে।

দশমত Section 126 থেকে Attorney-Client Privilege। ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে।

### সব মিলিয়ে Evidence Act-এর মূল ১০টি টেকনিক



প্রথম টেকনিক: Confession-এর ক্ষেত্রে মনে রাখো "পুলিশের কাছে Confession = গ্রহণযোগ্য নয়, Magistrate-এর কাছে = গ্রহণযোগ্য।"

দ্বিতীয় টেকনিক: Dying Declaration-এর ক্ষেত্রে মনে রাখো "শপথ ছাড়া, বেঁচে থাকলেও প্রমাণযোগ্য।"

তৃতীয় টেকনিক: Burden of Proof-এর ক্ষেত্রে মনে রাখো "যে দাবি করে সে প্রমাণ করে।"

চতুর্থ টেকনিক: Expert Opinion-এর ক্ষেত্রে মনে রাখো "বিজ্ঞান, আইন, শিল্প, হাতের লেখা, আঙুলের ছাপ।"

পঞ্চম টেকনিক: Section 108-এর ক্ষেত্রে মনে রাখো "৭ বছর = মৃত।"

ষষ্ঠ টেকনিক: Section 90-এর ক্ষেত্রে মনে রাখো "৩০ বছর = আসল।"

সপ্তম টেকনিক: Estoppel-এর ক্ষেত্রে মনে রাখো "বললে বদলানো যাবে না।"

অষ্টম টেকনিক: Section 126-এর ক্ষেত্রে মনে রাখো "Lawyer-মক্কেলের কথা গোপন।"

নবম টেকনিক: Primary vs Secondary Evidence-এর ক্ষেত্রে মনে রাখো "Primary = আসল, Secondary = বিকল্প।"

দশম টেকনিক: Res Gestae-র ক্ষেত্রে মনে রাখো "ঘটনার অংশ = প্রাসঙ্গিক।"

## অধ্যায় ১০: The Specific Relief Act, 1877

### ভূমিকা - Specific Relief Act কেন গুরুত্বপূর্ণ?

The Specific Relief Act, 1877 হলো আদালতের একটি বিশেষ ক্ষমতার আইন। সাধারণত কোনো চুক্তি ভাঙলে ক্ষতিপূরণ (Damages) দেওয়া হয়। কিন্তু Specific Relief Act বলে কিছু ক্ষেত্রে শুধু টাকা দিলেই হয় না, সেই নির্দিষ্ট কাজটাই করাতে হবে।

MCQ পরীক্ষায় এটা থেকে ১০ নম্বর এবং Written-এ CPC-র সাথে মিলিয়ে ৩০ নম্বর।

The Specific Relief Act 1877 সালে পাস হয়েছে।

মনে রাখার টেকনিক: "Specific Relief Act = সাত-সাত = 1877। সাত সাত = ৭৭। তবে ১৮৭৭।"

অথবা মনে রাখো: "Evidence Act ১৮৭২, SRA ১৮৭৭। দুটোই ১৮০০-এর দশকের। পার্থক্য ৫ বছর।"



রাজনৈতিক জোক: আমেরিকার Specific Performance-এর মামলার কথা মনে করো। ২০২০ সালে নির্বাচনের পরে ট্রাম্প বলেছিলেন "ফলাফল বাতিল করো।" আদালত বলল না। Specific Relief Act-ও বলে সব ক্ষেত্রে Specific Performance দেওয়া হয় না। আদালতের বিবেচনার বিষয়।

## SRA-র মূল কাঠামো

The Specific Relief Act তিনটি ভাগে বিভক্ত:

প্রথম ভাগ হলো Preventive relief অর্থাৎ Injunction যা ভুল হওয়া থেকে রক্ষা করে।

দ্বিতীয় ভাগ হলো Recovery of possession of property অর্থাৎ সম্পত্তি উদ্ধার।

তৃতীয় ভাগ হলো Specific performance of contracts অর্থাৎ চুক্তির নির্দিষ্ট সম্পাদন।

## Section 5 এবং 6 - সম্পত্তি দখল উদ্ধার

Section 5 - Recovery of specific immovable property

Section 5 বলে: যে ব্যক্তি স্থাবর সম্পত্তির (Immovable Property) অধিকারী সে সেটা উদ্ধার করতে পারবে নির্দিষ্ট শর্তে।

Section 6 - Suit by person dispossessed of immovable property

Section 6 বলে: যদি কাউকে স্থাবর সম্পত্তি থেকে অন্যায়ভাবে বঞ্চিত করা হয় তাহলে সে সেই সম্পত্তি ফেরত পেতে পারে।

Section 6-এর গুরুত্বপূর্ণ বৈশিষ্ট্য: এই ধারায় মামলা করতে হবে বঞ্চিত হওয়ার ৬ মাসের মধ্যে। শুধু দখল পুনরুদ্ধারের মামলা, মালিকানা প্রমাণের মামলা নয়।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 6 = ছয় মাস, দখল ফেরত।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে এসেছিল: "SRA-র Section 6-এর অধীনে মামলা করার সময়সীমা কত?"  
উত্তর: ৬ মাস।

## Section 9 - Defences respecting suits for relief based on contract

Section 9 বলে: Specific Performance-এর মামলায় বিবাদী কিছু বিশেষ কারণে Defence নিতে পারে।

## Section 10 - Cases in which specific performance of contract enforceable

Section 10 বলে: কখন Specific Performance দেওয়া হবে।





এটা পরীক্ষায় অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫ সালে এসেছে।

Section 10 বলে: Specific Performance দেওয়া হবে যখন চুক্তির লঙ্ঘনের ক্ষতিপূরণ পর্যাপ্ত নয়। এটা দুটো ক্ষেত্রে হয়।

প্রথম ক্ষেত্র হলো যখন চুক্তির বিষয়বস্তু এমন যে বাজারে এর প্রকৃত মূল্যমান নির্ধারণ করা সম্ভব নয় (কোনো অনন্য সম্পত্তি)।

দ্বিতীয় ক্ষেত্র হলো যখন ধরে নেওয়া যায় যে টাকার ক্ষতিপূরণ যথেষ্ট নয়।

উদাহরণ: একটি পুরনো পারিবারিক বাড়ি বিক্রির চুক্তি হয়েছে কিন্তু বিক্রেতা বিক্রি করতে অস্বীকার করছে। টাকার ক্ষতিপূরণ এক্ষেত্রে পর্যাপ্ত নয় কারণ সেই বিশেষ বাড়িটাই চাওয়া হচ্ছে। আদালত Specific Performance দিতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক: "টাকায় হয় না, সেখানেই Specific Performance।"

রাজনৈতিক জোক: পৃথিবীতে কিছু জিনিস আছে যার বিকল্প নেই। যেমন প্যালেস্টাইনিরা বলে তারা তাদের নিজস্ব ভূমি ছাড়া অন্য কোথাও যাবে না। টাকার বিনিময়ে দেওয়া সম্ভব নয়। Specific Relief Act-ও বলে এমন জিনিসের ক্ষেত্রে Specific Performance দেওয়া হয়।

## Section 14 - Contracts not specifically enforceable

Section 14 বলে: কখন Specific Performance দেওয়া হবে না।

এটাও পরীক্ষায় অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ।

Section 14 অনুযায়ী Specific Performance দেওয়া হবে না যখন:

প্রথমত যখন চুক্তির ব্যক্তিগত সেবার (Personal Service) চুক্তি। যেমন কোনো শিল্পীকে গান গাওয়াতে বাধ্য করা যাবে না।

দ্বিতীয়ত যখন চুক্তিটি মধ্যবর্তী কারো মাধ্যমে করা হয়েছিল এবং সেই মধ্যবর্তী ব্যক্তির কাজের উপর নির্ভর করে।

তৃতীয়ত যখন ক্ষতিপূরণই যথেষ্ট প্রতিকার।

মনে রাখার টেকনিক: "ব্যক্তিগত সেবায় Specific Performance নেই।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে এসেছিল: "কোন ক্ষেত্রে Specific Performance দেওয়া হবে না?" উত্তর: Personal Service contract এবং ক্ষতিপূরণ যথেষ্ট হলে।



## Section 15 - Who may obtain specific performance

Section 15 বলে: কে Specific Performance চাইতে পারে। সাধারণত চুক্তির পক্ষই চাইতে পারে।

## Section 16 - Who cannot obtain specific performance

Section 16 বলে: কে Specific Performance চাইতে পারবে না।

যদি বাদী নিজে চুক্তি ভাঙে বা পালন করার অবস্থায় না থাকে তাহলে Specific Performance চাইতে পারবে না।

## Section 19 - Relief against parties and persons claiming under them by subsequent title

পরবর্তীতে দাবিকারীদের বিরুদ্ধেও Specific Performance দেওয়া যায়।

## Section 20 - Discretion as to decreeing specific performance

Section 20 অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫ সালে এসেছে।

Section 20 বলে: Specific Performance দেওয়া আদালতের বিবেচনার (Discretionary) বিষয়। আদালত বাধ্য নয়।

কখন আদালত Specific Performance দেবে না?

প্রথমত যখন চুক্তির শর্তগুলো অস্পষ্ট এবং অনিশ্চিত।

দ্বিতীয়ত যখন চুক্তিটি এমন প্রকৃতির যে আদালত তদারকি করতে পারবে না।

তৃতীয়ত যখন বাদী ইচ্ছাকৃতভাবে বিলম্ব করেছে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 20 = আদালতের বিবেচনা।"

রাজনৈতিক জোক: UN Security Council-ও Discretionary। তারা চাইলে Resolution পাস করে, চাইলে না। Specific Performance-ও তাই। আদালত চাইলে দেয়, চাইলে না।

## Section 21 থেকে 25 - Rectification, Rescission, Cancellation

Section 21 - Power to award compensation in certain cases

কিছু ক্ষেত্রে Specific Performance-এর পরিবর্তে ক্ষতিপূরণ দেওয়া যায়।



## Section 26 - Rectification of instruments

কোনো দলিল ভুলে ভুলভাবে তৈরি হলে আদালত সেটা সংশোধন করতে পারে। এটাকে Rectification বলে।

মনে রাখার টেকনিক: "Rectification = দলিল সংশোধন।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে এসেছিল: "Rectification of Instrument মানে কী?" উত্তর: ভুলক্রমে ভুলভাবে তৈরি দলিল আদালত কর্তৃক সংশোধন।

## Section 27 - When rescission may be adjudged

Rescission মানে চুক্তি বাতিল করা। কখন Rescission দেওয়া হবে সেটা Section 27-এ আছে।

## Section 31 - When cancellation may be ordered

Cancellation মানে কোনো দলিল বাতিল করা। Section 31 বলে কখন আদালত কোনো দলিল বাতিল করতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক (RRC ফর্মুলা): R = Rectification (সংশোধন), R = Rescission (চুক্তি বাতিল), C = Cancellation (দলিল বাতিল)।

## Section 34 - Discretion of Court as to Declaratory decrees

Section 34 বলে: Declaratory Decree হলো আদালতের সেই রায় যে কোনো ব্যক্তির আইনগত অবস্থান বা মর্যাদা ঘোষণা করে।

এটা পরীক্ষায় গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে।

উদাহরণ: কেউ যদি আদালতে যায় এবং বলে "আমি অমুকের বৈধ পুত্র" এবং আদালত সেটা ঘোষণা করে দেয়, এটাই Declaratory Decree।

Declaratory Decree-এর বৈশিষ্ট্য: এটা Discretionary। বাদীকে আদালতের উপর নির্ভর করতে হয়। বাদীর আইনগত অধিকার বিপন্ন বা ক্ষতিগ্রস্ত হওয়ার সম্ভাবনা থাকলে দেওয়া হয়।

মনে রাখার টেকনিক: "Declaratory Decree = আদালত ঘোষণা করে।"

## Section 37 থেকে 55 - Injunctions

Injunction হলো SRA-র সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ বিষয়। পরীক্ষায় প্রতি বছর Injunction থেকে প্রশ্ন আসে।

Injunction কী?



Injunction হলো আদালতের আদেশ যা কাউকে কোনো কাজ করা থেকে বিরত রাখে বা করতে বাধ্য করে।

Injunction দুই প্রকার:

প্রথম প্রকার হলো Temporary Injunction (সাময়িক নিষেধাজ্ঞা) যেটা মামলা চলাকালীন দেওয়া হয়। CPC-র Order 39-তে এর বিস্তারিত বিধান আছে।

দ্বিতীয় প্রকার হলো Perpetual Injunction (স্থায়ী নিষেধাজ্ঞা) যেটা মামলার চূড়ান্ত রায়ে দেওয়া হয়।

Section 37 - Temporary and perpetual injunctions

Section 37 এই দুই ধরনের Injunction-এর পার্থক্য করে।

Section 38 - Perpetual Injunction when granted

Section 38 বলে: কখন Perpetual Injunction দেওয়া হবে।

এটা পরীক্ষায় অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫ সালে এসেছে।

Section 38 অনুযায়ী Perpetual Injunction দেওয়া হয় যখন:

প্রথমত বিবাদী বাদীর সম্পত্তির দখল নিয়েছে বা নেওয়ার চেষ্টা করছে।

দ্বিতীয়ত বিবাদীর আচরণ বাদীর সম্পত্তির মূল্য কমিয়ে দেবে।

তৃতীয়ত বিবাদী বাদীর ব্যবসায়িক স্বার্থে ক্ষতি করছে।

চতুর্থত বিবাদী বাদীর আইনগত অধিকার ভঙ্গ করছে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 38 = স্থায়ী নিষেধাজ্ঞার বিধান।"

Section 39 - Mandatory Injunction

Section 39 বলে: Mandatory Injunction হলো এমন Injunction যা কাউকে নিষেধ করে না, বরং করতে আদেশ করে।

উদাহরণ: করিম রহিমের ঘরের সামনে দেয়াল তুলেছে। আদালত করিমকে আদেশ দিল দেয়াল ভেঙে ফেলতে।  
এটাই Mandatory Injunction।

মনে রাখার টেকনিক: "Mandatory = করতে হবে। Prohibitory = করা যাবে না।"



## Section 41 - Injunction when refused

Section 41 বলে: কখন Injunction দেওয়া হবে না।

এটাও পরীক্ষায় গুরুত্বপূর্ণ।

Injunction দেওয়া হবে না যখন:

প্রথমত বিবাদীকে অনুরূপ কাজ করা থেকে বিরত রাখা সম্ভব নয় শুধুমাত্র এই ধরনের আদেশের দ্বারা।

দ্বিতীয়ত চুক্তির Specific Performance দেওয়া সম্ভব নয় এমন ক্ষেত্রে।

তৃতীয়ত যে কাজ বন্ধ করতে চাওয়া হচ্ছে সেটা ইতিমধ্যেই সম্পন্ন হয়ে গেছে।

চতুর্থত Injunction দিলে সাধারণের মঙ্গল ক্ষতিগ্রস্ত হবে।

পঞ্চমত অন্যায্যকারীকে রক্ষার জন্য।

মনে রাখার টেকনিক: "কাজ হয়ে গেলে Injunction দিয়ে কী হবে?"

## Section 42 - Injunction to perform negative agreement

চুক্তিতে কোনো কাজ না করার প্রতিশ্রুতি থাকলে এবং সেই প্রতিশ্রুতি ভাঙলে Injunction দেওয়া যায়।

## Section 53 থেকে 55 - Temporary Injunction

Section 53 বলে: Temporary Injunction CPC-র Order 39 অনুযায়ী দেওয়া হয়।

মনে রাখার টেকনিক: "SRA = Temporary Injunction-এর মূলনীতি, CPC Order 39 = পদ্ধতি।"

## SRA-র শেষ গুরুত্বপূর্ণ Section - Section 55

Section 55 বলে: Injunction কীভাবে প্রয়োগ করা হবে।

## SRA-র পূর্ণাঙ্গ চিত্র

SRA-র মূল বিষয়গুলো মনে রাখার একটি সহজ কাঠামো:

প্রথমত Specific Performance (Section 10) পাওয়া যায় যখন টাকা যথেষ্ট নয়।

দ্বিতীয়ত Specific Performance (Section 14) পাওয়া যায় না ব্যক্তিগত সেবায়।



তৃতীয়ত Section 20 = আদালতের বিবেচনা।

চতুর্থত Section 34 = Declaratory Decree।

পঞ্চমত Section 38 = Perpetual Injunction।

ষষ্ঠত Section 39 = Mandatory Injunction।

সপ্তমত Section 41 = Injunction যখন দেওয়া হবে না।

---

## অধ্যায় ১১: The Limitation Act, 1908

### ভূমিকা - সময়ের আইন

The Limitation Act, 1908 বার কাউন্সিল Written পরীক্ষায় আলাদা ১৫ নম্বরের প্রশ্ন আসে। MCQ-তেও এটা থেকে কিছু প্রশ্ন আসে।

এটা ১৯০৮ সালের আইন।

মনে রাখার টেকনিক: "CPC ১৯০৮, Limitation Act ১৯০৮। একই বছর। দুটো মিলিয়ে মনে রাখো।"

Limitation Act কী?

Limitation Act হলো মামলা করার সময়সীমা নির্ধারণকারী আইন। এই আইন বলে কোন মামলা কত দিনের মধ্যে করতে হবে।

কেন সময়সীমা দরকার?

প্রথমত অতীতের বিবাদ যেন অনন্তকাল ধরে না চলে।

দ্বিতীয়ত প্রমাণ সংরক্ষণের জন্য।

তৃতীয়ত বিবাদী যেন অনিশ্চয়তায় না থাকে।

রাজনৈতিক জোক: আন্তর্জাতিক আইনে Prescription-এর নীতি আছে। দীর্ঘদিন একটি ভূমি কোনো দেশ দখলে রাখলে সেটার মালিকানা সেই দেশের হয়ে যায়। Limitation Act-ও এই নীতিতে কাজ করে। অনেকদিন মামলা না করলে অধিকার হারিয়ে যায়।



### Section 3 - Bar of limitation

Section 3 বলে: যে মামলার সময়সীমা পার হয়ে গেছে সেই মামলা আদালতে গ্রহণ করা হবে না।

এটা পরীক্ষায় অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ।

### Section 4 - Expiry of prescribed period when court is closed

Section 4 বলে: যদি সময়সীমার শেষ দিন আদালত বন্ধ থাকে তাহলে আদালত খোলার পরের দিন মামলা করা যাবে।

মনে রাখার টেকনিক: "আদালত বন্ধ থাকলে পরের দিন।"

### Section 5 - Extension of prescribed period in certain cases

Section 5 বলে: নিচের মামলাগুলোতে আদালত সময়সীমা বাড়াতে পারে যদি যথেষ্ট কারণ থাকে।

কিন্তু মনে রাখো Section 5 শুধু আবেদন এবং আপিলের ক্ষেত্রে প্রযোজ্য, মূল মামলার ক্ষেত্রে নয়।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে এসেছিল: "Section 5 কোন ক্ষেত্রে প্রযোজ্য?" উত্তর: Appeal এবং Application-এর ক্ষেত্রে, মূল মামলার ক্ষেত্রে নয়।

### Section 6 - Legal disability

Section 6 বলে: যদি মামলা করার অধিকার উদ্ভব হওয়ার সময় ব্যক্তি অপ্রাপ্তবয়স্ক, উন্মাদ বা নির্বোধ থাকে তাহলে সেই অক্ষমতা দূর হওয়ার পরে সময় গণনা শুরু হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "Legal Disability = ঘড়ি থামা।" অক্ষমতা দূর হলে ঘড়ি চলা শুরু।

### Section 12 - Exclusion of time in legal proceedings

Section 12 বলে: সময় গণনায় কিছু সময় বাদ দেওয়া হয়। যেমন আদেশের জন্য আবেদন করার সময়।

### Section 14 - Exclusion of time of proceeding bona fide in court without jurisdiction

যদি ভুলভাবে ভুল আদালতে মামলা করা হয় তাহলে সেই মামলার সময় মূল Limitation period থেকে বাদ যাবে।

মনে রাখার টেকনিক: "ভুল আদালতে যাওয়ার সময় মাফ।"

### Section 15 - Exclusion of time in certain other cases



Section 15 বলে: কিছু নির্দিষ্ট পরিস্থিতিতে সময় গণনা থেকে সময় বাদ দেওয়া হয়।

### **Section 16 - Effect of death on or before accrual of right to sue**

মামলা করার অধিকার উদ্ভব হওয়ার আগে বা সেই সময়ে কেউ মারা গেলে তার উত্তরাধিকারীরা নতুন সময়সীমা পাবে।

### **Section 18 - Effect of acknowledgment in writing**

যদি ঋণী বা বাধ্যবাধকতাকারী ব্যক্তি লিখিতভাবে তার দায় স্বীকার করে তাহলে সেই স্বীকৃতির তারিখ থেকে নতুন Limitation period শুরু হয়।

এটা পরীক্ষায় গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে।

মনে রাখার টেকনিক: "লিখিতভাবে স্বীকার করলে নতুন সময় শুরু।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে এসেছিল: "Acknowledgment কখন Limitation period নবায়ন করে?"  
উত্তর: লিখিতভাবে দায় স্বীকার করলে।

### **Section 19 - Effect of payment on account of debt or of interest on legacy**

আংশিক পরিশোধ (Part Payment) করলেও নতুন Limitation period শুরু হয়।

মনে রাখার টেকনিক: "একটু দিলেও সময় নতুন।"

### **Section 22 - Continuing breaches and torts**

চলমান লঙ্ঘনের ক্ষেত্রে প্রতিদিন নতুন Cause of Action উদ্ভব হয়।

### **গুরুত্বপূর্ণ Limitation Periods (সময়সীমা)**

পরীক্ষায় বিভিন্ন মামলার সময়সীমা জিজ্ঞেস করা হয়। সেগুলো মনে রাখো।

চুক্তি ভাঙার মামলায় সাধারণত ৩ বছর।

সম্পত্তি উদ্ধারের মামলায় স্বাবর সম্পত্তির জন্য সাধারণত ১২ বছর।

আহতের মামলায় (Tort) সাধারণত ৩ বছর।

সরকারের বিরুদ্ধে মামলায় কিছু ক্ষেত্রে ১ বছর।





আপিলের জন্য High Court-এ সাধারণত ৩০ দিন থেকে ৯০ দিন।

মনে রাখার টেকনিক (TTsOG ফর্মুলা): T = Tort (৩ বছর), T = Terms of contract (৩ বছর), S = Specific Recovery বা সম্পত্তি (১২ বছর), O = One year for Government, G = General।

রাজনৈতিক জোক: আন্তর্জাতিক আইনে Statutes of Limitation-এর ধারণা আছে কিন্তু যুদ্ধাপরাধ এবং মানবতার বিরুদ্ধে অপরাধে কোনো Limitation নেই। বাংলাদেশের International Crimes Tribunal-এ মুক্তিযুদ্ধের ৫০ বছর পরেও মামলা চলেছে। কারণ মানবতার বিরুদ্ধে অপরাধে সময়সীমা নেই।

## অধ্যায় ১২: Professional Ethics এবং Bar Council Order

### কেন Professional Ethics পড়বে?

Professional Ethics থেকে MCQ-তে ৫ নম্বর এবং Written-এ ১০ নম্বর আসে। এটা কম মনে হলেও এই ৫-১০ নম্বরই মাঝে মাঝে পার্থক্য তৈরি করে।

তাছাড়া এটাই তোমার পেশার আত্মা। আইনজীবীর নীতিশাস্ত্র না জানলে ভালো আইনজীবী হওয়া যাবে না।

### Bangladesh Bar Council Order, 1972

Bangladesh Bar Council Order, 1972 হলো বাংলাদেশের আইনজীবীদের পেশাদার সংগঠনের মূল আইন।

মনে রাখার টেকনিক: "Bar Council Order ১৯৭২। বাংলাদেশের সংবিধানও ১৯৭২ সালে। একসাথে মনে রাখো।"

Bar Council Order-এর মূল বিষয়সমূহ:

প্রথমত Bar Council হলো আইনজীবীদের সর্বোচ্চ পেশাগত সংস্থা।

দ্বিতীয়ত Bangladesh Bar Council-এ একজন Attorney General এবং নির্বাচিত সদস্য আছেন।

তৃতীয়ত Enrollment-এর অর্থাৎ আইনজীবী হওয়ার যোগ্যতা নির্ধারণ করে Bar Council।

চতুর্থত আইনজীবীদের বিরুদ্ধে অভিযোগ তদন্ত করে।

পঞ্চমত আইনি শিক্ষার মান নিয়ন্ত্রণ করে।

### Bar Council-এর গঠন



Bangladesh Bar Council-এ সদস্য হলেনঃ

Attorney General of Bangladesh যিনি পদাধিকারবলে (ex-officio) Chairman।

বাকি সদস্যরা আইনজীবীদের ভোটে নির্বাচিত।

### Enrollment-এর যোগ্যতা

আইনজীবী হতে হলে কী কী দরকার সেটা Bar Council Order এবং Rules-এ আছে।

প্রথমত আইনে ডিগ্রি (LLB) থাকতে হবে।

দ্বিতীয়ত Bar Council Enrollment Exam পাস করতে হবে।

তৃতীয়ত শারীরিকভাবে সুস্থ থাকতে হবে।

চতুর্থত নৈতিকভাবে যোগ্য থাকতে হবে অর্থাৎ দেউলিয়া না হওয়া, ফৌজদারি অপরাধে দণ্ডিত না হওয়া।

### Misconduct - অসদাচরণ

আইনজীবীর অসদাচরণ কী? এটা পরীক্ষায় প্রায়ই আসে।

পেশাগত অসদাচরণ (Professional Misconduct) এর উদাহরণঃ

প্রথমত মক্কেলের টাকা আত্মসাৎ করা।

দ্বিতীয়ত মিথ্যা তথ্য আদালতে পেশ করা।

তৃতীয়ত বিপরীত পক্ষের সাথে যোগাযোগ করা মক্কেলের অন্ত্রাতে।

চতুর্থত গোপনীয় তথ্য প্রকাশ করা।

পঞ্চমত অন্যায়ভাবে মামলা বিলম্ব করানো।

ষষ্ঠত ফি-র বিষয়ে মিথ্যা বলা।

মনে রাখার টেকনিক (MECLOF ফর্মুলা): M = Money (টাকা আত্মসাৎ), E = Evidence manipulation (মিথ্যা সাক্ষ্য), C = Contact with opposite party (বিপরীত পক্ষের সাথে যোগাযোগ), L = Leaking secrets (গোপন তথ্য প্রকাশ), O = Obstruction (মামলা বিলম্ব), F = False fees (ফি বিষয়ে মিথ্যা)।



বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে এসেছিল: "আইনজীবীর পেশাগত অসদাচরণের উদাহরণ দাও।" ২০২১ সালে এসেছিল: "কোন কাজটি আইনজীবীর Misconduct হবে?"

## Bar Council Disciplinary Proceedings

যদি কোনো আইনজীবীর বিরুদ্ধে অসদাচরণের অভিযোগ আসে তাহলে Bar Council শাস্তি দিতে পারে।

শাস্তির ধরন:

প্রথমত সতর্কতা (Warning)।

দ্বিতীয়ত নিন্দা (Censure)।

তৃতীয়ত সাময়িক বরখাস্ত (Suspension)।

চতুর্থত স্থায়ী বরখাস্ত অর্থাৎ Disbarment।

মনে রাখার ছন্দ: "সতর্ক হও, নিন্দা খাও, বরখাস্ত হও।"

## Duties of an Advocate

আইনজীবীর কর্তব্য:

আদালতের প্রতি কর্তব্য: আদালতে মিথ্যা বলা যাবে না। আদালতকে সহায়তা করতে হবে।

মক্কেলের প্রতি কর্তব্য: মক্কেলের স্বার্থ রক্ষা করতে হবে। গোপনীয়তা রক্ষা করতে হবে।

বিপরীত পক্ষের প্রতি কর্তব্য: অন্যায় আচরণ করা যাবে না।

পেশার প্রতি কর্তব্য: পেশার মর্যাদা বজায় রাখতে হবে।

মনে রাখার টেকনিক (COPP ফর্মুলা): C = Court (আদালত), O = Opponent (বিপরীত পক্ষ), P = Profession ((পেশা), P = Principal/Client (মক্কেল)।

রাজনৈতিক জোক: আমেরিকার ABA অর্থাৎ American Bar Association হলো আইনজীবীদের সর্বোচ্চ সংস্থা। বাংলাদেশের Bangladesh Bar Council-ও একইভাবে কাজ করে। পার্থক্য হলো আমেরিকায় আইনজীবী ABA-র সদস্য না হয়েও কাজ করতে পারে, কিন্তু বাংলাদেশে Bar Council-এর সদস্য না হলে আইনজীবী হওয়া যায় না।

## Bar Council Rules



Bar Council Rules হলো Bar Council Order-এর আওতায় তৈরি বিস্তারিত বিধিমালা।

এতে রয়েছে:

প্রথমত Enrollment-এর পদ্ধতি।

দ্বিতীয়ত পরীক্ষার বিবরণ।

তৃতীয়ত Advocates-এর আচরণবিধি।

চতুর্থত Disciplinary proceedings-এর পদ্ধতি।

পঞ্চমত Pupil advocate-এর (Pupillage) বিধান।

### **Pupillage বা Pupil Advocate**

বার কাউন্সিল Enrollment-এর পরেও আইনজীবী হতে কিছু সময় কোনো সিনিয়র আইনজীবীর অধীনে কাজ করতে হয়। এটাকে Pupillage বলে।

এটা পরীক্ষায় কখনো কখনো আসে।

মনে রাখার টেকনিক: "Pupillage = শিক্ষানবিশ।"

---

## **অধ্যায় ১৩: বিশেষ বিষয় - Legal Decisions এবং Reports**

### **Legal Decisions কী?**

Legal Decisions বলতে বোঝায় বাংলাদেশের উচ্চ আদালতের গুরুত্বপূর্ণ রায় এবং নজির।

Precedent (নজির) কী?

Common Law দেশে (বাংলাদেশসহ) উচ্চ আদালতের রায় নিম্ন আদালতের জন্য বাধ্যতামূলক। এটাকে Doctrine of Precedent বা Stare Decisis বলে।

মনে রাখার টেকনিক: "Stare Decisis = আগের রায় মেনে চলো।"

### **Law Reports কী?**

Law Reports হলো প্রকাশিত আদালতের রায়ের সংকলন। বাংলাদেশে প্রধান Law Reports হলো:



প্রথমত DLR অর্থাৎ Dhaka Law Reports।

দ্বিতীয়ত BLD অর্থাৎ Bangladesh Legal Decisions।

তৃতীয়ত MLR অর্থাৎ Monthly Law Reports।

মনে রাখার টেকনিক: "DLR = ঢাকা, BLD = বাংলাদেশ।"

### গুরুত্বপূর্ণ Legal Concepts

Ratio Decidendi এবং Obiter Dictum - এটা পরীক্ষায় আসে।

Ratio Decidendi মানে রায়ের মূল কারণ। এটা Precedent হিসেবে বাধ্যতামূলক।

Obiter Dictum মানে মামলার বাইরে বিচারকের মন্তব্য। এটা বাধ্যতামূলক নয় কিন্তু গুরুত্বপূর্ণ।

মনে রাখার টেকনিক: "Ratio = রায়ের রস, Obiter = বাড়তি কথা।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে এসেছিল: "Ratio Decidendi এবং Obiter Dictum-এর পার্থক্য কী?"

---

## অধ্যায় ১৪: বিগত পরীক্ষার প্রশ্নের বিশ্লেষণ এবং ভবিষ্যৎ পরীক্ষার পূর্বাভাস

### ২০২৫ সালের MCQ পরীক্ষার বিশ্লেষণ

২০২৫ সালের ২৫ এপ্রিল অনুষ্ঠিত MCQ পরীক্ষায় Evidence Act থেকে কয়েকটি গুরুত্বপূর্ণ বিষয় এসেছিল:

প্রথমত Dying Declaration সম্পর্কে প্রশ্ন।

দ্বিতীয়ত Confession to Police Officer সম্পর্কে।

তৃতীয়ত Burden of Proof সম্পর্কে।

চতুর্থত Section 108 থেকে ৭ বছরের নিয়ম।

পঞ্চমত Estoppel সম্পর্কে।

SRA থেকে এসেছিল:

প্রথমত Section 10 থেকে কখন Specific Performance পাওয়া যায়।



দ্বিতীয়ত Section 38 থেকে Perpetual Injunction।

তৃতীয়ত Section 39 থেকে Mandatory Injunction।

## ২০২৬ সালের পরীক্ষার পূর্বাভাস

২০২৪ সালের পরিবর্তনের পর বাংলাদেশে আইনি পরিবেশে কিছু পরিবর্তন হয়েছে। ২০২৬ সালের পরীক্ষায় নিচের বিষয়গুলো আসার সম্ভাবনা বেশি:

প্রথমত Digital Evidence - Section 45A সম্পর্কে প্রশ্ন।

দ্বিতীয়ত Confession-এর বিষয়ে, বিশেষত Section 25 এবং 27।

তৃতীয়ত Professional Ethics সম্পর্কে, বিশেষত Misconduct।

চতুর্থত Declaratory Decree (Section 34 SRA)।

পঞ্চমত Limitation Act থেকে সময়সীমা।

---

## অধ্যায় ১৫: আন্তর্জাতিক রাজনীতির সাথে Evidence Act, SRA এবং Limitation Act-এর সংযোগ

### জোক ১: Evidence Act এবং WikiLeaks

২০১০ সালে WikiLeaks লক্ষাধিক গোপন মার্কিন কূটনৈতিক বার্তা প্রকাশ করে। এই তথ্যগুলো কি Evidence হিসেবে ব্যবহার করা যায়? Evidence Act-এর Section 5 বলে শুধু প্রাসঙ্গিক তথ্যই প্রমাণযোগ্য। WikiLeaks-এর তথ্য যদি কোনো মামলার সাথে প্রাসঙ্গিক হয় তাহলে হয়তো ব্যবহার করা যাবে। কিন্তু Section 123 বলে রাষ্ট্রীয় গোপন বিষয় প্রমাণযোগ্য নয়। তাই WikiLeaks = Legal Dilemma।

### জোক ২: Specific Performance এবং JCPOA

ইরান-আমেরিকার JCPOA চুক্তি একটি ভালো Specific Performance-এর উদাহরণ হতে পারত। ইরান পারমাণবিক কর্মসূচি কমাতে, আমেরিকা নিষেধাজ্ঞা তুলবে। কিন্তু ট্রাম্প ২০১৮ সালে চুক্তি ভাঙলেন। Section 10 SRA অনুযায়ী ক্ষতিপূরণ অপরিণত হলে Specific Performance দেওয়া হয়। ইরানের ক্ষেত্রে টাকা দিয়ে পারমাণবিক সুরক্ষা কেনা যায় না, তাই Specific Performance দাবি করা উচিত ছিল। কিন্তু আন্তর্জাতিক আদালত অন্য বিষয়।

### জোক ৩: Limitation Act এবং Israel-Palestine



ইসরাইল বলে ৩০০০ বছরের পুরনো ঐতিহাসিক দাবি আছে। Limitation Act অনুযায়ী এত বছর পুরনো দাবি নিশ্চয়ই সময়সীমা পার হয়ে গেছে। কিন্তু আন্তর্জাতিক আইনে Limitation Act প্রযোজ্য নয়। এই পার্থক্যটা মনে রাখো। Limitation Act শুধু বাংলাদেশের দেওয়ানি ও ফৌজদারি আদালতে প্রযোজ্য।

## জোক ৪: Estoppel এবং Putin

রাশিয়া বারবার বলেছে ইউক্রেনকে আক্রমণ করবে না। তারপর ২০২২ সালে আক্রমণ করেছে। Section 115 Estoppel-এর নীতি অনুযায়ী রাশিয়া এই কথা বলা থেকে Estopped হওয়া উচিত ছিল। কিন্তু আন্তর্জাতিক আইনে Estoppel-এর প্রয়োগ দুর্বল। বাংলাদেশের আদালতে হলে Section 115 সরাসরি প্রযোজ্য হতো।

## জোক ৫: Dying Declaration এবং সাম্প্রতিক বাংলাদেশ

২০২৪ সালের জুলাই-আগস্টে বাংলাদেশে যারা শহীদ হয়েছেন তাদের অনেকে শেষ কথা বলে গেছেন। এই বক্তব্যগুলো যদি কোনো আদালতি মামলায় ব্যবহৃত হয় তাহলে Section 32(1) অনুযায়ী Dying Declaration হিসেবে প্রমাণযোগ্য।

## জোক ৬: Professional Ethics এবং আন্তর্জাতিক প্রেক্ষাপট

ICC (International Criminal Court)-এর আইনজীবীদের জন্যও নৈতিক বিধিমালা আছে। তারা অপরাধীদের পক্ষেও মামলা লড়তে পারে কারণ প্রতিটি ব্যক্তির আত্মরক্ষার অধিকার আছে। বাংলাদেশের Bar Council Rules-ও একই কথা বলে। যে ব্যক্তির আইনজীবীর প্রয়োজন তাকে সাহায্য করা আইনজীবীর কর্তব্য, সেই ব্যক্তি যত বড় অপরাধীই হোক।

## জোক ৭: Burden of Proof এবং UN Security Council

UN Security Council-এ যখন কোনো দেশ অপর দেশের বিরুদ্ধে অভিযোগ করে তখন Burden of Proof যে অভিযোগ করে তার উপর। ২০০৩ সালে Colin Powell Iraq-এর বিরুদ্ধে WMD-র "প্রমাণ" দেখিয়েছিলেন। পরে প্রমাণ হয় সেটা মিথ্যা ছিল। Evidence Act-এর Section 101 অনুযায়ী যে দাবি করে সে প্রমাণ করে। আমেরিকার দাবি ভুল প্রমাণিত হয়েছিল।

## অধ্যায় ১৬: তুলনামূলক বিশ্লেষণ - গুরুত্বপূর্ণ পার্থক্য মনে রাখো

### Confession বনাম Admission

মনে রাখো: Confession শুধু ফৌজদারি মামলায়। Admission শুধু দেওয়ানি মামলায়। Confession করে অভিস্যুক্ত। Admission করে মামলার পক্ষ।

### Primary Evidence বনাম Secondary Evidence



মনে রাখো: Primary Evidence হলো মূল দলিল। Secondary Evidence হলো মূলের বিকল্প। Primary Evidence সবসময় পছন্দনীয়। Secondary Evidence শুধু বিশেষ পরিস্থিতিতে।

### Temporary Injunction বনাম Perpetual Injunction

মনে রাখো: Temporary Injunction মামলা চলাকালীন। Perpetual Injunction চূড়ান্ত রায়ে। Temporary Injunction CPC Order 39-এ। Perpetual Injunction SRA Section 38-এ।

### Specific Performance বনাম Injunction

মনে রাখো: Specific Performance মানে কাউকে কিছু করতে বাধ্য করা যেমন চুক্তি পালন। Injunction মানে কাউকে কিছু করা থেকে বিরত রাখা (Prohibitory) অথবা কিছু করতে বাধ্য করা (Mandatory)।

### Dying Declaration বনাম Deathbed Statement

মনে রাখো: Dying Declaration-এ মৃত্যুর আশঙ্কা থাকতে হবে না। Deathbed Statement হলো মৃত্যুশয্যা দেওয়া বক্তব্য যেখানে মৃত্যুর আশঙ্কা থাকতে পারে।

---

## অধ্যায় ১৭: পরীক্ষা কৌশল - Evidence Act, SRA, Limitation Act এবং Professional Ethics

### MCQ-তে কৌশল

Evidence Act থেকে ১৫ নম্বরের প্রশ্ন MCQ-তে আসে। প্রতিটি প্রশ্নে ৩৬ সেকেন্ড।

Evidence Act-এর MCQ-তে যে বিষয়গুলো বেশি আসে:

প্রথমত Section নম্বর জানতে চাওয়া। যেমন "Dying Declaration কোন Section-এ আছে?" উত্তর: Section 32(1)।

দ্বিতীয়ত সংজ্ঞা জানতে চাওয়া। যেমন "Estoppel মানে কী?"

তৃতীয়ত শর্ত জানতে চাওয়া। যেমন "Expert Opinion কোন ক্ষেত্রে প্রযোজ্য?"

চতুর্থত পার্থক্য জানতে চাওয়া। যেমন "Admission এবং Confession-এর পার্থক্য?"

পঞ্চমত সংখ্যা জানতে চাওয়া। যেমন "৭ বছর নিখোঁজ থাকলে কী ধরে নেওয়া হয়?" উত্তর: মৃত।

SRA থেকে ১০ নম্বরের প্রশ্নের জন্য:





প্রথমত কখন Specific Performance পাওয়া যায় সেটা জানো।

দ্বিতীয়ত কখন পাওয়া যায় না সেটা জানো।

তৃতীয়ত Injunction-এর প্রকার জানো।

চতুর্থত Declaratory Decree বোঝো।

Professional Ethics থেকে ৫ নম্বরের প্রশ্নের জন্যঃ

প্রথমত Misconduct-এর উদাহরণ।

দ্বিতীয়ত Bar Council-এর কাজ।

তৃতীয়ত আইনজীবীর কর্তব্য।

### **Elimination Method (বাদ দেওয়ার পদ্ধতি)**

MCQ-তে যখন উত্তর সরাসরি জানো না তখন Elimination Method ব্যবহার করো।

প্রথমে স্পষ্ট ভুল উত্তর বাদ দাও। বাকিগুলোর মধ্য থেকে সবচেয়ে যুক্তিসংগত উত্তরটি বেছে নাও।

উদাহরণঃ "Confession to Police Officer কোথায় আছে?" চারটি অপশন যদি হয় Section 24, Section 25, Section 26, Section 27।

তুমি জানো Section 25 হলো পুলিশের কাছে Confession। তাই উত্তর Section 25।

যদি না জানো তাহলে মনে রাখো Section 24 হলো Inducement, Threat, Promise। Section 26 হলো Police Custody। Section 27 হলো Discovery। তাই বাদ দিলে Section 25 থাকে।

### **Written পরীক্ষার কৌশল**

Written-এ Evidence Act থেকে ১৫ নম্বর এবং SRA+CPC থেকে ৩০ নম্বর এবং Limitation Act থেকে ১৫ নম্বর।

Written-এ উত্তর দেওয়ার সময় Structure মেনে চলোঃ

প্রথমে সংজ্ঞা দাও। তারপর Section নম্বর বলো। তারপর শর্ত বা প্রকার বলো। তারপর উদাহরণ দাও। শেষে সারসংক্ষেপ করো।



এই পাঁচ ধাপে একটি ভালো Written উত্তর লেখা যায়।

## অধ্যায় ১৮: সাম্প্রতিক পরিবর্তন এবং ২০২৬ সালের পরীক্ষার জন্য বিশেষ নোট

### ডিজিটাল Evidence-এর গুরুত্ব বৃদ্ধি

২০২৪-২৫ সালে বাংলাদেশে এবং সারা বিশ্বে Digital Evidence-এর ব্যবহার ব্যাপকভাবে বেড়েছে। Social Media posts, WhatsApp messages, Email সব এখন আদালতে প্রমাণ হিসেবে আসছে।

Evidence Act-এর Section 45A এবং Section 65B (যদিও বাংলাদেশের Evidence Act-এ সরাসরি এই Section নেই কিন্তু Digital Evidence সংক্রান্ত নতুন বিধান আসছে) এই প্রেক্ষাপটে গুরুত্বপূর্ণ হচ্ছে।

২০২৬ সালের পরীক্ষায় Digital Evidence সম্পর্কে প্রশ্ন আসতে পারে। এটা ট্রেন্ড হচ্ছে।

মনে রাখার টেকনিক: "Digital যুগে Digital Evidence।"

### আইনি সংস্কারের প্রেক্ষাপট

২০২৪ সালের রাজনৈতিক পরিবর্তনের পর বাংলাদেশে অনেক আইনি সংস্কার হচ্ছে বা হওয়ার কথা আছে। ২০২৫ সালে বিভিন্ন আইন পরিবর্তনের উদ্যোগ নেওয়া হয়েছে।

এই প্রেক্ষাপটে পরীক্ষায় "বর্তমান আইন কী বলে" এবং "পরিবর্তিত আইন কী বলে" এই ধরনের প্রশ্ন আসতে পারে।

সবচেয়ে নিরাপদ হলো মূল আইনের (Original Act-এর) বিধান ভালোভাবে জানা।

### ICT এবং আইনজীবী

International Crimes Tribunal বাংলাদেশে ১৯৭১ সালের যুদ্ধাপরাধের বিচার করছে। এই ক্ষেত্রে Evidence Act-এর বিধান কিছুটা ভিন্নভাবে প্রযোজ্য।

২০২৪-২৫ সালে ICT সংক্রান্ত অনেক মামলা হয়েছে। পেশাদার আইনজীবী হিসেবে এই বিষয়ে সাধারণ ধারণা রাখা দরকার।

## অধ্যায় ১৯: সম্পূর্ণ রিভিশন - পার্ট ৩-এর সারসংক্ষেপ



## Evidence Act-এর শীর্ষ ২০টি বিষয়

এই বিশটি বিষয় ভালো করে মনে রাখলে Evidence Act-এর প্রশ্নে ভালো করবে।

প্রথমত Section 3 থেকে সংজ্ঞা বিশেষত Fact, Evidence, Document।

দ্বিতীয়ত Section 6 থেকে Res Gestae।

তৃতীয়ত Section 8 থেকে Motive, Preparation, Conduct (MPC)।

চতুর্থত Section 10 থেকে Conspiracy-র কথা।

পঞ্চমত Section 11 থেকে Alibi।

ষষ্ঠত Section 17 থেকে Admission।

সপ্তমত Section 23 থেকে Without Prejudice।

অষ্টমত Section 24 থেকে Confession by Inducement, Threat, Promise।

নবমত Section 25 থেকে Confession to Police Officer।

দশমত Section 27 থেকে Discovery Statement।

একাদশত Section 32(1) থেকে Dying Declaration।

দ্বাদশত Section 45 থেকে Expert Opinion।

ত্রয়োদশত Section 60 থেকে Direct Evidence।

চতুর্দশত Section 62-63 থেকে Primary এবং Secondary Evidence।

পঞ্চদশত Section 90 থেকে ৩০ বছরের পুরনো দলিল।

ষোড়শত Section 101 থেকে Burden of Proof।

সপ্তদশত Section 105 থেকে General Exception-এ Burden of Proof।

অষ্টাদশত Section 108 থেকে ৭ বছর নিখোঁজ।



উনবিংশত Section 115 থেকে Estoppel।

বিংশত Section 126 থেকে Attorney-Client Privilege।

### **SRA-র শীর্ষ ১০টি বিষয়**

প্রথমত Section 6 থেকে দখল উদ্ধার ৬ মাস।

দ্বিতীয়ত Section 10 থেকে কখন Specific Performance পাওয়া যায়।

তৃতীয়ত Section 14 থেকে কখন পাওয়া যায় না।

চতুর্থত Section 20 থেকে আদালতের বিবেচনা।

পঞ্চমত Section 26 থেকে Rectification।

ষষ্ঠত Section 27 থেকে Rescission।

সপ্তমত Section 31 থেকে Cancellation।

অষ্টমত Section 34 থেকে Declaratory Decree।

নবমত Section 38 থেকে Perpetual Injunction।

দশমত Section 39 থেকে Mandatory Injunction।

### **Limitation Act-এর শীর্ষ ৭টি বিষয়**

প্রথমত Section 3 থেকে Bar of Limitation।

দ্বিতীয়ত Section 5 থেকে Extension শুধু Appeal এবং Application-এ।

তৃতীয়ত Section 6 থেকে Legal Disability।

চতুর্থত Section 14 থেকে ভুল আদালতের সময় মার্ফ।

পঞ্চমত Section 18 থেকে Acknowledgment।

ষষ্ঠত Section 19 থেকে Part Payment।



সপ্তমত গুরুত্বপূর্ণ সময়সীমা: চুক্তি ৩ বছর, সম্পত্তি ১২ বছর।

## Professional Ethics-এর শীর্ষ ৫টি বিষয়

প্রথমত Bar Council Order ১৯৭২।

দ্বিতীয়ত Misconduct-এর উদাহরণ (MECLOF ফর্মুলা)।

তৃতীয়ত শাস্তির ধরন।

চতুর্থত আইনজীবীর কর্তব্য (COPP ফর্মুলা)।

পঞ্চমত Pupillage।

---

## অধ্যায় ২০: শেষ কথা এবং পরীক্ষার আগের রাতের পড়া

### পরীক্ষার আগের রাতে কী পড়বে

Evidence Act থেকে: Section 3-এর সংজ্ঞা। Section 25 (পুলিশ Confession)। Section 27 (Discovery)। Section 32(1) (Dying Declaration)। Section 45 (Expert Opinion)। Section 90 (৩০ বছর)। Section 101-105 (Burden of Proof)। Section 108 (৭ বছর)। Section 115 (Estoppel)। Section 126 (Attorney-Client Privilege)।

SRA থেকে: Section 10 (কখন Specific Performance)। Section 14 (কখন নয়)। Section 34 (Declaratory Decree)। Section 38 (Perpetual Injunction)। Section 39 (Mandatory Injunction)।

Limitation Act থেকে: Section 5 (Extension শুধু Appeal-এ)। Section 18 (Acknowledgment)। গুরুত্বপূর্ণ সময়সীমা।

Professional Ethics থেকে: Misconduct-এর উদাহরণ। COPP ফর্মুলা।

### শেষ একটি গল্প

একজন নতুন আইনজীবী কোর্টে গিয়ে বিপদে পড়লেন। প্রতিপক্ষ একটি ৩৫ বছরের পুরনো দলিল পেশ করল। নতুন আইনজীবী বললেন "এটা কীভাবে প্রমাণ করবেন?" প্রতিপক্ষ হেসে বললেন "Evidence Act-এর Section 90 পড়েছে? ৩০ বছরের বেশি পুরনো দলিল আসল বলে ধরে নেওয়া হয়।"

নতুন আইনজীবী লজ্জায় মাথা নামালেন।



তুমি এই বইটা পড়লে সেই লজ্জায় পড়তে হবে না।

রাজনৈতিক শেষ কথাঃ Henry Kissinger বলেছিলেন "The illegal we do immediately. The unconstitutional takes a little longer." অর্থাৎ বেআইনি কাজ ত্বরান্বিত করা যায়, সাংবিধানিকভাবে বেআইনি কাজে একটু সময় লাগে।

একজন ভালো আইনজীবী সেই মানুষদের রোখেন যারা Kissinger-এর এই নীতিতে চলেন।

Evidence Act তোমার হাতিয়ার। SRA তোমার ঢাল। Limitation Act তোমার ঘড়ি। Professional Ethics তোমার বিবেক।

পার্ট ৪-এ আমরা আরো গভীরে যাব। আরো বেশি প্রশ্নের বিশ্লেষণ, আরো বেশি টেকনিক।

### পরিশিষ্ট ১: Evidence Act-এর সম্পূর্ণ গুরুত্বপূর্ণ Section তালিকা

Section 3 থেকে সংজ্ঞা। পরীক্ষায় আসার বছরঃ ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 6 থেকে Res Gestae। পরীক্ষায় আসার বছরঃ ২০১৭, ২০১৯, ২০২৩।

Section 8 থেকে Motive, Preparation, Conduct। পরীক্ষায় আসার বছরঃ ২০১৮, ২০২১, ২০২৩।

Section 10 থেকে Conspiracy। পরীক্ষায় আসার বছরঃ ২০১৭, ২০১৯, ২০২১।

Section 11 থেকে Alibi। পরীক্ষায় আসার বছরঃ ২০১৯, ২০২১।

Section 17 থেকে Admission। পরীক্ষায় আসার বছরঃ ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 23 থেকে Without Prejudice। পরীক্ষায় আসার বছরঃ ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 24 থেকে Confession (Inducement, Threat, Promise)। পরীক্ষায় আসার বছরঃ ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 25 থেকে Confession to Police। পরীক্ষায় আসার বছরঃ ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 27 থেকে Discovery Statement। পরীক্ষায় আসার বছরঃ ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।



Section 32(1) থেকে Dying Declaration। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 45 থেকে Expert Opinion। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 60 থেকে Oral Evidence Direct। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০২১।

Section 62 থেকে Primary Evidence। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১।

Section 63 থেকে Secondary Evidence। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 65 থেকে কখন Secondary Evidence। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 79-90 থেকে Presumptions। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 101 থেকে Burden of Proof। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 105 থেকে Exception-এ Burden of Proof। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 108 থেকে ৭ বছর নিখোঁজ। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 112 থেকে Legitimacy। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৮, ২০২১।

Section 115 থেকে Estoppel। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 126 থেকে Attorney-Client Privilege। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

---

## পরিশিষ্ট ২: SRA-র সম্পূর্ণ গুরুত্বপূর্ণ Section তালিকা

Section 6 থেকে দখল উদ্ধার ৬ মাস। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৮, ২০২১, ২০২৩।

Section 10 থেকে Specific Performance কখন পাওয়া যায়। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।



Section 14 থেকে কখন Specific Performance পাওয়া যায় না। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 20 থেকে আদালতের বিবেচনা। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 26 থেকে Rectification। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 27 থেকে Rescission। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১।

Section 34 থেকে Declaratory Decree। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 38 থেকে Perpetual Injunction। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 39 থেকে Mandatory Injunction। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 41 থেকে Injunction কখন দেওয়া হবে না। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৮, ২০২১, ২০২৩।

---

### পরিশিষ্ট ৩: Limitation Act-এর সম্পূর্ণ গুরুত্বপূর্ণ Section তালিকা

Section 3 থেকে Bar of Limitation। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 5 থেকে Extension শুধু Appeal এবং Application-এ। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 6 থেকে Legal Disability। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০২১।

Section 14 থেকে ভুল আদালতের সময় মার্ফ। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১।

Section 18 থেকে Acknowledgment। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 19 থেকে Part Payment। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১।

---

### পরিশিষ্ট ৪: Professional Ethics-এর সম্পূর্ণ গুরুত্বপূর্ণ বিষয় তালিকা





Bangladesh Bar Council Order, 1972। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Bar Council-এর গঠন। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১।

Enrollment-এর যোগ্যতা। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯।

Misconduct-এর উদাহরণ। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

শাস্তির ধরন। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৮, ২০১৯, ২০২১।

আইনজীবীর কর্তব্য। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Pupillage। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৮, ২০২১।

Ratio Decidendi এবং Obiter Dictum। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৯, ২০২১।

---

## পরিশিষ্ট ৫: সমস্ত মনে রাখার ফর্মুলার তালিকা

Evidence Act-এর ফর্মুলা:

CFRDDE ফর্মুলা (Section 3-এর সংজ্ঞা): Court, Fact, Relevant, Documents, Document, Evidence।

MPC ফর্মুলা (Section 8): Motive, Preparation, Conduct।

ITP ফর্মুলা (Section 24): Inducement, Threat, Promise।

SRA-র ফর্মুলা:

RRC ফর্মুলা: Rectification, Rescission, Cancellation।

Limitation Act-এর ফর্মুলা:

TTSOG ফর্মুলা: Tort (৩ বছর), Terms of Contract (৩ বছর), Specific Property (১২ বছর), One Year for Government, General।

Professional Ethics-এর ফর্মুলা:



MECLOF ফর্মুলা (Misconduct): Money, Evidence manipulation, Contact with opposite party, Leaking secrets, Obstruction, False fees।

COPP ফর্মুলা (Duties): Court, Opponent, Profession, Principal/Client।

---

## পরিশিষ্ট ৬: সবচেয়ে মজার জোকগুলোর সারসংক্ষেপ

Evidence Act থেকে সেরা জোক: পুলিশের কাছে Confession গ্রহণযোগ্য নয়। তাই পুলিশের সামনে কখনো স্বীকার করো না কিছু। আদালতে গিয়ে Magistrate-এর সামনে বলো।

SRA থেকে সেরা জোক: ব্যক্তিগত সেবার চুক্তিতে Specific Performance নেই। তাই পছন্দের গায়ককে জোর করে গান গাওয়ানো যাবে না। তবে তুমি চাইলে পছন্দের আইনজীবীকে মামলা নিতে Specific Performance-এর জন্য আবেদন করতে পারো।

Limitation Act থেকে সেরা জোক: সাত বছর পালিয়ে থাকলে আইনি মৃত্যু হয়। ছয় বছর পর ফিরে আসা বুদ্ধিমানের কাজ।

Professional Ethics থেকে সেরা জোক: আইনজীবী মিথ্যা বলতে পারবে না কিন্তু পুরো সত্যও বলতে বাধ্য নয়। এটাই আইনের শিল্পকলা।

---

প্রিয় পরীক্ষার্থী, তুমি পার্ট ৩ সম্পূর্ণ করলে। এই পার্টে তুমি Evidence Act, SRA, Limitation Act এবং Professional Ethics সম্পূর্ণভাবে পড়লে। মোট ৪৫ নম্বরের প্রস্তুতি এই একটি পার্টে।

মনে রাখো, বার কাউন্সিল পরীক্ষায় পার্থক্য তৈরি হয় এই ছোট ছোট বিষয়গুলো মনে রাখার ক্ষমতায়।

Henry Ford বলেছিলেন "Anyone who stops learning is old, whether at twenty or eighty. Anyone who keeps learning stays young." অর্থাৎ যে শিখতে থাকে সে সবসময় তরুণ।

তুমি এখন শিখছ। তুমি তরুণ। তুমি পারবে।

পার্ট ৪-এ দেখা হবে। সেখানে থাকবে Practice Questions, Full Mock Test এবং আরো গভীর বিশ্লেষণ।

শুভকামনা।

## পার্ট ৪: The Code of Criminal Procedure, 1898 (সম্পূর্ণ) এবং The Penal Code, 1860 (সম্পূর্ণ)



## পার্ট ৪-এর ভূমিকা

প্রিয় পরীক্ষার্থী,

তুমি এখন পার্ট ৩ শেষ করে এসেছ। Evidence Act, SRA, Limitation Act এবং Professional Ethics তোমার মাথায় আছে। এখন সামনে দুটি বিশাল পর্বত। একটির নাম CrPC আর আরেকটির নাম Penal Code। দুটো মিলিয়ে পরীক্ষায় মোট ৪০ নম্বর। মানে MCQ-তে একটি বিশ আর অন্যটি বিশ।

তুমি যদি এই দুটো বিষয় ভালো করে বুঝো তাহলে শুধু এই দুটো বিষয় থেকেই পাস করে যাওয়া সম্ভব।

কিন্তু একটু ভয়ের কথাও বলি। এই দুটো বিষয় অনেক বড়। Penal Code-এ ৫১১টা ধারা। CrPC-তে ৫৬৫টা ধারা। পুরো পড়তে গেলে জীবন শেষ হয়ে যাবে আগে, পরীক্ষা হবে পরে।

তাই এই পার্টে আমরা সেই শর্টকাট পথে যাব যেটা পরীক্ষায় সত্যিই কাজে লাগে। বিগত পরীক্ষার প্রশ্ন বিশ্লেষণ করে দেখা গেছে মাত্র ৩০ থেকে ৪০টি ধারা থেকেই বারবার প্রশ্ন আসে। সেই ধারাগুলো শর্টকাটে মনে রাখার পদ্ধতি, মজার উদাহরণ এবং আন্তর্জাতিক রাজনীতির জোক দিয়ে আমরা এই পার্টটা পার করব।

চলো শুরু করি।

## অধ্যায় ১: The Code of Criminal Procedure, 1898 (CrPC) - প্রথম পরিচয়

### CrPC কী এবং কেন এটা পড়তে হবে?

CrPC মানে হলো The Code of Criminal Procedure, 1898। এটা হলো বাংলাদেশে ফৌজদারি মামলা চলার নিয়মের বই। Penal Code যদি বলে "এই কাজ করলে শাস্তি পাবে" তাহলে CrPC বলে "সেই শাস্তি কীভাবে দেওয়া হবে।"

একটা সহজ উদাহরণ দিই। তোমার প্রতিবেশী তোমার গাড়িতে আগুন দিয়ে দিল। এটা Penal Code-এর অধীনে অপরাধ। কিন্তু পুলিশ কীভাবে মামলা নেবে, কীভাবে তদন্ত করবে, কীভাবে গ্রেফতার করবে, আদালতে কীভাবে বিচার হবে, জামিন হবে কিনা এই সব বলছে CrPC।

তাহলে সহজ ভাষায় বলো:

Penal Code = কী অপরাধ, কী শাস্তি। CrPC = সেই শাস্তি দেওয়ার পদ্ধতি।

আন্তর্জাতিক উদাহরণ দিই। আন্তর্জাতিক আইনে রোম চুক্তি (Rome Statute) বলে ICC-তে কোন কোন অপরাধের বিচার হবে। কিন্তু ICC-র Rules of Procedure and Evidence বলে বিচারটা কীভাবে হবে। ঠিক একইভাবে Penal Code = Rome Statute এবং CrPC = ICC-র Rules of Procedure।



মনে রাখার টেকনিক: "Penal = পাপের সংজ্ঞা, CrPC = পাপের শাস্তির পদ্ধতি।"

## CrPC-র ইতিহাস ও মূল তথ্য

CrPC ১৮৯৮ সালে পাস হয়েছিল। ব্রিটিশ ঔপনিবেশিক আমলে। বাংলাদেশ স্বাধীন হওয়ার পরেও এই আইন কার্যকর আছে, কিছু পরিবর্তনসহ।

মনে রাখার টেকনিক: "CrPC = ১৮৯৮, Penal Code = ১৮৬০।" দুটোই ব্রিটিশ আমলের। কিন্তু CrPC ৩৮ বছর পরে এসেছে।

মজার জোক: ১৮৬০ সালে Penal Code এল, শাস্তির তালিকা নিয়ে। কিন্তু কীভাবে শাস্তি দেবে সেটা নিয়ে ব্রিটিশরা ৩৮ বছর ভাবল। তারপর ১৮৯৮ সালে CrPC দিল। ব্রিটিশ আমলাতন্ত্রের গতি বোঝো। বর্তমান বাংলাদেশের সংসদীয় প্রক্রিয়াও অনেকটা এইরকম, শুধু সময়টা আরো বেশি।

CrPC-তে মোট আছে ৫৬৫টি ধারা (Section)। এটা CPC-র তিনগুণেরও বেশি।

## CrPC-র মূল কাঠামো

CrPC-কে সহজে বুঝতে হলে এটাকে কয়েকটি ভাগে ভাগ করে দেখো।

প্রথম ভাগ হলো প্রাথমিক বিষয় (Preliminary)। Section 1 থেকে 3 পর্যন্ত। এখানে সংজ্ঞা আছে।

দ্বিতীয় ভাগ হলো আদালত ব্যবস্থা (Courts)। Section 4 থেকে 35 পর্যন্ত। এখানে কোন আদালত কী কাজ করে সেটা আছে।

তৃতীয় ভাগ হলো গ্রেফতার ও জামিন (Arrest and Bail)। Section 46 থেকে 75 পর্যন্ত।

চতুর্থ ভাগ হলো তদন্ত (Investigation)। Section 154 থেকে 176 পর্যন্ত। FIR, Inquest এখানে।

পঞ্চম ভাগ হলো বিচার প্রক্রিয়া (Trial)। Summons Trial, Warrant Trial, Sessions Trial।

ষষ্ঠ ভাগ হলো আপিল ও রিভিশন (Appeal and Revision)। Section 404 থেকে 440 পর্যন্ত।

মনে রাখার টেকনিক: "প্রাথমিক, আদালত, গ্রেফতার, তদন্ত, বিচার, আপিল। ছয় ধাপে CrPC।"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: UN-এর শান্তিরক্ষা মিশনেও একই কাঠামো। প্রথমে পরিস্থিতি পর্যালোচনা (Preliminary), তারপর বাহিনী মোতায়েন (Courts), তারপর আটক (Arrest), তারপর তদন্ত, তারপর বিচার। CrPC এবং UN শান্তিরক্ষা কার্যত একই পথে হাঁটে।



## অধ্যায় ২: CrPC-র সংজ্ঞা এবং আদালত ব্যবস্থা

### Section 4 - সংজ্ঞাসমূহ

Section 4-এ CrPC-র গুরুত্বপূর্ণ শব্দগুলোর সংজ্ঞা দেওয়া আছে। পরীক্ষায় এই সংজ্ঞাগুলো থেকে প্রশ্ন আসে। বিগত ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ এবং ২০২৫ সালের পরীক্ষায় Section 4-এর সংজ্ঞা থেকে প্রশ্ন এসেছে।

সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ সংজ্ঞাগুলো হলো:

"Bailable offence" মানে হলো এমন অপরাধ যেটা CrPC-র First Schedule-এ Bailable হিসেবে দেখানো আছে এবং যে কোনো অন্য আইনে Bailable বলা হয়েছে। সহজ কথায়, যে অপরাধে সাধারণত জামিন পাওয়া যায়।

"Non-bailable offence" মানে হলো এমন অপরাধ যেটা Bailable নয়। অর্থাৎ জামিন পাওয়া কঠিন।

"Cognizable offence" মানে হলো এমন অপরাধ যেখানে পুলিশ বিনা ওয়ারেন্টে গ্রেফতার করতে পারে এবং বিনা আদেশে তদন্ত করতে পারে।

"Non-cognizable offence" মানে হলো এমন অপরাধ যেখানে পুলিশ বিনা ওয়ারেন্টে গ্রেফতার করতে পারে না এবং ম্যাজিস্ট্রেটের অনুমতি ছাড়া তদন্ত করতে পারে না।

মনে রাখার টেকনিক (BCNC ফর্মুলা): B = Bailable (জামিনযোগ্য), C = Cognizable (পুলিশ স্বতঃপ্রবৃত্তভাবে গ্রেফতার করতে পারে), N = Non-bailable (জামিনযোগ্য নয়), C = Non-cognizable (পুলিশ আদেশ ছাড়া গ্রেফতার করতে পারে না)।

আন্তর্জাতিক জোক: আন্তর্জাতিক সম্পর্কে "Cognizable" দেশ বলে কিছু নেই কিন্তু যদি থাকত তাহলে আমেরিকা হতো। কারণ আমেরিকা বিনা অনুমতিতেই যে কোনো দেশে সামরিক অভিযান চালায়। ঠিক যেমন Cognizable offence-এ পুলিশ বিনা ওয়ারেন্টে কাজ করে। আর রাশিয়া হতো Non-cognizable, কারণ সে অন্তত আনুষ্ঠানিক কারণ দেখায় (যদিও মিথ্যা)।

### Cognizable বনাম Non-cognizable (পরীক্ষায় সবচেয়ে বেশি আসে)

পরীক্ষায় সবচেয়ে বেশি আসা একটি পার্থক্য হলো Cognizable এবং Non-cognizable অপরাধের মধ্যে পার্থক্য। ২০১৫ থেকে ২০২৫ পর্যন্ত প্রতিটি পরীক্ষায় এই বিষয়ে কমপক্ষে একটি প্রশ্ন এসেছে।

Cognizable offence-এ পুলিশ যা করতে পারে: বিনা ওয়ারেন্টে গ্রেফতার করতে পারে। FIR নিতে পারে। বিনা ম্যাজিস্ট্রেটের অনুমতিতে তদন্ত শুরু করতে পারে।



Non-cognizable offence-এ পুলিশ যা করতে পারে না: বিনা ওয়ারেন্টে গ্রেফতার করতে পারে না। ম্যাজিস্ট্রেটের অনুমতি ছাড়া তদন্ত করতে পারে না।

উদাহরণ: হত্যা, ডাকাতি, ধর্ষণ এগুলো Cognizable। মানহানি (Defamation), প্রতারণার কিছু রূপ এগুলো Non-cognizable।

মনে রাখার ছন্দ: "হত্যা-ডাকাতি-ধর্ষণ, Cognizable পুলিশের কাজ। মানহানি-সাধারণ প্রতারণা, Non-cognizable আদালতে যাও।"

বিগত পরীক্ষার প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Cognizable offence এবং Non-cognizable offence-এর মধ্যে পার্থক্য লেখো।" উত্তরের মূল পয়েন্টগুলো হলো গ্রেফতারের ক্ষমতা, তদন্তের ক্ষমতা এবং FIR দেওয়ার বিষয়।

## Section 6 - আদালতের শ্রেণী বিভাগ

CrPC Section 6-এ ফৌজদারি আদালতের শ্রেণী আছে। এটা পরীক্ষায় প্রায়ই আসে। ২০১৭, ২০১৯, ২০২১ এবং ২০২৩ সালে এসেছে।

বাংলাদেশে ফৌজদারি আদালতের ক্রমশ:

সর্বোচ্চ আদালত হলো The Court of Session বা Sessions Court। এর নিচে রয়েছে Chief Metropolitan Magistrate Court এবং Metropolitan Magistrate Court। তারপর Chief Judicial Magistrate Court এবং Judicial Magistrate Court (First Class, Second Class, Third Class)।

তাছাড়া বিশেষ উদ্দেশ্যে Special Courts আছে: Women and Children Repression Prevention Tribunal, Speedy Trial Tribunal, Anti-Corruption Commission Court ইত্যাদি।

মনে রাখার টেকনিক: "Session সবার উপরে, ম্যাজিস্ট্রেট নিচে, বিশেষ আদালত পাশে।"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: UN Security Council-এ যেমন পাঁচটি স্থায়ী সদস্য আর অন্যান্য সদস্য আলাদা ক্ষমতার অধিকারী, বাংলাদেশের আদালতেও তেমনি Sessions Court আর Magistrate Court-এর আলাদা ক্ষমতা।

## Sessions Court-এর ক্ষমতা

Sessions Judge বা Sessions Court কত বছরের কারাদণ্ড দিতে পারে?

Sessions Court মৃত্যুদণ্ড পর্যন্ত দিতে পারে তবে মৃত্যুদণ্ড কার্যকর করতে High Court-এর অনুমোদন লাগে।

এটা পরীক্ষায় গুরুত্বপূর্ণ। বিগত ২০১৭ এবং ২০২১ সালে এসেছে।



মনে রাখার টেকনিক: "Session = সর্বোচ্চ শাস্তি দিতে পারে কিন্তু মৃত্যু দিলে High Court-এর সিল লাগে।"

### Magistrate-এর ক্ষমতা (পরীক্ষায় বেশি আসে)

ম্যাজিস্ট্রেটের শাস্তির ক্ষমতা শ্রেণী অনুযায়ী আলাদা। এটা পরীক্ষায় খুবই গুরুত্বপূর্ণ।

Chief Judicial Magistrate বা Chief Metropolitan Magistrate সর্বোচ্চ ৭ বছরের কারাদণ্ড দিতে পারে।

First Class Magistrate সর্বোচ্চ ৫ বছরের কারাদণ্ড দিতে পারে।

Second Class Magistrate সর্বোচ্চ ৩ বছরের কারাদণ্ড দিতে পারে।

Third Class Magistrate সর্বোচ্চ ১ বছরের কারাদণ্ড দিতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক: "Chief = সাত, First = পাঁচ, Second = তিন, Third = এক।" অথবা ভাবো ৭ ৫ ৩ ১ এই ক্রমটা।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৮ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "First Class Magistrate সর্বোচ্চ কত বছরের কারাদণ্ড দিতে পারে?" উত্তর: ৫ বছর।

২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Chief Judicial Magistrate এবং First Class Magistrate-এর দণ্ড দেওয়ার ক্ষমতার পার্থক্য কী?"

আন্তর্জাতিক জোক: ICC-তেও ৩০ বছরের বেশি কারাদণ্ড দেওয়া যায় না (অসাধারণ পরিস্থিতি ছাড়া)। বাংলাদেশের ম্যাজিস্ট্রেটেরও সীমা আছে। পার্থক্য হলো ICC-তে দেশের নেতারা যায়, বাংলাদেশের ম্যাজিস্ট্রেটে সাধারণ নাগরিকেরা যায়। যদিও মাঝেমাঝে মনে হয় বিষয়টা উল্টো হওয়া উচিত ছিল।

### অধ্যায় ৩: FIR - পরীক্ষার সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ বিষয়

#### FIR কী?

FIR মানে হলো First Information Report। বাংলায় বলা হয় প্রথম তথ্য বিবরণী বা এজাহার।

FIR হলো কোনো Cognizable অপরাধ সম্পর্কে পুলিশের কাছে দেওয়া প্রথম লিখিত তথ্য।

এটা পরীক্ষায় প্রায় প্রতি বছর আসে। ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ এবং ২০২৫ সালে FIR সম্পর্কে প্রশ্ন এসেছে।



## Section 154 - FIR

Section 154 হলো CrPC-র সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ ধারাগুলোর একটি।

Section 154(1) বলে: Cognizable অপরাধ সম্পর্কে মৌখিক বা লিখিত তথ্য Officer In Charge (OC)-এর কাছে দেওয়া হলে তিনি সেটা লিখে রাখবেন এবং তথ্যদাতাকে পড়ে শোনাবেন এবং সই নেবেন।

Section 154(2) বলে: এই FIR একটি বিশেষ বইতে (Station Diary বা Case Diary) লিখতে হবে।

Section 154(3) বলে: OC যদি FIR নিতে অস্বীকার করে তাহলে তথ্যদাতা সরাসরি SP (Superintendent of Police) বা District Magistrate-এর কাছে যেতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক: "FIR দিলে পুলিশ নেবে, না নিলে SP-র কাছে যাবে।"

### FIR-এর গুরুত্বপূর্ণ বৈশিষ্ট্য

FIR শুধু Cognizable offence-এর ক্ষেত্রে নেওয়া হয়। Non-cognizable offence-এর জন্য FIR নয়, সেখানে Complaint।

FIR পুলিশের তদন্তের ভিত্তি।

FIR-এ যে তথ্য দেওয়া হয় সেটা Evidence হিসেবে ব্যবহার করা যায়।

FIR দেওয়া নির্দিষ্ট সময়ের মধ্যে দেওয়া উচিত। দেরিতে FIR দেওয়া মামলা দুর্বল করে।

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: ICC-তে যখন কোনো অপরাধের রিপোর্ট আসে তখন প্রসিকিউটর প্রাথমিক তদন্ত শুরু করে। এটা অনেকটা FIR-এর মতো। পার্থক্য হলো ICC-তে রিপোর্ট দিতে পারে যে কেউ, বাংলাদেশে FIR দেয় সাধারণত ভিকটিম বা প্রত্যক্ষদর্শী।

মজার জোক: যখন ট্রাম্প দ্বিতীয়বার নির্বাচনে জেতার পর ICC-র বিচারকদের বিরুদ্ধে নিষেধাজ্ঞা আরোপ করল, তখন অনেকে বলল এটা "FIR না নেওয়ার আন্তর্জাতিক সংস্করণ।" OC যেমন FIR নিতে অস্বীকার করতে পারে, ট্রাম্পও তেমনি ICC-কে অস্বীকার করল।

### FIR-এর আইনি গুরুত্ব (Evidence হিসেবে)

এটা পরীক্ষায় একটু গভীর প্রশ্ন হিসেবে আসে।

FIR কি Evidence হিসেবে ব্যবহার করা যায়?





উত্তর হলো FIR নিজে প্রমাণ নয় কিন্তু এটাকে ব্যবহার করা যায় কয়েকভাবে। বাদীর বক্তব্য যাচাই করতে বা খণ্ডন করতে ব্যবহার করা যায়। FIR-এ অভিযুক্তের স্বীকারোক্তি থাকলে সেটা Evidence হতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক: "FIR নিজে প্রমাণ নয় কিন্তু প্রমাণে সাহায্য করে।"

## Charge Sheet (চার্জশীট)

FIR-এর পরে পুলিশ তদন্ত করে। তদন্ত শেষে পুলিশ দুটি কাজ করতে পারে:

প্রথমত যদি প্রমাণ থাকে তাহলে Charge Sheet বা Final Report (অভিযোগপত্র) দেয়। এতে বলা থাকে কাকে কাকে অভিযোগ করা হচ্ছে।

দ্বিতীয়ত যদি প্রমাণ না থাকে তাহলে Final Report দেয় যেটাতে বলা থাকে মামলা প্রমাণ হয়নি।

মনে রাখার টেকনিক: "FIR + তদন্ত = Charge Sheet (প্রমাণ থাকলে) বা Final Report (প্রমাণ না থাকলে)।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Charge Sheet এবং Final Report-এর পার্থক্য কী?"

## অধ্যায় ৪: গ্রেফতার (Arrest) - CrPC-র হৃদয়

### গ্রেফতার কী?

গ্রেফতার মানে হলো কাউকে আইনি কর্তৃত্বে হেফাজতে নেওয়া।

CrPC-তে গ্রেফতার সংক্রান্ত ধারাগুলো Section 46 থেকে শুরু হয়।

### Section 46 - গ্রেফতারের পদ্ধতি

Section 46 বলে: গ্রেফতার করতে হলে পুলিশ অফিসার বা ব্যক্তিকে ছুঁতে হবে বা আটক করতে হবে।

যদি অভিযুক্ত পালানোর চেষ্টা করে তাহলে পুলিশ বলপ্রয়োগ করতে পারে।

কিন্তু মনে রাখা: যে অপরাধে মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন কারাদণ্ড না হয় সেখানে গ্রেফতারে মৃত্যু ঘটানো যাবে না।

মনে রাখার টেকনিক: "গ্রেফতার = ছুঁয়ে আটক, পালালে বল প্রয়োগ, কিন্তু ছোট অপরাধে মেরে ফেলা যাবে না।"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: মিয়ানমারে রোহিঙ্গাদের গ্রেফতার সেনাবাহিনীর হাতে মৃত্যু ঘটায়। এটা CrPC Section 46-এর স্পষ্ট লঙ্ঘন হতো যদি বাংলাদেশে হতো। আন্তর্জাতিক আইনেও এটা Extra-judicial killing।



## Section 49 - গ্রেফতারের পরে কী করতে হবে?

Section 49 বলে: গ্রেফতার করা ব্যক্তিকে অহেতুক কষ্ট দেওয়া যাবে না।

Section 50 বলে: গ্রেফতার করা ব্যক্তিকে অভিযোগ জানাতে হবে।

Section 50A বলে: গ্রেফতার করা ব্যক্তির পরিবার বা বন্ধুকে গ্রেফতারের কথা জানাতে হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "গ্রেফতারের পরে তিন কাজ: কষ্ট দিও না, অভিযোগ জানাও, পরিবার জানাও।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে এসেছিল: "গ্রেফতার করা ব্যক্তির অধিকারগুলো কী?"

## Section 54 - বিনা ওয়ারেন্টে গ্রেফতার

Section 54 বলে: পুলিশ কোন কোন ক্ষেত্রে বিনা ওয়ারেন্টে গ্রেফতার করতে পারে:

প্রথমত Cognizable offence-এ জড়িত ব্যক্তিকে।

দ্বিতীয়ত যদি কেউ পালানোর চেষ্টা করে।

তৃতীয়ত যার কাছে চোরাই মাল আছে বলে যুক্তিসঙ্গত সন্দেহ আছে।

চতুর্থত যে ব্যক্তি সম্পর্কে কোনো আদালত গ্রেফতারি পরোয়ানা জারি করেছে।

পঞ্চমত মুক্তিপণ চাওয়া বা অপরাধী সংগঠনের সদস্য বলে সন্দেহ আছে।

মনে রাখার টেকনিক: "Cognizable, পলায়ন, চোরাই মাল, পরোয়ানা, সংগঠন। পাঁচটি কারণে বিনা পরোয়ানায় গ্রেফতার।"

আন্তর্জাতিক জোক: CIA-র "Extraordinary Rendition" প্রোগ্রামে বিদেশী দেশ থেকে মানুষ ধরে আনা হতো বিনা ওয়ারেন্টে। এটা Section 54-এর চরম লঙ্ঘন। কিন্তু আন্তর্জাতিক আইনে আমেরিকাকে কেউ ধরতে পারেনি। বাংলাদেশের পুলিশ Section 54 ছাড়া এই কাজ করলে ধরা পড়ে।

## Section 61 - গ্রেফতারের পরে ২৪ ঘণ্টার নিয়ম

এটা সংবিধানের সাথে সম্পর্কিত এবং পরীক্ষায় খুবই গুরুত্বপূর্ণ।

Section 61 বলে: গ্রেফতার করা প্রতিটি ব্যক্তিকে ২৪ ঘণ্টার মধ্যে ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে হাজির করতে হবে। ২৪ ঘণ্টার মধ্যে যদি ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে না নিয়ে যাওয়া হয় তাহলে গ্রেফতার বেআইনি হয়ে যায়।



মনে রাখার টেকনিক: "গ্রেফতার + ২৪ ঘন্টা = ম্যাজিস্ট্রেট।"

এই ২৪ ঘন্টার নিয়ম বাংলাদেশের সংবিধানের Article 33-তেও আছে। তাই এটা সাংবিধানিক অধিকারও।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "গ্রেফতারের পরে কত ঘন্টার মধ্যে ম্যাজিস্ট্রেটের কাছে নিয়ে যেতে হবে?" উত্তর: ২৪ ঘন্টা।

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: আমেরিকার Guantanamo Bay-তে বন্দিদের বছরের পর বছর বিনা বিচারে রাখা হয়েছে। CrPC-র Section 61 এবং বাংলাদেশের সংবিধান এটা সম্পূর্ণ অনুমোদন করে না।

## অধ্যায় ৫: জামিন (Bail) - পরীক্ষার সোনার খনি

### জামিন কী?

জামিন মানে হলো আদালতের শর্তে অভিযুক্তকে হেফাজত থেকে মুক্তি দেওয়া।

জামিন পরীক্ষায় সবচেয়ে বেশি আসা বিষয়গুলোর একটি। প্রতি বছর জামিন থেকে প্রশ্ন আসে।

### বিভিন্ন ধরনের জামিন

CrPC-তে তিন ধরনের জামিন আছে।

প্রথম ধরন হলো Regular Bail বা সাধারণ জামিন। Section 496, 497 এবং 498-এর অধীনে।

দ্বিতীয় ধরন হলো Anticipatory Bail বা অগ্রিম জামিন। Section 498A-র অধীনে (পরে যোগ করা হয়েছে)।

তৃতীয় ধরন হলো Bail on Surety বা জামানতদারসহ জামিন।

মনে রাখার টেকনিক: "RAA ফর্মুলা: Regular, Anticipatory, Assurance (Surety)।"

### Section 496 - Bailable offence-এ জামিন

Section 496 বলে: যে অপরাধ Bailable সেখানে জামিন পাওয়া অধিকার। পুলিশ বা আদালত বাধ্য।

মনে রাখার টেকনিক: "Bailable = জামিন পাওয়ার অধিকার, অস্বীকার করা যায় না।"

### Section 497 - Non-bailable offence-এ জামিন



Section 497 হলো CrPC-র সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section-গুলোর একটি। এটা প্রায় প্রতি বছরই পরীক্ষায় আসে। ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ এবং ২০২৫ সালে Section 497 থেকে প্রশ্ন এসেছে।

Section 497(1) বলে: Non-bailable offence-এ Sessions Court বা High Court Division জামিন দিতে পারে। ম্যাজিস্ট্রেটও দিতে পারে তবে কিছু বিধি-নিষেধ আছে।

Section 497(2) বলে: যেখানে অভিযুক্ত মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন কারাদণ্ডের অপরাধে অভিযুক্ত সেখানে ম্যাজিস্ট্রেট জামিন দিতে পারে না। শুধু Sessions Court বা High Court Division পারে।

Section 497(3) বলে: যদি অভিযুক্ত মহিলা হয়, বা অসুস্থ হয়, বা ১৬ বছরের কম বয়সী হয় তাহলে ম্যাজিস্ট্রেট তাদের জামিন দিতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক (WIC ফর্মুলা): W = Woman (মহিলা), I = Ill (অসুস্থ), C = Child under 16 (১৬ বছরের কম)। এই তিন ধরনের অভিযুক্তকে ম্যাজিস্ট্রেট Non-bailable offence-এও জামিন দিতে পারে।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Non-bailable offence-এ কে জামিন দিতে পারে?" উত্তর: Sessions Court এবং High Court Division। যদি অপরাধে মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন না থাকে তাহলে ম্যাজিস্ট্রেটও দিতে পারে।

২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "মহিলা অভিযুক্তকে Non-bailable offence-এ জামিন দেওয়ার বিধান কী?"

আন্তর্জাতিক জোক: ICC-তে কোনো অভিযুক্তকে বিচার শেষের আগে মুক্তি দেওয়া যায় কিনা? আইনত পারে না সহজে। কিন্তু বাংলাদেশের Section 497 অনেক বেশি উদার। মহিলা হলে জামিন পাওয়া সহজ। হয়তো ICC-তেও এই নিয়ম থাকা উচিত ছিল।

## Section 498 - High Court Division-এর জামিনের ক্ষমতা

Section 498 বলে: High Court Division যে কোনো মামলায় যে কোনো সময় জামিন দিতে পারে এবং জামিনের শর্ত নির্ধারণ করতে পারে।

এটা মূলত Special Power। High Court Division এমনকি Sessions Court-এর আদেশও বাতিল করে জামিন দিতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 498 = High Court-এর সর্বোচ্চ জামিন ক্ষমতা।"

## জামিনের শর্ত

জামিন পেলেই সব শেষ নয়। জামিনের সাথে শর্ত থাকে।



সাধারণ শর্তগুলো হলো: নির্দিষ্ট টাকার জামানত দেওয়া, দেশ ছেড়ে না যাওয়া, পাসপোর্ট জমা দেওয়া, নিয়মিত পুলিশ স্টেশনে হাজিরা দেওয়া, মামলার সাক্ষীদের প্রভাবিত না করা।

মনে রাখার টেকনিক: "জামিন পেলাম, দেশ ছাড়ব না, পাসপোর্ট দিলাম, হাজিরা দেব, সাক্ষীকে ছোঁব না।"

## অধ্যায় ৬: Inquest এবং তদন্ত - Section 174 এবং 176

### Section 174 - Inquest (মৃত্যু তদন্ত)

এটা পরীক্ষায় গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৮, ২০১৯, ২০২১ এবং ২০২৩ সালে এসেছে।

Section 174 বলে: যখন কোনো ব্যক্তির অস্বাভাবিক মৃত্যু হয় বা আত্মহত্যার সন্দেহ হয় তখন OC মৃতদেহ পরিদর্শন করবে এবং তদন্ত করবে।

OC তদন্তের পরে আদালতে Report দেবে।

মনে রাখার টেকনিক: "অস্বাভাবিক মৃত্যু = Section 174 Inquest।"

### Section 176 - Magistrate কর্তৃক Inquest

Section 176 বলে: যদি OC মনে করে মৃত্যুটি কোনো পুলিশ অফিসার কর্তৃক গুলি করার কারণে হয়েছে অথবা কোনো ব্যক্তির পুলিশ হেফাজতে মৃত্যু হয়েছে, তাহলে ম্যাজিস্ট্রেট নিজে Inquest করবে।

এটা পরীক্ষায় গুরুত্বপূর্ণ পার্থক্য।

মনে রাখার টেকনিক: "OC-র হাতে মরলে Magistrate তদন্ত করে।"

আন্তর্জাতিক জোক: ২০২৪-২৫ সালে বাংলাদেশে যখন ছাত্র আন্দোলনের সময় মৃত্যু হয়েছে তখন Section 176-এর Magistrate Inquest প্রযোজ্য হওয়া উচিত ছিল কারণ সরকারি বাহিনীর গুলিতে মৃত্যু হয়েছে বলে অভিযোগ। ICC-তেও এই ধরনের তদন্ত হয়।

## অধ্যায় ৭: Charge (অভিযোগ) এবং Charge Framing

### Charge কী?

Charge হলো আদালতের দেওয়া আনুষ্ঠানিক অভিযোগ। এটা FIR বা Complaint-এর পরে আদালত দেয়।



Charge Framing মানে হলো আদালত রাষ্ট্রপক্ষের সাক্ষ্য পড়ে সিদ্ধান্ত নেওয়া যে অভিযুক্তের বিরুদ্ধে অভিযোগটা টেকসই কিনা।

## Section 221 - একাধিক Charge

Section 221 বলে: একটি মামলায় একাধিক অভিযোগ থাকতে পারে।

Section 222 বলে: একই মামলায় একই লেনদেন বা ঘটনা থেকে উদ্ভব হওয়া একাধিক অপরাধের জন্য একসাথে বিচার করা যায়।

মনে রাখার টেকনিক: "একই ঘটনা, একই মামলা, একাধিক অভিযোগ।"

## Section 241A - Charge Framing

Section 241A বলে: Charge Framing-এর আগে ম্যাজিস্ট্রেট পরীক্ষা করবে রাষ্ট্রপক্ষের উপাদান যথেষ্ট কিনা। যদি যথেষ্ট না হয় তাহলে Discharge (অব্যাহতি) দেওয়া হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "Charge Framing = অভিযোগ দাঁড়ানো। Discharge = অভিযোগ না দাঁড়ানো।"

---

## অধ্যায় ৮: বিচার প্রক্রিয়া - তিন ধরনের Trial

### তিন ধরনের Trial মনে রাখো

CrPC-তে তিন ধরনের বিচার আছে:

প্রথম ধরন হলো Summons Trial। ছোট অপরাধের বিচার।

দ্বিতীয় ধরন হলো Warrant Trial। মাঝারি অপরাধের বিচার।

তৃতীয় ধরন হলো Sessions Trial। গুরুতর অপরাধের বিচার।

মনে রাখার ছন্দ: "ছোট = Summons, মাঝারি = Warrant, বড় = Sessions।"

### Summons Trial (Section 251-259)

Summons Trial-এ বিচার হয় যখন অপরাধের শাস্তি সর্বোচ্চ ২ বছরের কম।

এই বিচারে পুরো প্রক্রিয়া সহজ এবং দ্রুত।



মনে রাখার টেকনিক: "Summons = দুই বছরের কম শাস্তির মামলা।"

### **Warrant Trial (Section 238-250)**

Warrant Trial হয় যেসব মামলায় শাস্তি ২ বছরের বেশি কিন্তু Sessions-এ যায় না।

এতে Charge Framing হয়, সাক্ষ্য নেওয়া হয়, যুক্তিতর্ক হয়।

মনে রাখার টেকনিক: "Warrant = দুই বছরের বেশি, Sessions-এর কম।"

### **Sessions Trial (Section 265A-265L)**

Sessions Trial হয় গুরুতর অপরাধে। মৃত্যুদণ্ড, যাবজ্জীবন বা ১০ বছরের বেশি শাস্তির মামলা।

এটা সবচেয়ে দীর্ঘ এবং বিস্তারিত বিচার প্রক্রিয়া।

মনে রাখার টেকনিক: "Sessions = গুরুতর মামলা, বেশি শাস্তি।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Summons Trial এবং Warrant Trial-এর পার্থক্য কী?"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: ICC-তে সবচেয়ে গুরুতর অপরাধের বিচার হয়। এটা Sessions Trial-এর মতো। ছোট দেশীয় আদালতে Summons বা Warrant Trial হয়।

## **অধ্যায় ৯: Confession এবং Statement - CrPC-র দৃষ্টিকোণ থেকে**

### **Confession to Magistrate (Section 164)**

Section 164 হলো CrPC-র একটি অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ ধারা। প্রতি বছর পরীক্ষায় আসে।

Section 164 বলে: যে কোনো ব্যক্তি ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে স্বেচ্ছায় স্বীকারোক্তি দিতে পারে।

স্বীকারোক্তি দেওয়ার আগে ম্যাজিস্ট্রেট ব্যক্তিকে জানাবে যে তাকে স্বীকার করতে বাধ্য করা হচ্ছে না এবং স্বীকারোক্তি তার বিরুদ্ধে প্রমাণ হিসেবে ব্যবহার হতে পারে।

ম্যাজিস্ট্রেট একটি নির্দিষ্ট সময় দেবে যেন ব্যক্তি ভেবে সিদ্ধান্ত নিতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 164 = ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে স্বীকারোক্তি। তিন পদক্ষেপ: জানানো, সময় দেওয়া, লেখা।"



এই Section-এর সাথে Evidence Act-এর Section 25 এবং 26-এর সম্পর্ক মনে রাখাঃ পুলিশের কাছে Confession গ্রহণযোগ্য নয় (Section 25)। পুলিশ হেফাজতে Confession গ্রহণযোগ্য নয় (Section 26)। কিন্তু ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে Confession গ্রহণযোগ্য।

বিগত সালের প্রশ্নঃ ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিলঃ "Section 164-এর অধীনে Confession কীভাবে নেওয়া হয়?"  
২০২৩ সালে এসেছিলঃ "Evidence Act-এর Section 25 এবং CrPC-র Section 164-এর মধ্যে সম্পর্ক কী?"

### Section 164-এর অধীনে Statement

শুধু Confession নয়, Section 164-এর অধীনে ম্যাজিস্ট্রেট সাক্ষীর Statement-ও নিতে পারে।

এটা গুরুত্বপূর্ণ কারণ পরবর্তী বিচারে সাক্ষী যদি তার বক্তব্য পরিবর্তন করে তাহলে এই লিখিত Statement দেখানো যায়।

মনে রাখার টেকনিকঃ "Section 164 = অভিযুক্তের Confession + সাক্ষীর Statement।"

---

### অধ্যায় ১০: আপিল এবং রিভিশন

#### আপিল কোথায় করে?

CrPC-তে আপিলের বিধান আছে Section 404 থেকে।

ম্যাজিস্ট্রেটের রায়ের বিরুদ্ধে আপিল যায় Sessions Court-এ।

Sessions Court-এর রায়ের বিরুদ্ধে আপিল যায় High Court Division-এ।

High Court Division-এর রায়ের বিরুদ্ধে আপিল যায় Appellate Division-এ।

মনে রাখার টেকনিকঃ "ম্যাজিস্ট্রেট থেকে Sessions, Sessions থেকে High Court, High Court থেকে Appellate Division।"

#### Section 435 - Revision

Revision হলো আপিলের বিকল্প নয়, বরং পরিপূরক।

Section 435 বলেঃ High Court Division বা Sessions Court যে কোনো সময় নিম্ন আদালতের কার্যক্রম পরীক্ষা করতে পারে।





Revision-এ শুধু আইনগত ভুল সংশোধন হয়, তথ্যগত ভুল নয়।

মনে রাখার টেকনিক: "Appeal = রায়ের বিরুদ্ধে। Revision = আইনগত ভুলের বিরুদ্ধে।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Appeal এবং Revision-এর মধ্যে পার্থক্য কী?"

### Section 439 - High Court-এর Revisional Power

Section 439 বলে: High Court Division যে কোনো Criminal মামলায় Revision করতে পারে।

এটা একটি বিস্তৃত ক্ষমতা।

### অধ্যায় ১১: CrPC-র বিশেষ গুরুত্বপূর্ণ Sections

#### Section 144 - এলাকায় শান্তি রক্ষার আদেশ

Section 144 হলো CrPC-র সবচেয়ে আলোচিত ধারাগুলোর একটি।

Section 144 বলে: যখন কোনো এলাকায় দাঙ্গা বা অশান্তির আশঙ্কা থাকে তখন District Magistrate বা নির্দিষ্ট কর্তৃপক্ষ উক্ত এলাকায় সমাবেশ, মিছিল বা নির্দিষ্ট কার্যক্রম নিষিদ্ধ করতে পারে।

Section 144-এর আদেশ দুই মাস পর্যন্ত কার্যকর থাকতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 144 = সভা-সমাবেশ নিষিদ্ধ করার আদেশ।"

আন্তর্জাতিক জোক: ২০২৪ সালের জুলাই-আগস্টে বাংলাদেশে Section 144 জারি করা হয়েছিল। কিন্তু ছাত্ররা মানেনি। ICC-র নিরাপত্তা পরিষদের রেজুলেশন মানতে রাশিয়া যেমন অস্বীকার করে, ছাত্ররাও Section 144 সেভাবে অস্বীকার করেছিল। পার্থক্য হলো ছাত্ররা ইতিহাস বদলে দিয়েছে, আর রাশিয়া এখনো চেষ্টা করছে।

#### Section 133 - Nuisance দূর করার আদেশ

Section 133 বলে: District Magistrate বা Sub-divisional Magistrate যদি দেখেন কোনো কাজ বা বস্তু জনস্বার্থ বা জনস্বাস্থ্যের জন্য ক্ষতিকর তাহলে সেটা দূর করার আদেশ দিতে পারেন।

উদাহরণ: কোনো কারখানার ধোঁয়া যদি এলাকাবাসীর ক্ষতি করে তাহলে Magistrate Section 133-এর অধীনে কারখানা বন্ধ বা ধোঁয়া কমানোর আদেশ দিতে পারেন।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 133 = জনস্বার্থে Nuisance দূর করার আদেশ।"



## Section 107 - ঝামেলা প্রতিরোধ

Section 107 বলে: যখন কোনো ব্যক্তি শাস্তি ভঙ্গ বা রায়ট করার সম্ভাবনা আছে বলে মনে হয় তখন Magistrate তাকে নির্দিষ্ট সময়ের জন্য শাস্তিভঙ্গ না করার শর্তে মুক্তি দিতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 107 = ভবিষ্যৎ ঝামেলা প্রতিরোধ।"

## Section 127 - সমাবেশ ছত্রভঙ্গ করার আদেশ

Section 127 বলে: যখন পাঁচ বা তার বেশি মানুষ বেআইনি সমাবেশে জড়িত হয় তখন Magistrate বা পুলিশ সেটা ছত্রভঙ্গ করার আদেশ দিতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক: "পাঁচ বা বেশি মানুষ = বেআইনি সমাবেশ = Section 127।"

আন্তর্জাতিক জোক: যখন UN General Assembly-তে ১৯৩টি দেশ একসাথে বসে সেটা কি বেআইনি সমাবেশ? Section 127 অনুযায়ী পাঁচ বা বেশি মানুষ হলে সমস্যা। কিন্তু এটা আন্তর্জাতিক আইনে। তাছাড়া সেখানে কোনো ম্যাজিস্ট্রেট নেই আদেশ দেওয়ার।

---

## অধ্যায় ১২: CrPC-র সম্পূর্ণ Shortcut Summary

### CrPC-র শীর্ষ ২৫টি Section (পরীক্ষার জন্য)

পরীক্ষায় বেশি আসা Section-গুলোর তালিকা:

Section 4 থেকে সংজ্ঞা। বিশেষত Cognizable, Non-cognizable, Bailable, Non-bailable।

Section 6 থেকে আদালতের শ্রেণী।

Section 22 থেকে কোন ম্যাজিস্ট্রেট কত শাস্তি দিতে পারে।

Section 46 থেকে গ্রেফতারের পদ্ধতি।

Section 49 থেকে গ্রেফতারের পরে কী করতে হবে।

Section 50A থেকে পরিবারকে জানানো।

Section 54 থেকে বিনা পরোয়ানায় গ্রেফতার।



Section 61 থেকে ২৪ ঘণ্টার নিয়ম।

Section 107 থেকে বামেলা প্রতিরোধ।

Section 127 থেকে সমাবেশ ছত্রভঙ্গ।

Section 133 থেকে Nuisance দূর করা।

Section 144 থেকে সমাবেশ নিষিদ্ধ আদেশ।

Section 154 থেকে FIR।

Section 164 থেকে ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে Confession।

Section 174 থেকে Inquest।

Section 176 থেকে Magistrate Inquest।

Section 221-222 থেকে একাধিক Charge।

Section 241A থেকে Charge Framing।

Section 265A থেকে Sessions Trial।

Section 404 থেকে Appeal।

Section 435 থেকে Revision।

Section 439 থেকে High Court-এর Revision।

Section 496 থেকে Bailable অপরাধে জামিন।

Section 497 থেকে Non-bailable অপরাধে জামিন।

Section 498 থেকে High Court-এর জামিন ক্ষমতা।

মনে রাখার বিশেষ টেকনিকঃ এই Section-গুলো মনে রাখার জন্য একটি গল্প মনে করো। "পুলিশ এল (Section 46-54), ২৪ ঘণ্টার মধ্যে নিল (Section 61), ম্যাজিস্ট্রেট Confession নিল (Section 164), FIR হলো (Section 154), জামিন চাওয়া হলো (Section 496-498), বিচার হলো (Section 241A), আপিল হলো (Section 404)।"



---

## অধ্যায় ১৩: The Penal Code, 1860 - পরিচয় এবং সাধারণ বিধান

### Penal Code কী?

Penal Code 1860 হলো বাংলাদেশে ফৌজদারি অপরাধের সংজ্ঞা এবং শাস্তির বিধান সম্পর্কিত আইন। এটা ১৮৬০ সালে ব্রিটিশ ভারতে প্রণীত হয় এবং এখনো কার্যকর।

Penal Code-এ মোট ৫১১টি ধারা (Section) আছে।

পরীক্ষায় Penal Code থেকে ২০ নম্বরের MCQ প্রশ্ন আসে।

মনে রাখার টেকনিক: "Penal Code = পাপের হিসাব বই। ৫১১ ধারা, ৫১১টি পাপের শাস্তি।"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: ICC-র Rome Statute-এ তিন ধরনের অপরাধ আছে: Genocide, Crimes against Humanity এবং War Crimes। এগুলোর সংজ্ঞা আন্তর্জাতিক আইনে। বাংলাদেশের Penal Code সাধারণ অপরাধের সংজ্ঞা দেয়। পার্থক্য হলো ICC-তে রাষ্ট্রীয় নেতারা, Penal Code-এ সাধারণ নাগরিকেরা বিচার হয়।

### Penal Code-এর মূল কাঠামো

Penal Code-কে কয়েকটি ভাগে ভাগ করে বোঝা সহজ।

প্রথম ভাগ হলো প্রারম্ভিক বিধান (Chapter I থেকে V)। এতে সংজ্ঞা এবং সাধারণ ব্যাখ্যা আছে।

দ্বিতীয় ভাগ হলো General Exceptions (Chapter IV)। এতে কখন শাস্তি নেই সেটা আছে।

তৃতীয় ভাগ হলো রাষ্ট্রের বিরুদ্ধে অপরাধ (Chapter VI)। রাষ্ট্রদ্রোহ, যুদ্ধ ইত্যাদি।

চতুর্থ ভাগ হলো মানুষের বিরুদ্ধে অপরাধ (Chapter XVI)। হত্যা, ধর্ষণ ইত্যাদি।

পঞ্চম ভাগ হলো সম্পত্তির বিরুদ্ধে অপরাধ (Chapter XVII)। চুরি, ডাকাতি ইত্যাদি।

মনে রাখার টেকনিক: "প্রারম্ভিক, ব্যতিক্রম, রাষ্ট্র, মানুষ, সম্পত্তি। পাঁচ ভাগে Penal Code।"

---

## অধ্যায় ১৪: Penal Code-এর সংজ্ঞা এবং সাধারণ ব্যাখ্যা

### Section 11 - কে "Person"?

১৯৮ বার কাউন্সিল এনবোলমেন্ট প্রবীক্ষার শর্টকাট মাস্টার গাইড — © 2026 S M Nazmuz Sakib. All rights reserved. No part of this work may be copied, reproduced, or distributed without prior written permission. DOI: 10.5281/zenodo.19494434



Section 11 বলে: "Person" মানে Company এবং Association সহ।

এটা পরীক্ষায় আসে কারণ কেউ ভাবতে পারে Company কি অপরাধী হতে পারে? উত্তর হলো হ্যাঁ, Section 11-এর কারণে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 11 = Company-ও ব্যক্তি।"

### Section 17 - "Government"

Section 17 বলে "Government" মানে Central Government এবং Provincial Government।

### Section 21 - "Public Servant" (পরীক্ষায় গুরুত্বপূর্ণ)

Section 21 "Public Servant"-এর সংজ্ঞা দেয়।

এটা পরীক্ষায় গুরুত্বপূর্ণ কারণ Public Servant-এর বিরুদ্ধে অপরাধের ক্ষেত্রে বিশেষ বিধান আছে।

Section 21 অনুযায়ী Public Servant হলো যারা সরকারি কাজে নিয়োজিত। বিচারক, সরকারি কর্মকর্তা, সেনা সদস্য এই তালিকায় আছে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 21 = Public Servant = সরকারি কাজে।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Penal Code Section 21 অনুযায়ী Public Servant কে?"

### Section 34 - Common Intention (মৌখ অভিপ্রায়)

Section 34 হলো পরীক্ষায় সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ একটি Section। প্রতি বছর আসে।

Section 34 বলে: যখন অনেক ব্যক্তি একটি Common Intention নিয়ে একসাথে কোনো কাজ করে তখন সেই কাজের জন্য প্রত্যেকে সমানভাবে দায়ী।

মনে রাখার টেকনিক: "একসাথে পরিকল্পনা + একসাথে কাজ = Section 34, সবাই সমান দায়ী।"

উদাহরণ: করিম, রহিম এবং জব্বার একসাথে পরিকল্পনা করে একটি দোকান ডাকাতি করতে গেল। করিম দরজা ভাঙল, রহিম মাল নিল, জব্বার বাইরে পাহারা দিল। ডাকাতি হলো। Section 34 অনুযায়ী তিনজনই ডাকাতির অপরাধী, যদিও জব্বার ভেতরে ছিল না।

আন্তর্জাতিক জোক: যখন ন্যাটো আফগানিস্তানে অভিযান চালাল তখন ৫০টির বেশি দেশ জড়িত ছিল। Section 34 অনুযায়ী সবাই সমান দায়ী। কিন্তু আন্তর্জাতিক আইনে এই নীতি ততটা সহজে প্রযোজ্য নয়।



বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Section 34-এর Common Intention মানে কী?" ২০২১ সালে এসেছিল: "Section 34 এবং Section 149-এর পার্থক্য কী?"

### Section 34 এবং Section 149-এর পার্থক্য (পরীক্ষায় প্রায়ই আসে)

Section 34 হলো Common Intention। কয়জন লোক লাগে না নির্দিষ্টভাবে, Common Intention থাকলেই হয়।

Section 149 হলো Common Object-এর ক্ষেত্রে। এখানে কমপক্ষে ৫ জন লাগে। Unlawful Assembly-র ক্ষেত্রে প্রযোজ্য।

মনে রাখার পার্থক্য: Section 34 = যে কোনো সংখ্যায়, Common Intention। Section 149 = ৫ বা তার বেশি, Common Object।

### Section 35 এবং 36 - একাধিক ব্যক্তির অপরাধে শাস্তি

Section 35 বলে: যখন একাধিক ব্যক্তি একই ফলাফলের জন্য কাজ করে তখন প্রত্যেকের ভিন্ন ভিন্ন উদ্দেশ্য থাকলেও আলাদা শাস্তি।

Section 36 বলে: যে অপরাধ আংশিকভাবে একজন করেছে এবং আংশিকভাবে আরেকজন করেছে তখন উভয়ই দায়ী।

---

## অধ্যায় ১৫: General Exceptions - Chapter IV (পরীক্ষার সোনার ভান্ডার)

General Exceptions হলো Penal Code-এর সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ অংশগুলোর একটি। এখানে বলা হয়েছে কোন পরিস্থিতিতে একজন মানুষ অপরাধ করলেও শাস্তি পাবে না।

General Exceptions মনে রাখার গল্প: মনে করো তুমি একটি দেশের নিরাপত্তা পরিষদে প্রতিনিধি। তোমার হাতে অনেক ক্ষমতা আছে। কিন্তু সবকিছুর জন্য শাস্তি নেই। কখন শাস্তি নেই সেটাই General Exceptions।

### Section 76 - Mistake of Fact

Section 76 বলে: যদি কেউ আইনের বাধ্যবাধকতায় কোনো কাজ করে এবং সে মনে করে সৎ বিশ্বাসে (Bona Fide) যে সেই কাজটি করা তার আইনি কর্তব্য তাহলে সে শাস্তি পাবে না।

উদাহরণ: একজন সৈনিক উচ্চতর কর্মকর্তার আদেশে গুলি করল এবং সে মনে করল আদেশটা বৈধ। পরে দেখা গেল আদেশটা বেআইনি ছিল। যদি সৈনিক সৎ বিশ্বাসে কাজ করে তাহলে Section 76-এর সুরক্ষা পাবে।



মনে রাখার টেকনিক: "Section 76 = সৎ বিশ্বাসে করলে মফ।"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: নুরেমবার্গ ট্রায়ালে নাৎসি যুদ্ধাপরাধীরা বলেছিল "আমরা শুধু আদেশ মানছিলাম।" আদালত বলল এই যুক্তি চলবে না। ICC-তেও "Following Orders" কোনো Defense নয়। কিন্তু বাংলাদেশের Penal Code-এ Section 76 কিছুটা রক্ষা করে যদি সৎ বিশ্বাস থাকে।

## Section 78 - আদালতের আদেশ মেনে কাজ

Section 78 বলে: যদি কেউ আদালতের আদেশ মেনে কোনো কাজ করে সে শাস্তি পাবে না।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 78 = আদালতের আদেশ = মফ।"

## Section 79 - Mistake of Fact

Section 79 বলে: যদি কেউ সৎ বিশ্বাসে মনে করে যে তার কাজটা আইনসম্মত কিন্তু আসলে তথ্যগত ভুলের কারণে তা হয়নি তাহলে সে শাস্তি পাবে না।

মনে রাখার পার্থক্য: Section 76 = আইনি ভুল (Mistake of Law সম্পর্কিত)। Section 79 = তথ্যগত ভুল (Mistake of Fact সম্পর্কিত)।

## Section 80 - দুর্ঘটনা

Section 80 বলে: যদি কোনো কাজে দুর্ঘটনাবশত কেউ আহত বা নিহত হয় এবং কাজটি বৈধভাবে আইনি উপায়ে করা হচ্ছিল তাহলে শাস্তি নেই।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 80 = দুর্ঘটনায় মফ।"

উদাহরণ: একজন ছুতার কাঠ কাটছে। কুড়াল হাতছাড়া হয়ে পাশে দাঁড়ানো মানুষের মাথায় লাগল। এটা দুর্ঘটনা। Section 80-এর কারণে সে দায়মুক্ত।

## Section 81 - প্রয়োজনীয়তা

Section 81 বলে: যদি কোনো কাজ বৃহত্তর ক্ষতি এড়াতে করতে হয় তাহলে ছোট ক্ষতি করলেও শাস্তি নেই।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 81 = বড় বিপদ এড়াতে ছোট ক্ষতি = মফ।"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: Hiroshima-Nagasaki-তে পারমাণবিক বোমা ফেলা কি Section 81-এর আওতায় আসে? আমেরিকা বলেছে এটা যুদ্ধ দ্রুত শেষ করতে করা হয়েছে। কিন্তু ICC বলে মানবতার বিরুদ্ধে অপরাধে কোনো "Necessity" Defense নেই।



## Section 82 - শিশুর অপরাধ

Section 82 বলে: ৯ বছরের কম বয়সী শিশু কোনো অপরাধ করলে দোষী নয়।

মনে রাখার টেকনিক: "৯ বছরের নিচে = সম্পূর্ণ মারফ।"

## Section 83 - শিশুর বিচার্য অপরাধ

Section 83 বলে: ৯ থেকে ১২ বছর বয়সী শিশু যদি বুঝতে না পারে তার কাজটি অপরাধ তাহলে সে দোষী নয়।

মনে রাখার পার্থক্য: ৯ বছরের নিচে = সম্পূর্ণ মারফ (Section 82)। ৯ থেকে ১২ বছর = বুঝলে দোষী, না বুঝলে মারফ (Section 83)। ১২ বছরের উপরে = সাধারণ নিয়মে বিচার।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Section 82 এবং Section 83-এর পার্থক্য কী?" ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "১০ বছর বয়সী শিশু চুরি করলে কি সে দোষী?"

## Section 84 - মানসিক অসুস্থতা (Unsoundness of Mind)

Section 84 হলো General Exceptions-এর সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section। প্রতি বছর পরীক্ষায় আসে।

Section 84 বলে: যদি কেউ মানসিক অসুস্থতার কারণে কাজের প্রকৃতি বুঝতে না পারে বা বুঝলেও সেটা ভুল কিনা বুঝতে না পারে তাহলে সে দোষী নয়।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 84 = পাগল = মারফ (যদি পাগলামির সময়ে কাজ করে)।"

সতর্কতা: Section 84 প্রযোজ্য হওয়ার জন্য কাজের সময় মানসিক অসুস্থ থাকতে হবে। পরে পাগল হলে চলবে না।

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: ICC-তেও Mental Disorder একটি Defense হতে পারে। কিন্তু এটা খুব কঠিন প্রমাণ করতে। বাংলাদেশেও Section 84 প্রমাণ করা কঠিন।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Section 84-এর প্রয়োজনীয় শর্তগুলো কী?" ২০২৩ সালে এসেছিল: "Insanity কখন Criminal Liability থেকে মুক্ত করে?"

## Section 85 - মাদকাসক্তি (Intoxication)

Section 85 বলে: যদি কাউকে তার অজান্তে বা জোর করে মাদক দেওয়া হয় এবং সে সেই অবস্থায় কোনো অপরাধ করে তাহলে সে মারফ।





মনে রাখার টেকনিক: "Section 85 = জোর করে মাদক = মাফ।"

কিন্তু সতর্কতা: যদি নিজে ইচ্ছাকৃতভাবে মাদক নিয়ে তারপর অপরাধ করে তাহলে Section 85 প্রযোজ্য নয়। Section 86 সেটা বলে।

মনে রাখার পার্থক্য: Section 85 = জোর করে মাদক = মাফ। Section 86 = ইচ্ছাকৃতভাবে মাদক = মাফ নেই।

## Section 87 - সম্মতি

Section 87 বলে: যদি কেউ নিজের ক্ষতির জন্য সম্মতি দেয় তাহলে অন্যকে শাস্তি দেওয়া যায় না।

উদাহরণ: দুই বন্ধু মারামারি খেলছে। উভয়েই সম্মতিতে খেলছে। আঘাত লাগলে Section 87 প্রযোজ্য। কিন্তু মৃত্যু হলে সম্মতি রক্ষা করে না।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 87 = নিজের ক্ষতিতে সম্মতি দিলে অন্যের দায় নেই।"

## Section 96-106 - আত্মরক্ষা (Right of Private Defence)

এটা পরীক্ষায় অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। প্রতি বছর আসে।

Section 96 বলে: আত্মরক্ষায় করা কাজ কোনো অপরাধ নয়।

Section 97 বলে: আত্মরক্ষার অধিকার দুটি: নিজের শরীর রক্ষা এবং সম্পত্তি রক্ষা।

Section 99 বলে: আত্মরক্ষার অধিকারের সীমাবদ্ধতা। যে ক্ষতি থেকে রক্ষা পেতে চাইছে তার বাইরে বল প্রয়োগ করা যাবে না। আত্মরক্ষার সুযোগ থাকলে কোনো কাজ করা যাবে না।

Section 100 বলে: কখন আত্মরক্ষায় হত্যা করা যায়।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 96-106 = আত্মরক্ষার বিধান।"

Section 100-এর মনে রাখার বিষয়: আত্মরক্ষায় হত্যা করা যায় যখন:

প্রথমত মৃত্যু বা গুরুতর আঘাতের আশঙ্কা থাকে।

দ্বিতীয়ত ধর্ষণের আশঙ্কা থাকে।

তৃতীয়ত অপহরণের আশঙ্কা থাকে।

চতুর্থত অপ্রকৃত ব্যক্তি দ্বারা আক্রমণের আশঙ্কা থাকে।



পঞ্চমত কিডন্যাপের আশঙ্কা থাকে।

ষষ্ঠত অ্যাসিড নিষ্ক্ষেপের আশঙ্কা থাকে।

মনে রাখার টেকনিক (MRRAKA ফর্মুলা): M = Murder threat (মৃত্যুর আশঙ্কা), R = Rape threat (ধর্ষণের আশঙ্কা), R = Robbery/armed assault, A = Abduction/Kidnapping, K = Kidnap, A = Acid attack।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৮ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Right of Private Defence কী এবং কখন হত্যা করা যায়?"  
২০২১ সালে এসেছিল: "Section 99 অনুযায়ী Right of Private Defence-এর সীমাবদ্ধতা কী?"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: UN Charter-এর Article 51-এ আত্মরক্ষার অধিকার আছে। ইসরাইল সবসময় এই Article 51 উদ্ধৃত করে ফিলিস্তিনে হামলা করে। কিন্তু আন্তর্জাতিক বিশেষজ্ঞরা বলেন আত্মরক্ষার সীমা ছাড়িয়ে যাওয়া হয়েছে। বাংলাদেশের Section 99 বলে আত্মরক্ষার সীমা ছাড়িয়ে যাওয়া যাবে না। এটা দুই ক্ষেত্রেই মিলে যায়।

## অধ্যায় ১৬: হত্যা সংক্রান্ত অপরাধ - Chapter XVI

### Section 299 - Culpable Homicide (দণ্ডযোগ্য নরহত্যা)

Section 299 হলো পরীক্ষার অন্যতম গুরুত্বপূর্ণ Section।

Section 299 বলে: Culpable Homicide হলো যখন কেউ জেনেশুনে এবং ইচ্ছাকৃতভাবে মৃত্যু ঘটায় অথবা মৃত্যু ঘটানোর সম্ভাবনা আছে জেনেও কাজ করে।

মনে রাখার টেকনিক: "Culpable = জেনেশুনে + ইচ্ছাকৃতভাবে।"

### Section 300 - Murder (হত্যা)

Section 300 বলে: Culpable Homicide হলো Murder যখন:

প্রথমত মৃত্যু ঘটানোর উদ্দেশ্যে কাজ করা হয়।

দ্বিতীয়ত যে কাজে মৃত্যু হবে জেনে করা হয়।

তৃতীয়ত শারীরিক আঘাতের উদ্দেশ্যে কাজ করা হয় এবং সেই আঘাতে মৃত্যু স্বাভাবিক।

চতুর্থত যে কাজে মৃত্যু প্রায় নিশ্চিত তা জেনেও করা হয়।



মনে রাখার টেকনিক: "Murder = উদ্দেশ্য + জ্ঞান + স্বাভাবিক পরিণতি।"

### **Culpable Homicide এবং Murder-এর পার্থক্য (পরীক্ষায় সবচেয়ে বেশি আসে)**

এটা প্রতি বছর পরীক্ষায় আসে। ২০১৫ থেকে ২০২৫ পর্যন্ত প্রতিটি পরীক্ষায় এই পার্থক্য এসেছে।

Murder মানে Culpable Homicide কিন্তু সব Culpable Homicide Murder নয়।

মনে রাখার ছন্দ: "সব হত্যাই Culpable Homicide, কিন্তু সব Culpable Homicide Murder নয়। Murder হলো বিশেষ Culpable Homicide।"

উদাহরণ দিয়ে বোঝা: রহিম বন্দুক দিয়ে করিমকে গুলি করল মারার উদ্দেশ্যে। এটা Murder কারণ উদ্দেশ্য স্পষ্ট।

জামাল গাড়ি চালাচ্ছে। হঠাৎ ব্রেক ফেল। একজন মানুষ মারা গেল। এটা Culpable Homicide কিন্তু Murder নয় কারণ হত্যার উদ্দেশ্য নেই।

আন্তর্জাতিক জোক: ICC-তেও Genocide এবং Crimes against Humanity-র মধ্যে পার্থক্য আছে। সব Crimes against Humanity Genocide নয়। ঠিক যেমন সব Culpable Homicide Murder নয়। আইনে শব্দের পার্থক্য বিশাল।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Murder এবং Culpable Homicide-এর পার্থক্য কী?" ২০২৩ সালে এসেছিল: "Section 299 এবং Section 300-এর মধ্যে সম্পর্ক ব্যাখ্যা করো।"

### **Section 300-এর Exceptions (বিশেষ ব্যতিক্রম)**

Section 300-এ পাঁচটি Exception আছে। এই পরিস্থিতিতে Murder হলেও Culpable Homicide হয় যা কম গুরুতর।

Exception 1 হলো Grave and Sudden Provocation। কেউ যদি প্রচণ্ড উত্তেজনায় হত্যা করে তাহলে Murder নয়।

Exception 2 হলো Right of Private Defence। আত্মরক্ষায় অতিরিক্ত বল প্রয়োগ।

Exception 3 হলো Public Servant। সরকারি কর্মকর্তা দায়িত্ব পালনে হত্যা করলে।

Exception 4 হলো হঠাৎ ঝগড়া। প্রাক-পরিকল্পনা ছাড়া ঝগড়ায় হত্যা।

Exception 5 হলো সম্মতি। ভিকটিমের সম্মতিতে হত্যা।



মনে রাখার টেকনিক (GPPSC ফর্মুলা): G = Grave Provocation, P = Private Defence, P = Public Servant, S = Sudden Quarrel, C = Consent।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Section 300-এর Exceptions গুলো কী?" ২০২১ সালে এসেছিল: "Grave and Sudden Provocation কখন Murder-কে Culpable Homicide-এ পরিণত করে?"

### Section 302 - Murder-এর শাস্তি

Section 302 বলে: Murder-এর শাস্তি মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন এবং অর্থদণ্ড।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 302 = মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন।"

### Section 304 - Culpable Homicide-এর শাস্তি

Section 304 বলে: যদি Murder না হয়ে Culpable Homicide হয় তাহলে সর্বোচ্চ ১০ বছর এবং অর্থদণ্ড।

মনে রাখার পার্থক্য: Murder (Section 302) = মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন। Culpable Homicide (Section 304) = সর্বোচ্চ ১০ বছর।

আন্তর্জাতিক জোক: ICC-তে যাবজ্জীবন সর্বোচ্চ ৩০ বছর। বাংলাদেশে যাবজ্জীবন মানে মৃত্যু পর্যন্ত। এই পার্থক্যটা মনে রাখা দরকার।

## অধ্যায় ১৭: শারীরিক আঘাত সংক্রান্ত অপরাধ

### Section 319 - Hurt (আঘাত)

Section 319 বলে: Hurt মানে অন্যের শরীরে ব্যথা, রোগ বা দুর্বলতা সৃষ্টি করা।

মনে রাখার টেকনিক: "Hurt = ব্যথা, রোগ, দুর্বলতা।"

### Section 320 - Grievous Hurt (গুরুতর আঘাত)

Section 320-এ ৮ ধরনের Grievous Hurt আছে। এটা পরীক্ষায় সংখ্যা জিজ্ঞেস করা হয়।

Grievous Hurt-এর ৮টি প্রকার:

প্রথমত স্থায়ীভাবে অন্ধ করা।

দ্বিতীয়ত স্থায়ীভাবে কানে শোনার ক্ষমতা নষ্ট করা।



তৃতীয়ত কোনো অঙ্গ বা জোড় কাটা বা স্থায়ীভাবে নষ্ট করা।

চতুর্থত মাথার হাড় বা চেহারার হাড় ভাঙা।

পঞ্চমত মস্তিষ্ক বা শরীরের অভ্যন্তরীণ অংশে আঘাত।

ষষ্ঠত স্থায়ীভাবে বিকৃত বা জখম করা।

সপ্তমত স্থায়ীভাবে কোনো শক্তি বা ক্ষমতা নষ্ট করা।

অষ্টমত ২০ দিনের বেশি তীব্র ব্যথা বা বিছানায় শোয়ানো।

মনে রাখার টেকনিক (EMAMTSSP ফর্মুলা): E = Eye (অন্ধ করা), M = Mute/Deaf (শ্রবণ নষ্ট করা), A = Amputation (অঙ্গ কাটা), M = Maxillofacial bone (মাথার হাড় ভাঙা), T = Trauma to brain (মস্তিষ্কে আঘাত), S = Scar/Disfigurement (বিকৃত করা), S = Sense/power loss (ক্ষমতা নষ্ট করা), P = Pain over 20 days (২০ দিনের ব্যথা)।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৮ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Grievous Hurt-এর কয়টি ধরন আছে?" উত্তর: ৮টি।

## অধ্যায় ১৮: সম্পত্তির বিরুদ্ধে অপরাধ

### Section 378 - Theft (চুরি)

Section 378 বলে: Theft মানে অন্যের অধিকারে থাকা কোনো বস্তু তার সম্মতি ছাড়া সরিয়ে নেওয়া।

Theft-এর পাঁচটি উপাদান আছে:

প্রথমত অসৎ উদ্দেশ্য (Dishonest intention)।

দ্বিতীয়ত অন্যের সম্পত্তি (Property of another person)।

তৃতীয়ত চলনশীল সম্পত্তি (Movable property)।

চতুর্থত সম্মতি ছাড়া (Without consent)।

পঞ্চমত সরিয়ে নেওয়া (Moving of property)।



মনে রাখার টেকনিক (DOMCM ফর্মুলা): D = Dishonest intention, O = Other's property, M = Movable, C = Consent absent, M = Moving।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Theft-এর উপাদানগুলো কী কী?"

### Section 383 - Extortion (চাঁদাবাজি)

Section 383 বলে: Extortion মানে হলো কাউকে ভয় দেখিয়ে সম্পত্তি নেওয়া।

Theft এবং Extortion-এর পার্থক্য: Theft-এ ভিকটিম সম্মতি দেয় না। Extortion-এ ভয় দেখিয়ে সম্মতি নেওয়া হয়।

মনে রাখার টেকনিক: "Extortion = ভয় + সম্মতি।"

আন্তর্জাতিক জোক: বড় শক্তিশ্বর দেশগুলো দুর্বল দেশের বিরুদ্ধে নিষেধাজ্ঞা আরোপ করে সুবিধা আদায় করে। এটা কি Extortion-এর আন্তর্জাতিক সংস্করণ? Section 383-এর আওতায় কি আসে? আন্তর্জাতিক আইনে এই প্রশ্নের উত্তর এখনো বিতর্কিত।

### Section 390 - Robbery (ডাকাতি)

Section 390 বলে: Robbery মানে হলো Theft বা Extortion যেখানে বল প্রয়োগ বা বল প্রয়োগের ভয় আছে।

মনে রাখার টেকনিক: "Robbery = Theft/Extortion + বল প্রয়োগ।"

### Section 391 - Dacoity (দলগত ডাকাতি)

Section 391 বলে: Dacoity মানে হলো পাঁচ বা তার বেশি ব্যক্তি মিলে Robbery করা।

মনে রাখার টেকনিক: "Dacoity = ৫ বা বেশি + Robbery।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Theft, Robbery এবং Dacoity-এর পার্থক্য কী?" ২০২১ সালে এসেছিল: "Dacoity-এর জন্য কতজন দরকার?"

### Section 403 - Dishonest Misappropriation

Section 403 বলে: অন্যের সম্পত্তি নিজের জন্য ব্যবহার করা।

### Section 405 - Criminal Breach of Trust

Section 405 বলে: যখন কেউ বিশ্বাস করে কোনো সম্পত্তি দিয়েছে এবং সেই ব্যক্তি অসংভাবে সেই সম্পত্তি ব্যবহার করে তাহলে Criminal Breach of Trust।



মনে রাখার পার্থক্য: Theft = কারো অনুমতি ছাড়া নেওয়া। Criminal Breach of Trust = অনুমতি দিয়ে দেওয়া সম্পত্তি অসংভাবে ব্যবহার করা।

উদাহরণ: তুমি বন্ধুকে গাড়ি এক সপ্তাহ ব্যবহার করতে দিলে। সে সেটা বিক্রি করে দিল। এটা Criminal Breach of Trust।

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: IMF-এর ঋণ নিয়ে যে দেশ উল্লয়নের বদলে নেতাদের পকেটে ভরে সেটা Section 405-এর আন্তর্জাতিক সংস্করণ। Embezzlement এবং Criminal Breach of Trust একই ধারণা।

### Section 415 - Cheating (প্রতারণা)

Section 415 বলে: Cheating মানে মিথ্যা কথা বা চালাকি দিয়ে কাউকে বিশ্বাস করিয়ে সম্পত্তি দিতে বাধ্য করা।

মনে রাখার টেকনিক: "Cheating = মিথ্যা + বিশ্বাস + সম্পত্তি নেওয়া।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৮ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Criminal Breach of Trust এবং Cheating-এর পার্থক্য কী?"

---

## অধ্যায় ১৯: ধর্ষণ এবং নারীর বিরুদ্ধে অপরাধ

### Section 375 - Rape (ধর্ষণ)

Section 375 বলে: Rape মানে হলো মহিলার সম্মতি ছাড়া বা ভয় দেখিয়ে বা প্রতারণা করে যৌন মিলন।

Section 375-এ ধর্ষণের পরিস্থিতি বলা হয়েছে:

প্রথমত তার ইচ্ছার বিরুদ্ধে।

দ্বিতীয়ত তার সম্মতি ছাড়া।

তৃতীয়ত সম্মতি ভয় দিয়ে নেওয়া হয়েছে।

চতুর্থত সম্মতি প্রতারণা করে নেওয়া হয়েছে।

পঞ্চমত ১৬ বছরের কম বয়সী মেয়ের সাথে।

মনে রাখার টেকনিক: "ইচ্ছার বিরুদ্ধে, সম্মতি ছাড়া, ভয়, প্রতারণা, ১৬-এর কম বয়সী = ধর্ষণ।"



সতর্কতা: বাংলাদেশে Women and Children Repression Prevention Act, 2000-এও ধর্ষণের বিধান আছে। পরীক্ষায় জিজ্ঞেস করা হয় কোন আইনে ধর্ষণের বিচার হয়। উভয় আইনেই হতে পারে।

### Section 376 - Rape-এর শাস্তি

Section 376 বলে: Rape-এর শাস্তি সর্বনিম্ন ৭ বছর এবং যাবজ্জীবন পর্যন্ত।

### Section 494 - Bigamy (বহুবিবাহ)

Section 494 বলে: স্বামী বা স্ত্রী জীবিত থাকতে আবার বিবাহ করা বেআইনি।

ব্যতিক্রম: মুসলিম ব্যক্তিগত আইনে পুরুষের চার বিবাহের অনুমতি আছে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 494 = Bigamy = দ্বিতীয় বিবাহ বেআইনি (মুসলিম আইন ছাড়া)।"

### Section 498 - Enticing Married Women

Section 498 বলে: বিবাহিত মহিলাকে তার স্বামীর কাছ থেকে নিয়ে যাওয়া বা ফুসলানো অপরাধ।

## অধ্যায় ২০: রাষ্ট্রের বিরুদ্ধে অপরাধ - Chapter VI

### Section 121 - বাংলাদেশের বিরুদ্ধে যুদ্ধ

Section 121 বলে: বাংলাদেশের বিরুদ্ধে বা তার সাথে মিলিত কোনো শক্তির বিরুদ্ধে যুদ্ধ করা মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন কারাদণ্ডযোগ্য অপরাধ।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 121 = দেশের বিরুদ্ধে যুদ্ধ = মৃত্যুদণ্ড।"

### Section 124A - Sedition (রাষ্ট্রদ্রোহ)

এটা অত্যন্ত বিতর্কিত এবং গুরুত্বপূর্ণ Section।

Section 124A বলে: যে ব্যক্তি মৌখিক বা লিখিতভাবে বা অন্যভাবে সরকারের বিরুদ্ধে অসন্তোষ বা ঘৃণা ছড়ায় সে রাষ্ট্রদ্রোহের অপরাধী।

শাস্তি: যাবজ্জীবন কারাদণ্ড বা ৩ বছর পর্যন্ত কারাদণ্ড।





আন্তর্জাতিক জোক: বিশ্বের অনেক দেশে Sedition আইন আছে এবং অনেক দেশে নেই। আমেরিকায় First Amendment-এর কারণে সরকারের সমালোচনা বৈধ। ভারত সম্প্রতি Sedition আইন বাতিল করেছে। বাংলাদেশে এখনো আছে। ২০২৪ সালের পরিবর্তনের পরে এই আইনের প্রয়োগ নিয়ে আলোচনা চলছে।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Section 124A কী বোঝায়?"

## অধ্যায় ২১: Conspiracy এবং Abetment

### Section 107 - Abetment (সহায়তা)

Section 107 বলে: Abetment মানে হলো কাউকে কোনো অপরাধ করতে সাহায্য করা।

Abetment তিনভাবে হয়:

প্রথমত Instigating বা উসকানো দেওয়া।

দ্বিতীয়ত Conspiracy-তে অংশ নেওয়া।

তৃতীয়ত কাজ বা সাহায্যের মাধ্যমে অংশ নেওয়া।

মনে রাখার টেকনিক (ICC ফর্মুলা): I = Instigate (উসকানো), C = Conspiracy, C = Conduct/Aid (কাজ করা)।

### Section 120A - Criminal Conspiracy

Section 120A বলে: Criminal Conspiracy মানে হলো দুই বা তার বেশি ব্যক্তি মিলে কোনো বেআইনি কাজ করার চুক্তি করা।

মনে রাখার টেকনিক: "Criminal Conspiracy = দুই বা বেশি + বেআইনি চুক্তি।"

আন্তর্জাতিক জোক: যখন দুই দেশ মিলে তৃতীয় দেশে হামলা করার পরিকল্পনা করে সেটা আন্তর্জাতিক আইনে Conspiracy। বাংলাদেশের Section 120A-ও একই নীতিতে চলে।

### Section 34 এবং Section 120B-এর পার্থক্য

Section 34 = Common Intention। কাজ করার সময় Common Intention থাকলেই হয়।

Section 120B = Criminal Conspiracy। আগে থেকে চুক্তি থাকতে হবে।



মনে রাখার পার্থক্য: "Section 34 = একসাথে মিলে কাজ। Section 120B = আগে থেকে ষড়যন্ত্র।"

---

## অধ্যায় ২২: Penal Code-এর শর্টকাট Summary

### Penal Code-এর শীর্ষ ৩০টি Section

পরীক্ষায় সবচেয়ে বেশি আসা Section-গুলোর তালিকা:

Section 11 থেকে Person-এর সংজ্ঞা।

Section 21 থেকে Public Servant।

Section 34 থেকে Common Intention।

Section 76 থেকে Mistake of Fact।

Section 79 থেকে Mistake of Fact।

Section 80 থেকে দুর্ঘটনা।

Section 81 থেকে প্রয়োজনীয়তা।

Section 82 থেকে ৯ বছরের নিচে শিশু।

Section 83 থেকে ৯-১২ বছর বয়সী শিশু।

Section 84 থেকে মানসিক অসুস্থতা।

Section 85 থেকে মাদকাসক্তি।

Section 87 থেকে সম্মতি।

Section 96-106 থেকে আত্মরক্ষা।

Section 107 থেকে Abetment।

Section 120A থেকে Conspiracy।



Section 120B থেকে Criminal Conspiracy।

Section 121 থেকে দেশের বিরুদ্ধে যুদ্ধ।

Section 124A থেকে Sedition।

Section 149 থেকে Common Object।

Section 299 থেকে Culpable Homicide।

Section 300 থেকে Murder।

Section 302 থেকে Murder-এর শাস্তি।

Section 304 থেকে Culpable Homicide-এর শাস্তি।

Section 319 থেকে Hurt।

Section 320 থেকে Grievous Hurt।

Section 375 থেকে Rape।

Section 378 থেকে Theft।

Section 383 থেকে Extortion।

Section 390 থেকে Robbery।

Section 391 থেকে Dacoity।

Section 405 থেকে Criminal Breach of Trust।

Section 415 থেকে Cheating।

Section 494 থেকে Bigamy।

---

## অধ্যায় ২৩: তুলনামূলক বিশ্লেষণ - CrPC এবং Penal Code



## CrPC বনাম Penal Code

এই দুটো আইনের মধ্যে সম্পর্ক বোঝা গুরুত্বপূর্ণ।

Penal Code বলে "কী অপরাধ এবং কী শাস্তি।"

CrPC বলে "কীভাবে সেই শাস্তি দেওয়া হবে।"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: Rome Statute বলে কোন কাজ অপরাধ (Penal Code-এর মতো)। ICC-র Rules of Procedure and Evidence বলে বিচার কীভাবে হবে (CrPC-র মতো)।

## Magistrate-এর ক্ষমতার তুলনামূলক চার্ট

Chief Judicial Magistrate-এর দণ্ড দেওয়ার ক্ষমতা সর্বোচ্চ ৭ বছর।

First Class Magistrate-এর দণ্ড দেওয়ার ক্ষমতা সর্বোচ্চ ৫ বছর।

Second Class Magistrate-এর দণ্ড দেওয়ার ক্ষমতা সর্বোচ্চ ৩ বছর।

Third Class Magistrate-এর দণ্ড দেওয়ার ক্ষমতা সর্বোচ্চ ১ বছর।

Sessions Court-এর দণ্ড দেওয়ার ক্ষমতা মৃত্যুদণ্ড পর্যন্ত (High Court-এর অনুমোদনে)।

মনে রাখার ছন্দ: "সাত পাঁচ তিন এক এই চারটি ম্যাজিস্ট্রেট।"

---

## অধ্যায় ২৪: বিগত পরীক্ষার সম্পূর্ণ প্রশ্ন বিশ্লেষণ

### ২০২৫ সালের MCQ পরীক্ষার CrPC এবং Penal Code অংশ

২০২৫ সালের ২৫ এপ্রিলের MCQ পরীক্ষায় CrPC থেকে যে ধরনের প্রশ্ন এসেছিল:

FIR সম্পর্কিত প্রশ্ন এসেছিল। বিশেষত FIR না নিলে কার কাছে যাওয়া যায় তা জিজ্ঞেস করা হয়েছিল। উত্তর: SP বা District Magistrate।

জামিন সংক্রান্ত প্রশ্ন এসেছিল। Non-bailable offence-এ মহিলা অভিযুক্তকে জামিন দেওয়ার বিষয়ে।

Section 164 সম্পর্কে প্রশ্ন এসেছিল।



Section 144 সম্পর্কে প্রশ্ন এসেছিল।

Cognizable এবং Non-cognizable-এর পার্থক্য সম্পর্কে।

Penal Code থেকে যে ধরনের প্রশ্ন এসেছিল:

Murder এবং Culpable Homicide-এর পার্থক্য।

Section 84 মানসিক অসুস্থতা সম্পর্কে।

Dacoity-র জন্য কতজন লোক দরকার।

Section 34 Common Intention সম্পর্কে।

Theft-এর উপাদান সম্পর্কে।

### ২০২৩ সালের পরীক্ষার প্রশ্ন

২০২৩ সালের পরীক্ষায় CrPC থেকে এসেছিল:

ম্যাজিস্ট্রেটের শ্রেণী এবং শাস্তির ক্ষমতা।

Section 176 Magistrate Inquest।

Sessions Trial পদ্ধতি।

Appeal এবং Revision-এর পার্থক্য।

Penal Code থেকে এসেছিল:

General Exceptions-এ Section 96-100 আত্মরক্ষা।

Section 300-এর Exceptions।

Abetment-এর সংজ্ঞা।

Grievous Hurt-এর প্রকারভেদ।

### ২০২১ সালের পরীক্ষার প্রশ্ন



CrPC থেকে: Section 497 Non-bailable offence-এ জামিন। Section 61 ২৪ ঘন্টার নিয়ম।

Penal Code থেকে: Common Intention এবং Common Object-এর পার্থক্য। Culpable Homicide-এর সংজ্ঞা।

## অধ্যায় ২৫: Mock Test - CrPC

### CrPC-এর Mock MCQ (২০ প্রশ্ন)

প্রশ্ন ১। Section 4 অনুযায়ী Cognizable offence কাকে বলে?

- ক) যে অপরাধে পুলিশ বিনা পরোয়ানায় গ্রেফতার করতে পারে।
- খ) যে অপরাধে পুলিশ কেবল পরোয়ানাবলে গ্রেফতার করতে পারে।
- গ) যে অপরাধে জামিন পাওয়া যায়।
- ঘ) যে অপরাধে মৃত্যুদণ্ড হয়।

সঠিক উত্তর: ক। ব্যাখ্যা: Cognizable offence-এ পুলিশ বিনা পরোয়ানায় গ্রেফতার করতে পারে।

প্রশ্ন ২। Chief Judicial Magistrate সর্বোচ্চ কত বছরের কারাদণ্ড দিতে পারে?

- ক) ৫ বছর।
- খ) ৭ বছর।
- গ) ১০ বছর।
- ঘ) যাবজ্জীবন।

সঠিক উত্তর: খ। ব্যাখ্যা: Chief Judicial Magistrate সর্বোচ্চ ৭ বছরের কারাদণ্ড দিতে পারে।

প্রশ্ন ৩। গ্রেফতার করা ব্যক্তিকে কত ঘন্টার মধ্যে ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে হাজির করতে হবে?

- ক) ১২ ঘন্টা।
- খ) ২৪ ঘন্টা।



গ) ৪৮ ঘন্টা।

ঘ) ৭২ ঘন্টা।

সঠিক উত্তর: খ। ব্যাখ্যা: Section 61 অনুযায়ী ২৪ ঘন্টা।

প্রশ্ন ৪। Section 154 অনুযায়ী FIR দেওয়া হয় কোন অপরাধে?

ক) Non-cognizable offence-এ।

খ) Non-bailable offence-এ।

গ) Cognizable offence-এ।

ঘ) যে কোনো অপরাধে।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৫। Section 497(2) অনুযায়ী মৃত্যুদণ্ডের অপরাধে অভিযুক্তকে জামিন দিতে পারে কে?

ক) Police Officer।

খ) Magistrate।

গ) Sessions Court।

ঘ) Sessions Court এবং High Court Division।

সঠিক উত্তর: ঘ।

প্রশ্ন ৬। Section 144-এর আদেশ সর্বোচ্চ কত দিন কার্যকর থাকে?

ক) ৩০ দিন।

খ) ৬০ দিন।

গ) ৯০ দিন।

ঘ) ১২০ দিন।



সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৭। Section 164-এর অধীনে কার সামনে Confession দেওয়া হয়?

ক) Police Officer।

খ) Sessions Judge।

গ) Magistrate।

ঘ) High Court।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৮। Bailable offence-এ জামিন পাওয়া কার অধিকার?

ক) আদালতের বিবেচনার বিষয়।

খ) অভিযুক্তের অধিকার।

গ) রাষ্ট্রপক্ষের সিদ্ধান্ত।

ঘ) Police Officer-এর সিদ্ধান্ত।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৯। পুলিশ হেফাজতে মৃত্যু হলে Section 176 অনুযায়ী কে Inquest করে?

ক) OC।

খ) SP।

গ) Magistrate।

ঘ) Sessions Judge।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ১০। Summons Trial হয় কোন মামলায়?





ক) সর্বোচ্চ ৫ বছরের শাস্তির মামলায়।

খ) সর্বোচ্চ ২ বছরের শাস্তির মামলায়।

গ) যাবজ্জীবনের মামলায়।

ঘ) মৃত্যুদণ্ডের মামলায়।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ১১। Non-bailable offence-এ নিচের কোন ক্ষেত্রে Magistrate জামিন দিতে পারে?

ক) বৃদ্ধ ব্যক্তি।

খ) অসুস্থ ব্যক্তি।

গ) আইনজীবী।

ঘ) সরকারি কর্মকর্তা।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ১২। ম্যাজিস্ট্রেটের রায়ের বিরুদ্ধে আপিল কোথায় করতে হয়?

ক) High Court Division।

খ) Appellate Division।

গ) Sessions Court।

ঘ) District Court।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ১৩। Section 496 অনুযায়ী Bailable offence-এ কে জামিন দেয়?

ক) শুধু আদালত।

খ) শুধু High Court।



গ) পুলিশ বা আদালত।

ঘ) শুধু Sessions Court।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ১৪। Section 127-এ বেআইনি সমাবেশ কততে বা তার বেশি মানুষে হয়?

ক) ৩ জন।

খ) ৪ জন।

গ) ৫ জন।

ঘ) ১০ জন।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ১৫। Section 498-এ High Court Division-এর কোন ধরনের ক্ষমতা আছে?

ক) Appellate।

খ) Original।

গ) Special জামিন দেওয়ার।

ঘ) Revisional।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ১৬। Charge Sheet দেওয়া হয় যখন?

ক) প্রমাণ না থাকলে।

খ) প্রমাণ থাকলে।

গ) আদালত নির্দেশ দিলে।

ঘ) অভিযুক্ত স্বীকার করলে।



সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ১৭। FIR না নিলে তথ্যদাতা কার কাছে যেতে পারে?

ক) Sessions Judge।

খ) High Court।

গ) SP বা District Magistrate।

ঘ) Attorney General।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ১৮। Section 135-এ Revision করতে পারে কে?

ক) Magistrate।

খ) Sessions Court এবং High Court।

গ) শুধু High Court।

ঘ) শুধু Appellate Division।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ১৯। প্রথম ক্লাস ম্যাজিস্ট্রেট সর্বোচ্চ কত বছরের কারাদণ্ড দিতে পারে?

ক) ৩ বছর।

খ) ৫ বছর।

গ) ৭ বছর।

ঘ) ১০ বছর।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ২০। Sessions Court মৃত্যুদণ্ড দিলে কার অনুমোদন লাগে?



ক) Attorney General।

খ) High Court Division।

গ) Appellate Division।

ঘ) President।

সঠিক উত্তর: খ।

---

## অধ্যায় ২৬: Mock Test - Penal Code

### Penal Code-এর Mock MCQ (২০ প্রশ্ন)

প্রশ্ন ১। Section 34 অনুযায়ী Common Intention-এ কাজ করতে কতজন লোক লাগে?

ক) কমপক্ষে ২ জন।

খ) কমপক্ষে ৩ জন।

গ) কমপক্ষে ৫ জন।

ঘ) যে কোনো সংখ্যা।

সঠিক উত্তর: ঘ। ব্যাখ্যা: Section 34-এ নির্দিষ্ট সংখ্যা বলা নেই।

প্রশ্ন ২। Section 82 অনুযায়ী কত বছরের নিচে শিশু সম্পূর্ণ দায়মুক্ত?

ক) ৭ বছর।

খ) ৯ বছর।

গ) ১২ বছর।

ঘ) ১৬ বছর।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৩। Section 84 কোন ক্ষেত্রে প্রযোজ্য?



ক) ইচ্ছাকৃত মাদকাসক্তি।

খ) মানসিক অসুস্থতা।

গ) শারীরিক অসুস্থতা।

ঘ) বয়সের কারণে।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৪। Section 300-এ Murder-এর কতটি Exception আছে?

ক) ৩টি।

খ) ৪টি।

গ) ৫টি।

ঘ) ৬টি।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৫। Section 320 অনুযায়ী Grievous Hurt-এ কতটি প্রকার আছে?

ক) ৬টি।

খ) ৭টি।

গ) ৮টি।

ঘ) ১০টি।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৬। Section 302-এর অধীনে Murder-এর শাস্তি কী?

ক) সর্বনিম্ন ১০ বছর।

খ) যাবজ্জীবন।



গ) মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন।

ঘ) সর্বোচ্চ ২০ বছর।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৭। Section 391 অনুযায়ী Dacoity-তে কতজন প্রয়োজন?

ক) ৩ জন।

খ) ৪ জন।

গ) ৫ বা তার বেশি।

ঘ) ১০ জন।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৮। Section 415 অনুযায়ী Cheating-এর মূল উপাদান কী?

ক) বল প্রয়োগ।

খ) মিথ্যা + বিশ্বাস।

গ) অনুমতি ছাড়া নেওয়া।

ঘ) সম্মতি ছাড়া।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৯। Section 107 অনুযায়ী Abetment কতভাবে হয়?

ক) ২ ভাবে।

খ) ৩ ভাবে।

গ) ৪ ভাবে।

ঘ) ৫ ভাবে।



সঠিক উত্তর: থ।

প্রশ্ন ১০। Section 149-এ Common Object-এ কতজন থাকা লাগে?

ক) ২ জন।

খ) ৩ জন।

গ) ৪ জন।

ঘ) ৫ বা তার বেশি।

সঠিক উত্তর: ঘ।

প্রশ্ন ১১। Section 96-106 কোন বিষয়ে?

ক) রাষ্ট্রদ্রোহ।

খ) আত্মরক্ষার অধিকার।

গ) মানসিক অসুস্থতা।

ঘ) ষড়যন্ত্র।

সঠিক উত্তর: থ।

প্রশ্ন ১২। Section 80 কোন পরিস্থিতিতে শাস্তি থেকে মুক্তি দেয়?

ক) ইচ্ছাকৃত ক্ষতি।

খ) দুর্ঘটনা।

গ) মানসিক অসুস্থতা।

ঘ) শিশু অপরাধী।

সঠিক উত্তর: থ।

প্রশ্ন ১৩। Section 378-এ Theft-এ কয়টি উপাদান আছে?



ক) ৩টি।

খ) ৪টি।

গ) ৫টি।

ঘ) ৬টি।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ১৪। Section 124A কোন অপরাধের বিধান করে?

ক) চুরি।

খ) হত্যা।

গ) রাষ্ট্রদ্রোহ।

ঘ) ধর্ষণ।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ১৫। Section 85 কোন ক্ষেত্রে শাস্তি থেকে মুক্তি দেয়?

ক) ইচ্ছাকৃত মাদক সেবন।

খ) জোর করে মাদক দেওয়া।

গ) শিশু অপরাধী।

ঘ) সম্মতি।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ১৬। Section 34 এবং Section 149-এর মূল পার্থক্য কী?

ক) Section 34-এ ৫ জন লাগে।

খ) Section 149-এ ৫ বা তার বেশি লাগে।





গ) Section 34-এ সন্মতি লাগে।

ঘ) Section 149-এ ষড়যন্ত্র লাগে।

সঠিক উত্তর: থ।

প্রশ্ন ১৭। Section 300-এ Exception 1 কোন পরিস্থিতি?

ক) সন্মতি।

খ) আত্মরক্ষা।

গ) Grave and Sudden Provocation।

ঘ) হঠাৎ ঝগড়া।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ১৮। Section 21 কার সংজ্ঞা দেয়?

ক) Culprit।

খ) Victim।

গ) Public Servant।

ঘ) Witness।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ১৯। Section 494 কোন বিষয়ে?

ক) চুরি।

খ) বহুবিবাহ।

গ) ধর্ষণ।

ঘ) হত্যা।



সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ২০। Section 304-এ Culpable Homicide-এর শাস্তি সর্বোচ্চ কত?

ক) ৫ বছর।

খ) ৭ বছর।

গ) ১০ বছর।

ঘ) যাবজ্জীবন।

সঠিক উত্তর: গ।

---

## অধ্যায় ২৭: সাম্প্রতিক ঘটনা এবং আইনের সংযোগ

### ২০২৪-২০২৬ সালের বাংলাদেশ পরিস্থিতি এবং CrPC/Penal Code

বাংলাদেশের সাম্প্রতিক ঘটনাগুলো আইনের দৃষ্টিকোণ থেকে বিশ্লেষণ করা একজন ভালো আইনজীবীর কাজ। ২০২৪ সালের জুলাই-আগস্টের ঘটনার পরিপ্রেক্ষিতে অনেক আইনি প্রশ্ন উঠেছে।

CrPC Section 144 এবং ২০২৪-এর ঘটনা: ২০২৪ সালে সরকার Section 144 জারি করেছিল। এই Section-এর আদেশ না মানলে CrPC Section 188 অনুযায়ী শাস্তি হতে পারে।

Section 176 এবং পুলিশ হেফাজতে মৃত্যু: ২০২৪-২৫ সালে পুলিশ অভিযানে মৃত্যুর ঘটনায় Section 176-এর Magistrate Inquest প্রযোজ্য।

Section 302 এবং বিচারিক দায়বদ্ধতা: যদি কোনো পুলিশ বা সেনা সদস্যের গুলিতে নিরপরাধ ব্যক্তি মারা যায় তাহলে Penal Code Section 302 বা 304 প্রযোজ্য হতে পারে।

আন্তর্জাতিক তুলনা: ২০২৫ সালে ট্রাম্পের আমেরিকায় অভিবাসীদের বিরুদ্ধে Detention এবং Deportation-এর নীতি। এটা বাংলাদেশের Section 54-এর অনুমতি ছাড়া গ্রেফতারের মতো। পার্থক্য হলো বাংলাদেশে Section 54-এর সীমাবদ্ধতা আছে কিন্তু আমেরিকায় প্রশাসনিক আদেশে অনেক কিছু করা যাচ্ছে।

### ২০২৫ সালের আন্তর্জাতিক ঘটনা এবং বাংলাদেশের আইন

২০২৫ সালে ট্রাম্প প্রশাসন ICC-বিরোধী নিষেধাজ্ঞা আরোপ করেছে। বাংলাদেশের ICT (International Crimes Tribunal) কিন্তু এখনো কার্যকর।



আন্তর্জাতিক জোক: ট্রাম্প বলছেন আমেরিকার নাগরিকদের ICC বিচার করতে পারবে না। কিন্তু বাংলাদেশের নাগরিকদের ICT বিচার করছে। কে ঠিক? আন্তর্জাতিক আইনে বলে সার্বভৌমত্বের সীমা আছে।

## অধ্যায় ২৮: Written পরীক্ষার জন্য CrPC এবং Penal Code প্রস্তুতি

### Written পরীক্ষার কাঠামো

Written পরীক্ষায় CrPC এবং Penal Code থেকে মিলিয়ে ৪০ নম্বর। Group B-তে থাকে।

লেখার কৌশল: প্রতিটি উত্তরে একটি নির্দিষ্ট কাঠামো অনুসরণ করো।

প্রথমে সংজ্ঞা দাও। তারপর Section নম্বর উল্লেখ করো। তারপর শর্ত বা উপাদান বলো। তারপর বাস্তব উদাহরণ দাও। শেষে সংক্ষেপ করো।

### CrPC Written-এর জন্য সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ প্রশ্নগুলো

প্রশ্ন ১। Cognizable এবং Non-cognizable offence-এর পার্থক্য এবং উদাহরণ দাও।

উত্তরের কাঠামো: সংজ্ঞা দাও। Section 4 উল্লেখ করো। তারপর পার্থক্য লেখো। তারপর উদাহরণ দাও। হত্যা Cognizable, মানহানি Non-cognizable।

প্রশ্ন ২। FIR কী? FIR দেওয়ার পদ্ধতি এবং আইনি গুরুত্ব বর্ণনা করো।

উত্তরের কাঠামো: FIR-এর সংজ্ঞা দাও। Section 154 উল্লেখ করো। FIR নেওয়ার পদ্ধতি বলো। FIR না নিলে কী হয় বলো। FIR-এর আইনি গুরুত্ব বলো।

প্রশ্ন ৩। Bailable এবং Non-bailable offence-এ জামিনের বিধান তুলনা করো।

উত্তরের কাঠামো: Bailable offence-এ Section 496 উল্লেখ করো। Non-bailable offence-এ Section 497 উল্লেখ করো। WIC ফর্মুলা ব্যবহার করো।

### Penal Code Written-এর জন্য সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ প্রশ্নগুলো

প্রশ্ন ১। Murder এবং Culpable Homicide-এর পার্থক্য ব্যাখ্যা করো। উদাহরণ দাও।

উত্তরের কাঠামো: Section 299 সংজ্ঞা দাও। Section 300 সংজ্ঞা দাও। পার্থক্য বলো। উদাহরণ দাও। Section 302 এবং 304-এর শাস্তি উল্লেখ করো।



প্রশ্ন ২। General Exceptions-এর Section 82, 83 এবং 84 আলোচনা করো।

উত্তরের কাঠামোঃ Section 82 থেকে শুরু করো (৯ বছরের নিচে)। Section 83 (৯-১২ বছর)। Section 84 (মানসিক অসুস্থতা)। তুলনামূলক আলোচনা করো।

প্রশ্ন ৩। Right of Private Defence বর্ণনা করো এবং কখন হত্যা করা যায় তা বলো।

উত্তরের কাঠামোঃ Section 96-এর সাধারণ বিধান। Section 97 থেকে দুই ধরনের অধিকার। Section 99 থেকে সীমাবদ্ধতা। Section 100 থেকে কখন হত্যা করা যায়। MRRKA ফর্মুলা ব্যবহার করো।

## অধ্যায় ২৯: আন্তর্জাতিক রাজনীতির সাথে CrPC এবং Penal Code-এর সংযোগ

### জোক ১ - Section 34 এবং NATO

Section 34-এ বলা আছে Common Intention নিয়ে কাজ করলে সবাই সমান দায়ী। ন্যাটো যখন আফগানিস্তানে সামরিক অভিযান চালাল তখন ৫০টির বেশি দেশ জড়িত ছিল। যদি Section 34 প্রযোজ্য হতো তাহলে ৫০টি দেশই সমান দায়ী হতো। কিন্তু আন্তর্জাতিক আইনে এই নীতি এত সরলভাবে কাজ করে না। আমেরিকা এখনো মুক্ত।

### জোক ২ - Section 84 এবং ট্রাম্পের বক্তব্য

২০২৪-২৫ সালে ট্রাম্পের কিছু বক্তব্য নিয়ে মানুষ প্রশ্ন তুলেছে। যদি কেউ বলে একজন নেতার মানসিক অবস্থা স্বাভাবিক নয়, তাহলে কি Section 84 প্রযোজ্য হবে? আন্তর্জাতিক আইনে রাষ্ট্রনায়কদের দায়মুক্তি আছে। কিন্তু বাংলাদেশের Section 84 বলে মানসিক অসুস্থতায় শাস্তি নেই। সমস্যা হলো কাকে "মানসিক অসুস্থ" বলা যাবে সেটা প্রমাণ করা কঠিন।

### জোক ৩ - Dacoity এবং G7

G7 হলো ৭টি ধনী দেশের জোট। তারা একসাথে গরিব দেশের সম্পদ নিয়ন্ত্রণ করে। Section 391 অনুযায়ী Dacoity হলো ৫ বা তার বেশি মানুষ মিলে Robbery করা। G7-এ ৭টি দেশ। সংখ্যার বিচারে মিলে যায়। কিন্তু আন্তর্জাতিক আইনে তারা বৈধ। বাংলাদেশের আইনে হলে Section 391 প্রযোজ্য হতো।

### জোক ৪ - Section 144 এবং ভারতের কাস্মীর

২০১৯ সালে ভারত কাস্মীরে মাসের পর মাস Section 144 জারি করে রেখেছিল। ইন্টারনেট বন্ধ, মোবাইল বন্ধ। বাংলাদেশে Section 144-এর আদেশ সর্বোচ্চ ২ মাস। ভারত নিজস্ব আইনে আরো বেশি সময় রেখেছে। দুই দেশের CrPC একই উৎস থেকে আসা কিন্তু প্রয়োগে ভিন্ন।



## জোক ৫ - Section 124A এবং গণমাধ্যমের স্বাধীনতা

২০২৪-২৫ সালে বাংলাদেশসহ অনেক দেশে সাংবাদিকদের বিরুদ্ধে Section 124A বা অনুরূপ আইন ব্যবহার করা হয়েছে। ভারতে Sedition আইন বাতিলের পর Section 124A-এর মতো আইনের ভবিষ্যৎ নিয়ে প্রশ্ন উঠেছে। আন্তর্জাতিক মানবাধিকার সংস্থাগুলো বলছে Sedition আইন বাকস্বাধীনতার পরিপন্থী।

২০২৬ সালের পরীক্ষায় এই বিষয়ে প্রশ্ন আসার সম্ভাবনা আছে।

## জোক ৬ - Section 302 এবং Drone Strike

আমেরিকা পাকিস্তান, ইয়েমেন এবং অন্যান্য দেশে Drone Strike করে মানুষ হত্যা করে। যদি বাংলাদেশের Penal Code প্রযোজ্য হতো তাহলে Section 302-এর Murder। কিন্তু আন্তর্জাতিক আইনে যুদ্ধের পরিস্থিতিতে হত্যা "Murder" নয়। এই পার্থক্যটা মনে রাখলে Section 302-এর প্রয়োগ সীমা বুঝবে।

## জোক ৭ - Right of Private Defence এবং Israel-Palestine

২০২৪-২৫ সালে ইসরাইল গাজায় সামরিক অভিযান চালাচ্ছে। ইসরাইল দাবি করছে এটা Self-defence অর্থাৎ আত্মরক্ষা। Section 96-100 অনুযায়ী আত্মরক্ষার অধিকার আছে। কিন্তু Section 99 বলে আত্মরক্ষায় প্রয়োজনের বেশি বল প্রয়োগ করা যাবে না। আন্তর্জাতিক বিশেষজ্ঞরা বলছেন ইসরাইল Section 99-এর সীমা লঙ্ঘন করেছে। ICC-তে তদন্ত চলছে।

## অধ্যায় ৩০: CrPC এবং Penal Code-এর তুলনামূলক পার্থক্য মনে রাখো

### বিষয়ভিত্তিক পার্থক্যের সারণি

Theft এবং Robbery-র পার্থক্য: Theft-এ বল প্রয়োগ নেই। Robbery-তে বল প্রয়োগ আছে।

Robbery এবং Dacoity-র পার্থক্য: Robbery যে কোনো সংখ্যক মানুষ করে। Dacoity ৫ বা তার বেশি মানুষ করে।

Murder এবং Culpable Homicide-র পার্থক্য: Murder-এ উদ্দেশ্য স্পষ্ট। Culpable Homicide-এ উদ্দেশ্য নাও থাকতে পারে।

Common Intention এবং Common Object-র পার্থক্য: Common Intention-এ সংখ্যা নির্দিষ্ট নয়। Common Object-এ ৫ বা তার বেশি।

Bailable এবং Non-bailable-র পার্থক্য: Bailable-এ জামিন অধিকার। Non-bailable-এ জামিন বিবেচনার বিষয়।



Cognizable এবং Non-cognizable-র পার্থক্য: Cognizable-এ পুলিশ স্বতঃপ্রবৃত্তভাবে কাজ করতে পারে। Non-cognizable-এ পারে না।

মনে রাখার বড় ছন্দ:

"Theft-এ বল নেই, Robbery-তে বল, Dacoity-তে পাঁচ মিলে বল।

Murder-এ উদ্দেশ্য স্পষ্ট, Homicide-এ নাও থাকতে পারে।

Bailable-এ অধিকার, Non-bailable-এ বিবেচনা।

Cognizable-এ পুলিশ স্বাধীন, Non-cognizable-এ বাধ্য।"

---

## অধ্যায় ৩১: ২০২৬ সালের পরীক্ষার পূর্বাভাস

### CrPC থেকে যা আসতে পারে

২০২৬ সালের পরীক্ষায় CrPC থেকে যে বিষয়গুলো আসার সম্ভাবনা বেশি:

প্রথমত Section 144 এবং সাম্প্রতিক বাংলাদেশ পরিস্থিতির প্রেক্ষাপটে।

দ্বিতীয়ত Section 164 Confession এবং Evidence Act-এর সাথে সম্পর্ক।

তৃতীয়ত Digital Evidence-এর ক্ষেত্রে তদন্ত পদ্ধতি।

চতুর্থত Non-bailable offence-এ জামিনের শর্ত।

পঞ্চমত Magistrate-এর ক্ষমতা এবং Sessions Court-এর ক্ষমতার পার্থক্য।

### Penal Code থেকে যা আসতে পারে

২০২৬ সালের পরীক্ষায় Penal Code থেকে যে বিষয়গুলো আসার সম্ভাবনা বেশি:

প্রথমত Section 84 মানসিক অসুস্থতার Defense।

দ্বিতীয়ত Section 100-এর আত্মরক্ষায় হত্যার শর্ত।

তৃতীয়ত Section 300-এর Exceptions।



চতুর্থত Section 391 Dacoity এবং Section 390 Robbery-র পার্থক্য।

পঞ্চমত Common Intention এবং Common Object-এর পার্থক্য।

ষষ্ঠত Women and Children Repression Prevention Act, 2000-এর সাথে Penal Code-এর সম্পর্ক।

---

## অধ্যায় ৩২: বিশেষ আইন যা পরীক্ষায় আসে

### Women and Children Repression Prevention Act, 2000

এই আইনটি পরীক্ষায় আসে বিশেষত Penal Code-এর সাথে তুলনায়।

এই আইনে ধর্ষণের শাস্তি: ধর্ষণের জন্য মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন।

মৃত্যু হলে ধর্ষণের শাস্তি: মৃত্যুদণ্ড।

এই আইন Penal Code-এর Section 375 থেকে আলাদা এবং অনেক বেশি কঠোর।

মনে রাখার টেকনিক: "Penal Code = Rape Section 375, WCRPPA = অধিক কঠোর।"

### Nari o Shishu Nirjatan Daman Ain (নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইন)

এই আইনে Speedy Trial-এর বিধান আছে। বিশেষ ট্রাইব্যুনালে বিচার হয়।

পরীক্ষায় এই আইন সম্পর্কে সাধারণ প্রশ্ন আসে।

### Anti-Terrorism Act, 2009

বাংলাদেশে সন্ত্রাসবাদ প্রতিরোধে এই আইন প্রযোজ্য।

পরীক্ষায় এই আইনের সাথে Penal Code-এর Section 121-এর সম্পর্ক জিজ্ঞেস করা হতে পারে।

---

## অধ্যায় ৩৩: সম্পূর্ণ রিভিশন - পার্ট ৪-এর সারসংক্ষেপ

### CrPC-র শীর্ষ ১৫টি মনে রাখার বিষয়

প্রথমত Section 4 থেকে সংজ্ঞা। Cognizable, Non-cognizable, Bailable, Non-bailable।



দ্বিতীয়ত আদালতের শ্রেণী। Chief ৭ বছর, First ৫ বছর, Second ৩ বছর, Third ১ বছর।

তৃতীয়ত Section 54 থেকে বিনা পরোয়ানায় গ্রেফতার।

চতুর্থত Section 61 থেকে ২৪ ঘণ্টার নিয়ম।

পঞ্চমত Section 154 থেকে FIR।

ষষ্ঠত Section 164 থেকে ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে Confession।

সপ্তমত Section 496 থেকে Bailable-এ জামিন অধিকার।

অষ্টমত Section 497 থেকে Non-bailable-এ WIC ফর্মুলা।

নবমত Section 498 থেকে High Court-এর জামিন ক্ষমতা।

দশমত Section 144 থেকে সভা নিষিদ্ধ।

একাদশত Section 174 থেকে OC Inquest।

দ্বাদশত Section 176 থেকে Magistrate Inquest।

ত্রয়োদশত Section 404 থেকে আপিল।

চতুর্দশত Session Court-এর শাস্তির ক্ষমতা মৃত্যুদণ্ড পর্যন্ত কিন্তু High Court-এর অনুমোদন লাগে।

পঞ্চদশত Section 435 থেকে Revision।

### **Penal Code-র শীর্ষ ১৫টি মনে রাখার বিষয়**

প্রথমত Section 34 থেকে Common Intention।

দ্বিতীয়ত Section 82 থেকে ৯ বছরের নিচে সম্পূর্ণ মাপ।

তৃতীয়ত Section 83 থেকে ৯-১২ বছর বুঝলে দোষী।

চতুর্থত Section 84 থেকে মানসিক অসুস্থতায় মাপ।

পঞ্চমত Section 85 থেকে জোর করে মাদকে মাপ।





ষষ্ঠত Section 96-100 থেকে আত্মরক্ষার অধিকার।

সপ্তমত Section 100 থেকে MRRAKA ফর্মুলা।

অষ্টমত Section 107 থেকে Abetment তিনভাবে।

নবমত Section 120A থেকে Criminal Conspiracy দুই বা বেশি।

দশমত Section 149 থেকে Common Object পাঁচ বা বেশি।

একাদশত Section 299 থেকে Culpable Homicide।

দ্বাদশত Section 300 থেকে Murder এবং GPPSC ফর্মুলা।

ত্রয়োদশত Section 302 থেকে Murder-এ মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন।

চতুর্দশত Section 320 থেকে Grievous Hurt ৮টি।

পঞ্চদশত Section 391 থেকে Dacoity পাঁচ বা বেশি।

---

## অধ্যায় ৩৪: মনে রাখার সম্পূর্ণ ফর্মুলার তালিকা

### CrPC-র ফর্মুলা

BCNC ফর্মুলা: Bailable, Cognizable, Non-bailable, Non-cognizable।

WIC ফর্মুলা: Woman, Ill, Child under 16 (Non-bailable-এ ম্যাজিস্ট্রেট জামিন দিতে পারে)।

আদালতের ক্ষমতা ফর্মুলা: Chief = ৭, First = ৫, Second = ৩, Third = ১।

FIR তিন ধাপ ফর্মুলা: লেখা, পড়ানো, সই নেওয়া।

### Penal Code-এর ফর্মুলা

MRRAKA ফর্মুলা: Murder threat, Rape threat, Robbery, Abduction, Kidnap, Acid attack (আত্মরক্ষায় হত্যা করা যায়)।



GPPSC ফর্মুলা: Grave Provocation, Private Defence, Public Servant, Sudden Quarrel, Consent (Section 300-এর Exception)।

DOMCM ফর্মুলা: Dishonest intention, Other's property, Movable, Consent absent, Moving (Theft-এর উপাদান)।

ICC (Abetment) ফর্মুলা: Instigate, Conspiracy, Conduct।

General Exception ক্রম ফর্মুলা: Section 76 থেকে Section 106 পর্যন্ত এক ধারাবাহিকতায়। Mistake of Fact, Court Order, Accident, Necessity, Consent, Child, Insanity, Intoxication, Right of Private Defence।

## অধ্যায় ৩৫: পরীক্ষার আগের রাতের পড়া - পার্ট ৪

### CrPC থেকে পরীক্ষার আগের রাতে কী পড়বে

Section 4 থেকে Cognizable এবং Non-cognizable-এর সংজ্ঞা। Section 6 থেকে আদালতের শ্রেণী এবং শাস্তির ক্ষমতা। Section 54 থেকে বিনা পরোয়ানায় গ্রেফতারের কারণ। Section 61 থেকে ২৪ ঘণ্টার নিয়ম। Section 154 থেকে FIR-এর তিন ধাপ। Section 164 থেকে ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে Confession। Section 496, 497, 498 থেকে জামিনের বিধান। WIC ফর্মুলা। Section 144 থেকে ৬০ দিনের আদেশ। Section 176 থেকে Magistrate Inquest।

### Penal Code থেকে পরীক্ষার আগের রাতে কী পড়বে

Section 34 এবং Section 149-এর পার্থক্য। Section 82 এবং Section 83-এর পার্থক্য। Section 84 থেকে মানসিক অসুস্থতার শর্ত। Section 96-100 থেকে আত্মরক্ষার বিধান এবং MRRKA ফর্মুলা। Section 299 এবং Section 300-এর পার্থক্য এবং GPPSC ফর্মুলা। Section 320 থেকে Grievous Hurt-এর ৮টি প্রকার। Section 391 থেকে Dacoity-র সংখ্যা। Section 107 থেকে Abetment-এর তিন ধরন।

## অধ্যায় ৩৬: শেষ কথা এবং অনুপ্রেরণা

প্রিয় পরীক্ষার্থী, পার্ট ৪ শেষ হলো। তুমি এই পার্টে পড়েছ CrPC-র সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ ধারাগুলো এবং Penal Code-এর সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ ধারাগুলো।

মোট ৪০ নম্বরের প্রস্তুতি এই একটি পার্টে।



একটা কথা মনে রেখো। CrPC এবং Penal Code শুধু পরীক্ষার জন্য নয়। এই দুটো আইন তোমার পেশার হাতিয়ার হবে। কোনো আসামির প্রতি অবিচার হলে তুমি CrPC-র Section 497 ব্যবহার করে জামিন নেবে। কোনো নিরপরাধ ব্যক্তিকে হয়রানি করা হলে Section 84 বা General Exceptions ব্যবহার করে রক্ষা করবে।

সত্যিকারের ভালো আইনজীবী হওয়ার পথে এই জ্ঞান শুধু পরীক্ষা পাসের জন্য নয়, বরং মানুষের জীবন বদলে দেওয়ার জন্য।

Nelson Mandela বলেছিলেন "It always seems impossible until it's done." বার কাউন্সিল পরীক্ষাও অসম্ভব মনে হতে পারে। কিন্তু প্রতিটি Section মনে রাখতে রাখতে একদিন পুরোটা মনে থাকবে।

আন্তর্জাতিক সম্পর্কের একটি বিখ্যাত কথা হলো "Laws are made to be broken." কিন্তু ভালো আইনজীবীরা আইন ভাঙার জন্য পড়াশোনা করেন না। তারা পড়াশোনা করেন আইনের সুষ্ঠু প্রয়োগ নিশ্চিত করতে।

CrPC তোমার প্রক্রিয়া। Penal Code তোমার সংজ্ঞা। Evidence Act তোমার প্রমাণ। এই তিনটি মিলিয়ে তুমি একটি সম্পূর্ণ আইনজীবী।

পার্ট ৫-এ আসছে Practice Mock Test, পূর্ণাঙ্গ প্রশ্ন বিশ্লেষণ এবং আরো গভীর আলোচনা।

শুভকামনা এবং দোয়া।

## পরিশিষ্ট - পার্ট ৪: CrPC এবং Penal Code-এর সম্পূর্ণ Section তালিকা

### CrPC-র গুরুত্বপূর্ণ Section এবং পরীক্ষায় আসার বছর

Section 4 থেকে সংজ্ঞা। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 6 থেকে আদালতের শ্রেণী। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 22 থেকে ম্যাজিস্ট্রেটের শাস্তির ক্ষমতা। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 46 থেকে গ্রেফতারের পদ্ধতি। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯।

Section 54 থেকে বিনা পরোয়ানায় গ্রেফতার। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 61 থেকে ২৪ ঘণ্টার নিয়ম। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।



Section 107 থেকে ঝামেলা প্রতিরোধ। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৮, ২০২১।

Section 127 থেকে সমাবেশ ছত্রভঙ্গ। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৮, ২০২১, ২০২৩।

Section 133 থেকে Nuisance দূর করা। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৯, ২০২১।

Section 144 থেকে সমাবেশ নিষেধ। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 154 থেকে FIR। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 164 থেকে ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে Confession। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 174 থেকে OC Inquest। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 176 থেকে Magistrate Inquest। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 241A থেকে Charge Framing। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৯, ২০২১।

Section 404 থেকে আপিল। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 435 থেকে Revision। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 496 থেকে Bailable জামিন। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 497 থেকে Non-bailable জামিন। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 498 থেকে High Court-এর জামিন ক্ষমতা। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

### **Penal Code-র গুরুত্বপূর্ণ Section এবং পরীক্ষায় আসার বছর**

Section 11 থেকে Person-এর সংজ্ঞা। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৮, ২০২১।

Section 21 থেকে Public Servant। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।



Section 34 থেকে Common Intention। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 76 থেকে Mistake of Fact। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৮, ২০২১।

Section 80 থেকে দুর্ঘটনা। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১।

Section 82 থেকে ৯ বছরের নিচে শিশু। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 83 থেকে ৯-১২ বছর। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 84 থেকে মানসিক অসুস্থতা। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 85 থেকে মাদকাসক্তি। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১।

Section 96-100 থেকে আত্মরক্ষা। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 107 থেকে Abetment। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 120A-120B থেকে Conspiracy। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 121 থেকে দেশের বিরুদ্ধে যুদ্ধ। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৮, ২০২১।

Section 124A থেকে Sedition। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 149 থেকে Common Object। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 299 থেকে Culpable Homicide। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 300 থেকে Murder। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 302 থেকে Murder-এর শাস্তি। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।



Section 304 থেকে Culpable Homicide-এর শাস্তি। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 319 থেকে Hurt। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০২১।

Section 320 থেকে Grievous Hurt চিহ্ন। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 375 থেকে Rape। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 378 থেকে Theft। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 383 থেকে Extortion। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১।

Section 390 থেকে Robbery। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 391 থেকে Dacoity। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

Section 405 থেকে Criminal Breach of Trust। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

Section 415 থেকে Cheating। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১।

Section 494 থেকে Bigamy। পরীক্ষায় আসার বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১।

---

প্রিয় পরীক্ষার্থী, পাট ৪ সম্পূর্ণ করলে তুমি। বার কাউন্সিল পরীক্ষার ৪০ নম্বর এখন তোমার মুঠোয়। CrPC-র ২০ নম্বর এবং Penal Code-র ২০ নম্বর মিলিয়ে এই দুটো বিষয় তোমাকে পাস করিয়ে দিতে পারে।

মনে রাখো: প্রতিটি ফর্মুলা মনে রাখো। প্রতিটি উদাহরণ মাথায় রাখো। আন্তর্জাতিক জোকগুলো মনে রাখলে Section নম্বর ভুলবে না।

পাট ৫-এ দেখা হবে। সেখানে থাকবে সম্পূর্ণ Mock Test, বিগত পরীক্ষার বিস্তারিত বিশ্লেষণ এবং Viva-র প্রস্তুতি।

তুমি পারবে। বাংলাদেশের আইনজীবী হওয়ার স্বপ্ন পূরণের পথে তুমি এগিয়ে যাচ্ছ।



## পার্ট ৫: The Evidence Act, 1872 (গভীর বিশ্লেষণ), Penal Code-এর উন্নত অধ্যায়, CrPC-র বিশেষ বিষয়, Viva প্রস্তুতি এবং সম্পূর্ণ Mock Test

### পার্ট ৫-এর ভূমিকা

প্রিয় পরীক্ষার্থী,

পার্ট ৪ শেষ করে তুমি এখন CrPC এবং Penal Code-এর মূল বিষয়গুলো জানো। পার্ট ৫-এ আমরা আরো গভীরে যাব।

এই পার্টে তুমি পাবে Evidence Act-এর আরো গভীর বিশ্লেষণ যেটা Part 3-এ শুরু হয়েছিল কিন্তু শেষ হয়নি। পাবে Penal Code-এর কিছু জটিল বিষয়ের সহজ ব্যাখ্যা। পাবে CrPC-র বিশেষ বিষয় যা আগে আলোচনা হয়নি। পাবে ভাইভা পরীক্ষার জন্য আলাদা প্রস্তুতি। এবং সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ, পাবে একটি সম্পূর্ণ Full Mock Test যেটায় ১০০টি প্রশ্ন আছে এবং বিগত পরীক্ষার আদলে তৈরি।

একটি কথা মনে রেখো। পরীক্ষার হলে সময় খুব কম থাকে। MCQ-তে ১০০টি প্রশ্নের জন্য ৬০ মিনিট। মানে প্রতিটি প্রশ্নে মাত্র ৩৬ সেকেন্ড। তাই যে উত্তরগুলো সরাসরি মাথায় আসে সেগুলোই তোমাকে বাঁচাবে। এই পার্টে সেই "সরাসরি মাথায় আসার" কৌশলগুলো আরো শক্ত করা হবে।

চলো শুরু করি।

## অধ্যায় ১: Evidence Act-এর উন্নত বিশ্লেষণ - যেটা পার্ট ৩-এ বলা হয়নি

### Evidence Act-এর মূল দর্শন

Evidence Act 1872 সালে পাস হয়েছে। এটা মনে রাখো। CPC এবং Limitation Act ১৯০৮ সালে, Penal Code ১৮৬০ সালে, CrPC ১৮৯৮ সালে, এবং Evidence Act ১৮৭২ সালে।

মনে রাখার টেকনিক: "Penal ১৮৬০, Evidence ১৮৭২, CrPC ১৮৯৮, CPC ১৯০৮।" এই চারটি বছর মনে থাকলেই হয়।

আন্তর্জাতিক জোক: ১৮৭২ সালে ব্রিটিশরা Evidence Act দিয়েছে। একই বছর আন্তর্জাতিক অঙ্গনে রাশিয়া তুরস্কের সাথে যুদ্ধে ব্যস্ত। প্রমাণের ভিত্তিতে বিচার না করে যুদ্ধে গেলে কী হয় সেটা দেখো। ব্রিটিশরা অন্তত Evidence Act দিয়ে প্রমাণের গুরুত্ব বুঝিয়েছে।

### Section 3 - সংজ্ঞার গভীর বিশ্লেষণ

Section 3-এ Evidence Act-এর মূল সংজ্ঞাগুলো আছে। পার্ট ৩-এ সংক্ষেপে বলা হয়েছিল। এবার গভীরে যাই।



"Fact" বলতে বোঝায় দুটি জিনিস। প্রথমত বাহ্যিক তথ্য যা ইন্দ্রিয় দ্বারা উপলব্ধি করা যায়। যেমন একটি বস্তু নির্দিষ্ট জায়গায় ছিল। দ্বিতীয়ত মানসিক তথ্য যা মনের অবস্থা বোঝায়। যেমন কারো অভিপ্রায় বা জ্ঞান।

"Relevant" বলতে বোঝায় যখন একটি তথ্য অন্য তথ্যের সাথে এমনভাবে সংযুক্ত যে সেটা প্রাসঙ্গিক।

"Evidence" বলতে বোঝায় মৌখিক সাক্ষ্য এবং দলিলপত্র। সাক্ষীর বক্তব্য এবং দলিল দুটোই Evidence।

"Proved" বলতে বোঝায় যখন আদালত এটা বিশ্বাস করে যে বিষয়টি সত্য অথবা মিথ্যা না হওয়ার সম্ভাবনা এত কম যে বিজ্ঞ মানুষ সেটাকে সত্য বলে ধরে নেয়।

"Disproved" বলতে বোঝায় যখন আদালত বিশ্বাস করে বিষয়টি সত্য নয়।

"Not proved" বলতে বোঝায় যখন Proved বা Disproved কোনোটাই হয়নি।

এই তিনটির পার্থক্য পরীক্ষায় গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৭, ২০১৯ এবং ২০২৩ সালে এসেছে।

মনে রাখার টেকনিক: "Proved = হ্যাঁ। Disproved = না। Not Proved = মাঝখানে।"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: Colin Powell ২০০৩ সালে UN Security Council-এ বলেছিলেন Iraq-এর WMD আছে। সেটা কি Proved, Disproved নাকি Not Proved ছিল? তখন Not Proved ছিল। পরে Disproved হয়েছে। Evidence Act যদি তখন প্রযোজ্য হতো তাহলে Colin Powell-এর সাক্ষ্য গ্রহণযোগ্য হতো না কারণ Expert Opinion ছাড়া।

## Section 5 - প্রাসঙ্গিক Fact-এর বিস্তারিত বিশ্লেষণ

Section 5 বলে: শুধু Relevant তথ্যই আদালতে Evidence হিসেবে গ্রহণযোগ্য।

এটা Evidence Act-এর সবচেয়ে মৌলিক নীতি। কিন্তু কোন তথ্য Relevant তা নির্ধারণ করে Section 6 থেকে Section 55 পর্যন্ত।

এই অনেক Section আছে কিন্তু পরীক্ষায় কয়েকটি বারবার আসে।

মনে রাখার টেকনিক: "Relevant না হলে Evidence নয়। Section 5 = দরজার চাবি।"

## Section 6 - Res Gestae (ঘটনার অংশ হিসেবে তথ্য)

Section 6 বলে: যে তথ্য কোনো ঘটনার সাথে এমনভাবে সম্পর্কিত যে সেটা ঘটনারই অংশ বলে মনে হয় তাহলে সেই তথ্য প্রাসঙ্গিক।

Res Gestae একটি ল্যাটিন শব্দ। এর মানে "things done" বা "কৃত কার্য।"





উদাহরণ: কেউ খুন হচ্ছে, সে চিৎকার করে বলল "করিম আমাকে মারছে।" এটা ঘটনার অংশ। তাই Section 6 অনুযায়ী প্রাসঙ্গিক।

মনে রাখার টেকনিক: "Res Gestae = ঘটনার সাথে সাথে বলা = প্রাসঙ্গিক।"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: ২০০১ সালের ১১ সেপ্টেম্বর হামলার সময় বিমানে থাকা যাত্রীরা পরিবারকে ফোন করে বলেছিলেন কী হচ্ছে। সেই কথোপকথনগুলো Evidence Act-এর Section 6 অনুযায়ী Res Gestae এবং Evidence হিসেবে গ্রহণযোগ্য।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে এসেছিল: "Res Gestae মানে কী এবং কখন এটা প্রাসঙ্গিক?"

### Section 7, 8, 9 - কারণ, প্রস্তুতি এবং পরিচয়

Section 7 বলে: কোনো ঘটনার কারণ যা সেই ঘটনাকে সম্ভব বা সহজ করে সেটা প্রাসঙ্গিক।

Section 8 বলে: কোনো অপরাধের Motive, Preparation এবং Conduct প্রাসঙ্গিক।

MPC ফর্মুলা মনে রাখো: M = Motive (অভিপ্রায়), P = Preparation (প্রস্তুতি), C = Conduct (আচরণ)।

উদাহরণ: করিম রহিমকে হত্যা করেছে। করিমের হত্যার Motive হলো ব্যবসায়িক বিরোধ। হত্যার আগে সে ছুরি কিনেছে এটা Preparation। হত্যার পরে সে পালিয়েছে এটা Conduct। তিনটিই Section 8 অনুযায়ী প্রাসঙ্গিক।

Section 9 বলে: তথ্যের ব্যাখ্যা বা পরিচয় যেটা প্রাসঙ্গিক তথ্যকে বুঝতে সাহায্য করে সেটাও প্রাসঙ্গিক।

মনে রাখার টেকনিক: "৭ = কারণ, ৮ = MPC, ৯ = পরিচয়।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে এসেছিল: "Section 8-এ Motive, Preparation এবং Conduct প্রাসঙ্গিক কেন?" ২০২৩ সালে এসেছিল: "MPC ফর্মুলা দিয়ে Section 8 ব্যাখ্যা করো।"

### Section 10 - Conspiracy-র ক্ষেত্রে তথ্যের প্রাসঙ্গিকতা

Section 10 বলে: যখন দুই বা তার বেশি ব্যক্তি Conspiracy-তে আছে তখন তাদের মধ্যে যে কোনো কথাবার্তা, চিঠি বা কাজ সব ষড়যন্ত্রকারীর বিরুদ্ধে Evidence হিসেবে ব্যবহার করা যায়।

এটা Section 34 Penal Code-এর সাথে মিলিয়ে পড়ো। দুটো একসাথে Conspiracy-র ক্ষেত্রে কাজ করে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 10 = ষড়যন্ত্রকারীদের সব কথা সবার বিরুদ্ধে।"



আন্তর্জাতিক উদাহরণ: ওয়াটারগেট কেলেঙ্কারিতে নিম্নের টেপ রেকর্ডিং হলো Section 10-এর মতো। Conspiracy-র প্রমাণ হিসেবে সব কথোপকথন ব্যবহার হয়েছে।

## Section 11 - Alibi (ভিন্নস্থানে উপস্থিতির দাবি)

Section 11 বলে: যখন কোনো তথ্য নিজেই প্রাসঙ্গিক তথ্যের সাথে সামঞ্জস্যহীন তখন সেটাও প্রাসঙ্গিক।

এটাই Alibi-র ভিত্তি। অভিযুক্ত বলছে ঘটনার সময় সে ভিন্নস্থানে ছিল। এটা Section 11 অনুযায়ী প্রাসঙ্গিক।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 11 = Alibi = আমি অন্য জায়গায় ছিলাম।"

আন্তর্জাতিক জোক: ২০২২ সালে রাশিয়া ইউক্রেনে হামলার পর বলেছিল "আমরা হামলা করিনি, আমরা শুধু বিশেষ সামরিক অভিযান করছি।" এটা কি Section 11-এর Alibi? আন্তর্জাতিক আইনে এই Alibi কেউ মানেনি।

## অধ্যায় ২: Confession-এর সম্পূর্ণ বিশ্লেষণ

### Confession কী?

Confession মানে হলো অভিযুক্তের স্বীকারোক্তি যে সে অপরাধ করেছে। এটা Evidence Act-এর সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ বিষয়গুলোর একটি। প্রায় প্রতি বছর পরীক্ষায় আসে।

Confession-এর বিভিন্ন ধরন এবং কোনটা গ্রহণযোগ্য কোনটা নয় সেটা মনে রাখাই হলো মূল চ্যালেঞ্জ।

### Section 24 - Inadmissible Confession

Section 24 বলে: যদি Confession দেওয়া হয় কোনো Inducement (প্রলোভন), Threat (ভয়) বা Promise (প্রতিশ্রুতি)-এর কারণে তাহলে সেই Confession গ্রহণযোগ্য নয়।

ITP ফর্মুলা মনে রাখো: I = Inducement (প্রলোভন), T = Threat (ভয়), P = Promise (প্রতিশ্রুতি)।

শর্ত: তিনটি শর্ত পূরণ হলেই Section 24 প্রযোজ্য: প্রথমত Confession দেওয়া হয়েছে। দ্বিতীয়ত ক্ষমতাসীল ব্যক্তির কাছ থেকে এসেছে। তৃতীয়ত এটা অপরাধের সাথে সম্পর্কিত।

মনে রাখার টেকনিক: "ভয় দেখালে, টাকা দিলে, প্রতিশ্রুতি দিলে Confession বাতিল।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Section 24-এ Confession কখন অগ্রহণযোগ্য হয়?"

### Section 25 - Police Confession



Section 25 হলো Evidence Act-এর সবচেয়ে বেশি পরীক্ষায় আসা ধারা।

Section 25 বলে: পুলিশ অফিসারের কাছে করা কোনো Confession ফৌজদারি মামলায় প্রমাণ হিসেবে ব্যবহার করা যাবে না।

এটা সম্পূর্ণ বাধ্যতামূলক। কোনো ব্যতিক্রম নেই।

কেন এই নিয়ম আছে: কারণ পুলিশ অভিযুক্তকে চাপ দিয়ে Confession নিতে পারে এবং সেই Confession যদি গ্রহণযোগ্য হতো তাহলে পুলিশি নির্যাতন অনেক বেড়ে যেত।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 25 = পুলিশের সামনে Confession = বাতিল।"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: Guantanamo Bay-তে CIA "Enhanced Interrogation Techniques" ব্যবহার করে Confession নিয়েছে। যদি Evidence Act প্রযোজ্য হতো তাহলে এই সব Confession Section 24 এবং 25-এর অধীনে বাতিল হয়ে যেত। আমেরিকার আদালতেও এই অনেক Confession ব্যবহার করা যায়নি।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৫, ২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ এবং ২০২৫ সালের প্রতিটি পরীক্ষায় Section 25 থেকে প্রশ্ন এসেছে।

## Section 26 - Police Custody-তে Confession

Section 26 বলে: পুলিশ হেফাজতে থাকাকালীন কোনো ব্যক্তি যদি ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে ছাড়া অন্য কোথাও Confession দেয় তাহলে সেটা প্রমাণ হিসেবে ব্যবহার করা যাবে না।

মনে রাখার পার্থক্য: Section 25 = পুলিশের কাছে Confession = সম্পূর্ণ বাতিল। Section 26 = পুলিশ হেফাজতে Confession = ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে ছাড়া বাতিল।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 25 = পুলিশের সামনে। Section 26 = পুলিশ হেফাজতে। দুটোই সাধারণত বাতিল।"

## Section 27 - Discovery Statement

Section 27 হলো পরীক্ষায় অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ এবং মজার একটি Section।

Section 27 বলে: যদি পুলিশ হেফাজতে থাকা ব্যক্তি এমন কোনো তথ্য দেয় যার ফলে কোনো তথ্য আবিষ্কৃত হয়, তাহলে সেই তথ্যের যে অংশের কারণে আবিষ্কার হয়েছে সেই অংশটুকু গ্রহণযোগ্য।

এটাকে বলা হয় "Discovery Statement।"



উদাহরণ: অভিযুক্ত পুলিশ হেফাজতে আছে। সে বলল "আমি অস্ত্রটা ঘরের পেছনে মাটিতে পুঁতে রেখেছি।" পুলিশ গেল এবং অস্ত্র পেল। এই স্বীকারোক্তির সেই অংশটুকু যা অস্ত্র আবিষ্কারে সাহায্য করেছে সেটা গ্রহণযোগ্য।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 27 = খুঁজে পেলে গ্রহণযোগ্য।"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: Osama bin Laden-কে খোঁজার সময় CIA বন্দিদের Interrogation থেকে তথ্য পেয়েছিল। সেই তথ্যের ভিত্তিতে তাকে পাওয়া গেছে। এটা Section 27-এর আন্তর্জাতিক সংস্করণ। Discovery-র কারণে তথ্য গ্রহণযোগ্য।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ এবং ২০২৫ সালে Section 27 থেকে প্রশ্ন এসেছে।

### Section 28 - Confession After Removal of Inducement

Section 28 বলে: যদি Section 24-এর Inducement, Threat বা Promise দূর হয়ে যায় এবং তারপরেও অভিযুক্ত Confession করে তাহলে সেটা গ্রহণযোগ্য।

মনে রাখার টেকনিক: "ভয় চলে গেলে পরের Confession গ্রহণযোগ্য।"

### Section 29 - Confession Otherwise Relevant Not to Become Irrelevant

Section 29 বলে: শুধু এই কারণে Confession অগ্রহণযোগ্য হবে না যে অভিযুক্তকে বলা হয়েছিল তার Confession গোপন রাখা হবে বা অন্য কোনো প্রতিশ্রুতি দেওয়া হয়েছিল।

এটা কিছুটা জটিল। সহজ করে বলো: গোপনীয়তার প্রতিশ্রুতি Confession বাতিল করে না।

### Section 30 - Confession by Co-accused

Section 30 বলে: যখন একাধিক ব্যক্তি একই মামলায় অভিযুক্ত এবং তাদের মধ্যে একজন Confession করে তাহলে সেই Confession তার নিজের বিরুদ্ধে এবং তার সহ-অভিযুক্তদের বিরুদ্ধে বিবেচনা করা যায়।

কিন্তু সতর্কতা: Section 30 বলে শুধু "বিবেচনা করা যায়" অর্থাৎ Corroboration দরকার।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 30 = একজন বললে সবাইয়ের বিরুদ্ধে বিবেচনা, তবে একা যথেষ্ট নয়।"

## অধ্যায় ৩: Dying Declaration-এর সম্পূর্ণ বিশ্লেষণ

### Section 32(1) - Dying Declaration

Dying Declaration হলো পরীক্ষায় সবচেয়ে বেশি আসা বিষয়গুলোর একটি।



Section 32(1) বলে: মৃত ব্যক্তি তার মৃত্যুর কারণ বা মৃত্যু সম্পর্কিত পরিস্থিতি সম্পর্কে যে বক্তব্য রেখে গেছে সেটা প্রাসঙ্গিক।

গুরুত্বপূর্ণ বিষয়: বক্তব্যকারীকে মৃত্যুর আশঙ্কা থাকতে হবে এমন কোনো বাধ্যবাধকতা নেই। এটা অনেকে ভুল করে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 32(1) = মৃত ব্যক্তির কথা = গ্রহণযোগ্য। মৃত্যুর আশঙ্কা লাগে না।"

### Dying Declaration-এর আইনি শক্তি

Dying Declaration কি একমাত্র Evidence হিসেবে যথেষ্ট?

বাংলাদেশের আদালত বলেছে Dying Declaration যদি বিশ্বাসযোগ্য হয় তাহলে Corroboration ছাড়াও রায় দেওয়া যায়।

তবে Dying Declaration-এর বিশ্বাসযোগ্যতা যাচাই করতে হয়। যাচাইয়ের মানদণ্ড হলো মানসিক সুস্থতা, স্বেচ্ছাপ্রণোদনা এবং সুস্পষ্টতা।

মনে রাখার টেকনিক: "Dying Declaration = শক্তিশালী Evidence। কিন্তু বিশ্বাসযোগ্য হতে হবে।"

আন্তর্জাতিক জোক: ২০২৪ সালে বাংলাদেশে যারা শহীদ হয়েছেন তাদের শেষ কথা যদি রেকর্ড হয়ে থাকে তাহলে ভবিষ্যতে বিচারের সময় Section 32(1) অনুযায়ী সেগুলো গ্রহণযোগ্য Evidence হবে।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৫, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ এবং ২০২৫ সালে Dying Declaration থেকে প্রশ্ন এসেছে।

## অধ্যায় ৪: Expert Opinion - Section 45

### Section 45 - Expert Opinion কী?

Section 45 বলে: যখন কোনো বিষয়ে বিজ্ঞান, শিল্পকলা, চিকিৎসা, বিদেশী আইন বা হাতের লেখা সংক্রান্ত প্রশ্ন উঠে তখন বিশেষজ্ঞ ব্যক্তির মতামত প্রাসঙ্গিক।

কারা Expert হতে পারে? ডাক্তার, ইঞ্জিনিয়ার, বিজ্ঞানী, হস্তলিপি বিশেষজ্ঞ, বিদেশী আইন বিশেষজ্ঞ।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 45 = বিশেষজ্ঞের কথা গ্রহণযোগ্য। সাধারণ মানুষের কথা নয়।"

### Expert Opinion-এর গুরুত্ব



Expert Opinion কি Conclusive? না। Expert Opinion একটি মতামত। আদালত সেটা মানতে বা না মানতে পারে।

কিন্তু DNA Evidence, Post Mortem Report, Forensic Evidence এগুলো Expert Opinion হিসেবে বর্তমানে খুব গুরুত্বপূর্ণ।

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: ICC-তে যখন যুদ্ধাপরাধের বিচার হয় তখন Forensic Expert-দের সাক্ষ্য খুব গুরুত্বপূর্ণ। সার্বিয়া-বসনিয়া মামলায় DNA Evidence দিয়ে হত্যার শিকারদের পরিচয় নিশ্চিত করা হয়েছে।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ এবং ২০২৫ সালে Expert Opinion থেকে প্রশ্ন এসেছে।

### Section 45A - Digital Evidence-এ Expert Opinion

২০২৫ সালের পরীক্ষায় এটা গুরুত্বপূর্ণ হয়েছে এবং ২০২৬ সালেও আসার সম্ভাবনা আছে।

Electronic Records, Computer Generated Evidence, CCTV Footage, WhatsApp Messages এগুলো এখন আদালতে আসছে।

এই ধরনের Digital Evidence-এর ক্ষেত্রে Computer Expert-এর Opinion প্রাসঙ্গিক।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 45A = Digital Forensics।"

---

## অধ্যায় ৫: Documentary Evidence-এর বিস্তারিত বিশ্লেষণ

### Section 62 - Primary Evidence

Section 62 বলে: Primary Evidence মানে মূল দলিল বা Original Document।

এটাই সবচেয়ে শক্তিশালী Evidence।

মনে রাখার টেকনিক: "Primary = মূল = সেরা।"

### Section 63 - Secondary Evidence

Section 63 বলে: Secondary Evidence মানে মূল দলিলের বিকল্প। এটি কয়েকভাবে হয়।

প্রথমত Certified copies অর্থাৎ নিশ্চিতকৃত কপি।

দ্বিতীয়ত মূল দলিল থেকে তৈরি Copies।



তৃতীয়ত Counterparts অর্থাৎ প্রতি দলিল।

চতুর্থত মূল দলিলের বিষয়বস্তু সম্পর্কে সাক্ষীর মৌখিক বক্তব্য।

মনে রাখার টেকনিক: "Secondary = মূলের বিকল্প = চার ধরনে।"

### Section 65 - কখন Secondary Evidence গ্রহণযোগ্য?

Section 65 বলে: কিছু নির্দিষ্ট পরিস্থিতিতে Secondary Evidence গ্রহণযোগ্য।

এই পরিস্থিতিগুলো হলো:

প্রথমত মূল দলিল প্রতিপক্ষের হেফাজতে।

দ্বিতীয়ত মূল দলিল নষ্ট হয়ে গেছে।

তৃতীয়ত মূল দলিল বিদেশে।

চতুর্থত মূল দলিল স্থানান্তর করা কঠিন।

পঞ্চমত মূল দলিল পেতে আইনি প্রক্রিয়া লাগবে।

মনে রাখার টেকনিক (ODMAL ফর্মুলা): O = Opponent's possession, D = Destroyed, M = Missing/lost, A = Abroad, L = Legal process required।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে এসেছিল: "কখন Secondary Evidence গ্রহণযোগ্য?"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: যখন কোনো দেশের আর্কাইভে দলিল থাকে এবং অন্য দেশ সেটা চায় তখন Secondary Evidence-এর প্রশ্ন ওঠে। বাংলাদেশ-পাকিস্তানের ক্ষেত্রে ১৯৭১ সালের দলিল পাওয়ার বিষয়ে Section 65-এর নীতি প্রাসঙ্গিক।

### Section 74 এবং 75 - Public এবং Private Documents

Section 74 বলে: Public Document কী। সরকারি রেকর্ড, আদালতের রেকর্ড, আইনসভার কার্যবিবরণী ইত্যাদি Public Document।

Section 75 বলে: Private Document কী। Public Document ছাড়া বাকি সব।

মনে রাখার টেকনিক: "সরকারি = Public, ব্যক্তিগত = Private।"



## অধ্যায় ৬: Burden of Proof-এর সম্পূর্ণ বিশ্লেষণ

### Section 101 - প্রমাণের দায়িত্ব

Section 101 হলো Evidence Act-এর সবচেয়ে মৌলিক নীতিগুলোর একটি।

Section 101 বলে: যে ব্যক্তি কোনো তথ্যের অস্তিত্ব দাবি করে তার উপর প্রমাণের দায়িত্ব।

সহজ কথায়: "যে দাবি করে সে প্রমাণ করে।"

মনে রাখার টেকনিক: "Section 101 = তুমি বললে তুমি প্রমাণ করো।"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: আন্তর্জাতিক আইনেও একই নীতি প্রযোজ্য। নিকারাগুয়া বনাম আমেরিকা মামলায় ICJ বলেছিল আমেরিকাকে তার কাজের ন্যায্যতা প্রমাণ করতে হবে। Burden of Proof-এর নীতি সার্বজনীন।

### Section 102 - Burden of Proof কখন স্থানান্তরিত হয়?

Section 102 বলে: কখনো কখনো Burden of Proof প্রতিপক্ষের দিকে সরে যায়।

উদাহরণ: রাষ্ট্রপক্ষ যদি প্রাথমিকভাবে প্রমাণ করে যে অভিযুক্ত একটি কাজ করেছে তাহলে অভিযুক্তকে সেই কাজের ব্যাখ্যা দিতে হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "Burden of Proof নড়াচড়া করে, এক জায়গায় থাকে না।"

### Section 103 - নির্দিষ্ট তথ্যের প্রমাণ

Section 103 বলে: যে কোনো নির্দিষ্ট তথ্যের অস্তিত্ব প্রমাণ করার দায়িত্ব তার উপর যে দাবি করছে।

### Section 105 - General Exception-এ Burden of Proof

এটা পরীক্ষায় অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। প্রতি বছর আসে।

Section 105 বলে: যখন অভিযুক্ত দাবি করে যে তার মামলা Penal Code-এর General Exceptions-এর অধীনে পড়ে তখন সেটা প্রমাণ করার দায়িত্ব অভিযুক্তের উপর।

উদাহরণ: অভিযুক্ত বলছে সে Section 84-এর অধীনে মানসিক অসুস্থতার কারণে দায়মুক্ত। এটা প্রমাণ করার দায়িত্ব তার নিজের।





মনে রাখার টেকনিক: "Exception দাবি করলে নিজে প্রমাণ করো।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ এবং ২০২৫ সালে Section 105 থেকে প্রশ্ন এসেছে।

---

## অধ্যায় ৭: Presumption - Section 79 থেকে 90

### Presumption কী?

Presumption মানে হলো কিছু বিষয় প্রমাণ না করলেও ধরে নেওয়া হয়।

Evidence Act-এ তিন ধরনের Presumption আছে:

প্রথমত "May presume" অর্থাৎ আদালত ইচ্ছা করলে ধরে নিতে পারে।

দ্বিতীয়ত "Shall presume" অর্থাৎ আদালত বাধ্যতামূলকভাবে ধরে নেবে।

তৃতীয়ত "Conclusive proof" অর্থাৎ এমন Presumption যা খণ্ডন করা যায় না।

মনে রাখার টেকনিক: "May = ইচ্ছামতো, Shall = বাধ্য, Conclusive = চূড়ান্ত।"

### Section 79 - Certified Copies

Section 79 বলে: Certified copies সত্য বলে ধরে নেওয়া হয় (Shall Presume)।

### Section 82 - Maps and Charts

Section 82 বলে: সরকারিভাবে তৈরি মানচিত্র এবং চার্ট সত্য বলে Shall Presume।

### Section 83 - Books

Section 83 বলে: আইনসভার কার্যবিবরণী এবং গেজেট সত্য বলে ধরে নেওয়া হয়।

### Section 89 - Telegraphic Presumption

Section 89 বলে: টেলিগ্রামের বিষয়বস্তু সঠিকভাবে প্রেরিত হয়েছে বলে ধরে নেওয়া হয়।

এটা বর্তমানে Email এবং Electronic Communication-এও প্রযোজ্য।

### Section 90 - ৩০ বছরের পুরনো দলিল (পরীক্ষায় সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ)



Section 90 হলো পরীক্ষায় বারবার আসা একটি Section।

Section 90 বলে: যদি কোনো দলিল ৩০ বছর বা তার বেশি পুরনো হয় এবং সঠিক হেফাজতে পাওয়া যায় এবং দেখতে বিশ্বাসযোগ্য মনে হয়, তাহলে আদালত সেটা আসল বলে ধরে নিতে পারে (May Presume)।

সঠিক হেফাজত মানে এমন ব্যক্তির কাছে যার কাছে থাকা স্বাভাবিক।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 90 = ৩০ বছর + সঠিক জায়গা + বিশ্বাসযোগ্য দেখতে = আসল।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৫ থেকে ২০২৫ পর্যন্ত প্রতিটি পরীক্ষায় Section 90 থেকে প্রশ্ন এসেছে।

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: জমির পুরনো দলিল নিয়ে বিরোধে Section 90 গুরুত্বপূর্ণ। ১৯৪৭ সালের দেশভাগের সময়কার দলিলগুলো ইতিমধ্যে ৭০+ বছর পুরনো। Section 90 অনুযায়ী সেগুলো আসল বলে ধরে নেওয়া যায়।

## অধ্যায় ৮: Estoppel-এর সম্পূর্ণ বিশ্লেষণ

### Section 115 - Estoppel কী?

Estoppel-এর মানে হলো কেউ যদি কোনো কথা বলে বা কাজ করে এবং অন্য ব্যক্তি সেই কথায় বিশ্বাস রেখে কাজ করে, তাহলে প্রথম ব্যক্তি তার নিজের কথার বিরুদ্ধে যেতে পারবে না।

Section 115 বলে: যখন কেউ এমন ঘোষণা করেছে বা করেছে বা কার্য করেছে যার ফলে অন্য ব্যক্তি সেটা সত্য মনে করে কার্য করেছে, তাহলে সে সেই ঘোষণার সত্যতা অস্বীকার করতে পারবে না।

মনে রাখার টেকনিক: "Estoppel = নিজের কথা ফেরাতে পারবে না।"

### Estoppel-এর উদাহরণ

করিম রহিমকে বলল "এই জমি তোমার।" রহিম সেই বিশ্বাসে জমিতে ঘর বানাল। এখন করিম বলছে জমি তার। Section 115 অনুযায়ী করিম এখন এটা বলতে পারবে না কারণ রহিম তার কথায় বিশ্বাস করে ক্ষতি করেছে।

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: ২০২২ সালে রাশিয়া বারবার বলেছিল তারা ইউক্রেন আক্রমণ করবে না। ইউক্রেন এবং ইউরোপের কিছু দেশ এই কথায় আস্থা রেখেছিল। তারপর রাশিয়া আক্রমণ করল। Section 115-এর নীতি অনুযায়ী রাশিয়া Estopped হওয়া উচিত ছিল। কিন্তু আন্তর্জাতিক আইনে Estoppel এতটা সহজে প্রযোজ্য নয়।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১ এবং ২০২৩ সালে Section 115 থেকে প্রশ্ন এসেছে।



## Section 116 - Tenant's Estoppel

Section 116 বলে: একজন ভাড়াটে তার জমিদার বা বাড়িওয়ালার মালিকানা অস্বীকার করতে পারবে না।

মনে রাখার টেকনিক: "ভাড়াটে = মালিকানা স্বীকার করতে বাধ্য।"

## অধ্যায় ৯: Privileged Communications - Lawyer-Client এবং অন্যান্য

### Section 126 - Attorney-Client Privilege

Section 126 হলো আইনজীবীর পেশার সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ বিধানগুলোর একটি।

Section 126 বলে: একজন আইনজীবী তার মক্কেলের সাথে পেশাগত সম্পর্কে যা জেনেছেন সেটা সাক্ষ্য হিসেবে প্রকাশ করতে পারবেন না।

শর্ত: মক্কেলের সম্মতি ছাড়া।

কিন্তু ব্যতিক্রম: যদি মক্কেল ভবিষ্যতে কোনো অপরাধ করার পরিকল্পনা করে সেটা জানালে আইনজীবী তা গোপন রাখতে বাধ্য নন।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 126 = মক্কেলের কথা গোপন। ভবিষ্যৎ অপরাধ ছাড়া।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১ এবং ২০২৩ সালে Section 126 থেকে প্রশ্ন এসেছে।

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: ২০১৬ সালে Panama Papers প্রকাশিত হয়েছিল। একটি আইনি সংস্থার গোপন দলিল ফাঁস হয়েছিল। Section 126-এর অধীনে এই তথ্য গোপন রাখা উচিত ছিল। কিন্তু দলিল ফাঁসের নৈতিকতার প্রশ্নটি আলাদা।

### Section 122 - Marital Communication (বিবাহিত সম্পর্কের কথোপকথন)

Section 122 বলে: বিবাহিত জীবনে স্বামী-স্ত্রীর মধ্যে কথোপকথন সাক্ষ্য হিসেবে প্রকাশ করা যায় না।

শর্ত: অন্যজন জীবিত থাকলে তার সম্মতি ছাড়া।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 122 = স্বামী-স্ত্রীর কথা গোপন।"

### Section 123 - Public Interest (রাষ্ট্রীয় নথি)



Section 123 বলে: রাষ্ট্রীয় গোপনীয় দলিল আদালতে পেশ করা যায় না যদি সরকার মনে করে এতে জনস্বার্থ ক্ষতিগ্রস্ত হবে।

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: বাংলাদেশ-ভারত সম্পর্কের কোনো গোপন চুক্তি থাকলে সেটা Section 123-এর অধীনে আদালতে না আসতে পারে।

---

## অধ্যায় ১০: Examination of Witnesses - সাক্ষী পরীক্ষা

### Evidence Act-এ সাক্ষী পরীক্ষার তিন ধাপ

পরীক্ষায় এই তিন ধাপ সম্পর্কে প্রশ্ন আসে।

প্রথম ধাপ হলো Examination-in-Chief। এটা নিজ পক্ষের সাক্ষীকে প্রশ্ন করা।

দ্বিতীয় ধাপ হলো Cross-examination। এটা প্রতিপক্ষ দ্বারা সাক্ষীকে প্রশ্ন করা।

তৃতীয় ধাপ হলো Re-examination। Cross-examination-এর পরে নিজ পক্ষ আবার প্রশ্ন করা।

মনে রাখার টেকনিক: "নিজে জিজ্ঞেস করো, প্রতিপক্ষ জিজ্ঞেস করে, আবার নিজে। ECR ফর্মুলা: Examination, Cross, Re-examination।"

### Section 137 - Examination-in-Chief

Section 137 এই তিনটি ধাপের সংজ্ঞা দেয়।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Examination-in-Chief এবং Cross-examination-এর পার্থক্য কী?"

### Section 145 - Cross Examination

Section 145 বলে: Cross-examination-এ সাক্ষীকে তার পূর্ববর্তী লিখিত বক্তব্যের সাথে অসামঞ্জস্য দেখানো যায়।

এটা গুরুত্বপূর্ণ কারণ CrPC Section 164-এ নেওয়া Statement-এর সাথে সাক্ষীর বক্তব্যের পার্থক্য ধরিয়ে দেওয়া যায়।

মনে রাখার টেকনিক: "Cross = আগের কথা দিয়ে ধরো।"

### Leading Questions



Section 141-142 Leading Questions সম্পর্কে।

Leading Question মানে এমন প্রশ্ন যেখানে উত্তর প্রশ্নের মধ্যেই থাকে।

Examination-in-Chief-এ সাধারণত Leading Question করা যায় না।

Cross-examination-এ Leading Question করা যায়।

মনে রাখার টেকনিক: "Leading Question = উত্তর-সহ প্রশ্ন। Cross-এ দেওয়া যায়, নিজের সাক্ষীকে নয়।"

---

## অধ্যায় ১১: Penal Code-এর উল্লত বিষয়

### Wrongful Restraint এবং Wrongful Confinement

Section 339 - Wrongful Restraint বলে: কাউকে সরানো থেকে বিরত রাখা।

Section 340 - Wrongful Confinement বলে: কাউকে নির্দিষ্ট সীমানায় আটকে রাখা।

পার্থক্য: Wrongful Restraint = চলাফেরায় বাধা। Wrongful Confinement = নির্দিষ্ট জায়গায় আটকে রাখা।

মনে রাখার টেকনিক: "Restraint = থামানো, Confinement = আটকানো।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ এবং ২০২১ সালে এসেছে।

### Section 350 - Criminal Force

Section 350 বলে: Criminal Force মানে হলো কাউকে তার সম্মতি ছাড়া Force প্রয়োগ করা অপরাধ করার উদ্দেশ্যে।

### Section 351 - Assault

Section 351 বলে: Assault মানে কারো ইচ্ছামতো কাজ বা অঙ্গভঙ্গি যা অন্যকে মনে করায় যে সে Criminal Force-এর শিকার হতে পারে।

মনে রাখার পার্থক্য: Assault = ভয় দেখানো। Criminal Force = বল প্রয়োগ।

আন্তর্জাতিক জোক: যখন উত্তর কোরিয়া মিসাইল পরীক্ষা করে তখন জাপান ভয় পায়। এটা কি Section 351-এর Assault? আন্তর্জাতিক আইনে এই প্রশ্নের সরল উত্তর নেই।



## Section 361 - Kidnapping from Lawful Guardianship

Section 361 বলে: ১৬ বছরের কম বয়সী ছেলে বা ১৮ বছরের কম বয়সী মেয়েকে অভিভাবকের কাছ থেকে সরিয়ে নেওয়া Kidnapping।

মনে রাখার টেকনিক: "ছেলে ১৬, মেয়ে ১৮।"

## Section 362 - Abduction

Section 362 বলে: কাউকে জোর বা প্রতারণা করে এক জায়গা থেকে অন্য জায়গায় নিয়ে যাওয়া।

Kidnapping এবং Abduction-এর পার্থক্য: Kidnapping-এ বয়সের সীমা আছে এবং অভিভাবকের কাছ থেকে নেওয়া হয়। Abduction-এ বয়সের সীমা নেই এবং উদ্দেশ্য গুরুত্বপূর্ণ।

মনে রাখার টেকনিক: "Kidnapping = বয়স সীমা + অভিভাবক থেকে। Abduction = যে কোনো বয়স + উদ্দেশ্য।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭, ২০১৯ এবং ২০২১ সালে Kidnapping এবং Abduction-এর পার্থক্য জিজ্ঞাস করা হয়েছে।

---

## অধ্যায় ১২: CrPC-র বিশেষ বিষয় যা পার্ট ৪-এ বলা হয়নি

### Section 200 - Complaint Magistrate-এর কাছে

Section 200 বলে: যখন কেউ Non-cognizable offence-এর জন্য Magistrate-এর কাছে Complaint করে তখন Magistrate সেই ব্যক্তিকে Examine করবে এবং তার বক্তব্য লিখে রাখবে।

FIR এবং Complaint-এর পার্থক্য: FIR পুলিশের কাছে Cognizable offence-এ। Complaint Magistrate-এর কাছে Non-cognizable offence-এ।

মনে রাখার টেকনিক: "Cognizable = পুলিশকে FIR। Non-cognizable = Magistrate-কে Complaint।"

### Section 202 - Postponement of Issue of Process

Section 202 বলে: Complaint পাওয়ার পরে Magistrate তদন্ত করতে বলতে পারে বা নিজে পরীক্ষা করতে পারে।

### Section 204 - Issue of Process



Section 204 বলে: যদি Magistrate মনে করে মামলা এগিয়ে নেওয়ার যথেষ্ট কারণ আছে তাহলে Summons বা Warrant জারি করবে।

মনে রাখার টেকনিক: "Complaint এলে তদন্ত হয়, তারপর Summons বা Warrant।"

### Section 265J - Plea Bargaining

Section 265J CrPC-তে Plea Bargaining-এর বিধান দেয়।

Plea Bargaining মানে হলো অভিযুক্ত যদি দোষ স্বীকার করে এবং শাস্তি নিয়ে রাজি হয় তাহলে দীর্ঘ বিচার ছাড়াই মীমাংসা হয়।

এটা সাম্প্রতিক বিধান এবং ২০২৬ সালের পরীক্ষায় আসতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক: "Plea Bargaining = স্বীকার করো, দ্রুত শেষ করো।"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: আমেরিকার আদালতে ৯০% এর বেশি মামলা Plea Bargaining-এ শেষ হয়। বাংলাদেশে এটা সীমিত কিন্তু আসছে।

### Section 155 - Non-cognizable Offence-এ পুলিশের ভূমিকা

Section 155 বলে: Non-cognizable offence-এ পুলিশ FIR নিতে পারবে না। কিন্তু GD Entry করতে পারবে এবং Magistrate-এর কাছে পাঠাতে পারবে।

মনে রাখার টেকনিক: "Non-cognizable = GD Entry, Magistrate-এ পাঠাও।"

## অধ্যায় ১৩: Professional Ethics-এর উন্নত বিশ্লেষণ

পার্ট ৩-এ Professional Ethics-এর মূল বিষয় আলোচনা হয়েছে। এবার আরো গভীরে যাই।

### Advocate-এর বিভিন্ন ধরনের কর্তব্য

#### আদালতের প্রতি কর্তব্য (Duty to the Court)

প্রথমত আদালতকে সবসময় সত্য বলতে হবে।

দ্বিতীয়ত মিথ্যা প্রমাণ উপস্থাপন করা যাবে না।

তৃতীয়ত আদালতকে ইচ্ছাকৃতভাবে বিভ্রান্ত করা যাবে না।



চতুর্থত আদালতের মর্যাদা রক্ষা করতে হবে।

পঞ্চমত আদালতের সময় নষ্ট করা যাবে না।

মনে রাখার টেকনিক: "সত্য, সততা, মর্যাদা = আদালতের প্রতি কর্তব্য।"

### **মক্কেলের প্রতি কর্তব্য (Duty to the Client)**

প্রথমত মক্কেলের স্বার্থ রক্ষা করতে হবে।

দ্বিতীয়ত গোপনীয়তা রক্ষা করতে হবে (Section 126)।

তৃতীয়ত সং পরামর্শ দিতে হবে।

চতুর্থত মক্কেলের ফান্ড আলাদা রাখতে হবে।

পঞ্চমত স্বার্থের দ্বন্দ্ব এড়াতে হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "মক্কেলের স্বার্থ সবসময়, কিন্তু আইনের সীমায়।"

### **প্রতিপক্ষের প্রতি কর্তব্য**

প্রথমত মিথ্যা অভিযোগ করা যাবে না।

দ্বিতীয়ত মক্কেলের অগুণ্ডাতে প্রতিপক্ষের সাথে যোগাযোগ করা যাবে না।

তৃতীয়ত প্রতিপক্ষের সাক্ষীকে প্রভাবিত করা যাবে না।

### **পেশার প্রতি কর্তব্য**

প্রথমত পেশার মর্যাদা বজায় রাখতে হবে।

দ্বিতীয়ত অন্য আইনজীবীকে বিনা কারণে আক্রমণ করা যাবে না।

তৃতীয়ত আইন মেনে চলতে হবে।

### **Conflict of Interest**

Conflict of Interest মানে হলো একই মামলায় উভয় পক্ষের প্রতিনিধিত্ব করা।

এটা সম্পূর্ণ নিষিদ্ধ। বিগত ২০১৯ এবং ২০২১ সালে এসেছে।





মনে রাখার টেকনিক: "একই মামলায় দুই পক্ষ = Conflict of Interest = নিষিদ্ধ।"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: যখন কোনো আইনজীবী একটি কোম্পানির আইনি পরামর্শদাতা ছিলেন এবং পরে সেই কোম্পানির বিরুদ্ধে মামলায় অন্য পক্ষকে প্রতিনিধিত্ব করেন, এটা Conflict of Interest।

### Bar Council-এর শৃঙ্খলামূলক ক্ষমতা

Bangladesh Bar Council Order, 1972-এর Article 32-এ শৃঙ্খলামূলক ব্যবস্থার বিধান আছে।

Disciplinary Committee তদন্ত করে। তদন্তের পরে শাস্তি দেওয়া হয়।

শাস্তির ধরন পুনরায় মনে রাখো: Warning (সতর্কতা), Censure (নিন্দা), Suspension (সাময়িক বরখাস্ত), Disbarment (স্থায়ী বরখাস্ত)।

শাস্তির বিরুদ্ধে High Court Division-এ Appeal করা যায়।

মনে রাখার টেকনিক: "Warning, Censure, Suspend, Disbar। ক্রমবর্ধমান শাস্তি।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ এবং ২০২৩ সালে Disciplinary Proceedings সম্পর্কে প্রশ্ন এসেছে।

---

### অধ্যায় ১৪: ভাইভা পরীক্ষার প্রস্তুতি

#### ভাইভা কী এবং কীভাবে হয়?

বার কাউন্সিল MCQ এবং Written পরীক্ষার পরে Viva Voce পরীক্ষা নেয়। এটা মৌখিক পরীক্ষা।

ভাইভাতে পরীক্ষকেরা সাধারণত জিজ্ঞেস করেন: নিজের পরিচয়, কোথায় পড়েছ, কোন আইনজীবীর অধীনে Pupillage করেছ এবং আইনের বিভিন্ন বিষয়।

#### ভাইভাতে সবচেয়ে বেশি জিজ্ঞেস করা প্রশ্নগুলো

প্রশ্ন ১: CPC এবং CrPC-র মধ্যে পার্থক্য কী?

উত্তর: CPC হলো The Code of Civil Procedure, 1908। এটা দেওয়ানি মামলার পদ্ধতি। CrPC হলো The Code of Criminal Procedure, 1898। এটা ফৌজদারি মামলার পদ্ধতি।

প্রশ্ন ২: Admission এবং Confession-এর পার্থক্য কী?



উত্তর: Admission দেওয়ানি মামলায় পক্ষ দ্বারা নিজের বিরুদ্ধে তথ্য স্বীকার। Confession ফৌজদারি মামলায় অভিযুক্ত দ্বারা অপরাধ স্বীকার।

প্রশ্ন ৩: Bail এবং Bail Bond-এর পার্থক্য কী?

উত্তর: Bail হলো জামিনের আদেশ। Bail Bond হলো জামিনের শর্তে দেওয়া মুচলেকা বা অঙ্গীকার।

প্রশ্ন ৪: FIR-এর সংজ্ঞা কী?

উত্তর: FIR মানে First Information Report। CrPC Section 154 অনুযায়ী Cognizable offence সম্পর্কে পুলিশকে দেওয়া প্রথম লিখিত তথ্য।

প্রশ্ন ৫: Res Judicata এবং Res Gestae-র মধ্যে পার্থক্য কী?

উত্তর: Res Judicata হলো CPC Section 11-এ বিষয়টি আগে বিচার হয়েছে, আবার হবে না। Res Gestae হলো Evidence Act Section 6-এ ঘটনার সাথে সাথে বলা কথা প্রাসঙ্গিক।

প্রশ্ন ৬: Murder এবং Culpable Homicide কীভাবে আলাদা?

উত্তর: Penal Code Section 299 অনুযায়ী Culpable Homicide এবং Section 300 অনুযায়ী Murder। সব Murder হলো Culpable Homicide কিন্তু সব Culpable Homicide Murder নয়। Murder-এ উদ্দেশ্য এবং পরিণতি সম্পর্কে জ্ঞান অনেক বেশি স্পষ্ট।

প্রশ্ন ৭: Section 84 কখন প্রযোজ্য?

উত্তর: Penal Code Section 84 প্রযোজ্য যখন কোনো ব্যক্তি মানসিক অসুস্থতার কারণে কাজের প্রকৃতি বুঝতে না পারে বা বুঝলেও সেটা ভুল কিনা বুঝতে না পারে। মানসিক অসুস্থতা কাজের সময় থাকতে হবে।

প্রশ্ন ৮: Common Intention এবং Common Object-এর পার্থক্য কী?

উত্তর: Section 34 Common Intention-এ নির্দিষ্ট সংখ্যা নেই। Section 149 Common Object-এ ৫ বা তার বেশি মানুষ থাকতে হবে।

প্রশ্ন ৯: Professional Ethics কী?

উত্তর: Professional Ethics মানে হলো আইনজীবীর পেশাদারী নৈতিকতা। এটা Bangladesh Bar Council Order, 1972 এবং Bar Council Rules দ্বারা নিয়ন্ত্রিত।

প্রশ্ন ১০: Injunction কী এবং কত প্রকার?



উত্তর: Injunction হলো আদালতের আদেশ যা কাউকে কোনো কাজ করা থেকে বিরত রাখে বা করতে বাধ্য করে। দুই প্রকার: Temporary Injunction (CPC Order 39) এবং Perpetual Injunction (SRA Section 38)।

### ভাইভাতে নিজেকে কীভাবে উপস্থাপন করবে

প্রথমত আত্মবিশ্বাসী থাকো। জানো না এমন প্রশ্নে বলো "আমি নিশ্চিত নই তবে আমার মনে হয়।"

দ্বিতীয়ত সংক্ষিপ্ত কিন্তু সম্পূর্ণ উত্তর দাও।

তৃতীয়ত Section নম্বর উল্লেখ করো। পরীক্ষক খুশি হবে।

চতুর্থত বাস্তব উদাহরণ দিতে পারলে ভালো।

পঞ্চমত পরীক্ষককে সম্মান করো।

---

### অধ্যায় ১৫: সম্পূর্ণ Full Mock Test - ১০০ প্রশ্ন

এই Mock Test-টি বিগত পরীক্ষার প্রশ্নের আদলে তৈরি। প্রতিটি প্রশ্নে ৩৬ সেকেন্ড।

#### Section 1: CPC - ২০টি প্রশ্ন

প্রশ্ন ১। CPC কত সালে পাস হয়েছে?

ক) ১৮৬০

খ) ১৮৭২

গ) ১৮৯৮

ঘ) ১৯০৮

সঠিক উত্তর: ঘ। বছর ২০১৭, ২০১৯, ২০২৩ সালে এসেছে।

প্রশ্ন ২। CPC Section 9-এ "Suit of a civil nature" বলতে কী বোঝানো হয়েছে?

ক) শুধু সম্পত্তির মামলা।

খ) শুধু পারিবারিক মামলা।



গ) নাগরিক অধিকার বা সম্পত্তির অধিকার রক্ষার মামলা।

ঘ) শুধু চুক্তি ভঙ্গের মামলা।

সঠিক উত্তর: গ। বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১।

প্রশ্ন ৩। CPC Section 11-এ Res Judicata-র কতটি শর্ত আছে?

ক) ২টি।

খ) ৩টি।

গ) ৪টি।

ঘ) ৫টি।

সঠিক উত্তর: গ। বছর: ২০১৯, ২০২১।

প্রশ্ন ৪। Section 20 অনুযায়ী দেওয়ানি মামলা কোথায় করতে হবে?

ক) বাদীর বাসস্থানে।

খ) উভয় পক্ষের পছন্দে।

গ) বিবাদীর বাসস্থান বা ব্যবসার স্থান বা Cause of Action-এর স্থানে।

ঘ) হাইকোর্টে।

সঠিক উত্তর: গ। বছর: ২০১৫, ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

প্রশ্ন ৫। Written Statement দেওয়ার সাধারণ সময়সীমা কত?

ক) ১৪ দিন।

খ) ৩০ দিন।

গ) ৬০ দিন।

ঘ) ৯০ দিন।



সঠিক উত্তর: খ। বছর: ২০১৯, ২০২১।

প্রশ্ন ৬। Order 7 Rule 1 অনুযায়ী Plaint-এ কোন তথ্য থাকতে হবে?

ক) শুধু বাদীর নাম।

খ) বাদীর নাম, বিবাদীর নাম, কারণ এবং প্রতিকার।

গ) শুধু মামলার কারণ।

ঘ) শুধু আদালতের নাম।

সঠিক উত্তর: খ। বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১।

প্রশ্ন ৭। Order 9 Rule 13-এ Ex Parte Decree বাতিলের আবেদন কে করতে পারে?

ক) বাদী।

খ) বিবাদী।

গ) আদালত স্বতঃপ্রবৃত্তভাবে।

ঘ) রাষ্ট্রপক্ষ।

সঠিক উত্তর: খ। বছর: ২০১৭, ২০২১।

প্রশ্ন ৮। Temporary Injunction পাওয়ার PBI ফর্মুলায় I কী বোঝায়?

ক) Interim Order।

খ) Irreparable Injury।

গ) Injunction Application।

ঘ) Interim Relief।

সঠিক উত্তর: খ। বছর: ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

প্রশ্ন ৯। CPC Section 24 কী বিষয়ে?



ক) Judgment।

খ) Appeal।

গ) Transfer of Cases।

ঘ) Execution।

সঠিক উত্তর: গ। বছর: ২০১৭, ২০১৯।

প্রশ্ন ১০। Section 96 কী বিষয়ে?

ক) Revision।

খ) First Appeal।

গ) Second Appeal।

ঘ) Review।

সঠিক উত্তর: খ। বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০২১।

প্রশ্ন ১১। CPC Section 51-এ Decree Execute করার উপায়গুলো মনে রাখার ফর্মুলা কোনটা?

ক) ASDRO।

খ) BCNC।

গ) WIC।

ঘ) PBI।

সঠিক উত্তর: ক। বছর: ২০১৯।

প্রশ্ন ১২। Order 39-এ কোন বিষয়ে বলা আছে?

ক) Review।

খ) Temporary Injunction।



গ) Permanent Injunction।

ঘ) Receiver।

সঠিক উত্তর: খ। বছর: ২০১৫, ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

প্রশ্ন ১৩। CPC Section 100 অনুযায়ী Second Appeal কোথায় করতে হয়?

ক) Sessions Court।

খ) District Court।

গ) High Court Division।

ঘ) Appellate Division।

সঠিক উত্তর: গ। বছর: ২০১৮, ২০২১।

প্রশ্ন ১৪। Order 40-এ কোন বিষয়ে বলা আছে?

ক) Injunction।

খ) Attachment।

গ) Receiver।

ঘ) Execution।

সঠিক উত্তর: গ। বছর: ২০১৯।

প্রশ্ন ১৫। "Res Judicata" ল্যাটিন শব্দটির অর্থ কী?

ক) বিষয় আদালতে বিচারাধীন।

খ) বিষয় ইতিমধ্যে বিচার হয়েছে।

গ) বিষয় আইনে নিষিদ্ধ।

ঘ) বিষয় নতুনভাবে বিচার হবে।



সঠিক উত্তর: খ। বছর: ২০১৬, ২০১৭, ২০১৯, ২০২১।

প্রশ্ন ১৬। CPC Section 10 কী বিষয়ে?

ক) Permanent Stay।

খ) Stay of Suit।

গ) Res Judicata।

ঘ) Transfer of Suit।

সঠিক উত্তর: খ। বছর: ২০১৮, ২০২১।

প্রশ্ন ১৭। Order 1 Rule 10-এ আদালত কী করতে পারে?

ক) মামলা বাতিল করতে পারে।

খ) পক্ষ যোগ বা বাদ দিতে পারে।

গ) মামলা স্থানান্তর করতে পারে।

ঘ) ডিক্রি দিতে পারে।

সঠিক উত্তর: খ। বছর: ২০১৯।

প্রশ্ন ১৮। Written Statement দেওয়ার সময় আদালত সর্বোচ্চ কত দিন বাড়তে পারে?

ক) ৬০ দিন।

খ) ৯০ দিন।

গ) ১২০ দিন।

ঘ) ১৮০ দিন।

সঠিক উত্তর: খ। বছর: ২০১৯, ২০২১।

প্রশ্ন ১৯। CPC-তে মোট কতটি আদেশ (Order) আছে?





ক) ৪০টি।

খ) ৪৫টি।

গ) ৫১টি।

ঘ) ৫৫টি।

সঠিক উত্তর: গ। বছর: ২০১৭।

প্রশ্ন ২০। Order 9 Rule 6-এ কখন Ex Parte Decree দেওয়া যায়?

ক) বাদী অনুপস্থিত থাকলে।

খ) বিবাদী সমন পেয়েও হাজির না হলে।

গ) উভয়পক্ষ অনুপস্থিত থাকলে।

ঘ) আদালত মনে করলে।

সঠিক উত্তর: খ। বছর: ২০১৭, ২০২১।

## Section 2: SRA - ১০টি প্রশ্ন

প্রশ্ন ২১। Specific Relief Act কত সালে পাস হয়েছে?

ক) ১৮৬০

খ) ১৮৭২

গ) ১৮৭৭

ঘ) ১৮৯৮

সঠিক উত্তর: গ। বছর: ২০১৭, ২০১৯।

প্রশ্ন ২২। SRA Section 10 কখন Specific Performance দেওয়া যায়?

ক) সবসময়।



খ) যখন আর্থিক ক্ষতিপূরণ যথেষ্ট নয়।

গ) শুধু সম্পত্তির ক্ষেত্রে।

ঘ) শুধু সরকারি চুক্তিতে।

সঠিক উত্তর: খ। বছর: ২০১৫, ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

প্রশ্ন ২৩। SRA Section 14 অনুযায়ী কোন ক্ষেত্রে Specific Performance পাওয়া যায় না?

ক) সম্পত্তি হস্তান্তরে।

খ) ব্যক্তিগত সেবার চুক্তিতে।

গ) টাকা পরিশোধের চুক্তিতে।

ঘ) ব্যবসায়িক চুক্তিতে।

সঠিক উত্তর: খ। বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

প্রশ্ন ২৪। Perpetual Injunction SRA-র কোন Section-এ?

ক) Section 34।

খ) Section 37।

গ) Section 38।

ঘ) Section 39।

সঠিক উত্তর: গ। বছর: ২০১৫, ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

প্রশ্ন ২৫। Mandatory Injunction কোন Section-এ?

ক) Section 37।

খ) Section 38।

গ) Section 39।



ঘ) Section 40।

সঠিক উত্তর: গ। বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

প্রশ্ন ২৬। SRA Section 34 কোন বিষয়ে?

ক) Temporary Injunction।

খ) Mandatory Injunction।

গ) Declaratory Decree।

ঘ) Specific Performance।

সঠিক উত্তর: গ। বছর: ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

প্রশ্ন ২৭। SRA Section 26 কোন বিষয়ে?

ক) Cancellation।

খ) Rescission।

গ) Rectification।

ঘ) Specific Performance।

সঠিক উত্তর: গ। বছর: ২০১৯, ২০২১।

প্রশ্ন ২৮। SRA Section 6-এ অনধিকার দখল উদ্ধারের মামলা কত মাসের মধ্যে করতে হবে?

ক) ৩ মাস।

খ) ৬ মাস।

গ) ১২ মাস।

ঘ) ২৪ মাস।

সঠিক উত্তর: খ। বছর: ২০১৮, ২০২১, ২০২৩।



প্রশ্ন ২৯। SRA Section 41 অনুযায়ী Injunction কখন দেওয়া হবে না?

ক) সবসময়।

খ) যখন Specific Performance দেওয়া সম্ভব নয়।

গ) যখন কাজ ইতিমধ্যে শেষ হয়ে গেছে এবং অন্যান্য শর্ত।

ঘ) শুধু সরকারি মামলায়।

সঠিক উত্তর: গ। বছর: ২০১৮, ২০২১, ২০২৩।

প্রশ্ন ৩০। SRA Section 20 কী বলে?

ক) Injunction সম্পর্কে।

খ) Specific Performance-এ আদালতের বিবেচনা।

গ) Cancellation সম্পর্কে।

ঘ) Declaratory Decree সম্পর্কে।

সঠিক উত্তর: খ। বছর: ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩, ২০২৫।

### Section 3: CrPC - ২০টি প্রশ্ন

প্রশ্ন ৩১। CrPC কত সালে পাস হয়?

ক) ১৮৬০

খ) ১৮৭২

গ) ১৮৯৮

ঘ) ১৯০৮

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৩২। CrPC Section 154 অনুযায়ী OC FIR নিতে অস্বীকার করলে কার কাছে যাওয়া যায়?



ক) Sessions Court।

খ) High Court।

গ) SP বা District Magistrate।

ঘ) Attorney General।

সঠিক উত্তর: গ। বছর: ২০১৯, ২০২১, ২০২৩।

প্রশ্ন ৩৩। CrPC Section 61 অনুযায়ী গ্রেফতার করা ব্যক্তিকে কত সময়ের মধ্যে ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে হাজির করতে হবে?

ক) ১২ ঘন্টা।

খ) ২৪ ঘন্টা।

গ) ৪৮ ঘন্টা।

ঘ) ৭২ ঘন্টা।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৩৪। Section 164 অনুযায়ী Confession কার সামনে নিতে হয়?

ক) OC।

খ) SP।

গ) Magistrate।

ঘ) Sessions Judge।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৩৫। Section 144 অনুযায়ী আদেশ সর্বোচ্চ কত দিন?

ক) ৩০ দিন।

খ) ৬০ দিন।



গ) ৯০ দিন।

ঘ) ১২০ দিন।

সঠিক উত্তর: থ।

প্রশ্ন ৩৬। Section 497(2) অনুযায়ী মৃত্যুদণ্ডের অপরাধে অভিযুক্তকে জামিন দিতে পারে কে?

ক) Magistrate।

খ) Sessions Court।

গ) Sessions Court এবং High Court Division।

ঘ) শুধু High Court Division।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৩৭। WIC ফর্মুলায় W কী?

ক) Witness।

খ) Warrant।

গ) Woman।

ঘ) Written Statement।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৩৮। Section 176 অনুযায়ী Magistrate Inquest কখন হয়?

ক) যেকোনো মৃত্যুতে।

খ) পুলিশ হেফাজতে মৃত্যুতে।

গ) রোড অ্যাক্সিডেন্টে।

ঘ) প্রাকৃতিক মৃত্যুতে।



সঠিক উত্তর: থ।

প্রশ্ন ৩৯। Cognizable offence-এ কোনটা সঠিক?

ক) পুলিশ ওয়ারেন্ট ছাড়া গ্রেফতার করতে পারে না।

খ) পুলিশ ওয়ারেন্ট ছাড়া গ্রেফতার করতে পারে।

গ) শুধু ম্যাজিস্ট্রেট গ্রেফতার করতে পারে।

ঘ) তদন্ত করতে পারে না।

সঠিক উত্তর: থ।

প্রশ্ন ৪০। Chief Judicial Magistrate সর্বোচ্চ কত বছরের কারাদণ্ড দিতে পারে?

ক) ৫ বছর।

খ) ৭ বছর।

গ) ১০ বছর।

ঘ) যাবজ্জীবন।

সঠিক উত্তর: থ।

প্রশ্ন ৪১। Second Class Magistrate সর্বোচ্চ কত বছরের কারাদণ্ড দিতে পারে?

ক) ১ বছর।

খ) ২ বছর।

গ) ৩ বছর।

ঘ) ৫ বছর।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৪২। Section 498 অনুযায়ী কোন আদালত যেকোনো মামলায় জামিন দিতে পারে?



ক) Sessions Court।

খ) District Court।

গ) High Court Division।

ঘ) Appellate Division।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৪৩। Section 133 কোন বিষয়ে?

ক) Arrest।

খ) Bail।

গ) Nuisance দূর করার আদেশ।

ঘ) Trial।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৪৪। Sessions Trial হয় কোন ধরনের মামলায়?

ক) সর্বোচ্চ ২ বছরের শাস্তি।

খ) সর্বোচ্চ ৫ বছরের শাস্তি।

গ) গুরুতর মামলায় মৃত্যুদণ্ড বা দীর্ঘ কারাদণ্ড।

ঘ) যেকোনো মামলায়।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৪৫। Section 435 অনুযায়ী Revision করতে পারে কে?

ক) Magistrate।

খ) Sessions Court এবং High Court Division।





গ) শুধু Appellate Division।

ঘ) শুধু High Court Division।

সঠিক উত্তর: থ।

প্রশ্ন ৪৬। Section 107 কী বিষয়ে?

ক) গ্রেফতার।

খ) ভবিষ্যৎ ঝামেলা প্রতিরোধ।

গ) Inquest।

ঘ) Charge Sheet।

সঠিক উত্তর: থ।

প্রশ্ন ৪৭। Section 127-এ বেআইনি সমাবেশে কত জন থাকলে আদেশ দেওয়া যায়?

ক) ৩ জন বা তার বেশি।

খ) ৪ জন বা তার বেশি।

গ) ৫ জন বা তার বেশি।

ঘ) ১০ জন বা তার বেশি।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৪৮। Summons Trial হয় কোন ক্ষেত্রে?

ক) যখন শাস্তি সর্বোচ্চ ২ বছর।

খ) যখন শাস্তি সর্বোচ্চ ৫ বছর।

গ) যখন শাস্তি সর্বোচ্চ ৭ বছর।

ঘ) যখন মৃত্যুদণ্ড।



সঠিক উত্তর: ক।

প্রশ্ন ৪৯। Section 50A কী বিষয়ে?

ক) গ্রেফতারের সময় বল প্রয়োগ।

খ) গ্রেফতারের পরে পরিবারকে জানানো।

গ) ২৪ ঘণ্টার নিয়ম।

ঘ) Bail।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৫০। Sessions Court মৃত্যুদণ্ড দিলে কার অনুমোদন লাগে?

ক) Attorney General।

খ) High Court Division।

গ) Appellate Division।

ঘ) President।

সঠিক উত্তর: খ।

#### Section 4: Penal Code - ২০টি প্রশ্ন

প্রশ্ন ৫১। Penal Code কত সালে পাস হয়েছে?

ক) ১৮৬০।

খ) ১৮৭২।

গ) ১৮৯৮।

ঘ) ১৯০৮।

সঠিক উত্তর: ক।



প্রশ্ন ৫২। Section 82 অনুযায়ী কত বছরের কম বয়সী শিশু দোষী নয়?

ক) ৭ বছর।

খ) ৯ বছর।

গ) ১২ বছর।

ঘ) ১৬ বছর।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৫৩। Section 84 কোন ক্ষেত্রে শাস্তি থেকে মুক্তি দেয়?

ক) দুর্ঘটনা।

খ) আত্মরক্ষা।

গ) মানসিক অসুস্থতা।

ঘ) শিশু অপরাধী।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৫৪। Section 300-এ Murder-এর কতটি Exception আছে?

ক) ৩টি।

খ) ৪টি।

গ) ৫টি।

ঘ) ৬টি।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৫৫। Section 302-এ Murder-এর শাস্তি কী?

ক) সর্বনিম্ন ১০ বছর।



খ) মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন।

গ) সর্বোচ্চ ২০ বছর।

ঘ) যাবজ্জীবন মাত্র।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৫৬। Section 391-এ Dacoity-তে কত জন লাগে?

ক) ৩ জন।

খ) ৪ জন।

গ) ৫ বা তার বেশি।

ঘ) ১০ জন।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৫৭। Section 149-এ Common Object-এর জন্য কত জন লাগে?

ক) ২ জন।

খ) ৩ জন।

গ) ৪ জন।

ঘ) ৫ বা তার বেশি।

সঠিক উত্তর: ঘ।

প্রশ্ন ৫৮। Section 34 এবং Section 149-এর মূল পার্থক্য কী?

ক) Section 34-এ ৫ জন লাগে।

খ) Section 149-এ ৫ বা তার বেশি লাগে।

গ) Section 34-এ উদ্দেশ্য লাগে না।



ঘ) কোনো পার্থক্য নেই।

সঠিক উত্তর: থ।

প্রশ্ন ৫৯। Section 320-এ Grievous Hurt-এর কয়টি প্রকার আছে?

ক) ৫টি।

খ) ৬টি।

গ) ৭টি।

ঘ) ৮টি।

সঠিক উত্তর: ঘ।

প্রশ্ন ৬০। Section 378-এ Theft-এর কতটি উপাদান আছে?

ক) ৩টি।

খ) ৪টি।

গ) ৫টি।

ঘ) ৬টি।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৬১। Section 107-এ Abetment কতভাবে হয়?

ক) ২ ভাবে।

খ) ৩ ভাবে।

গ) ৪ ভাবে।

ঘ) ৫ ভাবে।

সঠিক উত্তর: থ।



প্রশ্ন ৬২। Section 100 অনুযায়ী কখন আত্মরক্ষায় হত্যা করা যায়?

ক) সবসময়।

খ) শুধু নিজের জীবনের বিপদে।

গ) মৃত্যু, ধর্ষণ, অপহরণ, অ্যাসিড হামলা ইত্যাদি আশঙ্কায়।

ঘ) শুধু সম্পত্তি রক্ষায়।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৬৩। Section 124A কী বিষয়ে?

ক) রাষ্ট্রের বিরুদ্ধে যুদ্ধ।

খ) Sedition।

গ) Conspiracy।

ঘ) Treason।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৬৪। Section 80 কোন পরিস্থিতিতে মারু দেয়?

ক) আত্মরক্ষা।

খ) দুর্ঘটনা।

গ) মানসিক অসুস্থতা।

ঘ) বয়স।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৬৫। Section 405 কোন অপরাধ?

ক) Theft।



খ) Extortion।

গ) Criminal Breach of Trust।

ঘ) Cheating।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৬৬। Section 375 কোন অপরাধ?

ক) Murder।

খ) Kidnapping।

গ) Rape।

ঘ) Assault।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৬৭। Section 494 কোন অপরাধ?

ক) Cheating।

খ) Bigamy।

গ) Theft।

ঘ) Rape।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৬৮। Section 85 কখন শাস্তি থেকে মুক্তি দেয়?

ক) স্বেচ্ছায় মাদক গ্রহণে।

খ) জোর করে মাদক দেওয়া হলে।

গ) শিশু অপরাধীর ক্ষেত্রে।



ঘ) মানসিক অসুস্থতায়।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৬৯। Section 21 কার সংজ্ঞা দেয়?

ক) Accused।

খ) Witness।

গ) Public Servant।

ঘ) Victim।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৭০। Section 304-এ Culpable Homicide-এর শাস্তি সর্বোচ্চ কত?

ক) ৫ বছর।

খ) ৭ বছর।

গ) ১০ বছর।

ঘ) যাবজ্জীবন।

সঠিক উত্তর: গ।

### Section 5: Evidence Act - ১৫টি প্রশ্ন

প্রশ্ন ৭১। Evidence Act কত সালে পাস হয়েছে?

ক) ১৮৬০।

খ) ১৮৭২।

গ) ১৮৯৮।

ঘ) ১৯০৮।





সঠিক উত্তর: থ।

প্রশ্ন ৭২। Section 25 অনুযায়ী পুলিশের কাছে Confession কি গ্রহণযোগ্য?

ক) হ্যাঁ, সবসময়।

খ) না, সম্পূর্ণ অগ্রহণযোগ্য।

গ) শুধু ম্যাজিস্ট্রেটের উপস্থিতিতে গ্রহণযোগ্য।

ঘ) বিশেষ পরিস্থিতিতে গ্রহণযোগ্য।

সঠিক উত্তর: থ।

প্রশ্ন ৭৩। Section 27-এ Discovery Statement কখন গ্রহণযোগ্য?

ক) সবসময়।

খ) যখন Discovery হয়।

গ) শুধু স্বেচ্ছায় দেওয়া হলে।

ঘ) পুলিশের বাইরে দেওয়া হলে।

সঠিক উত্তর: থ।

প্রশ্ন ৭৪। Dying Declaration কোন Section-এ?

ক) Section 30।

খ) Section 31।

গ) Section 32(1)।

ঘ) Section 33।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৭৫। Dying Declaration-এ মৃত্যুর আশঙ্কা থাকতে হবে?



ক) হ্যাঁ, অবশ্যই।

খ) না, থাকতে হবে না।

গ) কখনো কখনো লাগে।

ঘ) শুধু হত্যার মামলায় লাগে।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৭৬। Section 45-এ Expert Opinion কার?

ক) সাধারণ সাক্ষীর।

খ) বিজ্ঞান, শিল্পকলা, চিকিৎসা বিশেষজ্ঞের।

গ) Police Officer-এর।

ঘ) আইনজীবীর।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৭৭। Section 90 অনুযায়ী কত বছরের পুরনো দলিল আসল বলে ধরে নেওয়া যায়?

ক) ২০ বছর।

খ) ২৫ বছর।

গ) ৩০ বছর।

ঘ) ৫০ বছর।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৭৮। Section 101 কোন নীতি দেয়?

ক) Estoppel।

খ) Res Gestae।



গ) Burden of Proof।

ঘ) Dying Declaration।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৭৯। Section 105 অনুযায়ী General Exception দাবি করলে প্রমাণ করতে হবে কাকে?

ক) রাষ্ট্রপক্ষকে।

খ) বিচারককে।

গ) অভিযুক্তকে।

ঘ) সাক্ষীকে।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৮০। Section 115-এ Estoppel মানে কী?

ক) প্রমাণের দায়।

খ) নিজের কথা ফেরাতে পারবে না।

গ) বিশেষ Privilege।

ঘ) Secondary Evidence।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৮১। Section 126-এ Attorney-Client Privilege কোন ক্ষেত্রে প্রযোজ্য নয়?

ক) মক্কেল মৃত হলে।

খ) ভবিষ্যৎ অপরাধে।

গ) মামলা শেষ হলে।

ঘ) মক্কেল আদালতে উপস্থিত হলে।



সঠিক উত্তর: থ।

প্রশ্ন ৮২। Primary Evidence মানে কী?

ক) মূল দলিল।

খ) Certified Copy।

গ) Oral Evidence।

ঘ) Expert Opinion।

সঠিক উত্তর: ক।

প্রশ্ন ৮৩। Section 6-এ Res Gestae মানে কী?

ক) মৃত ব্যক্তির কথা।

খ) ঘটনার সাথে সাথে বলা কথা।

গ) বিশেষজ্ঞের মতামত।

ঘ) পুলিশের স্বীকারোক্তি।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৮৪। Section 108 অনুযায়ী কত বছর নিখোঁজ থাকলে মৃত ধরে নেওয়া হয়?

ক) ৫ বছর।

খ) ৭ বছর।

গ) ১০ বছর।

ঘ) ১২ বছর।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৮৫। Evidence Act-এ মোট কতটি ধারা আছে?



ক) ১৫০টি।

খ) ১৬৭টি।

গ) ১৮০টি।

ঘ) ২০০টি।

সঠিক উত্তর: খ।

### Section 6: Professional Ethics - ৫টি প্রশ্ন

প্রশ্ন ৮৬। Bangladesh Bar Council Order কত সালে?

ক) ১৯৭০।

খ) ১৯৭১।

গ) ১৯৭২।

ঘ) ১৯৭৫।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৮৭। Bar Council-এর সর্বোচ্চ শাস্তি কী?

ক) Warning।

খ) Suspension।

গ) Censure।

ঘ) Disbarment।

সঠিক উত্তর: ঘ।

প্রশ্ন ৮৮। মক্কেলের টাকা আত্মসাৎ করা কোন ধরনের অপরাধ?

ক) Professional Misconduct।



খ) Criminal Offence Only।

গ) Civil Wrong Only।

ঘ) No Offence।

সঠিক উত্তর: ক।

প্রশ্ন ৮৯। COPP ফর্মুলায় C কী?

ক) Client।

খ) Court।

গ) Case।

ঘ) Conduct।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৯০। Ratio Decidendi মানে কী?

ক) মামলার বাইরে বিচারকের মন্তব্য।

খ) রায়ের মূল কারণ।

গ) আপিলের কারণ।

ঘ) সংশোধনের কারণ।

সঠিক উত্তর: খ।

### Section 7: Limitation Act - ১০টি মিশ্র প্রশ্ন

প্রশ্ন ৯১। Limitation Act কত সালে?

ক) ১৮৭২।

খ) ১৮৯৮।



গ) ১৯০৮।

ঘ) ১৯২০।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৯২। Section 5 Limitation Act কোন ক্ষেত্রে প্রযোজ্য?

ক) মূল মামলায়।

খ) শুধু আপিল এবং আবেদনে।

গ) সব ক্ষেত্রে।

ঘ) শুধু দেওয়ানি মামলায়।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৯৩। Limitation Act Section 3 কী বলে?

ক) সময়সীমা বাড়ানো যায়।

খ) সময়সীমা পার হলে মামলা গ্রহণ করা হবে না।

গ) সময়সীমা পার হলেও মামলা চলবে।

ঘ) সময়সীমা শুধু Civil Suit-এ।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৯৪। Section 18 Limitation Act কী বলে?

ক) ভুল আদালতে যাওয়ার সময় মাফ।

খ) লিখিত স্বীকারোক্তিতে নতুন সময় শুরু।

গ) আংশিক পরিশোধে নতুন সময়।

ঘ) আদালত বন্ধ থাকলে পরের দিন।



সঠিক উত্তর: থ।

প্রশ্ন ৯৫। চুক্তি ভঙ্গের মামলায় সাধারণত কত বছরের মধ্যে মামলা করতে হবে?

ক) ১ বছর।

খ) ২ বছর।

গ) ৩ বছর।

ঘ) ৫ বছর।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৯৬। স্বাবর সম্পত্তি উদ্ধারের মামলায় সময়সীমা কত?

ক) ৬ বছর।

খ) ৯ বছর।

গ) ১২ বছর।

ঘ) ১৫ বছর।

সঠিক উত্তর: গ।

প্রশ্ন ৯৭। Section 6 Limitation Act-এ Legal Disability মানে কী?

ক) শারীরিক অসুস্থতা।

খ) অপ্রাপ্তবয়স্কতা, উন্মাদনা বা নিবুদ্ধিতা।

গ) আর্থিক সমস্যা।

ঘ) বিদেশে থাকা।

সঠিক উত্তর: থ।

প্রশ্ন ৯৮। Section 14 Limitation Act কী বলে?





ক) সময়সীমা বাড়ানো।

খ) ভুল আদালতে মামলার সময় মূল সময়সীমা থেকে বাদ যায়।

গ) আদালত বন্ধ থাকলে পরের দিন।

ঘ) মৃত্যুতে নতুন সময়।

সঠিক উত্তর: খ।

প্রশ্ন ৯৯। Section 19 Limitation Act কী বলে?

ক) আংশিক পরিশোধে নতুন সময় শুরু।

খ) লিখিত স্বীকারোক্তিতে নতুন সময়।

গ) ভুল আদালতে সময় মার।

ঘ) Legal Disability।

সঠিক উত্তর: ক।

প্রশ্ন ১০০। Section 4 Limitation Act কী বলে?

ক) সময়সীমা বাড়ানো যায়।

খ) যদি সময়সীমার শেষ দিন আদালত বন্ধ থাকে তাহলে পরের দিন মামলা করা যাবে।

গ) ভুল আদালতে যাওয়া।

ঘ) মৃত্যুতে নতুন সময়।

সঠিক উত্তর: খ।

---

**অধ্যায় ১৬: আরো উন্নত বিশ্লেষণ - যেটা পরীক্ষায় আসে কিন্তু বই কম বলে**

**Section 112 Evidence Act - Legitimacy (জন্মের বৈধতা)**



Section 112 বলে: যদি কোনো শিশু বিবাহের মধ্যে বা বিবাহ বিচ্ছেদের ২৮০ দিনের মধ্যে জন্ম নেয় তাহলে সেই শিশু বৈধ বলে ধরে নেওয়া হয়।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 112 = ২৮০ দিন = বৈধতার Presumption।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৮ এবং ২০২১ সালে এসেছে।

### Section 74A - Books of Accounts

Section 74A বলে: Merchants-এর ব্যবসায়িক বই আদালতে Evidence হিসেবে গ্রহণযোগ্য।

### Section 91-92 - Documentary Evidence এবং Oral Evidence-এর সম্পর্ক

Section 91 বলে: যদি কোনো চুক্তি, অনুদান বা অন্য দলিল লিখিত আকারে থাকে তাহলে মৌখিক সাক্ষ্য দিয়ে সেটা পরিবর্তন করা যায় না।

Section 92 বলে: দলিলের শর্তাবলী পরিবর্তনের জন্য মৌখিক সাক্ষ্য অগ্রহণযোগ্য।

তবে ব্যতিক্রম: যদি দলিলে ভুল থাকে তাহলে মৌখিক সাক্ষ্য দিয়ে ভুল দেখানো যায়।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 91-92 = লেখা থাকলে মুখের কথায় পরিবর্তন নেই।"

### Section 156-166 - Compellability of Witnesses

Section 156 বলে: যে ব্যক্তিকে সাক্ষ্য দিতে বলা হয়েছে সে দিতে বাধ্য যদি না অন্য বিধান থাকে।

ব্যতিক্রম: মক্কেলের তথ্য (Section 126), স্বামী-স্ত্রীর কথা (Section 122) ইত্যাদি।

### Hostile Witness

Hostile Witness মানে হলো এমন সাক্ষী যে নিজ পক্ষের বিরুদ্ধে বক্তব্য দেয় বা আগের বক্তব্য থেকে সরে আসে।

Evidence Act-এ Hostile Witness সম্পর্কে বিধান আছে। আদালতের অনুমতিতে নিজ পক্ষের Hostile Witness-কেও Cross-examination করা যায়।

মনে রাখার টেকনিক: "Hostile Witness = নিজের দলের বিরুদ্ধে সাক্ষ্য।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ এবং ২০২৩ সালে এসেছে।



## অধ্যায় ১৭: সাম্প্রতিক ঘটনা এবং ২০২৬ সালের পূর্বাভাস

### ২০২৫-২০২৬ সালের আইনি পরিবেশ

বাংলাদেশের আইনি পরিবেশে সাম্প্রতিক পরিবর্তন।

প্রথমত ২০২৪ সালের রাজনৈতিক পরিবর্তনের পরে আইন সংস্কারের উদ্যোগ।

দ্বিতীয়ত Digital Court-এর প্রবর্তন। Online Hearing শুরু হয়েছে।

তৃতীয়ত Women and Children Repression Prevention Act-এ সংশোধনের আলোচনা।

চতুর্থত ICT Tribunal-এ নতুন মামলা।

পঞ্চমত Cyber Security Act-এ নতুন বিধান।

### ২০২৬ সালের পরীক্ষায় কী আসতে পারে?

CPC থেকে সম্ভাব্য প্রশ্ন: Online Court-এ CPC প্রযোজ্য হবে কিনা। Section 20-এ ইলেকট্রনিক কারণে Jurisdiction কোথায়।

CrPC থেকে সম্ভাব্য প্রশ্ন: Digital Arrest বা Cybercrime-এ CrPC-র প্রয়োগ। Section 144 এবং ইন্টারনেট বন্ধ করার বৈধতা।

Penal Code থেকে সম্ভাব্য প্রশ্ন: Cybercrime এবং Section 415 Cheating-এর সম্পর্ক। Online Harassment এবং Penal Code।

Evidence Act থেকে সম্ভাব্য প্রশ্ন: Digital Evidence কোন Section-এ গ্রহণযোগ্য। WhatsApp message কি Evidence? CCTV footage কি Primary বা Secondary Evidence।

Professional Ethics থেকে সম্ভাব্য প্রশ্ন: Social Media-তে আইনজীবীর আচরণবিধি। Online Legal Services এবং Ethics।

---

## অধ্যায় ১৮: তুলনামূলক আইন বিশ্লেষণ

### বাংলাদেশ বনাম ভারত

বাংলাদেশে CPC ১৯০৮ প্রযোজ্য। ভারতেও CPC ১৯০৮ প্রযোজ্য তবে অনেক সংশোধন হয়েছে।



বাংলাদেশে Penal Code ১৮৬০ প্রযোজ্য। ভারত এখন Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS) ২০২৩ এনেছে যা Penal Code-কে প্রতিস্থাপন করেছে।

বাংলাদেশে Evidence Act ১৮৭২ প্রযোজ্য। ভারত Bharatiya Sakshya Adhiniyam (BSA) ২০২৩ এনেছে।

বাংলাদেশে CrPC ১৮৯৮ প্রযোজ্য। ভারত Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita (BNSS) ২০২৩ এনেছে।

পরীক্ষার দৃষ্টিকোণ থেকে: বাংলাদেশে এখনো পুরনো আইনগুলো প্রযোজ্য। তাই পুরনো Section নম্বর দিয়েই পড়তে হবে।

আন্তর্জাতিক জোক: ভারত তাদের ১৬০ বছরের পুরনো আইন পরিবর্তন করল। বাংলাদেশ এখনো করেনি। হয়তো এটা "যদি কিছু ভাঙা না থাকে তাহলে ঠিক করো না" নীতি। কিন্তু আইনজীবী হিসেবে তোমাকে উভয় দেশের আইন সম্পর্কে সচেতন থাকতে হবে।

---

## অধ্যায় ১৯: রাজনীতি এবং আইনের সংযোগের বিশেষ অধ্যায়

### ২০২৫-২০২৬ সালের আন্তর্জাতিক ঘটনা এবং বাংলাদেশের আইন

আন্তর্জাতিক ঘটনা এবং বাংলাদেশের আইনের সংযোগ বোঝা একজন ভালো আইনজীবীর লক্ষণ।

ঘটনা ১: ট্রাম্পের আমেরিকায় বিচার বিভাগ নিয়ন্ত্রণের চেষ্টা।

আইনি সংযোগ: বাংলাদেশে বিচার বিভাগের স্বাধীনতা সংবিধানের Article 116A-তে নিশ্চিত। CrPC এবং Evidence Act-এর নিরপেক্ষ প্রয়োগ বিচার বিভাগের স্বাধীনতার সূচক।

মনে রাখার জোক: ট্রাম্প চাইলেই DOJ পরিবর্তন করতে পারেন কিন্তু Evidence Act পরিবর্তন করতে সংসদ লাগে। তাই আইনের রাজ্যে সংসদই শেষ কথা।

ঘটনা ২: ২০২৫ সালে ইউরোপে Digital ID এবং Privacy আইন।

আইনি সংযোগ: বাংলাদেশে Digital Security Act এবং Cyber Security Act-এ Personal Data সুরক্ষার বিধান আসছে। Evidence Act-এ Digital Evidence কীভাবে প্রমাণিত হবে সেটা গুরুত্বপূর্ণ হচ্ছে।

মনে রাখার জোক: ইউরোপ বলছে Data Privacy মানবাধিকার। বাংলাদেশ বলছে Data Security রাষ্ট্রীয় নিরাপত্তা। দুটো আলাদা দৃষ্টিভঙ্গি কিন্তু একই প্রশ্ন: ডিজিটাল Evidence কতটুকু গ্রহণযোগ্য?

ঘটনা ৩: ICC-তে নেতানিয়াহর বিরুদ্ধে গ্রেফতারি পরোয়ানা।



আইনি সংযোগ: বাংলাদেশের আইনে Section 100 Penal Code-এর আত্মরক্ষার সীমা এবং CrPC Section 176-এর মতো Inquest-এর ধারণা আন্তর্জাতিক আইনেও আছে।

মনে রাখার জোক: ICC বলেছে নেতানিয়াহর বিরুদ্ধে Warrant। ট্রাম্প বলেছেন ICC বৈধ নয়। বাংলাদেশের CrPC বলে Warrant ছাড়া গ্রেফতার সীমিত। কিন্তু আন্তর্জাতিক আইনে Warrant থাকলেও গ্রেফতার করার সুযোগ নেই যদি সে দেশ না মানে।

ঘটনা ৪: ২০২৫ সালে বাংলাদেশে নতুন সংবিধান সংশোধনের আলোচনা।

আইনি সংযোগ: সংবিধান পরিবর্তনে আইনজীবীদের ভূমিকা গুরুত্বপূর্ণ। Bar Council Order এবং Professional Ethics বলে আইনজীবী সংবিধানিক গণতন্ত্রের রক্ষক।

## অধ্যায় ২০: সম্পূর্ণ Revision Chart - পার্ট ৫

### সব বিষয়ের এক পাতার Summary

CPC ১৯০৮ - ১৫৮ ধারা, ৫১ আদেশ। দেওয়ানি মামলার পদ্ধতি। গুরুত্বপূর্ণ Section হলো ৯, ১০, ১১, ২০, ২৬, ৯৬, ১০০। গুরুত্বপূর্ণ Order হলো ১, ৭, ৮, ৯, ৩৯, ৪০।

SRA ১৮৭৭। Specific Performance, Declaratory Decree, Injunction। গুরুত্বপূর্ণ Section হলো ৬, ১০, ১৪, ২০, ৩৪, ৩৮, ৩৯, ৪১।

CrPC ১৮৯৮ - ৫৬৫ ধারা। ফৌজদারি মামলার পদ্ধতি। গুরুত্বপূর্ণ Section হলো ৪, ৬, ৫৪, ৬১, ১০৭, ১২৭, ১৪৪, ১৫৪, ১৬৪, ১৭৪, ১৭৬, ৪৯৬, ৪৯৭, ৪৯৮।

Penal Code ১৮৬০ - ৫১১ ধারা। অপরাধের সংজ্ঞা এবং শাস্তি। গুরুত্বপূর্ণ Section হলো ৩৪, ৮২, ৮৩, ৮৪, ৮৫, ৯৬-১০০, ১০৭, ১২০এ, ১২৪এ, ১৪৯, ২৯৯, ৩০০, ৩০২, ৩১৯, ৩২০, ৩৭৫, ৩৭৮, ৩৯০, ৩৯১, ৪০৫, ৪১৫।

Evidence Act ১৮৭২ - ১৬৭ ধারা। সাক্ষ্যের নিয়ম। গুরুত্বপূর্ণ Section হলো ৩, ৬, ৮, ১০, ২৪, ২৫, ২৬, ২৭, ৩২(১), ৪৫, ৬২, ৬৩, ৯০, ১০১, ১০৫, ১০৮, ১১৫, ১২২, ১২৬।

Limitation Act ১৯০৮। সময়সীমার আইন। গুরুত্বপূর্ণ Section হলো ৩, ৪, ৫, ৬, ১৪, ১৮, ১৯।

Professional Ethics। Bar Council Order ১৯৭২। Misconduct, Duties, Disbarment।

### সব গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যা একসাথে



মনে রাখার সংখ্যার তালিকা:

CPC-র Section = ১৫৮। CPC-র Order = ৫১। Penal Code-র Section = ৫১১। CrPC-র Section = ৫৬৫। Evidence Act-র Section = ১৬৭।

ম্যাজিস্ট্রেটের ক্ষমতা: Chief = ৭, First = ৫, Second = ৩, Third = ১ বছর।

Grievous Hurt = ৮ প্রকার। Dacoity = ৫ বা তার বেশি জন। Common Object = ৫ বা তার বেশি জন।

Killing age in Section 82 = ৯ বছর। Section 83 = ৯ থেকে ১২ বছর।

Section 90-এ পূরনো দলিলের বয়স = ৩০ বছর। Section 108-এ নিখোঁজ = ৭ বছর। Section 496 Bailable জামিন = অধিকার। Section 112-এ বৈধতার সময় = ২৮০ দিন।

মনে রাখার ছন্দ: "CPC পঞ্চাশ-এক, Penal পাঁচশো-এগারো, CrPC পাঁচশো-পঁয়ষড়ি। বড় হলে বেশি পড়তে হয়। তাই ছোট আইনগুলো সহজ।"

## অধ্যায় ২১: Written পরীক্ষার নমুনা উত্তর

**নমুনা প্রশ্ন ১: Evidence Act-এর Section 25 এবং Section 27-এর মধ্যে সম্পর্ক এবং পার্থক্য আলোচনা করো।**

নমুনা উত্তর:

Evidence Act, 1872-এর Section 25 এবং Section 27 উভয়ই পুলিশের সাথে সম্পর্কিত Confession সম্পর্কে বিধান করে কিন্তু এই দুটি Section-এর বিধান ভিন্ন।

Section 25 অনুযায়ী কোনো পুলিশ অফিসারের কাছে করা Confession কোনো ফৌজদারি মামলায় প্রমাণ হিসেবে ব্যবহার করা যাবে না। এটা সম্পূর্ণ বাধ্যতামূলক এবং কোনো ব্যতিক্রম নেই। এই বিধানের উদ্দেশ্য হলো পুলিশের চাপ বা নির্যাতনের মাধ্যমে Confession নেওয়া রোধ করা।

Section 27 হলো Section 25 এবং Section 26-এর একটি ব্যতিক্রম। Section 27 বলে যে যদি পুলিশ হেফাজতে থাকা কোনো ব্যক্তির দেওয়া তথ্যের ফলে কোনো বিষয় আবিষ্কার হয় তাহলে সেই তথ্যের যে অংশ আবিষ্কারের কারণ তা গ্রহণযোগ্য।

দুটির মধ্যে মূল পার্থক্য হলো Section 25 সম্পূর্ণ বাতিল করে কিন্তু Section 27 আংশিকভাবে গ্রহণযোগ্য করে। Section 25-এ কোনো শর্ত নেই কিন্তু Section 27-এ Discovery শর্ত।



উদাহরণ: করিম পুলিশকে বলল "আমি রহিমকে হত্যা করেছি।" এই স্বীকারোক্তি Section 25 অনুযায়ী গ্রহণযোগ্য নয়। কিন্তু করিম যদি বলে "আমি হত্যার অস্ত্র ঘরের পেছনে পুঁতে রেখেছি" এবং পুলিশ গিয়ে অস্ত্র পায় তাহলে Section 27 অনুযায়ী সেই অংশটুকু গ্রহণযোগ্য।

## নমুনা প্রশ্ন ২: Specific Performance কী এবং কখন দেওয়া যায় এবং যায় না?

নমুনা উত্তর:

Specific Relief Act, 1877-এর Section 10 অনুযায়ী Specific Performance হলো আদালতের সেই আদেশ যার মাধ্যমে বিবাদীকে চুক্তি অনুযায়ী কাজ করতে বাধ্য করা হয়।

সাধারণভাবে চুক্তি ভঙ্গে আর্থিক ক্ষতিপূরণ দেওয়া হয়। কিন্তু যখন আর্থিক ক্ষতিপূরণ যথেষ্ট নয় তখন Specific Performance দেওয়া হয়।

Section 10 অনুযায়ী Specific Performance দেওয়া হয় যখন কোনো বিশেষ বা অনন্য সম্পত্তির চুক্তি ভঙ্গ হয় যেটা অর্থের বিনিময়ে পাওয়া সম্ভব নয়।

Section 14 অনুযায়ী Specific Performance দেওয়া যায় না যখন চুক্তিটি ব্যক্তিগত সেবার চুক্তি। উদাহরণ হিসেবে বলা যায় কোনো গায়ককে জোর করে গাওয়ানো যায় না। Section 14-এর অন্যান্য কারণের মধ্যে আছে যখন চুক্তির সম্পাদন নির্ধারণ করা কঠিন এবং যখন চুক্তির ক্ষতি অর্থের বিনিময়ে পূরণ করা সম্ভব।

Section 20 অনুযায়ী Specific Performance দেওয়া আদালতের বিবেচনার বিষয়। এটা Discretionary Relief।

## নমুনা প্রশ্ন ৩: Right of Private Defence বর্ণনা করো এবং কখন হত্যা করা যায়?

নমুনা উত্তর:

The Penal Code, 1860-এর Section 96 থেকে Section 106 পর্যন্ত Right of Private Defence-এর বিধান আছে।

Section 96 বলে আত্মরক্ষায় করা কোনো কাজ অপরাধ নয়।

Section 97 অনুযায়ী আত্মরক্ষার অধিকার দুই ধরনের। প্রথমত নিজের বা অন্যের শরীর রক্ষার অধিকার। দ্বিতীয়ত নিজের বা অন্যের সম্পত্তি রক্ষার অধিকার।

Section 99 অনুযায়ী এই অধিকারের সীমাবদ্ধতা আছে। যে ক্ষতি থেকে রক্ষা পেতে চাইছ তার বেশি বল প্রয়োগ করা যাবে না।



Section 100 অনুযায়ী কিছু নির্দিষ্ট পরিস্থিতিতে আত্মরক্ষায় হত্যা করা যায়। এই পরিস্থিতিগুলো মনে রাখার জন্য MRRAKA ফর্মুলা ব্যবহার করা যায়। M = Murder threat অর্থাৎ মৃত্যুর আশঙ্কা। R = Rape threat অর্থাৎ ধর্ষণের আশঙ্কা। R = Robbery অর্থাৎ ডাকাতির আশঙ্কা। A = Abduction অর্থাৎ অপহরণের আশঙ্কা। K = Kidnapping অর্থাৎ কিডন্যাপের আশঙ্কা। A = Acid attack অর্থাৎ অ্যাসিড হামলার আশঙ্কা।

---

## অধ্যায় ২২: পরীক্ষার আগের ৪৮ ঘণ্টার পরিকল্পনা

### পরীক্ষার দুই দিন আগে (৪৮ ঘণ্টা বাকি)

প্রথম দিনের ১২ ঘণ্টায় CPC এবং SRA।

দ্বিতীয় দিনের ১২ ঘণ্টায় CrPC এবং Penal Code।

তৃতীয় দিনের সকালে Evidence Act।

তৃতীয় দিনের বিকেলে Limitation Act এবং Professional Ethics।

শেষ রাতে: শুধু Formula গুলো পড়ো।

### পরীক্ষার দিন সকালে

সকালে উঠে শুধু Formula গুলো দেখো। বিশেষত BCNC, WIC, PBI, MRRAKA, GPPSC, DOMCM, ITP, MPC, RBA, COPP, MECLOF ফর্মুলা।

পরীক্ষার হলে কৌশল: প্রথমে যে প্রশ্নের উত্তর জানো সেগুলো আগে করো। যেগুলো জানো না সেগুলো পরে করো। Negative marking থাকলে (বার কাউন্সিলে ০.২৫ কাটা যায়) অনুমান করে উত্তর না করা ভালো।

---

## অধ্যায় ২৩: শেষ কথা - পার্ট ৫

প্রিয় পরীক্ষার্থী,

পার্ট ৫ শেষ হলো। এই পার্টে তুমি পড়েছ Evidence Act-এর গভীর বিশ্লেষণ, Professional Ethics-এর উন্নত বিষয়, Viva প্রস্তুতি এবং একটি সম্পূর্ণ ১০০ প্রশ্নের Mock Test।

এখন তুমি বার কাউন্সিল পরীক্ষার জন্য প্রায় সম্পূর্ণ প্রস্তুত।





একটা কথা মনে রেখো। আইন মুখস্থ করা এবং আইন বোঝা দুটো আলাদা বিষয়। এই বইটা তোমাকে শুধু মুখস্থ করাতে নয়, বুঝতে সাহায্য করতে চেষ্টা করেছে। আন্তর্জাতিক রাজনীতির জোকগুলো শুধু মজার জন্য নয়, বরং আইনের নীতিগুলোকে বাস্তব জীবনের সাথে সংযুক্ত করতে।

আব্রাহাম লিংকন বলেছিলেন "Give me six hours to chop down a tree and I will spend the first four sharpening the axe." তুমি এই বইগুলো পড়ে কুড়াল শান দিচ্ছ। পরীক্ষার হলে গিয়ে গাছ কাটতে হবে।

আন্তর্জাতিক সম্পর্কের একটা মূলনীতি হলো "Speak softly and carry a big stick।" পরীক্ষায় বিনম্রভাবে কিন্তু আত্মবিশ্বাসের সাথে উত্তর দাও। তোমার "big stick" হলো এই বইয়ের জ্ঞান।

তুমি পারবে। বাংলাদেশের আগামী আইনজীবী হওয়ার পথে তুমি এগিয়ে যাচ্ছ।

পার্ট ৬-এ আসছে আরো Practice Questions, Case Studies এবং বিশেষ বিষয়গুলোর আরো গভীর আলোচনা।

শুভকামনা।

## পরিশিষ্ট - পার্ট ৫: সম্পূর্ণ ফর্মুলার তালিকা

### সব ফর্মুলা একসাথে

CPC-র ফর্মুলা:

RBA ফর্মুলা (Section 20): R = Reside, B = Business, A = Arise। কোথায় মামলা করবে।

PBI ফর্মুলা (Temporary Injunction): P = Prima Facie, B = Balance of Convenience, I = Irreparable Injury।

NANDAMVR ফর্মুলা (Plaint): Name, Address, Nature, Date, Amount, Minor/Lunatic, Venue, Relief।

ASDRO ফর্মুলা (Decree Execute): Attachment, Sale, Delivery, Receiver, Other means।

CrPC-র ফর্মুলা:

BCNC ফর্মুলা: Bailable, Cognizable, Non-bailable, Non-cognizable।

WIC ফর্মুলা (Section 497): Woman, Ill, Child under 16।



আদালতের শাস্তির ক্ষমতা: Chief = ৭, First = ৫, Second = ৩, Third = ১।

Penal Code-র ফর্মুলা:

MRRACA ফর্মুলা (Section 100): Murder threat, Rape, Robbery, Abduction, Kidnap, Acid attack।

GPPSC ফর্মুলা (Section 300 Exception): Grave Provocation, Private Defence, Public Servant, Sudden Quarrel, Consent।

DOMCM ফর্মুলা (Section 378 Theft): Dishonest, Other's property, Movable, Consent absent, Moving।

ICC ফর্মুলা (Section 107 Abetment): Instigate, Conspiracy, Conduct।

Evidence Act-র ফর্মুলা:

ITP ফর্মুলা (Section 24): Inducement, Threat, Promise।

MPC ফর্মুলা (Section 8): Motive, Preparation, Conduct।

ODMAL ফর্মুলা (Section 65): Opponent's possession, Destroyed, Missing, Abroad, Legal process।

ECR ফর্মুলা (সাফী পরীক্ষা): Examination-in-Chief, Cross-examination, Re-examination।

Professional Ethics-র ফর্মুলা:

MECLOF ফর্মুলা (Misconduct): Money, Evidence manipulation, Contact with opposite party, Leaking secrets, Obstruction, False fees।

COPP ফর্মুলা (Duties): Court, Opponent, Profession, Principal/Client।

WCSD ফর্মুলা (শাস্তি): Warning, Censure, Suspension, Disbarment।

---

## পরিশিষ্ট ২: সব গুরুত্বপূর্ণ সালের তালিকা

আইনের সালগুলো মনে রাখার ছন্দ:



"Penal ষাট সাল লেখা হলো, তারপর Evidence বাহাত্তর এলো। নিরানব্বইতে CrPC পাস, আটশো আট সালে CPC উদ্ভাস।"

অর্থাৎ Penal Code = ১৮৬০, Evidence Act = ১৮৭২, CrPC = ১৮৯৮, CPC = ১৯০৮।

SRA = ১৮৭৭। Limitation Act = ১৯০৮। Bar Council Order = ১৯৭২।

মনে রাখার বিশেষ পয়েন্টঃ CPC এবং Limitation Act একই সালে। Bar Council Order এবং বাংলাদেশের সংবিধান একই সালে।

এই পরিশিষ্টের মাধ্যমে পার্ট ৫ সম্পূর্ণ হলো। এখন তুমি পুরো বার কাউন্সিল পরীক্ষার সিলেবাসের গভীরে যেতে পারো। প্রতিটি ফর্মুলা মনে রাখো, প্রতিটি উদাহরণ হৃদয়ে রাখো এবং পরীক্ষার দিন সেরাটা দাও।

## পার্ট ৬: অ্যাডভান্সড টপিকস, গভীর বিশ্লেষণ, সম্পূর্ণ মক টেস্ট এবং বিশেষ আইনি কৌশল

### লেখকের কথা - পার্ট ৬ শুরুর আগে

প্রিয় পরীক্ষার্থী,

পার্ট ৫ পর্যন্ত তুমি পড়েছ CPC, SRA, CrPC, Penal Code, Evidence Act এবং Professional Ethics-এর মূল ভিত্তি। এখন পার্ট ৬-এ আমরা যাব আরো গভীরে। এই পার্টটা হলো সেই পার্ট যেখানে গড়পড়তা প্রস্তুতি নেওয়া প্রার্থী এবং সত্যিকারের দক্ষ প্রার্থীর মধ্যে পার্থক্য তৈরি হয়।

আন্তর্জাতিক সম্পর্কে একটা কথা বলা হয়ঃ "The devil is in the details" মানে শয়তান বিস্তারিত বিষয়ে লুকিয়ে থাকে। বার কাউন্সিল পরীক্ষায়ও একই কথা প্রযোজ্য। MCQ পরীক্ষায় যে প্রশ্নগুলো বেশিরভাগ পরীক্ষার্থীকে আটকে দেয় সেগুলো হলো সুনির্দিষ্ট বিস্তারিত বিষয় সম্পর্কিত প্রশ্ন।

২০২৫ সালের ২৫ এপ্রিলের MCQ পরীক্ষায় এবং পূর্ববর্তী সব পরীক্ষায় যে প্যাটার্ন দেখা গেছে তা হলো প্রতিটি আইনের নির্দিষ্ট সংখ্যা, সময়সীমা, ব্যতিক্রম এবং সংজ্ঞা থেকে প্রশ্ন আসে। এই পার্টে আমরা সেই বিস্তারিত বিষয়গুলো একটি একটি করে দেখব।

চলো শুরু করা যাক।

### অধ্যায় ১: The Limitation Act, 1908 - সময়ের আইন, সুযোগের শেষ দরজা



## Limitation Act কেন এত গুরুত্বপূর্ণ?

Limitation Act, 1908 হলো সেই আইন যা বলে কতদিনের মধ্যে মামলা করতে হবে। এই আইনটা বার কাউন্সিল পরীক্ষায় সরাসরি প্রশ্ন আসে। তার চেয়েও বেশি গুরুত্বপূর্ণ কারণ CPC, CrPC, Penal Code, SRA সব আইনের সাথে Limitation Act-এর সংযোগ আছে।

একটা মজার রাজনৈতিক উদাহরণ দিই। ২০২৫ সালে ট্রাম্প প্রশাসন বাইডেন আমলের কিছু সিদ্ধান্ত বাতিল করতে চাইছে। কিন্তু অনেক সিদ্ধান্তে ইতিমধ্যে এত সময় গেছে যে আইনগত চ্যালেঞ্জ করার সময় পার হয়ে গেছে। একইভাবে বাংলাদেশে তুমি যদি আজকে একটা চুক্তি ভঙ্গের মামলা করতে চাও কিন্তু চুক্তি ভঙ্গ হয়েছে ৭ বছর আগে, তাহলে Limitation Act তোমার মামলার দরজা বন্ধ করে দেবে।

মনে রাখার জোক: Limitation Act হলো আইনি জগতের "Deadline Culture"। যেমন জাতিসংঘে নির্দিষ্ট সময়ের মধ্যে Resolution জমা না দিলে এজেন্ডায় ঠাই হয় না, ঠিক তেমনি নির্দিষ্ট সময়ের মধ্যে মামলা না করলে আদালতে ঠাই হয় না।

## Limitation Act-এর মূল কাঠামো

Limitation Act, 1908-এ রয়েছে ৩টি ভাগ:

প্রথম ভাগ হলো মূল ধারা বা Sections যেখানে সাধারণ নিয়ম আছে। দ্বিতীয় ভাগ হলো Schedule বা তফসিল যেখানে নির্দিষ্ট মামলার জন্য নির্দিষ্ট সময়সীমা আছে। তৃতীয় ভাগ হলো বিশেষ ব্যতিক্রম বা Exceptions।

### Section 3 - Time Bar (সময় অতিক্রান্ত মামলা বাতিল)

Section 3 হলো Limitation Act-এর সবচেয়ে মূল ধারা। এটি বলে: নির্ধারিত সময়সীমার পরে দায়ের করা প্রতিটি মামলা, আপিল এবং আবেদন বাতিল করতে হবে, যদিও Limitation প্রতিপক্ষ উত্থাপন না করে।

এর মানে হলো আদালত নিজে থেকেই দেখবে সময়সীমা পার হয়েছে কিনা। বিবাদীকে বলতে হবে না।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 3 = তিন নম্বর গेट = সময় পার হলে গेट বন্ধ।" যেমন ঢাকার কোনো সরকারি অফিসে ৫টার পরে গেলে দরজা বন্ধ পাবে, তেমনি সময়সীমার পরে আদালতে গেলে Section 3 দরজা বন্ধ করবে।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ এবং ২০২১ সালের পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল: "Limitation আদালত কি নিজে থেকে বিবেচনা করতে পারে?" উত্তর: হ্যাঁ, Section 3 অনুযায়ী আদালত নিজে থেকেই সময়সীমা বিবেচনা করবে।

### Section 4 - Expiry on Holiday (ছুটির দিনে শেষ হলে কী হবে?)



Section 4 বলে: যদি নির্ধারিত সময়সীমার শেষ দিনটি আদালত বন্ধের দিন হয়, তাহলে পরের যেদিন আদালত খুলবে সেদিনই মামলা করা যাবে।

মনে রাখার জোক: ধর তুমি ১০ বছর ধরে প্রেমে আছ এবং ঠিক বিবাহবার্ষিকীর দিন প্রেমিকা মামলা করবে বলেছিল কিন্তু সেই দিন শুক্রবার। তাই রবিবার আদালত খুলবে এবং তখন মামলা করবে। আইন কিছুটা দয়ালু!

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: UN General Assembly-তে যদি কোনো প্রস্তাবের ডেডলাইন শনিবার পড়ে, তাহলে পরবর্তী কার্যদিবসে জমা দেওয়া যায়। Limitation Act-এর Section 4-ও একইভাবে কাজ করে।

## Section 5 - Extension of Prescribed Period in Certain Cases (বিশেষ ক্ষেত্রে সময় বাড়ানো)

এটি পরীক্ষায় অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ এবং প্রায় প্রতি পরীক্ষায় আসে।

Section 5 বলে: আপিল বা আবেদনে সময় অতিক্রান্ত হলেও যদি আবেদনকারী প্রমাণ করতে পারে যে "Sufficient Cause" বা যথেষ্ট কারণ ছিল, তাহলে আদালত সময় বাড়াতে পারে।

গুরুত্বপূর্ণ সীমাবদ্ধতা: Section 5 শুধু আপিল এবং আবেদনে প্রযোজ্য। প্রথম মামলায় (Original Suit) প্রযোজ্য নয়।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 5 = পাঁচ নম্বর গেট = পাঁচটা কারণ বললে ছাড় পাবে।" বা "Section 5 = সুযোগের পাঁচ।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৮ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Section 5 Limitation Act কোন ক্ষেত্রে প্রযোজ্য?" উত্তর: আপিল এবং আবেদনে, কিন্তু Original Suit-এ নয়।

২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Section 5-এ 'Sufficient Cause' এর অর্থ কী?" উত্তর: এমন কারণ যা যুক্তিসঙ্গত এবং আদালত বিশ্বাসযোগ্য মনে করে। কোনো ফিক্সড সংজ্ঞা নেই, আদালতের বিবেচনার বিষয়।

## Section 6 - Legal Disability (আইনি অক্ষমতা)

Section 6 বলে: যদি কোনো ব্যক্তি অপ্রাপ্তবয়স্ক, অর্থাৎ Minor হয়, বা মানসিকভাবে অসুস্থ হয়, বা Idiot হয় তখন মামলার সময়সীমা তার অক্ষমতা শেষ হওয়ার তারিখ থেকে শুরু হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 6 = ছয় = অক্ষম ছয়জন।" বা আরো সহজে: "Section 6 = অসুস্থ বা ছোট হলে সময় পরে শুরু।"

আন্তর্জাতিক রাজনীতির জোক: ২০২৫ সালে বিভিন্ন দেশে নেতাদের Mental Fitness নিয়ে প্রশ্ন উঠেছে। Section 6 বলছে যদি কেউ মানসিকভাবে অসুস্থ থাকে তাহলে তার সময়সীমা গণনা হবে না। কিন্তু আন্তর্জাতিক রাজনীতিতে নেতা মানসিকভাবে অসুস্থ হলেও ক্ষমতা ছাড়তে চান না। আইন আর রাজনীতির পার্থক্য এখানেই।



## Section 14 - Exclusion of Time in Computing Period of Limitation (সময় গণনায় বাদ দেওয়া)

Section 14 বলে: যদি বাদী সদিচ্ছার সাথে ভুল আদালতে মামলা করে থাকে তাহলে সেই ভুল আদালতে যতদিন মামলা ছিল ততদিন Limitation-এর হিসাবে বাদ যাবে।

শর্তগুলো হলো: প্রথমত মামলা সদিচ্ছায় করতে হবে। দ্বিতীয়ত আদালত এখতিয়ারের অভাবে মামলা প্রত্যাখ্যান করেছে। তৃতীয়ত দুটো মামলার বিষয়বস্তু একই হতে হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 14 = চৌদ্দ = ভুল করলেও চৌদ্দ বার সুযোগ।" বা "14 = ভুল আদালত = ক্ষমা পাবে।"

## Section 18 - Effect of Acknowledgment in Writing (লিখিত স্বীকৃতির প্রভাব)

Section 18 বলে: যদি ঋণ বা দায়িত্ব লিখিতভাবে স্বীকার করা হয় এবং ঋণগ্রস্ত ব্যক্তি বা তার অনুমোদিত এজেন্ট স্বাক্ষর করে, তাহলে সেই স্বীকৃতির তারিখ থেকে নতুন করে Limitation শুরু হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "18 = আঠারো = লিখে দিলে নতুন আঠারো বছরের ইজারা।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Written Acknowledgment দিলে Limitation-এর কী প্রভাব পড়ে?" উত্তর: Section 18 অনুযায়ী নতুন করে Limitation শুরু হয়।

## Section 19 - Effect of Part-Payment (আংশিক পরিশোধের প্রভাব)

Section 19 বলে: যদি ঋণগ্রস্ত ব্যক্তি বা তার এজেন্ট ঋণের আংশিক পরিশোধ করে তাহলে সেই পরিশোধের তারিখ থেকে নতুন Limitation শুরু হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "19 = উনিশ = একটু দিলেও উনিশ বার মাফ।"

Section 18 এবং Section 19-এর পার্থক্য মনে রাখা: "18 = লেখায় নতুন শুরু, 19 = টাকায় নতুন শুরু।"

## গুরুত্বপূর্ণ সময়সীমার তালিকা (Schedule 1-এর মূল বিষয়)

পরীক্ষায় নির্দিষ্ট সময়সীমা থেকে প্রশ্ন আসে। নিচের তালিকাটা মুখস্থ করে নাও।

মামলার ধরন এবং সময়সীমার তালিকা:

চুক্তি ভঙ্গের মামলায় সময়সীমা হলো ৩ বছর। সম্পত্তি পুনরুদ্ধারের মামলায় সময়সীমা হলো ১২ বছর। মর্টগেজ মামলায় সময়সীমা হলো ১২ বছর। সরকারের বিরুদ্ধে মামলায় সময়সীমা হলো ৩ বছর। ক্ষতিপূরণের মামলায় (Tort) সময়সীমা হলো ১ বছর। ডিফ্রি জারির আবেদনে সময়সীমা হলো ১২ বছর। আপিলের সময়সীমা (District Court) হলো ৩০ দিন। আপিলের সময়সীমা (High Court) হলো ৯০ দিন।



মনে রাখার ছড়া: "চুক্তি তিন, সম্পত্তি বার, ক্ষতিপূরণ এক বছর সার।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "ডিক্রি জারির সময়সীমা কত?" উত্তর: ১২ বছর (Limitation Act Schedule)।

২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "জমি পুনরুদ্ধারের মামলার সময়সীমা কত?" উত্তর: ১২ বছর।

২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "চুক্তি ভঙ্গের মামলার সময়সীমা কত?" উত্তর: ৩ বছর।

## Limitation Act এর সাথে CPC-র সংযোগ

CPC-র Order 7 Rule 6 বলে Plaint-এ যদি সময়সীমা পার হয়ে মামলা করা হয় তাহলে কেন সময়সীমা প্রযোজ্য নয় সেটা ব্যাখ্যা করতে হবে। এটা Limitation Act-এর সাথে সরাসরি সংযুক্ত।

CPC Section 3 (বাধা বিষয়) এবং Limitation Act Section 3 (সময়সীমা) - দুটোই মামলা প্রত্যখ্যানের কারণ কিন্তু একটা হলো বিষয়বস্তু, আরেকটা হলো সময়।

## অধ্যায় ২: CPC-র গভীর বিষয় - যেগুলো সবাই এড়িয়ে যায়

### Order 21 - Execution of Decrees (ডিক্রি জারি)

Order 21 হলো CPC-র সবচেয়ে বড় Order এবং পরীক্ষায় এই Order থেকে প্রতি বছরই প্রশ্ন আসে।

ডিক্রি জারি মানে হলো আদালতের রায় বাস্তবায়ন করা। মামলা জেতা এক কথা, কিন্তু সেই জেতা থেকে প্রাপ্য আদায় করা আরেক কথা।

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: ২০২৫ সালে ইউক্রেন যুদ্ধে পশ্চিমা দেশগুলো রাশিয়ার বিরুদ্ধে নিষেধাজ্ঞা দিয়েছে। কিন্তু নিষেধাজ্ঞা দেওয়া এবং বাস্তবে প্রয়োগ করা দুটো আলাদা বিষয়। ঠিক তেমনি আদালতে ডিক্রি পাওয়া এবং সেই ডিক্রি জারি করা দুটো আলাদা কাজ। Order 21 হলো সেই "Execution" বা বাস্তবায়নের পদ্ধতি।

Order 21 Rule 10 অনুযায়ী ডিক্রি জারির আবেদন করতে হবে যে আদালতে ডিক্রি হয়েছে সেখানে অথবা যে আদালতে বিবাদীর সম্পত্তি আছে সেখানে।

মনে রাখার টেকনিক: "Order 21 = একুশ = ২১ রকম উপায়ে সম্পত্তি আদায়।"

### Order 21 Rule 22 - Notice before Execution (জারির আগে নোটিশ)





Rule 22 বলে: যদি ডিক্রি জারির আবেদন ডিক্রির তারিখ থেকে দুই বছর পরে করা হয় তাহলে বিবাদীকে আগে নোটিশ দিতে হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "দুই বছর পরে = নোটিশ আগে।"

### Order 21 Rule 37 - Arrest and Detention (গ্রেফতার ও আটক)

Rule 37 অনুযায়ী ডিক্রি জারিতে বিবাদীকে গ্রেফতার করার আগে তাকে কারণ দর্শানোর সুযোগ দিতে হবে যে কেন তাকে Civil Prison-এ আটক করা হবে না।

মনে রাখার টেকনিক: "আটকের আগে শোনো।" যেমন আমেরিকায় "Due Process" ছাড়া গ্রেফতার যায় না, ঠিক তেমনি।

### Order 21 Rule 58 - Claim to Attached Property (ক্রোকৃত সম্পত্তিতে তৃতীয় পক্ষের দাবি)

Rule 58 বলে: যদি কোনো তৃতীয় পক্ষ দাবি করে যে ক্রোকৃত সম্পত্তি তার, তাহলে সে Objection করতে পারে।

মনে রাখার জোক: ধর সরকার তোমার গাড়ি ক্রোক করল কিন্তু গাড়িটা আসলে তোমার বাবার। বাবা এসে বলবে "এটা আমার।" এটাই Rule 58-এর পরিস্থিতি। আন্তর্জাতিকভাবে যখন কোনো দেশ অন্য দেশের সম্পদ জব্দ করে কিন্তু তৃতীয় কোনো দেশ দাবি করে এটা তাদের বিনিয়োগ, সেটাও একই নীতি।

### Order 22 - Death, Marriage and Insolvency of Parties (মৃত্যু, বিবাহ ও দেউলিয়া)

Order 22 বলে: মামলা চলাকালীন কোনো পক্ষ মারা গেলে তার আইনি প্রতিনিধি (Legal Representative) মামলা চালিয়ে যেতে পারবে।

Order 22 Rule 4 অনুযায়ী বিবাদীর মৃত্যু হলে মামলা চলবে না যদি না তার আইনি প্রতিনিধিকে মামলায় যোগ করা হয়।

সময়সীমা: মৃত্যুর পর ৯০ দিনের মধ্যে আইনি প্রতিনিধিকে মামলায় যোগ করতে হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "Order 22 = বাইশ = মারা গেলেও বাইশ বছর মামলা চলে।" না মানে, ৯০ দিনের মধ্যে নতুন পক্ষ যোগ করতে হবে।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "মামলা চলাকালীন বাদী মারা গেলে কী হবে?" উত্তর: তার আইনি প্রতিনিধি Order 22 অনুযায়ী মামলায় অন্তর্ভুক্ত হতে পারবে।

### Order 23 - Withdrawal and Adjustment of Suits (মামলা প্রত্যাহার)





Order 23 Rule 1 অনুযায়ী বাদী যেকোনো সময় মামলা প্রত্যাহার করতে পারে। কিন্তু প্রত্যাহার করলে সেই বিষয়ে আবার মামলা করতে পারবে না (যদি আদালত Leave না দেয়)।

Order 23 Rule 3 অনুযায়ী পক্ষরা যদি নিজেদের মধ্যে আপোষ করে তাহলে আদালত সেই আপোষের ভিত্তিতে ডিক্রি দিতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক: "Order 23 = তেইশ = তিন নম্বর নিয়ম আপোষ।"

## Order 26 - Commission (কমিশন)

Order 26 অনুযায়ী আদালত নিম্নলিখিত কারণে Commission নিয়োগ করতে পারে:

প্রথমত সাক্ষী পরীক্ষার জন্য (যদি সাক্ষী অসুস্থ বা বিদেশে থাকে)। দ্বিতীয়ত স্থানীয় তদন্তের জন্য। তৃতীয়ত হিসাব পরীক্ষার জন্য। চতুর্থত বৈজ্ঞানিক তদন্তের জন্য। পঞ্চমত সম্পত্তি বিক্রির জন্য।

মনে রাখার ফর্মুলা: "SLAPS ফর্মুলা।" S = Saakhi (সাক্ষী পরীক্ষা) L = Local Investigation (স্থানীয় তদন্ত) A = Accounts (হিসাব পরীক্ষা) P = Performance of ministerial acts S = Sale of Property (সম্পত্তি বিক্রি)

## Section 89 - Settlement of Disputes Outside the Court (আদালতের বাইরে বিরোধ মীমাংসা)

এটি পরীক্ষায় বেশ নতুন একটি গুরুত্বপূর্ণ বিষয় এবং ২০২৩ ও ২০২৫ সালের পরীক্ষায় এই বিষয়ে প্রশ্ন এসেছে।

Section 89 অনুযায়ী আদালত পক্ষদের Alternative Dispute Resolution (ADR)-এ পাঠাতে পারে। ADR-এর ধরনগুলো হলো:

প্রথমত Arbitration (সালিশ)। দ্বিতীয়ত Conciliation (সমঝোতা)। তৃতীয়ত Judicial Settlement (বিচারিক মীমাংসা)। চতুর্থত Mediation (মধ্যস্থতা)।

মনে রাখার ফর্মুলা: "ACJM ফর্মুলা।" A = Arbitration C = Conciliation J = Judicial Settlement M = Mediation।

আন্তর্জাতিক সংযোগ: ২০২৫ সালে ইউক্রেন-রাশিয়া যুদ্ধে শান্তি আলোচনার জন্য Turkey এবং China মধ্যস্থতা করছে। এটা হলো Mediation। WTO-তে বাণিজ্য বিরোধে Dispute Settlement Body ব্যবহার হয় যা একটা ধরনের ADR। Section 89 একই ধারণার উপর প্রতিষ্ঠিত।

## অধ্যায় ৩: CrPC-র গভীর বিষয় - রহস্যময় ধারাগুলো



## Section 164 - Recording of Confession (স্বীকারোক্তি লিপিবদ্ধ করা)

Section 164 পরীক্ষায় প্রায় প্রতি বছরই আসে কারণ এটা Evidence Act-এর সাথেও সংযুক্ত।

Section 164 বলে: যেকোনো ম্যাজিস্ট্রেট মামলার তদন্তের সময় বা বিচারের আগে যেকোনো ব্যক্তির স্বীকারোক্তি বা বিবৃতি লিপিবদ্ধ করতে পারেন।

গুরুত্বপূর্ণ বিষয়: Section 164-এর অধীনে ম্যাজিস্ট্রেটের কাছে দেওয়া Confession প্রমাণ হিসেবে গ্রহণযোগ্য কারণ এটা পুলিশের কাছে নয়।

পার্থক্য: পুলিশের কাছে Confession (Evidence Act Section 25) = গ্রহণযোগ্য নয়। ম্যাজিস্ট্রেটের কাছে Confession (CrPC Section 164) = গ্রহণযোগ্য।

মনে রাখার টেকনিক: "164 = এক ছয় চার = ম্যাজিস্ট্রেটের কাছে চারটি সুরক্ষা দিয়ে স্বীকারোক্তি।"

Section 164 অনুযায়ী ম্যাজিস্ট্রেটের করণীয়: প্রথমত অভিযুক্তকে জানাতে হবে যে স্বীকারোক্তি দিতে সে বাধ্য নয়। দ্বিতীয়ত জানাতে হবে স্বীকারোক্তি তার বিরুদ্ধে ব্যবহার হতে পারে। তৃতীয়ত স্বীকারোক্তি লিখে অভিযুক্তকে পড়তে দিতে হবে। চতুর্থত স্বীকারোক্তি স্বেচ্ছায় হচ্ছে কিনা নিশ্চিত করতে হবে।

মনে রাখার ফর্মুলা: "IWRV ফর্মুলা।" I = Inform (জানানো যে বাধ্য নয়) W = Warn (সতর্ক করা যে বিরুদ্ধে ব্যবহার হবে) R = Read (পড়িয়ে শোনানো) V = Voluntary (স্বেচ্ছায় কিনা নিশ্চিত করা)

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৮ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Section 164 CrPC-তে স্বীকারোক্তি লিপিবদ্ধের আগে ম্যাজিস্ট্রেটকে কী করতে হবে?" উত্তর: IWRV ফর্মুলা মনে রাখো।

## Section 167 - Procedure When Investigation Cannot Be Completed in 24 Hours (২৪ ঘণ্টায় তদন্ত শেষ না হলে)

Section 167 বলে: যদি গ্রেফতারকৃত ব্যক্তিকে ২৪ ঘণ্টার মধ্যে আদালতে হাজির করা না যায় এবং তদন্ত শেষ না হয়, তাহলে তাকে Remand-এ রাখা যাবে।

Remand-এর সর্বোচ্চ সীমা: ম্যাজিস্ট্রেট সর্বোচ্চ ১৫ দিন Police Custody-তে Remand দিতে পারেন। মোট ৬০ দিন বা যদি অপরাধের শাস্তি মৃত্যুদণ্ড, যাবজ্জীবন বা ১০ বছরের বেশি হয় তাহলে ৯০ দিন পর্যন্ত Judicial Custody-তে রাখা যাবে।

মনে রাখার টেকনিক: "167 = পুলিশ 15, সব মিলিয়ে 60 বা 90।"

আন্তর্জাতিক জোক: ২০২৫ সালে বিভিন্ন দেশে সাংবাদিক আটকের ঘটনায় Remand-এর অপব্যবহার নিয়ে আলোচনা হচ্ছে। আমেরিকার Guantanamo Bay-তে বছরের পর বছর Remand ছিল, যা আন্তর্জাতিক আইন



লক্ষণ। বাংলাদেশের CrPC Section 167 একটি সময়সীমা বেঁধে দিয়ে এই অপব্যবহার রোধ করার চেষ্টা করেছে।

### Section 173 - Police Report (পুলিশ প্রতিবেদন)

Section 173 বলে: তদন্ত সম্পন্ন হওয়ার পর পুলিশকে ম্যাজিস্ট্রেটের কাছে Police Report বা Charge Sheet পাঠাতে হবে।

যদি পুলিশ মনে করে অপরাধ প্রমাণিত হয়নি তাহলে Final Report দেবে। যদি পুলিশ মনে করে অপরাধ প্রমাণিত হয়েছে তাহলে Charge Sheet দেবে।

মনে রাখার টেকনিক: "173 = এক সাত তিন = শেষে তিনটা সিদ্ধান্ত: Charge Sheet, Final Report, Otherwise।"

### Section 190 - Cognizance of Offences by Magistrates (ম্যাজিস্ট্রেটের আমলে নেওয়া)

Section 190 বলে: ম্যাজিস্ট্রেট নিম্নলিখিতভাবে মামলা আমলে নিতে পারেন:

প্রথমত Police Report-এর ভিত্তিতে। দ্বিতীয়ত অভিযোগকারীর অভিযোগের ভিত্তিতে। তৃতীয়ত নিজে জানতে পেরে (Upon His Own Knowledge)।

মনে রাখার ফর্মুলা: "PCC ফর্মুলা।" P = Police Report C = Complaint (অভিযোগ) C = Court's Own Knowledge (নিজে জানতে পেরে)

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "ম্যাজিস্ট্রেট কতটি উপায়ে মামলা আমলে নিতে পারেন?" উত্তর: তিনটি উপায়ে।

### Section 200 - Examination of Complainant (অভিযোগকারীর পরীক্ষা)

Section 200 বলে: একটি Complaint গ্রহণের পর ম্যাজিস্ট্রেট অভিযোগকারীকে এবং তার সাক্ষীদের শপথপূর্বক পরীক্ষা করবেন।

মনে রাখার টেকনিক: "200 = দুইশো = অভিযোগ এলে দুইশো প্রশ্ন করো।"

### Section 265 - Charge কী এবং কীভাবে হয়?

Section 265 অনুযায়ী প্রতিটি অভিযোগ বা Charge-এ থাকতে হবে:

প্রথমত অপরাধের নাম বা সংজ্ঞা। দ্বিতীয়ত অপরাধ সংঘটনের নির্দিষ্ট সময়। তৃতীয়ত অপরাধ সংঘটনের নির্দিষ্ট স্থান। চতুর্থত অপরাধের ব্যক্তি বা বস্তু যা সংশ্লিষ্ট।



মনে রাখার ফর্মুলা: "NTPP ফর্মুলা।" N = Name of offence T = Time P = Place P = Person/thing

### Section 342 - Power to Examine Accused (অভিযুক্তকে পরীক্ষার ক্ষমতা)

Section 342 বলে: বিচারের যেকোনো পর্যায়ে বিচারক অভিযুক্তকে প্রশ্ন করতে পারবেন। কিন্তু অভিযুক্ত উত্তর দিতে বাধ্য নয়। তার মৌনতা তার বিরুদ্ধে ব্যবহার করা যাবে না।

মনে রাখার টেকনিক: "342 = তিন চার দুই = বিচারক জিজ্ঞেস করবে, তুমি জবাব দিতে পারো, না দিলেও দোষ নেই।"

আন্তর্জাতিক সংযোগ: আমেরিকার Fifth Amendment অনুযায়ী কেউ নিজের বিরুদ্ধে সাক্ষ্য দিতে বাধ্য নয়। বাংলাদেশের CrPC Section 342-ও একই সুরক্ষা দেয়।

### Section 374 - Appeal from Conviction (দণ্ডের বিরুদ্ধে আপিল)

Section 374 বলে: যিনি দোষী সাব্যস্ত হয়েছেন তিনি আপিল করতে পারবেন।

আপিলের ক্রম: Session Court থেকে High Court Division-এ। High Court Division থেকে Appellate Division-এ।

মনে রাখার টেকনিক: "374 = তিন সাত চার = তিন ধাপে আপিল যাও।"

### Section 401 - Power of High Court to Call for Records (হাই কোর্টের Revisional Jurisdiction)

Section 401 অনুযায়ী High Court Division যেকোনো অধস্তন আদালতের রেকর্ড তলব করতে পারে এবং সংশোধন করতে পারে।

Revision এবং Appeal-এর পার্থক্য: Appeal হলো উপরের আদালতে যাওয়া। Revision হলো High Court-এর নিজে থেকে নীচের আদালতের ভুল শুধরে দেওয়ার ক্ষমতা।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Revision এবং Appeal-এর মধ্যে পার্থক্য কী?" উত্তর: Appeal-এ সাধারণত পক্ষ নিজে যায়। Revision-এ High Court নিজে বা পক্ষের আবেদনে রেকর্ড তলব করে।

## অধ্যায় ৪: Penal Code-এর গভীর বিষয় - অপরাধের রহস্য

### Section 34 - Acts Done by Several Persons in Furtherance of Common Intention (সাধারণ অভিপ্রায়ে কাজ)



Section 34 পরীক্ষায় বহুবার এসেছে কারণ এটা খুবই গুরুত্বপূর্ণ একটি নীতি।

Section 34 বলে: যখন একটি অপরাধমূলক কাজ একাধিক ব্যক্তি সাধারণ অভিপ্রায়ে (Common Intention) করে, তখন প্রত্যেকেই সেই কাজের জন্য দায়ী যেন সে নিজে একাই করেছে।

মনে রাখার জোক: ধর পাঁচজন বন্ধু মিলে পরীক্ষায় নকল করার পরিকল্পনা করল। একজন নকল লিখল, আরেকজন পাহারা দিল, তৃতীয়জন পাস করিয়ে দিল। এই তিনজনই Section 34-এর আওতায় সমান দায়ী। আন্তর্জাতিকভাবে যখন কোনো দেশের সামরিক বাহিনী এবং রাজনৈতিক নেতৃত্ব একসাথে যুদ্ধাপরাধ করে, তখন ICJ বলে উভয়ই দায়ী। এটা Section 34-এর মতোই।

Section 34 এবং Section 149-এর পার্থক্য (পরীক্ষায় আসে)।

Section 34 = Common Intention (সাধারণ অভিপ্রায়)। এখানে ব্যক্তির সংখ্যার কোনো সীমা নেই। উদ্দেশ্য আগে থেকেই ঠিক থাকতে হবে।

Section 149 = Common Object (সাধারণ লক্ষ্য)। এখানে ৫ বা তার বেশি জন থাকতে হবে (Unlawful Assembly)। লক্ষ্য জানলেই দায়ী, প্রত্যক্ষ অংশগ্রহণ লাগে না।

মনে রাখার টেকনিক: "34 = তেত্রিশ পার = দুজনেই ধরা। 149 = পাঁচ বা বেশি = দলের পাপ সবার।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৮ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Section 34 এবং Section 149-এর মধ্যে পার্থক্য কী?" ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Common Intention-এর সংজ্ঞা কী?"

### Section 120A - Criminal Conspiracy (অপরাধমূলক ষড়যন্ত্র)

Section 120A বলে: যখন দুই বা ততোধিক ব্যক্তি কোনো বেআইনি কাজ করতে বা বেআইনি উপায়ে কোনো কাজ করতে সম্মত হয় তখন সেটা Criminal Conspiracy।

Section 120B হলো Criminal Conspiracy-র শাস্তি।

মনে রাখার টেকনিক: "120A = ষড়যন্ত্রের সংজ্ঞা। 120B = ষড়যন্ত্রের শাস্তি।"

আন্তর্জাতিক জোক: ২০২৫ সালে রাশিয়া, ইরান ও উত্তর কোরিয়ার মধ্যে সামরিক সহযোগিতাকে অনেকে আন্তর্জাতিক Criminal Conspiracy বলছেন। Section 120A-র ভাষায় বললে তারা একটা "Common Agreement" করেছে বেআইনি লক্ষ্য অর্জনের জন্য।

### Section 124A - Sedition (রাষ্ট্রদ্রোহ)

এটা পরীক্ষায় কম আসে কিন্তু সাম্প্রতিক রাজনৈতিক প্রেক্ষাপটে গুরুত্বপূর্ণ।



Section 124A বলে: যে ব্যক্তি কথা, লেখা, চিহ্ন বা দৃশ্যমান উপস্থাপনার মাধ্যমে সরকারের বিরুদ্ধে ঘৃণা বা অবজ্ঞা বা অসন্তোষ উসকে দেওয়ার চেষ্টা করে সে Sedition-এর অপরাধে দোষী।

গুরুত্বপূর্ণ ব্যতিক্রম: বৈধ সমালোচনা Sedition নয়। শুধু সহিংস পরিবর্তনের আহ্বান Sedition।

মনে রাখার টেকনিক: "124A = এক দুই চার A = সরকারের বিরুদ্ধে সহিংস ডাক দিলে ধরা।"

আন্তর্জাতিক সংযোগ: ২০২৫ সালে ভারতে Sedition আইন নিয়ে বিতর্ক। অনেক দেশই Sedition Law-কে Authoritarian Tool হিসেবে ব্যবহার করে। বাংলাদেশে ২০২৪-২০২৫ সালে রাজনৈতিক পরিবর্তনের পর এই আইনের প্রয়োগ নিয়ে আলোচনা হয়েছে।

## Section 302 এবং Section 304 - Murder এবং Culpable Homicide (হত্যা এবং অপরাধমূলক নরহত্যা)

এই দুটো Section পরীক্ষায় প্রায় প্রতি বছরই আসে এবং অনেকেই এই দুটোর পার্থক্য গুলিয়ে ফেলে।

Section 300 = Murder-এর সংজ্ঞা। Section 302 = Murder-এর শাস্তি = মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন। Section 299 = Culpable Homicide-এর সংজ্ঞা। Section 304 = Culpable Homicide Not Amounting to Murder-এর শাস্তি।

পার্থক্যের সহজ নিয়ম: Murder = সর্বোচ্চ স্তরের অপরাধমূলক হত্যা। Culpable Homicide = কম স্তরের অপরাধমূলক হত্যা।

Section 300-এর ব্যতিক্রম (GPPSC ফর্মুলা আবার মনে করো): G = Grave and Sudden Provocation। P = Private Defence (exceeded)। P = Public Servant acting in good faith। S = Sudden Quarrel without premeditation। C = Consent (victim consented to risk of death)।

মনে রাখার বিশেষ জোক: ICC বলে Murder = Intentional killing। Section 300-ও বলে Murder = Intentional। পার্থক্য হলো ICC-তে রাষ্ট্রীয় নেতারা বিচার পায়, বাংলাদেশে ব্যক্তিরা।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Murder এবং Culpable Homicide-এর পার্থক্য কী?" ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Section 300-এর ব্যতিক্রম কতটি?" উত্তর: পাঁচটি (GPPSC)।

## Section 380 - Theft in Dwelling House (বাসস্থানে চুরি)

Section 380 বলে: যদি চুরি কোনো বাড়িতে, তাঁবুতে বা যানবাহনে ঘটে যেটা মানুষের বাসস্থান হিসেবে ব্যবহৃত হয়, তাহলে শাস্তি ৭ বছর পর্যন্ত কারাদণ্ড।

সাধারণ চুরিতে (Section 379) শাস্তি ৩ বছর।



মনে রাখার টেকনিক: "380 = তিনশো আশি = বাসায় চুরি সাত বছর, বাইরে তিন বছর। আশি মানে বাসার ভিতর।"

### Section 392 থেকে Section 402 - Robbery এবং Dacoity (ডাকাতি)

Section 390 = Robbery-এর সংজ্ঞা। Section 392 = Robbery-এর শাস্তি = ১০ বছর। Section 391 = Dacoity-এর সংজ্ঞা = ৫ বা তার বেশি জন মিলে Robbery। Section 395 = Dacoity-এর শাস্তি = যাবজ্জীবন বা ১০ বছর।

মনে রাখার টেকনিক: "Dacoity = ডাকাতি = ডাকাতি মানে ৫ বা তার বেশি জন। পাঁচে পাঁচ।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Dacoity-তে কতজন লাগে?" উত্তর: ৫ বা তার বেশি জন।

### Section 405 - Criminal Breach of Trust (বিশ্বাসভঙ্গ)

Section 405 বলে: যখন কেউ অন্যের সম্পত্তি নিজের কাছে বিশ্বাসে রাখা হয়েছে এবং সে সেটা অসংভাবে সরিয়ে ফেলে তখন Criminal Breach of Trust।

শর্তগুলো হলো: প্রথমত সম্পত্তি তার হেফাজতে ছিল। দ্বিতীয়ত সে বিশ্বাস বা চুক্তি অনুযায়ী কাজ করেনি। তৃতীয়ত সে অসংভাবে সরিয়ে ফেলেছে।

মনে রাখার টেকনিক: "405 = চারশো পাঁচ = পাঁচটা পদক্ষেপে বিশ্বাসঘাতকতা।"

আন্তর্জাতিক জোক: ২০২৫ সালে বিভিন্ন দেশের Sovereign Wealth Fund Managers-দের বিরুদ্ধে দুর্নীতির অভিযোগ উঠেছে। তারা দেশের অর্থ তাদের হেফাজতে পেয়ে আত্মসাৎ করেছে। বাংলাদেশের Section 405-এর ভাষায় এটা Criminal Breach of Trust।

### Section 420 - Cheating (প্রতারণা)

Section 415 = Cheating-এর সংজ্ঞা। Section 420 = Cheating-এর বিশেষ শাস্তি = ৭ বছর পর্যন্ত কারাদণ্ড (যখন প্রতারণায় মূল্যবান সম্পত্তি হস্তান্তর করানো হয়)।

Cheating-এর শর্ত: প্রথমত প্রতারণামূলক উদ্দেশ্যে প্রলোভন দেওয়া। দ্বিতীয়ত ভুক্তভোগীকে সম্পত্তি দিতে বা কাজ করতে বাধ্য করা।

মনে রাখার টেকনিক: "420 = চারশো বিশ = বিশ রকম ফাঁদে ধরা।" বাংলায় ৪২০ মানেই প্রতারক।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Section 420-এর শাস্তি কী?" উত্তর: সর্বোচ্চ ৭ বছর।

### Section 489A থেকে 489E - Counterfeit Currency (জাল মুদ্রা)





এই ধারাগুলো পরীক্ষায় মাঝে মাঝে আসে।

Section 489A = জাল মুদ্রা তৈরি = যাবজ্জীবন বা ১০ বছর। Section 489B = জেনেশুনে জাল মুদ্রা বিক্রি = যাবজ্জীবন বা ১০ বছর। Section 489C = জাল মুদ্রা রাখা = ৭ বছর।

মনে রাখার টেকনিক: "A তৈরি, B বিক্রি, C রাখা। তৈরি সবচেয়ে বড় পাপ।"

## অধ্যায় ৫: Evidence Act-এর গভীর বিষয় - সাক্ষ্যের শিল্প

### Section 45 - Expert Evidence (বিশেষজ্ঞ সাক্ষ্য)

Section 45 বলে: যখন আদালতকে বিজ্ঞান, শিল্প, বিদেশী আইন, ভূমি পরিমাপ বা মানসিক অবস্থা সম্পর্কিত কোনো বিষয়ে মত গঠন করতে হয়, তখন সেই বিষয়ে বিশেষজ্ঞ ব্যক্তির মতামত প্রাসঙ্গিক।

বিশেষজ্ঞের ধরন: ডাক্তার, হস্তলিখন বিশেষজ্ঞ, আঙুলের ছাপ বিশেষজ্ঞ, বন্দুকের বিশেষজ্ঞ।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 45 = পঁয়তাল্লিশ = পঞ্চ বিশেষজ্ঞ।" পাঁচ ধরনের বিশেষজ্ঞ মনে রাখো: বিজ্ঞানী, ডাক্তার, শিল্পী, আইনজ্ঞ, পরিমাপকারী।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Expert Evidence কখন গ্রহণযোগ্য?" উত্তর: Section 45 অনুযায়ী যখন আদালত বিশেষজ্ঞ জ্ঞান ছাড়া সিদ্ধান্তে পৌঁছাতে পারে না।

আন্তর্জাতিক সংযোগ: ২০২৫ সালে ICC-তে যুদ্ধাপরাধের মামলায় Forensic Experts-এর সাক্ষ্য গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা পালন করেছে। DNA Evidence, Satellite Imagery সবই Expert Evidence। Section 45 এই ধারণার ভিত্তি।

### Section 62 - Primary Evidence (প্রাথমিক সাক্ষ্য)

Section 62 বলে: Primary Evidence মানে হলো নিজেই দলিল আদালতে উপস্থাপন করা।

সহজ উদাহরণ: চুক্তিপত্রের আসল কপি আদালতে আনা হলো Primary Evidence।

### Section 63 - Secondary Evidence (গৌণ সাক্ষ্য)

Section 63 বলে: Secondary Evidence হলো মূল দলিলের প্রতিলিপি বা অনুলিপি।

Secondary Evidence-এর ধরন: মূল দলিলের সত্যায়িত কপি, মূল দলিলের মুদ্রিত কপি, মৌখিক বর্ণনা।





Section 65 অনুযায়ী Secondary Evidence কখন দেওয়া যায় (ODMAL ফর্মুলা আবার মনে করো): O = Opponent's possession (বিপক্ষের দখলে) D = Destroyed (নষ্ট হয়েছে) M = Missing (খুঁজে পাওয়া যাচ্ছে না) A = Abroad (বিদেশে) L = Legal process (কপি করা কঠিন বলে আইনত স্বীকৃত)।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৮ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Primary এবং Secondary Evidence-এর পার্থক্য কী?" ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "কখন Secondary Evidence দেওয়া যায়?"

## Section 91 - Evidence of Terms of Contract, Grants, etc. (চুক্তির শর্তের সাক্ষ্য)

Section 91 বলে: যদি কোনো চুক্তি, অনুদান বা লিখিত দায় লেখা হয়, তাহলে সেই বিষয়ে মৌখিক সাক্ষ্য দেওয়া যাবে না।

এটা "Parole Evidence Rule" নামে পরিচিত।

Section 92 বলে: লিখিত চুক্তির শর্তগুলো পরিবর্তন বা যোগ করার জন্য মৌখিক সাক্ষ্য দেওয়া যাবে না।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 91-92 = লেখা থাকলে মুখে বলতে নেই।"

আন্তর্জাতিক জোক: আন্তর্জাতিক চুক্তিতে (Treaties) যা লেখা আছে তাই আইন। মৌখিক বোঝাপড়া ধরা হয় না। যেমন ২০২৫ সালে ট্রাম্প NATO-র মৌখিক প্রতিশ্রুতি বাতিল করতে পারেন না কারণ NATO-র Article 5 লিখিত। Section 91-এর মতোই। লেখা কথাই শেষ কথা।

## Section 101 - Burden of Proof (প্রমাণের দায়)

Section 101 বলে: যে তথ্যের অস্তিত্ব প্রমাণ করার ইচ্ছা আছে তাকে সেই তথ্য প্রমাণ করতে হবে।

সাধারণ নীতি: "He who asserts must prove" বা "যে দাবি করে সে প্রমাণ করে।"

Section 102 - Burden of Proof on Whom? বলে: মামলা না জিতলে যার ক্ষতি হবে তার উপর প্রমাণের দায়।

মনে রাখার টেকনিক: "101 = সবার আগে দাবিকারীকে প্রমাণ করতে হবে। যেমন 101 ফোন করলে আগে বলো কী হয়েছে।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Burden of Proof কার উপর?" উত্তর: Section 101 অনুযায়ী যে তথ্য প্রমাণ করতে চায় তার উপর।

## Section 105 - Burden of Proof in Exception Cases (ব্যতিক্রমের ক্ষেত্রে দায়)



Section 105 বলে: যখন কোনো ব্যক্তি এমন অপরাধের ব্যতিক্রমের সুবিধা নেয় (যেমন insanity, accident, consent), তখন সেই ব্যতিক্রম প্রমাণ করার দায় অভিযুক্তের।

মনে রাখার টেকনিক: "105 = এক শূন্য পাঁচ = ব্যতিক্রম নিজে প্রমাণ করো।"

সংযোগ Penal Code-এর সাথে: Penal Code Section 84 বলে Insanity একটা Defense। কিন্তু Evidence Act Section 105 বলে সেই Insanity অভিযুক্তকেই প্রমাণ করতে হবে।

### Section 108 - Burden of Proving Death (মৃত্যু প্রমাণের দায়)

Section 108 বলে: যদি কোনো ব্যক্তি ৭ বছর ধরে নিখোঁজ থাকে এবং তার সম্পর্কে যারা জানার কথা তারাও কোনো খবর না পায়, তাহলে আদালত ধরে নেবে সে মারা গেছে।

কিন্তু কখন মারা গেছে সেটা ধরা হয় না।

মনে রাখার টেকনিক: "108 = এক শূন্য আট = সাত বছর পর আট নম্বর ধারা মৃত ঘোষণা।" বা "7 years missing = presumed dead।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Section 108-এ কত বছর নিখোঁজ থাকলে মৃত ধরা হয়?" উত্তর: ৭ বছর।

### Section 112 - Birth During Marriage Conclusive Proof of Legitimacy (বৈধতার প্রমাণ)

Section 112 বলে: যদি কোনো সন্তান বিবাহের সময় বা বিবাহ বিচ্ছেদের ২৮০ দিনের মধ্যে জন্ম নেয়, তাহলে সে সন্তান বৈধ বলে ধরা হবে এবং এটাই Conclusive Proof।

মনে রাখার টেকনিক: "280 দিন = Section 112।" বা "112 = দশ মাস = বৈধতার পরীক্ষা।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Section 112-এ কত দিনের মধ্যে জন্ম নিলে বৈধ ধরা হয়?" উত্তর: ২৮০ দিন।

### Section 115 - Estoppel (বাধা সৃষ্টি)

Section 115 বলে: যখন কোনো ব্যক্তি তার বক্তব্য বা কাজ দ্বারা অন্য কোনো ব্যক্তিকে বিশ্বাস করিয়ে এমন পরিস্থিতি তৈরি করে যে সেই ব্যক্তি তার অবস্থান পরিবর্তন করেছে, তখন প্রথম ব্যক্তি তার মূল বক্তব্য অস্বীকার করতে পারবে না। এটাই Estoppel।

মনে রাখার জোক: ধর তুমি বললে "আমার জমি নেই।" তোমার কথা বিশ্বাস করে আরেকজন কাছের জমি কিনল। এখন তুমি বলতে পারবে না "ওই জমিটা আমার।" Section 115 তোমাকে থামিয়ে দেবে।



আন্তর্জাতিক সংযোগ: ২০২৫ সালে কূটনীতিতে "Political Estoppel" বলে একটা ধারণা আছে। কোনো দেশ যদি একটা চুক্তি স্বীকার করে অন্য দেশকে তার অবস্থান পরিবর্তন করতে উৎসাহিত করে, তাহলে পরে সেই চুক্তি অস্বীকার করা কঠিন হয়। ঠিক Section 115-এর মতো।

## Section 122 - Communications During Marriage (বিবাহকালীন যোগাযোগ)

Section 122 বলে: বিবাহকালীন যে যোগাযোগ স্বামী-স্ত্রীর মধ্যে হয় সেটা আদালতে প্রকাশ করতে কোনো পক্ষকে বাধ্য করা যাবে না। এটা "Marital Privilege"।

মনে রাখার টেকনিক: "122 = স্বামী-স্ত্রীর ১-২-২ গোপনীয়তা।"

## Section 126 - Professional Communications (পেশাদার যোগাযোগ)

Section 126 বলে: একজন আইনজীবী তার মক্কেলের সাথে পেশাগত যোগাযোগ আদালতে প্রকাশ করতে বাধ্য নন। এটা "Legal Professional Privilege"।

Section 129 অনুযায়ী মক্কেল চাইলে আইনজীবীকে মুক্ত করতে পারেন।

মনে রাখার টেকনিক: "126 = আইনজীবীর গোপনীয়তা।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৮ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Privileged Communication বলতে কী বোঝায়?" ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Section 126 এবং Section 122-এর পার্থক্য কী?"

## অধ্যায় ৬: The Specific Relief Act, 1877 - গভীর বিশ্লেষণ

### SRA-র নতুন দিক যা অনেকে মিস করে

Specific Relief Act-এর Section 8, Section 9 এবং Section 10 পরীক্ষায় একসাথে আসে।

Section 8 = Recovery of Specific Movable Property (নির্দিষ্ট অস্বাবর সম্পত্তি পুনরুদ্ধার)।

Section 8 বলে: যদি কেউ তার অস্বাবর সম্পত্তির (Movable Property) অধিকারী হয় তাহলে সে নির্দিষ্ট সেই সম্পত্তি পুনরুদ্ধারের জন্য মামলা করতে পারে।

মনে রাখার জোক: তোমার প্রিয় মোটরসাইকেল চুরি গেছে। তুমি চোর খুঁজে পেলে টাকা নেওয়ার বদলে মোটরসাইকেলটাই ফেরত চাইতে পারো। এটাই Section 8-এর আইনি ভিত্তি।

### Section 9 - Recovery of Specific Immovable Property (স্বাবর সম্পত্তি পুনরুদ্ধার)



Section 9 অনুযায়ী যে ব্যক্তি জমি বা অন্য স্বাবর সম্পত্তি থেকে অবৈধভাবে উৎখাত হয়েছে সে সেই সম্পত্তি পুনরুদ্ধারের জন্য মামলা করতে পারে।

Section 9-এর গুরুত্বপূর্ণ বৈশিষ্ট্য: এই মামলায় শুধু দখলের প্রশ্ন বিবেচনা হয়, মালিকানার নয়। ৬ মাসের মধ্যে মামলা করতে হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "SRA Section 9 = ৬ মাস দখলের লড়াই।"

### Section 21 - Power to Award Compensation (ক্ষতিপূরণ দেওয়ার ক্ষমতা)

Section 21 বলে: যখন আদালত Specific Performance দেয় না তখন সে ক্ষতিপূরণ দিতে পারে। এবং যখন Specific Performance দেয় তখনও অতিরিক্ত ক্ষতির জন্য ক্ষতিপূরণ দিতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 21 = একুশ = একের সাথে আরেকটি বোনাস।"

### Section 34 - Declaratory Decree (ঘোষণামূলক ডিক্রি)

Section 34 বলে: যেকোনো ব্যক্তি যার আইনি মর্যাদা বা সম্পত্তির অধিকার নিয়ে বিরোধ আছে সে ঘোষণামূলক ডিক্রির জন্য আদালতে যেতে পারে।

উদাহরণ: "আমি এই জমির মালিক" এই ঘোষণা করার জন্য আদালতে মামলা।

শর্ত: বাদীর আইনি মর্যাদা বা অধিকার থাকতে হবে। বিবাদী সেই অধিকার অস্বীকার বা বিরোধ করছে। আরো প্রতিকার চাওয়া না হলেও চলে।

মনে রাখার টেকনিক: "34 = তেত্রিশ পার = ঘোষণায় জমির মালিকানা।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Declaratory Decree কী এবং কখন দেওয়া যায়?" ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Section 34 SRA-র শর্তগুলো কী কী?"

### Section 38 - Perpetual Injunction (স্থায়ী নিষেধাজ্ঞা)

Section 38 বলে: স্থায়ী Injunction দেওয়া যায় যখন: প্রথমত বিবাদী চুক্তি লঙ্ঘন করে এমন কাজ করছে বা করতে চলেছে। দ্বিতীয়ত এমন কাজ করতে চলেছে যা বাদীর ক্ষতি করবে এবং যার ক্ষতিপূরণ অর্থের বিনিময়ে পূরণ করা সম্ভব নয়।

মনে রাখার টেকনিক: "38 = আটত্রিশ = স্থায়ী মানে আর করতে পারবে না।"

### Section 39 - Mandatory Injunction (বাধ্যতামূলক নিষেধাজ্ঞা)



Section 39 বলে: Mandatory Injunction দেওয়া হয় যখন বিবাদীকে কোনো কাজ করতে বাধ্য করা হয় (শুধু থামানো নয়)।

Preventive Injunction এবং Mandatory Injunction-এর পার্থক্য: Preventive = করা থেকে বিরত রাখা।  
Mandatory = কিছু করতে বাধ্য করা।

উদাহরণ: তোমার পাশের বাড়ির মালিক দেওয়াল দিয়ে তোমার পথ বন্ধ করে দিয়েছে। Mandatory Injunction দিয়ে আদালত বলবে সেই দেওয়াল ভেঙে দিতে।

### Section 41 - Injunction When Cannot Be Granted (নিষেধাজ্ঞা না দেওয়ার ক্ষেত্র)

Section 41 বলে নিম্নলিখিত ক্ষেত্রে Injunction দেওয়া যাবে না:

প্রথমত ফৌজদারি আদালতকে বাধা দিতে। দ্বিতীয়ত অন্য আদালতে বিচার বা তদন্তকে বাধা দিতে। তৃতীয়ত সরকারের আইন প্রণয়ন কার্যক্রম বাধাগ্রস্ত করতে। চতুর্থত যেক্ষেত্রে ক্ষতিপূরণই যথেষ্ট প্রতিকার।

মনে রাখার টেকনিক: "41 = একচল্লিশ = চারটি বিষয়ে নিষেধাজ্ঞা নিষেধ।"

## অধ্যায় ৭: Professional Ethics এবং Bar Council Order - গভীর আলোচনা

### Bangladesh Bar Council Order, 1972 (রাষ্ট্রপতির আদেশ নং ৪৬)

এই Order-টি ১৯৭২ সালে বাংলাদেশের স্বাধীনতার পরপরই জারি হয়েছে। এটা একটা গর্বের বিষয়।

Bar Council Order-এর মূল বিষয়গুলো:

Article 3 = Bar Council গঠন। Attorney General এবং Solicitor General এর কথা বলা আছে।

Article 30 = আইনজীবী তালিকাভুক্তি। আইনজীবী হতে হলে Bar Council-এর পরীক্ষায় পাস করতে হবে।

Article 35 = Misconduct। আইনজীবীর অসদাচরণের ব্যাপারে নিয়মাবলী।

Article 36 = Punishment। অসদাচরণের শাস্তির বিধান।

মনে রাখার টেকনিক: "Bar Council Order = মুক্তিযুদ্ধের পর প্রথম আইনজীবীর নিয়ম।"

### Bar Council Rules, 1972



এই Rules-গুলো Bar Council Order-এর অধীনে তৈরি। পরীক্ষায় নির্দিষ্ট Rules থেকে প্রশ্ন আসে।

Rule 6 = Senior Advocate নিয়োগ।

Rule 38 = Enrolment-এর পদ্ধতি।

Rule 42 = Misconduct-এর সংজ্ঞা।

### Misconduct কী? (গভীর আলোচনা)

Misconduct মানে শুধু বড় অপরাধ নয়। এর মধ্যে অনেক ছোট কিন্তু গুরুতর বিষয় আছে।

MECLOF ফর্মুলা (পার্ট ৫ থেকে মনে রাখো): M = Money বা অর্থ সংক্রান্ত অপরাধ E = Evidence manipulation বা সাক্ষ্য জালিয়াতি C = Contact with opposite party বা বিপক্ষের সাথে অনুচিত যোগাযোগ L = Leaking secrets বা মক্কেলের গোপনীয়তা ফাঁস O = Obstruction বা আদালতের কাজে বাধা F = False fees বা মিথ্যা ফি দাবি

নতুন যোগ করো - আরো ছয়টি Misconduct:

S = Strike buster অর্থাৎ বার কাউন্সিল ঘোষিত ধর্মঘটে বিরোধিতা। A = Advertising অর্থাৎ আইনজীবী বিজ্ঞাপন দিতে পারেন না। P = Practicing without certificate অর্থাৎ সনদ ছাড়া আইন চর্চা। D = Deception বা প্রতারণা। I = Improper behavior বা অশোভন আচরণ। T = Touting বা মক্কেল সংগ্রহে মধ্যস্থতাকারী ব্যবহার।

নতুন ফর্মুলা: "SAPDIT ফর্মুলা।" এটা MECLOF-এর পাশাপাশি মনে রাখো।

আন্তর্জাতিক জোক: আমেরিকার আইনজীবীরা বিজ্ঞাপন দিতে পারেন কিন্তু বাংলাদেশের আইনজীবীরা পারেন না। তাই বাংলাদেশে কোনো আইনজীবীর YouTube চ্যানেল বা Facebook Ads দেখলে বুঝবে সে হয়তো Misconduct করছে। ২০২৫ সালে Social Media-তে আইনি পরামর্শ দেওয়া কতটা Misconduct সে প্রশ্নটা বাংলাদেশের আইনি মহলে এখন আলোচনা হচ্ছে।

### Duties of an Advocate (আইনজীবীর দায়িত্ব)

COPP ফর্মুলা বিস্তারিত:

C = Court (আদালতের প্রতি দায়িত্ব): আদালতকে সম্মান করা, সত্য তথ্য দেওয়া, আদালতকে বিভ্রান্ত না করা, বিচারককে অনুচিত প্রভাবিত না করা।

O = Opponent (প্রতিপক্ষের প্রতি দায়িত্ব): প্রতিপক্ষের সাথে সরাসরি যোগাযোগ না করা (যদি না তার আইনজীবীর মাধ্যমে হয়), প্রতিপক্ষের সাক্ষীকে ভয় দেখানো না।



P = Profession (পেশার প্রতি দায়িত্ব): পেশার মর্যাদা রক্ষা করা, অন্য আইনজীবীর কাজে হস্তক্ষেপ না করা।

P = Principal/Client (মক্কেলের প্রতি দায়িত্ব): মক্কেলের স্বার্থ সর্বোচ্চ অগ্রাধিকার দেওয়া, মক্কেলের গোপনীয়তা রক্ষা করা, সততার সাথে পরামর্শ দেওয়া।

### Contempt of Court (আদালত অবমাননা)

বার কাউন্সিল পরীক্ষায় Contempt of Court থেকেও প্রশ্ন আসে।

Contempt of Court দুই ধরনের: Civil Contempt এবং Criminal Contempt।

Civil Contempt হলো আদালতের আদেশ পালন না করা।

Criminal Contempt হলো আদালতের মর্যাদা নষ্ট করা, বিচারের প্রতিবন্ধকতা সৃষ্টি করা।

মনে রাখার টেকনিক: "Civil = আদেশ ভঙ্গ। Criminal = মর্যাদা নষ্ট।"

আন্তর্জাতিক সংযোগ: ২০২৫ সালে আমেরিকায় সরকার ICC-কে Contempt করছে বলে অভিযোগ উঠেছে কারণ তারা ICC-র আদেশ মানছে না। বাংলাদেশেও আদালত অবমাননা একটা গুরুতর বিষয়।

### অধ্যায় ৮: বিশেষ আইন এবং সাম্প্রতিক বিষয় - ২০২৫-২০২৬

#### Muslim Family Laws Ordinance, 1961 (মুসলিম পারিবারিক আইন)

এই আইন থেকে বার কাউন্সিল পরীক্ষায় মাঝে মাঝে প্রশ্ন আসে।

মূল বিষয়গুলো:

Talaq Registration (তালাক নিবন্ধন): তালাক দিলে ৩০ দিনের মধ্যে Chairman-এর কাছে নোটিশ দিতে হবে। Chairman একটা Arbitration Council গঠন করবে। নোটিশ দেওয়ার ১০ দিন পর তালাক কার্যকর হবে।

Polygamy (বহুবিবাহ): দ্বিতীয় বিবাহের জন্য Arbitration Council-এর অনুমতি লাগবে।

Dower (মোহর): বিবাহে মোহর নির্ধারণ করতে হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "MFLO = ৩০ দিন নোটিশ, ১০ দিনে তালাক কার্যকর।"





বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "MFLO 1961 অনুযায়ী তালাক কতদিন পরে কার্যকর হয়?"  
উত্তর: ৯০ দিন।

### **The Artha Rin Adalat Ain, 2003 (অর্থঋণ আদালত আইন)**

এই আইনটা বাংলাদেশে ব্যাংক ঋণ সংক্রান্ত মামলার জন্য বিশেষ আদালত প্রতিষ্ঠা করেছে।

মূল বিষয়: ঋণ খেলাপীদের বিরুদ্ধে দ্রুত বিচারের ব্যবস্থা। মামলা পরিচালনায় CPC প্রযোজ্য কিন্তু কিছু পরিবর্তনসহ।

আন্তর্জাতিক সংযোগ: ২০২৫ সালে বাংলাদেশে ব্যাংকিং খাতে সংকট নিয়ে আলোচনা। অনেক বড় ঋণখেলাপির বিরুদ্ধে Artha Rin Adalat-এ মামলা চলছে।

### **The Negotiable Instruments Act, 1881 (আলোচ্য দলিল আইন)**

চেক বাউন্স মামলায় এই আইন ব্যবহার হয়।

Section 138 (পরীক্ষায় আসে): চেক বাউন্স হলে ৩০ দিনের মধ্যে আইনি নোটিশ দিতে হবে। নোটিশ পাওয়ার ১৫ দিনের মধ্যে পরিশোধ না করলে মামলা করতে পারবে। মামলার সময়সীমা নোটিশ পাওয়ার ১৫ দিন পর থেকে ১ মাস।

মনে রাখার টেকনিক: "চেক বাউন্স = ৩০ + ১৫ = ৪৫ দিনের খেলা।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল: "Negotiable Instruments Act Section 138 অনুযায়ী চেক বাউন্স মামলার পদ্ধতি কী?" উত্তর: ৩০ দিন নোটিশ, ১৫ দিন অপেক্ষা, তারপর ১ মাসের মধ্যে মামলা।

### **Digital Security Act, 2018 এবং Cyber Security Act, 2023**

এই আইনগুলো থেকে ২০২৩ এবং ২০২৫ সালের পরীক্ষায় প্রশ্ন আসার সম্ভাবনা আছে।

Cyber Security Act 2023 হলো Digital Security Act 2018-এর নতুন সংস্করণ।

মূল পরিবর্তন: কিছু অপরাধ জামিনযোগ্য করা হয়েছে। শাস্তির মাত্রায় পরিবর্তন।

আন্তর্জাতিক সংযোগ: ২০২৫ সালে সারা বিশ্বে Digital Freedom এবং Cybersecurity আইন নিয়ে বিতর্ক চলছে। EU-এর Digital Services Act এবং বাংলাদেশের Cyber Security Act একই ধরনের চ্যালেঞ্জ মোকাবেলা করছে।





## অধ্যায় ৯: সম্পূর্ণ Mock MCQ Test - ১০০ প্রশ্ন

এখন একটা সম্পূর্ণ Mock Test দেওয়া হচ্ছে। এটা ২০২৫ সালের পরীক্ষার প্যাটার্ন অনুযায়ী তৈরি। প্রতিটি প্রশ্নের পর উত্তর এবং ব্যাখ্যা দেওয়া আছে।

### CPC অংশ - ২০ প্রশ্ন

প্রশ্ন ১ (২০১৫ সালে আসা): CPC কত সালে পাস হয়েছে? ক) ১৯০৬ খ) ১৯০৮ গ) ১৯১০ ঘ) ১৮৯৮

উত্তর: খ) ১৯০৮। মনে রাখো: "নয় শূন্য আট, দেওয়ানি পথ।"

প্রশ্ন ২ (২০১৭ সালে আসা): CPC-তে মোট Section কতটি? ক) ১৫৫ খ) ১৫৬ গ) ১৫৮ ঘ) ১৬০

উত্তর: গ) ১৫৮। মনে রাখো: "একশো আটাল্ল = CPC Section।"

প্রশ্ন ৩ (২০১৯ সালে আসা): Section 9 CPC অনুযায়ী কোন ধরনের মামলার এখতিয়ার দেওয়ানি আদালতের নেই? ক) সম্পত্তি সংক্রান্ত মামলা খ) যে মামলার এখতিয়ার আইন দ্বারা বাধাগ্রস্ত গ) ফৌজদারি মামলা ঘ) ধর্মীয় মামলা

উত্তর: খ) যে মামলার এখতিয়ার আইন দ্বারা বাধাগ্রস্ত।

প্রশ্ন ৪ (২০২১ সালে আসা): Res Judicata-র ক্ষেত্রে প্রযোজ্য শর্তগুলোর মধ্যে কোনটি নেই? ক) একই পক্ষ খ) একই বিষয় গ) একই আইনজীবী ঘ) সক্ষম আদালতের রায়

উত্তর: গ) একই আইনজীবী। Res Judicata-তে একই আইনজীবীর শর্ত নেই।

প্রশ্ন ৫ (২০২৩ সালে আসা): Temporary Injunction পাওয়ার শর্ত কতটি? ক) দুটি খ) তিনটি গ) চারটি ঘ) পাঁচটি

উত্তর: খ) তিনটি। PBI ফর্মুলা মনে রাখো।

প্রশ্ন ৬: Order 7 Rule 11 অনুযায়ী Plaint প্রত্যাখ্যান করা যায় কখন? ক) বাদী হাজির না হলে খ) Plaint-এ মামলার কারণ প্রকাশিত না হলে গ) বিবাদী অনুপস্থিত থাকলে ঘ) মামলার মূল্য কম হলে

উত্তর: খ) Plaint-এ মামলার কারণ প্রকাশিত না হলে।

প্রশ্ন ৭: Section 10 CPC-র বিষয় কী? ক) Res Judicata খ) Stay of Suit গ) Transfer of Cases ঘ) Costs

উত্তর: খ) Stay of Suit। "১০ মানে থামো।"



প্রশ্ন ৮: Section 11 CPC কী? ক) Stay of Suit খ) Transfer of Cases গ) Res Judicata ঘ) Jurisdiction

উত্তর: গ) Res Judicata। "রেস দেওয়া হয়ে গেছে।"

প্রশ্ন ৯: CPC Section 20 অনুযায়ী মামলা দায়ের করার সঠিক আদালত কোনটি? ক) শুধু বাদীর বাসস্থানে খ) শুধু বিবাদীর বাসস্থানে গ) বিবাদীর বাসস্থানে বা ব্যবসার স্থানে বা মামলার কারণ উদ্ভব হওয়ার স্থানে ঘ) বাদীর বা বিবাদীর যেকোনো স্থানে

উত্তর: গ) বিবাদীর বাসস্থানে বা ব্যবসার স্থানে বা মামলার কারণ উদ্ভব হওয়ার স্থানে। RBA ফর্মুলা।

প্রশ্ন ১০: Order 9 Rule 13 অনুযায়ী Ex Parte ডিক্রি বাতিলের আবেদন করতে হলে কী প্রমাণ করতে হবে? ক) মামলার আইনি ত্রুটি খ) যথাযথ কারণে হাজির হতে পারেনি বা সমন পায়নি গ) আদালতের পক্ষপাত ঘ) বিচারকের অযোগ্যতা

উত্তর: খ) যথাযথ কারণে হাজির হতে পারেনি বা সমন পায়নি।

প্রশ্ন ১১: CPC Section 26 অনুযায়ী দেওয়ানি মামলা কীভাবে শুরু হয়? ক) বিচারকের আদেশে খ) পুলিশ রিপোর্টে গ) Plaint দাখিলের মাধ্যমে ঘ) অভিযোগপত্র দাখিলে

উত্তর: গ) Plaint দাখিলের মাধ্যমে।

প্রশ্ন ১২: Order 8 Rule 1 অনুযায়ী Written Statement দেওয়ার সাধারণ সময়সীমা কত? ক) ১৫ দিন খ) ৩০ দিন গ) ৬০ দিন ঘ) ৯০ দিন

উত্তর: খ) ৩০ দিন। "৩০ দিনে জবাব দাও।"

প্রশ্ন ১৩: Order 21 হলো CPC-র কোন বিষয়? ক) Plaint সংক্রান্ত খ) Execution of Decrees সংক্রান্ত গ) Injunction সংক্রান্ত ঘ) Receiver সংক্রান্ত

উত্তর: খ) Execution of Decrees। "Order 21 = ডিক্রি জারি।"

প্রশ্ন ১৪: CPC-র কোন Section-এ ADR-এর কথা আছে? ক) Section 80 খ) Section 89 গ) Section 90 ঘ) Section 96

উত্তর: খ) Section 89। ACJM ফর্মুলা।

প্রশ্ন ১৫: Section 96 CPC কোন বিষয়? ক) Revision খ) Review গ) Appeal from Original Decree ঘ) Transfer of Cases

উত্তর: গ) Appeal from Original Decree। "৯৬ = আপিলের দরজা।"



প্রশ্ন ১৬: Section 100 CPC অনুযায়ী Second Appeal কোথায় হয়? ক) District Court-এ খ) Session Court-এ গ) High Court Division-এ ঘ) Appellate Division-এ

উত্তর: গ) High Court Division-এ।

প্রশ্ন ১৭: CPC Section 35 কোন বিষয়? ক) Jurisdiction খ) Stay of Suit গ) Costs ঘ) Appeal

উত্তর: গ) Costs। "Costs follow the event।"

প্রশ্ন ১৮: Order 22 অনুযায়ী মামলা চলাকালীন বাদী মারা গেলে কতদিনের মধ্যে আইনি প্রতিনিধিকে মামলায় যোগ করতে হবে? ক) ৩০ দিন খ) ৬০ দিন গ) ৯০ দিন ঘ) ১২০ দিন

উত্তর: গ) ৯০ দিন।

প্রশ্ন ১৯: Order 40 CPC কোন বিষয়? ক) Temporary Injunction খ) Attachment before Judgment গ) Appointment of Receiver ঘ) Commission

উত্তর: গ) Appointment of Receiver। "রিসিভার = সম্পত্তির রক্ষক।"

প্রশ্ন ২০: Order 23 Rule 3 CPC কোন বিষয়? ক) Withdrawal of Suit খ) Compromise Decree গ) Abatement of Suit ঘ) Settlement by Parties

উত্তর: খ) Compromise Decree। "Order 23 তিন নিয়মে আপোষ।"

### SRA অংশ - ১০ প্রশ্ন

প্রশ্ন ২১ (২০১৭ সালে আসা): Specific Performance কখন দেওয়া যায় না? ক) যখন জমির চুক্তি খ) যখন ব্যক্তিগত সেবার চুক্তি গ) যখন অর্থের চুক্তি ঘ) যখন সম্পত্তির চুক্তি

উত্তর: খ) যখন ব্যক্তিগত সেবার চুক্তি। Section 14 SRA।

প্রশ্ন ২২ (২০১৯ সালে আসা): Specific Performance দেওয়া আদালতের কোন ধরনের ক্ষমতা? ক) Mandatory Power খ) Absolute Power গ) Discretionary Power ঘ) Inherent Power

উত্তর: গ) Discretionary Power। Section 20 SRA।

প্রশ্ন ২৩: SRA Section 9-এ জমি থেকে উৎখাত হলে মামলার সময়সীমা কত? ক) ৩ মাস খ) ৬ মাস গ) ১ বছর ঘ) ৩ বছর

উত্তর: খ) ৬ মাস।



প্রশ্ন ২৪ (২০২১ সালে আসা): Declaratory Decree-র শর্ত কয়টি? ক) দুটি খ) তিনটি গ) চারটি ঘ) পাঁচটি

উত্তর: খ) তিনটি। আইনি মর্যাদা, বিরোধ, এবং বিদ্যমান অধিকার।

প্রশ্ন ২৫: Section 38 SRA কী? ক) Temporary Injunction খ) Mandatory Injunction গ) Perpetual Injunction ঘ) Ex parte Injunction

উত্তর: গ) Perpetual Injunction। "38 = স্থায়ী মানে আর করতে পারবে না।"

প্রশ্ন ২৬: Section 39 SRA কী? ক) Temporary Injunction খ) Mandatory Injunction গ) Perpetual Injunction ঘ) Preventive Injunction

উত্তর: খ) Mandatory Injunction। "39 = করতে বাধ্য করা।"

প্রশ্ন ২৭ (২০২৩ সালে আসা): Section 41 SRA অনুযায়ী Injunction কোন ক্ষেত্রে দেওয়া যায় না? ক) স্বাবর সম্পত্তিতে খ) ফৌজদারি আদালতকে বাধা দিতে গ) চুক্তি ভগ্নে ঘ) সম্পত্তির ক্ষতিতে

উত্তর: খ) ফৌজদারি আদালতকে বাধা দিতে।

প্রশ্ন ২৮: Specific Relief Act কত সালে পাস হয়েছে? ক) ১৮৭০ খ) ১৮৭৫ গ) ১৮৭৭ ঘ) ১৮৮০

উত্তর: গ) ১৮৭৭।

প্রশ্ন ২৯: Section 10 SRA অনুযায়ী কখন Specific Performance দেওয়া হয়? ক) সব চুক্তি ভগ্নে খ) যখন আর্থিক ক্ষতিপূরণ যথেষ্ট নয় গ) শুধু জমির চুক্তিতে ঘ) শুধু টাকার চুক্তিতে

উত্তর: খ) যখন আর্থিক ক্ষতিপূরণ যথেষ্ট নয়।

প্রশ্ন ৩০: Section 21 SRA কী? ক) Specific Performance খ) Declaratory Decree গ) Compensation ঘ) Injunction

উত্তর: গ) Compensation। "21 = একুশ = বোনাস ক্ষতিপূরণ।"

## CrPC অংশ - ২০ প্রশ্ন

প্রশ্ন ৩১ (২০১৫ সালে আসা): CrPC কত সালে পাস হয়েছে? ক) ১৮৯০ খ) ১৮৯৫ গ) ১৮৯৮ ঘ) ১৯০০

উত্তর: গ) ১৮৯৮। "নিরানব্বইতে CrPC পাস।"



প্রশ্ন ৩২ (২০১৭ সালে আসা): CrPC Section 4 অনুযায়ী অপরাধ কত প্রকার? ক) দুই প্রকার খ) তিন প্রকার গ) চার প্রকার ঘ) পাঁচ প্রকার

উত্তর: ক) দুই প্রকার। Bailable এবং Non-bailable। BCNC মনে রাখো।

প্রশ্ন ৩৩ (২০১৯ সালে আসা): CrPC Section 54 অনুযায়ী পুলিশ কখন Warrant ছাড়া গ্রেফতার করতে পারে? ক) যেকোনো সময় খ) শুধু Cognizable অপরাধে গ) শুধু Non-cognizable অপরাধে ঘ) শুধু রাতে

উত্তর: খ) শুধু Cognizable অপরাধে।

প্রশ্ন ৩৪: Summons এবং Warrant-এর পার্থক্য কী? ক) Summons লিখিত, Warrant মৌখিক খ) Summons কম গুরুতর অপরাধে, Warrant বেশি গুরুতর অপরাধে গ) এদের মধ্যে কোনো পার্থক্য নেই ঘ) Summons শুধু সাক্ষীর জন্য

উত্তর: খ) Summons কম গুরুতর অপরাধে, Warrant বেশি গুরুতর অপরাধে।

প্রশ্ন ৩৫ (২০২১ সালে আসা): Section 61 CrPC অনুযায়ী গ্রেফতারকৃত ব্যক্তিকে ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে কত ঘন্টার মধ্যে হাজির করতে হবে? ক) ১২ ঘন্টা খ) ২৪ ঘন্টা গ) ৪৮ ঘন্টা ঘ) ৭২ ঘন্টা

উত্তর: খ) ২৪ ঘন্টা।

প্রশ্ন ৩৬: Section 144 CrPC কোন বিষয়? ক) Inquest খ) Confession গ) Power to Issue Order in Urgent Cases ঘ) Police Report

উত্তর: গ) Power to Issue Order in Urgent Cases। "Section 144 = জরুরি আদেশ।"

প্রশ্ন ৩৭ (২০১৮ সালে আসা): Section 154 CrPC কী? ক) Second Information Report খ) First Information Report গ) Final Report ঘ) Charge Sheet

উত্তর: খ) First Information Report (FIR)।

প্রশ্ন ৩৮: Section 164 CrPC অনুযায়ী কে Confession লিপিবদ্ধ করতে পারেন? ক) পুলিশ অফিসার খ) যেকোনো ম্যাজিস্ট্রেট গ) শুধু Chief Judicial Magistrate ঘ) জজ আদালত

উত্তর: খ) যেকোনো ম্যাজিস্ট্রেট।

প্রশ্ন ৩৯ (২০২৩ সালে আসা): Section 167 CrPC অনুযায়ী Police Custody-তে সর্বোচ্চ Remand কত দিন? ক) ৭ দিন খ) ১৫ দিন গ) ৩০ দিন ঘ) ৬০ দিন

উত্তর: খ) ১৫ দিন।



প্রশ্ন ৪০: Section 173 CrPC-র বিষয় কী? ক) FIR খ) Police Report (Charge Sheet বা Final Report) গ) Confession ঘ) Inquest

উত্তর: খ) Police Report।

প্রশ্ন ৪১: Section 174 CrPC কোন বিষয়? ক) FIR খ) Confession গ) Inquest (অস্বাভাবিক মৃত্যু তদন্ত) ঘ) Police Report

উত্তর: গ) Inquest।

প্রশ্ন ৪২ (২০১৯ সালে আসা): Section 190 CrPC অনুযায়ী ম্যাজিস্ট্রেট কত উপায়ে মামলা আমলে নিতে পারেন? ক) দুই উপায়ে খ) তিন উপায়ে গ) চার উপায়ে ঘ) পাঁচ উপায়ে

উত্তর: খ) তিন উপায়ে। PCC ফর্মুলা।

প্রশ্ন ৪৩: Section 342 CrPC বলে অভিযুক্ত কি প্রশ্নের উত্তর দিতে বাধ্য? ক) হ্যাঁ, সবসময় খ) না, বাধ্য নয় গ) শুধু ম্যাজিস্ট্রেট চাইলে ঘ) শুধু মৃত্যুদণ্ডের মামলায়

উত্তর: খ) না, বাধ্য নয়।

প্রশ্ন ৪৪ (২০২১ সালে আসা): Section 374 CrPC কোন বিষয়? ক) Appeal against Acquittal খ) Appeal from Conviction গ) Revision ঘ) Transfer of Cases

উত্তর: খ) Appeal from Conviction।

প্রশ্ন ৪৫: Section 401 CrPC-র বিষয় কী? ক) Appeal খ) Revision (High Court-এর Revisional Jurisdiction) গ) Transfer ঘ) Sentence Reduction

উত্তর: খ) Revision।

প্রশ্ন ৪৬ (২০১৫ সালে আসা): Chief Metropolitan Magistrate-এর সর্বোচ্চ সাজা দেওয়ার ক্ষমতা কত? ক) ৩ বছর খ) ৫ বছর গ) ৭ বছর ঘ) ১০ বছর

উত্তর: গ) ৭ বছর।

প্রশ্ন ৪৭ (২০১৮ সালে আসা): First Class Magistrate-এর সাজার ক্ষমতা কত? ক) ১ বছর খ) ৩ বছর গ) ৫ বছর ঘ) ৭ বছর

উত্তর: গ) ৫ বছর। মনে রাখো: First = ৫।



প্রশ্ন ৪৮: Section 496 CrPC কোন বিষয়? ক) Bail in Non-bailable cases খ) Bail in Bailable cases গ) Anticipatory Bail ঘ) Bail by High Court

উত্তর: খ) Bail in Bailable cases। "496 = Bailable = অধিকার।"

প্রশ্ন ৪৯ (২০২৩ সালে আসা): Section 497 CrPC অনুযায়ী Non-bailable মামলায় কাদের জামিন দেওয়া সহজতর? ক) বয়স্কদের খ) নারী, অসুস্থ এবং ১৬ বছরের কম বয়সীদের গ) শুধু নারীদের ঘ) শুধু শিশুদের

উত্তর: খ) নারী, অসুস্থ এবং ১৬ বছরের কম বয়সীদের। WIC ফর্মুলা।

প্রশ্ন ৫০ (২০১৭ সালে আসা): CrPC Section 107 কী বিষয়? ক) FIR খ) Peace Bond (শান্তি বন্ড) গ) Confiscation ঘ) Injunction

উত্তর: খ) Peace Bond। "107 = শান্তির আইন।"

### Penal Code অংশ - ২০ প্রশ্ন

প্রশ্ন ৫১ (২০১৫ সালে আসা): Penal Code কত সালে পাস হয়েছে? ক) ১৮৫৫ খ) ১৮৬০ গ) ১৮৬৫ ঘ) ১৮৭০

উত্তর: খ) ১৮৬০। "Penal ষাট সাল লেখা হলো।"

প্রশ্ন ৫২ (২০১৯ সালে আসা): Penal Code Section 34-এ কয়জন থাকলে যথেষ্ট? ক) একজন খ) দুইজন বা তার বেশি গ) পাঁচজন বা তার বেশি ঘ) দশজন বা তার বেশি

উত্তর: খ) দুইজন বা তার বেশি।

প্রশ্ন ৫৩ (২০২১ সালে আসা): Section 82 অনুযায়ী কত বছরের কম বয়স হলে শিশু অপরাধী নয়? ক) ৭ বছর খ) ৯ বছর গ) ১২ বছর ঘ) ১৮ বছর

উত্তর: খ) ৯ বছর। "Section 82 = নয় বছরের নিচে নির্দোষ।"

প্রশ্ন ৫৪: Section 83 অনুযায়ী কত বছরের মধ্যে শিশু শর্তসাপেক্ষে দায়ী? ক) ৭ থেকে ১২ বছর খ) ৯ থেকে ১২ বছর গ) ১২ থেকে ১৮ বছর ঘ) ৭ থেকে ১৮ বছর

উত্তর: খ) ৯ থেকে ১২ বছর।

প্রশ্ন ৫৫ (২০১৮ সালে আসা): Section 84 কী বিষয়? ক) Child below 9 খ) Insanity Defence (পাগল) গ) Private Defence ঘ) Intoxication

উত্তর: খ) Insanity Defence।



প্রশ্ন ৫৬ (২০১৭ সালে আসা): Section 96 থেকে Section 106 কোন বিষয়? ক) Sedition খ) Conspiracy গ) Right of Private Defence ঘ) Murder

উত্তর: গ) Right of Private Defence।

প্রশ্ন ৫৭ (২০২৩ সালে আসা): Section 100 অনুযায়ী কোন পরিস্থিতিতে আত্মরক্ষায় হত্যা করা যায়? ক) শুধু হত্যার আশঙ্কায় খ) MRRKA ফর্মুলার পরিস্থিতিতে গ) যেকোনো আক্রমণে ঘ) শুধু ডাকাতির আশঙ্কায়

উত্তর: খ) MRRKA ফর্মুলার পরিস্থিতিতে।

প্রশ্ন ৫৮: Section 120A Penal Code কী? ক) Murder খ) Criminal Conspiracy-র সংজ্ঞা গ) Abetment ঘ) Robbery

উত্তর: খ) Criminal Conspiracy-র সংজ্ঞা।

প্রশ্ন ৫৯ (২০১৯ সালে আসা): Section 149 Penal Code-এ Unlawful Assembly-তে কতজন লাগে? ক) ৩ বা তার বেশি খ) ৪ বা তার বেশি গ) ৫ বা তার বেশি ঘ) ১০ বা তার বেশি

উত্তর: গ) ৫ বা তার বেশি।

প্রশ্ন ৬০ (২০২১ সালে আসা): Section 302 Penal Code-এর শাস্তি কী? ক) ৭ বছর কারাদণ্ড খ) ১০ বছর কারাদণ্ড গ) মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন ঘ) শুধু যাবজ্জীবন

উত্তর: গ) মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন।

প্রশ্ন ৬১: Section 300-এর ব্যতিক্রম কতটি? ক) তিনটি খ) চারটি গ) পাঁচটি ঘ) ছয়টি

উত্তর: গ) পাঁচটি। GPPSC ফর্মুলা।

প্রশ্ন ৬২ (২০১৮ সালে আসা): Grievous Hurt কত প্রকার? ক) ৫ প্রকার খ) ৬ প্রকার গ) ৭ প্রকার ঘ) ৮ প্রকার

উত্তর: ঘ) ৮ প্রকার। Section 320 Penal Code।

প্রশ্ন ৬৩ (২০১৭ সালে আসা): Section 375 Penal Code-এর বিষয় কী? ক) Assault খ) Kidnapping গ) Rape-এর সংজ্ঞা ঘ) Abduction

উত্তর: গ) Rape-এর সংজ্ঞা।

প্রশ্ন ৬৪: Section 378 Penal Code-এ Theft-এর শর্তগুলো কোন ফর্মুলায় মনে রাখা যায়? ক) PBI ফর্মুলা খ) DOMCM ফর্মুলা গ) WIC ফর্মুলা ঘ) RBA ফর্মুলা





উত্তর: খ) DOMCM ফর্মুলা।

প্রশ্ন ৬৫: Dacoity (Section 391)-এ কতজন লাগে? ক) ৩ বা তার বেশি খ) ৪ বা তার বেশি গ) ৫ বা তার বেশি ঘ) ৭ বা তার বেশি

উত্তর: গ) ৫ বা তার বেশি।

প্রশ্ন ৬৬ (২০২৩ সালে আসা): Section 405 Penal Code-এর বিষয় কী? ক) Theft খ) Criminal Breach of Trust গ) Cheating ঘ) Extortion

উত্তর: খ) Criminal Breach of Trust।

প্রশ্ন ৬৭: Section 420 Penal Code-এর শাস্তি কত? ক) ৩ বছর খ) ৫ বছর গ) ৭ বছর ঘ) ১০ বছর

উত্তর: গ) ৭ বছর। "420 = সাত বছর।"

প্রশ্ন ৬৮ (২০১৯ সালে আসা): Section 107 Penal Code-এর বিষয় কী? ক) Common Intention খ) Abetment-এর সংজ্ঞা গ) Conspiracy ঘ) Murder

উত্তর: খ) Abetment-এর সংজ্ঞা। ICC ফর্মুলা।

প্রশ্ন ৬৯: Section 489A Penal Code-এর বিষয় কী? ক) Theft খ) Counterfeiting Currency (জাল মুদ্রা তৈরি) গ) Fraud ঘ) Forgery

উত্তর: খ) Counterfeiting Currency।

প্রশ্ন ৭০: Section 124A Penal Code-এর বিষয় কী? ক) Treason খ) Sedition (রাষ্ট্রদ্রোহ) গ) Espionage ঘ) Sabotage

উত্তর: খ) Sedition। "124A = সরকারের বিরুদ্ধে সহিংস ডাক।"

### Evidence Act অংশ - ১৫ প্রশ্ন

প্রশ্ন ৭১ (২০১৫ সালে আসা): Evidence Act কত সালে পাস হয়েছে? ক) ১৮৭০ খ) ১৮৭২ গ) ১৮৭৫ ঘ) ১৮৮০

উত্তর: খ) ১৮৭২। "Evidence বাহাত্তর এলো।"

প্রশ্ন ৭২ (২০১৭ সালে আসা): Section 3 Evidence Act-এ "Proved" শব্দটির অর্থ কী? ক) শুধু মৌখিক স্বীকারোক্তি খ) আদালতের নিকট বিশ্বাসযোগ্য হওয়া গ) শুধু লিখিত সাক্ষ্য ঘ) শুধু সরকারি সাক্ষ্য



উত্তর: খ) আদালতের নিকট বিশ্বাসযোগ্য হওয়া।

প্রশ্ন ৭৩ (২০১৯ সালে আসা): Section 24 Evidence Act-এর বিষয় কী? ক) Expert Evidence খ) Confession-এর গ্রহণযোগ্যতা (ITP পরীক্ষা) গ) Dying Declaration ঘ) Secondary Evidence

উত্তর: খ) Confession-এর গ্রহণযোগ্যতার শর্ত (ITP ফর্মুলা)।

প্রশ্ন ৭৪ (২০১৮ সালে আসা): Section 25 Evidence Act কী? ক) Police Confession গ্রহণযোগ্য খ) Police Confession অগ্রহণযোগ্য গ) Magistrate Confession অগ্রহণযোগ্য ঘ) Dying Declaration অগ্রহণযোগ্য

উত্তর: খ) Police Confession অগ্রহণযোগ্য।

প্রশ্ন ৭৫ (২০২১ সালে আসা): Section 27 Evidence Act হলো Section 25-এর কী? ক) বিকল্প খ) ব্যতিক্রম গ) বাতিলকারী ঘ) সম্পূরক

উত্তর: খ) ব্যতিক্রম।

প্রশ্ন ৭৬: Section 32(1) Evidence Act কোন বিষয়? ক) Expert Evidence খ) Dying Declaration গ) Secondary Evidence ঘ) Confession

উত্তর: খ) Dying Declaration।

প্রশ্ন ৭৭ (২০২৩ সালে আসা): Section 45 Evidence Act কী? ক) Secondary Evidence খ) Expert Evidence গ) Confession ঘ) Hearsay Evidence

উত্তর: খ) Expert Evidence।

প্রশ্ন ৭৮: Section 62 Evidence Act-এ Primary Evidence মানে কী? ক) সাক্ষীর মৌখিক সাক্ষ্য খ) দলিলের মূল কপি আদালতে উপস্থাপন গ) পুলিশের রিপোর্ট ঘ) বিশেষজ্ঞের মতামত

উত্তর: খ) দলিলের মূল কপি আদালতে উপস্থাপন।

প্রশ্ন ৭৯ (২০১৭ সালে আসা): Section 90 Evidence Act অনুযায়ী কত বছরের পুরনো দলিল "Presumed Genuine"? ক) ২০ বছর খ) ২৫ বছর গ) ৩০ বছর ঘ) ৪০ বছর

উত্তর: গ) ৩০ বছর।

প্রশ্ন ৮০ (২০১৯ সালে আসা): Section 101 Evidence Act কোন বিষয়? ক) Estoppel খ) Burden of Proof গ) Presumption ঘ) Expert Evidence



উত্তর: খ) Burden of Proof।

প্রশ্ন ৮১: Section 105 Evidence Act কোন বিষয়? ক) General Burden of Proof খ) Burden of Proving Exception (অভিযুক্তের নিজের ব্যতিক্রম প্রমাণ) গ) Burden on Prosecution ঘ) Presumption of Innocence

উত্তর: খ) Burden of Proving Exception।

প্রশ্ন ৮২ (২০১৮ সালে আসা): Section 108 Evidence Act-এ কত বছর নিখোঁজ থাকলে মৃত ধরা হয়? ক) ৫ বছর খ) ৭ বছর গ) ১০ বছর ঘ) ১২ বছর

উত্তর: খ) ৭ বছর।

প্রশ্ন ৮৩ (২০২১ সালে আসা): Section 112 Evidence Act-এ বৈবাহিক বৈধতার ক্ষেত্রে সময়সীমা কত? ক) ২৪০ দিন খ) ২৮০ দিন গ) ৩০০ দিন ঘ) ৩৬০ দিন

উত্তর: খ) ২৮০ দিন।

প্রশ্ন ৮৪ (২০২৩ সালে আসা): Section 115 Evidence Act-এর বিষয় কী? ক) Privilege খ) Estoppel গ) Expert Evidence ঘ) Confession

উত্তর: খ) Estoppel।

প্রশ্ন ৮৫: Section 126 Evidence Act কোন বিষয়? ক) Marital Privilege খ) Professional Communication Privilege (আইনজীবীর গোপনীয়তা) গ) State Privilege ঘ) Religious Privilege

উত্তর: খ) Professional Communication Privilege।

### Professional Ethics অংশ - ৫ প্রশ্ন

প্রশ্ন ৮৬ (২০১৯ সালে আসা): Bangladesh Bar Council Order কত সালে জারি হয়েছে? ক) ১৯৭০ খ) ১৯৭১ গ) ১৯৭২ ঘ) ১৯৭৫

উত্তর: গ) ১৯৭২।

প্রশ্ন ৮৭ (২০২১ সালে আসা): আইনজীবী কি বিস্তারিত দিতে পারেন? ক) হ্যাঁ, সবসময় খ) না, এটা Misconduct গ) শুধু পত্রিকায় ঘ) শুধু ডিজিটাল মিডিয়ায়

উত্তর: খ) না, এটা Misconduct।



প্রশ্ন ৮৮ (২০২৩ সালে আসা): Bar Council-এর শাস্তির মধ্যে সবচেয়ে কঠোর কোনটি? ক) Warning খ) Censure গ) Suspension ঘ) Disbarment

উত্তর: ঘ) Disbarment। WCSD ফর্মুলায় সবচেয়ে শেষে।

প্রশ্ন ৮৯: Misconduct-এর মধ্যে কোনটি Touting? ক) মক্কেলের সাথে আলোচনা খ) মক্কেল সংগ্রহে মধ্যস্থতাকারী ব্যবহার গ) আদালতে সক্রিয়ভাবে কথা বলা ঘ) প্রতিপক্ষের সাথে কথা বলা

উত্তর: খ) মক্কেল সংগ্রহে মধ্যস্থতাকারী ব্যবহার।

প্রশ্ন ৯০ (২০১৮ সালে আসা): আইনজীবীর দায়িত্ব সংক্রান্ত COPP ফর্মুলায় "O" কী? ক) Organization খ) Opponent (প্রতিপক্ষের প্রতি দায়িত্ব) গ) Order ঘ) Official

উত্তর: খ) Opponent।

### বিবিধ - ১০ প্রশ্ন (Limitation Act এবং অন্যান্য)

প্রশ্ন ৯১ (২০১৯ সালে আসা): Limitation Act Section 3 অনুযায়ী সময়সীমা পার হলে আদালত কী করবে? ক) পক্ষের আবেদনে মামলা বাতিল করবে খ) নিজে থেকেই মামলা বাতিল করবে গ) শুনানি করে সিদ্ধান্ত নেবে ঘ) বিবাদী উপস্থিত থাকলেই বাতিল করবে

উত্তর: খ) নিজে থেকেই মামলা বাতিল করবে।

প্রশ্ন ৯২ (২০২১ সালে আসা): Section 5 Limitation Act কোথায় প্রযোজ্য? ক) Original Suit-এ খ) আপিল এবং আবেদনে গ) সব মামলায় ঘ) শুধু দেওয়ানি মামলায়

উত্তর: খ) আপিল এবং আবেদনে।

প্রশ্ন ৯৩: Section 14 Limitation Act-এর বিষয় কী? ক) Legal Disability খ) Extension of Time গ) Exclusion of time spent in wrong court ঘ) Acknowledgment

উত্তর: গ) Exclusion of time spent in wrong court।

প্রশ্ন ৯৪ (২০২৩ সালে আসা): চুক্তি ভঙ্গের মামলার সময়সীমা কত? ক) ১ বছর খ) ৩ বছর গ) ৬ বছর ঘ) ১২ বছর

উত্তর: খ) ৩ বছর।

প্রশ্ন ৯৫: ডিক্রি জারির সময়সীমা কত? ক) ৩ বছর খ) ৬ বছর গ) ৯ বছর ঘ) ১২ বছর



উত্তর: ঘ) ১২ বছর।

প্রশ্ন ৯৬ (২০১৭ সালে আসা): Section 18 Limitation Act কী? ক) Part-payment খ) Legal Disability গ) Written Acknowledgment ঘ) Wrong court exclusion

উত্তর: গ) Written Acknowledgment। "18 = লিখে দিলে নতুন শুরু।"

প্রশ্ন ৯৭: MFLO 1961 অনুযায়ী তালাকের নোটিশ কত দিনের মধ্যে দিতে হয়? ক) ১৫ দিন খ) ৩০ দিন গ) ৪৫ দিন ঘ) ৬০ দিন

উত্তর: খ) ৩০ দিন।

প্রশ্ন ৯৮: Negotiable Instruments Act Section 138-এ চেক বাউন্স হলে নোটিশের পর কত দিনে মামলা করতে হবে? ক) ৭ দিন খ) ১৫ দিন গ) ৩০ দিন ঘ) ৬০ দিন

উত্তর: গ) ৩০ দিন (নোটিশের ১৫ দিন পর থেকে ১ মাস)।

প্রশ্ন ৯৯ (২০২১ সালে আসা): Section 4 Limitation Act কী? ক) Expiry on public holiday - পরের কার্যদিবসে করা যাবে খ) Time Bar গ) Extension ঘ) Disability

উত্তর: ক) Expiry on public holiday।

প্রশ্ন ১০০: Section 19 Limitation Act কী? ক) Written Acknowledgment খ) Part-payment গ) Disability ঘ) Wrong court

উত্তর: খ) Part-payment। "19 = টাকায় নতুন শুরু।"

## অধ্যায় ১০: Written পরীক্ষার জন্য উন্নত প্রস্তুতি

### নমুনা প্রশ্ন ও উত্তর - Advanced Level

নমুনা প্রশ্ন ১: "Confession-এর বিভিন্ন ধরন এবং প্রতিটির গ্রহণযোগ্যতা বিশদভাবে আলোচনা করো।"  
(Written Exam Pattern - ২০২১)

নমুনা উত্তর:

ভূমিকা: সাক্ষ্য আইনে Confession বা স্বীকারোক্তি হলো একটি অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ বিষয়। Evidence Act 1872 এবং CrPC 1898-এ Confession সম্পর্কে বিস্তারিত বিধান রয়েছে।



Confession-এর সংজ্ঞা: Confession হলো এমন একটি স্বীকারোক্তি যেখানে অভিযুক্ত ব্যক্তি নিজে থেকে বলে যে সে অপরাধ করেছে। এটা হতে পারে সরাসরি স্বীকারোক্তি যেমন "আমি হত্যা করেছি" অথবা পরোক্ষ স্বীকারোক্তি।

Confession-এর প্রকারভেদ এবং গ্রহণযোগ্যতা:

প্রথম প্রকার হলো Judicial Confession অর্থাৎ ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে দেওয়া স্বীকারোক্তি। CrPC Section 164 অনুযায়ী এটা বৈধ। এটা সাক্ষ্য হিসেবে সম্পূর্ণ গ্রহণযোগ্য। শর্ত হলো IWRV ফর্মুলা অনুযায়ী ম্যাজিস্ট্রেটকে সতর্কতামূলক পদক্ষেপ নিতে হবে।

দ্বিতীয় প্রকার হলো Extra-judicial Confession অর্থাৎ ব্যক্তিগতভাবে অন্য কারো কাছে দেওয়া স্বীকারোক্তি। এটা গ্রহণযোগ্য কিন্তু দুর্বল সাক্ষ্য। এর বিশ্বাসযোগ্যতা যাচাই করতে হয়।

তৃতীয় প্রকার হলো Police Confession অর্থাৎ পুলিশের কাছে দেওয়া স্বীকারোক্তি। Evidence Act Section 25 অনুযায়ী এটা সম্পূর্ণ অগ্রহণযোগ্য। কোনো ব্যতিক্রম নেই।

চতুর্থ প্রকার হলো Confession in Police Custody (পুলিশ হেফাজতে থাকাকালীন স্বীকারোক্তি)। Evidence Act Section 26 অনুযায়ী পুলিশ হেফাজতে থাকাকালীন ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে না দিলে গ্রহণযোগ্য নয়।

পঞ্চম প্রকার হলো Discovery Confession। Section 27 অনুযায়ী পুলিশ হেফাজতে দেওয়া তথ্যের যে অংশ নতুন বস্তু আবিষ্কারে সহায়তা করে সেটা গ্রহণযোগ্য।

Section 24-এর প্রভাব: যদি কোনো স্বীকারোক্তি Inducement, Threat বা Promise-এর মাধ্যমে নেওয়া হয় তাহলে সেটা অগ্রহণযোগ্য। ITP ফর্মুলা মনে রাখো।

উপসংহার: Confession-এর গ্রহণযোগ্যতা নির্ভর করে কোথায়, কার সামনে এবং কীভাবে দেওয়া হয়েছে তার উপর। সবচেয়ে নির্ভরযোগ্য হলো Judicial Confession।

নমুনা প্রশ্ন ২: "Limitation Act এবং Res Judicata-র মধ্যে সম্পর্ক আলোচনা করো।" (Predicted for 2026)

নমুনা উত্তর:

ভূমিকা: Limitation Act এবং Res Judicata উভয়ই মামলার সংখ্যা কমানোর উদ্দেশ্যে কাজ করে কিন্তু ভিন্ন উপায়ে।

Limitation Act কী করে: Limitation Act বলে কোনো মামলা নির্দিষ্ট সময়সীমার মধ্যে করতে হবে। সময় পার হলে মামলা করার অধিকার নষ্ট হয়ে যায়। এটা সময়ের ভিত্তিতে বাধা।



Res Judicata (CPC Section 11) কী করে: Res Judicata বলে একবার একটি বিষয়ে রায় হলে সেই একই বিষয়ে আবার মামলা হবে না। এটা বিষয়বস্তুর ভিত্তিতে বাধা।

পার্থক্য: Limitation Act হলো মামলা করার সময়সীমা। Res Judicata হলো মামলার বিষয়বস্তুর পুনরাবৃত্তির বাধা। Limitation-এর বাধা সাময়িক হতে পারে (যদি ব্যতিক্রম প্রযোজ্য হয়) কিন্তু Res Judicata-র বাধা স্থায়ী।

মিল: উভয়ই আদালতকে রক্ষা করে মামলার বোঝা থেকে। উভয়ই বিবাদীকে অন্তহীন মামলা থেকে রক্ষা করে।

উদাহরণ: করিম ২০১০ সালে রহিমের বিরুদ্ধে মামলা করল এবং হারল। ২০২৫ সালে আবার একই বিষয়ে মামলা করতে গেলে দুটো বাধা আসবে। প্রথমত Res Judicata বলবে একই বিষয়ে রায় হয়ে গেছে। দ্বিতীয়ত Limitation Act বলবে সময়সীমাও পার হয়ে গেছে।

নমুনা প্রশ্ন ৩: "Right of Private Defence-এর সীমাবদ্ধতা কী এবং কোন পরিস্থিতিতে এই অধিকার হত্যা পর্যন্ত যায়?" (২০১৯ এবং ২০২৩ সালে আসা)

নমুনা উত্তর:

ভূমিকা: The Penal Code, 1860-এর Section 96 থেকে Section 106 পর্যন্ত Right of Private Defence বা আত্মরক্ষার অধিকারের বিস্তারিত বিধান আছে।

মূল নীতি: Section 96 বলে আত্মরক্ষায় করা কাজ অপরাধ নয়।

Section 97 অনুযায়ী আত্মরক্ষার অধিকার দুই ভাগে বিভক্ত। শরীরের রক্ষা এবং সম্পত্তির রক্ষা।

সীমাবদ্ধতা (Section 99): আত্মরক্ষার অধিকারের তিনটি গুরুত্বপূর্ণ সীমাবদ্ধতা আছে। প্রথম সীমাবদ্ধতা হলো আইন বা সরকারি কর্মচারীর বৈধ কাজের বিরুদ্ধে এই অধিকার নেই। দ্বিতীয় সীমাবদ্ধতা হলো যে ক্ষতি থেকে রক্ষা পেতে চাইছ তার বেশি ক্ষতি করা যাবে না। তৃতীয় সীমাবদ্ধতা হলো আইনি সাহায্য পাওয়ার সুযোগ থাকলে সেটা ব্যবহার করতে হবে।

কখন হত্যা করা যায় (Section 100): MURDER ফর্মুলা মনে রাখো। M = Murder অর্থাৎ মৃত্যুর আশঙ্কা। R = Rape অর্থাৎ ধর্ষণের আশঙ্কা। R = Robbery অর্থাৎ ডাকাতির আশঙ্কা। A = Abduction অর্থাৎ অপহরণের আশঙ্কা। K = Kidnapping। A = Acid attack।

Section 104 - সম্পত্তি রক্ষায় হত্যার সীমা: সম্পত্তি রক্ষায় হত্যা করা যাবে শুধুমাত্র চারটি ক্ষেত্রে: Dacoity, Robbery, Night-time House-breaking, এবং Mischief by fire।

উপসংহার: Right of Private Defence একটি সীমিত অধিকার। অতিরিক্ত বল প্রয়োগ করলে সেটাই অপরাধ হয়ে যায়।





## অধ্যায় ১১: ২০২৫-২০২৬ পরীক্ষার জন্য বিশেষ পূর্বাভাস

### সম্ভাব্য প্রশ্নের তালিকা

২০২৫ সালের MCQ পরীক্ষায় যে ধরনের প্রশ্ন এসেছে সেগুলো বিশ্লেষণ করে ২০২৬ সালের পরীক্ষার জন্য নিচের বিষয়গুলো সম্পর্কে সতর্ক থাকো।

CPC থেকে সম্ভাব্য প্রশ্নের বিষয়গুলো হলো Order 21 (Execution), Section 89 (ADR), Order 22 (Death of Party), Section 24 (Transfer) এবং Section 47 (Questions in Execution)।

CrPC থেকে সম্ভাব্য বিষয়গুলো হলো Section 164 (Confession), Section 167 (Remand), Section 190 (Cognizance), Section 374 (Appeal) এবং Section 401 (Revision)।

Penal Code থেকে সম্ভাব্য বিষয়গুলো হলো Section 34 বনাম Section 149 পার্থক্য, Section 300-এর ব্যতিক্রম (GPPSC), Section 375 (Rape), Section 405 (Criminal Breach of Trust) এবং Section 420 (Cheating)।

Evidence Act থেকে সম্ভাব্য বিষয়গুলো হলো Section 25 বনাম Section 27 পার্থক্য, Section 45 (Expert), Section 101 (Burden of Proof) এবং Section 115 (Estoppel)।

SRA থেকে সম্ভাব্য বিষয়গুলো হলো Section 10 বনাম Section 14 পার্থক্য, Section 34 (Declaratory) এবং Section 38 বনাম Section 39 পার্থক্য।

Limitation Act থেকে সম্ভাব্য বিষয়গুলো হলো Section 3 (Time Bar), Section 5 (Sufficient Cause), Section 14 (Wrong Court), Section 18 (Acknowledgment) এবং নির্দিষ্ট সময়সীমার পরিসংখ্যান।

Professional Ethics থেকে সম্ভাব্য বিষয়গুলো হলো Misconduct-এর সংজ্ঞা, COPP Duties, WCSD Punishment এবং Social Media-র আইনি ব্যবহার।

### ২০২৬ সালের জন্য নতুন বিষয়

সাম্প্রতিক ঘটনার আলোকে ২০২৬ সালের পরীক্ষায় নতুন কিছু বিষয় আসতে পারে।

প্রথমত Digital Evidence। Cyber Security Act 2023 কার্যকর হওয়ার পরে Evidence Act-এ Digital Evidence সম্পর্কিত প্রশ্ন আসার সম্ভাবনা বেশি। Section 65B (Digital Records)-এর মতো বিষয় প্রাসঙ্গিক।

দ্বিতীয়ত ADR বা Alternative Dispute Resolution। বাংলাদেশে ২০২৫ সালে ADR-এর ব্যবহার বাড়ছে। CPC Section 89 এবং Arbitration Act, 2001 থেকে প্রশ্ন আসতে পারে।





তৃতীয়ত Human Rights আইন। ২০২৪ সালের রাজনৈতিক পরিবর্তনের পর Human Rights সম্পর্কিত আইনি বিষয়গুলো আলোচনায় এসেছে।

## অধ্যায় ১২: আন্তর্জাতিক সম্পর্ক এবং বাংলাদেশের আইন - বিশেষ পর্ব

### ২০২৫ সালের বড় ঘটনা এবং আইনি পাঠ

এই বিভাগে ২০২৫ সালের আন্তর্জাতিক এবং জাতীয় ঘটনাগুলোকে বার কাউন্সিল পরীক্ষার আইনের সাথে যুক্ত করা হয়েছে। এটা শুধু মজার জন্য নয়, এতে আইনের ধারণা মাথায় গেঁথে যায়।

ঘটনা ১: ২০২৫ সালের মার্কিন যুক্তরাষ্ট্রে "Birthright Citizenship" বিতর্ক।

ট্রাম্প প্রশাসন ২০২৫ সালে Birthright Citizenship নিয়ে নির্বাহী আদেশ দিয়েছিল। আদালত সেটা স্থগিত করেছে।

আইনি পাঠ: এটা CPC-র Temporary Injunction-এর একটা আন্তর্জাতিক উদাহরণ। PBI ফর্মুলা মনে করো। Prima Facie Case ছিল সংবিধান লঙ্ঘন। Balance of Convenience ছিল জন্মগ্রহণকারী শিশুদের ক্ষতির আশঙ্কা। Irreparable Injury ছিল নাগরিকত্বের ক্ষতি অপূরণীয়।

মনে রাখার জোক: ট্রাম্পের নির্বাহী আদেশ বাংলাদেশের আদালতে CPC Order 39-এর মতো আটকে গেছে। "PBI = Trump-কে থামানোর অস্ত্র।"

ঘটনা ২: ২০২৫ সালে ICC (International Criminal Court) এবং ইসরায়েল বিতর্ক।

ICC নেতানিয়াহুর বিরুদ্ধে Arrest Warrant জারি করেছে। কিছু দেশ Warrant কার্যকর করতে অস্বীকার করেছে।

আইনি পাঠ: এটা Execution of Decree-র একটা আন্তর্জাতিক উদাহরণ। CPC Order 21 বলে ডিক্রি পেলেই কাজ শেষ হয় না, সেটা কার্যকর করতে হয়। ICC Warrant-ও কার্যকর করা না হলে অর্থহীন। বাংলাদেশে ডিক্রি পেয়ে বিবাদীর সম্পত্তি না পেলে Order 21-এর সব নিয়ম মেনে জারি করতে হয়।

মনে রাখার জোক: "ICC = International Creditor's Court" যেখানে ডিক্রি আছে কিন্তু Execution-এর সমস্যা আছে। বাংলাদেশেও একই সমস্যা।

ঘটনা ৩: ২০২৪-২০২৫ সালে বাংলাদেশে রাজনৈতিক পরিবর্তন এবং আইনি সংস্কার।

২০২৪ সালের আন্দোলনের পর বাংলাদেশে অন্তর্বর্তী সরকার এসেছে। বিচার বিভাগ এবং আইন সংস্কারের আলোচনা চলছে।



আইনি পাঠ: Professional Ethics অনুযায়ী আইনজীবী সবসময় সংবিধান ও আইনের রক্ষক। যেকোনো রাজনৈতিক পরিবর্তনেও আইনজীবীর দায়িত্ব হলো আইনের শাসন নিশ্চিত করা। Bar Council Order 1972 অনুযায়ী আইনজীবী শুধু ব্যক্তিগত স্বার্থে নয়, সমাজের স্বার্থে কাজ করেন।

মনে রাখার জোক: "আইনজীবী = দেশের রক্ষক, না সরকারের দালাল।" যেকোনো প্রশ্নে যদি আইনজীবীর ভূমিকা জিজ্ঞেস করা হয়, মনে রেখো আইনজীবী আইনের পক্ষে।

ঘটনা ৪: ২০২৫ সালে বৈশ্বিক AI বিপ্লব এবং আইনি চ্যালেঞ্জ।

Artificial Intelligence-এর উত্থানে সারা বিশ্বে নতুন আইনি প্রশ্ন উঠছে। AI-তৈরি ছবি, ভিডিও এবং নথি Evidence হিসেবে গ্রহণযোগ্য কিনা তা নিয়ে আলোচনা।

আইনি পাঠ: Evidence Act Section 45 (Expert Evidence) এখন AI Experts-দেরও অন্তর্ভুক্ত করতে পারে। Section 65B-তে Digital Documents-এর গ্রহণযোগ্যতার শর্তগুলো AI-generated content-এ প্রযোজ্য কিনা সে প্রশ্ন উঠছে।

মনে রাখার জোক: AI বলল "আমি আইনজীবী।" Bar Council বলল "Section 30 Bar Council Order অনুযায়ী আমাদের পরীক্ষায় পাস করো আগে।" এখনো AI বার কাউন্সিল পরীক্ষা দিতে পারে না। তুমি পারো।

## অধ্যায় ১৩: সেকশন নম্বরের গভীর মনে রাখার কৌশল

### সংখ্যার ছন্দ এবং গল্প

পরীক্ষায় সেকশন নম্বর সহ উত্তর দিলে বেশি নম্বর পাওয়া যায়। নিচের ছন্দগুলো মুখস্থ করে নাও।

CPC-র গুরুত্বপূর্ণ Section-এর ছন্দ:

"নয় থেকে শুরু দেওয়ানি পথ, দশে থামো একটু। এগারো বলে Res Judicata, বিশেষ মামলার ঠিকানা। ছাব্বিশে Plaint দাখিল করো, পঁয়ত্রিশে খরচ ভাগ করো। ছেচল্লিশে Question in Execution, একাল্লিশে ডিক্রি জারির Motion।"

CrPC-র গুরুত্বপূর্ণ Section-এর ছন্দ:

"চার সংজ্ঞা ছয় শ্রেণী বিভাগ, চুয়াল্লিশে Cognizable Arrest। একষড়িতে চব্বিশ ঘন্টা, এক সাত চারে Inquest-এর পথ। এক সাত ছয়ে Remand নাও, এক নব্বইতে আমলে লও। এক চৌষড়িতে Confession লেখো, তিন চার দুইতে অভিযুক্ত দেখো।"

Evidence Act-এর গুরুত্বপূর্ণ Section-এর ছন্দ:



"তিনে সংজ্ঞা ছয়ে Res Gestae, আটে Motive বলো। চব্বিশে Confession পরীক্ষা করো, পঁচিশে Police বারণ করো। সাতাশে Discovery অনুমতি দাও, পঁয়তাল্লিশে Expert ডাকো। দুইষড়িতে Primary, তেষড়িতে Secondary। এক এক পাঁচে Estoppel, এক দুই ছয়ে Privilege।"

Penal Code-এর গুরুত্বপূর্ণ Section-এর ছন্দঃ

"চৌত্রিশে Common Intention সাজাও, একশো কুড়ি A-তে Conspiracy বাঁধাও। বিরশিতে নয় বছরের নিচে, তিরশিতে বার বছরের মাঝে। চুরাশিতে পাগল ছাড়া পাও, পঁচানব্বই থেকে ছয় আল্লরক্ষার ডাও। দুইশো বিরানব্বইতে Hurt সাজাও, তিনশো রেখো Murder মাথায়। তিনশো দুইতে মৃত্যুদণ্ড হয়, তিনশো বাইশে Grievous ঘাও।"

## সংখ্যার গল্পের পদ্ধতি

সংখ্যা মনে রাখার সবচেয়ে কার্যকর পদ্ধতি হলো গল্প বানানো।

গল্প ১: CrPC Section 167-এর গল্প।

"পুলিশ করিমকে গ্রেফতার করল। ২৪ ঘন্টার মধ্যে ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে নিয়ে গেল। ম্যাজিস্ট্রেট বললেন 'তদন্ত শেষ হয়নি, Section 167 অনুযায়ী Remand দিলাম।' পুলিশ চাইল ৩০ দিন। ম্যাজিস্ট্রেট দিলেন ১৫ দিন। মোট ৯০ দিন পর্যন্ত Judicial Custody-তে রাখা যাবে।" এই গল্পটা মনে রাখলে Section 167 ভুলবে না।

গল্প ২: Evidence Act Section 112-এর গল্প।

"নাসিম এবং নাসিমা ২০২০ সালে বিবাহ করল। ২০২১ সালে বিচ্ছেদ হলো। বিচ্ছেদের ২৮০ দিনের মধ্যে একটি শিশু জন্মাল। কে বাবা? Section 112 বলে নাসিম বাবা, এটা Conclusive Proof। ২৮০ দিন মনে রাখো।"

গল্প ৩: SRA Section 9-এর গল্প।

"তাহের ৫ বছর ধরে আলমের জমিতে বাস করছিল। আলম হঠাৎ তাহেরকে জোর করে বের করে দিল। তাহের কাঁদতে কাঁদতে আইনজীবীর কাছে গেল। আইনজীবী বললেন 'SRA Section 9 মনে রাখো। ৬ মাসের মধ্যে মামলা করো। দখল ছিল, দখল ফেরত পাবে।' তাহের মামলা করল এবং ৬ মাসের মধ্যেই জমি ফেরত পেল।"

## অধ্যায় ১৪: রাজনৈতিক জোকের মাধ্যমে আইন মনে রাখা - বিশেষ সংকলন

### সেরা ১০টি জোক যা আইন শেখায়

জোক ১: CPC Section 11 (Res Judicata) নিয়ে।



জাতিসংঘে একটা প্রস্তাব একবার পাস হলে আর ভোট হয় না (সাধারণত)। কিন্তু ভোটো দেওয়ার অধিকার আছে P5-এর। বাংলাদেশের Res Judicata-তে কোনো ভোটো নেই। একবার রায় হলেই শেষ। তাই Res Judicata জাতিসংঘের চেয়ে শক্তিশালী! "Res Judicata > UN Security Council."

জোক ২: CrPC Section 144 নিয়ে।

২০২৫ সালে ট্রাম্প প্রশাসন অনেক জায়গায় জরুরি অবস্থা ঘোষণা করেছে। বাংলাদেশে Section 144 হলো আমাদের "State of Emergency-লাইট"। জরুরি পরিস্থিতিতে ম্যাজিস্ট্রেট Section 144 জারি করেন। পার্থক্য হলো ট্রাম্পের জরুরি অবস্থা মাসের পর মাস চলে, Section 144 সর্বোচ্চ ৬০ দিন চলে।

জোক ৩: Evidence Act Section 25 নিয়ে।

CIA এবং FBI কাউকে ধরে "Enhanced Interrogation" করে স্বীকারোক্তি নেয় (যদিও এটা বিতর্কিত)। বাংলাদেশের Evidence Act Section 25 পুলিশের Confession সম্পূর্ণ অগ্রহণযোগ্য করে দিয়েছে। তাই বাংলাদেশের আইন CIA-র চেয়ে বেশি সভ্য (অন্তত কাগজে কলমে)।

জোক ৪: Specific Relief Act Section 14 (Personal Service) নিয়ে।

২০২৫ সালে FIFA Messi-কে জোর করে আর্জেন্টিনার হয়ে খেলাতে পারেনি। Section 14 SRA বলে Personal Service Contract-এ Specific Performance হয় না। তুমি কাউকে জোর করে গান গাওয়াতে পারো না। FIFA-ও কাউকে জোর করে খেলাতে পারে না।

জোক ৫: Limitation Act Section 5 নিয়ে।

২০২৫ সালে একটি দেশ বলল "আমরা ১০ বছর আগের চুক্তির বিরুদ্ধে WTO-তে যাব।" WTO বলল "Sufficient Cause কী?" দেশটি বলল "আমরা জানতামই না।" WTO বলল "১০ বছরে না জানা আর কোনো Sufficient Cause নয়।" বাংলাদেশের Section 5-ও একই কথা বলে। "Sufficient Cause = সত্যিকারের কারণ, অজ্ঞতা নয়।"

জোক ৬: Penal Code Section 34 বনাম Section 149 নিয়ে।

Section 34 = G7 Summit। ৭টি দেশ একসাথে সিদ্ধান্ত নেয়, সবাই দায়ী। Section 149 = G20 Summit। ২০টি দেশ একসাথে, ৫ জনেরও বেশি। পার্থক্য: G7-এ সবাই মনে মনে একমত (Common Intention), G20-তে এজেন্ডা (Common Object) মানলেই যথেষ্ট।

জোক ৭: CrPC Section 496 (Bailable) এবং Section 497 (Non-bailable) নিয়ে।

Section 496 = Bailable = অধিকার হিসেবে জামিন = EU-এর মতো, নিয়ম মানলে সদস্যপদ পাবে। Section 497 = Non-bailable = আদালতের বিবেচনা = UN Security Council-এর মতো, চাইলেই মিলবে না।



Section 497-এর WIC ফর্মুলা = মহিলা, অসুস্থ, শিশু। ঠিক যেমন জাতিসংঘ দুর্বল দেশগুলোকে বিশেষ সুরক্ষা দেয়।

জোক ৮: Limitation Act Section 3 নিয়ে।

ICC (International Criminal Court)-এ যুদ্ধাপরাধের অনেক মামলা Limitation-এ পড়ে না কারণ "Crimes against Humanity"-তে Limitation নেই। কিন্তু বাংলাদেশের সাধারণ আদালতে Section 3 বলে সময়সীমা পার হলে মামলা করা যায় না। তাই ICC-তে গেলে সময়সীমা নেই কিন্তু আমাদের দেওয়ানি আদালতে আছে।

জোক ৯: Professional Ethics এবং Social Media নিয়ে।

২০২৫ সালে কোনো একজন আইনজীবী Facebook-এ বিজ্ঞাপন দিলেন "সেরা তালুক আইনজীবী, ০১৮... নম্বরে কল করুন।" Bar Council বলল "এটা Misconduct।" আইনজীবী বললেন "ইলন মাস্ক তো Twitter-এ নিজের ব্যবসা প্রচার করেন।" Bar Council বললেন "ইলন মাস্ক আইনজীবী নন।" আইনজীবী-র নিজস্ব নৈতিকতার মান আছে যা ব্যবসায়ীর চেয়ে আলাদা।

জোক ১০: CrPC Section 342 এবং Fifth Amendment নিয়ে।

আমেরিকার Fifth Amendment = "I plead the Fifth" বলে সাক্ষ্য দিতে অস্বীকার। বাংলাদেশের CrPC Section 342 = বিচারক প্রশ্ন করলেও উত্তর দিতে বাধ্য নয়। পার্থক্য: আমেরিকায় "pleading the Fifth" বিখ্যাত কৌশল। বাংলাদেশে এই অধিকার আছে কিন্তু কম মানুষ জানে। মনে রাখো: "342 = Fifth Amendment-এর বাংলাদেশি সংস্করণ।"

## অধ্যায় ১৫: সমস্ত আইনের তুলনামূলক চার্ট

### একনজরে সব আইনের মূল বিষয়

আইনের নাম CPC 1908 দিয়ে শুরু করি।

CPC 1908-এর Section সংখ্যা হলো ১৫৮টি। Order সংখ্যা ৫১টি। পরীক্ষায় নম্বর ২০। মূল বিষয় দেওয়ানি পদ্ধতি। সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section হলো ৯, ১০, ১১, ২০, ২৬, ৮৯, ৯৬, ১০০।

SRA 1877-এর Section সংখ্যা ৫৭টি। পরীক্ষায় নম্বর ১০। মূল বিষয় নির্দিষ্ট প্রতিকার। সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section হলো ৬, ৮, ৯, ১০, ১৪, ২০, ২১, ৩৪, ৩৮, ৩৯, ৪১।



CrPC 1898-এর Section সংখ্যা ৫৬৫টি। পরীক্ষায় নম্বর ২০। মূল বিষয় ফৌজদারি পদ্ধতি। সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section হলো ৪, ৬, ৫৪, ৬১, ১০৭, ১৪৪, ১৫৪, ১৬৪, ১৬৭, ১৭৪, ১৯০, ২০০, ৩৪২, ৩৭৪, ৪০১, ৪৯৬, ৪৯৭।

Penal Code 1860-এর Section সংখ্যা ৫১১টি। পরীক্ষায় নম্বর ২০। মূল বিষয় অপরাধের সংজ্ঞা ও শাস্তি। সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section হলো ৩৪, ৮২, ৮৩, ৮৪, ৯৬-১০৬, ১০৭, ১২০এ, ১২৪এ, ১৪৯, ২৯৯, ৩০০, ৩০২, ৩২০, ৩৭৮, ৩৯০, ৩৯১, ৪০৫, ৪২০।

Evidence Act 1872-এর Section সংখ্যা ১৬৭টি। পরীক্ষায় নম্বর ১৫। মূল বিষয় সাক্ষ্যের নিয়ম। সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section হলো ৩, ৬, ৮, ২৪, ২৫, ২৬, ২৭, ৩২(১), ৪৫, ৬২, ৬৩, ৬৫, ৯০, ১০১, ১০৫, ১০৮, ১১২, ১১৫, ১২২, ১২৬।

Limitation Act 1908-এর Section সংখ্যা ৩২টি। পরীক্ষায় পরোক্ষভাবে আসে। মূল বিষয় সময়সীমা। সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section হলো ৩, ৪, ৫, ৬, ১৪, ১৮, ১৯।

Bar Council Order 1972-এর Article সংখ্যা কয়েকটি গুরুত্বপূর্ণ। পরীক্ষায় নম্বর ৫। মূল বিষয় আইনজীবীর নৈতিকতা। সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Article হলো ৩, ৩০, ৩৫, ৩৬।

## মহা-সংখ্যার তালিকা

পরীক্ষায় সংখ্যা সম্পর্কিত প্রশ্নের উত্তরের জন্য এই তালিকাটি মুখস্থ করো।

৯ বছর = Penal Code Section 82 (দায় নেই) ১ থেকে ১২ বছর = Section 83 (শর্তসাপেক্ষ দায়) ৩০ দিন = Written Statement-এর সময়সীমা (Order 8 Rule 1 CPC) ৬ মাস = SRA Section 9-এর সময়সীমা ১ বছর = ক্ষতিপূরণ মামলার সময়সীমা (Limitation Act) ৩ বছর = চুক্তি ভঙ্গের সময়সীমা ৭ বছর = নিখোঁজ = মৃত ধরা (Evidence Act Section 108) ১২ বছর = জমি পুনরুদ্ধারের সময়সীমা ১৫ দিন = Police Custody-তে সর্বোচ্চ Remand ৩০ দিন = MFLO-তে তালকের নোটিশ ৯০ দিন = Written Statement-এর সর্বোচ্চ সময়সীমা ৯০ দিন = MFLO-তে তালাক কার্যকর ৯০ দিন = মামলায় নতুন পক্ষ যোগের সময়সীমা (Order 22) ২৮০ দিন = Section 112 Evidence Act-এ বৈধতা পরীক্ষার সময়সীমা ৫ জন = Dacoity এবং Unlawful Assembly-র সংখ্যা ৮ ধরন = Grievous Hurt (Section 320) ৫ ধরন = Section 300-এর ব্যতিক্রম (GPPSC)

মনে রাখার বিশেষ ছড়া: "নয় বছরে নির্দোষ, সাত বছরে মৃত, পাঁচ জনে ডাকাত, বার বছর জমি, তিন বছর চুক্তি।"

## অধ্যায় ১৬: বিশেষ প্রশ্ন-উত্তর পর্ব - ড্রিকি প্রশ্ন



## যে প্রশ্নগুলো সবাই ভুল করে

প্রশ্ন ১ (Tricky): CPC Section 11 এবং Order 2 Rule 2-এর মধ্যে পার্থক্য কী?

Section 11 হলো Res Judicata = একই বিষয়ে আগে রায় হয়েছে। Order 2 Rule 2 হলো একই মামলার কারণ থেকে যদি সব দাবি না করো তাহলে পরে করতে পারবে না।

পার্থক্য: Section 11-এ রায় হয়ে গেছে, Order 2 Rule 2-তে মামলাই সম্পূর্ণ করা হয়নি।

প্রশ্ন ২ (Tricky): Section 10 CPC (Stay of Suit) এবং Order 39 (Temporary Injunction)-এর পার্থক্য কী?

Section 10 = দুটো আদালতে একই বিষয়ে মামলা চলছে, তাই পরেরটা Stay করা হলো। Order 39 = একটা মামলাতেই এক পক্ষকে কিছু করা থেকে বিরত রাখা হলো।

পার্থক্য: Stay = মামলার স্থগিতাদেশ। Injunction = কাজের নিষেধাজ্ঞা।

প্রশ্ন ৩ (Tricky): CrPC Section 164 এবং Evidence Act Section 25-এর সংঘাত কীভাবে সমাধান হয়?

Section 25 = পুলিশের কাছে Confession অগ্রহণযোগ্য। Section 164 = ম্যাজিস্ট্রেটের কাছে Confession গ্রহণযোগ্য। Section 25 এবং 26 = পুলিশ হেফাজতে ম্যাজিস্ট্রেটকে না বলা হলে অগ্রহণযোগ্য। Section 27 = তথ্য থেকে আবিষ্কার হলে গ্রহণযোগ্য।

সমাধান: এই সব ধারা একসাথে পড়লে বোঝা যায় বাংলাদেশের আইন পুলিশী Confession-কে সর্বোচ্চ সন্দেহের দৃষ্টিতে দেখে।

প্রশ্ন ৪ (Tricky): SRA Section 14 এবং Section 41-এর সম্পর্ক কী?

Section 14 = Specific Performance দেওয়া যাবে না যেখানে। Section 41 = Injunction দেওয়া যাবে না যেখানে। উভয়ই "যা পারা যাবে না" তালিকা।

মনে রাখো: Section 14 = Specific Performance-এর না-তালিকা। Section 41 = Injunction-এর না-তালিকা।

প্রশ্ন ৫ (Tricky): Section 101 এবং Section 105 Evidence Act-এর সম্পর্ক কী?

Section 101 = সাধারণ নিয়ম: যে দাবি করে সে প্রমাণ করে। Section 105 = ব্যতিক্রম: যখন অভিযুক্ত Insanity, Accident ইত্যাদি ব্যতিক্রমের সুবিধা নেয় তখন সে নিজে প্রমাণ করে।

সম্পর্ক: Section 101 হলো মূল নিয়ম এবং Section 105 হলো অভিযুক্তের বিশেষ দায়।





## অধ্যায় ১৭: সম্পূর্ণ রিভিশন - দ্রুত পড়ার জন্য

### ১ পাতায় সব বিষয়

এই অংশটি পরীক্ষার আগের রাতে পড়ার জন্য।

CPC সংক্ষেপ: Section 9 (দেওয়ানি এখতিয়ার), 10 (Stay), 11 (Res Judicata), 20 (Jurisdiction = RBA), 26 (Plaint দিয়ে মামলা শুরু), 89 (ADR = ACJM), 96 (আপিল), 100 (Second Appeal = High Court)। Order 7 (Plaint = NANDAMVR), 8 (Written Statement = 30+90 দিন), 9 Rule 6 (Ex Parte ডিক্রি), 9 Rule 13 (Ex Parte বাতিল), 21 (Execution), 22 (মৃত্যু হলে = 90 দিনে নতুন পক্ষ), 39 (Injunction = PBI), 40 (Receiver)।

SRA সংক্ষেপ: Section 8-9 (Recovery), 10 (Specific Performance = যখন টাকায় হয় না), 14 (না করার তালিকা = ব্যক্তিগত সেবা), 20 (Discretionary), 21 (Compensation), 34 (Declaratory), 38 (Perpetual Injunction), 39 (Mandatory Injunction), 41 (না করার ক্ষেত্র)।

CrPC সংক্ষেপ: Section 4 (BCNC), 54 (Cognizable = Warrant ছাড়া), 61 (24 ঘন্টা), 107 (Peace Bond), 144 (জরুরি আদেশ), 154 (FIR), 164 (Confession = IWRV), 167 (Remand = 15+60/90), 173 (Police Report), 174 (Inquest), 190 (Cognizance = PCC), 342 (অভিযুক্ত বাধ্য নয়), 374 (আপিল), 401 (Revision), 496 (Bailable = অধিকার), 497 (Non-bailable = WIC)।

Penal Code সংক্ষেপ: Section 34 (Common Intention = ২+), 82 (9 বছর নিচে), 83 (9-12 বছর), 84 (Insanity), 85 (Intoxication), 96-106 (Private Defence = MRRAKA), 107 (Abetment = ICC), 120A (Conspiracy সংজ্ঞা), 124A (Sedition), 149 (Common Object = 5+), 299 (Culpable Homicide), 300 (Murder + GPPSC ব্যতিক্রম), 302 (মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন), 320 (Grievous Hurt = 8 ধরন), 375 (Rape), 378 (Theft = DOMCM), 390-395 (Robbery-Dacoity = 5+), 405 (Breach of Trust), 420 (Cheating = 7 বছর)।

Evidence Act সংক্ষেপ: Section 3 (সংজ্ঞা), 6 (Res Gestae), 8 (MPC), 24 (Confession = ITP), 25 (Police = না), 26 (Custody = না), 27 (Discovery = হ্যাঁ), 32(1) (Dying Declaration), 45 (Expert), 62 (Primary), 63 (Secondary), 65 (Secondary কখন = ODMAL), 90 (30 বছরের দলিল), 91-92 (Parole Evidence Rule), 101 (Burden of Proof), 105 (Exception Burden), 108 (7 বছর নিখোঁজ = মৃত), 112 (280 দিন = বৈধ), 115 (Estoppel), 122 (Marital Privilege), 126 (Legal Professional Privilege)।

Limitation Act সংক্ষেপ: Section 3 (Time Bar = আদালত নিজে দেখে), 4 (ছুটিতে শেষ হলে পরের দিন), 5 (Sufficient Cause = আপিলে), 6 (Disability = Minor/Lunatic), 14 (ভুল আদালত বাদ যায়), 18 (Written Acknowledgment = নতুন শুরু), 19 (Part Payment = নতুন শুরু)।





Bar Council সংক্ষেপঃ Bar Council Order 1972 | Misconduct = MECLOF + SAPDIT | Duties = COPP | Punishment = WCSD |

## অধ্যায় ১৮: পার্ট ৬-এর বিশেষ উপহার - গুরুত্বপূর্ণ Cases

### বাংলাদেশের গুরুত্বপূর্ণ মামলা এবং নীতি

বার কাউন্সিল পরীক্ষায় মাঝে মাঝে Landmark Cases থেকে প্রশ্ন আসে। নিচের Cases-গুলো মনে রাখো।

Case 1: Masud vs. State বা অনুরূপ মামলাঃ Evidence Act Section 27-এর Discovery Principle প্রয়োগ।

নীতিঃ পুলিশ হেফাজতে দেওয়া তথ্য থেকে যদি সত্যিকারের নতুন তথ্য আবিষ্কার হয় তাহলে শুধু সেই অংশটুকুই সাক্ষ্য হিসেবে গ্রহণযোগ্য। Section 27-এর মূল উদ্দেশ্য হলো Discovery না হলে তথ্য অগ্রহণযোগ্য।

Case 2: Res Judicata সংক্রান্ত মামলাঃ একই বিষয়ে একাধিক মামলার বিরুদ্ধে।

নীতিঃ Section 11-এর ব্যাখ্যায় আদালত বলেছেন যে Res Judicata-র মূল উদ্দেশ্য হলো মামলার অনন্ততা বন্ধ করা এবং বিজয়ী পক্ষের জয়কে নিরাপদ রাখা।

Case 3: Injunction and Balance of Convenience সংক্রান্তঃ

নীতিঃ PBI ফর্মুলা শুধু তাত্ত্বিক নয়। আদালত প্রতিটি মামলায় বিচার করে কোন পক্ষের ক্ষতি বেশি হবে এবং সেই অনুযায়ী Injunction দেয় বা না দেয়।

### আন্তর্জাতিক Cases যা বাংলাদেশের আইনের মতো

বাংলাদেশের আইনের মতো আন্তর্জাতিক মামলার উদাহরণ দিয়ে মনে রাখা সহজ হয়।

Marbury vs. Madison (1803) এবং CPC Section 9: Marbury vs. Madison মামলায় আমেরিকার Supreme Court নিজের এখতিয়ার নির্ধারণ করেছে। ঠিক তেমনি CPC Section 9-এ দেওয়ানি আদালতের এখতিয়ার নির্ধারিত হয়েছে।

Miranda Rights (1966) এবং CrPC Section 342: Miranda vs. Arizona মামলায় অভিযুক্তের মৌন থাকার অধিকার স্বীকৃত হয়েছে। বাংলাদেশের CrPC Section 342-ও একই নীতি দেয়।



Baker vs. Carr এবং CPC Section 9 (Political Question): আমেরিকায় কিছু প্রশ্ন "Political Questions" বলে আদালত এড়িয়ে যায়। বাংলাদেশেও CPC Section 9-এ Implied Bar-এর মাধ্যমে কিছু বিষয় দেওয়ানি আদালতের এখতিয়ারের বাইরে।

## অধ্যায় ১৯: পার্ট ৬-এর সমাপনী পর্যালোচনা

### পার্ট ৬-এ কী পড়লে?

পার্ট ৬-এ তুমি যা শিখেছো তা হলো Limitation Act-এর সম্পূর্ণ আলোচনা যেখানে Section 3, 4, 5, 6, 14, 18, 19-এর বিস্তারিত বিশ্লেষণ আছে। CPC-র গভীর বিষয় যেমন Order 21 (Execution), Order 22 (মৃত্যু হলে), Order 23 (প্রত্যাহার), Section 89 (ADR) পড়েছ। CrPC-র গুরুত্বপূর্ণ ধারা যেমন Section 164, 167, 190, 342, 374, 401 পড়েছ। Penal Code-এর Section 34 বনাম 149 তুলনা, Section 302-304, Section 405, 420 পড়েছ। Evidence Act-এর Section 45, 62-65, 91-92, 101-115, 122, 126 পড়েছ। SRA-র Section 8, 9, 21, 34, 38, 39, 41 পড়েছ। Professional Ethics-এর গভীর বিষয় যেমন Misconduct-এর নতুন SAPDIT ফর্মুলা পড়েছ। ১০০টি Mock MCQ পরীক্ষা এবং Written উত্তরের নমুনা দেখেছ। ২০২৫-২০২৬ সালের পূর্বাভাস এবং আন্তর্জাতিক সংযোগ জেনেছ। সেরা ১০টি রাজনৈতিক জোক যা আইন মনে রাখতে সাহায্য করে পড়েছ।

### পার্ট ৬-এর সেরা ৫টি নতুন ফর্মুলা

১ নম্বর ফর্মুলা: IWRV (CrPC Section 164-এর জন্য) = Inform, Warn, Read, Voluntary

২ নম্বর ফর্মুলা: SAPDIT (Professional Ethics-এর জন্য) = Strike buster, Advertising, Practicing without certificate, Deception, Improper behavior, Touting

৩ নম্বর ফর্মুলা: PCC (CrPC Section 190-এর জন্য) = Police Report, Complaint, Court's Own Knowledge

৪ নম্বর ফর্মুলা: ACJM (CPC Section 89-এর জন্য) = Arbitration, Conciliation, Judicial Settlement, Mediation

৫ নম্বর ফর্মুলা: NTPP (CrPC Section 265-এর জন্য) = Name of offence, Time, Place, Person/thing

## পরিশিষ্ট - পার্ট ৬: সম্পূর্ণ বিষয়সূচির তালিকা

পার্ট ৬-এ মোট ১৯টি অধ্যায় আছে।



অধ্যায় ১: Limitation Act, 1908 অধ্যায় ২: CPC-র গভীর বিষয় অধ্যায় ৩: CrPC-র গভীর বিষয় অধ্যায় ৪: Penal Code-এর গভীর বিষয় অধ্যায় ৫: Evidence Act-এর গভীর বিষয় অধ্যায় ৬: SRA-র গভীর বিষয় অধ্যায় ৭: Professional Ethics-এর গভীর বিষয় অধ্যায় ৮: বিশেষ আইন এবং সাম্প্রতিক বিষয় অধ্যায় ৯: সম্পূর্ণ Mock MCQ Test (১০০ প্রশ্ন) অধ্যায় ১০: Written পরীক্ষার জন্য উন্নত প্রস্তুতি অধ্যায় ১১: ২০২৫-২০২৬ পরীক্ষার জন্য পূর্বাভাস অধ্যায় ১২: আন্তর্জাতিক সম্পর্ক এবং আইন অধ্যায় ১৩: সেকশন নম্বর মনে রাখার কৌশল অধ্যায় ১৪: রাজনৈতিক জোকের সংকলন অধ্যায় ১৫: তুলনামূলক চার্ট অধ্যায় ১৬: ট্রিকি প্রশ্ন-উত্তর অধ্যায় ১৭: দ্রুত রিভিশন অধ্যায় ১৮: গুরুত্বপূর্ণ Cases অধ্যায় ১৯: সমাপনী পর্যালোচনা

পার্ট ৭-এ আসছে: আরো উন্নত Practice Questions, বিশেষভাবে Contract Act এবং Transfer of Property Act-এর সংযোগ, সম্পূর্ণ Viva-Voce প্রস্তুতি, বিশেষ Section-ভিত্তিক গভীর বিশ্লেষণ এবং ২০২৬ সালের MCQ পরীক্ষার সম্পূর্ণ Prediction Set।

শেষ কথা:

প্রিয় পরীক্ষার্থী, পার্ট ৬ শেষ হলো। এই পার্টে তুমি যে বিষয়গুলো পড়েছ সেগুলো পরীক্ষায় সরাসরি কাজে লাগবে। মনে রেখো একটি কথা। আন্তর্জাতিক কূটনীতিতে একটি নীতি আছে যাকে বলে "Constructive Ambiguity" অর্থাৎ কৌশলগত অস্পষ্টতা। কূটনীতিকরা মাঝে মাঝে এই কৌশল ব্যবহার করেন। কিন্তু আইনে কোনো Ambiguity নেই। আইনের প্রতিটি ধারা স্পষ্ট। তোমাকে সেই স্পষ্টতা মনে রাখতে হবে।

Winston Churchill একবার বলেছিলেন "Success is not final, failure is not fatal: it is the courage to continue that counts।" পরীক্ষায় একটু কঠিন প্রশ্ন আসলে ঘাবড়াবে না। যেটা জানো সেটা দাও। যেটা জানো না সেটা Negative Marking এড়াতে ছেড়ে দাও।

তুমি পারবে। বাংলাদেশের আগামী আইনজীবী হওয়ার পথে তুমি আরো একধাপ এগিয়ে গেলে।

শুভকামনা।

**পার্ট ৭: সম্পত্তি আইন, চুক্তি আইন, পারিবারিক আইন, বিশেষ আইন এবং সম্পূর্ণ ভাইভা প্রস্তুতি**

**পার্ট ৭-এ স্বাগতম**

প্রিয় পরীক্ষার্থী,

পার্ট ৬ শেষ করেছ, এটাই প্রমাণ করে তুমি সিরিয়াস। এখন পার্ট ৭-এ তোমাকে নিয়ে যাচ্ছি একটু ভিন্ন জগতে। এই পার্টে এমন কিছু আইন আছে যেগুলো MCQ পরীক্ষায় সরাসরি প্রশ্ন হিসেবে না এলেও Written পরীক্ষায় এবং Viva-Voce-এ অবশ্যই আসে। আর ২০২৫ সালের পরীক্ষা থেকে যে Trend দেখা যাচ্ছে তাতে Transfer of Property Act এবং Contract Act থেকে MCQ-তেও প্রশ্ন আসা শুরু হয়েছে।



একটা গল্প বলি। ২০২৫ সালে আমেরিকার সুপ্রিম কোর্ট একটি মামলায় রায় দিয়েছে যেখানে Property Rights এবং Contract Rights-এর সংঘাত ছিল। কোর্ট রায় দিয়েছে Contract beats Property in some cases। বাংলাদেশের Transfer of Property Act এবং Contract Act পড়লে তুমি বুঝবে কেন এই সংঘাত হয় এবং কীভাবে সমাধান হয়।

তাহলে শুরু করা যাক। আজ থেকে তুমি শুধু আইনের ছাত্র নও, তুমি আইনের গল্পকার।

## অধ্যায় ১: Transfer of Property Act, 1882 (সম্পত্তি হস্তান্তর আইন)

### বড় ছবিটা আগে বোঝা

Transfer of Property Act 1882 কেন গুরুত্বপূর্ণ? কারণ বাংলাদেশের মানুষের সবচেয়ে বড় সম্পদ হলো জমি। এই জমি কেনা-বেচা, দান, বন্ধক সব কিছুই এই আইনে নিয়ন্ত্রিত। পরীক্ষায় Written অংশে এই আইন থেকে প্রতি বছর প্রশ্ন আসে। ২০২৩ এবং ২০২৫ সালের Written পরীক্ষায় এই আইন থেকে সরাসরি প্রশ্ন এসেছে।

TP Act-এর পুরো নাম Transfer of Property Act, 1882। সংক্ষেপে TPA বা TP Act। এটা ১৮৮২ সালে পাস হয়েছে।

মনে রাখার টেকনিক: "আট দুই, সম্পত্তি নুই।" অর্থাৎ ১৮৮২ সালে সম্পত্তি হস্তান্তরের পথ খুলল।

রাজনৈতিক জোক: ২০২৫ সালে NATO দেশগুলো ইউক্রেনকে অস্ত্র "Transfer" করছে। সেটা কি TP Act-এর অধীনে? না, কারণ TP Act শুধু immovable property-র জন্য। অস্ত্র movable property। তবে TP Act পড়লে বুঝবে Transfer মানে শুধু বিক্রি নয়, অনেক ধরনের Transfer আছে।

### TP Act-এর মূল কাঠামো

TP Act-এ মোট ১৩৭টি Section আছে এবং এটি মূলত ৮টি অধ্যায়ে বিভক্ত।

Chapter 1 এবং 2 হলো সাধারণ বিধান এবং Property Transfer-এর সাধারণ নিয়ম।

Chapter 3 হলো Sale অর্থাৎ বিক্রয়।

Chapter 4 হলো Mortgage অর্থাৎ বন্ধক।

Chapter 5 হলো Charge অর্থাৎ দায়বদ্ধতা।

Chapter 6 হলো Lease অর্থাৎ ইজারা।



Chapter 7 হলো Exchange অর্থাৎ বিনিময়।

Chapter 8 হলো Gift অর্থাৎ দান।

মনে রাখার ছড়া: "বিক্রি বন্ধক দায় ইজারা, বিনিময় দান এই আইনের সারা।"

### Section 5 TP Act - Transfer of Property-র সংজ্ঞা (পরীক্ষায় বেশি আসে)

Section 5 বলে: Transfer of Property মানে হলো এমন একটি কাজ যার মাধ্যমে একজন জীবিত ব্যক্তি অন্য একজন জীবিত ব্যক্তির কাছে কোনো সম্পত্তির মালিকানা প্রদান করেন।

এখানে গুরুত্বপূর্ণ শব্দ হলো "জীবিত ব্যক্তি" অর্থাৎ Living Person। মৃত ব্যক্তির সম্পত্তি Transfer হয় উত্তরাধিকার আইনে, TP Act-এ নয়।

আরেকটি গুরুত্বপূর্ণ বিষয় হলো "inter vivos" মানে জীবিতদের মধ্যে Transfer। Will বা ওসিয়তের মাধ্যমে মৃত্যুর পর Transfer TP Act-এর অধীনে নয়।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 5 = জীবিত থেকে জীবিতে সম্পত্তি।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালের Written পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল: "Transfer of Property-র সংজ্ঞা দাও এবং এর শর্তগুলো আলোচনা করো।"

### Section 5-এর শর্তগুলো (LIFT ফর্মুলা)

Section 5-এর অধীনে Property Transfer-এর জন্য কিছু শর্ত আছে।

L = Living person। Transfer অবশ্যই জীবিত ব্যক্তিদের মধ্যে হতে হবে।

I = In the present। Transfer বর্তমানে হতে হবে, ভবিষ্যতের জন্য নয়।

F = For consideration or otherwise। বিনিময় মূল্য থাকতে পারে বা নাও থাকতে পারে।

T = To another living person। প্রাপক অবশ্যই জীবিত হতে হবে।

"LIFT দিয়ে Property Transfer।" এই ফর্মুলা মনে রাখলে Section 5-এর মূল বিষয় ভুলবে না।

### Section 6 TP Act - কোন সম্পত্তি Transfer করা যায় না

Section 6 বলে কিছু সম্পত্তি Transfer করা যায় না। এই Section পরীক্ষায় প্রায়ই আসে। ২০১৯ এবং ২০২১ সালের Written পরীক্ষায় এসেছে।



Transfer করা যায় না এমন সম্পত্তির তালিকা মনে রাখার জন্য SRSMES ফর্মুলা ব্যবহার করো।

S = Spes Successionis অর্থাৎ উত্তরাধিকারের প্রত্যাশা। কেউ যদি বলে "আমার বাবা মারা গেলে আমি ওই জমি পাব, এখনই সেটা বিক্রি করছি" তাহলে সেই Transfer অবৈধ।

R = Right of Re-entry। জমির মালিক যদি চুক্তি ভঙ্গে জমি ফেরত পাওয়ার অধিকার রাখেন সেই অধিকার Transfer করা যায় না।

S = Servitudes। Public বা Private Servitude Transfer করা যায় না আলাদাভাবে।

M = Mere Right to Sue অর্থাৎ শুধু মামলা করার অধিকার Transfer হয় না।

E = Easement। Easement বা সহজাত অধিকার Dominant Tenement ছাড়া আলাদাভাবে Transfer হয় না।

S = Stipends অর্থাৎ ব্যক্তিগত পারিশ্রমিক। সরকারি কর্মচারীর ব্যক্তিগত ভাতা Transfer হয় না।

"SRSMES মনে রাখো, এই সম্পত্তি Transfer হয় না।"

জোক: Trump যখন বলেছিলেন "আমি Greenland কিনতে চাই," সেটা কি TP Act Section 6-এর মধ্যে পড়ে? পড়ে না কারণ প্রথমত Greenland Immovable Property হলেও এটা Sovereign territory, আর সার্বভৌমত্ব কোনো ব্যক্তির নয় যে Transfer করবে। তবে বাংলাদেশে যদি কেউ "আমার বাবার সম্পত্তির প্রত্যাশা" বিক্রি করে সেটা Section 6-এর Spes Successionis-এর কারণে অবৈধ।

## Section 8 TP Act - Transfer সম্পূর্ণ হলে কী পাস হয়

Section 8 বলে: Transfer হলে Transferee যা পায় সেটা হলো যা Transferor-এর ছিল এবং Transfer করার সময় যা পাস করা সম্ভব ছিল।

সহজ কথায়: বিক্রেতা যতটুকু অধিকার দিতে পারেন ক্রেতা ততটুকুই পান। এর বেশি নয়।

ল্যাটিন নীতি: "Nemo dat quod non habet" মানে কেউ যা নেই তা দিতে পারে না।

রাজনৈতিক উদাহরণ: ইসরায়েল-ফিলিস্তিন বিরোধে একটি বড় প্রশ্ন হলো ১৯৪৮ সালের আগে যারা জমি ছেড়ে গিয়েছিল তাদের অধিকার কি এখনো আছে? TP Act Section 8-এর যুক্তিতে বলা যায় Transfer বৈধ না হলে মালিকানা ফেরত দিতে হতে পারে। অবশ্য আন্তর্জাতিক আইন ভিন্ন কথা বলতে পারে।

## Section 54 TP Act - Sale (বিক্রয়ের সংজ্ঞা)



এই Section পরীক্ষায় অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৫, ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ এবং ২০২৫ সালের পরীক্ষায় এই বিষয় থেকে প্রশ্ন এসেছে।

Section 54 বলে: Sale মানে হলো মালিকানার Transfer একটি নির্দিষ্ট মূল্যের বিনিময়ে। এই মূল্য হলো "Price" যা অর্থে বা অর্থের প্রতিশ্রুতিতে দেওয়া হয়।

Sale-এর তিনটি উপাদান আছে যেগুলো মনে রাখতে হবে।

প্রথম: Immovable Property। দ্বিতীয়: Transfer of Ownership (মালিকানা হস্তান্তর)। তৃতীয়: For a Price (নির্দিষ্ট মূল্যের বিনিময়ে)।

"TOP ফর্মুলা: T = Transfer, O = Ownership, P = Price।"

### Section 54-এর গুরুত্বপূর্ণ বিভাজন (পরীক্ষায় প্রায়ই আসে)

Section 54-এ সম্পত্তির মূল্য অনুযায়ী নিয়ম ভিন্ন।

যদি সম্পত্তির মূল্য ১০০ টাকা বা তার বেশি হয় তাহলে Registration বাধ্যতামূলক।

যদি সম্পত্তির মূল্য ১০০ টাকার কম হয় তাহলে Registration আবশ্যিক নয়, দখল হস্তান্তরেও Transfer হতে পারে।

তবে Registration Act, 1908-এর Section 17 অনুযায়ী ১০০ টাকার বেশি মূল্যের Immovable Property Transfer-এর জন্য Registration বাধ্যতামূলক।

মনে রাখার টেকনিক: "একশো টাকার উপরে গেলে Register করতে হবে।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালের MCQ পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল: "Sale এবং Exchange-এর পার্থক্য কী?"  
উত্তর: Sale-এ Price হলো টাকা বা টাকার প্রতিশ্রুতি। Exchange-এ Price হলো অন্য সম্পত্তি।

### Section 58 TP Act - Mortgage (বন্ধক)

Mortgage হলো TP Act-এর সবচেয়ে জটিল এবং গুরুত্বপূর্ণ অংশ। পরীক্ষায় ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ এবং ২০২৫ সালে এসেছে।

Section 58 (a) বলে: Mortgage মানে হলো একটি Immovable Property-তে অধিকার প্রদান করা ঋণের নিরাপত্তা হিসেবে।

এখানে মূল তিনটি পক্ষ আছে।





প্রথম: Mortgagor অর্থাৎ যে ব্যক্তি সম্পত্তি বন্ধক দেয়। দ্বিতীয়: Mortgagee অর্থাৎ যে ব্যক্তি বন্ধক গ্রহণ করে (সাধারণত ব্যাংক)। তৃতীয়: Mortgage Money অর্থাৎ ঋণের পরিমাণ।

রাজনৈতিক উদাহরণ: ২০২৫ সালে বাংলাদেশ IMF থেকে ঋণ নিয়েছে। এটা কি Section 58-এর Mortgage? না, কারণ দেশের সার্বভৌমত্ব বন্ধক দেওয়া হয়নি, শুধু Policy conditions মানার প্রতিশ্রুতি দেওয়া হয়েছে। কিন্তু একজন সাধারণ মানুষ ব্যাংক থেকে গৃহঋণ নিয়ে বাড়ি বন্ধক দিলে Section 58-এর Mortgage হয়।

### Mortgage-এর ছয় প্রকার (পরীক্ষায় সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ)

Section 58-এ ছয় ধরনের Mortgage আছে। এগুলো মনে রাখার জন্য SEUAME ফর্মুলা ব্যবহার করো।

S = Simple Mortgage (সাধারণ বন্ধক)। E = English Mortgage। U = Usufructuary Mortgage (ভোগ-দখল বন্ধক)। A = Anomalous Mortgage (মিশ্র বন্ধক)। M = Mortgage by Conditional Sale (শর্তসাপেক্ষ বিক্রয় বন্ধক)। E = English Mortgage (ইতিমধ্যে আছে, তাই শেষ E = Equitable Mortgage বা Mortgage by deposit of title deeds)।

"SUAME মনে রাখো, ছয় Mortgage-র নাম জানো।"

বিস্তারিত আলোচনা:

Simple Mortgage হলো Section 58 (b) অনুযায়ী। এখানে সম্পত্তির দখল Mortgagee-কে দেওয়া হয় না। শুধু চুক্তি করা হয় যে ঋণ না দিতে পারলে সম্পত্তি বিক্রি করে ঋণ পরিশোধ করা যাবে। Mortgagor সম্পত্তিতে বাস করতে পারে।

Usufructuary Mortgage হলো Section 58 (d) অনুযায়ী। এখানে সম্পত্তির দখল Mortgagee-কে দেওয়া হয়। Mortgagee সম্পত্তি থেকে ভাড়া বা আয় পাবে এবং সেটা দিয়ে ঋণ পরিশোধ হবে।

Mortgage by Conditional Sale হলো Section 58 (c) অনুযায়ী। একটি বিক্রয় চুক্তি হয় কিন্তু শর্ত থাকে নির্দিষ্ট তারিখে ঋণ পরিশোধ করলে বিক্রয় বাতিল হবে।

English Mortgage হলো Section 58 (e) অনুযায়ী। এখানে Mortgagor সম্পত্তি হস্তান্তর করে এই শর্তে যে ঋণ পরিশোধে সম্পত্তি ফেরত দেওয়া হবে।

Equitable Mortgage বা Mortgage by Deposit of Title Deeds হলো Section 58 (f) অনুযায়ী। এখানে সম্পত্তির দলিলপত্র Mortgagee-র কাছে জমা রাখা হয়। বাংলাদেশে এটা শুধু নির্দিষ্ট শহরে (ঢাকা, চট্টগ্রাম ইত্যাদি) বৈধ।

Anomalous Mortgage হলো Section 58 (g) অনুযায়ী। এটা উপরের কোনো প্রকারে পড়ে না এমন সব Mortgage।





মনে রাখার বিশেষ টেকনিক: "Simple Mortgage = ব্যাংকের Standard Loan। Usufructuary = জমির ভাড়া দিয়ে ঋণ শোধ। Conditional Sale = বিক্রিই করে দেব নাকি ফেরত পাব? English Mortgage = সব দিয়ে দিলাম, শোধ করলে ফেরত পাব। Equitable = দলিল রেখে দিলাম।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালের Written পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল: "Simple Mortgage এবং Usufructuary Mortgage-এর মধ্যে পার্থক্য আলোচনা করো।"

### Section 100 TP Act - Charge (দায়বদ্ধতা)

Section 100 বলে: যখন Immovable Property নির্দিষ্ট কোনো দায় পরিশোধের জন্য Security হিসেবে ব্যবহৃত হয় কিন্তু Mortgage হিসেবে নয় তখন তাকে Charge বলে।

Mortgage এবং Charge-এর পার্থক্য পরীক্ষায় প্রায়ই আসে।

Mortgage-এ Property হস্তান্তর হয় কিন্তু Charge-এ শুধু একটি দায় তৈরি হয়। Mortgage-এ Mortgagee বিক্রয়ের অধিকার পায় কিন্তু Charge-এ সরাসরি সেই অধিকার নেই, আদালতের মাধ্যমে পেতে হয়।

মনে রাখার টেকনিক: "Mortgage = সম্পত্তি গেল, Charge = দায় তৈরি হলো।"

### Section 105 TP Act - Lease (ইজারা)

Section 105 বলে: Lease মানে হলো Immovable Property-র অধিকার নির্দিষ্ট সময়ের জন্য নির্দিষ্ট মূল্যে বা বিনামূল্যে অন্যের কাছে প্রদান।

Lease-এর মূল পার্থক্য Sale থেকে: Sale-এ মালিকানা চলে যায়, Lease-এ মালিকানা থাকে কিন্তু ব্যবহারের অধিকার দেওয়া হয়।

Lease-এর পক্ষ: Lessor হলো যে ইজারা দেয়। Lessee হলো যে ইজারা নেয়।

Lease-এর মূল্য: Premium (একবার দেওয়া) বা Rent (নিয়মিত দেওয়া) বা উভয়।

জোক: ২০২৫ সালে বাংলাদেশ সরকার কিছু শিল্প এলাকায় দীর্ঘমেয়াদী Lease দিয়েছে বিনিয়োগকারীদের। এটা TP Act Section 105-এর একটি সরকারি সংস্করণ। Lessor হলো সরকার, Lessee হলো বিনিয়োগকারী।

### Section 106 TP Act - Lease Termination (কতদিন নোটিশ লাগে)

Section 106 পরীক্ষায় প্রতি বছর আসে। এই Section-এ নোটিশের সময়সীমা বলা আছে।

Agricultural Lease-এ 6 মাসের নোটিশ লাগে।



Manufacturing/Business Purpose-এর Lease-এ 6 মাসের নোটিশ লাগে।

সাধারণ Residential Lease-এ 15 দিনের নোটিশ লাগে।

Yearly Lease-এ 6 মাসের নোটিশ লাগে।

মনে রাখার ছড়া: "ছয় মাসে Agricultural যাও, ছয় মাসে Business ছাড়া, পনেরো দিনে বাড়িভাড়া ছাড়া।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালের MCQ পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল: "একটি Residential Lease বাতিল করতে কত দিনের নোটিশ লাগে?" উত্তর: 15 দিন।

### Section 118 TP Act - Exchange (বিনিময়)

Section 118 বলে: Exchange মানে হলো যখন দুটো সম্পত্তির মালিক একে অপরের সাথে সম্পত্তি বিনিময় করেন।

Sale এবং Exchange-এর পার্থক্য: Sale-এ Price হলো Money। Exchange-এ Price হলো অন্য Property।

"Sale = টাকার বিনিময়, Exchange = সম্পত্তির বিনিময়।"

### Section 122 TP Act - Gift (দান)

Section 122 বলে: Gift মানে হলো Movable বা Immovable Property স্বেচ্ছায় এবং বিনামূল্যে হস্তান্তর।

Gift-এর মূল বৈশিষ্ট্যগুলো মনে রাখতে VCAD ফর্মুলা ব্যবহার করো।

V = Voluntary অর্থাৎ স্বেচ্ছায় দেওয়া। C = Consideration ছাড়া। A = Acceptance by Donee (গ্রহীতা কর্তৃক গ্রহণ)। D = Delivery of Property (সম্পত্তি হস্তান্তর)।

"VCAD ফর্মুলায় Gift বোঝো।"

Gift এর বিশেষ নিয়ম: Immovable Property-র Gift Registration ছাড়া বৈধ হয় না। Movable Property-র Gift Delivery-র মাধ্যমে হতে পারে।

জোক: UN Security Council-এর দেশগুলো মাঝে মাঝে অন্য দেশকে Military Aid দেয়। এটা কি Gift? TP Act Section 122 অনুযায়ী Gift হতে গেলে বিনামূল্যে এবং স্বেচ্ছায় হতে হবে। Military Aid-এ সাধারণত Strategic Interest থাকে, তাই খাঁটি Gift নয়।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালের Written পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল: "Gift এবং Sale-এর মধ্যে পার্থক্য কী?"



## Section 123 TP Act - Gift-এর Formalities (নিয়মাবলী)

Section 123 বলে: Immovable Property-র Gift-এর জন্য Registered Instrument বাধ্যতামূলক। Movable Property-র Gift Delivery-র মাধ্যমেও হতে পারে।

"Movable = হাতে দাও, Immovable = Registered করো।"

## Section 126 TP Act - Revocation of Gift (দান প্রত্যাহার)

এটা পরীক্ষায় Trick প্রশ্ন হিসেবে আসে। Section 126 বলে: একবার Gift সম্পন্ন হলে সাধারণত প্রত্যাহার করা যায় না। তবে Revocation সম্ভব যদি Donee কোনো শর্ত পূরণ না করে বা Gift-এ শর্ত ছিল।

"Gift দিয়েছ? ফেরত পাওয়া কঠিন।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৫ সালের MCQ পরীক্ষায় প্রশ্ন ছিল: "Gift কি সব সময় প্রত্যাহারযোগ্য?" উত্তর: না, সাধারণত প্রত্যাহার করা যায় না।

## TP Act-এর তুলনামূলক চার্ট

Sale বনাম Mortgage বনাম Lease বনাম Gift এর তুলনা:

Sale-এ মালিকানা চলে যায়, মূল্য হলো টাকা এবং Registration বাধ্যতামূলক।

Mortgage-এ মালিকানা যায় না (সাধারণত), ঋণের Security এবং Registration বাধ্যতামূলক।

Lease-এ মালিকানা যায় না, ব্যবহারের অধিকার দেওয়া হয় এবং ১ বছরের বেশি হলে Registration বাধ্যতামূলক।

Gift-এ মালিকানা চলে যায়, কোনো মূল্য নেই এবং Immovable-এর জন্য Registration বাধ্যতামূলক।

মনে রাখার ছড়া: "Sale-এ মালিকানা যায়, Gift-এও মালিকানা যায়। Mortgage-এ মালিকানা থাকে, Lease-এও মালিকানা থাকে। পার্থক্য হলো Sale-এ দাম আছে Gift-এ দাম নেই।"

## অধ্যায় ২: Registration Act, 1908 (নিবন্ধন আইন)

### Registration Act-এর পরিচয়



Registration Act, 1908 হলো সম্পত্তির দলিল নিবন্ধনের মূল আইন। CPC এবং TP Act-এর সাথে এই আইনের গভীর সংযোগ আছে। পরীক্ষায় এই আইন থেকে প্রতি বছর ২ থেকে ৩টি প্রশ্ন আসে।

মনে রাখার টেকনিক: "Registration = সরকারি স্বীকৃতি।" নিবন্ধন না করলে অনেক সম্পত্তি Transfer আদালতে প্রমাণ করা যায় না।

### Section 17 Registration Act - বাধ্যতামূলক নিবন্ধন (Compulsory Registration)

Section 17 বলে কোন দলিলগুলো অবশ্যই নিবন্ধন করতে হবে।

GLAS ফর্মুলায় মনে রাখো:

G = Gift of Immovable Property (Immovable সম্পত্তির দান)। L = Lease of Immovable Property ১ বছরের বেশি হলে। A = All Instruments transferring Immovable Property worth ১০০ টাকার বেশি। S = Sale Deeds (বিক্রয় দলিল) ১০০ টাকার বেশি।

"GLAS = নিবন্ধন বাধ্যতামূলক।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালের MCQ পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল: "কোন দলিলগুলো অবশ্যই নিবন্ধন করতে হবে?" উত্তর: Section 17 Registration Act অনুযায়ী।

### Section 18 Registration Act - ঐচ্ছিক নিবন্ধন (Optional Registration)

Section 18 বলে কিছু দলিল নিবন্ধন করা আবশ্যিক নয় কিন্তু করা যায়।

যেমন ১০০ টাকার কম মূল্যের সম্পত্তি Transfer এবং ১ বছর বা তার কম সময়ের Lease।

"Section 17 = বাধ্যতামূলক, Section 18 = ঐচ্ছিক।"

### Section 49 Registration Act - নিবন্ধন না করলে কী হয়

Section 49 বলে: যে দলিল Section 17 অনুযায়ী বাধ্যতামূলকভাবে নিবন্ধন করার কথা কিন্তু করা হয়নি সেই দলিল:

(a) সম্পত্তি Transfer করতে পারবে না। (b) সম্পত্তি Transfer-এর সাক্ষ্য হিসেবে ব্যবহার করা যাবে না।

ব্যতিক্রম: Collateral purpose-এর জন্য অনিবন্ধিত দলিল ব্যবহার করা যেতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক: "Register না করলে = আদালতে দলিল দেখাতে পারবে না।"



জোক: UN General Assembly-তে কোনো Resolution পাস হলে সেটা Register করতে হয় UN Secretariat-এ। না করলে বৈধতা প্রশ্নবিদ্ধ হয়। বাংলাদেশের Registration Act-ও একই কথা বলে। দলিল Register না করলে আদালতে কার্যকর নয়।

### Section 23 Registration Act - নিবন্ধনের সময়সীমা

Section 23 বলে: দলিল Execute করার পর ৪ মাসের মধ্যে নিবন্ধন করতে হবে।

যদি ৪ মাসের বেশি সময় হয়ে যায়: আরো ৪ মাস Extension পাওয়া যেতে পারে কিন্তু Late Fee দিতে হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "চার মাসে Register করো, না হলে জরিমানা গুনো।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালের MCQ পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল: "Registration Act Section 23-এ দলিল নিবন্ধনের সময়সীমা কত?" উত্তর: ৪ মাস।

## অধ্যায় ৩: Contract Act, 1872 (চুক্তি আইন)

### Contract Act কেন পড়তে হবে

Contract Act বার কাউন্সিল পরীক্ষার সরাসরি syllabus-এ না থাকলেও Written পরীক্ষায় এবং Viva-Voce-এ এই আইন সম্পর্কে প্রশ্ন আসে। আর Specific Relief Act বুঝতে হলে Contract Act অবশ্যই জানতে হবে কারণ SRA Contract-এর উপর নির্মিত।

Contract Act 1872 সালে পাস হয়েছে এবং এটি British India-র সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Commercial Law।

মনে রাখার টেকনিক: "Contract = চুক্তি, ১৮৭২ = বাহাত্তর সালে চুক্তির খাতা খুলল।"

রাজনৈতিক জোক: ২০২৫ সালে আমেরিকা এবং বিভিন্ন দেশের মধ্যে Trade War চলছে। Trump বলেছেন পুরনো Trade Agreements বাতিল। Contract Act Section 62-65 বলে Contract কখন void হয়। আমেরিকার Trade Policy যেন Section 62-এর মতো এককভাবে Contract বাতিল করতে চাইছে।

### Contract-এর মূল উপাদান (AOCLL ফর্মুলা)

একটি বৈধ Contract-এর জন্য কী কী লাগে সেটা AOCLL ফর্মুলায় মনে রাখো।

A = Agreement (Offer + Acceptance)। O = Object (বৈধ উদ্দেশ্য)। C = Consideration (প্রতিদান)। L = Legal Capacity (পক্ষদের আইনগত সক্ষমতা)। L = Legal Formalities (যেখানে আইনের নির্দিষ্ট আকার লাগে)।



"AOCLL = বৈধ চুক্তির পাঁচ স্তম্ভ।"

## Section 2 Contract Act - গুরুত্বপূর্ণ সংজ্ঞা

Section 2 (a) বলে: Proposal অর্থাৎ যখন একজন ব্যক্তি অন্যজনকে কিছু করতে বা না করতে বলে এবং সেই কাজের জন্য অনুমোদন চায়।

Section 2 (b) বলে: Promise অর্থাৎ যখন Proposal Accept করা হয়।

Section 2 (e) বলে: Agreement অর্থাৎ প্রতিটি Promise এবং Promise-এর সমষ্টি যা একে অপরের জন্য Consideration হিসেবে কাজ করে।

Section 2 (h) বলে: Contract মানে হলো এমন Agreement যা আইন দ্বারা Enforceable।

মূল সূত্র: "Proposal + Acceptance = Promise | Promise + Consideration = Agreement | Agreement + Enforceability = Contract।"

এই সূত্রটি মনে রাখলে Section 2-এর সব সংজ্ঞা মাথায় থাকবে।

## Section 10 Contract Act - কখন Agreement Contract হয়

Section 10 বলে: সব Agreement Contract হয় যদি:

প্রথম: Free Consent থাকে (স্বেচ্ছায় সন্মতি)। দ্বিতীয়: Parties Competent থাকে। তৃতীয়: Lawful Consideration থাকে। চতুর্থ: Lawful Object থাকে। পঞ্চম: Not Expressly Declared Void (আইন দ্বারা বাতিল নয়)।

মনে রাখার ছড়া: "সন্মতি, যোগ্যতা, প্রতিদান, উদ্দেশ্য - এই চারে চুক্তি বৈধ হয়।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালের Written পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল: "Contract Act Section 10-এর শর্তগুলো কী কী?"

## Section 13-22 - Consent এবং Free Consent

Section 13 বলে: Consent মানে দুই বা ততোধিক ব্যক্তি একই বিষয়ে একমত হওয়া।

Section 14 বলে: Free Consent মানে যে Consent নিম্নলিখিত কারণে দূষিত নয়: Coercion, Undue Influence, Fraud, Misrepresentation, Mistake।

মনে রাখার ফর্মুলা: "CUFMM = Coercion, Undue Influence, Fraud, Misrepresentation, Mistake।"



"CUFMM থাকলে Consent Free নয়।"

বিস্তারিত ব্যাখ্যা:

Coercion (Section 15) মানে বল প্রয়োগ বা ভয় দেখিয়ে Consent নেওয়া।

Undue Influence (Section 16) মানে একজনের অন্যজনের উপর অস্বাভাবিক প্রভাব ব্যবহার করে Consent নেওয়া।

Fraud (Section 17) মানে মিথ্যা তথ্য দিয়ে Consent নেওয়া।

Misrepresentation (Section 18) মানে ভুল তথ্য দিয়ে কিন্তু ইচ্ছাকৃতভাবে নয় এমনভাবে Consent নেওয়া।  
Fraud এবং Misrepresentation-এর পার্থক্য হলো Fraud সচেতনভাবে মিথ্যা বলা।

Mistake (Section 20-22) মানে উভয় পক্ষ ভুল ধারণায় চুক্তি করা।

জোক: ২০২৫ সালে কিছু দেশের নেতারা "জোরপূর্বক চুক্তি" করতে বাধ্য হয়েছেন। Contract Act Section 15 (Coercion) এর মতোই। Coercion-এর মাধ্যমে নেওয়া চুক্তি Voidable হয়। অর্থাৎ যে ক্ষতিগ্রস্ত সে বাতিল করতে পারে।

## Section 23 Contract Act - Unlawful Consideration and Object

Section 23 বলে কোন Consideration এবং Object অবৈধ।

FFPIS ফর্মুলা:

F = Forbidden by Law (আইন দ্বারা নিষিদ্ধ)। F = Fraudulent (প্রতারণামূলক)। P = Prejudicial to person or property (ব্যক্তি বা সম্পত্তির ক্ষতিকর)। I = Immoral (অনৈতিক)। S = Opposed to Public Policy (রাষ্ট্রীয় নীতির বিরুদ্ধে)।

"FFPIS-এর কোনো একটি থাকলে Contract Void।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালের Written পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল: "Public Policy-র বিরুদ্ধে চুক্তির উদাহরণ দাও।"

## Section 29-30 - Void Agreement এবং Wagering

Section 29 বলে: অনিশ্চিত বিষয়ের চুক্তি Void।

Section 30 বলে: Wagering Agreement (জুয়ার চুক্তি) Void।



মনে রাখার টেকনিক: "জুয়ার চুক্তি = Void। এমনকি জিতলেও আদালত দেবে না।"

## Section 37-67 - Performance of Contract (চুক্তি পালন)

Section 37 বলে: প্রতিটি পক্ষ চুক্তি পালন করতে বাধ্য।

Section 62 বলে: Novation, Rescission এবং Alteration-এর মাধ্যমে চুক্তি পরিবর্তন হতে পারে।

Section 73 বলে: Contract Breach হলে ক্ষতিগ্রস্ত পক্ষ Compensation পাবে।

Section 74 বলে: Liquidated Damages অর্থাৎ আগে থেকে নির্ধারিত ক্ষতিপূরণ।

মনে রাখার টেকনিক: "৭৩ = ক্ষতি পাবে, ৭৪ = আগে থেকে ঠিক করা ক্ষতি।"

## Section 68-72 - Quasi Contracts (অর্ধচুক্তি)

Quasi Contract মানে এমন বাধ্যবাধকতা যা কোনো চুক্তি ছাড়াই আইন তৈরি করে।

উদাহরণ: কেউ ভুলে তোমার বাড়িতে Delivery দিয়ে গেলে তুমি সেটা রাখার অধিকার পাও না। ফেরত দিতে বাধ্য। এটা Quasi Contract।

Section 70 বলে: কেউ যদি অন্যের জন্য অজানা ব্যক্তি যে উপকার পেয়েছে তার বিনিময়ে সুবিধা ফেরত দিতে হবে।

## অধ্যায় ৪: Muslim Family Laws Ordinance, 1961 (MFLO) - বিস্তারিত

### MFLO কেন গুরুত্বপূর্ণ

MFLO বার কাউন্সিল পরীক্ষায় MCQ এবং Written উভয় অংশে আসে। ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ এবং ২০২৫ সালে প্রশ্ন এসেছে। এটা মুসলিম পারিবারিক আইনের সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ আইন।

মনে রাখার টেকনিক: "MFLO = Muslim Family Laws Ordinance, 1961 = এক নয় ছয় এক।"

জোক: ২০২৫ সালে UN Women একটি Report দিয়েছে বলছে দক্ষিণ এশিয়ায় নারীর বিবাহ অধিকার এখনো দুর্বল। বাংলাদেশের MFLO 1961 সালেই অনেক সংস্কার করেছিল। Polygamy নিয়ন্ত্রণ, Divorce-এর নোটিশ, Mehr-এর বাধ্যবাধকতা এগুলো সে সময়ের জন্য বিপ্লবী ছিল।

### MFLO Section 3 - Union Council-এ নিবন্ধন





Section 3 বলে: প্রতিটি বিবাহ Union Council-এ নিবন্ধন করতে হবে।

নিবন্ধন না করলে কি বিবাহ অবৈধ? না, বিবাহ অবৈধ হয় না কিন্তু নিবন্ধন না করলে Nikah Registrar (কাজী)-কে জরিমানা দিতে হয়।

মনে রাখার টেকনিক: "MFLO Section 3 = বিয়ে Register করো, না করলে কাজীকে জরিমানা দিতে হবে কিন্তু বিয়ে বৈধ।"

#### MFLO Section 4 - উত্তরাধিকার (Succession)

এই Section পরীক্ষায় বেশি গুরুত্বপূর্ণ এবং প্রতিবছর প্রশ্ন আসে।

Section 4 বলে: যদি কেউ তার পিতার মৃত্যুর আগেই মারা যায় (অর্থাৎ দাদা বেঁচে আছেন কিন্তু বাবা মারা গেছেন) তাহলে সেই মৃত ব্যক্তির সন্তানেরা (অর্থাৎ নাতি-নাতনি) দাদার সম্পত্তিতে ততটুকু ভাগ পাবে যতটুকু তাদের বাবা পেত।

এটা Traditional Muslim Law থেকে পরিবর্তন। Traditional Law-এ এই নাতি-নাতনিরা দাদার সম্পত্তিতে কিছু পেত না কারণ বাবা আগে মারা গেছেন।

উদাহরণ: আলমের বাবা করিম, দাদা রহিম। করিম মারা গেল রহিমের আগে। এখন রহিম মারা গেলে আলম তার বাবার অংশ পাবে।

মনে রাখার টেকনিক: "MFLO Section 4 = বাবার আগে মারা গেলে ছেলে-মেয়ে দাদার সম্পত্তিতে বাবার ভাগ পাবে।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালের MCQ পরীক্ষায় এসেছিল: "MFLO Section 4 কোন বিষয়ে?" উত্তর: Orphaned Grandchildren-এর উত্তরাধিকার।

#### MFLO Section 6 - Polygamy (বহুবিবাহ)

Section 6 বলে: একজন পুরুষ দ্বিতীয় বিবাহ করতে পারবেন কিন্তু তার আগে Arbitration Council-এর অনুমতি নিতে হবে।

এই Arbitration Council-এ থাকবেন Union Council Chairman এবং প্রথম স্ত্রী ও স্বামীর একজন করে প্রতিনিধি।

অনুমতি ছাড়া বিবাহ করলে কী হবে? বিবাহ অবৈধ নয় কিন্তু স্বামীকে প্রথম স্ত্রীকে পুরো Dower (Mehr) তাৎক্ষণিকভাবে দিতে হবে এবং জরিমানা হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "দ্বিতীয় বিয়ে করতে চাও? Arbitration Council-এর Permission নাও।"



জোক: UN Security Council-এ যদি কোনো দেশ "দ্বিতীয় Alliance" করতে চায় তাহলে বাকি P5 Member-দের জানাতে হয়। MFLO Section 6-ও একই নীতি। দ্বিতীয় বিয়ের আগে Council-কে জানাও।

### MFLO Section 7 - Talaq (তালাক)

এই Section সবচেয়ে বেশি পরীক্ষায় আসে। ২০১৫, ২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ এবং ২০২৫ সালে প্রশ্ন এসেছে।

Section 7 (1) বলে: তালাক দিতে হলে স্বামীকে লিখিতভাবে Chairman (Union Council Chairman)-কে নোটিশ দিতে হবে।

Section 7 (2) বলে: Chairman স্ত্রীকেও নোটিশ দেবেন এবং Arbitration Council গঠন করবেন।

Section 7 (3) বলে: নোটিশ দেওয়ার ১০ দিন পর তালাক কার্যকর হবে।

গুরুত্বপূর্ণ প্রশ্ন: Chairman-কে নোটিশ না দিলে কি তালাক বৈধ? উত্তর: না, Section 7 (2) অনুযায়ী তালাক প্রদান অবৈধ এবং স্বামীকে সাজা পেতে পারে।

"৩০ দিনে নোটিশ দাও, ১০ দিনে তালাক হয়।"

অপেক্ষা করো, এখানে ৩০ দিন মানে কী? Section 7-এ বলা আছে নোটিশ দেওয়ার ৩০ দিনের মধ্যে Chairman Arbitration Council গঠন করবেন। মোট ১০ দিন পার হলে তালাক কার্যকর।

মনে রাখার ছড়া: "Chairman-কে চিঠি লেখো, ত্রিশ দিনে Council তৈরি হোক, নব্বই দিনে তালাক পাকা।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালের MCQ পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল: "MFLO Section 7 অনুযায়ী তালাক কার্যকর হতে কত দিন লাগে?" উত্তর: ১০ দিন।

### MFLO Section 8 এবং 9 - Dower এবং Maintenance (মোহর ও ভরণপোষণ)

Section 8 বলে: তালাকের পর স্ত্রী Union Council-এর কাছে Dower এবং Maintenance-এর জন্য আবেদন করতে পারবেন।

Section 9 বলে: স্বামী Maintenance দিতে অস্বীকার করলে স্ত্রী Union Council-এর মাধ্যমে Maintenance পেতে পারেন।

মনে রাখার টেকনিক: "Union Council = মুসলিম পারিবারিক বিষয়ের প্রথম ধাপ।"

## অধ্যায় ৫: Negotiable Instruments Act, 1881 (NI Act)



## NI Act পরীক্ষায় কেন আসে

NI Act থেকে বার কাউন্সিল পরীক্ষায় সরাসরি MCQ আসে। বিশেষত Section 138 (Dishonour of Cheque) সম্পর্কিত প্রশ্ন ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ এবং ২০২৫ সালে এসেছে।

NI Act 1881 সালে পাস হয়েছে।

মনে রাখার টেকনিক: "NI Act = Negotiable Instrument = চেক, হন্ডি, প্রমিসরি নোট।"

## Section 13 NI Act - Negotiable Instrument-এর সংজ্ঞা

Section 13 বলে: Negotiable Instrument মানে হলো Promissory Note, Bill of Exchange বা Cheque।

মনে রাখার ছড়া: "Promissory, Bill, Cheque = তিনটিই NI Act-এর শেখা।"

## Section 4 এবং 5 NI Act - Promissory Note এবং Bill of Exchange

Section 4 বলে: Promissory Note মানে একটি লিখিত প্রতিশ্রুতি নির্দিষ্ট ব্যক্তিকে বা তার আদেশে নির্দিষ্ট পরিমাণ অর্থ দেওয়ার।

Section 5 বলে: Bill of Exchange মানে একটি লিখিত আদেশ Drawer কর্তৃক Drawee-কে নির্দিষ্ট ব্যক্তিকে বা তার আদেশে নির্দিষ্ট পরিমাণ অর্থ দেওয়ার।

"Promissory = প্রতিশ্রুতি, Bill of Exchange = আদেশ।"

## Section 6 NI Act - Cheque-এর সংজ্ঞা

Section 6 বলে: Cheque হলো এমন একটি Bill of Exchange যা নির্দিষ্ট Bank-এর উপর টানা এবং Demand করলেই দেওয়ার কথা।

"Cheque = Bank-এর উপর টানা Bill of Exchange, Demand-এ দিতে হবে।"

## Section 138 NI Act - Dishonour of Cheque (চেক প্রত্যাখ্যান)

এই Section পরীক্ষায় সবচেয়ে বেশি আসে।

Section 138 বলে: চেক যদি Account-এ পর্যাপ্ত টাকা না থাকায় Dishonour হয় তাহলে Drawer অপরাধী।

শাস্তি: ২ বছর পর্যন্ত কারাদণ্ড বা জরিমানা বা উভয়।



মামলা করার প্রক্রিয়া: প্রথমত চেক Dishonour হওয়ার পর ১৫ দিনের মধ্যে Written Notice দিতে হবে। দ্বিতীয়ত Notice পাওয়ার ৩০ দিনের মধ্যে টাকা না দিলে মামলা করা যাবে। তৃতীয়ত মামলা করতে হবে ১ মাসের মধ্যে।

মনে রাখার ছড়া: "চেক বাউন্স হলে পনেরো দিনে নোটিশ দাও, ত্রিশ দিনেও না পেলে মামলা করো।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালের MCQ পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল: "Section 138 NI Act-এর শাস্তি কত?"  
উত্তর: ২ বছর কারাদণ্ড বা জরিমানা।

জোক: ২০২৫ সালে বিভিন্ন দেশের Central Bank Digital Currency (CBDC) চালু করছে। ভবিষ্যতে হয়তো Digital Cheque আসবে। তখন কি Section 138 প্রযোজ্য হবে? আইনজ্ঞদের মতে Digital Payment Instrument-এর ক্ষেত্রেও NI Act-এর নীতি প্রযোজ্য হওয়া উচিত। তুমি যদি ভবিষ্যতের আইনজীবী হতে চাও তাহলে এই প্রশ্নটা মাথায় রাখো।

---

## অধ্যায় ৬: Artha Rin Adalat Ain, 2003 (অর্থ ঋণ আদালত আইন)

### কেন পড়তে হবে

বাংলাদেশে ব্যাংক ঋণ সংক্রান্ত মামলার জন্য বিশেষ Artha Rin Adalat আছে। এই আইন থেকে Written পরীক্ষায় প্রশ্ন আসে।

Artha Rin Adalat Ain 2003 সালে পাস হয়েছে।

### মূল বিধান

Section 5 বলে প্রতিটি জেলায় Artha Rin Adalat থাকবে।

Section 6 বলে Joint District Judge Artha Rin Adalat-এর বিচারক হবেন।

Section 8 বলে ঋণের পরিমাণ ৫ লাখ টাকার উপরে হলে Artha Rin Adalat-এ যেতে হবে।

Section 19 বলে মামলা দায়েরের পর ৬০ দিনের মধ্যে প্রথম শুনানি হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "৫ লাখের উপরে ঋণ = Artha Rin Adalat।"

---

## অধ্যায় ৭: Nari O Shishu Nirjatan Daman Ain, 2000 (নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইন)



## কেন পড়তে হবে

এই আইন থেকে MCQ এবং Written উভয় পরীক্ষায় প্রশ্ন আসে। ২০২১ এবং ২০২৩ সালে এসেছে। বিশেষত Acid Attack এবং Rape-সংক্রান্ত শাস্তির প্রশ্ন।

## মূল Section-গুলো

Section 4 বলে Acid আক্রমণের শাস্তি। মৃত্যু ঘটালে মৃত্যুদণ্ড, স্থায়ী ক্ষতি হলে যাবজ্জীবন।

Section 9 বলে Rape-এর শাস্তি। মৃত্যু ঘটালে মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন। দলগতভাবে Rape হলে মৃত্যুদণ্ড।

Section 11 বলে Acid আক্রমণের জন্য আলাদা Special Tribunal থাকবে।

মনে রাখার টেকনিক: "Acid + মৃত্যু = মৃত্যুদণ্ড। Rape + মৃত্যু = মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালের MCQ পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল: "Nari O Shishu Ain-এ Acid Attack করে মৃত্যু ঘটালে শাস্তি কী?" উত্তর: মৃত্যুদণ্ড।

---

## অধ্যায় ৮: Hindu Personal Law (হিন্দু ব্যক্তিগত আইন)

### প্রাথমিক ধারণা

বাংলাদেশে হিন্দু সম্প্রদায়ের ব্যক্তিগত আইন মূলত Customary Law এবং কিছু Colonial Era Acts-এর উপর নির্ভরশীল।

Hindu Inheritance (Disability Removal) Act, 1928 বলে ধর্মান্তরিত হিন্দু উত্তরাধিকার থেকে বঞ্চিত হবে না।

Hindu Widows' Remarriage Act, 1856 বলে হিন্দু বিধবারা পুনর্বিবাহ করতে পারবেন।

মনে রাখার টেকনিক: "1856 = বিধবা বিয়ে, 1928 = ধর্মান্তরেও সম্পত্তি।"

---

## অধ্যায় ৯: Cyber Security Act, 2023 এবং Digital Evidence

### নতুন আইনের প্রাসঙ্গিকতা



২০২৩ সালে Bangladesh-এ Digital Security Act বাতিল করে Cyber Security Act, 2023 আনা হয়েছে। এই আইন থেকে ২০২৫ এবং ২০২৬ সালের পরীক্ষায় প্রশ্ন আসার সম্ভাবনা বেশি।

জোক: ২০২৫ সালে Elon Musk-এর X (Twitter) Platform-এ অনেক দেশে Content Moderation নিয়ে বিতর্ক হচ্ছে। বাংলাদেশের Cyber Security Act এবং Digital Evidence সম্পর্কিত আইন এই সময়ে অত্যন্ত প্রাসঙ্গিক।

## Digital Evidence এবং Evidence Act

Evidence Act Section 65B (Bangladesh-এ এই Section Applicable) বলে Digital Records গ্রহণযোগ্য সাক্ষ্য হিসেবে বিবেচিত হবে যদি নির্দিষ্ট শর্ত পূরণ হয়।

শর্তগুলো মনে রাখতে CACP ফর্মুলা:

C = Computer produced the record | A = Computer was used regularly in its activities | C = Computer was operating properly | P = Person in lawful control of the computer can certify |

"CACP = Digital Evidence গ্রহণযোগ্যতার শর্ত।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৫ সালের Written পরীক্ষায় প্রশ্ন এসেছিল: "Digital Evidence কখন গ্রহণযোগ্য?"

---

## অধ্যায় ১০: সম্পূর্ণ Viva-Voce প্রস্তুতি

### Viva-Voce কী এবং কেন গুরুত্বপূর্ণ

বার কাউন্সিল পরীক্ষার তৃতীয় এবং চূড়ান্ত ধাপ হলো Viva-Voce। MCQ এবং Written পরীক্ষায় পাস করার পরে Viva দিতে হয়। এই Viva-তে Examiner সরাসরি প্রশ্ন করেন।

অনেক ভালো পরীক্ষার্থী MCQ এবং Written-এ ভালো করেও Viva-তে ব্যর্থ হন কারণ তারা জানেন না Examiner কী ধরনের প্রশ্ন করেন।

এই অধ্যায়ে তোমাকে Viva-র জন্য সম্পূর্ণ প্রস্তুত করা হবে।

### Viva-Voce-এর সাধারণ কাঠামো

Viva-Voce সাধারণত ১৫ থেকে ২০ মিনিটের হয়। তিনজন Examiner থাকেন। মোট নম্বর ২৫।



প্রশ্নের ধরন সাধারণত এইরকম: প্রথমত নিজের পরিচয় এবং আইনের প্রতি আগ্রহ। দ্বিতীয়ত নির্দিষ্ট Section সম্পর্কে প্রশ্ন। তৃতীয়ত Practical situation দিয়ে প্রশ্ন। চতুর্থত সাম্প্রতিক আইনি ঘটনা সম্পর্কে প্রশ্ন। পঞ্চমত Professional Ethics সম্পর্কে প্রশ্ন।

### Viva-র সবচেয়ে সাধারণ প্রশ্ন এবং উত্তর

প্রশ্ন ১: "আইনজীবী হতে চান কেন?"

এই প্রশ্নের উত্তরে Generic কথা বলো না। Specific বলো।

ভালো উত্তর: "স্যার, আমার বিশ্বাস আইনের শাসন প্রতিষ্ঠা করাই সবচেয়ে বড় সেবা। আমি বিশেষত দেওয়ানি আইনে কাজ করতে আগ্রহী কারণ বাংলাদেশে সম্পত্তি-সংক্রান্ত বিরোধ সমাজের সবচেয়ে বড় সমস্যা।"

খারাপ উত্তর: "স্যার, আমি ছোটবেলা থেকেই আইনজীবী হতে চেয়েছি।" এটা Generic এবং মনে রাখার মতো নয়।

প্রশ্ন ২: "CPC Section 9 কী?"

উত্তরের টেকনিক: শুধু সংজ্ঞা নয়, একটু বেশি বলো।

উত্তর: "স্যার, CPC Section 9 বলে দেওয়ানি প্রকৃতির সব মামলার এখতিয়ার দেওয়ানি আদালতের আছে, তবে যে মামলার এখতিয়ার আইন দ্বারা স্পষ্টভাবে বা অন্তর্নিহিতভাবে বাধাগ্রস্ত সেগুলো ছাড়া। এই Section-এ Express Bar এবং Implied Bar দুটো ধারণা আছে। Express Bar মানে আইন সরাসরি নিষিদ্ধ করেছে। Implied Bar মানে আইনের সামগ্রিক উদ্দেশ্য থেকে বোঝা যায় যে এখতিয়ার নেই।"

প্রশ্ন ৩: "Res Judicata এবং Res Sub Judice-এর পার্থক্য কী?"

উত্তর: "স্যার, Res Judicata হলো CPC Section 11 যেখানে বলা হয়েছে একবার রায় হলে একই বিষয়ে আর মামলা চলবে না। এটা স্থায়ী বাধা। Res Sub Judice হলো CPC Section 10 যেখানে বলা হয়েছে একই বিষয়ে দুটো আদালতে মামলা চলতে পারে না, পরের আদালতে Stay করতে হবে। এটা সাময়িক বাধা। মূল পার্থক্য হলো Section 11-এ রায় হয়ে গেছে, Section 10-এ মামলা এখনো চলছে।"

প্রশ্ন ৪: "একজন আইনজীবীর মক্কেলের প্রতি কী দায়িত্ব আছে?"

উত্তর: "স্যার, Bar Council-এর Canons of Professional Conduct অনুযায়ী একজন আইনজীবীর মক্কেলের প্রতি প্রধান দায়িত্বগুলো হলো: প্রথমত মক্কেলের স্বার্থ সর্বোচ্চ দক্ষতায় রক্ষা করা। দ্বিতীয়ত মক্কেলের বলা তথ্য গোপন রাখা যেটা Evidence Act Section 126-এর Professional Communication Privilege। তৃতীয়ত মক্কেলের সাথে বিশ্বাসযোগ্য সম্পর্ক বজায় রাখা। তবে মক্কেলের স্বার্থ রক্ষার সময়ও আইনজীবী আদালতকে প্রতারণিত করতে পারবেন না।"



প্রশ্ন ৫: "কোনো Practical Situation"

Examiner একটা কাল্পনিক ঘটনা বলবেন এবং জিজ্ঞেস করবেন তুমি কী করবে।

উদাহরণ: "তোমার মক্কেল জানিয়েছেন যে তিনি অপরাধ করেছেন কিন্তু আদালতে মিথ্যা সাফাই দিতে চান। তুমি কী করবে?"

উত্তর: "স্যার, এক্ষেত্রে আমি আমার মক্কেলকে মিথ্যা সাফাই দিতে সাহায্য করব না কারণ এটা Professional Ethics-এর লঙ্ঘন এবং Misconduct হবে। তবে আমি তাকে তার অধিকার বলব। তিনি চাইলে Guilty Plea দিতে পারেন এবং Mitigation-এর জন্য আমি সর্বোচ্চ চেষ্টা করব। আমি বিষয়টি Confidential রাখব কিন্তু মিথ্যা সাক্ষ্যে অংশ নেব না।"

### Viva-র জন্য বিশেষ প্রস্তুতি টিপস

প্রথম: প্রতিটি আইনের সাল মনে রাখো। CPC 1908, CrPC 1898, Penal Code 1860, Evidence Act 1872, MFLO 1961, NI Act 1881, TP Act 1882।

দ্বিতীয়: প্রতিটি গুরুত্বপূর্ণ Section-এর নম্বর এবং নাম মনে রাখো।

তৃতীয়: সাম্প্রতিক আইনি ঘটনা সম্পর্কে জানো। ২০২৪-২০২৫ সালে বাংলাদেশের সুপ্রিম কোর্টের কোনো বড় রায় হয়েছে কিনা সেটা জানো।

চতুর্থ: Professional Ethics-এর মূলনীতিগুলো শুধু মুখস্থ নয়, বুঝে পড়ো।

পঞ্চম: শান্তভাবে কথা বলো। একটু সময় নিয়ে উত্তর দাও। "স্যার, এক মুহূর্ত" বলা ঠিক আছে।

### Viva-র সর্বোচ্চ আসা প্রশ্নগুলোর তালিকা (২০১৫-২০২৫)

Viva-Voce-এ সবচেয়ে বেশি যে প্রশ্নগুলো আসে সেগুলো হলো:

Section 11 CPC (Res Judicata) - প্রতিবছর। Section 9 CPC (Civil Court Jurisdiction) - প্রতিবছর। Section 164 CrPC (Confession) - প্রতিবছর। Section 25 Evidence Act (Police Confession) - প্রতিবছর। Section 10 SRA (Specific Performance কখন) - প্রায় প্রতিবছর। Professional Ethics-এর Misconduct - প্রতিবছর। MFLO Section 7 (Talaq) - প্রায় প্রতিবছর। Section 300 Penal Code (Murder)-এর ব্যতিক্রম - প্রায় প্রতিবছর।

### অধ্যায় ১১: ২০২৬ সালের পরীক্ষার সম্পূর্ণ Prediction Set





## বিশ্লেষণের ভিত্তি

২০২৬ সালের পরীক্ষার Prediction করতে হলে দুটো বিষয় দেখতে হবে। প্রথমত ২০২৫ সালের পরীক্ষায় কী এসেছে। দ্বিতীয়ত সাম্প্রতিক আন্তর্জাতিক এবং জাতীয় ঘটনাগুলো কোন আইনি বিষয়কে Relevant করে তুলছে।

২০২৫ সালের এপ্রিল মাসে যে MCQ পরীক্ষা হয়েছে সেখানে ৪০,৬২৭ জন পরীক্ষার্থী বসেছেন। এতে মূলত Core Subjects থেকে প্রশ্ন এসেছে কিন্তু Pattern বিশ্লেষণে দেখা যাচ্ছে নতুন বিষয়গুলো ধীরে ধীরে ঢুকছে।

### CPC থেকে ২০২৬-এর Prediction

নিচের বিষয়গুলো থেকে ২০২৬ সালে প্রশ্ন আসার সম্ভাবনা বেশি:

প্রথম: Order 21 (Execution of Decree)-এর বিস্তারিত। বিশেষত কীভাবে ডিক্রি কার্যকর হয় এবং কতদিনের মধ্যে।

দ্বিতীয়: Section 89 CPC (ADR)-এর ব্যবহার। বাংলাদেশে ADR ক্রমশ জনপ্রিয় হচ্ছে।

তৃতীয়: Order 22 (Death of Party)-এর নিয়ম। বিশেষত ৯০ দিনের নিয়ম।

চতুর্থ: Section 115 CPC (Revision)-এর প্রয়োগ।

পঞ্চম: Section 144 CPC (Restitution)-এর নিয়ম।

### CrPC থেকে ২০২৬-এর Prediction

Section 167-এর Remand-এর সর্বোচ্চ সময়সীমা।

Section 436A CrPC (আধা-সময় পার হলে জামিন) এটা ২০২৫ সালে চর্চায় ছিল।

Section 265 CrPC (Charge Framing)-এর বিস্তারিত।

Section 374 এবং 378 (Appeal)-এর পার্থক্য।

### Penal Code থেকে ২০২৬-এর Prediction

Section 124A (Sedition)-এর ব্যবহার। ২০২৪-২০২৫ সালে বাংলাদেশে এই Section রাজনৈতিকভাবে আলোচিত।

Section 504 এবং 505 (Public Nuisance and Provocation) থেকে প্রশ্ন আসতে পারে।



Section 376 (Rape-এর শাস্তি) বিশেষত ২০২০ সালে সংশোধনের পরে শাস্তি বৃদ্ধির বিষয়।

### **Evidence Act থেকে ২০২৬-এর Prediction**

Digital Evidence সম্পর্কিত প্রশ্ন। Section 65B এবং Cyber Security Act 2023-এর সংযোগ।

Section 45A (Expert Evidence on Electronic Records) যদি Bangladesh-এ প্রযোজ্য।

Section 32 (Dying Declaration)-এর বিস্তারিত। বিশেষত কত সাক্ষীর সামনে দিতে হয়।

### **SRA থেকে ২০২৬-এর Prediction**

Section 21 SRA (Compensation)-এর প্রয়োগ।

Section 34 (Declaratory Decree)-এর সময়সীমা।

Section 41 (Injunction দেওয়া যায় না)-এর তালিকা সম্পূর্ণভাবে মনে রাখা।

### **TP Act থেকে ২০২৬-এর Prediction**

TP Act থেকে ২০২৬ সালে নতুন প্রশ্ন আসার সম্ভাবনা আছে।

Section 58 (Mortgage)-এর ৬ প্রকারের পার্থক্য।

Section 106 (Lease Termination)-এর সময়সীমা।

Section 122-126 (Gift)-এর বিস্তারিত।

---

## **অধ্যায় ১২: বিগত বছরের সম্পূর্ণ প্রশ্ন বিশ্লেষণ (২০১৫-২০২৫)**

### **CPC-র বিগত প্রশ্ন প্যাটার্ন**

২০১৫ সাল: Section 9, Section 20, Section 96 থেকে প্রশ্ন। ২০১৬ সাল: Section 11, Order 39, Order 9 Rule 6 থেকে প্রশ্ন। ২০১৭ সাল: Section 9, 11, 20, Order 7, Order 9 থেকে প্রশ্ন। ২০১৮ সাল: Section 10, 11, 47, 51, Order 8 থেকে প্রশ্ন। ২০১৯ সাল: Section 9, 11, 20, Order 39 (PBI ফর্মুলা) থেকে প্রশ্ন। ২০২১ সাল: Section 11, 20, Order 22, Order 40 থেকে প্রশ্ন। ২০২৩ সাল: Section 89 (ADR), Order 39, Section 96 থেকে প্রশ্ন। ২০২৫ সাল: Section 11, Order 21 (Execution), Section 89 থেকে প্রশ্ন।



## CrPC-র বিগত প্রশ্ন প্যাটার্ন

২০১৫ সাল: Section 54, Section 167, Section 190 থেকে প্রশ্ন। ২০১৬ সাল: Section 144, Section 164, Section 496 থেকে প্রশ্ন। ২০১৭ সাল: Section 154 (FIR), Section 167, Section 497 থেকে প্রশ্ন। ২০১৮ সাল: Section 164, Section 174, Section 190 থেকে প্রশ্ন। ২০১৯ সাল: Section 167, Section 190, Section 374 থেকে প্রশ্ন। ২০২১ সাল: Section 164, Section 342, Section 401 থেকে প্রশ্ন। ২০২৩ সাল: Section 54, Section 167, Section 374 থেকে প্রশ্ন। ২০২৫ সাল: Section 164, Section 190, Section 401 থেকে প্রশ্ন।

## Penal Code-এর বিগত প্রশ্ন প্যাটার্ন

২০১৫ সাল: Section 34, Section 300, Section 302 থেকে প্রশ্ন। ২০১৬ সাল: Section 84, Section 96-106, Section 378 থেকে প্রশ্ন। ২০১৭ সাল: Section 34, Section 149, Section 375 থেকে প্রশ্ন। ২০১৮ সাল: Section 82-84, Section 300, Section 420 থেকে প্রশ্ন। ২০১৯ সাল: Section 107, Section 300-302, Section 405 থেকে প্রশ্ন। ২০২১ সাল: Section 34 vs 149, Section 300 (GPPSC), Section 391 থেকে প্রশ্ন। ২০২৩ সাল: Section 96-100, Section 299-302, Section 420 থেকে প্রশ্ন। ২০২৫ সাল: Section 107, Section 300, Section 124A থেকে প্রশ্ন।

## Evidence Act-এর বিগত প্রশ্ন প্যাটার্ন

২০১৫ সাল: Section 3, Section 25, Section 101 থেকে প্রশ্ন। ২০১৬ সাল: Section 24, Section 27, Section 45 থেকে প্রশ্ন। ২০১৭ সাল: Section 25, Section 90, Section 101 থেকে প্রশ্ন। ২০১৮ সাল: Section 24-27, Section 108 থেকে প্রশ্ন। ২০১৯ সাল: Section 25, Section 32, Section 101 থেকে প্রশ্ন। ২০২১ সাল: Section 27, Section 45, Section 112 থেকে প্রশ্ন। ২০২৩ সাল: Section 25, Section 45, Section 115 থেকে প্রশ্ন। ২০২৫ সাল: Section 24-27, Section 101, Section 115 থেকে প্রশ্ন।

## অধ্যায় ১৩: সম্পূর্ণ Mock MCQ Test - Part 2 (১০০ প্রশ্ন)

এই Mock Test-টি ২০২৬ সালের পরীক্ষার Pattern অনুযায়ী তৈরি করা হয়েছে।

## CPC অংশ (২০ প্রশ্ন)

প্রশ্ন ১ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): CPC Section 89-এ ADR-এর কয়টি পদ্ধতির কথা বলা আছে? ক) ২টি খ) ৩টি গ) ৪টি ঘ) ৫টি

উত্তর: গ) ৪টি। ACJM ফর্মুলা: Arbitration, Conciliation, Judicial Settlement, Mediation।



প্রশ্ন ২ (২০২১ সালে আসা বিষয়): Order 22 Rule 3 CPC অনুযায়ী মামলার মাঝে বাদী মারা গেলে কত দিনের মধ্যে Legal Representative-কে পক্ষ করতে হবে? ক) ৩০ দিন খ) ৬০ দিন গ) ৯০ দিন ঘ) ১২০ দিন

উত্তর: গ) ৯০ দিন।

প্রশ্ন ৩ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): CPC Section 47-এ কোন আদালত Execution-সংক্রান্ত প্রশ্ন নির্ধারণ করে? ক) High Court Division খ) District Court গ) Executing Court ঘ) Supreme Court

উত্তর: গ) Executing Court।

প্রশ্ন ৪ (নতুন, ২০২৬ Prediction): CPC Section 115-এর Revision কোন আদালত করে? ক) Appellate Court খ) High Court Division গ) District Court ঘ) Subordinate Court

উত্তর: খ) High Court Division।

প্রশ্ন ৫ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Order 39 CPC-তে Temporary Injunction-এর তিনটি শর্ত কী কী? ক) PBI খ) ABC গ) RBA ঘ) ACJM

উত্তর: ক) PBI। P = Prima Facie Case, B = Balance of Convenience, I = Irreparable Injury।

প্রশ্ন ৬ (২০১৭ সালে আসা বিষয়): CPC Order 9 Rule 13 অনুযায়ী কোন পরিস্থিতিতে Ex Parte Decree বাতিল করা যায়? ক) বিবাদী চাইলেই খ) বিবাদী প্রমাণ করলে সে যথাযথ কারণে আসতে পারেনি অথবা সমন পায়নি গ) বাদী চাইলে ঘ) আদালত চাইলে

উত্তর: খ) বিবাদী প্রমাণ করলে সে যথাযথ কারণে আসতে পারেনি অথবা সমন পায়নি।

প্রশ্ন ৭ (২০২১ সালে আসা বিষয়): CPC Section 100 অনুযায়ী Second Appeal শুধু কোন আদালতে হয়? ক) District Court খ) High Court Division গ) Appellate Division ঘ) Session Court

উত্তর: খ) High Court Division।

প্রশ্ন ৮ (নতুন, ২০২৬ Prediction): Order 40 CPC-তে Receiver-এর নিয়োগ কখন করা হয়? ক) বাদী চাইলেই খ) যখন মামলার বিষয় সম্পত্তি নষ্ট হওয়ার আশঙ্কা থাকে গ) সব মামলায় ঘ) শুধু Mortgage মামলায়

উত্তর: খ) যখন মামলার বিষয় সম্পত্তি নষ্ট হওয়ার আশঙ্কা থাকে।

প্রশ্ন ৯ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): CPC Section 11-এ Res Judicata-র শর্তের সংখ্যা কত? ক) ২টি খ) ৩টি গ) ৪টি ঘ) ৫টি

উত্তর: গ) ৪টি (বা ৫টি, কিন্তু মূলত ৪টি মনে রাখো)।



প্রশ্ন ১০ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): CPC Order 8 Rule 1 অনুযায়ী Written Statement দেওয়ার সাধারণ সময়সীমা কত দিন? ক) ১৫ দিন খ) ২১ দিন গ) ৩০ দিন ঘ) ৬০ দিন

উত্তর: গ) ৩০ দিন।

প্রশ্ন ১১ (২০১৫ সালে আসা বিষয়): CPC Section 9-এ "Suit of Civil Nature"-এ ধর্মীয় বিষয় থাকলে কী হয়? ক) মামলা হয় না খ) শুধু সম্পত্তি সংক্রান্ত হলে মামলা হয় গ) সব ধর্মীয় মামলা চলে ঘ) কোনোটিই না

উত্তর: খ) শুধু সম্পত্তি বা নাগরিক অধিকার সংক্রান্ত হলে মামলা হয়।

প্রশ্ন ১২ (২০১৮ সালে আসা বিষয়): CPC Section 24 অনুযায়ী কে মামলা Transfer করতে পারেন? ক) শুধু High Court Division খ) High Court Division এবং District Judge উভয়েই গ) শুধু Supreme Court ঘ) শুধু Chief Justice

উত্তর: খ) High Court Division এবং District Judge উভয়েই।

প্রশ্ন ১৩ (নতুন, ২০২৬ Prediction): CPC Section 144 (Restitution)-এ কোন ক্ষেত্রে আদেশ দেওয়া হয়? ক) ডিক্রি দিতে খ) Appeal-এ রায় Reverse হলে আগের অবস্থা ফেরত দিতে গ) Injunction দিতে ঘ) Receiver নিয়োগ দিতে

উত্তর: খ) Appeal-এ রায় Reverse হলে আগের অবস্থা ফেরত দিতে।

প্রশ্ন ১৪ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): CPC Section 35-এ "Costs follow the event" মানে কী? ক) খরচ সবসময় বাদী দেয় খ) যে হারে সে খরচ দেয় গ) খরচ সবসময় বিবাদী দেয় ঘ) খরচ নেই

উত্তর: খ) সাধারণত যে হারে সে খরচ দেয়।

প্রশ্ন ১৫ (২০২১ সালে আসা বিষয়): Order 1 Rule 10 CPC কী? ক) মামলায় নতুন পক্ষ যোগ বা বাদ দেওয়ার ক্ষমতা খ) মামলা দায়েরের পদ্ধতি গ) আপিলের নিয়ম ঘ) ডিক্রির সংজ্ঞা

উত্তর: ক) মামলায় নতুন পক্ষ যোগ বা বাদ দেওয়ার ক্ষমতা।

প্রশ্ন ১৬ (নতুন, ২০২৬ Prediction): CPC Section 20 (Jurisdiction)-এ "RBA" ফর্মুলায় "B" কী বোঝায়? ক) Burden খ) Benefit গ) Business (বিবাদীর ব্যবসার জায়গা) ঘ) Bailable

উত্তর: গ) Business।

প্রশ্ন ১৭ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): CPC Section 96 অনুযায়ী Consent Decree-র বিরুদ্ধে কি আপিল চলে? ক) হ্যাঁ খ) না গ) শুধু High Court-এ ঘ) শুধু Supreme Court-এ



উত্তর: খ) না।

প্রশ্ন ১৮ (২০১৭ সালে আসা বিষয়): Order 7 CPC-এ Plaint-এ কোন বিষয়টি অবশ্যই থাকতে হবে? ক) শুধু বাদীর নাম খ) শুধু বিবাদীর নাম গ) মামলার কারণ কখন উদ্ভব হয়েছে ঘ) শুধু আদালতের নাম

উত্তর: গ) মামলার কারণ কখন উদ্ভব হয়েছে (Order 7-এ সব বিষয়ই লাগে, তবে এই প্রশ্নে মূল বিষয় হলো গ)।

প্রশ্ন ১৯ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): CPC Section 51-এ Execution-এর "ASDRO" ফর্মুলায় "D" কী? ক) Damages খ) Delivery (জমি বুঝিয়ে দেওয়া) গ) Detention ঘ) Decree

উত্তর: খ) Delivery।

প্রশ্ন ২০ (নতুন, ২০২৬ Prediction): CPC Order 23 (Withdrawal) অনুযায়ী মামলা প্রত্যাহার করলে একই মামলা আবার করা যাবে কি? ক) হ্যাঁ, যেকোনো সময় খ) না, কখনো নয় গ) Leave of Court নিলে করা যায় ঘ) শুধু Limitation Period-এর মধ্যে

উত্তর: গ) Leave of Court নিলে করা যায়।

### SRA অংশ (১০ প্রশ্ন)

প্রশ্ন ২১ (২০১৭ সালে আসা বিষয়): SRA Section 10 অনুযায়ী Specific Performance কখন দেওয়া হয়? ক) সব চুক্তিতে খ) যখন টাকায় পর্যাপ্ত ক্ষতিপূরণ সম্ভব নয় গ) শুধু জমির মামলায় ঘ) আদালত চাইলে

উত্তর: খ) যখন টাকায় পর্যাপ্ত ক্ষতিপূরণ সম্ভব নয়।

প্রশ্ন ২২ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): SRA Section 14 অনুযায়ী Specific Performance দেওয়া যায় না কোন ক্ষেত্রে? ক) সম্পত্তি বিক্রির চুক্তিতে খ) Personal Service Contract-এ গ) জমির Lease-এ ঘ) Mortgage-এ

উত্তর: খ) Personal Service Contract-এ।

প্রশ্ন ২৩ (২০২১ সালে আসা বিষয়): SRA Section 34 অনুযায়ী Declaratory Decree কখন দেওয়া হয়? ক) সম্পত্তি ফেরত দিতে খ) অধিকার ঘোষণা করতে গ) শুধু সরকারের বিরুদ্ধে ঘ) সব মামলায়

উত্তর: খ) অধিকার ঘোষণা করতে।

প্রশ্ন ২৪ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): SRA Section 38 এবং Section 39-এর পার্থক্য কী? ক) ৩৮ = Temporary Injunction, ৩৯ = Permanent Injunction খ) ৩৮ = Perpetual Injunction, ৩৯ = Mandatory Injunction গ) ৩৮ = Mandatory, ৩৯ = Perpetual ঘ) দুটোই একই

উত্তর: খ) Section 38 = Perpetual (স্থায়ী) Injunction, Section 39 = Mandatory Injunction।



প্রশ্ন ২৫ (নতুন, ২০২৬ Prediction): SRA Section 41-এ Injunction দেওয়া যায় না কোন ক্ষেত্রে? ক) Contract breach-এ থ) Criminal Proceedings বন্ধ করতে গ) Nuisance বন্ধ করতে ঘ) সম্পত্তি রক্ষায়

উত্তর: থ) Criminal Proceedings বন্ধ করতে।

প্রশ্ন ২৬ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): SRA Section 9-এ ৬ মাসের মধ্যে মামলা না করলে কী হয়? ক) Limitation শেষ হলে মামলা চলে না থ) Section 9 প্রযোজ্য নয় এবং Section 8-এ মামলা করতে হবে গ) High Court-এ যেতে হবে ঘ) Criminal মামলা করতে হবে

উত্তর: থ) Section 9 প্রযোজ্য নয়, Section 8-এ মামলা করতে হবে।

প্রশ্ন ২৭ (২০২১ সালে আসা বিষয়): SRA Section 20-এ Specific Performance কোন বিষয়? ক) বাধ্যতামূলক অধিকার থ) আদালতের বিবেচনার উপর নির্ভরশীল গ) সব চুক্তিতে দেওয়া হয় ঘ) শুধু লিখিত চুক্তিতে

উত্তর: থ) আদালতের বিবেচনার উপর নির্ভরশীল।

প্রশ্ন ২৮ (২০১৫ সালে আসা বিষয়): SRA Section 21 কী? ক) Specific Performance বাধ্যতামূলক থ) Specific Performance-এর পরিবর্তে বা সাথে Compensation দেওয়া যায় গ) Injunction দেওয়া হয় ঘ) Declaratory Decree দেওয়া হয়

উত্তর: থ) Specific Performance-এর পরিবর্তে বা সাথে Compensation দেওয়া যায়।

প্রশ্ন ২৯ (নতুন, ২০২৬ Prediction): SRA Section 8-এ কী আলোচিত? ক) Injunction থ) Specific Performance গ) Recovery of Specific Movable Property ঘ) Declaratory Decree

উত্তর: গ) Recovery of Specific Movable Property (নির্দিষ্ট অস্থাবর সম্পত্তি পুনরুদ্ধার)।

প্রশ্ন ৩০ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): Perpetual Injunction (SRA Section 38) এবং Temporary Injunction (CPC Order 39)-এর পার্থক্য কী? ক) কোনো পার্থক্য নেই থ) Perpetual Injunction = মামলার শেষে স্থায়ী আদেশ, Temporary = মামলা চলাকালীন সাময়িক গ) Perpetual = CPC-তে, Temporary = SRA-তে ঘ) উভয়ই SRA-তে

উত্তর: থ) Perpetual Injunction মামলার শেষে স্থায়ী আদেশ, Temporary মামলা চলাকালীন সাময়িক।

## CrPC অংশ (২০ প্রশ্ন)

প্রশ্ন ৩১ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 167-এ Police Custody-তে সর্বোচ্চ কত দিন Remand দেওয়া যায়? ক) ৭ দিন থ) ১৫ দিন গ) ৩০ দিন ঘ) ৬০ দিন





উত্তর: খ) ১৫ দিন।

প্রশ্ন ৩২ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 190-এ Cognizance নেওয়া হয় PCC ফর্মুলায়। "C"-তে "Court's Own Knowledge" মানে কী? ক) আদালত নিজে অপরাধ দেখলে খ) পুলিশের রিপোর্ট গ) Complaint ঘ) Confession

উত্তর: ক) আদালত নিজে অপরাধ দেখলে বা জানলে।

প্রশ্ন ৩৩ (২০২১ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 401-এ Revision কে করেন? ক) Trial Court খ) High Court Division গ) Sessions Court বা High Court Division ঘ) Supreme Court

উত্তর: গ) Sessions Court বা High Court Division।

প্রশ্ন ৩৪ (২০১৭ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 154-এ FIR-এর পুরো নাম কী? ক) First Information Report খ) Final Investigation Report গ) Formal Inquiry Report ঘ) Forensic Investigation Result

উত্তর: ক) First Information Report।

প্রশ্ন ৩৫ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 496-এ Bailable Offence-এ জামিন দেওয়া হয় কখন? ক) বিচারকের বিবেচনায় খ) অধিকার হিসেবে গ) শুধু ৬ মাসের কম সাজায় ঘ) কখনো না

উত্তর: খ) অধিকার হিসেবে।

প্রশ্ন ৩৬ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 497-এ Non-Bailable Offence-এ WIC ফর্মুলায় "I" কী? ক) Insane (পাগল) খ) Ill (অসুস্থ) গ) Innocent ঘ) Incomplete Charge

উত্তর: খ) Ill (অসুস্থ ব্যক্তি)।

প্রশ্ন ৩৭ (২০২১ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 164-এ Confession-এর IWRV ফর্মুলায় "W" কী? ক) Written খ) Warning (সতর্ক করা) গ) Witness ঘ) Warrant

উত্তর: খ) Warning অর্থাৎ ম্যাজিস্ট্রেট অভিযুক্তকে সতর্ক করবেন।

প্রশ্ন ৩৮ (২০১৮ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 54-এ Cognizable Offence-এ Warrant ছাড়া গ্রেফতার করা যায় কি? ক) না খ) হ্যাঁ গ) শুধু রাতে ঘ) শুধু পুলিশ অফিসার পারেন না, শুধু Magistrate পারেন

উত্তর: খ) হ্যাঁ।

প্রশ্ন ৩৯ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 61-এ গ্রেফতার করার পর কত ঘণ্টার মধ্যে Magistrate-এর সামনে হাজির করতে হবে? ক) ১২ ঘণ্টা খ) ২৪ ঘণ্টা গ) ৪৮ ঘণ্টা ঘ) ৭২ ঘণ্টা





উত্তর: খ) ২৪ ঘণ্টা।

প্রশ্ন ৪০ (নতুন, ২০২৬ Prediction): CrPC Section 436A কোন বিষয়? ক) পুলিশের ক্ষমতা খ) অভিযুক্ত অর্ধেক সময় কারাগারে থাকলে জামিন পাওয়ার অধিকার গ) Bail Cancellation ঘ) Remand-এর নিয়ম

উত্তর: খ) অভিযুক্ত অর্ধেক সময় কারাগারে থাকলে জামিন পাওয়ার অধিকার।

প্রশ্ন ৪১ (২০১৭ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 174-এ Inquest কী? ক) মামলার আপিল খ) সন্দেহজনক মৃত্যুতে তদন্ত গ) জামিনের শুনানি ঘ) Confession নেওয়া

উত্তর: খ) সন্দেহজনক মৃত্যুতে পুলিশের তদন্ত।

প্রশ্ন ৪২ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 342 অনুযায়ী বিচারক অভিযুক্তকে প্রশ্ন করলে সে কি উত্তর দিতে বাধ্য? ক) হ্যাঁ খ) না, সে চুপ থাকতে পারে গ) শুধু Simple প্রশ্নে ঘ) আইনজীবীর সাথে পরামর্শ করে

উত্তর: খ) না, সে চুপ থাকতে পারে।

প্রশ্ন ৪৩ (২০২১ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 374-এ কোন বিষয়? ক) Bail গ্রহণ খ) Session Court-এর মৃত্যুদণ্ড High Court-এর Confirmation লাগে গ) Police Report ঘ) Warrant ছাড়া গ্রেফতার

উত্তর: খ) Session Court-এর মৃত্যুদণ্ড High Court-এর Confirmation লাগে।

প্রশ্ন ৪৪ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 107 কী? ক) Cognizance খ) Peace Bond (শান্তি রক্ষার মুচলেকা) গ) Arrest ঘ) Search

উত্তর: খ) Peace Bond।

প্রশ্ন ৪৫ (নতুন, ২০২৬ Prediction): CrPC Section 144-এ জরুরি আদেশের সময়সীমা কত দিন? ক) ১৫ দিন খ) ৩০ দিন গ) ৬০ দিন ঘ) ৯০ দিন

উত্তর: গ) ৬০ দিন।

প্রশ্ন ৪৬ (২০১৫ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 173-এ Police Report কার কাছে পাঠানো হয়? ক) High Court খ) Magistrate গ) Sessions Court ঘ) Supreme Court

উত্তর: খ) Magistrate।

প্রশ্ন ৪৭ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 200-এ Complaint Case কোন পদ্ধতিতে শুরু হয়? ক) Police Report দিয়ে খ) FIR দিয়ে গ) Complainant-এর সরাসরি Magistrate-এর কাছে অভিযোগ দিয়ে ঘ) Warrant দিয়ে



উত্তর: গ) Complainant-এর সরাসরি Magistrate-এর কাছে অভিযোগ দিয়ে।

প্রশ্ন ৪৮ (নতুন, ২০২৬ Prediction): CrPC Section 265 (Charge Framing)-এ কোন বিষয় উল্লেখ থাকে?  
NTPP ফর্মুলায় "N" কী? ক) Notice খ) Name of Offence গ) Number ঘ) Normal Procedure

উত্তর: খ) Name of Offence।

প্রশ্ন ৪৯ (২০২১ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 374-এ High Court-এর Confirmation ছাড়া কি Session Court-এর মৃত্যুদণ্ড কার্যকর করা যায়? ক) হ্যাঁ খ) না গ) ৩০ দিন পরে যায় ঘ) শুধু জরুরি পরিস্থিতিতে

উত্তর: খ) না।

প্রশ্ন ৫০ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): FIR-এর মামলায় First Class Magistrate কি Cognizance নিতে পারেন?  
ক) না খ) হ্যাঁ, Section 190 (b) অনুযায়ী গ) শুধু Sessions Judge পারেন ঘ) শুধু High Court পারেন

উত্তর: খ) হ্যাঁ।

### Penal Code অংশ (২০ প্রশ্ন)

প্রশ্ন ৫১ (২০২৫ সালে আসা বিষয়): Section 124A Penal Code-এ Sedition-এর শাস্তি কত? ক) ৩ বছর খ) ৭ বছর গ) যাবজ্জীবন পর্যন্ত ঘ) মৃত্যুদণ্ড

উত্তর: গ) যাবজ্জীবন পর্যন্ত।

প্রশ্ন ৫২ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): Section 34 Penal Code-এ Common Intention-এর জন্য কতজন লাগে?  
ক) ১ জন খ) ২ বা তার বেশি গ) ৩ বা তার বেশি ঘ) ৫ বা তার বেশি

উত্তর: খ) ২ বা তার বেশি।

প্রশ্ন ৫৩ (২০২১ সালে আসা বিষয়): Section 149 Penal Code-এ Common Object-এর জন্য Unlawful Assembly-তে কতজন লাগে? ক) ২ জন খ) ৩ জন গ) ৫ বা তার বেশি ঘ) ৭ বা তার বেশি

উত্তর: গ) ৫ বা তার বেশি।

প্রশ্ন ৫৪ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Section 300 Penal Code-এ Murder-এর GPPSC ফর্মুলায় "P" (প্রথম) কী? ক) Public Provocation খ) Grave and Sudden Provocation গ) Personal Attack ঘ) Premeditated Plan

উত্তর: খ) Grave and Sudden Provocation।



প্রশ্ন ৫৫ (২০১৭ সালে আসা বিষয়): Section 302 Penal Code-এ Murder-এর শাস্তি কী? ক) ৭ বছর খ) ১০ বছর গ) যাবজ্জীবন ঘ) মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন

উত্তর: ঘ) মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন।

প্রশ্ন ৫৬ (২০১৮ সালে আসা বিষয়): Section 84 Penal Code-এ কোন ব্যক্তি দায়মুক্ত? ক) শিশু খ) মাতাল গ) উন্মাদ (Insane) ঘ) বৃদ্ধ

উত্তর: গ) উন্মাদ।

প্রশ্ন ৫৭ (২০২১ সালে আসা বিষয়): Section 107 Penal Code-এ Abetment-এর ICC ফর্মুলায় "C" (দ্বিতীয়) কী? ক) Command খ) Conspiracy গ) Conduct ঘ) Correction

উত্তর: খ) Conspiracy।

প্রশ্ন ৫৮ (নতুন, ২০২৬ Prediction): Section 376 Penal Code (Bangladesh)-এ ২০২০ সালে সংশোধনে Rape-এর শাস্তি কত করা হয়েছে? ক) ১০ বছর খ) যাবজ্জীবন গ) মৃত্যুদণ্ড পর্যন্ত ঘ) ৫ বছর

উত্তর: গ) মৃত্যুদণ্ড পর্যন্ত।

প্রশ্ন ৫৯ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Section 391 Penal Code-এ Dacoity-র সংজ্ঞায় কতজন লাগে? ক) ৩ জন খ) ৪ জন গ) ৫ বা তার বেশি ঘ) ৭ বা তার বেশি

উত্তর: গ) ৫ বা তার বেশি।

প্রশ্ন ৬০ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): Section 378 Penal Code-এ Theft-এর DOMCM ফর্মুলায় "O" কী? ক) Owner-এর Consent ছাড়া খ) Objective গ) Object ঘ) Open Theft

উত্তর: ক) Owner-এর Consent ছাড়া।

প্রশ্ন ৬১ (২০২১ সালে আসা বিষয়): Section 405 Penal Code-এ Criminal Breach of Trust-এর শাস্তি কত? ক) ৩ বছর খ) ৫ বছর গ) ৭ বছর ঘ) ১০ বছর

উত্তর: গ) ৭ বছর।

প্রশ্ন ৬২ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Section 420 Penal Code-এ Cheating-এর শাস্তি কত? ক) ৩ বছর খ) ৫ বছর গ) ৭ বছর ঘ) ১০ বছর

উত্তর: গ) ৭ বছর।



প্রশ্ন ৬৩ (নতুন, ২০২৬ Prediction): Section 120A Penal Code-এ Criminal Conspiracy-র শাস্তি কী? ক) সাধারণত ৬ মাস থ) মূল অপরাধের শাস্তির মতোই গ) সবসময় মৃত্যুদণ্ড ঘ) শুধু জরিমানা

উত্তর: থ) মূল অপরাধের শাস্তির মতোই।

প্রশ্ন ৬৪ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): Section 82 Penal Code-এ কত বছরের নিচে শিশু দায়মুক্ত? ক) ৭ বছর থ) ৯ বছর গ) ১২ বছর ঘ) ১৬ বছর

উত্তর: থ) ৯ বছর।

প্রশ্ন ৬৫ (২০২১ সালে আসা বিষয়): Section 100 Penal Code-এ MARRAKA ফর্মুলায় "K" কী অপরাধে হত্যা করা যায়? ক) Kidnapping থ) Killing গ) Keeping Hostage ঘ) Kicking

উত্তর: ক) Kidnapping।

প্রশ্ন ৬৬ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Section 489A Penal Code-এ কোন অপরাধ? ক) Theft থ) Cheating গ) Counterfeiting Currency ঘ) Forgery

উত্তর: গ) Counterfeiting Currency।

প্রশ্ন ৬৭ (২০১৭ সালে আসা বিষয়): Section 299 এবং Section 300-এর পার্থক্য কী? ক) কোনো পার্থক্য নেই থ) Section 299 = Culpable Homicide, Section 300 = Murder গ) Section 299 = Murder, Section 300 = Culpable Homicide ঘ) উভয়ই একই শাস্তি

উত্তর: থ) Section 299 = Culpable Homicide, Section 300 = Murder।

প্রশ্ন ৬৮ (নতুন, ২০২৬ Prediction): Section 504 Penal Code-এ কোন অপরাধ? ক) Public Nuisance থ) Intentional Insult (ইচ্ছাকৃত অপমান) গ) Sedition ঘ) Defamation

উত্তর: থ) Intentional Insult।

প্রশ্ন ৬৯ (২০১৮ সালে আসা বিষয়): Section 320 Penal Code-এ Grievous Hurt-এর কয়টি ধরন আছে? ক) ৫টি থ) ৬টি গ) ৭টি ঘ) ৮টি

উত্তর: ঘ) ৮টি।

প্রশ্ন ৭০ (২০২৫ সালে আসা বিষয়): Section 83 Penal Code-এ ৯ থেকে ১২ বছরের শিশু কখন দায়মুক্ত? ক) সবসময় থ) যখন অপরাধের প্রকৃতি বুঝতে পারেনি (Immature Understanding) গ) কখনো নয় ঘ) শুধু গুরুতর অপরাধে



উত্তর: খ) যখন অপরাধের প্রকৃতি বুঝতে পারেনি।

### Evidence Act অংশ (১৫ প্রশ্ন)

প্রশ্ন ৭১ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Section 3 Evidence Act-এ "Disproved" মানে কী? ক) বিষয়টি সত্য প্রমাণিত হয়েছে খ) বিষয়টি মিথ্যা প্রমাণিত হয়েছে গ) বিষয়টি অনিশ্চিত ঘ) বিষয়টি আদালতে উপস্থাপিত হয়নি

উত্তর: খ) বিষয়টি মিথ্যা প্রমাণিত হয়েছে।

প্রশ্ন ৭২ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): Section 6 Evidence Act-এ Res Gestae মানে কী? ক) সাক্ষীর মতামত খ) ঘটনার অংশ হিসেবে করা কথা বা কাজ যা সাক্ষ্য হিসেবে গ্রহণযোগ্য গ) Hearsay Evidence ঘ) Expert Opinion

উত্তর: খ) ঘটনার অংশ হিসেবে করা কথা বা কাজ।

প্রশ্ন ৭৩ (২০২৫ সালে আসা বিষয়): Section 24 Evidence Act-এ ITP ফর্মুলায় "T" কী? ক) Time খ) Threat (ভয় দেখানো) গ) Truth ঘ) Trial

উত্তর: খ) Threat।

প্রশ্ন ৭৪ (২০২১ সালে আসা বিষয়): Section 26 Evidence Act-এ Police Custody-তে Confession কখন গ্রহণযোগ্য? ক) কখনো না খ) শুধু ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে গ) সবসময় ঘ) শুধু Written হলে

উত্তর: খ) শুধু ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে।

প্রশ্ন ৭৫ (নতুন, ২০২৬ Prediction): Digital Evidence কোন Section-এর অধীনে? ক) Section 45 খ) Section 65B গ) Section 62 ঘ) Section 32

উত্তর: খ) Section 65B।

প্রশ্ন ৭৬ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): Section 32(1) Evidence Act-এ Dying Declaration গ্রহণযোগ্যতার জন্য কি Deponent-এর মৃত্যু আবশ্যিক? ক) না, মৃত্যু না হলেও চলে খ) হ্যাঁ, Section 32(1)-এর অধীনে বিবৃতির সময় মৃত্যুর প্রত্যাশায় ছিলেন এবং পরে মারা গেছেন গ) শুধু পুলিশের সামনে ঘ) শুধু ম্যাজিস্ট্রেটের সামনে

উত্তর: খ) মৃত্যুর প্রত্যাশায় বিবৃতি এবং পরে মৃত্যু।

প্রশ্ন ৭৭ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Section 63 Evidence Act-এ Secondary Evidence-এর ODMAL ফর্মুলায় "D" কী? ক) Document খ) Duplicate Copy গ) Deposition ঘ) Draft



উত্তর: খ) Duplicate Copy।

প্রশ্ন ৭৮ (২০২১ সালে আসা বিষয়): Section 91 Evidence Act-এ Parole Evidence Rule কী বলে? ক) মৌখিক চুক্তি সব সময় বৈধ খ) লিখিত দলিলের বিষয়বস্তু পরিবর্তন করতে বাইরের সাক্ষ্য গ্রহণযোগ্য নয় গ) সব মৌখিক সাক্ষ্য গ্রহণযোগ্য ঘ) লিখিত দলিল সবসময় বৈধ

উত্তর: খ) লিখিত দলিলের বিষয়বস্তু পরিবর্তন করতে বাইরের মৌখিক সাক্ষ্য গ্রহণযোগ্য নয়।

প্রশ্ন ৭৯ (২০১৮ সালে আসা বিষয়): Section 108 Evidence Act-এ কত বছর নিখোঁজ থাকলে মৃত ধরা হয়? ক) ৫ বছর খ) ৭ বছর গ) ১০ বছর ঘ) ১২ বছর

উত্তর: খ) ৭ বছর।

প্রশ্ন ৮০ (নতুন, ২০২৬ Prediction): Section 8 Evidence Act-এ MPC ফর্মুলায় "M" কী? ক) Memory খ) Motive গ) Means ঘ) Method

উত্তর: খ) Motive।

প্রশ্ন ৮১ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Section 90 Evidence Act-এ Presumption of Genuineness কত বছরের পুরনো দলিলে? ক) ২০ বছর খ) ২৫ বছর গ) ৩০ বছর ঘ) ৪০ বছর

উত্তর: গ) ৩০ বছর।

প্রশ্ন ৮২ (২০২১ সালে আসা বিষয়): Section 112 Evidence Act-এ বৈবাহিক বৈধতার সময়সীমা কত? ক) ২৪০ দিন খ) ২৬০ দিন গ) ২৮০ দিন ঘ) ৩০০ দিন

উত্তর: গ) ২৮০ দিন।

প্রশ্ন ৮৩ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): Section 122 Evidence Act-এ Marital Privilege কখন প্রযোজ্য? ক) বিবাহের পরে সব সময় খ) বিবাহকালীন যোগাযোগ গোপন রাখতে গ) ভালাকের পর ঘ) সব সময়

উত্তর: খ) বিবাহকালীন যোগাযোগ গোপন রাখতে।

প্রশ্ন ৮৪ (২০২৫ সালে আসা বিষয়): Section 115 Evidence Act-এ Estoppel মানে কী? ক) আপিলের অধিকার খ) এমন অবস্থা যেখানে কেউ আগে বলা কথার বিরুদ্ধে যেতে পারে না গ) Contempt of Court ঘ) Bail অস্বীকার

উত্তর: খ) এমন অবস্থা যেখানে কেউ আগে বলা কথার বিরুদ্ধে যেতে পারে না।



প্রশ্ন ৮৫ (নতুন, ২০২৬ Prediction): Section 65B Evidence Act-এ Digital Evidence গ্রহণযোগ্যতার CACP ফর্মুলায় "A" কী? ক) Authorized User খ) Activities of computer গ) Amount of data ঘ) Admission

উত্তর: খ) Activities of computer (Computer নিয়মিত তার কার্যক্রমে ব্যবহৃত হত)।

### Professional Ethics অংশ (৫ প্রশ্ন)

প্রশ্ন ৮৬ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Bar Council Order 1972-এর Article 35-এ কোন বিষয়? ক) আইনজীবীর নিয়োগ খ) আইনজীবীর Professional Misconduct-এর শাস্তির বিধান গ) Bar Exam-এর নিয়ম ঘ) Appeals

উত্তর: খ) আইনজীবীর Professional Misconduct-এর শাস্তির বিধান।

প্রশ্ন ৮৭ (২০২৫ সালে আসা বিষয়): COPP ফর্মুলায় আইনজীবীর দায়িত্বে "O" কী? ক) Organization খ) Opponent (প্রতিপক্ষের প্রতি দায়িত্ব) গ) Official ঘ) Order

উত্তর: খ) Opponent।

প্রশ্ন ৮৮ (নতুন, ২০২৬ Prediction): Misconduct SAPDIT ফর্মুলায় "A" কী? ক) Assault খ) Advertising (নিজের ব্যবসা বিজ্ঞাপন দেওয়া) গ) Agreement ঘ) Appeal

উত্তর: খ) Advertising।

প্রশ্ন ৮৯ (২০২১ সালে আসা বিষয়): WCDSD ফর্মুলায় আইনজীবীর শাস্তিতে সবচেয়ে কঠোর কোনটি? ক) Warning খ) Censure গ) Suspension ঘ) Disbarment

উত্তর: ঘ) Disbarment।

প্রশ্ন ৯০ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Touting মানে কী? ক) আদালতে জোরে কথা বলা খ) মক্কেল সংগ্রহে মধ্যস্থতাকারী ব্যবহার গ) প্রতিপক্ষের সাথে কথা বলা ঘ) মামলা ফেলে দেওয়া

উত্তর: খ) মক্কেল সংগ্রহে মধ্যস্থতাকারী ব্যবহার।

### বিবিধ আইন (১০ প্রশ্ন)

প্রশ্ন ৯১ (নতুন, ২০২৬ Prediction): TP Act Section 54-এ Immovable Property-র Sale-এ ১০০ টাকার বেশি হলে কী বাধ্যতামূলক? ক) Notary খ) Registration গ) Witness ঘ) Stamp Duty

উত্তর: খ) Registration।



প্রশ্ন ৯২ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Registration Act Section 23-এ দলিল নিবন্ধনের সময়সীমা কত? ক) ১ মাস খ) ২ মাস গ) ৩ মাস ঘ) ৪ মাস

উত্তর: ঘ) ৪ মাস।

প্রশ্ন ৯৩ (২০২১ সালে আসা বিষয়): MFLO Section 7-এ তালাক কার্যকর হতে কত দিন লাগে? ক) ৩০ দিন খ) ৬০ দিন গ) ৯০ দিন ঘ) ১২০ দিন

উত্তর: গ) ৯০ দিন।

প্রশ্ন ৯৪ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): MFLO Section 4-এ কোন বিষয়? ক) তালাক খ) বহুবিবাহ গ) নিখোঁজ স্বামী ঘ) Orphaned Grandchildren-এর উত্তরাধিকার

উত্তর: ঘ) Orphaned Grandchildren-এর উত্তরাধিকার।

প্রশ্ন ৯৫ (নতুন, ২০২৬ Prediction): NI Act Section 138-এ Dishonoured Cheque-এর ক্ষেত্রে নোটিশ দেওয়ার সময়সীমা কত? ক) ৭ দিন খ) ১৫ দিন গ) ৩০ দিন ঘ) ৬০ দিন

উত্তর: খ) ১৫ দিন।

প্রশ্ন ৯৬ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): TP Act Section 58-এ Mortgage-এর কয়টি প্রকার আছে? ক) ৩টি খ) ৪টি গ) ৫টি ঘ) ৬টি

উত্তর: ঘ) ৬টি।

প্রশ্ন ৯৭ (নতুন, ২০২৬ Prediction): Contract Act Section 2(h)-এ Contract-এর সংজ্ঞায় কোন বিষয়টি আছে? ক) সব Agreement খ) আইন দ্বারা Enforceable Agreement গ) শুধু লিখিত Agreement ঘ) শুধু সম্পত্তির চুক্তি

উত্তর: খ) আইন দ্বারা Enforceable Agreement।

প্রশ্ন ৯৮ (২০২৫ সালে আসা বিষয়): TP Act Section 106-এ Residential Lease বাতিলে কত দিনের নোটিশ লাগে? ক) ৭ দিন খ) ১৫ দিন গ) ৩০ দিন ঘ) ৬০ দিন

উত্তর: খ) ১৫ দিন।

প্রশ্ন ৯৯ (নতুন, ২০২৬ Prediction): Contract Act Section 73-এ কী বিষয়? ক) Contract Formation খ) Compensation for Breach of Contract গ) Liquidated Damages ঘ) Specific Performance

উত্তর: খ) Compensation for Breach of Contract।





প্রশ্ন ১০০ (নতুন, ২০২৬ Prediction): Cyber Security Act 2023-এর আগে বাংলাদেশে কোন আইন ছিল? ক) Information Technology Act 2006 খ) Digital Security Act 2018 গ) Cyber Crime Act 2020 ঘ) Electronic Transaction Act 2015

উত্তর: খ) Digital Security Act 2018।

## অধ্যায় ১৪: Written পরীক্ষার উন্নত নমুনা প্রশ্ন ও উত্তর

### নমুনা প্রশ্ন ১: TP Act থেকে (২০২৩ Written Pattern)

"Mortgage-এর বিভিন্ন প্রকার বিশ্লেষণ করো এবং Simple Mortgage ও Usufructuary Mortgage-এর পার্থক্য দেখাও।"

উত্তর:

ভূমিকা: Transfer of Property Act, 1882-এর Section 58-এ ছয় ধরনের Mortgage-এর বিধান আছে। Mortgage হলো Immovable Property-তে অধিকার প্রদান ঋণের নিরাপত্তা হিসেবে।

Simple Mortgage (Section 58 b): Simple Mortgage-এ Mortgagor সম্পত্তির দখল নিজের কাছে রাখেন। তিনি শুধু এই প্রতিশ্রুতি দেন যে ঋণ পরিশোধ না করতে পারলে Mortgagee সম্পত্তি বিক্রি করতে পারবেন। Mortgagor সম্পত্তিতে বাস করতে পারেন এবং সম্পত্তি ব্যবহার করতে পারেন। এটা বাংলাদেশের ব্যাংকঋণের সবচেয়ে সাধারণ রূপ।

Usufructuary Mortgage (Section 58 d): এই Mortgage-এ Mortgagor সম্পত্তির দখল Mortgagee-কে দিয়ে দেন। Mortgagee সম্পত্তি থেকে ভাড়া বা আয় পাবেন এবং সেই আয় দিয়ে সুদ এবং আসল পরিশোধ হবে। সম্পূর্ণ পরিশোধ হলে সম্পত্তি ফেরত যাবে।

মূল পার্থক্য: Simple Mortgage-এ দখল Mortgagor-এর কাছে থাকে, Usufructuary-তে Mortgagee-র কাছে যায়। Simple Mortgage-এ ঋণ পরিশোধ না হলে সম্পত্তি বিক্রি হয়, Usufructuary-তে আয় দিয়ে পরিশোধ হয়। Simple Mortgage-এর বিক্রয়ের ক্ষমতা আদালতের মাধ্যমে, Usufructuary-তে সরাসরি আয় সংগ্রহ করা হয়।

উপসংহার: উভয় প্রকার Mortgage-এর নিজস্ব সুবিধা আছে। Simple Mortgage Mortgagor-এর জন্য সুবিধাজনক কারণ দখল থাকে। Usufructuary Mortgage Mortgagee-র জন্য নিরাপদ কারণ আয় সরাসরি পান।

### নমুনা প্রশ্ন ২: Contract Act থেকে (২০২৫ Written Pattern)



"Free Consent কী এবং কোন কারণে Consent Free থাকে না? CUFMM ফর্মুলার আলোকে আলোচনা করো।"

উত্তর:

ভূমিকা: Contract Act, 1872-এর Section 14-এ Free Consent-এর সংজ্ঞা দেওয়া আছে। Section 13 অনুযায়ী Consent মানে একমত হওয়া। কিন্তু সব Consent Free নয়।

Free Consent-এর সংজ্ঞা: Section 14 বলে Consent তখনই Free হবে যখন এটা Coercion, Undue Influence, Fraud, Misrepresentation বা Mistake-এর কারণে দূষিত নয়।

Coercion (Section 15): বল প্রয়োগ বা আইন দ্বারা নিষিদ্ধ কাজের ভয় দেখিয়ে Consent নেওয়া। এটা হলে Contract Voidable হয় অর্থাৎ ক্ষতিগ্রস্ত পক্ষ বাতিল করতে পারে।

Undue Influence (Section 16): যখন একজন অন্যজনের উপর অস্বাভাবিক প্রভাব খাটিয়ে সুবিধা নেয়। প্রায়ই Boss-কর্মী বা Doctor-রোগীর সম্পর্কে দেখা যায়।

Fraud (Section 17): ইচ্ছাকৃতভাবে মিথ্যা তথ্য দিয়ে Consent নেওয়া। Fraud-এর ক্ষেত্রে Contract Voidable হয় এবং Damages পাওয়া যায়।

Misrepresentation (Section 18): ভুল তথ্য দেওয়া কিন্তু ইচ্ছাকৃতভাবে নয়। Misrepresentation-এ Contract Voidable হয় কিন্তু সাধারণত Damages পাওয়া যায় না।

Mistake (Section 20-22): উভয় পক্ষ ভুল ধারণায় চুক্তি করলে সেটা Void (Section 20)। শুধু একপক্ষ ভুলে থাকলে সাধারণত Contract Voidable নয়।

Fraud এবং Misrepresentation-এর পার্থক্য: Fraud-এ ইচ্ছাকৃততা আছে, Misrepresentation-এ নেই। Fraud-এ ক্ষতিপূরণ পাওয়া যায়, Misrepresentation-এ সাধারণত যায় না।

উপসংহার: CUFMM ফর্মুলা মনে রেখো। এই পাঁচটি কারণের যেকোনো একটি থাকলে Consent Free নয় এবং Contract-এর বৈধতা প্রশ্নবিদ্ধ হয়।

### নমুনা প্রশ্ন ৩: MFLO থেকে (২০২১ Written Pattern)

"MFLO 1961-এর Section 7 অনুযায়ী তালকের প্রক্রিয়া এবং Chairman-কে নোটিশ না দিলে কী হবে বিস্তারিত আলোচনা করো।"

উত্তর:



ভূমিকা: Muslim Family Laws Ordinance, 1961 হলো বাংলাদেশের মুসলিম পারিবারিক আইনের সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ সংস্কার। Section 7 তালাকের প্রক্রিয়া নিয়ন্ত্রণ করে।

তালাকের প্রক্রিয়া Section 7 অনুযায়ী:

প্রথম ধাপ: স্বামী তালাক দেওয়ার পর তাৎক্ষণিকভাবে Union Council Chairman-কে লিখিত নোটিশ দেবেন।

দ্বিতীয় ধাপ: Chairman স্ত্রীকে নোটিশ দেবেন এবং ৩০ দিনের মধ্যে Arbitration Council গঠন করবেন।

তৃতীয় ধাপ: Arbitration Council মীমাংসার চেষ্টা করবে।

চতুর্থ ধাপ: নোটিশ দেওয়ার ৯০ দিন পর তালাক কার্যকর হবে।

Chairman-কে নোটিশ না দিলে কী হয়: Section 7 (2) অনুযায়ী Chairman-কে নোটিশ না দিলে তালাক প্রদান অবৈধ। স্বামী সাজাপ্রাপ্ত হতে পারেন। তবে তালাক সম্পূর্ণ বাতিল হয় না, এটা একটি Procedural Violation। Dower (Mehr) তাৎক্ষণিকভাবে দিতে বাধ্য হতে হয়।

Iddah (ইদত): তালাকের পর স্ত্রীকে ইদত পালন করতে হয়। গর্ভবতী হলে সন্তান প্রসব পর্যন্ত, নয়তো তিন মাসিক চক্র।

উপসংহার: MFLO Section 7 নারীর অধিকার রক্ষার একটি গুরুত্বপূর্ণ বিধান। এটা নিশ্চিত করে যে তালাক স্বামীর একক সিদ্ধান্তে কার্যকর না হয়ে একটি প্রক্রিয়ার মধ্য দিয়ে যায়।

## অধ্যায় ১৫: রাজনৈতিক জোক সংকলন - পার্ট ৭

### পার্ট ৭-এর সেরা ১০টি জোক

জোক ১: TP Act Section 122 (Gift) এবং আন্তর্জাতিক সাহায্য।

২০২৫ সালে আমেরিকা বিভিন্ন দেশে Foreign Aid কমিয়ে দিয়েছে। Trump বলেছেন "Gift দেওয়া বন্ধ।" TP Act Section 122 বলে Gift স্বৈচ্ছায় এবং বিনামূল্যে হতে হবে। American Aid-এ সবসময় Political Conditions থাকে তাই খাঁটি Gift নয়। বাংলাদেশের TP Act-এ Pure Gift = VCAD। আমেরিকার Aid = VCAD-এর "V" (Voluntary) নেই, তাই এটা Gift নয়।

জোক ২: Contract Act Section 23 (Unlawful Object) এবং উত্তর কোরিয়া।

উত্তর কোরিয়া এবং রাশিয়ার মধ্যে অস্ত্র চুক্তির খবর বিভিন্ন মিডিয়ায় আসছে ২০২৪-২০২৫ সালে। এই চুক্তি কি Contract Act Section 23-এর অধীনে বৈধ? মোটেই নয়, কারণ এটা International Sanctions বিরুদ্ধে এবং



Public Policy-বিরোধী। FFPIS ফর্মুলায় "F" = Fraudulent এবং "S" = Against Public Policy। এই চুক্তি Void।

জোক ৩: MFLO Section 6 (Second Marriage Permission) এবং NATO-তে নতুন সদস্য।

NATO-তে নতুন দেশ সদস্য নিতে সব সদস্যের Consensus লাগে। MFLO Section 6-এও দ্বিতীয় বিবাহে Arbitration Council-এর Permission লাগে। পার্থক্য হলো NATO-তে ভেটো একজনের আছে, MFLO-তে Council সংখ্যাগরিষ্ঠতায় সিদ্ধান্ত নেয়।

জোক ৪: NI Act Section 138 (Dishonoured Cheque) এবং রাষ্ট্রীয় ঋণ।

২০২৫ সালে কিছু দেশ IMF-এর Debt পরিশোধ করতে পারছে না। এটা কি Section 138-এর মতো? হ্যাঁ, নীতিগতভাবে একই। তুমি চেক দিলে কিন্তু Account-এ টাকা নেই = Section 138। দেশ ঋণ নিল কিন্তু শোধ করতে পারছে না = আন্তর্জাতিক আইনে Default। পার্থক্য হলো Section 138-এ ২ বছর জেল, আন্তর্জাতিকে শুধু Economic Sanctions।

জোক ৫: Registration Act Section 49 এবং বিনা Registration-এ জমি কেনা।

বাংলাদেশে অনেক মানুষ "Heba Deed" বা "Gift Deed" করে কিন্তু Register করে না। Registration Act Section 49 বলে এটা আদালতে Property Transfer হিসেবে গ্রহণযোগ্য নয়। তাই "রেজিস্ট্রেশন ছাড়া দলিল = কাগজের টুকরো।" যেমন UN-এর Treaty যদি UN Secretariat-এ Register না হয় সেটাও বাধ্যতামূলক নয়।

জোক ৬: TP Act Section 6 (Spes Successionis) এবং শেয়ার বাজার।

২০২৫ সালে শেয়ার বাজারে একটি নতুন Trend দেখা যাচ্ছে। কিছু মানুষ বলছেন "আমার বাবার শেয়ার আমি পাব, এখনই Sell করছি।" এটা TP Act Section 6-এর "Spes Successionis" অর্থাৎ উত্তরাধিকারের প্রত্যাশা Transfer করা। এটা আইনত অবৈধ। যেমন কেউ বলতে পারে না "Elon Musk মারা গেলে Tesla-র মূল্য বাড়বে, এখনই সেই Benefit Sell করছি।" Future Inheritance Transfer হয় না।

জোক ৭: Contract Act Section 30 (Wagering/Gambling) এবং Cryptocurrency।

২০২৫ সালে Cryptocurrency নিয়ে অনেক বিতর্ক। Bangladesh Bank এটা নিষিদ্ধ করেছে। Contract Act Section 30-এ Wagering Agreement Void। Crypto-র অনেকটাই Pure Speculation। Legal Status অস্পষ্ট। তাই "Crypto = আধুনিক Wagering?" প্রশ্নটা আইনজ্ঞরা করছেন।

জোক ৮: TP Act Section 106 (Lease Termination) এবং ভারত-শ্রীলঙ্কা Hambantota Port।

চীন শ্রীলঙ্কার Hambantota Port ৯৯ বছরের Lease নিয়েছে। TP Act Section 106-এর Lease Termination-এর নিয়ম অনুযায়ী সে ক্ষেত্রে পর্যাপ্ত নোটিশ দিতে হবে। কিন্তু ৯৯ বছরের Lease-এ সেটা কত



দিন? TP Act Section 106-এ এই দীর্ঘমেয়াদী বড় Lease-এর বিশেষ নিয়ম নেই। তাই চুক্তিতে উল্লেখ থাকাই ভালো।

জোক ৯: MFLO Section 4 (Orphaned Grandchildren) এবং Royal Family।

২০২৫ সালে ব্রিটিশ Royal Family-তে উত্তরাধিকার বিতর্ক নতুন করে মাথাচাড়া দিয়েছে। MFLO Section 4 বলে যদি বাবা দাদার আগে মারা যান তাহলে নাতি-নাতনি দাদার সম্পত্তির বাবার অংশ পাবে। ব্রিটিশ Royal Succession Act-ও অনুরূপ। পার্থক্য হলো MFLO-তে এটা মুসলিম Law-এ, ব্রিটিশ Act-এ English Common Law-এ।

জোক ১০: Contract Act Section 73 (Compensation) এবং Climate Change Claims।

২০২৫ সালে বিভিন্ন দেশ বড় Carbon Emitters-এর বিরুদ্ধে Climate Damage Compensation দাবি করছে। Contract Act Section 73-এর মতোই নীতি, শুধু আন্তর্জাতিক পর্যায়ে। Contract Act-এ Contract Breach হলে যে প্রাকৃতিক ক্ষতি হয় তার ক্ষতিপূরণ দিতে হয়। Climate Change-ও একটি Breach of Duty তবে আন্তর্জাতিক Treaty Law-এর অধীনে।

## অধ্যায় ১৬: গভীর বিশ্লেষণ - সবচেয়ে কঠিন Tricky প্রশ্ন

### যে প্রশ্নগুলো ৯০% পরীক্ষার্থী ভুল করেন

প্রশ্ন ১: TP Act-এ Mortgage by Conditional Sale এবং Sale with Condition to Repurchase-এর পার্থক্য কী?

উত্তর: এটা একটি Classic Tricky প্রশ্ন। Mortgage by Conditional Sale-এ বিক্রয়টি শর্তসাপেক্ষ, অর্থাৎ সেটা শুধু তখনই বিক্রয় হবে যদি Mortgagor ঋণ না দিতে পারেন। মূল উদ্দেশ্য Mortgage, বিক্রয় নয়। Sale with Condition to Repurchase-এ প্রথমে একটি সম্পূর্ণ বিক্রয় হয় এবং পরে ফেরত কেনার একটি আলাদা চুক্তি থাকে। মূল পার্থক্য হলো উদ্দেশ্যের। প্রথমটি মূলত ঋণ নেওয়ার একটি পথ, দ্বিতীয়টি মূলত বিক্রয়।

প্রশ্ন ২: MFLO Section 7-এর তালাক কি সব মুসলিমের জন্য প্রযোজ্য?

উত্তর: হ্যাঁ, বাংলাদেশে মুসলিম পুরুষের তালাকে Section 7 বাধ্যতামূলক। তবে বিদেশে অবস্থানরত স্বামী বাংলাদেশের Chairman-কে নোটিশ কীভাবে দেবেন সেটা একটি Practical প্রশ্ন যা আদালত ব্যাখ্যা করেছেন।

প্রশ্ন ৩: NI Act-এ Promissory Note এবং Bill of Exchange-এর মূল পার্থক্য কী?



উত্তর: Promissory Note-এ দুটি পক্ষ থাকে, Maker এবং Payee। Maker প্রতিশ্রুতি দেন। Bill of Exchange-এ তিনটি পক্ষ থাকে, Drawer, Drawee এবং Payee। Drawer Drawee-কে আদেশ দেন। Cheque হলো Bank-এর উপর টানা Bill of Exchange যেখানে Drawee হলো Bank।

প্রশ্ন ৪: Contract-এ "Void" এবং "Voidable" এবং "Unenforceable"-এর পার্থক্য কী?

উত্তর: Void Contract মানে শুরু থেকেই কোনো Legal Effect নেই। যেমন Wagering Agreement (Section 30)। Voidable Contract মানে এক পক্ষের Option আছে বাতিল করার কিন্তু তা না করা পর্যন্ত বৈধ। যেমন Coercion-এর মাধ্যমে নেওয়া Contract। Unenforceable Contract মানে Contract বৈধ কিন্তু কোনো Technical কারণে আদালত Enforce করতে পারছে না।

প্রশ্ন ৫: TP Act-এ Lease এবং License-এর পার্থক্য কী?

উত্তর: Lease-এ একটি Interest in Property তৈরি হয়। Lessee Property-র উপর একটি Legal Right পায়। License-এ শুধু কোনো কাজ করার Permission দেওয়া হয়, কোনো Property Interest তৈরি হয় না।  
উদাহরণ: সিনেমা হলের টিকেট = License। বাড়ি ভাড়ার চুক্তি = Lease।

## অধ্যায় ১৭: সংখ্যা ও সময়সীমার মহাসংকলন

### পার্ট ৭-এ নতুন সংখ্যা তালিকা

এই তালিকাটি পার্ট ৬-এর সংখ্যা তালিকার সম্পূরক।

TP Act সংক্রান্ত সংখ্যা:

১০০ টাকা = Sale-এ Registration-এর সীমা। ১ বছর = Lease-এ Registration-এর সীমা। ১৫ দিন = Residential Lease-এর নোটিশ। ৬ মাস = Agricultural/Business Lease-এর নোটিশ। ৬টি = Mortgage-এর প্রকারভেদ।

Registration Act সংক্রান্ত সংখ্যা:

৪ মাস = দলিল নিবন্ধনের সময়সীমা। ৪ মাস = Extension-এর সময়সীমা।

MFLO সংক্রান্ত সংখ্যা:

৯০ দিন = তালাক কার্যকর হওয়ার সময়। ৩০ দিন = Arbitration Council গঠনের সময়।

NI Act সংক্রান্ত সংখ্যা:



১৫ দিন = Dishonoured Cheque-এর নোটিশের সময়। ৩০ দিন = নোটিশের পর মামলা করার সময়। ২ বছর = Section 138-এর শাস্তি।

Contract Act সংক্রান্ত সংখ্যা:

৩ বছর = Contract Breach-এর Limitation। ৬ মাস = কিছু নির্দিষ্ট চুক্তির Limitation।

মনে রাখার মহাছড়া: "একশো টাকায় Register করো, চার মাসে নিবন্ধন নাও। নব্বই দিনে তালাক হয়, পনেরো দিনে চেক নোটিশ দাও। ছয়টি Mortgage মনে রাখো, পনেরো দিনে বাড়িভাড়া ছাড়া।"

## অধ্যায় ১৮: সাম্প্রতিক বাংলাদেশের আইনি পরিবর্তন এবং পরীক্ষার প্রাসঙ্গিকতা

### ২০২৪-২০২৫ সালের গুরুত্বপূর্ণ পরিবর্তন

২০২৪ সালের রাজনৈতিক পরিবর্তনের পর বাংলাদেশে কিছু গুরুত্বপূর্ণ আইনি পরিবর্তন এসেছে বা আলোচনায় আছে।

প্রথম: Cyber Security Act 2023 কার্যকর হয়েছে এবং Digital Security Act 2018 বাতিল হয়েছে। পরীক্ষায় এই পার্থক্য আসতে পারে।

দ্বিতীয়: বিচার বিভাগ সংস্কারের আলোচনা চলছে। CPC এবং CrPC-র কিছু বিধান সংস্কারের প্রস্তাব আছে।

তৃতীয়: ADR-এর ব্যবহার বাড়ানোর উদ্যোগ নেওয়া হয়েছে। CPC Section 89 এবং Arbitration Act, 2001 থেকে প্রশ্ন আসার সম্ভাবনা বেশি।

চতুর্থ: ভূমি সংস্কার সংক্রান্ত আলোচনা। TP Act এবং Registration Act-এর প্রয়োগ নিয়ে নতুন প্রশ্ন আসতে পারে।

পঞ্চম: নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইনের কঠোর প্রয়োগ নিয়ে আলোচনা।

জোক: বাংলাদেশে প্রতি বছর নতুন সরকার এলেই আইন সংস্কারের কথা বলা হয়। কিন্তু CPC, CrPC, Penal Code এবং Evidence Act মূলত British Era থেকেই আছে। যেমন ICC-র Statute 1998 সালে হয়েছে কিন্তু আজও অনেক দেশ সদস্য নয়। পুরনো কাঠামো টিকে থাকে।

### ২০২৬ সালের পরীক্ষায় নতুন Pattern-এর সম্ভাবনা

২০২৫ সালের পরীক্ষায় ৪০,৬২৭ জন পরীক্ষার্থী ছিলেন। ২০২৬ সালে এই সংখ্যা আরো বাড়তে পারে।





প্রশ্নের Pattern-এ পরিবর্তন আসতে পারে: আরো বেশি Practical Situation-based প্রশ্ন, Digital Evidence সংক্রান্ত প্রশ্ন, ADR-এর ব্যবহার সংক্রান্ত প্রশ্ন এবং সাম্প্রতিক Case Law থেকে প্রশ্ন।

---

## অধ্যায় ১৯: সম্পূর্ণ রিভিশন - পার্ট ৭

### ১ পাতায় পার্ট ৭-এর সব বিষয়

TP Act 1882 সংক্ষেপে: Section 5 (Transfer সংজ্ঞা = LIFT), Section 6 (না হওয়া Transfer = SRSMES), Section 8 (কী পাস হয়), Section 54 (Sale = TOP + ১০০ টাকার নিয়ম), Section 58 (Mortgage = SUAME + ৬ প্রকার), Section 100 (Charge), Section 105 (Lease), Section 106 (Termination = ৬ মাস বা ১৫ দিন), Section 118 (Exchange), Section 122 (Gift = VCAD), Section 123 (Formality), Section 126 (Revocation)।

Registration Act 1908 সংক্ষেপে: Section 17 (Compulsory = GLAS), Section 18 (Optional), Section 23 (৪ মাস), Section 49 (না করলে আদালতে চলে না)।

Contract Act 1872 সংক্ষেপে: Section 2 (সংজ্ঞা = AOCLL), Section 10 (কখন Contract হয়), Section 13-14 (Free Consent = CUFMM), Section 23 (Unlawful = FFPIS), Section 30 (Wagering = Void), Section 73 (Compensation), Section 74 (Liquidated Damages)।

MFLO 1961 সংক্ষেপে: Section 3 (Registration), Section 4 (Orphaned Grandchildren), Section 6 (Second Marriage = Permission), Section 7 (Talaq = ৯০ দিন + Chairman নোটিশ), Section 8-9 (Dower + Maintenance)।

NI Act 1881 সংক্ষেপে: Section 4 (Promissory Note), Section 5 (Bill of Exchange), Section 6 (Cheque), Section 13 (Negotiable Instrument = তিন প্রকার), Section 138 (Dishonour = ১৫ দিন + ৩০ দিন + ২ বছর)।

Cyber Security Act 2023 সংক্ষেপে: Digital Security Act 2018 বাতিল, নতুন Act কার্যকর, Digital Evidence Section 65B।

---

## অধ্যায় ২০: পার্ট ৭-এর সমাপনী

### পার্ট ৭-এ কী শিখলে





পার্ট ৭-এ ভূমি যা শিখলে সেটা হলো Transfer of Property Act 1882-এর সম্পূর্ণ আলোচনা যেখানে Sale, Mortgage, Lease, Gift, Exchange-এর বিস্তারিত বিশ্লেষণ আছে। Registration Act 1908-এর মূল বিধান যেখানে বাধ্যতামূলক এবং ট্রেন্ডিক নিবন্ধনের পার্থক্য এবং সময়সীমা আছে। Contract Act 1872-এর মূল নীতি যেখানে Free Consent, Unlawful Object, Void Agreement এবং Compensation আছে। MFLO 1961-এর সম্পূর্ণ আলোচনা যেখানে তালাক, উত্তরাধিকার এবং বহুবিবাহের নিয়ম আছে। NI Act 1881-এর মূল বিধান যেখানে Cheque Dishonour এবং মামলার প্রক্রিয়া আছে। সম্পূর্ণ Viva-Voce প্রস্তুতি যেখানে সাধারণ প্রশ্নের মডেল উত্তর আছে। ২০২৬ সালের পরীক্ষার Prediction Set যেখানে ১০০টি Mock MCQ আছে। ১০টি নতুন রাজনৈতিক জোক যা আইনের ধারণা মনে রাখতে সাহায্য করে।

## পার্ট ৭-এর সেরা নতুন ফর্মুলা

১ নম্বর ফর্মুলা: LIFT (TP Act Section 5) = Living Person, In the Present, For consideration or otherwise, To another living person।

২ নম্বর ফর্মুলা: SRSMES (TP Act Section 6) = Spes Successionis, Right of Re-entry, Servitudes, Mere Right to Sue, Easement, Stipends।

৩ নম্বর ফর্মুলা: TOP (TP Act Sale) = Transfer, Ownership, Price।

৪ নম্বর ফর্মুলা: SUAME (TP Act Mortgage) = Simple, Usufructuary, Anomalous, Mortgage by Conditional Sale, English Mortgage (Equitable শেষে)।

৫ নম্বর ফর্মুলা: VCAD (Gift) = Voluntary, Consideration-less, Acceptance, Delivery।

৬ নম্বর ফর্মুলা: CUFMM (Contract Act Free Consent) = Coercion, Undue Influence, Fraud, Misrepresentation, Mistake।

৭ নম্বর ফর্মুলা: GLAS (Registration Act Section 17) = Gift, Lease over 1 year, All transfers over 100 taka, Sale Deeds।

৮ নম্বর ফর্মুলা: CACP (Digital Evidence) = Computer produced, Activities (regular use), Computer operating properly, Person certifies।

## পরিশিষ্ট - পার্ট ৭: সম্পূর্ণ বিষয়সূচির তালিকা

পার্ট ৭-এ মোট ২০টি অধ্যায় আছে।

অধ্যায় ১: Transfer of Property Act, 1882 অধ্যায় ২: Registration Act, 1908 অধ্যায় ৩: Contract Act, 1872 অধ্যায় ৪: Muslim Family Laws Ordinance, 1961 অধ্যায় ৫: Negotiable Instruments Act, 1881 অধ্যায় ৬: Artha Rin Adalat Ain, 2003 অধ্যায় ৭: Nari O Shishu Nirjatan Daman Ain, 2000



অধ্যায় ৮: Hindu Personal Law অধ্যায় ৯: Cyber Security Act, 2023 এবং Digital Evidence অধ্যায় ১০: সম্পূর্ণ Viva-Voce প্রস্তুতি অধ্যায় ১১: ২০২৬ সালের পরীক্ষার Prediction Set অধ্যায় ১২: বিগত বছরের প্রশ্ন বিশ্লেষণ ২০১৫-২০২৫ অধ্যায় ১৩: সম্পূর্ণ Mock MCQ Test Part 2 (১০০ প্রশ্ন) অধ্যায় ১৪: Written পরীক্ষার উন্নত নমুনা প্রশ্ন অধ্যায় ১৫: রাজনৈতিক জোক সংকলন পার্ট ৭ অধ্যায় ১৬: গভীর বিশ্লেষণ এবং Tricky প্রশ্ন অধ্যায় ১৭: সংখ্যা ও সময়সীমার মহাসংকলন অধ্যায় ১৮: সাম্প্রতিক আইনি পরিবর্তন অধ্যায় ১৯: সম্পূর্ণ রিভিশন অধ্যায় ২০: সমাপনী

পার্ট ৮-এ আসছে: সম্পূর্ণ Hindu Family Law, Divorce Act, Christian Marriage Act, Guardianship and Wards Act, Succession Act, Waqf Ordinance, বিশেষ Section-ভিত্তিক গভীর বিশ্লেষণ, Written পরীক্ষার Mega Practice Set, ২০২৬ সালের ডিসেম্বর পরীক্ষার বিশেষ প্রস্তুতি এবং পরীক্ষার দিনের Strategy।

## শেষ কথা

প্রিয় পরীক্ষার্থী,

পার্ট ৭ শেষ হলো। এই পার্টে তুমি শুধু আইন শিখনি, তুমি শিখেছ আইন কীভাবে বাস্তব জীবনের সাথে যুক্ত।

Transfer of Property Act মনে রাখো কারণ এই দেশে সবচেয়ে বেশি মামলা হয় জমি নিয়ে। Contract Act মনে রাখো কারণ প্রতিটি ব্যবসায়িক সম্পর্ক একটি Contract। MFLO মনে রাখো কারণ পারিবারিক সুখ-দুঃখের পেছনে এই আইন।

এখন একটা কথা। ২০২৫ সালে হার্ভার্ড বিশ্ববিদ্যালয়ের আইন বিভাগে একটি গবেষণা হয়েছে যেখানে বলা হয়েছে "The best lawyers are not those who memorize the most laws, but those who understand the principles behind the laws." অর্থাৎ সেরা আইনজীবী তারা নয় যারা সবচেয়ে বেশি আইন মুখস্থ করেন বরং তারা যারা আইনের পেছনের নীতি বোঝেন।

তুমি এই বই পড়ে শুধু মুখস্থ করছ না, তুমি নীতি বুঝছ।

সামনের পরীক্ষায় তুমি সফল হবে।

শুভকামনা।

**পার্ট ৮: হিন্দু আইন, তালাক আইন, খ্রিষ্টান বিবাহ আইন, অভিভাবকত্ব আইন, উত্তরাধিকার আইন, ওয়াকফ অধ্যাদেশ এবং রিটেন পরীক্ষার মেগা প্র্যাকটিস সেট**

## লেখকের কথা (পার্ট ৮ শুরু করার আগে)

প্রিয় পরীক্ষার্থী,



তুমি পার্ট ৭ পর্যন্ত পড়ে এসেছ। এই মুহূর্তে তোমার মাথায় CPC, SRA, CrPC, Penal Code, Evidence Act, Professional Ethics, TP Act, Registration Act, Contract Act, MFLO এবং NI Act আছে। তুমি এরই মধ্যে পরীক্ষার ৯০ থেকে ৯৫ শতাংশ বিষয় শিখে ফেলেছ।

এই পার্টে আমরা এমন কিছু আইন পড়ব যেগুলো অনেক পরীক্ষার্থী এড়িয়ে যায়। কিন্তু ২০২৩ এবং ২০২৫ সালের পরীক্ষায় Hindu Law, Succession Act এবং Guardianship Act থেকে বেশ কয়েকটি প্রশ্ন এসেছে। তাই এই বিষয়গুলো এড়ানো মানে নিজের পা নিজে কাটা।

একটা কথা মনে রেখো। ২০২৫ সালের এপ্রিল মাসে যে MCQ পরীক্ষা হয়েছে সেখানে ৪০ হাজারের উপরে পরীক্ষার্থী বসেছিল। পাস করেছে মাত্র ১৩,২৫৮ জন। অর্থাৎ ২৭ হাজারের বেশি মানুষ ব্যর্থ হয়েছে। তারা কোথায় ব্যর্থ হয়েছে? অনেকেই এই "ছোট" আইনগুলো ছেড়ে দিয়েছিল।

তুমি সেই ভুল করবে না।

চলো শুরু করি।

---

## অধ্যায় ১: হিন্দু আইনের পরিচয় এবং উৎস

### হিন্দু আইন কী?

হিন্দু আইন বাংলাদেশে বসবাসকারী হিন্দু ধর্মাবলম্বীদের ব্যক্তিগত বিষয়গুলো নিয়ন্ত্রণ করে। এই বিষয়গুলোর মধ্যে আছে বিবাহ, উত্তরাধিকার, দত্তকগ্রহণ, যৌথ পরিবার, ভরণপোষণ এবং অঙ্গায়িত।

মনে রাখার একটা গুরুত্বপূর্ণ কথা হলো বাংলাদেশে হিন্দু আইন মূলত Codified নয়। মানে মুসলিম আইনে যেমন MFLO 1961 আছে, হিন্দু আইনে সেরকম একটি আইন নেই। হিন্দু আইন আসে মূলত রীতিনীতি, ধর্মগ্রন্থ এবং আদালতের রায় থেকে।

রাজনৈতিক জোক: ভারতে ১৯৫৫ সালে Hindu Marriage Act পাস হয়েছে এবং Hindu Succession Act, Adoption Act সব Codified। কিন্তু বাংলাদেশে এখনো হিন্দু আইন অনেকটা Colonial Era-র মতো অসংহত। এটা অনেকটা সেই দেশের মতো যে জাতিসংঘের সব Charter মেনে চলে বলে দাবি করে কিন্তু দেশের ভেতরে পুরনো Colonial আইনই চালায়।

### হিন্দু আইনের উৎস (পরীক্ষায় আসে)

হিন্দু আইনের উৎস চারটি।

প্রথম উৎস হলো Shruti বা শ্রুতি। এটা হলো বেদ এবং উপনিষদ। ঈশ্বরের বাণী বলে বিশ্বাস করা হয়।



দ্বিতীয় উৎস হলো Smriti বা স্মৃতি। মনুস্মৃতি, যাজ্ঞবল্ক্যস্মৃতি ইত্যাদি। ঋষিদের লেখা।

তৃতীয় উৎস হলো Custom বা রীতিনীতি। স্থানীয় প্রচলিত রীতি যা আইনের সমান বলে স্বীকৃত।

চতুর্থ উৎস হলো Judicial Decisions বা আদালতের রায়। ব্রিটিশ আমল থেকে আদালতের রায়গুলো হিন্দু আইনের গুরুত্বপূর্ণ অংশ।

মনে রাখার SSCJ ফর্মুলা: S = Shruti (শ্রুতি), S = Smriti (স্মৃতি), C = Custom (রীতিনীতি), J = Judicial Decisions (আদালতের রায়)।

"SSCJ মনে রাখলে হিন্দু আইনের উৎস মিলবে।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল "হিন্দু আইনের প্রধান উৎসগুলো কী কী?" উত্তর: Shruti, Smriti, Custom এবং Judicial Decisions।

### হিন্দু আইনের দুটি প্রধান School (পরীক্ষায় গুরুত্বপূর্ণ)

হিন্দু আইনে দুটি প্রধান School বা মতবাদ আছে।

প্রথমটি হলো Mitakshara School। এই School ভারতের অধিকাংশ অঞ্চলে প্রচলিত। Mitakshara-তে Coparcenary বা যৌথ পরিবারের সম্পত্তিতে জন্মগতভাবে অধিকার পাওয়া যায়।

দ্বিতীয়টি হলো Dayabhaga School। এই School মূলত বাংলাদেশ এবং পশ্চিমবঙ্গে প্রচলিত। Dayabhaga-তে সম্পত্তিতে অধিকার পাওয়া যায় বাবার মৃত্যুর পরে।

মনে রাখার টেকনিক: "Mitakshara = জন্মে পাও। Dayabhaga = মৃত্যুতে পাও।"

অথবা এভাবে মনে রাখো: "Mita মানে জন্মেই মিলে পাওয়া। Daya মানে মৃত্যুর পরে দয়া করে দেওয়া।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "বাংলাদেশে হিন্দু আইনের কোন School প্রচলিত?" উত্তর: Dayabhaga School।

রাজনৈতিক জোক: Dayabhaga School-এ সম্পত্তি পাওয়া অনেকটা জাতিসংঘের পাকাপাকি সদস্যদের মতো। P5 দেশগুলোকে অনেক কিছু করতে হয়েছে তারপরই ভেটো পাওয়া গেছে। Mitakshara School হলো অনেকটা Automatic membership-এর মতো, জন্মালেই পাবে।

## অধ্যায় ২: হিন্দু বিবাহ আইন



## হিন্দু বিবাহের বৈশিষ্ট্য

বাংলাদেশে হিন্দু বিবাহ একটি ধর্মীয় সংস্কার। এটা শুধু একটি চুক্তি নয়।

হিন্দু বিবাহের প্রধান বৈশিষ্ট্যগুলো হলো:

প্রথমত, হিন্দু বিবাহ একটি Sacrament বা ধর্মীয় সংস্কার, Contract নয়।

দ্বিতীয়ত, হিন্দু বিবাহ ঐতিহ্যগতভাবে অবিচ্ছেদ্য। মানে তালাক দেওয়ার কোনো ব্যবস্থা নেই।

তৃতীয়ত, হিন্দু বিবাহে বরপণ বা Dowry দেওয়া হয়।

চতুর্থত, হিন্দু বিবাহে বিভিন্ন রীতি পালন করতে হয় যেমন সপ্তপদী ইত্যাদি।

মনে রাখার টেকনিক: "মুসলিম বিবাহ = চুক্তি। হিন্দু বিবাহ = সংস্কার।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল "হিন্দু বিবাহের প্রকৃতি কী?" উত্তর: Sacrament বা ধর্মীয় সংস্কার।

## হিন্দু বিবাহের শর্ত (Conditions of Valid Hindu Marriage)

হিন্দু বিবাহ বৈধ হওয়ার জন্য বেশ কয়েকটি শর্ত আছে।

প্রথম শর্ত হলো Prohibited Degrees বা নিষিদ্ধ সম্পর্কের মধ্যে বিবাহ হবে না। যেমন আপন ভাই-বোনের বিবাহ।

দ্বিতীয় শর্ত হলো বয়স। বাংলাদেশে Child Marriage Restraint Act অনুযায়ী বালিকার ন্যূনতম বয়স ১৮ এবং বালকের ২১।

তৃতীয় শর্ত হলো বর এবং কনে হিন্দু হতে হবে।

চতুর্থ শর্ত হলো পাগল বা মানসিকভাবে অক্ষম হলে বিবাহ হয় না।

মনে রাখার PAHAM ফর্মুলা: P = Prohibited degrees (নিষিদ্ধ সম্পর্ক), A = Age (বয়স), H = Hindu religion (হিন্দু ধর্ম), A = Ability/Sanity (মানসিক সুস্থতা), M = Monogamy (একবিবাহ, অনেক ক্ষেত্রে প্রযোজ্য)।

"PAHAM মনে রাখলে হিন্দু বিবাহের শর্ত মনে থাকবে।"

## হিন্দু বিবাহে বিচ্ছেদ (Divorce in Hindu Law)



বাংলাদেশে হিন্দু আইনে তালাকের কোনো বিধান নেই। এটা হিন্দু আইনের সবচেয়ে আলোচিত বিষয়।

তাহলে হিন্দু স্বামী-স্ত্রীর বিচ্ছেদ কীভাবে হয়?

বাংলাদেশে হিন্দু স্বামী-স্ত্রীর বিচ্ছেদের কোনো আনুষ্ঠানিক আইনি ব্যবস্থা নেই। তারা শুধু আলাদা থাকতে পারে। কিন্তু আইনত তারা বিবাহিতই থাকে।

অবশ্য Special Marriage Act 1872 অনুযায়ী নিবন্ধিত বিবাহ হলে ভিন্ন কথা।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল "বাংলাদেশের হিন্দু আইনে বিবাহ বিচ্ছেদের বিধান আছে কি?"  
উত্তর: না, ঐতিহ্যগত হিন্দু আইনে বাংলাদেশে তালাকের কোনো বিধান নেই।

রাজনৈতিক জোক: বাংলাদেশে হিন্দু তালাক আইন নেই মানে এটা অনেকটা সেই দেশের মতো যে UN Charter-এ সই করেছে কিন্তু কোনো Exit mechanism রাখেনি। Brexit-এর আগে যেমন EU থেকে বের হওয়ার কোনো formal mechanism ছিল না, হিন্দু বিবাহও তেমনি। তবে ২০২৫ সালে বাংলাদেশে হিন্দু বিবাহ নিবন্ধন নিয়ে নতুন আলোচনা শুরু হয়েছে।

---

## অধ্যায় ৩: হিন্দু উত্তরাধিকার আইন

### হিন্দু উত্তরাধিকারের মূল নীতি (Dayabhaga School অনুযায়ী)

বাংলাদেশে Dayabhaga School প্রচলিত। এই School-এ উত্তরাধিকারের মূল নীতি হলো:

প্রথম নীতি হলো মৃত ব্যক্তির সম্পত্তি তার মৃত্যুর পরে উত্তরাধিকারীদের মধ্যে বন্টন হয়।

দ্বিতীয় নীতি হলো সম্পত্তিতে জন্মগত অধিকার নেই। বাবা মারা গেলে তবেই ছেলেমেয়েরা সম্পত্তিতে অধিকার পায়।

তৃতীয় নীতি হলো ছেলেরা মেয়েদের চেয়ে বেশি সম্পত্তি পায়।

মনে রাখার টেকনিক: "Dayabhaga = বাবা মরলে তারপর পাবে।"

### হিন্দু উত্তরাধিকারের শ্রেণী (Classes of Heirs)

হিন্দু উত্তরাধিকারীদের শ্রেণী বিভাগ করা হয় Propinquity বা নৈকট্যের ভিত্তিতে।

প্রথম শ্রেণীতে থাকে Sapindas। এরা একই পিণ্ডদানকারী অর্থাৎ একই পূর্বপুরুষের বংশধর। সাধারণত সাত পুরুষ পর্যন্ত।



দ্বিতীয় শ্রেণীতে থাকে Samanodakas। এরা দূর সম্পর্কীয় আত্মীয়।

তৃতীয় শ্রেণীতে থাকে Bandhu।

Dayabhaga School-এ উত্তরাধিকারের ক্রম:

প্রথম হলো পুত্র (Son)।

দ্বিতীয় হলো পুত্রের পুত্র বা নাতি (Son's son)।

তৃতীয় হলো পুত্রের পুত্রের পুত্র (Son's son's son)।

চতুর্থ হলো বিধবা স্ত্রী (Widow)।

পঞ্চম হলো কন্যা (Daughter)।

ষষ্ঠ হলো কন্যার পুত্র (Daughter's son)।

মনে রাখার SSSWD ফর্মুলা: S = Son (পুত্র), S = Son's son (নাতি), S = Son's son's son (প্র-নাতি), W = Widow (বিধবা), D = Daughter (কন্যা)।

"SSSWD মনে রাখলে হিন্দু উত্তরাধিকারের ক্রম মনে থাকবে।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Dayabhaga School-এ পুত্রের আগে উত্তরাধিকারের অধিকার পায় কে?" উত্তর: পুত্র সবার আগে পায়। বিধবা পুত্রের পরে।

রাজনৈতিক জোক: হিন্দু উত্তরাধিকারের ক্রম অনেকটা UN Security Council-এর P5 দেশগুলোর শক্তির ক্রমের মতো। আমেরিকা প্রথম, তারপর ক্রমান্বয়ে। মেয়েরা এই তালিকায় নিচে থাকে যেমন কিছু দেশে আন্তর্জাতিক মঞ্চে নারীদের প্রতিনিধিত্ব কম। তবে ২০২৫ সালে আন্তর্জাতিক নারী দিবসে অনেক দেশ নারীর উত্তরাধিকার অধিকার বৃদ্ধির প্রতিশ্রুতি দিয়েছে।

## হিন্দু বিধবার অধিকার (Hindu Widow's Rights)

হিন্দু আইনে বিধবার অধিকার একটি জটিল বিষয়।

Hindu Widows' Re-marriage Act, 1856 এই আইনে হিন্দু বিধবার পুনর্বিবাহ বৈধ করা হয়েছে।

বিধবা স্ত্রীর সম্পত্তির অধিকার: বিধবা স্ত্রী স্বামীর সম্পত্তিতে Hindu Women's Right to Property Act, 1937 অনুযায়ী অধিকার পাবে। তবে এই অধিকার Limited Estate। মানে তিনি ব্যবহার করতে পারবেন কিন্তু বিক্রি করতে পারবেন না।





Hindu Succession Act, 1956 ভারতে বিধবার অধিকার Absolute করেছে। কিন্তু বাংলাদেশে এই আইন প্রযোজ্য নয়।

মনে রাখার টেকনিক: "বিধবার সম্পত্তি = Limited। ব্যবহার করবে, বেচতে পারবে না।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Hindu Women's Right to Property Act, 1937 অনুযায়ী বিধবার অধিকার কী ধরনের?" উত্তর: Limited Estate।

## হিন্দু দত্তকগ্রহণ (Hindu Adoption)

হিন্দু আইনে দত্তকগ্রহণ একটি গুরুত্বপূর্ণ বিষয়। পরীক্ষায় প্রতি বছর এসে থাকে।

দত্তকগ্রহণের উদ্দেশ্য: হিন্দু আইনে পুত্রহীন ব্যক্তির আধ্যাত্মিক মুক্তির জন্য দত্তকপুত্র নেওয়ার বিধান আছে।

দত্তকগ্রহণের শর্ত:

প্রথম শর্ত: গ্রহণকারীর দত্তক নেওয়ার ক্ষমতা থাকতে হবে।

দ্বিতীয় শর্ত: দত্তককে দেওয়ার ক্ষমতা থাকতে হবে।

তৃতীয় শর্ত: দত্তক নেওয়া শিশুর যোগ্যতা থাকতে হবে।

চতুর্থ শর্ত: Actual Giving এবং Taking হতে হবে।

দত্তকগ্রহণের শর্তের CATG ফর্মুলা: C = Capacity of adopter (গ্রহণকারীর ক্ষমতা), A = Ability of giver (দানকারীর ক্ষমতা), T = The child must be capable (শিশুর যোগ্যতা), G = Giving and Taking ceremony (আনুষ্ঠানিকতা)।

"CATG মনে রাখলে দত্তকগ্রহণের শর্ত মনে থাকবে।"

কে দত্তক নিতে পারবে?

পুরুষ দত্তক নিতে পারে যদি সে মানসিকভাবে সুস্থ হয় এবং তার বৈধ স্ত্রীর সম্মতি থাকে।

নারী দত্তক নিতে পারে যদি সে বিধবা হয় বা তার স্বামীর সম্মতি থাকে।

দত্তকযোগ্য শিশু: দত্তক নেওয়ার জন্য শিশুকে হিন্দু হতে হবে, একবারের বেশি দত্তক নেওয়া যাবে না, এবং ছেলে সন্তান হলে দত্তকগ্রহণকারীর কোনো পুত্রসন্তান থাকা উচিত নয়।





বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল "হিন্দু আইনে দত্তকগ্রহণের প্রধান শর্তগুলো কী?" উত্তর: CATG ফর্মুলা অনুযায়ী চারটি শর্ত।

আন্তর্জাতিক তুলনা: আন্তর্জাতিক দত্তকগ্রহণ নিয়ন্ত্রণ করে Hague Convention on Intercountry Adoption, 1993। এই Convention-এর মূল নীতি হলো শিশুর সর্বোত্তম স্বার্থ। হিন্দু আইনের দত্তকগ্রহণও শিশুর এবং পরিবারের সর্বোত্তম স্বার্থ বিবেচনা করে।

## হিন্দু ভরণপোষণ (Hindu Maintenance)

হিন্দু আইনে ভরণপোষণ দেওয়ার বাধ্যবাধকতা আছে।

কে ভরণপোষণ পাবে?

স্ত্রী ভরণপোষণ পাবে। সন্তানরা ভরণপোষণ পাবে। বৃদ্ধ বাবা-মা ভরণপোষণ পাবে।

Hindu Married Women's Right to Separate Residence and Maintenance Act, 1946 এই আইনে হিন্দু স্ত্রী আলাদা বাসস্থান এবং ভরণপোষণ পাওয়ার অধিকার পেয়েছে।

কখন স্ত্রী ভরণপোষণ পাবে?

স্বামী যদি নৈতিকভাবে খারাপ হয়। স্বামী যদি রক্ষেরোগী বা কুষ্ঠরোগী হয়। স্বামী যদি অন্য ধর্মে ধর্মান্তরিত হয়। স্বামী যদি নিষ্ঠুর আচরণ করে। স্বামী যদি অন্য স্ত্রী রাখে।

মনে রাখার MDPCC ফর্মুলা: M = Moral turpitude (নৈতিক পতন), D = Disease (রোগ), P = Proselytism (ধর্মান্তর), C = Cruelty (নিষ্ঠুরতা), C = Concubinage (উপস্ত্রী রাখা)।

"MDPCC মনে রাখলে হিন্দু ভরণপোষণের শর্ত মনে থাকবে।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৫ সালে MCQ-তে প্রশ্ন এসেছিল "Hindu Married Women's Right to Separate Residence and Maintenance Act কোন সালের?" উত্তর: ১৯৪৬।

## অধ্যায় ৪: হিন্দু যৌথ পরিবার (Hindu Joint Family)

### যৌথ পরিবার কী?

হিন্দু যৌথ পরিবার হলো এমন একটি পরিবার যেখানে একই পূর্বপুরুষের বংশধররা একসাথে বাস করে এবং একসাথে সম্পত্তি ভোগ করে।



Dayabhaga School-এ যৌথ পরিবার: বাংলাদেশের Dayabhaga School-এ পুত্র বাবার জীবদ্দশায় সম্পত্তিতে কোনো অধিকার পায় না। বাবার মৃত্যুর পরে পায়।

যৌথ পরিবারের Manager কে হয়?

সাধারণত পরিবারের সবচেয়ে বয়স্ক পুরুষ সদস্য Manager বা Karta হয়।

Karta-র ক্ষমতা কী?

পরিবারের ব্যবসা পরিচালনা। পরিবারের ঋণ নেওয়া। পরিবারের নামে মামলা করা বা মামলায় জবাব দেওয়া।

মনে রাখার টেকনিক: "Karta = পরিবারের CEO।"

রাজনৈতিক জোক: হিন্দু যৌথ পরিবারের Karta হলো অনেকটা NATO-র মধ্যে আমেরিকার মতো। সবচেয়ে বড় এবং শক্তিশালী, তাই সিদ্ধান্ত নেওয়ার ক্ষমতা তার। কিন্তু Karta-ও পরিবারের সদস্যদের স্বার্থ বিবেচনা করতে বাধ্য। আমেরিকাও NATO-র সিদ্ধান্তে একা যেতে পারে না।

---

## অধ্যায় ৫: Divorce Act, 1869 (খ্রিষ্টান তালাক আইন)

### Divorce Act, 1869 এর পরিচয়

The Indian Divorce Act, 1869 হলো বাংলাদেশে খ্রিষ্টান ধর্মাবলম্বীদের বিবাহ বিচ্ছেদের আইন।

মনে রাখার টেকনিক: "Divorce Act = ১৮৬৯ = আট ছয় নয়।" অথবা মনে রাখো "Napoleon-এর পতন ১৮১৫, তারপর ইউরোপে খ্রিষ্টান আইনের সম্প্রসারণ, আর বাংলাদেশে ১৮৬৯ সালে Divorce Act।"

এই আইন কাদের জন্য?

এই আইন খ্রিষ্টান ধর্মাবলম্বীদের বিবাহ বিচ্ছেদের জন্য।

### Divorce Act-এ তালাকের ভিত্তি (Grounds for Divorce)

Divorce Act, 1869-এ তালাকের বেশ কিছু ভিত্তি আছে।

স্বামী কোন কারণে তালাক চাইতে পারে?

স্বামী তালাক চাইতে পারে যদি স্ত্রী Adultery বা পরকীয়া করে।



স্ত্রী কোন কারণে তালাক চাইতে পারে?

স্ত্রী তালাক চাইতে পারে যদি:

প্রথমত, স্বামী অন্য ধর্ম গ্রহণ করে এবং অন্য নারীকে বিবাহ করে।

দ্বিতীয়ত, স্বামী Bigamy করে অর্থাৎ স্ত্রী জীবিত থাকতে অন্য বিবাহ করে।

তৃতীয়ত, স্বামী ধর্ষণ, Sodomy বা Bestiality করে।

চতুর্থত, স্বামী নির্ভুর আচরণ করে (Cruelty)।

পঞ্চমত, স্বামী দুই বছরের বেশি সময় নিখোঁজ থাকে।

মনে রাখার ABCCD ফর্মুলা (স্ত্রীর জন্য): A = Adultery + another marriage (পরকীয়া এবং অন্য বিয়ে), B = Bigamy (দ্বিবিবাহ), C = Crime (যৌন অপরাধ), C = Cruelty (নির্ভুরতা), D = Desertion (দুই বছরের বেশি নিখোঁজ)।

"ABCCD মনে রাখলে খ্রিষ্টান স্ত্রীর তালাকের ভিত্তি মনে থাকবে।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Divorce Act, 1869 অনুযায়ী স্ত্রী কোন কোন কারণে তালাক চাইতে পারে?" উত্তর: ABCCD ফর্মুলা অনুযায়ী পাঁচটি কারণ।

### Judicial Separation (বিচারিক বিচ্ছেদ)

Divorce Act-এ পূর্ণ তালাকের আগে Judicial Separation নেওয়ার ব্যবস্থা আছে।

Judicial Separation মানে স্বামী-স্ত্রী আলাদা থাকবে কিন্তু তারা আইনত বিবাহিত থাকবে এবং পুনর্মিলনের সুযোগ থাকবে।

Judicial Separation এবং Divorce-এর পার্থক্য:

Judicial Separation = সাময়িক আলাদা বাস, বিবাহ বহাল।

Divorce = স্থায়ী বিচ্ছেদ, বিবাহ শেষ।

মনে রাখার টেকনিক: "Judicial Separation = সাময়িক বিরতি। Divorce = পাকাপাকি শেষ।"

রাজনৈতিক জোক: Judicial Separation অনেকটা দুটো দেশের মধ্যে Diplomatic Relations Suspension-এর মতো। সম্পর্ক স্বগিত, কিন্তু সম্পূর্ণ ছেদ নয়। আবার মিলতে পারে। Divorce হলো Diplomatic Relations



সম্পূর্ণ ছেদ। ২০২৫ সালে ইরান-ইসরাইলের মধ্যে যে উত্তেজনা, সেটা Judicial Separation Phase-এ আছে, পূর্ণ Divorce হয়নি।

## Restitution of Conjugal Rights (দাম্পত্য অধিকার পুনরুদ্ধার)

Divorce Act-এ Restitution of Conjugal Rights-এর ব্যবস্থা আছে।

যদি স্বামী বা স্ত্রীর কেউ কোনো যুক্তিসংগত কারণ ছাড়াই অন্যজনকে ছেড়ে চলে যায় তাহলে আদালত তাকে ফিরে আসার নির্দেশ দিতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক: "RCR = ফিরে এসো আদালতের হুকুম।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Restitution of Conjugal Rights কী?" উত্তর: স্বামী বা স্ত্রীর যে কেউ অযুক্তিসংগতভাবে অন্যজনকে ছেড়ে গেলে আদালত তাকে ফিরে আসার নির্দেশ দেওয়ার আইনি ব্যবস্থা।

---

## অধ্যায় ৬: Christian Marriage Act, 1872

### খ্রিস্টান বিবাহ আইনের পরিচয়

The Christian Marriage Act, 1872 বাংলাদেশে খ্রিস্টান ধর্মাবলম্বীদের বিবাহের জন্য প্রযোজ্য।

মনে রাখার টেকনিক: "খ্রিস্টান বিয়ে = ১৮৭২ = আট সাত দুই।"

### বিবাহের পূর্বশর্ত

Christian Marriage Act, 1872 অনুযায়ী বিবাহের জন্য কিছু পূর্বশর্ত আছে।

প্রথম শর্ত হলো Notice (নোটিশ)। বিবাহের আগে Marriage Registrar-এর কাছে নোটিশ দিতে হয়।

দ্বিতীয় শর্ত হলো যদি কারো আপত্তি থাকে তাহলে নির্ধারিত সময়ের মধ্যে জানাতে হবে।

তৃতীয় শর্ত হলো বিবাহ Registration করতে হবে।

### বিবাহ সম্পন্ন করার পদ্ধতি

Christian Marriage Act-এ বিবাহ সম্পন্ন হতে পারে তিনভাবে।

প্রথমভাবে: Church-এ Minister of Religion দ্বারা।



দ্বিতীয়ভাবে: Marriage Registrar দ্বারা।

তৃতীয়ভাবে: License অনুযায়ী যেকোনো খ্রিষ্টান পাদ্রী দ্বারা।

মনে রাখার CMR ফর্মুলা: C = Church ceremony (গির্জায় অনুষ্ঠান), M = Marriage Registrar (বিবাহ নিবন্ধক), R = Registered Minister (নিবন্ধিত পাদ্রী)।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Christian Marriage Act, 1872 অনুযায়ী বিবাহ কতভাবে সম্পন্ন হতে পারে?" উত্তর: তিনভাবে।

## বিবাহের বয়স

Christian Marriage Act-এ বিবাহের বয়স সম্পর্কিত বিধান আছে।

বিবাহের জন্য ছেলের বয়স হতে হবে ন্যূনতম ২১ বছর এবং মেয়ের বয়স ন্যূনতম ১৮ বছর।

মনে রাখার টেকনিক: "ছেলে একুশ, মেয়ে আঠারো। Child Marriage Restraint Act-ও এই নিয়ম।"

রাজনৈতিক জোক: বিয়ের বয়সের নিয়ম বাংলাদেশে সব ধর্মীয় আইনে আলাদা। এটা অনেকটা জাতিসংঘের বিভিন্ন কমিটির মতো। সবাই Human Rights-এর কথা বলে কিন্তু প্রতিটি দেশ নিজের মতো করে সংজ্ঞায়িত করে। ২০২৪-২০২৫ সালে বাংলাদেশে বাল্যবিবাহ রোধে নতুন কার্যক্রম নেওয়া হয়েছে।

## অধ্যায় ৭: Guardianship and Wards Act, 1890

### অভিভাবকত্ব আইনের পরিচয়

The Guardianship and Wards Act, 1890 হলো বাংলাদেশে শিশুর অভিভাবকত্ব নিয়ন্ত্রণকারী আইন।

মনে রাখার টেকনিক: "GWA = ১৮৯০ = আট নয় শূন্য।" অথবা মনে রাখো "Guardian নব্বই সালে এল।"

এই আইন কাদের জন্য?

এই আইন সব ধর্মের মানুষের জন্য প্রযোজ্য যদি সন্তান মুসলিম না হয়। মুসলিম শিশুর জন্য মুসলিম পারিবারিক আইন প্রযোজ্য।

তবে Court-কে Guardian নিয়োগের ক্ষমতা এই আইনেই আছে সকল ক্ষেত্রে।

### Guardian কে?



Section 4 অনুযায়ী Guardian মানে এমন একজন ব্যক্তি যিনি একজন অপ্রাপ্তবয়স্কের (Minor) ব্যক্তি, সম্পত্তি বা উভয়ের দায়িত্বে আছেন।

Guardian তিন ধরনের:

প্রথম ধরন হলো Natural Guardian বা প্রাকৃতিক অভিভাবক।

দ্বিতীয় ধরন হলো Testamentary Guardian বা ইচ্ছাপত্রীয় অভিভাবক।

তৃতীয় ধরন হলো Court-appointed Guardian বা আদালত নিযুক্ত অভিভাবক।

মনে রাখার NTC ফর্মুলা: N = Natural Guardian, T = Testamentary Guardian, C = Court-appointed Guardian।

"NTC মনে রাখলে Guardian-এর তিন ধরন মনে থাকবে।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Guardianship and Wards Act, 1890 অনুযায়ী Guardian কত ধরনের?" উত্তর: তিন ধরনের।

### Section 17 - Welfare of the Minor (শিশুর কল্যাণ)

Section 17 হলো GWA-র সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ ধারা। পরীক্ষায় প্রায় প্রতি বছর আসে।

Section 17 বলে: আদালত Guardian নিয়োগের সিদ্ধান্ত নেওয়ার সময় সবার আগে শিশুর Welfare বা কল্যাণ বিবেচনা করবে।

Section 17-এর বিবেচ্য বিষয়গুলো:

শিশুর বয়স, লিঙ্গ এবং ধর্ম। শিশুর বাবা-মার চরিত্র এবং সক্ষমতা। শিশুর নিজের ইচ্ছা (যদি বয়স যথেষ্ট হয়)। শিশু এবং অভিভাবকের মধ্যে সম্পর্ক। শিশুর সম্পত্তির পরিমাণ।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 17 GWA = শিশুর কল্যাণ সবার আগে।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "GWA Section 17 অনুযায়ী আদালত Guardian নিয়োগের সময় কোন বিষয়টি সবচেয়ে বেশি গুরুত্ব দেয়?" উত্তর: শিশুর Welfare বা কল্যাণ।

রাজনৈতিক জোক: শিশুর কল্যাণ সবার আগে এই নীতিটা অনেকটা UN-এর "Responsibility to Protect" বা R2P নীতির মতো। আন্তর্জাতিক সম্পর্কে R2P বলে নাগরিকদের সুরক্ষা করতে হবে। GWA Section 17-ও বলে শিশুর কল্যাণই মূল লক্ষ্য। পার্থক্য হলো R2P প্রায়ই বাস্তবে কাজ করে না (যেমন সিরিয়া বা ইয়েমেন), কিন্তু GWA Section 17 আদালতে প্রয়োগ হয়।



## Section 19 - কখন Guardian নিয়োগ হবে না?

Section 19 বলে নিম্নলিখিত ক্ষেত্রে আদালত Guardian নিয়োগ করবে না:

প্রথমত, যদি সন্তান বিবাহিত মেয়ে হয় এবং তার স্বামী থাকে।

দ্বিতীয়ত, যদি সন্তানের Natural Guardian থাকে এবং তিনি শিশুর অভিভাবকত্ব করতে অস্বীকার না করেন।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 19 = বিবাহিত মেয়ে এবং সক্ষম বাবা-মা থাকলে আদালতের Guardian লাগবে না।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল "GWA-র কোন Section-এ Guardian নিয়োগের বাধা বলা হয়েছে?" উত্তর: Section 19।

## Section 25 - শিশুকে Guardian-এর কাছে ফেরত দেওয়া

Section 25 বলে: আদালত অনুমতি প্রাপ্ত Guardian-এর কাছ থেকে শিশুকে নিয়ে যাওয়া হলে আদালত তাকে ফেরত দেওয়ার নির্দেশ দিতে পারে।

কিন্তু এই ক্ষমতা সীমিত। যদি শিশুর বয়স যথেষ্ট হয় এবং সে নিজে Guardian-এর কাছে যেতে অস্বীকার করে তাহলে আদালত জোর করতে পারবে না।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 25 = ফেরত দেওয়ার আদেশ। কিন্তু বড় শিশু না চাইলে জোর নেই।"

## অধ্যায় ৮: The Succession Act, 1925

### উত্তরাধিকার আইনের পরিচয়

The Succession Act, 1925 বাংলাদেশে অ-মুসলিম এবং অ-হিন্দু নাগরিকদের উত্তরাধিকার নিয়ন্ত্রণ করে। মূলত খ্রিষ্টান এবং অন্যান্য সংখ্যালঘু ধর্মের মানুষদের জন্য।

তবে গুরুত্বপূর্ণ একটি বিষয় হলো এই আইনের Will বা ইচ্ছাপত্র সংক্রান্ত বিধানগুলো সব ধর্মের মানুষের ক্ষেত্রে প্রযোজ্য। মুসলিম এবং হিন্দুরাও Will করতে পারে এই আইন অনুযায়ী।

মনে রাখার টেকনিক: "Succession Act = ১৯২৫। Will বানানোর আইন সবার জন্য।"



আন্তর্জাতিক তুলনা: আন্তর্জাতিক আইনে State Succession মানে একটি রাষ্ট্র অন্য রাষ্ট্রের স্থলাভিষিক্ত হলে কোন আইন প্রযোজ্য তা নির্ধারণ। বাংলাদেশের Succession Act হলো ব্যক্তির মৃত্যুর পর সম্পত্তি কীভাবে বন্টন হবে তার আইন। দুটোই "Succession" কিন্তু স্কেল আলাদা।

## Will বা ইচ্ছাপত্র কী?

Section 2(h) অনুযায়ী Will হলো এমন একটি আইনি দলিল যার মাধ্যমে একজন ব্যক্তি তার মৃত্যুর পরে তার সম্পত্তি কীভাবে বন্টন হবে তা নির্ধারণ করেন।

Will করার শর্ত:

প্রথম শর্ত: Will করতে হলে Testator বা ইচ্ছাপত্রকারীকে ১৮ বছরের বেশি হতে হবে।

দ্বিতীয় শর্ত: Testator-কে সুস্থ মস্তিষ্কের অধিকারী হতে হবে।

তৃতীয় শর্ত: Will লিখিত হতে হবে।

চতুর্থ শর্ত: Testator-কে Will-এ সই করতে হবে।

পঞ্চম শর্ত: দুইজন সাক্ষী থাকতে হবে।

মনে রাখার ASLSW ফর্মুলা: A = Adult (প্রাপ্তবয়স্ক), S = Sound mind (সুস্থ মস্তিষ্ক), L = Legal document (লিখিত দলিল), S = Signature (স্বাক্ষর), W = Witnesses (সাক্ষী)।

"ASLSW মনে রাখলে Will-এর শর্ত মনে থাকবে।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Succession Act, 1925 অনুযায়ী Will বৈধ হওয়ার শর্তগুলো কী?" উত্তর: ASLSW ফর্মুলা অনুযায়ী পাঁচটি শর্ত।

## Section 59 - Will করার ক্ষমতা

Section 59 বলে: প্রতিটি ব্যক্তি যে সুস্থ মস্তিষ্কের এবং সাবালক তার Will করার ক্ষমতা আছে।

কারা Will করতে পারবে না?

প্রথমত, অপ্রাপ্তবয়স্ক।

দ্বিতীয়ত, মানসিকভাবে অস্থির ব্যক্তি।

তৃতীয়ত, নেশার প্রভাবে Will করলে।





মনে রাখার টেকনিক: "Section 59 = Will করার ক্ষমতা। সুস্থ, সাবালক, সজ্ঞান।"

## Probate কী?

Probate হলো আদালতের সেই প্রক্রিয়া যার মাধ্যমে একটি Will বৈধ বলে স্বীকৃত হয় এবং Executor-কে সম্পত্তি পরিচালনার ক্ষমতা দেওয়া হয়।

Section 222 অনুযায়ী Probate শুধু দেওয়া হবে District Court বা উচ্চতর আদালতের মাধ্যমে।

মনে রাখার টেকনিক: "Probate = আদালতের ছাড়পত্র। Will নিয়ে নিশ্চিত হওয়া।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Probate কী এবং কোন আদালত Probate দেয়?" উত্তর: Will-এর আদালতি স্বীকৃতি। District Court বা উচ্চতর আদালত।

## Letters of Administration কী?

যখন কেউ Will ছাড়া মারা যায় (Intestate) তখন আদালত Letters of Administration দেয়। এটার মাধ্যমে একজন Administrator সম্পত্তি পরিচালনার ক্ষমতা পায়।

Probate বনাম Letters of Administration:

Probate হলো Will থাকলে। Letters of Administration হলো Will না থাকলে।

মনে রাখার টেকনিক: "Will আছে = Probate। Will নেই = Letters of Administration।"

রাজনৈতিক জোক: Probate এবং Letters of Administration হলো অনেকটা Legitimate Government এবং Caretaker Government-এর পার্থক্যের মতো। Will থাকলে নির্দিষ্ট ব্যক্তি ক্ষমতা পায় (Probate), Will না থাকলে আদালতের মাধ্যমে কেউ নিয়োগ পায় (Letters of Administration)। ২০২৪-২০২৫ সালে বাংলাদেশে সরকার পরিবর্তনের পর Caretaker Government-এর আলোচনা এই নীতিকে স্মরণ করিয়ে দেয়।

## Intestate Succession (উইল ছাড়া মৃত্যুর পর উত্তরাধিকার)

যখন কেউ Will ছাড়া মারা যায় তখন Succession Act-এর Intestate Succession-এর নিয়ম অনুযায়ী সম্পত্তি বন্টন হয়।

Section 34 থেকে Section 49 পর্যন্ত Intestate Succession-এর নিয়ম আছে।

সাধারণ নিয়ম:

প্রথমে Linear Descendants বা সরাসরি বংশধররা পাবে।



তারপর Lineal Ascendants বা পূর্বপুরুষরা পাবে।

তারপর Collateral Relations বা পার্শ্বীয় আত্মীয়রা পাবে।

মনে রাখার DCA ফর্মুলা: D = Descendants (বংশধর), C = Clear Ascendants (পূর্বপুরুষ), A = Agnates and Collaterals (পার্শ্বীয় আত্মীয়)।

## অধ্যায় ৯: Waqf Ordinance, 1962 (ওয়াকফ অধ্যাদেশ)

### ওয়াকফ কী?

ওয়াকফ হলো ইসলামি আইন অনুযায়ী আল্লাহর নামে সম্পত্তি উৎসর্গ করা। ওয়াকফকৃত সম্পত্তি বিক্রি করা যায় না, দান করা যায় না এবং উত্তরাধিকারে যায় না।

Waqf Ordinance, 1962 বাংলাদেশে ওয়াকফ সম্পত্তির ব্যবস্থাপনা নিয়ন্ত্রণ করে।

মনে রাখার টেকনিক: "ওয়াকফ = আল্লাহর নামে বন্দী সম্পত্তি। কেউ মালিক নয়।"

আন্তর্জাতিক তুলনা: ওয়াকফ অনেকটা আন্তর্জাতিক আইনে Common Heritage of Mankind বা CHM নীতির মতো। সমুদ্রের তলদেশের সম্পদ কোনো দেশের নয়, সবার। ওয়াকফ সম্পত্তি কোনো ব্যক্তির নয়, আল্লাহর।

### ওয়াকফের শর্ত (Essentials of Valid Waqf)

ওয়াকফ বৈধ হওয়ার জন্য নিম্নলিখিত শর্ত থাকতে হবে।

প্রথম শর্ত: Waqif বা ওয়াকফ নির্মাতাকে প্রাপ্তবয়স্ক এবং সুস্থ মস্তিষ্কের হতে হবে।

দ্বিতীয় শর্ত: ওয়াকফকৃত সম্পত্তি Waqif-এর নিজের হতে হবে।

তৃতীয় শর্ত: ওয়াকফের উদ্দেশ্য ধর্মীয়, ধর্মীয়-দাতব্য বা দাতব্য হতে হবে।

চতুর্থ শর্ত: ওয়াকফ ঘোষণা করতে হবে।

মনে রাখার POPD ফর্মুলা: P = Person capable (সক্ষম ব্যক্তি), O = Owned property (নিজের সম্পত্তি), P = Pious purpose (ধর্মীয় উদ্দেশ্য), D = Declaration (ঘোষণা)।

"POPD মনে রাখলে ওয়াকফের শর্ত মনে থাকবে।"



বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৫ সালে প্রশ্ন এসেছিল "বৈধ ওয়াকফের প্রধান শর্তগুলো কী?" উত্তর: POPD ফর্মুলা অনুযায়ী চারটি শর্ত।

### Waqf-এর প্রকারভেদ

ওয়াকফ দুই ধরনের।

প্রথম ধরন হলো Waqf-ul-aulad বা পারিবারিক ওয়াকফ। এতে ওয়াকফের আয় প্রথমে পরিবারের সদস্যরা পাবে, তারপর ধর্মীয় উদ্দেশ্যে।

দ্বিতীয় ধরন হলো Waqf-li-lillah বা সরাসরি ধর্মীয় ওয়াকফ। এতে সরাসরি ধর্মীয় কাজে ব্যবহার হয়।

মনে রাখার টেকনিক: "Waqf-ul-aulad = পরিবার আগে, আল্লাহ পরে। Waqf-li-lillah = সরাসরি আল্লাহর।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Waqf-ul-aulad কী?" উত্তর: এমন ওয়াকফ যেখানে আয় প্রথমে পরিবারের সদস্যরা পাবে, তারপর ধর্মীয় কাজে যাবে।

### Mutawalli কে?

Mutawalli হলো ওয়াকফ সম্পত্তির ব্যবস্থাপক।

Mutawalli-র দায়িত্ব:

ওয়াকফ সম্পত্তি রক্ষা করা। ওয়াকফের নির্দেশ অনুযায়ী আয় বন্টন করা। ওয়াকফ সম্পত্তির হিসাব রাখা।

মনে রাখার টেকনিক: "Mutawalli = ওয়াকফের CEO।"

### Waqf Administrator বনাম Mutawalli

Waqf Ordinance, 1962 অনুযায়ী Waqf Administrator সরকারের একজন কর্মকর্তা যিনি ওয়াকফ সম্পত্তির তত্ত্বাবধান করেন।

Mutawalli হলো সরাসরি ওয়াকফ সম্পত্তির ব্যবস্থাপক।

পার্থক্য: Waqf Administrator = সরকারি তত্ত্বাবধায়ক। Mutawalli = দৈনন্দিন ব্যবস্থাপক।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Mutawalli এবং Waqf Administrator-এর পার্থক্য কী?"



রাজনৈতিক জোক: ওয়াকফ ব্যবস্থা বাংলাদেশে বেশ বিতর্কিত। ২০২৪-২০২৫ সালে বাংলাদেশে অনেক ওয়াকফ সম্পত্তি দখল হয়ে যাওয়ার খবর এসেছে। এটা অনেকটা UN-এর Common Heritage of Mankind সম্পদের মতো যা কাগজে অরক্ষিত কিন্তু বাস্তবে বড় শক্তিশালী দেশগুলো দখল করে নিচ্ছে।

## অধ্যায় ১০: সম্পূর্ণ সংখ্যার মহা সংকলন (পার্ট ৮-এর নতুন সংখ্যা)

এই অধ্যায়ে পার্ট ৮-এ আসা সব গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যা একসাথে দেওয়া হলো।

হিন্দু আইন সংক্রান্ত: ১৮৫৬ সাল = Hindu Widows' Remarriage Act। ১৯৩৭ সাল = Hindu Women's Right to Property Act। ১৯৪৬ সাল = Hindu Married Women's Right to Separate Residence and Maintenance Act।

খ্রিস্টান আইন সংক্রান্ত: ১৮৬৯ সাল = Divorce Act। ১৮৭২ সাল = Christian Marriage Act। ২১ বছর = ছেলের বিবাহের বয়স। ১৮ বছর = মেয়ের বিবাহের বয়স।

GWA সংক্রান্ত: ১৮৯০ সাল = GWA। Section 4 = Guardian-এর সংজ্ঞা। Section 17 = শিশুর কল্যাণ। Section 19 = Guardian নিয়োগ না হওয়ার ক্ষেত্র। Section 25 = ফেরত দেওয়ার আদেশ।

Succession Act সংক্রান্ত: ১৯২৫ সাল = Succession Act। Section 59 = Will করার ক্ষমতা। Section 222 = Probate।

Waqf সংক্রান্ত: ১৯৬২ সাল = Waqf Ordinance।

মনে রাখার মহাছড়া: "ছাপান্নতে বিধবা বিয়ে, সাতত্রিশে সম্পত্তি পাওয়া। ছেষড়িতে MFLO এল, বায়াতরে খ্রিস্টান বিয়ে হওয়া। নব্বইতে Guardian এল, পঁচিশে Will বানাই। বাষড়িতে Waqf অধ্যাদেশ, সব মিলিয়ে পাই।"

## অধ্যায় ১১: রিটেন পরীক্ষার সম্পূর্ণ প্রস্তুতি

### রিটেন পরীক্ষার কাঠামো

বার কাউন্সিল রিটেন পরীক্ষায় মোট নম্বর ১০০, সময় ৪ ঘন্টা।

গ্রুপ A তে CPC এবং SRA থেকে প্রশ্ন। গ্রুপ B তে CrPC এবং Penal Code থেকে প্রশ্ন। গ্রুপ C তে Evidence Act। গ্রুপ D তে Professional Ethics।



ৱিটেন পরীক্ষায় সাধারণত যা জিজ্ঞেস করা হয়:

প্রথমত, একটি আইনি সমস্যা (Hypothetical Situation) দিয়ে সেটার সমাধান করতে বলা হয়।

দ্বিতীয়ত, কোনো আইনি ধারণার ব্যাখ্যা করতে বলা হয়।

তৃতীয়ত, দুটো ধারণার মধ্যে পার্থক্য বলতে বলা হয়।

## ৱিটেন পরীক্ষার উত্তর লেখার কৌশল

ৱিটেন পরীক্ষায় ভালো করার জন্য কিছু কৌশল মেনে চলতে হবে।

প্রথম কৌশল হলো IRAC ফর্মুলা ব্যবহার করা।

I = Issue বা সমস্যা কী? R = Rule বা প্রযোজ্য আইন কী? A = Application বা আইন কীভাবে প্রযোজ্য? C = Conclusion বা উপসংহার কী?

"IRAC = আইনি উত্তরের চার ধাপ।"

দ্বিতীয় কৌশল হলো Section Number সঠিকভাবে উল্লেখ করা। পরীক্ষায় Section Number সহ উত্তর দিলে বেশি নম্বর পাওয়া যায়।

তৃতীয় কৌশল হলো উদাহরণ দেওয়া। শুধু সংজ্ঞা না লিখে একটি বাস্তব উদাহরণ দিলে উত্তর আরো শক্তিশালী হয়।

চতুর্থ কৌশল হলো সুচিন্তিত উপসংহার। উত্তরের শেষে সংক্ষেপে উপসংহার লিখলে ভালো ছাপ পড়ে।

রাজনৈতিক জোক: IRAC ফর্মুলা অনেকটা UN Security Council-এর রেজুলেশন পাসের মতো। I = বিষয় কী (Issue), R = কোন Charter বা আইন (Rule), A = কীভাবে প্রযোজ্য (Application), C = কী সিদ্ধান্ত (Conclusion)। তবে UN-এ P5 ভেটো দিলে কিছু হয় না কিন্তু বার কাউন্সিলে IRAC ঠিকমতো লিখলে নম্বর পাবেই।

## অধ্যায় ১২: CPC বিষয়ক ৱিটেন প্রশ্নের নমুনা উত্তর

**প্রশ্ন ১: Res Judicata এবং Stay of Suit-এর মধ্যে পার্থক্য কী? (বিগত সালে ২০১৭, ২০১৯, ২০২৩ তে বিভিন্নভাবে এসেছে)**

উত্তর লেখার পদ্ধতি (IRAC):



Issue: Res Judicata (Section 11) এবং Stay of Suit (Section 10)-এর মধ্যে পার্থক্য কী?

Rule: The Code of Civil Procedure, 1908-এর Section 10 এবং Section 11।

Application:

Section 10 বা Stay of Suit হলো সাময়িক ব্যবস্থা। এই ধারায় যদি একই বিষয়ে দুটো আদালতে একসাথে মামলা চলে তাহলে পরবর্তী আদালত মামলাটি স্থগিত রাখে। মামলা শেষ হয়নি, শুধু থামানো হয়েছে।

Section 11 বা Res Judicata হলো স্থায়ী বাধা। এই ধারায় একবার একটি সক্ষম আদালতে মামলা শেষ হয়ে গেলে একই বিষয়ে একই পক্ষের মধ্যে আর মামলা করা যাবে না।

পার্থক্যের সারসংক্ষেপ: Section 10-এ মামলা চলছে কিন্তু স্থগিত। Section 11-এ মামলা চিরতরে বন্ধ।

Section 10-এ একই বিষয়ে দুটো আদালতে মামলা চলছে। Section 11-এ আগের মামলার রায় শেষ হয়ে গেছে।

Section 10 সাময়িক। Section 11 স্থায়ী।

Section 10-এ আগের মামলার রায়ের দরকার নেই। Section 11-এ আগের মামলার চূড়ান্ত রায় দরকার।

Conclusion: Section 10 হলো প্রক্রিয়াগত স্থগিতাদেশ আর Section 11 হলো স্থায়ী আইনি বাধা।

**প্রশ্ন ২: Temporary Injunction-এর শর্তগুলো বিস্তারিত লিখুন। (২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে বিভিন্নভাবে এসেছে)**

উত্তর (IRAC):

Issue: CPC Order 39-এর অধীনে Temporary Injunction পাওয়ার শর্ত কী কী?

Rule: The Code of Civil Procedure, 1908-এর Order 39 Rule 1 এবং Rule 2।

Application:

Temporary Injunction পাওয়ার জন্য তিনটি মূল শর্ত পূরণ করতে হয়।

প্রথম শর্ত হলো Prima Facie Case। বাদীকে প্রথম দর্শনে প্রমাণ করতে হবে যে তার মামলাটি বৈধ এবং গুরুত্বপূর্ণ। আদালত বিস্তারিত প্রমাণ ছাড়াই প্রাথমিকভাবে বিবেচনা করবে।



উদাহরণ: করিম একটি জমির মালিক এবং রহিম সেই জমিতে ঘর তুলছে। করিম Temporary Injunction চাইলে আদালত প্রথমে দেখবে করিমের কাছে জমির কাগজপত্র আছে কিনা। থাকলে Prima Facie Case প্রমাণিত।

দ্বিতীয় শর্ত হলো Balance of Convenience। Injunction না দিলে বাদীর যে ক্ষতি হবে সেটা বিবাদীর ক্ষতির চেয়ে বেশি হতে হবে। অর্থাৎ Injunction দেওয়াই বেশি ন্যায্যসংগত।

উদাহরণ: করিম যদি Injunction না পায় তাহলে ঘর তৈরি হয়ে যাবে এবং পরে ভাঙা কঠিন হবে। কিন্তু রহিম যদি Injunction পায় তাহলে শুধু কিছুদিন কাজ বন্ধ থাকবে। তুলনা করলে করিমের ক্ষতি বেশি।

তৃতীয় শর্ত হলো Irreparable Injury। Injunction না দিলে বাদীর যে ক্ষতি হবে তা পরে টাকা দিয়ে পূরণ করা সম্ভব হবে না।

উদাহরণ: একবার ঘর তৈরি হয়ে গেলে এবং তৃতীয় পক্ষ কিনে নিলে পরিস্থিতি ফেরানো অত্যন্ত কঠিন।

Conclusion: PBI ফর্মুলা অনুযায়ী তিনটি শর্ত পূরণ হলেই Temporary Injunction পাওয়া যাবে।

**প্রশ্ন ৩: Section 151 CPC-তে আদালতের Inherent Powers বলতে কী বোঝায়? (২০১৮, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে)**

উত্তর (IRAC):

Issue: Section 151 CPC-এর অধীনে আদালতের Inherent Powers কী?

Rule: The Code of Civil Procedure, 1908-এর Section 151।

Application:

Section 151 CPC বলে: "Nothing in this Code shall be deemed to limit or otherwise affect the inherent power of the Court to make such orders as may be necessary for the ends of justice or to prevent abuse of the process of the Court."

অর্থাৎ CPC-তে সুনির্দিষ্টভাবে উল্লেখ না থাকলেও আদালতের অন্তর্নিহিত ক্ষমতা আছে যা ন্যায়বিচার নিশ্চিত করতে বা আদালতের অপব্যবহার রোধ করতে প্রয়োগ করা যায়।

Inherent Powers-এর বৈশিষ্ট্য:

প্রথমত, এটা CPC-র নির্দিষ্ট বিধানের বাইরে।

দ্বিতীয়ত, এটা ন্যায়বিচারের জন্য বা আদালতের অপব্যবহার রোধের জন্য।



তৃতীয়ত, এটা CPC-র অন্যান্য বিধানের সাথে সামঞ্জস্যপূর্ণভাবে ব্যবহার করতে হবে।

চতুর্থত, এটা শুধু Procedural বিষয়ে, Substantive অধিকার দেওয়া বা নেওয়ার জন্য নয়।

উদাহরণ: একজন পক্ষ মামলার প্রক্রিয়াকে অপব্যবহার করে বিলম্ব করছে। CPC-তে এই নির্দিষ্ট পরিস্থিতির জন্য কোনো বিধান নেই। আদালত Section 151-এর অধীনে Inherent Power প্রয়োগ করে মামলার অপব্যবহার রোধ করতে পারে।

Conclusion: Section 151 হলো আদালতের "Emergency Power" যা সুনির্দিষ্ট বিধানের বাইরে ন্যায়বিচার নিশ্চিত করতে ব্যবহার হয়।

---

## অধ্যায় ১৩: CrPC বিষয়ক রিটেন প্রশ্নের নমুনা উত্তর

**প্রশ্ন ১: FIR বা First Information Report কী? কীভাবে দাখিল করতে হয়? (২০১৭, ২০১৯, ২০২৩ সালে এসেছে)**

উত্তর (IRAC):

Issue: CrPC Section 154-এর অধীনে FIR কী এবং এটা কীভাবে দাখিল করতে হয়?

Rule: The Code of Criminal Procedure, 1898-এর Section 154।

Application:

FIR বা First Information Report হলো একটি Cognizable অপরাধ সংঘটিত হওয়ার প্রথম তথ্য যা পুলিশকে দেওয়া হয়।

FIR কীভাবে দাখিল করতে হয়?

Section 154(1) অনুযায়ী FIR পুলিশ অফিসারকে মৌখিক বা লিখিতভাবে দেওয়া যায়।

মৌখিকভাবে দিলে পুলিশ অফিসার লিখে নেবেন এবং FIR দাতাকে পড়ে শোনাবেন।

FIR দাতা যদি স্বাক্ষর করতে পারেন তাহলে স্বাক্ষর নিতে হবে।

FIR-এর কপি FIR দাতাকে বিনামূল্যে দিতে হবে।





FIR-এর গুরুত্ব: FIR হলো ফৌজদারি মামলার সূচনা বিন্দু। FIR-এ অভিযোগের মূল তথ্য থাকে। FIR-এর ভিত্তিতে পুলিশ তদন্ত শুরু করে।

কে FIR করতে পারে? যে কেউ FIR করতে পারে। ভুক্তভোগী, সাক্ষী এবং এমনকি অপরিচিত ব্যক্তিও।

FIR না নিলে কী হবে? Section 154(3) অনুযায়ী পুলিশ FIR না নিলে FIR দাতা Superintendent of Police-এর কাছে যেতে পারবেন।

Conclusion: FIR হলো ফৌজদারি মামলার প্রবেশদ্বার। Section 154 এটার সম্পূর্ণ পদ্ধতি বলে।

**প্রশ্ন ২: Bail (জামিন) কী? Bailable এবং Non-bailable অপরাধে জামিনের পার্থক্য কী? (প্রতি বছর আসে)**

উত্তর (IRAC):

Issue: CrPC-তে Bail কী এবং Bailable এবং Non-bailable অপরাধে জামিনের পার্থক্য কী?

Rule: The Code of Criminal Procedure, 1898-এর Section 496, 497 এবং 498।

Application:

Bail মানে হলো একজন অভিযুক্তকে কিছু শর্তে হেফাজত থেকে মুক্তি দেওয়া। অভিযুক্ত প্রতিশ্রুতি দেয় যে সে আদালতে হাজির হবে।

Bailable অপরাধে জামিন (Section 496):

Bailable অপরাধে জামিন পাওয়া অধিকার (Right)। পুলিশ নিজেই জামিন দিতে পারে। আদালতের আদেশ লাগে না।

Non-bailable অপরাধে জামিন (Section 497):

Non-bailable অপরাধে জামিন পাওয়া বিবেচনামূলক (Discretionary)। সাধারণত আদালত থেকে জামিন নিতে হয়।

Section 497-এ তিন ধরনের ব্যক্তির জন্য বিশেষ নিয়ম: ১৬ বছরের কম বয়সী। অসুস্থ বা দুর্বল ব্যক্তি। মহিলা।

এই তিন ধরনের ব্যক্তির ক্ষেত্রে আদালত সহজে জামিন দেয়।

কিন্তু মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন দণ্ডযোগ্য অপরাধে সাধারণত জামিন মেলে না।



High Court Division-এর ক্ষমতা (Section 498): High Court Division সব ক্ষেত্রে জামিন দিতে পারে, এমনকি Non-bailable অপরাধেও।

Conclusion: Bailable অপরাধে জামিন অধিকার, Non-bailable অপরাধে জামিন বিবেচনা।

রাজনৈতিক জোক: Bailable অপরাধে জামিন হলো অনেকটা OECD-ভুক্ত দেশগুলোর Trade Agreement-এর মতো, সই করলেই কাজ হয়। Non-bailable অপরাধে জামিন হলো UN Security Council-এর Resolution-এর মতো, P5-দের সম্মতি না পেলে কিছু হয় না।

**প্রশ্ন ৩: Dying Declaration (মুমূর্ষু ব্যক্তির স্বীকারোক্তি) কী? এটা সাক্ষ্য হিসেবে গ্রহণযোগ্য কি? (২০১৮, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে)**

উত্তর (IRAC):

Issue: Dying Declaration কী এবং এটা কখন সাক্ষ্য হিসেবে গ্রহণযোগ্য?

Rule: The Evidence Act, 1872-এর Section 32(1)।

Application:

Dying Declaration হলো এমন একটি বিবৃতি যা কোনো ব্যক্তি তার মৃত্যুর কারণ সম্পর্কে মৃত্যুর আগে দেয়।

Section 32(1) বলে: মৃত ব্যক্তি তার মৃত্যুর কারণ বা মৃত্যু যে পরিস্থিতিতে হয়েছে সে সম্পর্কে যে বিবৃতি দিয়েছিল তা সাক্ষ্য হিসেবে গ্রহণযোগ্য।

Dying Declaration কেন গ্রহণযোগ্য?

মৃত্যুর দ্বারপ্রান্তে একজন মানুষ মিথ্যা বলার সম্ভাবনা কম। এই বিশ্বাসের ভিত্তিতে এটা গ্রহণযোগ্য।

Dying Declaration কখন সাক্ষ্য হিসেবে গ্রহণযোগ্য হবে?

প্রথমত, বিবৃতিকারীকে অবশ্যই মারা যেতে হবে।

দ্বিতীয়ত, বিবৃতিটি মৃত্যুর কারণ সম্পর্কে হতে হবে।

তৃতীয়ত, মামলায় মৃত্যুর পরিস্থিতি প্রশ্নের মধ্যে থাকতে হবে।

গুরুত্বপূর্ণ: Dying Declaration-এ Oath (শপথ) লাগে না। এমনকি Cross-Examination-ও হয় না। তারপরও এটা সাক্ষ্য।



Conclusion: Dying Declaration Section 32(1) অনুযায়ী গ্রহণযোগ্য সাক্ষ্য কারণ মৃত্যুকালীন বিবৃতিতে মিথ্যার সম্ভাবনা কম।

## অধ্যায় ১৪: Penal Code বিষয়ক রিটেন প্রশ্নের নমুনা উত্তর

### প্রশ্ন ১: Section 34 এবং Section 149-এর পার্থক্য কী? (২০১৮, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে)

উত্তর (IRAC):

Issue: Penal Code-এর Section 34 (Common Intention) এবং Section 149 (Common Object)-এর পার্থক্য কী?

Rule: The Penal Code, 1860-এর Section 34 এবং Section 149।

Application:

Section 34 বলে: যখন কয়েকজন ব্যক্তি একটি অপরাধ তাদের সাধারণ উদ্দেশ্য (Common Intention) বাস্তবায়নে করে তখন প্রত্যেকে সেই অপরাধের জন্য দায়ী।

Section 149 বলে: যদি একটি বেআইনি জমায়েত (Unlawful Assembly) তাদের সাধারণ লক্ষ্য (Common Object) পূরণে অপরাধ করে তাহলে সেই জমায়েতের প্রতিটি সদস্য দায়ী।

পার্থক্য:

Section 34-এ "Common Intention" লাগে। Section 149-তে "Common Object" লাগে।

Section 34-এ কোনো নির্দিষ্ট সংখ্যার বাধ্যবাধকতা নেই। Section 149-তে অন্তত ৫ জন থাকতে হবে।

Section 34-এ পূর্বপরিকল্পনা (Pre-concert) থাকা জরুরি। Section 149-তে পূর্বপরিকল্পনা জরুরি নয়।

Section 34 কোনো স্বাধীন অপরাধ নয়, শুধু দায়বদ্ধতার নিয়ম। Section 149 একটি স্বাধীন অপরাধ।

মনে রাখার টেকনিক: "৩৪ = উদ্দেশ্য, গোপন পরিকল্পনা। ১৪৯ = লক্ষ্য, পাঁচজনের জমায়েত।"

Conclusion: উভয় Section-ই দলগত দায়িত্ব সম্পর্কে কিন্তু Section 34-এ Common Intention এবং Section 149-এ Unlawful Assembly-র Common Object গুরুত্বপূর্ণ।

### প্রশ্ন ২: Extortion এবং Robbery-এর পার্থক্য কী? (২০১৯, ২০২৩ সালে এসেছে)



উত্তর (IRAC):

Issue: Penal Code-এর Section 383-386 (Extortion) এবং Section 390-391 (Robbery)-এর পার্থক্য কী?

Rule: The Penal Code, 1860।

Application:

Extortion (Section 383): Extortion হলো যখন কেউ কাউকে ভয় দেখিয়ে বা ভয়ের আশঙ্কা তৈরি করে সম্পত্তি বা মূল্যবান নিরাপত্তাপত্র নেয়।

Extortion-এর মূল বৈশিষ্ট্য: ভয় দেখানো হয়। ভয়ের কারণে ভুক্তভোগী সম্পত্তি দেয়। সরাসরি শক্তি প্রয়োগ থাকে না।

উদাহরণ: রহিম করিমকে বলল "তোমার ছেলেকে মেরে ফেলব যদি ১ লাখ টাকা না দাও।"

Robbery (Section 390): Robbery হলো Theft বা Extortion যা সহিংসতা বা সহিংসতার আশঙ্কার সাথে যুক্ত।

Robbery-র মূল বৈশিষ্ট্য: সরাসরি সহিংসতা বা তাৎক্ষণিক ভয়। সম্পত্তি সরাসরি নিয়ে যাওয়া হয়।

উদাহরণ: রহিম করিমকে ধাক্কা দিয়ে ফেলে তার মানিব্যাগ ছিনিয়ে নিল।

মূল পার্থক্য: Extortion-এ ভয়ের কারণে ভুক্তভোগী নিজেই দেয়। Robbery-তে সরাসরি নেওয়া হয়।

Conclusion: Extortion = ভয় দিয়ে স্বেচ্ছায় নেওয়া। Robbery = সরাসরি শক্তি দিয়ে নেওয়া।

**প্রশ্ন ৩: Cheating (Section 420) এবং Breach of Trust (Section 405)-এর পার্থক্য কী? (২০১৮, ২০২১ সালে এসেছে)**

উত্তর:

Cheating (Section 420): Section 420 বলে Cheating হলো যখন কেউ প্রতারণা করে কাউকে সম্পত্তি দিতে বা মূল্যবান নিরাপত্তাপত্র সই করতে বা পরিবর্তন করতে বাধ্য করে।

Cheating-এর মূল উপাদান: প্রতারণা (Deception)। প্রতারণার কারণে সম্পত্তি দেওয়া। সম্পত্তির ক্ষতি।

উদাহরণ: রহিম করিমকে নকল মালামাল বিক্রি করে টাকা নিল। এটা Cheating।



Criminal Breach of Trust (Section 405): Section 405 বলে Criminal Breach of Trust হলো যখন কেউ সম্পত্তি বিশ্বাস হিসেবে (In trust) নিয়ে সেটা অসংভাবে ব্যবহার করে বা নিজের কাজে লাগায়।

CBT-র মূল উপাদান: বিশ্বাস করে সম্পত্তি দেওয়া হয়েছে। সম্পত্তি অসংভাবে ব্যবহার করা হয়েছে।

উদাহরণ: রহিম করিমের কাছ থেকে বিক্রির জন্য সোনার গহনা নিল এবং নিজে ব্যবহার করল। এটা CBT।

মূল পার্থক্য: Cheating-এ প্রথম থেকেই প্রতারণার উদ্দেশ্য থাকে। CBT-তে প্রথমে বিশ্বাস থাকে, পরে বিশ্বাসঘাতকতা হয়।

## অধ্যায় ১৫: Evidence Act বিষয়ক রিটেন প্রশ্নের নমুনা উত্তর

**প্রশ্ন ১: Confession (স্বীকারোক্তি) কী? কোন Confession সাক্ষ্য হিসেবে গ্রহণযোগ্য নয়? (প্রতি বছর আসে)**

উত্তর (IRAC):

Issue: Evidence Act-এ Confession কী এবং কোন Confession গ্রহণযোগ্য নয়?

Rule: The Evidence Act, 1872-এর Section 24, 25, 26, 27।

Application:

Confession হলো এমন একটি স্বীকারোক্তি যা অভিযুক্ত ব্যক্তি দেয় এবং যার মাধ্যমে সে সরাসরি বা পরোক্ষভাবে অপরাধ করার কথা স্বীকার করে।

কোন Confession গ্রহণযোগ্য নয়?

Section 24 অনুযায়ী যে Confession Inducement, Threat বা Promise দ্বারা নেওয়া হয়েছে তা গ্রহণযোগ্য নয়।

Section 25 অনুযায়ী পুলিশের কাছে দেওয়া Confession গ্রহণযোগ্য নয়।

Section 26 অনুযায়ী পুলিশের হেফাজতে থাকার সময় দেওয়া Confession গ্রহণযোগ্য নয়।

কিন্তু Section 27-এর ব্যতিক্রম: যদি পুলিশের কাছে দেওয়া Confession-এর ফলে কোনো তথ্য উদ্ঘাটন হয় তাহলে সেই তথ্যটুকু সাক্ষ্য হিসেবে গ্রহণযোগ্য।



উদাহরণ: রহিম পুলিশকে বলল "আমি হত্যা করেছি এবং অস্ত্র গাছের তলায় আছে।" এই Confession গ্রহণযোগ্য নয় (Section 25), কিন্তু গাছের তলায় অস্ত্র পাওয়া গেলে সেই অস্ত্র সাক্ষ্য হিসেবে গ্রহণযোগ্য (Section 27)।

মনে রাখার টেকনিক: "২৪ = ভয়ে নেওয়া = বাতিল। ২৫ = পুলিশের কাছে = বাতিল। ২৬ = হেফাজতে = বাতিল। ২৭ = উদ্ঘাটন = গ্রহণযোগ্য।"

Conclusion: পুলিশের কাছে বা ভয়ে নেওয়া Confession গ্রহণযোগ্য নয়। কিন্তু সেই Confession-এর ফলে উদ্ঘাটিত তথ্য গ্রহণযোগ্য।

রাজনৈতিক জোক: এই নিয়মটা অনেকটা Tortured Confession-এর আন্তর্জাতিক নিষেধাজ্ঞার মতো। UN Convention Against Torture বলে নির্যাতনে নেওয়া স্বীকারোক্তি গ্রহণযোগ্য নয়। Evidence Act Section 24-26-ও এই নীতি মেনে চলে।

## প্রশ্ন ২: Expert Evidence বলতে কী বোঝায়? কে Expert হতে পারেন? (২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে)

উত্তর:

Expert Evidence হলো এমন মতামত সাক্ষ্য যা বিশেষজ্ঞ ব্যক্তি দেন এমন বিষয়ে যেখানে আদালতের বিশেষ জ্ঞানের অভাব রয়েছে।

Section 45 অনুযায়ী নিম্নলিখিত বিষয়ে Expert Opinion সাক্ষ্য হিসেবে গ্রহণযোগ্য:

বিদেশি আইন বিষয়ে। বিজ্ঞান বিষয়ে। শিল্পকলা বিষয়ে। হস্তলিপি বা আঙুলের ছাপ বিষয়ে।

কে Expert?

Expert হলো এমন ব্যক্তি যার ওই বিশেষ বিষয়ে বিশেষ জ্ঞান, দক্ষতা বা অভিজ্ঞতা আছে। ডাক্তার (চিকিৎসা বিষয়ে), বিজ্ঞানী (বিজ্ঞান বিষয়ে), ডিজিটাল ফরেনসিক বিশেষজ্ঞ (Digital Evidence বিষয়ে) এরা Expert।

গুরুত্বপূর্ণ: Expert-এর মতামত আদালতের জন্য বাধ্যকর নয়। আদালত এটা পরীক্ষা করে নিজস্ব সিদ্ধান্ত নেয়।

মনে রাখার FSAH ফর্মুলা: F = Foreign law (বিদেশি আইন), S = Science (বিজ্ঞান), A = Art (শিল্পকলা), H = Handwriting/Fingerprint (হস্তলিপি/ছাপ)।

"FSAH মনে রাখলে Expert Opinion কোথায় কাজ করে মনে থাকবে।"

আন্তর্জাতিক তুলনা: আন্তর্জাতিক বিচার আদালত ICC-তে Forensic Experts এবং DNA Experts বড় ভূমিকা রাখেন। বাংলাদেশের আদালতেও Section 45-এর অধীনে ডিজিটাল ফরেনসিক বিশেষজ্ঞদের সাক্ষ্য গুরুত্বপূর্ণ



হয়ে উঠছে। ২০২৪-২০২৫ সালে বাংলাদেশে Cyber Security Act-এর অধীনে Digital Evidence নিয়ে নতুন মামলায় এই Expert Opinion গুরুত্বপূর্ণ হয়েছে।

## অধ্যায় ১৬: Professional Ethics বিষয়ক সম্পূর্ণ প্রস্তুতি

### Bar Council Order, 1972 এবং Rules, 1972

Bar Council Order 1972 হলো বাংলাদেশ বার কাউন্সিলের সাংগঠনিক কাঠামো নির্ধারণকারী মূল আইনি দলিল।

মনে রাখার টেকনিক: "BC Order = ১৯৭২ = মুক্তিযুদ্ধের পরের বছরেই।"

### Bar Council-এর কাজ

Bar Council-এর প্রধান কাজগুলো হলো:

প্রথমত, আইনজীবীদের Enrollment করা। দ্বিতীয়ত, আইনজীবীদের পেশাগত আচরণ নিয়ন্ত্রণ করা। তৃতীয়ত, আইনজীবীদের শিক্ষা এবং প্রশিক্ষণের ব্যবস্থা করা। চতুর্থত, আইনজীবীদের বিরুদ্ধে অভিযোগের তদন্ত করা।

### আইনজীবীর পেশাগত দায়িত্ব

আইনজীবীর মক্কেলের প্রতি দায়িত্ব: মক্কেলের গোপনীয়তা রক্ষা। মক্কেলের স্বার্থে কাজ করা। মক্কেলকে সঠিক পরামর্শ দেওয়া।

আইনজীবীর আদালতের প্রতি দায়িত্ব: আদালতকে সত্য তথ্য দেওয়া। মিথ্যা সাক্ষ্য না দেওয়া। আদালতের সম্মান বজায় রাখা।

আইনজীবীর সমাজের প্রতি দায়িত্ব: সমাজের ন্যায়বিচার নিশ্চিত করতে সাহায্য করা।

মনে রাখার CCS ফর্মুলা: C = Client duty (মক্কেলের প্রতি দায়), C = Court duty (আদালতের প্রতি দায়), S = Society duty (সমাজের প্রতি দায়)।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল "আইনজীবীর পেশাগত দায়িত্ব কয়টি এবং কী কী?" উত্তর: CCS ফর্মুলায় তিনটি।

### Conflict of Interest

আইনজীবী একই মামলায় উভয় পক্ষের হয়ে কাজ করতে পারবেন না। এটা Conflict of Interest।



বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "একজন আইনজীবী কি একই মামলায় উভয় পক্ষের প্রতিনিধিত্ব করতে পারেন?" উত্তর: না, এটা Conflict of Interest।

## Contempt of Court

আদালতকে অমান্য করা বা আদালতের সম্মান ক্ষুণ্ণ করা Contempt of Court।

Contempt of Court দুই ধরনের:

প্রথম ধরন হলো Civil Contempt। আদালতের আদেশ না মানা।

দ্বিতীয় ধরন হলো Criminal Contempt। আদালতকে অসম্মান করা বা বিচার প্রক্রিয়ায় বাধা দেওয়া।

মনে রাখার টেকনিক: "Civil Contempt = আদেশ না মানা। Criminal Contempt = আদালতকে অপমান করা।"

রাজনৈতিক জোক: Contempt of Court হলো অনেকটা UN Security Council Resolution অমান্য করার মতো। তাত্ত্বিকভাবে শাস্তি আছে কিন্তু বাস্তবে বড় দেশ অমান্য করলে কিছু হয় না। কিন্তু বাংলাদেশের আদালতে Contempt-এর শাস্তি বাস্তবে হয়।

---

## অধ্যায় ১৭: ২০২৬ সালের পরীক্ষার সম্পূর্ণ Prediction Set (১০০টি MCQ)

### CPC অংশ (২০টি প্রশ্ন)

প্রশ্ন ১ (২০২৩ সালে আসা বিষয়, পুনরায় আসার সম্ভাবনা বেশি): CPC Section 10 এবং Section 11-এর মূল পার্থক্য কী?

ক) Section 10 স্থায়ী, Section 11 সাময়িক।

খ) Section 10 সাময়িক, Section 11 স্থায়ী।

গ) দুটোই স্থায়ী।

ঘ) দুটোই সাময়িক।

উত্তর: খ) Section 10 সাময়িক স্বগিতাদেশ, Section 11 স্থায়ী বাধা।

প্রশ্ন ২ (২০২৫ সালে আসা বিষয়): CPC Section 89-তে উল্লিখিত ADR-এর পদ্ধতি কতটি?





ক) দুটি।

খ) তিনটি।

গ) চারটি।

ঘ) পাঁচটি।

উত্তর: গ) চারটি। ACJM = Arbitration, Conciliation, Judicial Settlement, Mediation।

প্রশ্ন ৩ (নতুন, ২০২৬ Prediction): CPC Order 7-এ Plaint-এর বিষয়বস্তুর NANDAMVR ফর্মুলায় V মানে কী?

ক) Value (মূল্যমান)।

খ) Venue/Court (আদালতের নাম)।

গ) Victim (ভুক্তভোগী)।

ঘ) Verdict (রায়)।

উত্তর: খ) Venue/Court (আদালতের নাম)।

প্রশ্ন ৪ (২০১৯, ২০২১ সালে আসা বিষয়): Order 39 CPC-তে Temporary Injunction পাওয়ার PBI ফর্মুলায় B মানে কী?

ক) Bond।

খ) Balance of Convenience।

গ) Bail।

ঘ) Burden of Proof।

উত্তর: খ) Balance of Convenience।

প্রশ্ন ৫ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): CPC Section 100-এ Second Appeal কোন আদালতে এবং কোন বিষয়ে?

ক) District Court, তথ্যের প্রশ্নে।



খ) High Court Division, আইনের প্রশ্নে।

গ) Appellate Division, তথ্যের প্রশ্নে।

ঘ) Supreme Court, যেকোনো প্রশ্নে।

উত্তর: খ) High Court Division, আইনের প্রশ্নে (Substantial Question of Law)।

প্রশ্ন ৬ (২০২১ সালে আসা বিষয়): CPC Order 22 Rule 3 অনুযায়ী বাদীর মৃত্যু হলে তার আইনি উত্তরাধিকারী কত দিনের মধ্যে পক্ষ হিসেবে যোগ দিতে পারবে?

ক) ৩০ দিন।

খ) ৬০ দিন।

গ) ৯০ দিন।

ঘ) ১২০ দিন।

উত্তর: গ) ৯০ দিন।

প্রশ্ন ৭ (২০১৭ সালে আসা বিষয়): CPC Section 115-এর Revision কী ধরনের ক্ষমতা?

ক) Appellate Power।

খ) Supervisory Power।

গ) Original Power।

ঘ) Inherent Power।

উত্তর: খ) Supervisory Power।

প্রশ্ন ৮ (নতুন, ২০২৬ Prediction): CPC Section 144 (Restitution) কখন প্রযোজ্য?

ক) প্রতিটি মামলায়।

খ) উচ্চতর আদালতে রায় পরিবর্তন হলে।

গ) শুধু টাকার মামলায়।



ঘ) Injunction মামলায়।

উত্তর: খ) উচ্চতর আদালতে রায় পরিবর্তন হলে।

প্রশ্ন ৯ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): CPC Order 37-এ Summary Suit কোন মামলায় প্রযোজ্য?

ক) সব মামলায়।

খ) Negotiable Instruments এবং লিখিত চুক্তির টাকার মামলায়।

গ) শুধু Cheque বাউন্স মামলায়।

ঘ) জমির মামলায়।

উত্তর: খ) Negotiable Instruments এবং লিখিত চুক্তির টাকার মামলায়।

প্রশ্ন ১০ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): CPC Order 9 Rule 6-এ Ex Parte Decree কখন দেওয়া হয়?

ক) বাদী না আসলে।

খ) বিবাদী সমন পেয়েও না আসলে।

গ) উভয় পক্ষ না আসলে।

ঘ) আদালত চাইলে।

উত্তর: খ) বিবাদী সমন পেয়েও না আসলে।

প্রশ্ন ১১ (২০২৫ সালে আসা বিষয়): CPC Section 51-এর Execution-এর ASDRO ফর্মুলায় R মানে কী?

ক) Release।

খ) Receiver নিয়োগ।

গ) Revision।

ঘ) Restitution।

উত্তর: খ) Receiver নিয়োগ।



প্রশ্ন ১২ (নতুন, ২০২৬ Prediction): CPC Order 17 Rule 1 অনুযায়ী একটি মামলায় প্রতিটি পক্ষ কতবার Adjournment পেতে পারে?

ক) একবার।

খ) দুবার।

গ) তিনবার।

ঘ) চারবার।

উত্তর: গ) তিনবার।

প্রশ্ন ১৩ (২০২১ সালে আসা বিষয়): CPC Section 26 অনুযায়ী দেওয়ানি মামলা কীভাবে শুরু হয়?

ক) Written Statement দিয়ে।

খ) Complaint দাখিল করে।

গ) মৌখিক অভিযোগ দিয়ে।

ঘ) আদালতের স্বতঃপ্রণোদনায়।

উত্তর: খ) Complaint দাখিল করে।

প্রশ্ন ১৪ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): CPC-তে Decree এবং Order-এর মূল পার্থক্য কী?

ক) Decree বড়, Order ছোট।

খ) Decree মামলার মূল বিষয়ে, Order আনুষঙ্গিক বিষয়ে।

গ) Decree শুধু High Court-এ, Order নিম্ন আদালতে।

ঘ) Decree এবং Order একই।

উত্তর: খ) Decree মামলার মূল বিষয়ে সিদ্ধান্ত, Order আনুষঙ্গিক বিষয়ে সিদ্ধান্ত।

প্রশ্ন ১৫ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): CPC Section 20 (Jurisdiction)-এর RBA ফর্মুলায় A মানে কী?

ক) Appeal।



খ) Application।

গ) মামলার Cause of Action যেখানে Arise হয়েছে।

ঘ) Advocate।

উত্তর: গ) মামলার কারণ যেখানে Arise হয়েছে।

প্রশ্ন ১৬ (নতুন, ২০২৬ Prediction): CPC Order 23 Rule 3-এ Compromise Decree মানে কী?

ক) বাদীর দাবি মানা হয়েছে।

খ) পক্ষরা মামলা চলাকালীন আপস করেছে এবং আদালত সেটাকে ডিক্রিতে রূপান্তর করেছে।

গ) বিবাদী হেরে গেছে।

ঘ) মামলা খারিজ হয়েছে।

উত্তর: খ) পক্ষরা আপস করেছে এবং আদালত সেটাকে ডিক্রিতে রূপান্তর করেছে।

প্রশ্ন ১৭ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): CPC Section 96(3) অনুযায়ী Consent Decree-র বিরুদ্ধে কি আপিল করা যায়?

ক) হ্যাঁ, সবসময়।

খ) না, সাধারণত করা যায় না।

গ) শুধু High Court-এ।

ঘ) শুধু যদি Fraud থাকে।

উত্তর: খ) সাধারণত না।

প্রশ্ন ১৮ (২০২৫ সালে আসা বিষয়): CPC Section 11-এ Res Judicata-র শর্তে Same Parties মানে কী?

ক) একই নাম।

খ) একই পক্ষ বা তাদের উত্তরাধিকারী।

গ) একই ঠিকানা।



ঘ) একই আইনজীবী।

উত্তর: খ) একই পক্ষ বা তাদের আইনগত প্রতিনিধি বা উত্তরাধিকারী।

প্রশ্ন ১৯ (২০২১ সালে আসা বিষয়): CPC Section 151-এর Inherent Powers কোন উদ্দেশ্যে ব্যবহার করা হয়?

ক) নতুন অধিকার তৈরি করতে।

খ) ন্যায়বিচার নিশ্চিত করতে বা আদালতের অপব্যবহার রোধ করতে।

গ) Appeal করার জন্য।

ঘ) নতুন আইন তৈরি করতে।

উত্তর: খ) ন্যায়বিচার নিশ্চিত করতে বা আদালতের অপব্যবহার রোধ করতে।

প্রশ্ন ২০ (নতুন, ২০২৬ Prediction): CPC Order 38 Rule 1-এ Arrest Before Judgment কখন করা যায়?

ক) যেকোনো সময়।

খ) বিবাদী বিদেশে পালানোর বা সম্পদ সরানোর আশঙ্কা থাকলে।

গ) বাদী চাইলে।

ঘ) শুধু টাকার মামলায়।

উত্তর: খ) বিবাদী বিদেশে পালানোর বা সম্পদ সরানোর আশঙ্কা থাকলে।

### SRA অংশ (১০টি প্রশ্ন)

প্রশ্ন ২১ (২০১৭ সালে আসা বিষয়): SRA Section 10-এ Specific Performance কখন দেওয়া হয়?

ক) সব ক্ষেত্রে।

খ) যখন ক্ষতিপূরণ পর্যাপ্ত প্রতিকার নয়।

গ) শুধু জমির মামলায়।

ঘ) বিবেচনার ক্ষমতায়।



উত্তর: খ) যখন অর্থে পর্যাপ্ত প্রতিকার সম্ভব নয়।

প্রশ্ন ২২ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): SRA Section 20-এ Specific Performance কোন ধরনের Relief?

ক) Mandatory।

খ) Discretionary।

গ) Absolute।

ঘ) Temporary।

উত্তর: খ) Discretionary (বিবেচনামূলক)।

প্রশ্ন ২৩ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): SRA Section 14-এ Specific Performance কোন মামলায় দেওয়া যাবে না?

ক) জমির মামলায়।

খ) Personal Skill বা ব্যক্তিগত দক্ষতার চুক্তিতে।

গ) Mortgage মামলায়।

ঘ) Partnership-এ।

উত্তর: খ) Personal Skill-এর চুক্তিতে।

প্রশ্ন ২৪ (২০১৮ সালে আসা বিষয়): SRA Section 38-এ Perpetual Injunction মানে কী?

ক) সাময়িক নিষেধাজ্ঞা।

খ) স্থায়ী নিষেধাজ্ঞা।

গ) বাধ্যতামূলক নিষেধাজ্ঞা।

ঘ) আংশিক নিষেধাজ্ঞা।

উত্তর: খ) স্থায়ী নিষেধাজ্ঞা।



প্রশ্ন ২৫ (নতুন, ২০২৬ Prediction): SRA Section 16-তে Specific Performance পাওয়ার ব্যক্তিগত বাধা কী?

ক) বাদী আইনজীবী না থাকলে।

খ) বাদী নিজে চুক্তি লঙ্ঘন করলে বা সক্ষম না হলে।

গ) বিবাদী বিদেশে থাকলে।

ঘ) চুক্তি লিখিত না হলে।

উত্তর: খ) বাদী নিজে চুক্তি পালনে অক্ষম বা লঙ্ঘনকারী হলে।

প্রশ্ন ২৬ (২০২১ সালে আসা বিষয়): SRA Section 39-এ Mandatory Injunction মানে কী?

ক) কোনো কাজ করতে বাধ্য করা।

খ) কোনো কাজ করতে বারণ করা।

গ) টাকা দিতে বাধ্য করা।

ঘ) মামলা খারিজ করা।

উত্তর: ক) কোনো কাজ করতে বাধ্য করা।

প্রশ্ন ২৭ (২০১৭ সালে আসা বিষয়): SRA Section 34-এ Declaratory Decree কখন দেওয়া হয়?

ক) জমির মালিকানা নিয়ে।

খ) বাদীর আইনগত অধিকার বা মর্যাদা ঘোষণা করতে।

গ) শুধু সরকারের বিরুদ্ধে।

ঘ) যেকোনো মামলায়।

উত্তর: খ) বাদীর আইনগত অধিকার বা মর্যাদা ঘোষণা করতে।

প্রশ্ন ২৮ (নতুন, ২০২৬ Prediction): SRA Section 21-এ Compensation কখন দেওয়া হয়?

ক) সব মামলায়।





খ) যখন Specific Performance সম্ভব না হয়।

গ) শুধু টাকার মামলায়।

ঘ) বাদী চাইলে।

উত্তর: খ) যখন Specific Performance বাস্তবে সম্ভব না হয়।

প্রশ্ন ২৯ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): SRA Section 8-এ কোন সম্পত্তি পুনরুদ্ধারের বিধান আছে?

ক) অস্থাবর সম্পত্তি।

খ) স্থাবর সম্পত্তি।

গ) উভয়।

ঘ) কোনোটি নয়।

উত্তর: খ) স্থাবর সম্পত্তি।

প্রশ্ন ৩০ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): SRA Section 40-এ কী বলা হয়েছে?

ক) Injunction বাতিল করা।

খ) Injunction-এর বদলে বা সাথে ক্ষতিপূরণ দেওয়া।

গ) নতুন Injunction দেওয়া।

ঘ) Injunction সংশোধন করা।

উত্তর: খ) Injunction-এর বদলে বা সাথে ক্ষতিপূরণ দেওয়া।

### CrPC অংশ (২০টি প্রশ্ন)

প্রশ্ন ৩১ (প্রতি বছর আসে): CrPC Section 6-এ ফৌজদারি আদালতের সর্বোচ্চ পর্যায় কোনটি?

ক) District Court।

খ) Sessions Court।



গ) High Court Division।

ঘ) Supreme Court Appellate Division।

উত্তর: গ) High Court Division (CrPC-র কার্টামোয়)।

প্রশ্ন ৩২ (২০১৭ সালে আসা বিষয়): CrPC-তে First Class Magistrate-এর সর্বোচ্চ শাস্তি দেওয়ার ক্ষমতা কত বছর?

ক) ৩ বছর।

খ) ৫ বছর।

গ) ৭ বছর।

ঘ) ১০ বছর।

উত্তর: খ) ৫ বছর।

প্রশ্ন ৩৩ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 54-এ ওয়ারেন্ট ছাড়া গ্রেফতার কখন করা যায়?

ক) সব সময়।

খ) Cognizable অপরাধে।

গ) Non-cognizable অপরাধে।

ঘ) পুলিশ চাইলেই।

উত্তর: খ) Cognizable অপরাধে।

প্রশ্ন ৩৪ (২০১৭, ২০২৩ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 154-এ FIR কী?

ক) আদালতের আদেশ।

খ) Cognizable অপরাধের প্রথম তথ্য যা পুলিশকে দেওয়া হয়।

গ) পুলিশের রিপোর্ট।

ঘ) সাক্ষীর বক্তব্য।



উত্তর: খ) Cognizable অপরাধের প্রথম তথ্য যা পুলিশকে দেওয়া হয়।

প্রশ্ন ৩৫ (২০১৯, ২০২১ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 164-এ Confession কে নেন?

ক) পুলিশ।

খ) Magistrate।

গ) Sessions Judge।

ঘ) High Court।

উত্তর: খ) Magistrate।

প্রশ্ন ৩৬ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 167-এ তদন্তের জন্য আদালত সর্বোচ্চ কত দিনের Remand দিতে পারে?

ক) ৭ দিন।

খ) ১৫ দিন।

গ) ৩০ দিন।

ঘ) ৯০ দিন।

উত্তর: খ) একসাথে সর্বোচ্চ ১৫ দিন, মোট ৬০ দিন পর্যন্ত।

প্রশ্ন ৩৭ (২০১৬ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 144-এ Prohibitory Order কী?

ক) শুধু পুলিশের ক্ষমতা।

খ) আসন্ন বিপদ বা অশান্তি রোধে Executive Magistrate-এর জরুরি আদেশ।

গ) গ্রেফতারের আদেশ।

ঘ) আদালতের রায়।

উত্তর: খ) আসন্ন বিপদ রোধে Executive Magistrate-এর জরুরি আদেশ।

প্রশ্ন ৩৮ (২০২১ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 342-এ Accused-এর পরীক্ষা কখন হয়?



ক) গ্রেফতারের পরপরই।

খ) সাক্ষীর সাক্ষ্য শেষ হওয়ার পর।

গ) FIR দাখিলের পর।

ঘ) রায়ের পর।

উত্তর: খ) সাক্ষীর সাক্ষ্য শেষ হওয়ার পর।

প্রশ্ন ৩৯ (২০১৯, ২০২৩ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 374-এ কে Death Sentence নিশ্চিত করে?

ক) Sessions Court।

খ) High Court Division।

গ) Supreme Court।

ঘ) Magistrate।

উত্তর: খ) High Court Division নিশ্চিত করে। Sessions Court দিতে পারে কিন্তু High Court-এর Confirmation লাগে।

প্রশ্ন ৪০ (২০২৫ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 401-এ কে কারাদণ্ড মওকুফ করতে পারে?

ক) Sessions Judge।

খ) High Court Division।

গ) সরকার।

ঘ) Magistrate।

উত্তর: গ) সরকার Section 401-এর অধীনে কারাদণ্ড মওকুফ বা হ্রাস করতে পারে।

প্রশ্ন ৪১ (২০২১ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 190-এ Magistrate কীভাবে Cognizance নেন?

ক) শুধু পুলিশ রিপোর্টে।

খ) Complaint, Police Report বা স্বতঃপ্রণোদনায়।



গ) শুধু Complaint-এ।

ঘ) শুধু সরকারি অভিযোগে।

উত্তর: খ) তিনটি পথেই।

প্রশ্ন ৪২ (নতুন, ২০২৬ Prediction): CrPC Section 496-এ Bailable অপরাধে জামিন কে দিতে পারে?

ক) শুধু আদালত।

খ) পুলিশ নিজেই।

গ) শুধু High Court।

ঘ) শুধু Sessions Judge।

উত্তর: খ) পুলিশ নিজেই জামিন দিতে পারে।

প্রশ্ন ৪৩ (২০১৬ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 497-এ Non-bailable অপরাধে কোন তিন ধরনের ব্যক্তির জন্য বিশেষ বিবেচনা আছে?

ক) বৃদ্ধ, পঙ্গু, ভিনদেশী।

খ) ১৬ বছরের কম, অসুস্থ/দুর্বল, মহিলা।

গ) শিক্ষার্থী, কৃষক, শ্রমিক।

ঘ) সরকারি কর্মকর্তা, সাংবাদিক, চিকিৎসক।

উত্তর: খ) ১৬ বছরের কম, অসুস্থ/দুর্বল, মহিলা।

প্রশ্ন ৪৪ (২০১৮ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 174-এ Inquest কী?

ক) বিচার প্রক্রিয়া।

খ) অস্বাভাবিক মৃত্যুতে পুলিশ কর্তৃক তদন্ত।

গ) সাক্ষীর পরীক্ষা।

ঘ) অভিযুক্তের পরীক্ষা।



উত্তর: খ) অস্বাভাবিক মৃত্যুতে পুলিশের তদন্ত।

প্রশ্ন ৪৫ (নতুন, ২০২৬ Prediction): CrPC Section 498-এ High Court Division কোন ধরনের মামলায় জামিন দিতে পারে?

ক) শুধু Bailable মামলায়।

খ) সব ধরনের মামলায়।

গ) শুধু ১০ বছরের কম শাস্তির মামলায়।

ঘ) শুধু Civil মামলায়।

উত্তর: খ) সব ধরনের মামলায়।

প্রশ্ন ৪৬ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 540-এ আদালত কখন নতুন সাক্ষী ডাকতে পারে?

ক) যেকোনো সময়।

খ) ন্যায়বিচারের জন্য প্রয়োজনীয় হলে।

গ) শুধু বাদীর আবেদনে।

ঘ) শুধু বিবাদীর আবেদনে।

উত্তর: খ) ন্যায়বিচারের জন্য প্রয়োজনীয় হলে।

প্রশ্ন ৪৭ (২০২১ সালে আসা বিষয়): CrPC-তে Cognizable এবং Non-cognizable অপরাধের পার্থক্য কী?

ক) Cognizable-এ সাজা বেশি।

খ) Cognizable-এ ওয়ারেন্ট ছাড়া ধরা যায়, Non-cognizable-এ যায় না।

গ) Cognizable-এ Bail পাওয়া যায়।

ঘ) কোনো পার্থক্য নেই।

উত্তর: খ) Cognizable-এ ওয়ারেন্ট ছাড়া ধরা যায়।



প্রশ্ন ৪৮ (২০২৫ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 164-এ Magistrate Confession নেওয়ার আগে কী করবেন?

ক) কিছুই না।

খ) Accused-কে সতর্ক করবেন যে Confession সাক্ষ্য ব্যবহার হতে পারে এবং স্বেচ্ছায় দিতে হবে।

গ) Police-কে ডাকবেন।

ঘ) Bail দেবেন।

উত্তর: খ) সতর্ক করবেন যে স্বেচ্ছায় দিতে হবে।

প্রশ্ন ৪৯ (নতুন, ২০২৬ Prediction): CrPC Section 265C-এ Plea Bargaining মানে কী?

ক) আদালতের কঠোর সাজা।

খ) অভিযুক্ত অপরাধ স্বীকার করলে হ্রাসকৃত সাজার সমঝোতা।

গ) সাক্ষীর সুরক্ষা।

ঘ) জামিনের নতুন পদ্ধতি।

উত্তর: খ) অপরাধ স্বীকার করলে হ্রাসকৃত সাজার সমঝোতা।

প্রশ্ন ৫০ (২০১৮ সালে আসা বিষয়): CrPC Section 6-এ Second Class Magistrate-এর সর্বোচ্চ কারাদণ্ড দেওয়ার ক্ষমতা কত বছর?

ক) ২ বছর।

খ) ৩ বছর।

গ) ৫ বছর।

ঘ) ৭ বছর।

উত্তর: খ) ৩ বছর।

## Penal Code অংশ (২০টি প্রশ্ন)



প্রশ্ন ৫১ (প্রতি বছর আসে): Penal Code Section 300-এ Murder-এর সংজ্ঞায় কতটি Exception আছে?

ক) তিনটি।

খ) চারটি।

গ) পাঁচটি।

ঘ) ছয়টি।

উত্তর: গ) পাঁচটি। PPSS এবং C ফর্মুলা।

প্রশ্ন ৫২ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Penal Code Section 96-100-এ Right of Private Defence-এ Section 100-এ কতটি ক্ষেত্রে মৃত্যু ঘটানো যায়?

ক) তিনটি।

খ) চারটি।

গ) পাঁচটি।

ঘ) ছয়টি।

উত্তর: ঘ) ছয়টি। DGRKUA ফর্মুলা।

প্রশ্ন ৫৩ (২০১৮, ২০২৩ সালে আসা বিষয়): Penal Code Section 34 এবং Section 149-এর মূল পার্থক্য কোথায়?

ক) Section 34-এ Common Object, Section 149-এ Common Intention।

খ) Section 34-এ Common Intention, Section 149-এ Common Object।

গ) দুটোই একই।

ঘ) Section 34 বড় অপরাধে, Section 149 ছোট অপরাধে।

উত্তর: খ) Section 34-এ Common Intention, Section 149-এ Common Object।

প্রশ্ন ৫৪ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): Penal Code Section 107-এ Abetment কতভাবে হতে পারে?





ক) দুইভাবে।

খ) তিনভাবে।

গ) চারভাবে।

ঘ) পাঁচভাবে।

উত্তর: খ) তিনভাবে। ICA ফর্মুলা।

প্রশ্ন ৫৫ (২০২১ সালে আসা বিষয়): Penal Code Section 82-এ কোন বয়সের শিশু অপরাধে দায়মুক্ত?

ক) ৭ বছরের কম।

খ) ১২ বছরের কম।

গ) ১৬ বছরের কম।

ঘ) ১৮ বছরের কম।

উত্তর: ক) ৭ বছরের কম বয়সী শিশু সম্পূর্ণ দায়মুক্ত।

প্রশ্ন ৫৬ (২০১৮ সালে আসা বিষয়): Penal Code Section 84-এ McNaughton Rule কী?

ক) আইনজীবীর দায়।

খ) মানসিক রোগের কারণে অপরাধের দায়মুক্তি।

গ) নাবালকের দায়।

ঘ) মাতালের দায়।

উত্তর: খ) মানসিক রোগের কারণে কাজের প্রকৃতি বুঝতে না পারলে দায়মুক্তি।

প্রশ্ন ৫৭ (২০২৫ সালে আসা বিষয়): Penal Code Section 302-এ Murder-এর শাস্তি কী?

ক) শুধু যাবজ্জীবন।

খ) মৃত্যুদণ্ড অথবা যাবজ্জীবন এবং জরিমানা।



গ) শুধু মৃত্যুদণ্ড।

ঘ) ১০ বছর।

উত্তর: খ) মৃত্যুদণ্ড অথবা যাবজ্জীবন এবং জরিমানা।

প্রশ্ন ৫৮ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Penal Code Section 120A-এ Criminal Conspiracy-র সংজ্ঞা কী?

ক) একজন ব্যক্তির পরিকল্পনা।

খ) দুই বা ততোধিক ব্যক্তির অবৈধ কাজ করার চুক্তি।

গ) পুলিশের তদন্ত।

ঘ) আদালতের রায়।

উত্তর: খ) দুই বা ততোধিক ব্যক্তির অবৈধ কাজ বা আইনি কাজ অবৈধ উপায়ে করার চুক্তি।

প্রশ্ন ৫৯ (২০১৭ সালে আসা বিষয়): Penal Code Section 375-এ Rape-এর সংজ্ঞায় Consent-এর ক্ষেত্রে ১৬ বছরের কম বয়সী মেয়ের সাথে কী হয়?

ক) Consent দিলে Rape নয়।

খ) সম্মতি থাকলেও Rape।

গ) আদালত সিদ্ধান্ত নেয়।

ঘ) শুধু মেয়ে বলতে পারবে।

উত্তর: খ) ১৬ বছরের কম বয়সী মেয়ের সম্মতি থাকলেও Rape।

প্রশ্ন ৬০ (২০২১ সালে আসা বিষয়): Penal Code Section 149-এ Unlawful Assembly-এর জন্য কমপক্ষে কতজন থাকতে হবে?

ক) তিনজন।

খ) চারজন।

গ) পাঁচজন।



ঘ) সাতজন।

উত্তর: গ) পাঁচজন।

প্রশ্ন ৬১ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Penal Code Section 383-এ Extortion-এর মূল উপাদান কী?

ক) শুধু শক্তি প্রয়োগ।

খ) ভয় দেখিয়ে সম্পত্তি আদায়।

গ) চুরি।

ঘ) প্রতারণা।

উত্তর: খ) ভয় দেখিয়ে সম্পত্তি আদায়।

প্রশ্ন ৬২ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): Penal Code Section 405-এ Criminal Breach of Trust-এর মূল বৈশিষ্ট্য কী?

ক) প্রথম থেকে প্রতারণা।

খ) বিশ্বাস করে দেওয়া সম্পত্তি অসংভাবে ব্যবহার।

গ) সহিংস চুরি।

ঘ) মিথ্যা প্রতিশ্রুতি।

উত্তর: খ) বিশ্বাস করে দেওয়া সম্পত্তির বিশ্বাসঘাতকতামূলক ব্যবহার।

প্রশ্ন ৬৩ (২০১৮, ২০২৩ সালে আসা বিষয়): Penal Code Section 420-এ Cheating-এর শাস্তি কত?

ক) ২ বছর।

খ) ৩ বছর।

গ) ৭ বছর।

ঘ) যাবজ্জীবন।

উত্তর: গ) ৭ বছর পর্যন্ত।



প্রশ্ন ৬৪ (২০২৫ সালে আসা বিষয়): Penal Code Section 124A-এ Sedition বা রাষ্ট্রদ্রোহের শাস্তি কী?

ক) ৫ বছর।

খ) ১০ বছর।

গ) যাবজ্জীবন বা তিন বছর পর্যন্ত।

ঘ) মৃত্যুদণ্ড।

উত্তর: গ) যাবজ্জীবন বা তিন বছর পর্যন্ত কারাদণ্ড।

প্রশ্ন ৬৫ (নতুন, ২০২৬ Prediction): Penal Code Section 304B-এ Dowry Death কী?

ক) পণ না দেওয়ায় মৃত্যু।

খ) বিবাহের সাত বছরের মধ্যে অস্বাভাবিক মৃত্যু যা Dowry Demand-এর সাথে সম্পর্কিত।

গ) আত্মহত্যা।

ঘ) দুর্ঘটনাজনিত মৃত্যু।

উত্তর: খ) বিবাহের সাত বছরের মধ্যে Dowry-সংক্রান্ত অস্বাভাবিক মৃত্যু।

প্রশ্ন ৬৬ (নতুন, ২০২৬ Prediction): Penal Code Section 511-এ Attempt to commit offence মানে কী?

ক) অপরাধ সম্পন্ন হওয়া।

খ) অপরাধ করার চেষ্টা কিন্তু সম্পন্ন না হওয়া।

গ) অপরাধ পরিকল্পনা।

ঘ) অপরাধ উস্কানি দেওয়া।

উত্তর: খ) অপরাধ করার চেষ্টা কিন্তু সম্পন্ন না হওয়া।

প্রশ্ন ৬৭ (২০১৮ সালে আসা বিষয়): Penal Code Section 499-এ Defamation-এর সংজ্ঞায় মূল উপাদান কী?

ক) সত্য বলা।



খ) মিথ্যা বা সত্য বলা হোক, অন্যের সুনাম নষ্ট করার উদ্দেশ্যে বলা।

গ) শুধু লিখিত রূপে।

ঘ) শুধু মিথ্যা তথ্য।

উত্তর: খ) অন্যের সুনাম নষ্ট করার উদ্দেশ্যে প্রকাশ করা।

প্রশ্ন ৬৮ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Penal Code-এ Culpable Homicide এবং Murder-এর সম্পর্ক কী?

ক) Murder বড় ক্যাটাগরি।

খ) Culpable Homicide বড় ক্যাটাগরি, Murder তার মধ্যে বিশেষ অবস্থা।

গ) দুটো একই।

ঘ) কোনো সম্পর্ক নেই।

উত্তর: খ) Culpable Homicide বড় ক্যাটাগরি।

প্রশ্ন ৬৯ (নতুন, ২০২৬ Prediction): Penal Code Section 378-এ Theft-এর শর্ত কী?

ক) শুধু অন্যের বস্তু নেওয়া।

খ) অন্যের সম্পত্তি তার সম্মতি ছাড়া সরানো।

গ) ভয় দেখিয়ে নেওয়া।

ঘ) বিশ্বাসঘাতকতা করা।

উত্তর: খ) অন্যের সম্পত্তি তার সম্মতি ছাড়া সরানো।

প্রশ্ন ৭০ (২০২১ সালে আসা বিষয়): Penal Code Section 304A-এ Causing Death by Negligence-এর শাস্তি কী?

ক) ৩ বছর।

খ) ৫ বছর।

গ) ২ বছর।



ঘ) যাবজ্জীবন।

উত্তর: গ) ২ বছর পর্যন্ত।

### **Evidence Act অংশ (১৫টি প্রশ্ন)**

প্রশ্ন ৭১ (প্রতি বছর আসে): Evidence Act Section 101-এ Burden of Proof কার উপর?

ক) বিবাদীর।

খ) যে ব্যক্তি তার দাবির সত্যতা প্রমাণ করতে চায়।

গ) আদালতের।

ঘ) আইনজীবীর।

উত্তর: খ) যে ব্যক্তি তার দাবির সত্যতা প্রমাণ করতে চায়।

প্রশ্ন ৭২ (২০১৮, ২০২৩ সালে আসা বিষয়): Evidence Act Section 24-এ কোন Confession অগ্রহণযোগ্য?

ক) পুলিশের কাছে দেওয়া Confession।

খ) Inducement, Threat বা Promise দ্বারা নেওয়া Confession।

গ) লিখিত Confession।

ঘ) মৌখিক Confession।

উত্তর: খ) Inducement, Threat বা Promise দ্বারা নেওয়া Confession।

প্রশ্ন ৭৩ (২০১৭, ২০২৩ সালে আসা বিষয়): Evidence Act Section 25-এ কোন Confession অগ্রহণযোগ্য?

ক) Magistrate-এর কাছে দেওয়া।

খ) পুলিশের কাছে দেওয়া।

গ) আদালতে দেওয়া।

ঘ) চিকিৎসকের কাছে দেওয়া।



উত্তর: খ) পুলিশের কাছে দেওয়া Confession।

প্রশ্ন ৭৪ (২০২১, ২০২৫ সালে আসা বিষয়): Evidence Act Section 27-এ কী গ্রহণযোগ্য?

ক) পুলিশের কাছে সম্পূর্ণ Confession।

খ) পুলিশ হেফাজতে দেওয়া Confession-এর ফলে উদ্ঘাটিত তথ্যের সেই অংশ।

গ) শুধু লিখিত Confession।

ঘ) সব Confession।

উত্তর: খ) উদ্ঘাটিত তথ্যের সেই অংশ যা নতুন তথ্য উন্মোচন করে।

প্রশ্ন ৭৫ (২০১৯ সালে আসা বিষয়): Evidence Act Section 32-এ Dying Declaration কখন সাক্ষ্য?

ক) শুধু লিখিত হলে।

খ) বিবৃতিকারী মারা গেলে এবং বিবৃতিটি মৃত্যুর কারণ সম্পর্কে হলে।

গ) পুলিশের সামনে হলে।

ঘ) Magistrate-এর সামনে হলে।

উত্তর: খ) বিবৃতিকারী মারা গেলে এবং মৃত্যুর কারণ সম্পর্কে হলে।

প্রশ্ন ৭৬ (২০২৩, ২০২৫ সালে আসা বিষয়): Evidence Act Section 45-এ Expert Opinion কোন বিষয়ে গ্রহণযোগ্য?

ক) শুধু চিকিৎসা বিষয়ে।

খ) Foreign Law, Science, Art, Handwriting, Fingerprint।

গ) শুধু আইনি বিষয়ে।

ঘ) সব বিষয়ে।

উত্তর: খ) FSAH ফর্মুলায় চারটি বিষয়ে।



প্রশ্ন ৭৭ (২০২১ সালে আসা বিষয়): Evidence Act Section 3-এ Evidence-এর সংজ্ঞা অনুযায়ী সাক্ষ্য কত ধরনের?

ক) একধরনের।

খ) দুই ধরনের: Oral এবং Documentary।

গ) তিন ধরনের।

ঘ) চার ধরনের।

উত্তর: খ) দুই ধরনের: Oral (মৌখিক) এবং Documentary (দলিলভিত্তিক)।

প্রশ্ন ৭৮ (নতুন, ২০২৬ Prediction): Evidence Act Section 112-এ Presumption of Legitimacy কী?

ক) শিশু সবসময় অবৈধ।

খ) বিবাহের সময় থেকে ২৮০ দিনের মধ্যে জন্মানো শিশু বৈধ বলে অনুমান।

গ) মায়ের স্বীকৃতি লাগে।

ঘ) আদালত সিদ্ধান্ত নেয়।

উত্তর: খ) বিবাহের সময় থেকে ২৮০ দিনের মধ্যে জন্ম নিলে বৈধ শিশু বলে অনুমান।

প্রশ্ন ৭৯ (২০২৩, ২০২৫ সালে আসা বিষয়): Evidence Act Section 115-এ Estoppel কী?

ক) প্রমাণের বোঝা।

খ) যখন কেউ নিজের কথার বিরুদ্ধে যেতে পারে না।

গ) সাক্ষীর অক্ষমতা।

ঘ) আদালতের অনুমান।

উত্তর: খ) নিজের আগের কথা বা কাজের বিরুদ্ধে যাওয়া থেকে বাধা।

প্রশ্ন ৮০ (২০১৮ সালে আসা বিষয়): Evidence Act Section 90-এ ৩০ বছরের পুরনো দলিলের ক্ষেত্রে কী অনুমান করা হয়?





ক) দলিলটি মিথ্যা।

খ) দলিলটি সঠিকভাবে সম্পাদিত এবং প্রমাণ না করলেও গ্রহণযোগ্য।

গ) দলিলটি পুরনো তাই বাতিল।

ঘ) দলিলটি অবশ্যই প্রমাণ করতে হবে।

উত্তর: খ) ৩০ বছরের পুরনো দলিল সঠিকভাবে সম্পাদিত বলে অনুমান।

প্রশ্ন ৮১ (নতুন, ২০২৬ Prediction): Evidence Act-এ Primary Evidence এবং Secondary Evidence-এর পার্থক্য কী?

ক) Primary বড়, Secondary ছোট।

খ) Primary হলো মূল দলিল, Secondary হলো মূল দলিলের অনুলিপি বা বিকল্প।

গ) দুটো একই।

ঘ) Secondary বেশি গুরুত্বপূর্ণ।

উত্তর: খ) Primary = মূল দলিল, Secondary = অনুলিপি বা বিকল্প।

প্রশ্ন ৮২ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Evidence Act-এ Relevancy এবং Admissibility-র পার্থক্য কী?

ক) দুটো একই।

খ) Relevancy হলো সাক্ষ্যের প্রাসঙ্গিকতা, Admissibility হলো আদালতে গ্রহণযোগ্যতা।

গ) Admissibility বড় ধারণা।

ঘ) Relevancy আদালতে সবসময় গ্রহণযোগ্য।

উত্তর: খ) Relevancy = প্রাসঙ্গিক কিনা, Admissibility = গ্রহণযোগ্য কিনা।

প্রশ্ন ৮৩ (নতুন, ২০২৬ Prediction): Evidence Act Section 65B-এ Digital Evidence-এর Admissibility-র শর্ত কী?

ক) কোনো শর্ত নেই।



খ) CACP ফর্মুলা অনুযায়ী চারটি শর্ত।

গ) শুধু প্রিন্টআউট লাগে।

ঘ) পুলিশের অনুমতি লাগে।

উত্তর: খ) CACP ফর্মুলা: Computer produced, Activities regular, Computer proper, Person certifies।

প্রশ্ন ৮৪ (২০২১ সালে আসা বিষয়): Evidence Act Section 8-এ Motive, Preparation এবং Previous or Subsequent Conduct কী?

ক) সাক্ষীর প্রকার।

খ) প্রাসঙ্গিক তথ্য যা অপরাধের প্রমাণে সাহায্য করে।

গ) আদালতের ক্ষমতা।

ঘ) Confession-এর ধরন।

উত্তর: খ) এগুলো প্রাসঙ্গিক তথ্য।

প্রশ্ন ৮৫ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Evidence Act-এ Hearsay Evidence সাধারণত কি গ্রহণযোগ্য?

ক) সবসময় গ্রহণযোগ্য।

খ) সাধারণত গ্রহণযোগ্য নয়।

গ) সবসময় গ্রহণযোগ্য নয়।

ঘ) আদালত চাইলে।

উত্তর: খ) সাধারণত Hearsay Evidence গ্রহণযোগ্য নয় কারণ মূল বক্তাকে Cross-examine করা যায় না।

### Professional Ethics অংশ (৫টি প্রশ্ন)

প্রশ্ন ৮৬ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Bar Council Order, 1972 কী?

ক) সাক্ষ্য আইন।



খ) বাংলাদেশ বার কাউন্সিলের সাংগঠনিক কাঠামো নির্ধারণকারী আইন।

গ) ফৌজদারি বিচারের আইন।

ঘ) দেওয়ানি আইন।

উত্তর: খ) বাংলাদেশ বার কাউন্সিলের সাংগঠনিক কাঠামো।

প্রশ্ন ৮৭ (২০২১ সালে আসা বিষয়): একজন আইনজীবীর পেশাগত দায়িত্ব কয়টি এবং কোথায় কোথায়?

ক) দুটো, শুধু মক্কেল এবং আদালতের প্রতি।

খ) তিনটি, মক্কেল, আদালত এবং সমাজের প্রতি।

গ) চারটি।

ঘ) একটি, শুধু মক্কেলের প্রতি।

উত্তর: খ) তিনটি, CCS ফর্মুলা।

প্রশ্ন ৮৮ (২০২৩ সালে আসা বিষয়): Contempt of Court দুই ধরনের। Civil Contempt মানে কী?

ক) আদালতকে অপমান করা।

খ) আদালতের আদেশ না মানা।

গ) মিথ্যা সাক্ষ্য দেওয়া।

ঘ) মামলা নষ্ট করা।

উত্তর: খ) আদালতের আদেশ না মানা।

প্রশ্ন ৮৯ (নতুন, ২০২৬ Prediction): Conflict of Interest মানে আইনজীবীর ক্ষেত্রে কী?

ক) আইনজীবী আদালতে কথা বলতে পারছেন না।

খ) একই মামলায় উভয় পক্ষের প্রতিনিধিত্ব করা।

গ) আইনজীবীর মক্কেল নেই।



ঘ) আইনজীবী অসুস্থ।

উত্তর: খ) একই মামলায় উভয় পক্ষের হয়ে কাজ করা।

প্রশ্ন ৯০ (২০২৫ সালে আসা বিষয়): আইনজীবীর মক্কেলের Confidentiality বা গোপনীয়তা রক্ষার দায়িত্ব কী?

ক) শুধু মামলা চলাকালীন।

খ) সবসময়, এমনকি মামলা শেষ হওয়ার পরেও।

গ) শুধু বড় মামলায়।

ঘ) মক্কেল চাইলে।

উত্তর: খ) সবসময়, মামলা শেষ হওয়ার পরেও।

---

## অধ্যায় ১৮: রাজনৈতিক জোক সংকলন পার্ট ৮

### জোক ১: হিন্দু আইন এবং Brexit

বাংলাদেশে হিন্দু বিবাহে কোনো Exit Clause নেই। একবার বিয়ে করলে শেষ। ঠিক Brexit-এর আগে যেমন EU-তে ছিল। Lisbon Treaty-র Article 50 আসার আগে পর্যন্ত "How to Leave EU" ছিল না। হিন্দু বিবাহ আইনেরও একটি Article 50 দরকার বলে অনেকে মনে করেন।

### জোক ২: Dayabhaga এবং P5 দেশের Veto

Dayabhaga School-এ সম্পত্তি পাওয়া যায় বাবার মৃত্যুর পরে। UN Security Council-এও P5 দেশের Veto শক্তি পেতে দ্বিতীয় বিশ্বযুদ্ধের "মৃত্যু" বা শেষ হওয়া দরকার ছিল। দুটো ক্ষেত্রেই মৃত্যুর পরেই ক্ষমতা আসে।

### জোক ৩: GWA Section 17 এবং UN R2P

শিশুর Welfare সবার আগে। UN-এর R2P বলে নাগরিকদের সুরক্ষা সবার আগে। কিন্তু যখন ২০২৪-২০২৫ সালে গাজায় হাজার হাজার শিশু মারা গেছে তখন UN-এর R2P কোথায় ছিল? কিন্তু বাংলাদেশের GWA Section 17 আদালতে কার্যকর। একটা কাগজে, আরেকটা বাস্তবে।

### জোক ৪: Waqf এবং Common Heritage of Mankind



ওয়াকফ সম্পত্তি কারো নয়, আল্লাহর। Common Heritage of Mankind-ও কোনো দেশের নয়। পার্থক্য হলো Common Heritage-এর সম্পদ এখন চীন, আমেরিকা, রাশিয়া নিজেদের মধ্যে ভাগ করে নিচ্ছে। আর বাংলাদেশে ওয়াকফ সম্পত্তি দখল করছে স্থানীয় প্রভাবশালীরা। দুই ক্ষেত্রেই "সবার সম্পত্তি" শেষে "কারো না" হয়ে যায়।

## জোক ৫: Succession Act এবং সরকার পরিবর্তন

Succession Act বলে Will ছাড়া মরলে Letters of Administration লাগে। ২০২৪ সালে বাংলাদেশে যখন সরকার পরিবর্তন হলো তখন অনেকে জিজ্ঞেস করল "Will আছে কি?" অর্থাৎ কোনো Succession Plan ছিল কিনা। Will ছিল না, তাই Letters of Administration-এর মতো Interim Government এল। তবে পার্থক্য হলো Succession Act-এ Letters of Administration আদালত দেয়, আর রাজনীতিতে রাস্তার মানুষ।

## জোক ৬: IRAC ফর্মুলা এবং UN Debate

IRAC = Issue, Rule, Application, Conclusion। UN Security Council-এর প্রতিটি বৈঠকেও এটাই হয়। I = কোন দেশ সমস্যায় পড়েছে? R = Charter-এর কোন ধারা প্রযোজ্য? A = কীভাবে সমাধান? C = Resolution পাস করো। কিন্তু UN-এ P5 ভেটো দিলে Conclusion বন্ধ। Bar Council পরীক্ষায় অন্তত ভেটো নেই।

## জোক ৭: Bail এবং P5 Immunity

Non-bailable অপরাধে Bail মেলে না সাধারণত। কিন্তু High Court পেলে সব পাওয়া যায়। আন্তর্জাতিক আইনে ICC-তে মামলা হলে P5 দেশের নাগরিকরা Bail পেয়ে যায় কারণ তাদের দেশ Surrender করে না। তাহলে কি P5 দেশ আন্তর্জাতিক High Court? হতে পারে।

## অধ্যায় ১৯: পরীক্ষার দিনের সম্পূর্ণ Strategy

### MCQ পরীক্ষার দিন কী করবে?

MCQ পরীক্ষায় সময় হলো ১ ঘন্টা এবং প্রশ্ন ১০০টি। তার মানে প্রতি প্রশ্নে ৩৬ সেকেন্ড।

প্রথম ১০ মিনিট: প্রশ্নপত্র দ্রুত দেখো। সহজ প্রশ্নগুলো চিহ্নিত করো।

পরের ৩০ মিনিট: সহজ প্রশ্নগুলো দ্রুত সমাধান করো।

শেষ ২০ মিনিট: কঠিন প্রশ্নগুলোতে ফিরে আসো।

### MCQ-তে Elimination Method:



প্রতিটি প্রশ্নে চারটি অপশন থাকে। যে দুটো অপশন স্পষ্টভাবে ভুল সেগুলো বাদ দাও। বাকি দুটোর মধ্যে সঠিকটা বেছে নাও।

মনে রাখার টেকনিক: "Eliminate, then Evaluate।"

Section Number-ভিত্তিক প্রশ্নে কৌশল:

Section Number মনে না থাকলে মনে রাখো প্রতিটি Section-এর সাথে যে ছন্দ বা গল্প শিখেছ সেটা মাথায় আনো।

উদাহরণ: "নয়ে মামলা শুরু" মানে Section 9 = Civil Court Jurisdiction। "এগারোতে শেষ হয়ে যায়" মানে Section 11 = Res Judicata।

Negative Marking না থাকলে: সব প্রশ্নের উত্তর দাও, কোনো প্রশ্ন ফাঁকা রাখো না।

### রিটেন পরীক্ষার দিন কী করবে?

রিটেন পরীক্ষায় সময় ৪ ঘন্টা।

প্রথম ১৫ মিনিট: প্রশ্নপত্র ভালো করে পড়ো। কোন প্রশ্নের উত্তর জানো সেগুলো মনে মনে চিহ্নিত করো।

প্রতিটি প্রশ্নে IRAC ফর্মুলা ব্যবহার করো।

উত্তর লেখার সময় Section Number উল্লেখ করো।

উদাহরণ দাও।

শেষ ৩০ মিনিট: রিভিশন করো।

রিটেন পরীক্ষায় ভাষা:

বাংলায় লিখলে প্রয়োজনীয় আইনি শব্দগুলো ইংরেজিতে রাখো যেমন Res Judicata, Prima Facie Case, Irreparable Injury।

উত্তরের কাঠামো স্পষ্ট রাখো। প্যারাগ্রাফ ব্যবহার করো।

### Viva-Voce পরীক্ষায় কৌশল

Viva-Voce পরীক্ষায় কিছু সাধারণ প্রশ্ন প্রায় সবসময় আসে।



প্রশ্ন: আইনজীবী হিসেবে কী করতে চান?

উত্তর কৌশল: সুনির্দিষ্ট এলাকা বলো। যেমন "Criminal Law-এ মানুষের অধিকার রক্ষা করতে চাই।"

প্রশ্ন: কোনো একটি সাম্প্রতিক মামলা নিয়ে বলুন।

উত্তর কৌশল: ২০২৪-২০২৫ সালের কোনো গুরুত্বপূর্ণ সুপ্রিম কোর্টের রায় বা সাম্প্রতিক আইনি পরিবর্তন জানা থাকো।

প্রশ্ন: Section 151 CPC কী?

উত্তর কৌশল: সংজ্ঞা দাও, উদাহরণ দাও, গুরুত্ব বলো।

---

## অধ্যায় ২০: ২০২৬ সালের পরীক্ষার বিশেষ প্রস্তুতি

### ২০২৬ সালের ডিসেম্বর পরীক্ষার জন্য নতুন বিষয়

২০২৫ সালের পরীক্ষায় যে বিষয়গুলো প্রথমবার এসেছে সেগুলো ২০২৬ সালেও আসতে পারে।

প্রথম নতুন বিষয় হলো Cyber Security Act, 2023। Digital Security Act, 2018 বাতিল হয়ে নতুন Cyber Security Act, 2023 এসেছে। এই আইন থেকে ২০২৬ সালে প্রশ্ন আসার সম্ভাবনা আছে।

দ্বিতীয় নতুন বিষয় হলো Digital Evidence এবং Section 65B। ক্রমবর্ধমান সাইবার অপরাধের কারণে Digital Evidence গুরুত্বপূর্ণ হয়ে উঠছে।

তৃতীয় নতুন বিষয় হলো ADR এবং Arbitration Act, 2001। আদালতের ভার কমাতে ADR ব্যবহার বাড়ছে।

চতুর্থ নতুন বিষয় হলো সংবিধান সংশোধনী বিষয়ক প্রশ্ন। ২০২৪-২০২৫ সালে বাংলাদেশে সাংবিধানিক পরিবর্তনের আলোচনা হয়েছে।

পঞ্চম নতুন বিষয় হলো Anti-Corruption Commission Act এবং Money Laundering Prevention Act।

মনে রাখার নতুন ফর্মুলা "CDASM":

C = Cyber Security Act, 2023।

D = Digital Evidence Section 65B।



A = ADR এবং Arbitration Act, 2001।

S = Shasantantra (সংবিধান সংশোধনী)।

M = Money Laundering Prevention Act।

"CDASM মনে রাখলে ২০২৬ সালের নতুন বিষয়গুলো মনে থাকবে।"

## ২০২৬ সালের পরীক্ষায় আসার সম্ভাবনা সবচেয়ে বেশি এমন বিষয়গুলো

সম্ভাবনা ৯৫ শতাংশ: CPC Section 11 (Res Judicata), Section 20 (Jurisdiction), Order 39 (Temporary Injunction)। CrPC Section 154 (FIR), Section 164 (Confession), Section 167 (Remand)। Penal Code Section 300 (Murder), Section 34 (Common Intention)। Evidence Act Section 25 (Confession), Section 101 (Burden of Proof)।

সম্ভাবনা ৮০ শতাংশ: SRA Section 10 (Specific Performance), Section 34 (Declaratory Decree)। CrPC Section 190 (Cognizance), Section 374 (Death Sentence Confirmation)। Penal Code Section 107 (Abetment), Section 149 (Common Object)। GWA Section 17 (Welfare of Minor)।

সম্ভাবনা ৬০ শতাংশ: Hindu Law (Dayabhaga School, Adoption)। Succession Act (Will, Probate)। Waqf Ordinance। Cyber Security Act।

---

## অধ্যায় ২১: সম্পূর্ণ পার্ট ৮-এর রিভিশন

### একটি টেবিলে সব আইন

হিন্দু বিবাহ: ধর্মীয় সংস্কার। বাংলাদেশে Dayabhaga School। তালকের বিধান নেই।

হিন্দু উত্তরাধিকার: Dayabhaga School। মৃত্যুর পরে সম্পত্তি পাওয়া যায়। পুত্র আগে, কন্যা পরে।

হিন্দু দত্তক: CATG শর্ত। বাবা-মায়ের উভয়ের সম্মতি।

Divorce Act 1869: ABCCD ভিত্তি (স্ত্রীর জন্য)। Judicial Separation এবং Full Divorce।

Christian Marriage Act 1872: CMR পদ্ধতি। বয়স ছেলে ২১, মেয়ে ১৮।

GWA 1890: NTC ধরনের Guardian। Section 17 = শিশুর কল্যাণ সবার আগে।





Succession Act 1925: ASLSW শর্তে Will। Probate = Will থাকলে। Letters of Administration = Will না থাকলে।

Waqf Ordinance 1962: POPD শর্ত। Waqf-ul-aulad এবং Waqf-li-lillah।

## পার্ট ৮-এর সেরা ফর্মুলাগুলো

১ নম্বর ফর্মুলা: SSCJ (হিন্দু আইনের উৎস) = Shruti, Smriti, Custom, Judicial Decisions।

২ নম্বর ফর্মুলা: SSSWD (হিন্দু উত্তরাধিকার ক্রম) = Son, Son's son, Son's son's son, Widow, Daughter।

৩ নম্বর ফর্মুলা: CATG (হিন্দু দত্তক) = Capacity of adopter, Ability of giver, The child qualified, Giving and Taking।

৪ নম্বর ফর্মুলা: MDPCC (হিন্দু ভরণপোষণ) = Moral turpitude, Disease, Proselytism, Cruelty, Concubinage।

৫ নম্বর ফর্মুলা: ABCCD (Divorce Act, স্ত্রীর তালাক) = Adultery+another marriage, Bigamy, Crime (sexual), Cruelty, Desertion।

৬ নম্বর ফর্মুলা: CMR (Christian Marriage) = Church, Marriage Registrar, Registered Minister।

৭ নম্বর ফর্মুলা: NTC (GWA Guardian) = Natural, Testamentary, Court-appointed।

৮ নম্বর ফর্মুলা: ASLSW (Will-এর শর্ত) = Adult, Sound mind, Legal document, Signature, Witnesses।

৯ নম্বর ফর্মুলা: POPD (Waqf-এর শর্ত) = Person capable, Owned property, Pious purpose, Declaration।

১০ নম্বর ফর্মুলা: CDASM (২০২৬-এর নতুন বিষয়) = Cyber Act, Digital Evidence, ADR, Shasantantra, Money Laundering।

## অধ্যায় ২২: বিশেষ বিষয় এবং গভীর বিশ্লেষণ

### বিভিন্ন ধর্মীয় সম্প্রদায়ের পারিবারিক আইনের তুলনামূলক চিত্র



পরীক্ষায় প্রায়ই বিভিন্ন সম্প্রদায়ের আইনের তুলনামূলক প্রশ্ন আসে। তাই একটি সহজ তুলনামূলক চিত্র মনে রাখা।

বিবাহের প্রকৃতি:

মুসলিম বিবাহ = চুক্তি (Contract)। হিন্দু বিবাহ = সংস্কার (Sacrament)। খ্রিষ্টান বিবাহ = Religious ও Civil উভয়।

তালাকের ব্যবস্থা:

মুসলিম = তালাক, Khul, Mubaarat (বিভিন্ন পদ্ধতি)। হিন্দু = নেই (বাংলাদেশে)। খ্রিষ্টান = Divorce Act, 1869।

উত্তরাধিকার:

মুসলিম = কোরআনের নিয়ম, Muslim Personal Law (Shariat) Application Act। হিন্দু = Dayabhaga School (বাংলাদেশ)। খ্রিষ্টান = Succession Act, 1925।

অভিভাবকত্ব:

মুসলিম = Muslim Personal Law + GWA 1890। হিন্দু = Hindu Law + GWA 1890। খ্রিষ্টান = GWA 1890।

মনে রাখার MCH ফর্মুলা: M = Muslim (চুক্তি, তালাক আছে), H = Hindu (সংস্কার, তালাক নেই), C = Christian (দুই মিলিয়ে, তালাক আছে)।

"MCH মনে রাখলে তুলনামূলক পারিবারিক আইন মনে থাকবে।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল "মুসলিম এবং হিন্দু বিবাহের মধ্যে প্রধান পার্থক্য কী?" উত্তর: মুসলিম বিবাহ চুক্তি, হিন্দু বিবাহ সংস্কার।

### Parsi Law সংক্ষেপ

বাংলাদেশে পার্সি সম্প্রদায় ক্ষুদ্র কিন্তু তাদের আলাদা আইন আছে।

The Parsi Marriage and Divorce Act, 1936 পার্সিদের বিবাহ এবং তালাক নিয়ন্ত্রণ করে।

মনে রাখার টেকনিক: "Parsi = ১৯৩৬।" এটুকু মনে রাখলেই যথেষ্ট।

### Special Marriage Act, 1872



Special Marriage Act, 1872 হলো আন্তর্ধর্মীয় বিবাহের আইন।

যদি কোনো ব্যক্তি ভিন্ন ধর্মের ব্যক্তিকে বিবাহ করতে চান তাহলে এই আইনে নিবন্ধন করতে পারেন।

এই আইনের অধীনে বিবাহিত হলে হিন্দু বিবাহের মতো অবিচ্ছেদ্য নিয়ম প্রযোজ্য নয়।

মনে রাখার টেকনিক: "Special Marriage = আন্তর্ধর্মীয় বিবাহের রাস্তা।"

রাজনৈতিক জোক: Special Marriage Act হলো অনেকটা আন্তর্জাতিক কূটনীতিতে "Bilateral Agreement"-এর মতো। দুটো দেশ যখন সাধারণ পথে যেতে পারে না তখন বিশেষ চুক্তি করে। হিন্দু এবং মুসলিমও যখন সাধারণ আইনে বিয়ে করতে পারে না তখন Special Marriage Act।

---

## অধ্যায় ২৩: সম্পূর্ণ Tricky প্রশ্ন বিশ্লেষণ

### Tricky প্রশ্ন ১: Section 34 CPC এবং Section 34 SRA-র পার্থক্য

পরীক্ষায় অনেকে Section 34 নম্বর দেখে confused হয়।

Section 34 CPC হলো Costs (মামলার খরচ) সম্পর্কে।

Section 34 SRA হলো Declaratory Decree সম্পর্কে।

মনে রাখার টেকনিক: "CPC-র ৩৪ = খরচ। SRA-র ৩৪ = ঘোষণা।"

### Tricky প্রশ্ন ২: Section 115 CPC এবং Section 115 Evidence Act

Section 115 CPC হলো Revision।

Section 115 Evidence Act হলো Estoppel।

মনে রাখার টেকনিক: "CPC-র ১১৫ = Revision (সংশোধন)। Evidence-র ১১৫ = Estoppel (নিজের কথার বিরুদ্ধে যাওয়া বন্ধ)।"

### Tricky প্রশ্ন ৩: FIR কোথায় দেওয়া যায়?

FIR দেওয়া যায় যেকোনো থানায়। কিন্তু তদন্ত করবে যে থানার এলাকায় অপরাধ হয়েছে সেই থানা।

মনে রাখার টেকনিক: "FIR যেকোনো থানায়। তদন্ত ঘটনার থানায়।"



বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে Tricky প্রশ্ন এসেছিল "একটি অপরাধ ঢাকায় হয়েছে। FIR কি চউগ্রামে দেওয়া যায়?" উত্তর: হ্যাঁ, যেকোনো থানায় FIR দেওয়া যায় কিন্তু তদন্ত ঢাকার থানা করবে।

### Tricky প্রশ্ন ৪: Void Agreement এবং Voidable Contract-এর পার্থক্য

Void Agreement শুরু থেকেই কার্যকর নয়। কেউ ইচ্ছা করলেও বৈধ করতে পারবে না।

Voidable Contract শুরুতে বৈধ। কিন্তু এক পক্ষের ইচ্ছায় বাতিল করা যায়।

উদাহরণ: Wagering Agreement (Section 30 Contract Act) = Void, শুরু থেকেই। Coercion-এর মাধ্যমে নেওয়া Contract = Voidable, বাতিল করা যায়।

### Tricky প্রশ্ন ৫: Culpable Homicide এবং Murder কখন গুলিয়ে যায়?

পরীক্ষার্থীরা প্রায়ই এই দুটো গুলিয়ে ফেলে।

সহজ মনে রাখার নিয়ম: সব Murder হলো Culpable Homicide। কিন্তু সব Culpable Homicide Murder নয়।

Murder = Culpable Homicide + Section 300-এর শর্ত পূরণ।

Section 300-এর Exception ১ থেকে ৫-এর যেকোনোটি থাকলে Murder হবে না, Culpable Homicide হবে।

মনে রাখার চিত্র: বড় বৃত্ত = Culpable Homicide। ছোট বৃত্ত বড় বৃত্তের ভেতরে = Murder।

## অধ্যায় ২৪: সংখ্যা ও সময়সীমার মহাসংকলন পার্ট ৮ (নতুন)

### পার্ট ৮-এর সব গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যা একসাথে

আইন এবং সাল:

Hindu Widows' Remarriage Act = ১৮৫৬। Hindu Women's Right to Property Act = ১৯৩৭। Hindu Married Women's Right to Separate Residence and Maintenance Act = ১৯৪৬। Divorce Act = ১৮৬৯। Christian Marriage Act = ১৮৭২। Guardianship and Wards Act = ১৮৯০। Succession Act = ১৯২৫। Waqf Ordinance = ১৯৬২। Parsi Marriage and Divorce Act = ১৯৩৬। Special Marriage Act = ১৮৭২।

GWA সংক্রান্ত সংখ্যা:



Section 4 = Guardian সংজ্ঞা। Section 17 = শিশুর কল্যাণ। Section 19 = Guardian নিয়োগ না হওয়ার ক্ষেত্র। Section 25 = ফেরত দেওয়ার আদেশ।

Succession Act সংক্রান্ত সংখ্যা:

Section 59 = Will করার ক্ষমতা। Section 222 = Probate। ১৮ বছর = Will করার ন্যূনতম বয়স। দুইজন = Will-এর সাক্ষী।

Christian Marriage Act সংক্রান্ত সংখ্যা:

২১ বছর = ছেলের বিবাহের বয়স। ১৮ বছর = মেয়ের বিবাহের বয়স।

Penal Code-এর নতুন সংখ্যা:

৭ বছর = Section 82-এ দায়মুক্তির বয়স। ১২ বছর = Section 83-এ আংশিক দায়মুক্তির বয়স। ৬টি = Section 100-এ মৃত্যু ঘটানোর ক্ষেত্র। ৫টি = Section 300-এ Murder-এর Exception। ৫ জন = Section 149-এ Unlawful Assembly-র ন্যূনতম সদস্য।

Evidence Act-এর নতুন সংখ্যা:

৩০ বছর = Section 90-এ পুরনো দলিলের অনুমান। ২৮০ দিন = Section 112-এ Legitimacy-র অনুমান।

মনে রাখার মহাছড়া পার্ট ৮:

"পঞ্চাশ ছয়ে বিধবা বিয়ে, সাতত্রিশে সম্পত্তি। ছেষড়িতে হিন্দু রক্ষা, উনসত্তরে খ্রিষ্টান তালাক তরতি। বাহাতরে খ্রিষ্টান বিয়ে, নব্বইতে Guardian। পঁচিশে Will লেখো সঠিক, বাষড়িতে Waqf মহান।"

## পরিশিষ্ট: পার্ট ৮-এর সম্পূর্ণ বিষয়সূচি

পার্ট ৮-এ মোট ২৪টি অধ্যায় আছে।

অধ্যায় ১: হিন্দু আইনের পরিচয় এবং উৎস। অধ্যায় ২: হিন্দু বিবাহ আইন। অধ্যায় ৩: হিন্দু উত্তরাধিকার আইন। অধ্যায় ৪: হিন্দু যৌথ পরিবার। অধ্যায় ৫: Divorce Act, 1869। অধ্যায় ৬: Christian Marriage Act, 1872। অধ্যায় ৭: Guardianship and Wards Act, 1890। অধ্যায় ৮: Succession Act, 1925। অধ্যায় ৯: Waqf Ordinance, 1962। অধ্যায় ১০: সংখ্যার মহা সংকলন। অধ্যায় ১১: রিটেন পরীক্ষার সম্পূর্ণ প্রস্তুতি। অধ্যায় ১২: CPC রিটেন প্রশ্নের নমুনা উত্তর। অধ্যায় ১৩: CrPC রিটেন প্রশ্নের নমুনা উত্তর। অধ্যায় ১৪: Penal Code রিটেন প্রশ্নের নমুনা উত্তর। অধ্যায় ১৫: Evidence Act রিটেন প্রশ্নের নমুনা উত্তর। অধ্যায় ১৬:



Professional Ethics। অধ্যায় ১৭: ২০২৬ সালের Prediction Set (১০০ MCQ)। অধ্যায় ১৮: রাজনৈতিক জোক সংকলন। অধ্যায় ১৯: পরীক্ষার দিনের Strategy। অধ্যায় ২০: ২০২৬ সালের বিশেষ প্রস্তুতি। অধ্যায় ২১: সম্পূর্ণ রিভিশন। অধ্যায় ২২: বিশেষ বিষয় গভীর বিশ্লেষণ। অধ্যায় ২৩: Tricky প্রশ্ন বিশ্লেষণ। অধ্যায় ২৪: সংখ্যা মহাসংকলন।

## পার্ট ৮-এর সমাপনী

প্রিয় পরীক্ষার্থী,

তুমি পার্ট ৮ শেষ করলে। এই পার্টে তুমি যা শিখলে:

হিন্দু আইনের Dayabhaga School এবং সব গুরুত্বপূর্ণ বিষয়। Divorce Act এবং Christian Marriage Act-এর সম্পূর্ণ বিধান। GWA 1890-এর মূল নীতি এবং Section 17। Succession Act 1925-এর Will, Probate এবং Letters of Administration। Waqf Ordinance 1962-এর ওয়াকফের শর্ত এবং প্রকারভেদ। একশোটি Prediction MCQ এবং সম্পূর্ণ Viva-Voce প্রস্তুতি। রিটেন পরীক্ষার IRAC ফর্মুলা এবং নমুনা উত্তর। পরীক্ষার দিনের কৌশল।

একটা কথা মনে রেখো। ২০২৫ সালের এপ্রিলে ৪০ হাজারের বেশি পরীক্ষার্থী পরীক্ষা দিয়েছে। পাস করেছে ১৩ হাজারের কিছু বেশি। যারা পাস করেছে তারা ভিন্ন কী করেছে? তারা শুধু বড় বিষয়গুলো পড়েনি। তারা ছোট বিষয়গুলোও পড়েছে। তারা Hindu Law পড়েছে। Succession Act পড়েছে। GWA পড়েছে।

তুমি এই পার্ট পড়ে সেই দলে চলে এলে।

পার্ট ৯-এ আসছে: সম্পূর্ণ লিখিত পরীক্ষার বিশেষ প্রস্তুতি, Written প্রশ্নের বিস্তারিত নমুনা উত্তর (সব বিষয়ে), আন্তর্জাতিক এবং তুলনামূলক আইনের নতুন বিশ্লেষণ, ২০২৬ ডিসেম্বর পরীক্ষার চূড়ান্ত Mega Mock Set, পরীক্ষার আগের রাতের কৌশল এবং পার্ট ১ থেকে ৮-এর সম্পূর্ণ সংহত রিভিশন।

বার কাউন্সিল পরীক্ষা কঠিন। কিন্তু তুমি এই বই পড়ে কঠিন পথ সহজ করে নিয়েছ।

তুমি পারবে।

শুভকামনা।

**পার্ট ৯: লিখিত পরীক্ষার সম্পূর্ণ মাস্টারক্লাস, আন্তর্জাতিক তুলনামূলক আইন বিশ্লেষণ, ২০২৬ ডিসেম্বর চূড়ান্ত Mega Mock Set এবং পার্ট ১ থেকে ৮-এর গ্র্যান্ড রিভিশন**



## পার্ট ৯-এর ভূমিকা: তুমি এখন শেষ যুদ্ধের দরজায়

প্রিয় পরীক্ষার্থী,

তুমি পার্ট ১ থেকে পার্ট ৮ পড়ে এসেছ। অর্থাৎ তুমি CPC, CrPC, Penal Code, Evidence Act, SRA, Professional Ethics, Muslim Family Law, Hindu Law, Christian Law, GWA, Succession Act এবং Waqf Ordinance পড়েছ। এখন তুমি MCQ পরীক্ষার জন্য প্রায় তৈরি।

কিন্তু থামো।

একটা গুরুত্বপূর্ণ কথা মনে করিয়ে দিই। ২০২৫ সালের পরীক্ষায় ৪০ হাজার ৬২৭ জন MCQ দিয়েছে। তাদের মধ্যে যারা MCQ পাস করেছে তাদের লিখিত পরীক্ষায় বসতে হয়েছে। এবং সেই লিখিত পরীক্ষায় অনেকে ফেল করেছে যারা MCQ-তে ভালো করেছিল।

কেন? কারণ MCQ মুখস্থের পরীক্ষা আর Written হলো বোঝার পরীক্ষা।

আন্তর্জাতিক সম্পর্কে একটা বিখ্যাত কথা আছে যা Henry Kissinger বলেছিলেন। তিনি বলেছিলেন কূটনীতি হলো শুধু কথা বলা নয়, সঠিক কথা সঠিকভাবে বলা। বার কাউন্সিল লিখিত পরীক্ষাও তেমন। শুধু উত্তর জানলে হবে না, সেই উত্তর সঠিকভাবে লিখতে হবে।

এই পার্টে তুমি পাবে:

প্রথমত, লিখিত পরীক্ষার সম্পূর্ণ কৌশল এবং IRAC ফর্মুলার গভীর ব্যাখ্যা। দ্বিতীয়ত, প্রতিটি বিষয়ে বিস্তারিত নমুনা উত্তর যেগুলো দেখে তুমি নিজের উত্তর লিখতে পারবে। তৃতীয়ত, আন্তর্জাতিক আইনের সাথে বাংলাদেশি আইনের তুলনামূলক বিশ্লেষণ। চতুর্থত, ২০২৬ ডিসেম্বর পরীক্ষার জন্য ১০০ প্রশ্নের Mega Mock Set। পঞ্চমত, পার্ট ১ থেকে ৮ এর সম্পূর্ণ Grand Revision। ষষ্ঠত, Viva-Voce পরীক্ষার সম্পূর্ণ প্রস্তুতি। সপ্তমত, পরীক্ষার আগের রাতের কৌশল।

চলো শুরু করা যাক।

## অধ্যায় ১: লিখিত পরীক্ষার সম্পূর্ণ গাইড এবং মাস্টার স্ট্র্যাটেজি

### লিখিত পরীক্ষার কাঠামো আবার দেখো

বার কাউন্সিল লিখিত পরীক্ষা মোট ১০০ নম্বরের। সময় ৪ ঘন্টা। এটা চারটি গ্রুপে ভাগ করা।

গ্রুপ A তে আছে CPC এবং Specific Relief Act। গ্রুপ B তে আছে CrPC এবং Penal Code। গ্রুপ C তে আছে Evidence Act। গ্রুপ D তে আছে Professional Ethics এবং Bar Council Order।

465 বার কাউন্সিল এনবোলমেন্ট পরীক্ষার শর্টকাট মাস্টার গাইড — © 2026 S M Nazmuz Sakib. All rights reserved. No part of this work may be copied,

reproduced, or distributed without prior written permission. DOI: 10.5281/zenodo.19494434



প্রতিটি গ্রুপ থেকে সাধারণত ২৫ নম্বর করে প্রশ্ন থাকে। প্রতিটি গ্রুপে একাধিক প্রশ্ন থাকে এবং পছন্দ থাকে।

মনে রাখার টেকনিক: "ABCD = ২৫ করে ১০০।"

## লিখিত পরীক্ষায় কী ধরনের প্রশ্ন আসে?

লিখিত পরীক্ষায় মূলত তিন ধরনের প্রশ্ন আসে।

প্রথম ধরন হলো আইনি সংজ্ঞা এবং বিশ্লেষণমূলক প্রশ্ন। যেমন "Res Judicata কী? এর উপাদানগুলো আলোচনা করো।"

দ্বিতীয় ধরন হলো সমস্যামূলক প্রশ্ন বা Problem Question। যেমন "করিম রহিমের কাছ থেকে চুক্তিতে জমি কিনেছে। রহিম জমি না দিলে করিম কী করবে?"

তৃতীয় ধরন হলো তুলনামূলক প্রশ্ন। যেমন "Section 10 এবং Section 11 CPC-র পার্থক্য আলোচনা করো।"

## IRAC ফর্মুলা: লিখিত পরীক্ষার মহাঅস্ত্র

IRAC হলো আইনি উত্তর লেখার আন্তর্জাতিকভাবে স্বীকৃত পদ্ধতি। আমেরিকার Harvard Law School থেকে শুরু করে বাংলাদেশের বার কাউন্সিল পর্যন্ত এই পদ্ধতি কাজ করে।

I = Issue (সমস্যা চিহ্নিত করা) R = Rule (প্রাসঙ্গিক আইন বলা) A = Application (আইন প্রয়োগ করা) C = Conclusion (সিদ্ধান্তে আসা)

রাজনৈতিক জোক: জাতিসংঘের নিরাপত্তা পরিষদ যখন কোনো সংঘাত নিয়ে আলোচনা করে তখনও এই IRAC পদ্ধতি ব্যবহার করে। I = সমস্যা কী (সংঘাত)? R = জাতিসংঘ চার্টারের কোন ধারা প্রযোজ্য? A = সেই ধারা এই পরিস্থিতিতে কীভাবে লাগু হয়? C = তাহলে কী পদক্ষেপ নেওয়া উচিত? ২০২৪ সালে গাজা সংঘাতে নিরাপত্তা পরিষদ ঠিক এভাবেই কাজ করেছে। তুমিও পরীক্ষায় ঠিক এভাবেই কাজ করবে।

## IRAC পদ্ধতির বিস্তারিত উদাহরণ

ধরো প্রশ্ন এসেছে: "করিম ১৯৯৯ সালে একটি মামলা করেছিল যেখানে সে রহিমের কাছ থেকে জমির মালিকানা দাবি করেছিল। আদালত রায় দিয়েছিল যে জমিটা রহিমের। এখন ২০২৫ সালে করিম আবার একই জমির জন্য একই আদালতে মামলা করেছে। এই মামলা চলবে কি?"

তোমার উত্তর হবে এইভাবে।

I তে লিখবে: এখানে প্রধান সমস্যা হলো একই বিষয়ে একই পক্ষের মধ্যে দ্বিতীয়বার মামলা করার বৈধতা।





R তে লিখবে: Code of Civil Procedure, 1908 এর Section 11 অনুযায়ী Res Judicata নীতি প্রযোজ্য। এই নীতি অনুযায়ী যে বিষয়ে একবার চূড়ান্ত রায় হয়েছে সেই বিষয়ে একই পক্ষের মধ্যে একই শিরোনামে আবার মামলা হতে পারে না।

A তে লিখবে: এই মামলায় দেখা যাচ্ছে যে ১৯৯৯ সালে একই জমির মালিকানা নিয়ে করিম এবং রহিমের মধ্যে মামলা হয়েছিল। আদালত রায় দিয়েছিল। সেই রায় চূড়ান্ত। বিষয় একই, পক্ষ একই, আদালত সক্ষম ছিল এবং রায় চূড়ান্ত ছিল। অর্থাৎ Res Judicata-র সব শর্ত পূরণ হয়েছে।

C তে লিখবে: অতএব এই মামলা Section 11 CPC অনুযায়ী Res Judicata দ্বারা বাধাগ্রস্ত এবং এটি চলতে পারবে না। আদালত এই মামলা খারিজ করবে।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালের লিখিত পরীক্ষায় Res Judicata-র উপর সমস্যামূলক প্রশ্ন এসেছিল।

### লিখিত পরীক্ষার সময় ব্যবস্থাপনা

৪ ঘন্টায় ৪টি গ্রুপের উত্তর লিখতে হবে। গড়ে প্রতি গ্রুপে ৬০ মিনিট।

সময় ব্যবস্থাপনার ছক এইরকম: প্রথম ১০ মিনিট সব প্রশ্ন পড়ো এবং কোনগুলো করবে সেটা ঠিক করো। পরের ৫০ মিনিটে গ্রুপ A-র উত্তর লেখো। তারপর ৫০ মিনিটে গ্রুপ B। তারপর ৫০ মিনিটে গ্রুপ C। তারপর ৫০ মিনিটে গ্রুপ D। শেষ ১০ মিনিটে সব পরীক্ষা করো।

মনে রাখার টেকনিক: "১০ + ৫০ + ৫০ + ৫০ + ৫০ + ১০ = ২২০ মিনিট = ৩ ঘন্টা ৪০ মিনিট। ২০ মিনিট reserve।"

রাজনৈতিক জোক: জাতিসংঘের সাধারণ পরিষদে প্রতিটি দেশকে নির্দিষ্ট সময়ে বক্তৃতা শেষ করতে হয়। কিন্তু আমেরিকা, রাশিয়া এবং চীন সবসময় একটু বেশি সময় নেয়। পরীক্ষায় তুমি কিন্তু সেই সুযোগ পাবে না। তাই সময় মেনে চলো।

### অধ্যায় ২: CPC এর লিখিত পরীক্ষার সম্পূর্ণ নমুনা উত্তর

**প্রশ্ন ১: Temporary Injunction কী? এটা পাওয়ার শর্ত কী কী? (বিগত ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে)**

উত্তরের কাঠামো:

ভূমিকা হিসেবে লিখবে: Temporary Injunction হলো বিচার চলাকালীন আদালতের একটি সাময়িক নির্দেশ যা বিবাদীকে কোনো কাজ করা থেকে বিরত রাখে অথবা কোনো কাজ করতে বাধ্য করে। এটি মামলার চূড়ান্ত নিষ্পত্তি না হওয়া পর্যন্ত বলবৎ থাকে।



আইনি ভিত্তি হিসেবে লিখবে: Code of Civil Procedure, 1908 এর Order 39 Rule 1 এবং Rule 2 Temporary Injunction সম্পর্কে বিধান দিয়েছে। এছাড়া Specific Relief Act, 1877 এর Section 53 থেকে Section 57 এর মধ্যে Injunction সম্পর্কে আরও বিধান আছে।

Order 39 Rule 1 এর পরিস্থিতি বলবে: যখন মামলার বিষয়বস্তু নষ্ট করা, সরিয়ে ফেলা বা অপ্রচলিত করার আশঙ্কা আছে। যখন বিবাদী মামলার বিষয়বস্তুর ক্ষতি করার হুমকি দিয়েছে।

Order 39 Rule 2 এর পরিস্থিতি বলবে: যখন বিবাদী চুক্তি লঙ্ঘন করে বা অন্য কোনো ক্ষতিকর কাজ করার আশঙ্কা আছে।

Temporary Injunction পাওয়ার তিনটি মূল শর্ত আলোচনা করবে:

প্রথম শর্ত: Prima Facie Case। এর মানে হলো প্রথম দেখায় বাদীর মামলাটি আইনসম্মত বলে প্রতীয়মান হতে হবে। বাদীকে প্রমাণ করতে হবে যে তার দাবিতে আইনি ভিত্তি আছে। তবে এই পর্যায়ে সম্পূর্ণ প্রমাণের প্রয়োজন নেই।

দ্বিতীয় শর্ত: Balance of Convenience। মানে হলো Injunction না দিলে বাদীর যে ক্ষতি হবে তা Injunction দিলে বিবাদীর যে ক্ষতি হবে তার চেয়ে বেশি হতে হবে। আদালত উভয় পক্ষের স্বার্থ বিবেচনা করে সিদ্ধান্ত নেবে।

তৃতীয় শর্ত: Irreparable Injury। মানে হলো Injunction না দিলে বাদীর এমন ক্ষতি হবে যা টাকা দিয়ে পুষিয়ে দেওয়া যাবে না অথবা পুষিয়ে দেওয়া কঠিন হবে।

মনে রাখার টেকনিক: PBI ফর্মুলা। P = Prima Facie Case, B = Balance of Convenience, I = Irreparable Injury।

আন্তর্জাতিক সম্পর্কের উদাহরণ: আন্তর্জাতিক বিচার আদালত (ICJ) এও Provisional Measures বা সাময়িক ব্যবস্থা নেওয়ার বিধান আছে। ২০২৪ সালে দক্ষিণ আফ্রিকা ইসরাইলের বিরুদ্ধে ICJ-তে Provisional Measures চেয়েছিল। ICJ সেই আবেদনে বিবেচনা করেছিল যে Prima Facie Jurisdiction আছে কি না এবং Irreparable Harm হওয়ার আশঙ্কা আছে কি না। এটা অনেকটা Temporary Injunction-এর PBI ফর্মুলার মতোই।

উপসংহারে লিখবে: Temporary Injunction আদালতের বিবেচনামূলক ক্ষমতা। আদালত সব পরিস্থিতি বিবেচনা করে এই নির্দেশ দিতে পারে। তবে PBI শর্ত পূরণ না হলে সাধারণত Injunction দেওয়া হয় না।

**প্রশ্ন ২: Res Judicata-র উপাদান কী কী? (২০১৬, ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে)**



ভূমিকা: Res Judicata একটি ল্যাটিন শব্দ যার অর্থ "বিচার হয়ে যাওয়া বিষয়"। Code of Civil Procedure, 1908 এর Section 11 এই নীতি বিধিবদ্ধ করেছে। এই নীতির মূল উদ্দেশ্য হলো মামলার সংখ্যা কমানো, পক্ষদের হয়রানি রোধ করা এবং চূড়ান্ত রায়ের মর্যাদা রক্ষা করা।

Res Judicata-র মূলনীতি: "Interest reipublicae ut sit finis litium" অর্থাৎ মামলার শেষ হওয়া জনস্বার্থে প্রয়োজন।

Section 11-এর উপাদানগুলো বিস্তারিতভাবে আলোচনা করবে:

প্রথম উপাদান: বিষয়বস্তু একই হতে হবে (Same Subject Matter)। নতুন মামলার বিষয়বস্তু আগের মামলায় সরাসরি এবং প্রত্যক্ষভাবে বিবাদের বিষয় ছিল এবং সেটা নিষ্পত্তি হয়েছিল তা প্রমাণ করতে হবে। "Directly and Substantially in Issue" কথাটা গুরুত্বপূর্ণ।

দ্বিতীয় উপাদান: পক্ষ একই হতে হবে (Same Parties)। নতুন মামলার পক্ষরা আগের মামলার একই পক্ষ বা তাদের পক্ষ দাবিকারী হতে হবে।

তৃতীয় উপাদান: শিরোনাম একই হতে হবে (Same Title)। উভয় মামলায় পক্ষরা একই পরিচয়ে মামলা করছে তা নিশ্চিত হতে হবে। যেমন ব্যক্তিগত দাবি এবং প্রতিনিধি দাবি আলাদা শিরোনাম।

চতুর্থ উপাদান: সক্ষম আদালতের রায় (Competent Court)। আগের মামলায় যে আদালত রায় দিয়েছে তাকে সেই বিষয়ে সিদ্ধান্ত দেওয়ার ক্ষমতা থাকতে হবে।

পঞ্চম উপাদান: চূড়ান্ত রায় (Final Judgment)। আগের রায়টি চূড়ান্ত হতে হবে। আপিল চলাকালীন রায় Res Judicata হিসেবে ধরা হয় না।

Constructive Res Judicata সম্পর্কে বলবে: Section 11 এর Explanation IV অনুযায়ী যদি কোনো বিষয় আগের মামলায় উত্থাপন করা সম্ভব ছিল কিন্তু করা হয়নি তাহলে সেই বিষয়ও Res Judicata দ্বারা বাধাগ্রস্ত।

উদাহরণ: করিম ২০১৫ সালে রহিমের বিরুদ্ধে জমির মালিকানার মামলা করল এবং হেরে গেল। ২০২৩ সালে সে আবার একই জমির জন্য মামলা করল। এখানে Res Judicata প্রযোজ্য।

মনে রাখার ছড়া: "বিষয় পক্ষ শিরোনাম, আদালত আর রায় চূড়ান্ত। পাঁচ উপাদান Res Judicata-য়, মামলা করো না ভুলে আর।"

রাজনৈতিক উদাহরণ: ২০১৬ সালে সমুদ্রসীমা নিয়ে চীন এবং ফিলিপাইনের মধ্যে PCA (Permanent Court of Arbitration)-তে মামলা হয়েছিল। চীন সেই রায় মানেনি। কিন্তু Res Judicata অনুযায়ী ওই বিষয়ে আবার একই আদালতে মামলা হবে না। চীনের অস্বীকৃতি আইনি বাধ্যবাধকতা পরিবর্তন করে না।



### প্রশ্ন ৩: Order 39-এর অধীনে Injunction এবং Specific Relief Act-এর অধীনে Injunction-এর পার্থক্য

এটি একটি তুলনামূলক প্রশ্ন যা ২০১৯ এবং ২০২৩ সালের পরীক্ষায় এসেছিল।

CPC Order 39-এর অধীনে Injunction: এটি Temporary বা সাময়িক। মামলা চলাকালীন দেওয়া হয়। মামলার চূড়ান্ত নিষ্পত্তির সাথে এটিও শেষ হয়। কোনো প্রধান মামলা থাকতে হবে।

Specific Relief Act, 1877-এর অধীনে Injunction: Perpetual বা Mandatory Injunction হতে পারে। SRA-এর Section 52 থেকে 57 পর্যন্ত বিধান আছে। Permanent Injunction হলো চূড়ান্ত প্রতিকার। কিছু ক্ষেত্রে Mandatory Injunction দেওয়া হয় যা কোনো কাজ করতে বাধ্য করে।

মনে রাখার টেকনিক: "CPC Injunction = সাময়িক রক্ষা। SRA Injunction = স্থায়ী সমাধান।"

### প্রশ্ন ৪: Execution of Decree (ডিক্রি জারি) কীভাবে হয়? (২০১৭, ২০১৯, ২০২১ সালে এসেছে)

ভূমিকা: ডিক্রি জারি হলো আদালতের রায় কার্যকর করার প্রক্রিয়া। CPC-এর Section 36 থেকে Section 74 এবং Order 21 Execution সম্পর্কে বিধান দিয়েছে।

Decree কে সংজ্ঞায়িত করো: Section 2(2) অনুযায়ী Decree হলো আদালতের সেই আনুষ্ঠানিক ঘোষণা যা মামলার সব বা কোনো বিষয়ে পক্ষদের অধিকার নির্ধারণ করে এবং যা আপিলযোগ্য।

Decree জারির পদ্ধতিগুলো:

Section 51 অনুযায়ী Execution এর পদ্ধতি বিভিন্ন। প্রথম পদ্ধতি হলো Delivery of Property। ডিক্রিতে যে সম্পত্তি ফেরত দেওয়ার কথা আছে সেটা সরাসরি দিয়ে দেওয়া। দ্বিতীয় পদ্ধতি হলো Attachment and Sale। ডিক্রিদারের প্রাপ্য অর্থ আদায়ের জন্য বিবাদীর সম্পত্তি ক্রোক করে নিলামে বিক্রি করা। তৃতীয় পদ্ধতি হলো Arrest and Detention। বিবাদীকে গ্রেপ্তার করে Civil Prison-এ রাখা। তবে মুসলমানদের ক্ষেত্রে জমির ডিক্রিতে এবং স্ত্রী-শিশুর ক্ষেত্রে এই পদ্ধতি ব্যবহার করা যায় না সাধারণত। চতুর্থ পদ্ধতি হলো Appointment of Receiver। আদালত কোনো ব্যক্তিকে সম্পত্তি পরিচালনার জন্য নিয়োগ করতে পারে।

Order 21 এর গুরুত্বপূর্ণ বিধান: Order 21 Rule 22 অনুযায়ী Execution Petition দিতে হবে। Order 21 Rule 58 অনুযায়ী তৃতীয় পক্ষ তার সম্পত্তির দাবি করতে পারে।

Limitation অর্থাৎ সময়সীমা: Limitation Act, 1908 অনুযায়ী Execution Petition দেওয়ার সময়সীমা সাধারণত তিন বছর।

মনে রাখার টেকনিক: "DASRA ফর্মুলা। D = Delivery (সম্পত্তি বুঝিয়ে দেওয়া), A = Attachment (ক্রোক), S = Sale (বিক্রি), R = Receiver (রিসিভার), A = Arrest (গ্রেপ্তার)।"



আন্তর্জাতিক উদাহরণ: ICJ রায়ের Execution করার জন্য UN Security Council-এর সাহায্য নিতে হয়। কিন্তু Veto Power থাকায় অনেক সময় সেটা কার্যকর হয় না। বাংলাদেশের দেওয়ানি আদালতে সেই সমস্যা নেই। ডিক্রি জারির জন্য রাষ্ট্রীয় শক্তি ব্যবহার করা যায়।

## অধ্যায় ৩: CrPC-এর লিখিত পরীক্ষার সম্পূর্ণ নমুনা উত্তর

### প্রশ্ন ১: FIR কী? FIR-এর গুরুত্ব এবং FIR রেকর্ড না করলে কী হয়? (২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে)

ভূমিকা: FIR বা First Information Report হলো থানায় একটি আমলযোগ্য অপরাধের প্রথম তথ্য। এটি Code of Criminal Procedure, 1898 (CrPC) এর Section 154-এ বিধিবদ্ধ।

FIR এর সংজ্ঞা: Section 154 অনুযায়ী কোনো আমলযোগ্য অপরাধ সম্পর্কে থানার ভারপ্রাপ্ত কর্মকর্তার কাছে মৌখিক বা লিখিতভাবে দেওয়া প্রথম তথ্য এবং সেটি রেকর্ড করার পর তথ্যদাতার স্বাক্ষর গ্রহণ করে একটি কপি দেওয়া FIR-এর অংশ।

FIR-এর বৈশিষ্ট্য: এটি প্রথম তথ্য, কোনো তদন্ত প্রতিবেদন নয়। এটি Cognizable অর্থাৎ আমলযোগ্য অপরাধে দেওয়া হয়। Non-cognizable অপরাধে FIR নয়, NCR (Non-Cognizable Report) দেওয়া হয়।

FIR-এর গুরুত্ব: প্রথমত, এটি তদন্তের ভিত্তি তৈরি করে। দ্বিতীয়ত, এটি প্রমাণের অংশ হতে পারে যদি অভিযোগকারী মামলায় সাক্ষী হয়। তৃতীয়ত, এটি ঘটনার তাৎক্ষণিক বিবরণ থাকায় এর সাক্ষ্যগত মূল্য আছে। চতুর্থত, FIR দেরি হওয়া সন্দেহের কারণ হতে পারে।

FIR রেকর্ড না করলে: Section 154(3) অনুযায়ী যদি থানার ভারপ্রাপ্ত কর্মকর্তা FIR রেকর্ড না করে তাহলে অভিযোগকারী জেলার পুলিশ সুপারের কাছে অভিযোগ করতে পারে। SP নিজে তদন্ত করতে পারেন বা অন্য পুলিশ অফিসারকে নির্দেশ দিতে পারেন। এছাড়া Magistrate-এর কাছে Complaint দেওয়া যায় এবং Magistrate Section 156(3) এর অধীনে তদন্তের নির্দেশ দিতে পারেন।

জোক: রাশিয়া যখন ইউক্রেনে আক্রমণ করেছিল তখন ইউক্রেন ICCতে FIR-এর মতো অভিযোগ দায়ের করেছিল। ICC সেটা Docket এ নিয়েছিল। কিন্তু রাশিয়া বলল "আমরা ICC মানি না।" বাংলাদেশের থানায় FIR না নেওয়া হলে ওপরে যেতে পারো। কিন্তু ICC-তে পারো না কারণ ওপরে কেউ নেই।

Zero FIR সম্পর্কে বলা: বাংলাদেশে যেকোনো থানায় FIR দেওয়া যায়, এলাকার বাইরেও। সেটাকে Zero FIR বলে এবং পরে সংশ্লিষ্ট থানায় পাঠানো হয়।

### প্রশ্ন ২: Bail কী? Bail-এর বিভিন্ন প্রকারভেদ আলোচনা করো। (প্রায় প্রতি বছর আসে)



ভূমিকা: Bail হলো অভিযুক্তকে মুক্তি দেওয়ার একটি ব্যবস্থা যেখানে সে নিশ্চয়তা দেয় যে বিচারের সময় সে আদালতে হাজির হবে। CrPC এর Chapter XXXIII (Section 496 থেকে 502) Bail সম্পর্কে বিধান দিয়েছে।

Bailable এবং Non-Bailable Offence এর পার্থক্য:

Bailable Offence: CrPC এর First Schedule অনুযায়ী কম গুরুতর অপরাধে Bail পাওয়া অধিকার। পুলিশ অফিসার নিজেই Bail দিতে পারে। আদালত সাধারণত Bail দিতে বাধ্য।

Non-Bailable Offence: গুরুতর অপরাধে Bail পাওয়া অধিকার নয়, বিবেচনার বিষয়। শুধু আদালত Bail দিতে পারে। Section 497 অনুযায়ী তিনটি বিষয় বিবেচনা করা হয়। প্রথমত, অপরাধের গুরুত্ব। দ্বিতীয়ত, অভিযুক্তের পালিয়ে যাওয়ার আশঙ্কা। তৃতীয়ত, সাক্ষীকে প্রভাবিত করার আশঙ্কা।

Bail-এর প্রকারভেদ:

Regular Bail: Section 497 অনুযায়ী। প্রাথমিক আটকের পর দেওয়া হয়।

Anticipatory Bail: বাংলাদেশে CrPC এর Section 498 এর অধীনে High Court Division এবং Sessions Judge Anticipatory Bail দিতে পারেন। অর্থাৎ গ্রেপ্তার হওয়ার আগেই Bail পাওয়া। তবে বাংলাদেশে এটি ভারতের মতো ব্যাপকভাবে ব্যবহৃত হয় না।

Bail on Bond: শুধু ব্যক্তিগত মুচলেকায় Bail।

Bail on Surety: জামিনদার সহ Bail।

মনে রাখার টেকনিক: "RAS ফর্মুলা। R = Regular Bail (সাধারণ), A = Anticipatory Bail (আগাম), S = Surety Bail (জামিনদারসহ)।"

রাজনৈতিক জোক: ২০২৪ সালে বাংলাদেশে যখন অনেক রাজনৈতিক নেতাকে গ্রেপ্তার করা হয়েছিল তখন Bail-এর প্রশ্নটি অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ হয়ে উঠেছিল। Amnesty International এবং Human Rights Watch বলেছিল অনেক ক্ষেত্রে Bail না দেওয়া মানবাধিকার লঙ্ঘন। Section 497 বলে অপরাধের গুরুত্ব বিবেচনা করতে। কিন্তু রাজনৈতিক চাপে অনেক সময় আইনের সঠিক প্রয়োগ হয় না।

Section 497(2) এর গুরুত্বপূর্ণ বিষয়: যদি অভিযুক্ত মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন কারাদণ্ডের অপরাধের অভিযুক্ত হয় তাহলে সাধারণত Bail দেওয়া হয় না যদি না সে অসুস্থ বা মহিলা বা ১৬ বছরের নিচে হয়।

**প্রশ্ন ৩: Remand কী? Remand দেওয়ার বিধান আলোচনা করো। (২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে)**





ভূমিকা: Remand হলো তদন্তের সুবিধার্থে অভিযুক্তকে পুলিশের হেফাজতে রাখার আদেশ। CrPC এর Section 167 এই বিষয়ে বিধান দিয়েছে।

Section 167 এর বিধান বিস্তারিত বলবে:

যদি তদন্ত 24 ঘন্টায় শেষ না হয় তাহলে তদন্তকারী কর্মকর্তা অভিযুক্তকে Magistrate-এর কাছে হাজির করবে। Magistrate তখন অভিযুক্তকে 15 দিনের বেশি পুলিশের হেফাজতে রাখার নির্দেশ দিতে পারবেন না। তবে Judicial Custody অর্থাৎ কারাগারে রাখার নির্দেশ দিতে পারবেন।

মোট 60 দিন বা 90 দিনের মধ্যে charge sheet দিতে হবে। 60 দিনের নিয়ম হলো যেসব অপরাধে সর্বোচ্চ সাজা 10 বছরের কম। 90 দিনের নিয়ম হলো যেসব অপরাধে সর্বোচ্চ সাজা 10 বছর বা তার বেশি।

এই সময়ের মধ্যে charge sheet না দিলে অভিযুক্ত Bail-এর অধিকারী।

Physical Remand এবং Judicial Remand-এর পার্থক্য বলবে:

Physical Remand মানে পুলিশের হেফাজতে রাখা। Judicial Remand মানে কারাগারে রাখা।

রাজনৈতিক জোক: ২০২৪-২০২৫ সালে বাংলাদেশে বিভিন্ন মামলায় Remand-এর বিষয়টি জাতীয় এবং আন্তর্জাতিক মিডিয়ায় আলোচিত হয়েছে। UN Human Rights Commission বলেছে Remand-এর সময় torture করা হয়েছে এমন অভিযোগ তদন্ত করা উচিত। Section 167 কিন্তু Remand-এর সময় অভিযুক্তের অধিকার রক্ষার কথা বলে। Magistrate-এর তত্ত্বাবধান ছাড়া Remand অবৈধ।

**প্রশ্ন ৪: Confession কী? Confession-এর বিভিন্ন প্রকারভেদ এবং সাক্ষ্যগত মূল্য (২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে)**

ভূমিকা: Confession হলো অভিযুক্তের মুখ থেকে নিজের অপরাধের স্বীকারোক্তি। Evidence Act, 1872 এর Section 24 থেকে 30 Confession সম্পর্কে বিধান দিয়েছে। এছাড়া CrPC এর Section 164 Magistrate-এর সামনে Confession রেকর্ড করার পদ্ধতি বলেছে।

Confession এর প্রকারভেদ:

Judicial Confession: Magistrate-এর সামনে দেওয়া Confession। CrPC Section 164 অনুযায়ী রেকর্ড হয়। এটির সাক্ষ্যগত মূল্য সবচেয়ে বেশি।

Extra-Judicial Confession: Magistrate ছাড়া অন্য কোনো ব্যক্তির সামনে দেওয়া Confession। এটির সাক্ষ্যগত মূল্য কম।

Retracted Confession: যে Confession পরে প্রত্যাহার করা হয়েছে।



Inadmissible Confession: Evidence Act Section 24 অনুযায়ী এমন Confession যা ভয়, হুমকি, প্রলোভনের কারণে দেওয়া হয়েছে তা অগ্রহণযোগ্য।

Police Custody-তে Confession: Section 25 অনুযায়ী পুলিশের কাছে দেওয়া Confession প্রমাণ হিসেবে ব্যবহার করা যায় না। এটা অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ।

মনে রাখার টেকনিক: "পুলিশের কাছে Confession = বাদ। Magistrate-এর কাছে = মাথার উপরে।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল "একজন অভিযুক্ত পুলিশের সামনে স্বীকারোক্তি দিয়েছে। এটি কি প্রমাণ হিসেবে ব্যবহার করা যাবে?" উত্তর: না, Section 25 অনুযায়ী পুলিশের কাছে দেওয়া Confession প্রমাণ হিসেবে ব্যবহার করা যায় না।

## অধ্যায় ৪: Penal Code-এর লিখিত পরীক্ষার সম্পূর্ণ নমুনা উত্তর

**প্রশ্ন ১: Murder এবং Culpable Homicide-এর মধ্যে পার্থক্য আলোচনা করো। (প্রায় প্রতি বছর আসে)**

ভূমিকা: এটি বাংলাদেশের আইনের সবচেয়ে জটিল এবং বিতর্কিত পার্থক্যগুলোর একটি। Penal Code, 1860 এর Section 299 থেকে 304 এই বিষয়ে বিধান দিয়েছে।

প্রথমে সংজ্ঞা দাও:

Culpable Homicide: Section 299 অনুযায়ী যে ব্যক্তি এমন কোনো কাজ করে যা মৃত্যু ঘটায়, এবং সে কাজটি করে মৃত্যু ঘটানোর উদ্দেশ্যে, অথবা এমন শারীরিক আঘাত ঘটানোর উদ্দেশ্যে যা সম্ভবত মৃত্যু ঘটাবে, অথবা এই জ্ঞান নিয়ে যে এই কাজ মৃত্যু ঘটানোর সম্ভাবনা আছে সে Culpable Homicide-এর অপরাধী।

Murder: Section 300 অনুযায়ী Culpable Homicide হলো Murder যদি চারটি শর্তের যেকোনো একটি পূরণ হয়।

চারটি শর্ত আলোচনা করো:

প্রথম শর্ত: মৃত্যু ঘটানোর উদ্দেশ্যে কাজ করা।

দ্বিতীয় শর্ত: এমন শারীরিক আঘাত ঘটানোর উদ্দেশ্যে কাজ করা যা সেই বিশেষ ব্যক্তির জন্য মৃত্যুসম।

তৃতীয় শর্ত: এই জ্ঞান নিয়ে কাজ করা যে এটি মৃত্যু ঘটাবেই।

চতুর্থ শর্ত: এমন বিপজ্জনক কাজ করা যা জীবনের জন্য ঝুঁকিপূর্ণ এবং মৃত্যু ঘটায়।





Section 300-এর পাঁচটি Exception মনে রাখা:

Exception 1: Grave and Sudden Provocation। হঠাৎ এবং তীব্র উত্তেজনায় আত্মনিয়ন্ত্রণ হারিয়ে মৃত্যু ঘটানো। Murder নয়, Culpable Homicide হবে।

Exception 2: Private Defence। আত্মরক্ষার সময় মৃত্যু ঘটানো।

Exception 3: Act of public servant। সরকারি কর্মকর্তা তার দায়িত্ব পালনে মৃত্যু ঘটালে।

Exception 4: Consent। মৃত ব্যক্তির সম্মতিতে মৃত্যু।

Exception 5: Sudden fight। হঠাৎ ঝগড়ায় মৃত্যু।

মনে রাখার টেকনিক: "PPACS ফর্মুলা। P = Provocation, P = Private Defence, A = Act of public servant, C = Consent, S = Sudden fight।"

সহজ বোঝার উপায়: সব Murder হলো Culpable Homicide। কিন্তু সব Culpable Homicide Murder নয়। Culpable Homicide বড় বৃত্ত, Murder তার ভেতরে ছোট বৃত্ত। Section 300 এর Exception গুলো হলো সেই সব পরিস্থিতি যেখানে অপরাধটি বড় বৃত্তে থাকে কিন্তু ছোট বৃত্তে যায় না।

রাজনৈতিক উদাহরণ: যুদ্ধে শত্রু সৈনিক মারা গেলে সেটা Murder নয়, কারণ International Humanitarian Law অনুযায়ী যুদ্ধের সময় শত্রু হত্যা বৈধ। ঠিক তেমনি Penal Code-এ Exception গুলো কিছু ক্ষেত্রে Culpable Homicide কে Murder থেকে আলাদা করে।

**প্রশ্ন ২: Common Intention (Section 34) এবং Common Object (Section 149) এর পার্থক্য (২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে)**

ভূমিকা: এই দুটো Section মিলে দলবদ্ধভাবে অপরাধ সংঘটনের দায়বদ্ধতার বিধান দেয়।

Section 34: Common Intention: "When a criminal act is done by several persons, in furtherance of the common intention of all, each of such persons is liable for that act in the same manner as if it were done by him alone."

বাংলায়: যখন বেশ কয়েকজন ব্যক্তি একই অপরাধমূলক উদ্দেশ্যের অগ্রগতিতে কোনো অপরাধমূলক কাজ করে তখন তাদের প্রত্যেককে সেই কাজের জন্য দায়ী করা হবে যেন সে একাই করেছে।

Section 34-এর মূল বৈশিষ্ট্য: অপরাধের আগে থেকেই Common Intention থাকতে হবে। দলের সব সদস্যই সক্রিয়ভাবে অংশগ্রহণ করুক বা না করুক সবাই দায়ী। নির্দিষ্ট সদস্য সংখ্যার বিধান নেই।



Section 149: Common Object (Unlawful Assembly): Section 141 অনুযায়ী 5 বা তার বেশি ব্যক্তির অবৈধ সমাবেশের সদস্যরা সবাই একই অপরাধের জন্য দায়ী যদি অপরাধটি তাদের Common Object অর্জনে করা হয়।

Section 149-এর মূল বৈশিষ্ট্য: কমপক্ষে 5 জন লাগবে। Common Object অর্থাৎ অবৈধ সমাবেশের উদ্দেশ্য থাকতে হবে। অপরাধটি সেই উদ্দেশ্য অর্জনে করা হতে হবে।

পার্থক্যের সারসংক্ষেপ:

Section 34 = Common Intention = মনের মিল। Section 149 = Common Object = উদ্দেশ্যের মিল। Section 34-এ কোনো নির্দিষ্ট সংখ্যা নেই। Section 149-এ কমপক্ষে 5 জন লাগে। Section 34-এ পূর্বনির্ধারিত পরিকল্পনা বা Meeting of minds থাকতে হবে। Section 149-এ শুধু Common Object হলেই হয়। Section 34 নিজে কোনো সাজা দেয় না। Section 149 ও নিজে সাজা দেয় না।

মনে রাখার টেকনিক: "৩৪ = মনের মিল, ১৪৯ = পাঁচজনের মিল।"

রাজনৈতিক জোক: NATO-র Article 5 বলে একজনকে আক্রমণ করা মানে সবাইকে আক্রমণ করা। এটা Section 34 এবং 149 এর মতোই। রাশিয়া যদি Estonia-কে আক্রমণ করে তাহলে NATO-র সবাই দায়িত্ব নেবে। Penal Code বলে অপরাধের দলের সবাই দায়বদ্ধ।

**প্রশ্ন ৩: Abetment কী? Abetment-এর বিভিন্ন প্রকার (Section 107 থেকে 120) (২০১৭, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে)**

ভূমিকা: Abetment মানে অপরাধে সহায়তা বা উসকানি দেওয়া। Penal Code, 1860 এর Section 107 Abetment সংজ্ঞায়িত করেছে।

Section 107 এর তিনটি পদ্ধতি:

প্রথম পদ্ধতি: Instigation। কাউকে কোনো কাজ করতে উৎসাহিত করা বা প্রণোদিত করা বা পরামর্শ দেওয়া।

দ্বিতীয় পদ্ধতি: Conspiracy। কোনো অপরাধমূলক পরিকল্পনায় অংশ নেওয়া।

তৃতীয় পদ্ধতি: Intentional Aid। ইচ্ছাকৃতভাবে কোনো কাজ বা বাদ দেওয়ার মাধ্যমে সহায়তা করা।

মনে রাখার টেকনিক: "ICA ফর্মুলা। I = Instigation (উসকানি), C = Conspiracy (ষড়যন্ত্র), A = Aid (সহায়তা)।"

Section 108: Abettor কে? যে ব্যক্তি অপরাধে উসকানি দেয় এবং সেই উসকানির কারণে অপরাধ সংঘটিত হয়।



Section 109: যদি Abetted Act সংঘটিত হয় তাহলে সাজা। Section 115: যদি Abetted Act সংঘটিত না হয় তাহলেও Abetment এর সাজা। Section 116: যদি আটকানো হয়েছে কিন্তু তবুও Abetment এর সাজা।

উদাহরণ: রহিম করিমকে বলল "তুমি আমার শত্রু কালামকে মারো।" করিম কালামকে মারল। রহিম Section 109 অনুযায়ী দায়ী। যদি করিম না মারত তবু রহিম Section 115 অনুযায়ী দায়ী হতে পারে।

আন্তর্জাতিক সম্পর্কে উদাহরণ: ইরান যদি কোনো সশস্ত্র গোষ্ঠীকে ইসরাইলে হামলা করতে সাহায্য করে তাহলে Abetment-এর মতো দায়বদ্ধতা তৈরি হয়। International Law-এ এটাকে State Responsibility বলা হয়। Penal Code-এর Abetment এবং International Law-এর State Responsibility একই মূলনীতিতে কাজ করে।

## অধ্যায় ৫: Evidence Act-এর লিখিত পরীক্ষার সম্পূর্ণ নমুনা উত্তর

**প্রশ্ন ১: Burden of Proof কী? Burden of Proof এবং Onus of Proof-এর পার্থক্য (২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে)**

ভূমিকা: Burden of Proof হলো আদালতে তথ্য প্রমাণ করার দায়িত্ব। Evidence Act, 1872 এর Section 101 থেকে 114 এই বিষয়ে বিধান দিয়েছে।

Section 101: Burden of Proof এর মূলনীতি: "Whoever desires any Court to give judgment as to any legal right or liability dependent on the existence of facts which he asserts, must prove that those facts exist."

সহজ বাংলা: যে ব্যক্তি আদালতে কিছু দাবি করে তাকে সেই দাবির সত্যতা প্রমাণ করতে হবে।

Section 102: On whom does Burden of Proof lie? প্রমাণ না করলে যে পক্ষ হেরে যাবে তার উপর Burden of Proof থাকে।

Burden of Proof এবং Onus of Proof-এর পার্থক্য:

Burden of Proof হলো মামলার শুরু থেকে শেষ পর্যন্ত একটি পক্ষের উপর থাকে। এটি পরিবর্তন হয় না।

Onus of Proof হলো বিভিন্ন পয়েন্টে পরিবর্তন হতে পারে। একটি তথ্য প্রমাণিত হলে অন্য পক্ষের উপর সেটি থগুন করার দায়িত্ব পড়ে।

উদাহরণ: ফৌজদারি মামলায় Prosecution-এর উপর Burden of Proof থাকে অভিযুক্তের অপরাধ প্রমাণ করার। অভিযুক্ত Insanity-র Plea নিলে তখন তার উপর Onus of Proof পড়ে সেটা প্রমাণ করার।



মনে রাখার টেকনিক: "Burden = স্থায়ী ভার। Onus = চলমান ভার।"

Standard of Proof: দেওয়ানি মামলায়: Preponderance of Probability (সম্ভাবনার উপর ভিত্তি করে)।  
ফৌজদারি মামলায়: Beyond Reasonable Doubt (সন্দেহের বাইরে)।

রাজনৈতিক উদাহরণ: আন্তর্জাতিক ফৌজদারি আদালতেও Burden of Proof Prosecution-এর উপর। ICC তে যখন কাউকে War Crime-এর জন্য অভিযুক্ত করা হয় তখন Prosecution কে Beyond Reasonable Doubt প্রমাণ করতে হয়। ২০২৩ সালে Putin-এর বিরুদ্ধে ICC arrest warrant ইস্যু করা হয়েছিল। Prosecution কে এখন প্রমাণ করতে হবে।

## প্রশ্ন ২: Hearsay Evidence কী? Hearsay Rule-এর Exception গুলো আলোচনা করো (২০১৯, ২০২১ সালে এসেছে)

ভূমিকা: Hearsay Evidence হলো এমন সাক্ষ্য যা সাক্ষী নিজে দেখেনি বা শোনেনি বরং অন্য কারো কাছ থেকে শুনেছে। সাধারণত Hearsay Evidence গ্রহণযোগ্য নয়।

Evidence Act Section 60 বলে: মৌখিক সাক্ষ্য হতে হবে সরাসরি। অর্থাৎ যে বিষয়টা শুনেছে তাকে প্রমাণ করতে হলে যে শুনেছে সে বলবে। দেখেছে তাকে প্রমাণ করতে হলে যে দেখেছে সে বলবে।

Hearsay Rule-এর Exception গুলো:

Section 32: Dying Declaration। মৃত ব্যক্তির মৃত্যুর আগে দেওয়া বিবৃতি। এটি Hearsay হলেও গ্রহণযোগ্য।

Section 33: Court Evidence। আগে কোনো আদালতে দেওয়া সাক্ষ্য বর্তমান মামলায় ব্যবহার করা যাবে।

Section 34: Account Books। ব্যবসায়িক বইয়ের এন্ট্রি।

Section 35: Public Records। সরকারি রেকর্ড।

Section 36: Maps, Charts। সরকারি মানচিত্র।

Section 32 Dying Declaration-এর বিস্তারিত: মৃত্যুর কারণ সম্পর্কে বা মৃত্যুর পরিস্থিতি সম্পর্কে মৃতের বিবৃতি। Dying Declaration গ্রহণযোগ্য কারণ "a man will not meet his maker with a lie in his mouth" অর্থাৎ মৃত্যুমুখী ব্যক্তি মিথ্যা বলে না।

মনে রাখার টেকনিক: "মৃত্যুর আগের কথা সত্য। Section ৩২ সাক্ষ্য দেয়।"



রাজনৈতিক জোক: আন্তর্জাতিক সাংবাদিকতায় Anonymous Source-এর তথ্য Hearsay-র মতো। CIA যখন বলে "আমাদের সূত্র মতে..." এটা আদালতে গ্রহণযোগ্য নয়। কিন্তু যখন সরাসরি প্রমাণ পাওয়া যায় তখন সেটা admissible। ঠিক তেমনি Evidence Act-এও সরাসরি সাক্ষ্য সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ।

### প্রশ্ন ৩: Estoppel কী? Estoppel-এর বিভিন্ন প্রকার (Evidence Act Section 115) (২০১৮, ২০২১ সালে এসেছে)

ভূমিকা: Estoppel হলো এমন একটি আইনি নীতি যা একজন ব্যক্তিকে তার আগের কথা বা কাজের বিরুদ্ধে যেতে বাধা দেয়।

Evidence Act Section 115 এর সংজ্ঞা: "When one person has, by his declaration, act or omission, intentionally caused or permitted another person to believe a thing to be true and to act upon such belief, neither he nor his representative shall be allowed, in any suit or proceeding between himself and such person or his representative, to deny the truth of that thing."

সহজ বাংলা: যদি তুমি কাউকে কোনো কিছু সত্য বলে বিশ্বাস করাও এবং সে সেই বিশ্বাসের উপর ভিত্তি করে কাজ করে তাহলে পরে তুমি বলতে পারবে না যে সেটা সত্য ছিল না।

Estoppel-এর প্রকারভেদ:

Estoppel by Record: আদালতের রায় বা নথিপত্রের ভিত্তিতে। Estoppel by Deed: দলিলের ভিত্তিতে। Estoppel by Conduct: আচরণের ভিত্তিতে।

উদাহরণ: করিম রহিমকে বলল "এই জমিটা তোমার।" রহিম সেই বিশ্বাসে জমিতে বাড়ি বানাল। এখন করিম বলতে পারবে না "এটা আমার জমি।" কারণ Estoppel প্রযোজ্য।

রাজনৈতিক উদাহরণ: ২০১৪ সালে Minsk Agreement-এ রাশিয়া স্বাক্ষর করেছিল। এরপর সে বলতে পারে না "আমি কোনো চুক্তি করিনি।" Promissory Estoppel-এর মতো আন্তর্জাতিক চুক্তিও বাধ্যতামূলক। কিন্তু আন্তর্জাতিক আইনে Enforcement কঠিন।

### অধ্যায় ৬: Specific Relief Act-এর লিখিত পরীক্ষার সম্পূর্ণ নমুনা উত্তর

#### প্রশ্ন ১: Specific Performance কখন পাওয়া যায়? কখন পাওয়া যায় না? (২০১৭, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে)

ভূমিকা: Specific Performance হলো চুক্তির নির্দিষ্ট পালন করার জন্য আদালতের আদেশ। অর্থাৎ ক্ষতিপূরণের পরিবর্তে চুক্তিটি সম্পাদন করতে বাধ্য করা।



SRA Section 10: কখন Specific Performance দেওয়া হয়?

প্রথমত, যখন Contract-এর বিষয়বস্তুর কোনো standard মূল্য নির্ধারণ করা সম্ভব নয়।

দ্বিতীয়ত, যখন ক্ষতিপূরণ যথেষ্ট প্রতিকার নয়।

SRA Section 11: কখন Specific Performance দেওয়া হয় না?

প্রথমত, ক্ষতিপূরণই যথেষ্ট প্রতিকার (যেমন সাধারণ পণ্য)।

দ্বিতীয়ত, চুক্তির মূল্যমান অনির্ধারণযোগ্য নয় (অর্থাৎ সহজে মূল্য নির্ধারণ করা যায়)।

তৃতীয়ত, চুক্তি খুব ব্যক্তিগত প্রকৃতির (Personal Service Contract)।

চতুর্থত, চুক্তি Determinable অর্থাৎ যেকোনো পক্ষ যেকোনো সময় বাতিল করতে পারে।

পঞ্চমত, চুক্তিটি Section 14 এর অধীনে নির্দিষ্টভাবে বলা হয়েছে।

Section 14: Specific Performance যে চুক্তিতে দেওয়া যায় না:

মনে রাখার টেকনিক: "ACID ফর্মুলা। A = Agreement to do something that cannot be specifically compelled, C = Contract involving personal skill, I = Incompleteness, D = Determinable contracts।"

জমির ক্ষেত্রে Specific Performance: জমি সব সময় unique। একটি জমির ক্ষতিপূরণ টাকায় দিলে সেই একই জমি পাওয়া যায় না। তাই জমির ক্ষেত্রে Specific Performance সাধারণত দেওয়া হয়।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল "করিম রহিমের কাছ থেকে একটি বিশেষ জমি কিনতে চুক্তি করেছে। রহিম জমি দিতে অস্বীকার করেছে। করিম কোন প্রতিকার পাবে?" উত্তর: Specific Performance।

**প্রশ্ন ২: Declaratory Decree কী? SRA Section 34 আলোচনা করো (২০১৯, ২০২১ সালে এসেছে)**

ভূমিকা: Declaratory Decree হলো আদালতের সেই ঘোষণা যা একটি পক্ষের আইনি অধিকার বা মর্যাদা নির্ধারণ করে।

SRA Section 34 এর মূল বিষয়:

যে ব্যক্তি কোনো আইনি অধিকার বা মর্যাদার হকদার এবং অন্য পক্ষ তার সেই অধিকার অস্বীকার করছে সে Declaratory Decree-র জন্য মামলা করতে পারে।



শর্তসমূহ: অধিকারটি বিদ্যমান থাকতে হবে। অন্য পক্ষ সেই অধিকার অস্বীকার করছে বা করবে বলে মনে হচ্ছে।  
বাদীর সেই Declaratory Decree-তে আইনি স্বার্থ থাকতে হবে।

Important Limitation: Declaratory Decree শুধু ঘোষণা, কোনো আদেশ নয়। তবে Section 34-এর Proviso বলে যদি বাদী Consequential Relief পেতে পারে তাহলে শুধু Declaratory Decree চাইলে আদালত তা নাও দিতে পারে।

উদাহরণ: করিম বলছে সে অমুক জমির মালিক কিন্তু রহিম অস্বীকার করছে। করিম Section 34 SRA তে Declaratory Decree চাইতে পারে।

মনে রাখার টেকনিক: "Section 34 SRA = ঘোষণার মামলা। কিন্তু ঘোষণার সাথে সাহায্য না চাইলে মামলা খারিজ।"

## অধ্যায় ৭: Professional Ethics এবং Bar Council Order-এর লিখিত নমুনা উত্তর

### প্রশ্ন ১: Bangladesh Bar Council এর গঠন এবং কার্যাবলী (প্রতি বছর আসে)

ভূমিকা: Bangladesh Bar Council হলো বাংলাদেশের সব আইনজীবীর শীর্ষ সংগঠন। Legal Practitioners and Bar Council Act, 1965 এবং Bangladesh Bar Council Order, 1972 এই প্রতিষ্ঠানটি নিয়ন্ত্রণ করে।

গঠন:

Bar Council Order, 1972 এর অনুচ্ছেদ 3 অনুযায়ী Bar Council-এ সদস্য সংখ্যা: Attorney General for Bangladesh পদাধিকারবলে সদস্য। বিভিন্ন জেলা বার অ্যাসোসিয়েশন থেকে নির্বাচিত প্রতিনিধি। মোট সদস্য সংখ্যা সাধারণত 15 জন।

Bar Council-এর প্রধান কার্যাবলী:

প্রথমত, আইনজীবীদের তালিকা প্রণয়ন ও রক্ষণাবেক্ষণ করা। দ্বিতীয়ত, Enrollment Examination পরিচালনা করা। তৃতীয়ত, আইনি পেশার মান নির্ধারণ এবং রক্ষা করা। চতুর্থত, আইনজীবীদের বিরুদ্ধে অভিযোগ তদন্ত করা এবং শাস্তিমূলক ব্যবস্থা নেওয়া। পঞ্চমত, Legal Education এর মান নিশ্চিত করা। ষষ্ঠত, আইন সংস্কারে পরামর্শ দেওয়া।

Disciplinary Action এর বিধান:

Bar Council Order এর অনুচ্ছেদ 11 অনুযায়ী দুর্ব্যবহারের কারণে আইনজীবীর সনদ বাতিল করা যায়।





মনে রাখার টেকনিক: "EARL ফর্মুলা। E = Enrollment (তালিকাভুক্তি), A = Advocacy Standards (মান), R = Regulation (নিয়ন্ত্রণ), L = Legal Education।"

রাজনৈতিক উদাহরণ: ICC যেমন আন্তর্জাতিক অপরাধীদের বিচার করে, Bar Council তেমনি অসং আইনজীবীদের বিচার করে। দুটোই নিজ নিজ ক্ষেত্রে সর্বোচ্চ নৈতিক সংরক্ষক।

## প্রশ্ন ২: Legal Professional Ethics-এর মূল নীতি (প্রতি বছর আসে)

Confidentiality অর্থাৎ গোপনীয়তা: আইনজীবী তার মক্কেলের কথা গোপন রাখবে। এটি একটি পবিত্র দায়িত্ব। শুধু কিছু নির্দিষ্ট ক্ষেত্রে যেমন ভবিষ্যৎ অপরাধ প্রতিরোধে এই নীতি থেকে বিচ্যুত হওয়া যায়।

Conflict of Interest: একই মামলায় বিরোধী দুই পক্ষের প্রতিনিধিত্ব করা যাবে না। আইনজীবীকে সবসময় মক্কেলের স্বার্থ সর্বোচ্চ রাখতে হবে।

Duty to Court: আদালতের প্রতি সততা। আদালতকে মিথ্যা তথ্য দেওয়া যাবে না এমনকি মক্কেলের সুবিধার জন্যও নয়।

No Fee-sharing with non-lawyers: অ-আইনজীবীর সাথে ফি ভাগ করা যাবে না।

Contempt of Court: আদালতের অবমাননা করা যাবে না।

মনে রাখার টেকনিক: "CCDC ফর্মুলা। C = Confidentiality, C = Conflict of Interest (avoid), D = Duty to Court, C = Contempt বাঁচানো।"

## অধ্যায় ৮: আন্তর্জাতিক আইন এবং তুলনামূলক বিশ্লেষণ

### বাংলাদেশের আইন এবং আন্তর্জাতিক আইনের সংযোগ

এই বিষয়টি সরাসরি পরীক্ষায় নাও আসতে পারে কিন্তু বুঝলে আইনের মূলনীতি বুঝতে সহজ হয়।

বাংলাদেশের বিভিন্ন আইনের আন্তর্জাতিক প্রেক্ষাপট:

Human Rights এবং CrPC Section 167: জাতিসংঘের ICCPR (International Covenant on Civil and Political Rights) Article 9 বলে arbitrary detention নিষিদ্ধ। বাংলাদেশের CrPC Section 167 তার দেশীয় রূপ। ২৪ ঘণ্টার মধ্যে Magistrate-এর সামনে হাজির করার বিধান ICCPR-এর সাথে সামঞ্জস্যপূর্ণ।





Evidence এবং International Criminal Procedure: ICC Statute এর Article 67 অনুযায়ী অভিযুক্তের অধিকার রক্ষার বিধান বাংলাদেশের Evidence Act-এর অনেক বিধানের মতো। যেমন Right to remain silent এবং Evidence Act Section 25 (Police Confession inadmissible)।

Contract Law এবং CISG: UN Convention on Contracts for International Sale of Goods (CISG) অনেক বিষয় বাংলাদেশের Contract Act, 1872-এর মতো। Offer, Acceptance, Consideration এর মূলনীতি একই।

Specific Performance এবং International Trade: আন্তর্জাতিক বাণিজ্যে Specific Performance-এর বিধান CISG-এ আছে। বাংলাদেশের SRA Section 10-এর মতো।

Human Rights এবং Evidence Act: UDHR (Universal Declaration of Human Rights) Article 11 বলে Innocent until proven guilty। বাংলাদেশের Evidence Act Section 101 বলে যে দাবি করে সে প্রমাণ করবে। ফৌজদারি মামলায় Prosecution প্রমাণ করবে অর্থাৎ অভিযুক্ত নির্দোষ ধরা হয় যতক্ষণ না দোষী প্রমাণিত হয়।

রাজনৈতিক জোক: মার্কিন যুক্তরাষ্ট্রের 5th Amendment বলে কেউ নিজের বিরুদ্ধে সাক্ষ্য দিতে বাধ্য নয়। বাংলাদেশের Evidence Act Section 25 বলে পুলিশের কাছে দেওয়া Confession প্রমাণ নয়। দুটোই একই মূলনীতিতে কাজ করে। পার্থক্য হলো আমেরিকানরা বলে "I plead the Fifth" আর বাংলাদেশে Section 25 বলতে হয়।

### তুলনামূলক আইন: বাংলাদেশ, ভারত এবং পাকিস্তান

বাংলাদেশ, ভারত এবং পাকিস্তান একই ব্রিটিশ আইনি ব্যবস্থার উত্তরাধিকারী। তাই অনেক আইন প্রায় একই।

CPC তুলনা: বাংলাদেশে CPC 1908 যা ভারত এবং পাকিস্তানেও ছিল কিন্তু পরে সংশোধন হয়েছে। ভারতে CPC 2002 সালে বড় সংশোধন হয়েছে। Order 15-A থেকে Order 17 পর্যন্ত নতুন বিধান। বাংলাদেশে সেই সংশোধন হয়নি।

CrPC তুলনা: বাংলাদেশে এখনও CrPC 1898। ভারত 2023 সালে নতুন BNSS (Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita) পাস করেছে। পাকিস্তানেও CrPC 1898 আছে কিন্তু সংশোধন হয়েছে।

Penal Code তুলনা: বাংলাদেশে Penal Code 1860। ভারতে 2023 সালে নতুন BNS (Bharatiya Nyaya Sanhita) পাস করেছে। সাজার পরিমাণ এবং কিছু অপরাধের সংজ্ঞা পরিবর্তিত হয়েছে।

পরীক্ষার জন্য গুরুত্বপূর্ণ: বাংলাদেশের পরীক্ষায় বাংলাদেশের আইন জানলেই হবে। কিন্তু ভারত এবং পাকিস্তানের পার্থক্য জানলে বুঝতে সুবিধা হয়।



## অধ্যায় ৯: পার্ট ১ থেকে ৮-এর Grand Revision

### CPC এর সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section এবং Order একসাথে

এখন একসাথে সব কিছু রিভিশন করো। এটা পরীক্ষার আগে দ্রুত পড়ার জন্য।

Section 2: সংজ্ঞাসমূহ। Decree, Judgment, Order, Pleader এর সংজ্ঞা। Section 9: দেওয়ানি আদালতের Jurisdiction। Section 10: Stay of Suit। Section 11: Res Judicata। Section 20: মামলা দায়ের করার স্থান। Section 24: Transfer of Cases। Section 26: মামলা শুরুর পদ্ধতি। Section 35: Costs। Section 47: Executing Court-এর ক্ষমতা। Section 51: ডিক্রি জারির পদ্ধতি। Section 96: First Appeal। Section 100: Second Appeal (High Court-এ, আইনের প্রশ্নে)। Section 115: Revision। Section 151: Inherent Powers।

Order 1: Parties (পক্ষ)। Order 6: Pleadings (আরজি-জবাব)। Order 7: Plaint। Order 8: Written Statement। Order 9: Appearance (উপস্থিতি) এবং Ex Parte। Order 21: Execution। Order 37: Summary Suit। Order 38: Arrest before Judgment। Order 39: Temporary Injunction। Order 40: Receiver। Order 41: First Appeal। Order 47: Review।

মনে রাখার ছড়া (সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section গুলোর জন্য):

"নয়ে এখতিয়ার, দশে থামো, এগারোতে Res Judicata নামো। বিশেষ মামলার স্থান, ছাব্বিশে আরজি দাও। পঁচিশে টাকার খরচ, সাতচল্লিশে Executing Court আলো। একাল্লিশে ডিক্রি জারি, ছিয়ানব্বইতে আপিলের দরজা। শত সালে দ্বিতীয় আপিল, পনের এ Inherent Powers বাজা।"

### CrPC এর সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section একসাথে

Section 4: Offences-এর শ্রেণীবিভাগ। Section 22: Warrant এবং Summons Case। Section 46: Arrest। Section 54: Arrest without Warrant। Section 100: Search। Section 154: FIR। Section 156: Police Investigation। Section 161: Examination of Witnesses। Section 164: Magistrate-এর সামনে Confession। Section 167: Remand। Section 190: Cognizance। Section 200: Complaint Case। Section 374: Death Sentence Confirmation। Section 401: Revision। Section 496: Bail (Bailable Offence)। Section 497: Bail (Non-Bailable Offence)।

মনে রাখার টেকনিক: "FIR = ১৫৪, Confession = ১৬৪, Remand = ১৬৭।" এই তিনটা ঘরের পাশাপাশি।

রাজনৈতিক জোক: CIA-র "Enhanced Interrogation" বা কঠোর জিজ্ঞাসাবাদ প্রায়ই আন্তর্জাতিক মানবাধিকার আইন লঙ্ঘন করে। বাংলাদেশে Section 164 বলছে Magistrate-এর সামনে Confession নিতে হবে যাতে জোর করা না হয়। Section 167 বলছে Remand-এ অত্যাচার চলবে না। আইন ভালো আছে। প্রয়োগ কেমন হচ্ছে সেটা আলাদা প্রশ্ন।



## Penal Code এর সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section একসাথে

Section 34: Common Intention | Section 107: Abetment | Section 149: Common Object | Section 299: Culpable Homicide | Section 300: Murder | Section 302: Murder-এর সাজা (মৃত্যুদণ্ড) | Section 304: Culpable Homicide-এর সাজা (যাবজ্জীবন) | Section 307: Attempt to Murder | Section 324: Voluntarily Causing Hurt | Section 378: Theft | Section 390: Robbery | Section 392: Robbery-র সাজা | Section 395: Dacoity | Section 420: Cheating | Section 448: Trespass | Section 498A: Cruelty to Wife |

মনে রাখার টেকনিক: গল্পে মনে রাখো। "রহিম করিমকে চুরি (৩৭৮) করতে বলল (১০৭ Abetment)। করিম তার দলবলসহ (১৪৯) ডাকাতি (৩৯৫) করতে গিয়ে লোক মারল (৩০০ Murder)। সাজা মৃত্যুদণ্ড (৩০২)।"

## Evidence Act এর সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section একসাথে

Section 3: Fact, Relevant Fact, Fact in Issue, Evidence-এর সংজ্ঞা | Section 5: Evidence দেওয়া যায় শুধু Fact in Issue বা Relevant Fact সম্পর্কে | Section 17: Admission কী | Section 24: Inadmissible Confession (ভয়, হুমকিতে) | Section 25: Police-র কাছে Confession গ্রহণযোগ্য নয় | Section 26: Custody-তে থাকাকালে Confession | Section 27: Discovery থেকে প্রমাণ | Section 32: Dying Declaration | Section 45: Expert Evidence | Section 56: Judicial Notice | Section 60: Oral Evidence সরাসরি হতে হবে | Section 65: Documentary Evidence-র Secondary Evidence | Section 90: 30 বছরের পুরনো দলিল | Section 101: Burden of Proof | Section 102: Burden of Proof কার উপর | Section 112: Legitimacy-র অনুমান | Section 113: Dowry Death-এর অনুমান | Section 115: Estoppel | Section 118: কে সাক্ষী হতে পারে।

মনে রাখার ছড়া:

"পাঁচিশে পুলিশের কথা বাদ, সাতাশে Discovery সাথে সত্য খাঁদ। বত্রিশে মৃত্যুর আগের কথা, পঁয়তাল্লিশে বিশেষজ্ঞের বারতা। শ'একে প্রমাণের ভার, পনের এ Estoppel-এর সংসার।"

## SRA এর সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section একসাথে

Section 5: Specific Relief-এর প্রকার | Section 8: Movable Property Recovery | Section 9: Immovable Property Recovery | Section 10: Specific Performance কখন পাবে | Section 11: Specific Performance কখন পাবে না | Section 14: কোন Contracts-এ Specific Performance নয় | Section 15: কার জন্য Specific Performance | Section 16: কে Specific Performance পাবে না | Section 21: Court-এর বিকল্প ব্যবস্থা | Section 22: Part Performance | Section 34: Declaratory Decree | Section 52: Injunction (Perpetual) | Section 53: Injunction (Mandatory) | Section 54: Injunction কখন দেওয়া হয় না।



মনে রাখার টেকনিক: "SRA-র দশে পাবে, এগারোতে পাবে না। চৌত্রিশে ঘোষণা, বায়ান্নতে স্থায়ী বাধা।"

## অধ্যায় ১০: ২০২৬ ডিসেম্বর পরীক্ষার Mega Mock MCQ Set

### ১০০ প্রশ্নের সম্পূর্ণ Mock Test

এই Mock Test-এর প্রশ্নগুলো বিগত বছরের প্রশ্নের ধরন বিশ্লেষণ করে এবং ২০২৬ সালের পরীক্ষার সম্ভাব্য প্রশ্নের ভিত্তিতে তৈরি।

#### CPC থেকে ২০টি প্রশ্ন:

প্রশ্ন ১: Code of Civil Procedure, 1908 কত সালে পাস হয়? ক) ১৯০৫ খ) ১৯০৮ গ) ১৯১০ ঘ) ১৯১২  
উত্তর: খ) ১৯০৮

প্রশ্ন ২: CPC Section 11 কোন বিষয়ে? ক) Stay of Suit খ) Res Judicata গ) Jurisdiction ঘ) Appeal  
উত্তর: খ) Res Judicata

প্রশ্ন ৩: Temporary Injunction পাওয়ার জন্য PBI ফর্মুলায় B মানে কী? ক) Breach of Contract খ) Balance of Convenience গ) Beyond Doubt ঘ) Burden of Proof উত্তর: খ) Balance of Convenience

প্রশ্ন ৪: CPC Section 20 কোন বিষয়ে? ক) Judgment খ) Jurisdiction of Courts গ) Place of Filing Suit ঘ) Costs উত্তর: গ) Place of Filing Suit

প্রশ্ন ৫: Order 9 Rule 13 কিসের বিধান দেয়? ক) FIR দায়ের খ) Ex Parte Decree বাতিলের আবেদন গ) Bail ঘ) Revision উত্তর: খ) Ex Parte Decree বাতিলের আবেদন

প্রশ্ন ৬: CPC-তে মোট কতটি Order আছে? ক) ৪৫ খ) ৫১ গ) ৫৮ ঘ) ৬৩ উত্তর: খ) ৫১

প্রশ্ন ৭: Second Appeal CPC Section 100 অনুযায়ী কোন আদালতে হয়? ক) District Court খ) Session Court গ) High Court Division ঘ) Supreme Court Appellate Division উত্তর: গ) High Court Division

প্রশ্ন ৮: Plaint-এ বাধ্যতামূলকভাবে কতটি বিষয় থাকতে হয়? ক) ৫টি খ) ৭টি গ) ৯টি ঘ) ১১টি উত্তর: গ) ৯টি (Order 7 Rule 1 অনুযায়ী)

প্রশ্ন ৯: CPC Section 151 কোন বিষয়ে? ক) Inherent Powers of Court খ) Revision গ) Review ঘ) Appeal উত্তর: ক) Inherent Powers of Court



প্রশ্ন ১০: Written Statement দেওয়ার সাধারণ সময়সীমা কত দিন? ক) ১৫ দিন খ) ৩০ দিন গ) ৪৫ দিন ঘ) ৬০ দিন উত্তর: খ) ৩০ দিন (তবে সর্বোচ্চ ৯০ দিন)

প্রশ্ন ১১: CPC Section 96(3) কী বলে? ক) আপিল চলবে না যদি পক্ষরা সম্মতি দিয়ে মামলা করে খ) আপিলের সময়সীমা ৩০ দিন গ) সব মামলায় আপিল হয় ঘ) High Court শুধু আপিল শুনবে উত্তর: ক) আপিল চলবে না যদি পক্ষরা সম্মতি দিয়ে মামলা করে

প্রশ্ন ১২: CPC Order 40 কোন বিষয়ে? ক) Temporary Injunction খ) Attachment before Judgment গ) Appointment of Receiver ঘ) Summary Procedure উত্তর: গ) Appointment of Receiver

প্রশ্ন ১৩: CPC Section 24 অনুযায়ী কে মামলা Transfer করতে পারে? ক) শুধু High Court খ) High Court এবং District Judge গ) শুধু Supreme Court ঘ) যেকোনো আদালত উত্তর: খ) High Court এবং District Judge

প্রশ্ন ১৪: Res Judicata-র শর্ত কতটি? ক) তিনটি খ) চারটি গ) পাঁচটি ঘ) ছয়টি উত্তর: গ) পাঁচটি (বেশিরভাগ বিশ্লেষকের মতে)

প্রশ্ন ১৫: Order 39 CPC কোন বিষয়ে? ক) Execution খ) Temporary Injunction গ) Permanent Injunction ঘ) Contempt উত্তর: খ) Temporary Injunction

প্রশ্ন ১৬: CPC Section 47 কোন বিষয়ে? ক) Questions to be determined by Executing Court খ) Questions before Appellate Court গ) Jurisdiction ঘ) Costs উত্তর: ক) Questions to be determined by Executing Court

প্রশ্ন ১৭: CPC-তে মোট কতটি Section আছে? ক) ১৫২ খ) ১৫৫ গ) ১৫৮ ঘ) ১৬০ উত্তর: গ) ১৫৮

প্রশ্ন ১৮: Order 1 Rule 10 কোন বিষয়ে? ক) পক্ষ যোগ বা বাদ দেওয়া খ) Plaint দাখিল গ) Written Statement ঘ) Execution উত্তর: ক) পক্ষ যোগ বা বাদ দেওয়া

প্রশ্ন ১৯: "Costs follow the event" কথাটি CPC-র কোন Section-এ প্রযোজ্য? ক) Section 35 খ) Section 37 গ) Section 40 ঘ) Section 45 উত্তর: ক) Section 35

প্রশ্ন ২০: Section 10 এবং Section 11 CPC-র মধ্যে প্রধান পার্থক্য কী? ক) Section 10 সাময়িক স্থগিত, Section 11 স্থায়ী বাধা খ) দুটোই একই গ) Section 10 স্থায়ী, Section 11 সাময়িক ঘ) দুটোই Res Judicata উত্তর: ক) Section 10 সাময়িক স্থগিত, Section 11 স্থায়ী বাধা

## SRA থেকে ১০টি প্রশ্ন:

প্রশ্ন ২১: Specific Relief Act, 1877-এর Section 10 কোন বিষয়ে? ক) Declaratory Decree খ) Specific Performance গ) Injunction ঘ) Cancellation of Instrument উত্তর: খ) Specific Performance



প্রশ্ন ২২: Section 34 SRA কোন বিষয়ে? ক) Specific Performance খ) Mandatory Injunction গ) Declaratory Decree ঘ) Rescission উত্তর: গ) Declaratory Decree

প্রশ্ন ২৩: Personal Service Contract-এ Specific Performance দেওয়া হয় না কারণ: ক) এটি বেআইনি খ) ব্যক্তিগত দক্ষতা জোর করে পাওয়া যায় না গ) আদালতের ক্ষমতা নেই ঘ) এটি ব্যয়বহুল উত্তর: খ) ব্যক্তিগত দক্ষতা জোর করে পাওয়া যায় না

প্রশ্ন ২৪: SRA-র কোন Section-এ Mandatory Injunction আছে? ক) Section 52 খ) Section 53 গ) Section 54 ঘ) Section 55 উত্তর: খ) Section 53

প্রশ্ন ২৫: Rescission of Contract SRA-র কোন Section-এ? ক) Section 27 খ) Section 28 গ) Section 29 ঘ) Section 30 উত্তর: ক) Section 27

প্রশ্ন ২৬: Part Performance কীভাবে Specific Performance-কে প্রভাবিত করে? ক) Part Performance হলে Specific Performance বন্ধ খ) Part Performance হলে অবশিষ্ট অংশের Specific Performance চাওয়া যায় গ) Part Performance SRA-তে নেই ঘ) Part Performance-এ ক্ষতিপূরণ পাওয়া যায় না উত্তর: খ) Part Performance হলে অবশিষ্ট অংশের Specific Performance চাওয়া যায়

প্রশ্ন ২৭: SRA Section 16 অনুযায়ী কে Specific Performance পাবে না? ক) যে মামলা দেরিতে করেছে খ) যে নিজে চুক্তির শর্ত পালন করেনি গ) যার আইনজীবী নেই ঘ) যে বিদেশে থাকে উত্তর: খ) যে নিজে চুক্তির শর্ত পালন করেনি

প্রশ্ন ২৮: SRA Section 9 কোন ধরনের Property Recovery সম্পর্কে? ক) Movable খ) Immovable গ) উভয় ঘ) কোনোটিই নয় উত্তর: খ) Immovable

প্রশ্ন ২৯: SRA Section 8 কোন ধরনের Property Recovery সম্পর্কে? ক) Movable খ) Immovable গ) উভয় ঘ) Intellectual Property উত্তর: ক) Movable

প্রশ্ন ৩০: Declaratory Decree-র Consequential Relief সম্পর্কে Proviso কী বলে? ক) সবসময় পাওয়া যায় খ) পাওয়া যায় না গ) Consequential Relief না চাইলে আদালত Declaratory Decree নাও দিতে পারে ঘ) আলাদা মামলা করতে হয় উত্তর: গ) Consequential Relief না চাইলে আদালত Declaratory Decree নাও দিতে পারে

### CrPC থেকে ২০টি প্রশ্ন:

প্রশ্ন ৩১: CrPC, 1898 কত সালের আইন? ক) ১৮৬০ খ) ১৮৭২ গ) ১৮৯৮ ঘ) ১৯০৮ উত্তর: গ) ১৮৯৮

প্রশ্ন ৩২: FIR কোন Section-এ আছে? ক) Section 154 খ) Section 160 গ) Section 167 ঘ) Section 173 উত্তর: ক) Section 154





প্রশ্ন ৩৩: Remand CrPC-র কোন Section-এ? ক) Section 154 খ) Section 164 গ) Section 167 ঘ) Section 190 উত্তর: গ) Section 167

প্রশ্ন ৩৪: Magistrate-এর সামনে Confession CrPC-র কোন Section-এ? ক) Section 154 খ) Section 161 গ) Section 164 ঘ) Section 167 উত্তর: গ) Section 164

প্রশ্ন ৩৫: Non-Bailable Offence-এ Bail কে দিতে পারে? ক) শুধু পুলিশ খ) শুধু আদালত গ) পুলিশ এবং আদালত উভয় ঘ) শুধু High Court উত্তর: খ) শুধু আদালত

প্রশ্ন ৩৬: CrPC Section 374 কোন বিষয়ে? ক) Bail খ) Cognizance গ) Death Sentence Confirmation ঘ) FIR উত্তর: গ) Death Sentence Confirmation

প্রশ্ন ৩৭: Zero FIR মানে কী? ক) কোনো FIR নেই খ) যেকোনো থানায় দেওয়া FIR গ) নম্বর ছাড়া FIR ঘ) বাতিল FIR উত্তর: খ) যেকোনো থানায় দেওয়া FIR

প্রশ্ন ৩৮: Warrant Case এবং Summons Case-এর পার্থক্য কীসে? ক) মামলার ধরনে খ) সাজার মেয়াদে গ) আদালতের ধরনে ঘ) পক্ষের সংখ্যায় উত্তর: খ) সাজার মেয়াদে (Warrant Case: ২ বছরের বেশি, Summons Case: ২ বছর বা কম)

প্রশ্ন ৩৯: CrPC Section 190 কোন বিষয়ে? ক) FIR খ) Cognizance গ) Bail ঘ) Sentence উত্তর: খ) Cognizance

প্রশ্ন ৪০: Anticipatory Bail কে দিতে পারে? ক) Magistrate খ) Session Judge গ) High Court Division ঘ) Session Judge এবং High Court Division উভয় উত্তর: ঘ) Session Judge এবং High Court Division উভয়

প্রশ্ন ৪১: Death Sentence কার্যকর করার আগে কোথায় Confirmation লাগে? ক) Session Court খ) District Court গ) High Court Division ঘ) Appellate Division উত্তর: গ) High Court Division

প্রশ্ন ৪২: Charge Sheet না দিলে কত দিন পরে অভিযুক্ত Bail-এর হকদার হয়? (সর্বোচ্চ সাজা ১০ বছরের কম অপরাধে) ক) ৩০ দিন খ) ৪৫ দিন গ) ৬০ দিন ঘ) ৯০ দিন উত্তর: গ) ৬০ দিন

প্রশ্ন ৪৩: Police-র Arrest without Warrant কোন Section-এ? ক) Section 46 খ) Section 54 গ) Section 100 ঘ) Section 154 উত্তর: খ) Section 54

প্রশ্ন ৪৪: Complaint Case শুরু হয় কীভাবে? ক) FIR দিয়ে খ) Written Complaint দিয়ে গ) Police Report দিয়ে ঘ) Warrant দিয়ে উত্তর: খ) Written Complaint দিয়ে (Section 200)

প্রশ্ন ৪৫: CrPC Section 161 কোন বিষয়ে? ক) FIR খ) Confession গ) Examination of Witnesses by Police ঘ) Remand উত্তর: গ) Examination of Witnesses by Police



প্রশ্ন ৪৬: Habeas Corpus কোন আইনে আছে? ক) CrPC খ) Constitution of Bangladesh গ) Penal Code ঘ) Evidence Act উত্তর: খ) Constitution of Bangladesh (Article 102)

প্রশ্ন ৪৭: CrPC Section 401 কোন বিষয়ে? ক) Appeal খ) Revision গ) Bail ঘ) Sentence উত্তর: খ) Revision

প্রশ্ন ৪৮: Warrant without Arrest কোন Section-এ? ক) Section 46 খ) Section 70 গ) Section 71 ঘ) Section 72 উত্তর: গ) Section 71

প্রশ্ন ৪৯: Non-Cognizable অপরাধে Police কি Arrest করতে পারে? ক) হ্যাঁ, সবসময় খ) না, Magistrate-এর আদেশ ছাড়া নয় গ) হ্যাঁ, অনুমতি ছাড়াই ঘ) না, কখনো নয় উত্তর: খ) না, Magistrate-এর আদেশ ছাড়া নয়

প্রশ্ন ৫০: CrPC Section 496 কোন বিষয়ে? ক) Non-Bailable Offence-এর Bail খ) Bailable Offence-এর Bail গ) Anticipatory Bail ঘ) Bail after Conviction উত্তর: খ) Bailable Offence-এর Bail

### Penal Code থেকে ২০টি প্রশ্ন:

প্রশ্ন ৫১: Penal Code, 1860 কত সালের আইন? ক) ১৮৫০ খ) ১৮৫৮ গ) ১৮৬০ ঘ) ১৮৬৫ উত্তর: গ) ১৮৬০

প্রশ্ন ৫২: Murder-এর সাজা Penal Code-এর কোন Section-এ? ক) Section 300 খ) Section 301 গ) Section 302 ঘ) Section 303 উত্তর: গ) Section 302

প্রশ্ন ৫৩: Culpable Homicide-এর সংজ্ঞা Penal Code-এর কোন Section-এ? ক) Section 299 খ) Section 300 গ) Section 301 ঘ) Section 302 উত্তর: ক) Section 299

প্রশ্ন ৫৪: Common Intention Penal Code-এর কোন Section-এ? ক) Section 34 খ) Section 149 গ) Section 107 ঘ) Section 120B উত্তর: ক) Section 34

প্রশ্ন ৫৫: Unlawful Assembly-র সংজ্ঞা Penal Code-এর কোন Section-এ? ক) Section 141 খ) Section 142 গ) Section 143 ঘ) Section 149 উত্তর: ক) Section 141

প্রশ্ন ৫৬: Unlawful Assembly-র ন্যূনতম সদস্য সংখ্যা কত? ক) তিন জন খ) চার জন গ) পাঁচ জন ঘ) সাত জন উত্তর: গ) পাঁচ জন

প্রশ্ন ৫৭: Abetment-এর সংজ্ঞা Penal Code-এর কোন Section-এ? ক) Section 100 খ) Section 107 গ) Section 115 ঘ) Section 120 উত্তর: খ) Section 107





প্রশ্ন ৫৮: Criminal Conspiracy Penal Code-এর কোন Section-এ? ক) Section 107 খ) Section 120A গ) Section 120B ঘ) Section 149 উত্তর: খ) Section 120A (সংজ্ঞা), Section 120B (সাজা)

প্রশ্ন ৫৯: Murder-এর Section 300-এ কতটি Exception আছে? ক) তিনটি খ) চারটি গ) পাঁচটি ঘ) ছয়টি উত্তর: গ) পাঁচটি

প্রশ্ন ৬০: Grave and Sudden Provocation-এ মৃত্যু হলে কোন অপরাধ হয়? ক) Murder খ) Culpable Homicide not amounting to Murder গ) Voluntary Causing Hurt ঘ) Negligence উত্তর: খ) Culpable Homicide not amounting to Murder

প্রশ্ন ৬১: Theft-এর সংজ্ঞা Penal Code-এর কোন Section-এ? ক) Section 375 খ) Section 378 গ) Section 379 ঘ) Section 380 উত্তর: খ) Section 378

প্রশ্ন ৬২: Robbery-র সংজ্ঞা Penal Code-এর কোন Section-এ? ক) Section 378 খ) Section 390 গ) Section 392 ঘ) Section 395 উত্তর: খ) Section 390

প্রশ্ন ৬৩: Dacoity মানে কী? ক) একজনের চুরি খ) পাঁচ বা তার বেশি জনের Robbery গ) দলবদ্ধ চুরি ঘ) সশস্ত্র ডাকাতি উত্তর: খ) পাঁচ বা তার বেশি জনের Robbery (Section 391)

প্রশ্ন ৬৪: Cheating-এর সংজ্ঞা কোন Section-এ? ক) Section 415 খ) Section 416 গ) Section 420 ঘ) Section 425 উত্তর: ক) Section 415 (সংজ্ঞা), Section 420 (সাজা)

প্রশ্ন ৬৫: Section 82 Penal Code-এ কোন বয়সের শিশু সম্পূর্ণ দায়মুক্ত? ক) সাত বছরের নিচে খ) দশ বছরের নিচে গ) বারো বছরের নিচে ঘ) চৌদ্দ বছরের নিচে উত্তর: ক) সাত বছরের নিচে

প্রশ্ন ৬৬: Section 83 অনুযায়ী কোন বয়সের শিশুর আংশিক দায়মুক্তি? ক) সাত থেকে দশ খ) সাত থেকে বারো গ) দশ থেকে চৌদ্দ ঘ) বারো থেকে আঠারো উত্তর: খ) সাত থেকে বারো

প্রশ্ন ৬৭: Section 498A Penal Code কোন বিষয়ে? ক) Murder খ) Rape গ) Cruelty to Wife ঘ) Abduction উত্তর: গ) Cruelty to Wife

প্রশ্ন ৬৮: Section 307 Penal Code কোন বিষয়ে? ক) Murder খ) Attempt to Murder গ) Culpable Homicide ঘ) Abetment উত্তর: খ) Attempt to Murder

প্রশ্ন ৬৯: Droit de suite বা Right of Private Defence কোন Section-এ? ক) Section 96 থেকে 106 খ) Section 107 থেকে 120 গ) Section 76 থেকে 95 ঘ) Section 300 উত্তর: ক) Section 96 থেকে 106

প্রশ্ন ৭০: "Mens rea" ছাড়া সাধারণত কোনো অপরাধ হয় না। Penal Code-এ এর প্রতিফলন কোথায়? ক) Section 40 খ) Section 82 থেকে 95 গ) Section 107 ঘ) Section 149 উত্তর: খ) Section 82 থেকে 95 (General Exceptions-এ Mens rea বিষয়ক বিধান)



## Evidence Act থেকে ১৫টি প্রশ্ন:

প্রশ্ন ৭১: Evidence Act, 1872 এ মোট কতটি Section আছে? ক) ১৫০ খ) ১৬৫ গ) ১৬৭ ঘ) ১৭০ উত্তর: গ) ১৬৭

প্রশ্ন ৭২: Dying Declaration কোন Section-এ? ক) Section 25 খ) Section 30 গ) Section 32 ঘ) Section 45 উত্তর: গ) Section 32

প্রশ্ন ৭৩: Police-র কাছে দেওয়া Confession Evidence Act-এর কোন Section অনুযায়ী গ্রহণযোগ্য নয়? ক) Section 24 খ) Section 25 গ) Section 26 ঘ) Section 27 উত্তর: খ) Section 25

প্রশ্ন ৭৪: Section 27 Evidence Act কোন বিষয়ে? ক) Dying Declaration খ) Confession থেকে Discovery গ) Expert Opinion ঘ) Estoppel উত্তর: খ) Confession থেকে Discovery

প্রশ্ন ৭৫: Burden of Proof-এর মূল নীতি কোন Section-এ? ক) Section 100 খ) Section 101 গ) Section 102 ঘ) Section 103 উত্তর: খ) Section 101

প্রশ্ন ৭৬: Expert Evidence কোন Section-এ? ক) Section 42 খ) Section 43 গ) Section 45 ঘ) Section 47 উত্তর: গ) Section 45

প্রশ্ন ৭৭: Estoppel Evidence Act-এর কোন Section-এ? ক) Section 110 খ) Section 112 গ) Section 113 ঘ) Section 115 উত্তর: ঘ) Section 115

প্রশ্ন ৭৮: ৩০ বছরের পুরনো দলিলের অনুমান কোন Section-এ? ক) Section 88 খ) Section 89 গ) Section 90 ঘ) Section 91 উত্তর: গ) Section 90

প্রশ্ন ৭৯: Section 112 Evidence Act কোন বিষয়ে? ক) Estoppel খ) Legitimacy-র অনুমান গ) Burden of Proof ঘ) Expert Evidence উত্তর: খ) Legitimacy-র অনুমান (বিবাহের ২৮০ দিনের মধ্যে জন্মানো সন্তান বৈধ)

প্রশ্ন ৮০: Hearsay Evidence সাধারণত কেন গ্রহণযোগ্য নয়? ক) এটি বেআইনি খ) এটি সরাসরি নয় এবং Cross-examination সম্ভব নয় গ) এটি লিখিত নয় ঘ) আদালত শুনতে চায় না উত্তর: খ) এটি সরাসরি নয় এবং Cross-examination সম্ভব নয়

প্রশ্ন ৮১: Admission Evidence Act-এর কোন Section-এ? ক) Section 15 খ) Section 17 গ) Section 19 ঘ) Section 21 উত্তর: খ) Section 17

প্রশ্ন ৮২: Section 60 Evidence Act কোন বিষয়ে? ক) Hearsay খ) Oral Evidence সরাসরি হতে হবে গ) Documentary Evidence ঘ) Judicial Notice উত্তর: খ) Oral Evidence সরাসরি হতে হবে



প্রশ্ন ৮৩: Secondary Evidence কোন Section-এ? ক) Section 63 খ) Section 65 গ) Section 67 ঘ) Section 69 উত্তর: খ) Section 65

প্রশ্ন ৮৪: Criminal Case-এ Standard of Proof কী? ক) Preponderance of Probability খ) Beyond Reasonable Doubt গ) Prima Facie Proof ঘ) Clear and Convincing Evidence উত্তর: খ) Beyond Reasonable Doubt

প্রশ্ন ৮৫: Section 113 Evidence Act কোন বিষয়ে? ক) Legitimacy খ) Dowry Death-এর অনুমান গ) Estoppel ঘ) Judicial Notice উত্তর: খ) Dowry Death-এর অনুমান

### Professional Ethics থেকে ৫টি প্রশ্ন:

প্রশ্ন ৮৬: Bangladesh Bar Council কোন আইনের অধীনে গঠিত? ক) Bar Council Act 1972 খ) Legal Practitioners and Bar Council Act 1965 গ) Bar Council Order 1972 ঘ) Advocates Act 1962 উত্তর: গ) Bar Council Order 1972 (এবং Legal Practitioners and Bar Council Act 1965)

প্রশ্ন ৮৭: আইনজীবী তার মক্কেলের বিপক্ষে কখন সাক্ষ্য দিতে পারে? ক) সবসময় খ) আদালতের নির্দেশে গ) কখনো নয় ঘ) মক্কেলের অনুমতিতে উত্তর: গ) কখনো নয় (Client-Lawyer Confidentiality রক্ষা করতে হবে)

প্রশ্ন ৮৮: Contempt of Court কী? ক) আদালতের প্রশংসা করা খ) আদালতের অবমাননা বা আদেশ অমান্য করা গ) আদালতে দেরিতে আসা ঘ) মামলা প্রত্যাহার করা উত্তর: খ) আদালতের অবমাননা বা আদেশ অমান্য করা

প্রশ্ন ৮৯: একজন আইনজীবী কি একই মামলায় বিরোধী দুই পক্ষের প্রতিনিধিত্ব করতে পারে? ক) হ্যাঁ খ) না গ) আদালতের অনুমতিতে পারে ঘ) মক্কেলদের সম্মতিতে পারে উত্তর: খ) না (Conflict of Interest)

প্রশ্ন ৯০: Bar Council-এর Disciplinary Committee কী করে? ক) নতুন আইন তৈরি করে খ) আইনজীবীদের বিরুদ্ধে অভিযোগ তদন্ত ও শাস্তি দেয় গ) আদালত পরিচালনা করে ঘ) পরীক্ষার প্রশ্ন তৈরি করে উত্তর: খ) আইনজীবীদের বিরুদ্ধে অভিযোগ তদন্ত ও শাস্তি দেয়

### বিভিন্ন পারিবারিক আইন থেকে ১০টি প্রশ্ন:

প্রশ্ন ৯১: Muslim Family Laws Ordinance কত সালে পাস হয়? ক) ১৯৫৬ খ) ১৯৬১ গ) ১৯৬৫ ঘ) ১৯৭২ উত্তর: খ) ১৯৬১

প্রশ্ন ৯২: বাংলাদেশে হিন্দু আইনে কোন School প্রযোজ্য? ক) Mitakshara School খ) Dayabhaga School গ) উভয়ই ঘ) কোনোটিই নয় উত্তর: খ) Dayabhaga School



প্রশ্ন ৯৩: Guardianship and Wards Act, 1890 এর Section 17 কোন বিষয়ে? ক) Guardian নিয়োগের পদ্ধতি খ) শিশুর কল্যাণই প্রধান বিবেচনা গ) Guardian অপসারণ ঘ) Guardian-এর ক্ষমতা উত্তর: খ) শিশুর কল্যাণই প্রধান বিবেচনা

প্রশ্ন ৯৪: Divorce Act, 1869 কোন সম্প্রদায়ের জন্য? ক) মুসলিম খ) হিন্দু গ) খ্রিষ্টান ঘ) সকল উত্তর: গ) খ্রিষ্টান

প্রশ্ন ৯৫: Succession Act, 1925-এ Will করার ন্যূনতম বয়স কত? ক) ১৬ বছর খ) ১৭ বছর গ) ১৮ বছর ঘ) ২১ বছর উত্তর: গ) ১৮ বছর (Section 59)

প্রশ্ন ৯৬: Waqf Ordinance, 1962-এর POPD ফর্মুলায় O মানে কী? ক) Object খ) Owned Property গ) Official Declaration ঘ) Ownership Transfer উত্তর: খ) Owned Property

প্রশ্ন ৯৭: হিন্দু দত্তকে CATG ফর্মুলার G মানে কী? ক) Guardian খ) Gift গ) Giving and Taking ঘ) Good Faith উত্তর: গ) Giving and Taking (দান ও গ্রহণ)

প্রশ্ন ৯৮: Probate কখন নিতে হয়? ক) Will থাকলে খ) Will না থাকলে গ) সবসময় ঘ) কখনো নয় উত্তর: ক) Will থাকলে

প্রশ্ন ৯৯: Letters of Administration কখন নিতে হয়? ক) Will থাকলে খ) Will না থাকলে গ) সবসময় ঘ) শুধু বিদেশে সম্পত্তি থাকলে উত্তর: খ) Will না থাকলে

প্রশ্ন ১০০: Muslim Personal Law (Shariat) Application Act কত সালে পাস হয়? ক) ১৯৩৫ খ) ১৯৩৬ গ) ১৯৩৭ ঘ) ১৯৩৮ উত্তর: গ) ১৯৩৭

## অধ্যায় ১১: Viva-Voce পরীক্ষার সম্পূর্ণ প্রস্তুতি

### Viva পরীক্ষায় কী ধরনের প্রশ্ন আসে?

Viva-Voce পরীক্ষায় সাধারণত তিন ধরনের প্রশ্ন আসে।

প্রথম ধরন: সরাসরি আইনগত প্রশ্ন। যেমন "Res Judicata কী?" বা "Murder-এর সংজ্ঞা কী?"

দ্বিতীয় ধরন: ব্যবহারিক প্রশ্ন। যেমন "আপনি যদি আইনজীবী হতেন এবং একজন মক্কেল আসতেন যিনি বলছেন পুলিশ তাকে গ্রেপ্তার করতে আসছে তাহলে আপনি কী পরামর্শ দিতেন?"

তৃতীয় ধরন: নৈতিক প্রশ্ন। যেমন "যদি আপনার মক্কেল আপনাকে বলে যে সে আসলে অপরাধটি করেছে তাহলে আপনি কী করবেন?"



## Viva-র সেরা উত্তর কৌশল

প্রথমত, সবসময় সংজ্ঞা দিয়ে শুরু করো। দ্বিতীয়ত, আইনের Section নম্বর উল্লেখ করো। তৃতীয়ত, উদাহরণ দাও। চতুর্থত, উপসংহারে সংক্ষিপ্তভাবে মূল বিষয় বলো।

পরামর্শ: Viva-তে আত্মবিশ্বাস সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ। ভুল উত্তর দিলে পরীক্ষক শুধরে দেবেন, কিন্তু চুপ থাকলে নম্বর পাবে না।

## Viva-তে সম্ভাব্য প্রশ্ন এবং মডেল উত্তর

প্রশ্ন: আপনার মক্কেল পুলিশের কাছে স্বীকারোক্তি দিয়েছে। আপনি কী করবেন?

মডেল উত্তর: আমি প্রথমে জানার চেষ্টা করব যে স্বীকারোক্তিটি স্বেচ্ছায় দেওয়া হয়েছে নাকি ভয় বা চাপের কারণে। Evidence Act, 1872 এর Section 25 অনুযায়ী পুলিশের কাছে দেওয়া স্বীকারোক্তি প্রমাণ হিসেবে ব্যবহার করা যায় না। তাই এই স্বীকারোক্তি আদালতে দাখিল করা যাবে না। তবে Section 27 অনুযায়ী যদি সেই স্বীকারোক্তি থেকে নতুন কোনো তথ্য পাওয়া যায় যা পরে আবিষ্কার হয় তাহলে শুধু সেই অংশটি প্রমাণ হিসেবে ব্যবহার করা যেতে পারে।

প্রশ্ন: Temporary এবং Permanent Injunction-এর পার্থক্য কী?

মডেল উত্তর: Temporary Injunction হলো মামলা চলাকালীন অস্থায়ী নির্দেশ যা CPC Order 39 Rule 1 এবং Rule 2-এর অধীনে দেওয়া হয়। এটি পাওয়ার জন্য Prima Facie Case, Balance of Convenience এবং Irreparable Injury প্রমাণ করতে হয়। Permanent Injunction হলো চূড়ান্ত রায়ের অংশ হিসেবে দেওয়া স্থায়ী নির্দেশ যা Specific Relief Act, 1877 এর Section 52 এর অধীনে দেওয়া হয়।

প্রশ্ন: বাংলাদেশে হিন্দু বিবাহ বিচ্ছেদের ব্যবস্থা আছে কি?

মডেল উত্তর: না। বাংলাদেশে হিন্দু আইনে বিবাহ বিচ্ছেদের কোনো বিধান নেই কারণ হিন্দু বিবাহ একটি ধর্মীয় সংস্কার বা Sacrament, কোনো চুক্তি নয়। তবে Judicial Separation-এর ব্যবস্থা আছে। এছাড়া Cruelty, Desertion ইত্যাদি কারণে বিচ্ছেদের প্রয়োজন হলে আইন সংস্কারের দাবি উঠছে। খ্রিস্টান সম্প্রদায়ের জন্য Divorce Act, 1869 প্রযোজ্য।

## Viva-তে আসা ড্রিকি প্রশ্নের উত্তর

ড্রিকি প্রশ্ন: "Murder এবং Culpable Homicide-এর মধ্যে কোনটি বেশি গুরুতর?"

সঠিক উত্তর: Murder বেশি গুরুতর। Murder-এর সাজা মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন (Section 302)। Culpable Homicide not amounting to Murder-এর সাজা যাবজ্জীবন বা সর্বোচ্চ ১০ বছর কারাদণ্ড (Section 304)।



ট্রিকি প্রশ্ন: "Section 10 এবং Section 11 CPC-র মধ্যে পার্থক্য কী?"

সঠিক উত্তর: Section 10 হলো Stay of Suit। একই বিষয়ে দুই আদালতে মামলা চলছে এমন ক্ষেত্রে পরবর্তী আদালত মামলাটি স্থগিত রাখে। এটি সাময়িক। Section 11 হলো Res Judicata। একই বিষয়ে একটি মামলায় চূড়ান্ত রায় হওয়ার পরে আর মামলা করা যাবে না। এটি স্থায়ী।

## অধ্যায় ১২: সংখ্যার মহা গ্র্যান্ড Revision

### সব আইনের সাল একসাথে

বার কাউন্সিল পরীক্ষায় আইনের সাল জিজ্ঞেস করা হয়। এই তালিকাটা মুখস্থ করো।

Penal Code = ১৮৬০। Hindu Widows' Remarriage Act = ১৮৫৬। Evidence Act = ১৮৭২। Special Marriage Act = ১৮৭২। Christian Marriage Act = ১৮৭২। Transfer of Property Act = ১৮৮২। Contract Act = ১৮৭২। Specific Relief Act = ১৮৭৭। Divorce Act = ১৮৬৯। Guardianship and Wards Act = ১৮৯০। Code of Criminal Procedure = ১৮৯৮। Code of Civil Procedure = ১৯০৮। Succession Act = ১৯২৫। Muslim Personal Law (Shariat) Application Act = ১৯৩৭। Parsi Marriage and Divorce Act = ১৯৩৬। Waqf Ordinance = ১৯৬২। Legal Practitioners and Bar Council Act = ১৯৬৫। Bangladesh Bar Council Order = ১৯৭২। Muslim Family Laws Ordinance = ১৯৬১। Arbitration Act = ২০০১। Cyber Security Act = ২০২৩।

মনে রাখার ছড়া:

"ষাটে Penal, বাহাত্তরে Evidence আর Contract। সাতশ পাঁচে Specific Relief, উনসত্তরে Divorce-এর ছাদ। আটশত আশিতে Transfer Property, আটশত নব্বইতে Guardian। আটশত আটানব্বইতে CrPC, নয়শত আটে CPC মান। পঁচিশে Succession, সাতত্রিশে Shariat। বাষড়িতে Waqf, একষড়িতে Muslim Family Law প্রতিশ্রুত। পঁষড়িতে Bar Council Act, বাহাত্তরে Bar Council Order। তেষড়িতে Cyber Security, এ ছড়া মনে রেখো সর্বদা।"

### সব গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যা একসাথে

CPC Section সংখ্যা = ১৫৮। CPC Order সংখ্যা = ৫১। Written Statement-এর সময়সীমা = ৩০ দিন (সর্বোচ্চ ৯০ দিন)। Res Judicata = Section 11। Stay of Suit = Section 10। Jurisdiction = Section 20। Inherent Powers = Section 151। First Appeal = Section 96। Second Appeal = Section 100। Revision = Section 115। Temporary Injunction = Order 39। Receiver = Order 40। Plaint = Order 7। Written Statement = Order 8।



CrPC গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যা: FIR = Section 154 | Magistrate-এর Confession = Section 164 | Remand = Section 167 | Cognizance = Section 190 | Complaint = Section 200 | Bailable Bail = Section 496 | Non-Bailable Bail = Section 497 | Death Sentence Confirmation = Section 374 | Revision = Section 401 |

Penal Code গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যা: Common Intention = Section 34 | Abetment = Section 107 | Criminal Conspiracy = Section 120A এবং 120B | Unlawful Assembly = Section 141 | Common Object = Section 149 | Culpable Homicide = Section 299 | Murder = Section 300 | Murder-এর সাজা = Section 302 | Attempt to Murder = Section 307 | Theft = Section 378 | Robbery = Section 390 | Dacoity = Section 391 এবং 395 | Cheating = Section 415 এবং 420 | Cruelty to Wife = Section 498A | Seven years age immunity = Section 82 | Seven to Twelve = Section 83 |

Evidence Act গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যা: Admission = Section 17 | Inadmissible Confession = Section 24 | Police Confession inadmissible = Section 25 | Custody Confession = Section 26 | Discovery = Section 27 | Dying Declaration = Section 32 | Expert Evidence = Section 45 | Oral Evidence = Section 60 | Secondary Evidence = Section 65 | 30-year-old document = Section 90 | Burden of Proof = Section 101 | Legitimacy = Section 112 | Dowry Death = Section 113 | Estoppel = Section 115 |

SRA গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যা: Specific Performance কখন পাবে = Section 10 | Specific Performance কখন পাবে না = Section 11 | Not for personal service = Section 14 | Declaratory Decree = Section 34 | Perpetual Injunction = Section 52 | Mandatory Injunction = Section 53 |

## অধ্যায় ১৩: আরও গভীর বিশ্লেষণ এবং নতুন বিষয়

### Contract Act, 1872-এর সাথে SRA-র সম্পর্ক

বার কাউন্সিল পরীক্ষায় Contract Act সরাসরি না থাকলেও SRA এবং CPC বোঝার জন্য Contract Act জানা জরুরি।

Contract কী: Contract Act Section 2(h) অনুযায়ী Contract হলো আইনগতভাবে কার্যকর চুক্তি।

Valid Contract-এর শর্ত: Offer, Acceptance, Consideration, Competent Parties, Free Consent, Lawful Object |

Void Agreement এবং Voidable Contract-এর পার্থক্য:





Void Agreement শুরু থেকেই কার্যকর নয়। Section 2(g)। Voidable Contract শুরুতে কার্যকর কিন্তু এক পক্ষের ইচ্ছায় বাতিল হতে পারে। Section 2(i)।

Breach of Contract হলে কী হয়: প্রথম পথ: Damages বা ক্ষতিপূরণ মামলা। দ্বিতীয় পথ: SRA Section 10 এর অধীনে Specific Performance মামলা। তৃতীয় পথ: SRA Section 27 এর অধীনে Rescission বা বাতিলের মামলা।

মনে রাখার টেকনিক: "চুক্তি ভাঙলে তিন পথ। DSR = Damages, Specific Performance, Rescission।"

রাজনৈতিক জোক: আন্তর্জাতিক চুক্তি ভাঙলে সাধারণত Damages দেওয়ার বিধান আছে WTO-র DSU (Dispute Settlement Understanding)-তে। ২০২৫ সালে বাংলাদেশ-যুক্তরাষ্ট্র Trade জটিলতায় WTO-র এই পদ্ধতি ব্যবহার হয়েছে। Contract Act-এর মতোই আন্তর্জাতিক চুক্তি আইনেও Breach-এর জন্য Remedy আছে।

### Transfer of Property Act, 1882 এবং CPC-র সম্পর্ক

Transfer of Property Act (TPA) CPC-র Execution-এর সময় প্রায়ই গুরুত্বপূর্ণ হয়।

TPA Section 54: Sale সংজ্ঞা। TPA Section 58: Mortgage সংজ্ঞা। TPA Section 105: Lease সংজ্ঞা। TPA Section 122: Gift সংজ্ঞা।

Sale-এর বিশেষ বিধান: ১০০ টাকার বেশি মূল্যের অস্থাবর সম্পত্তি এবং সব অচল সম্পত্তি বিক্রিতে Registration আবশ্যিক।

পরীক্ষায় আসা প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Sale এবং Mortgage-এর পার্থক্য কী?"

Sale-এ সম্পত্তির মালিকানা সম্পূর্ণ চলে যায়। Mortgage-এ শুধু স্বার্থ দেওয়া হয়, মালিকানা থাকে।

### Limitation Act এবং CPC-র সম্পর্ক

Limitation Act, 1908 (বাংলাদেশে প্রযোজ্য) মামলা দায়ের করার সময়সীমা নির্ধারণ করে।

মূল নীতি: "Vigilantibus, non dormientibus, jura subveniunt" মানে আইন সতর্কদের সাহায্য করে, ঘুমন্তদের নয়।

গুরুত্বপূর্ণ সময়সীমা:

দেওয়ানি মামলায় সাধারণ সময়সীমা ৩ বছর। ভূমি সংক্রান্ত মামলায় ১২ বছর। Execution Petition = ৩ বছর। Contract মামলা = ৩ বছর। Tort মামলা = ৩ বছর।





মনে রাখার টেকনিক: "সাধারণ মামলা = ৩ বছর। জমির মামলা = ১২ বছর।"

রাজনৈতিক জোক: জাতিসংঘের চুক্তি লঙ্ঘনের অভিযোগেরও সময়সীমা আছে। ICJ-তে মামলার ক্ষেত্রে সাধারণত দ্রুত অভিযোগ করতে হয়। Limitation-এর নীতি আন্তর্জাতিক আইনেও প্রযোজ্য।

## অধ্যায় ১৪: সর্বশেষ আপডেট এবং ২০২৬ সালের বিশেষ প্রস্তুতি

### ২০২৫-২০২৬ সালের নতুন বিষয় যেগুলো পরীক্ষায় আসতে পারে

২০২৫ সালের পরীক্ষায় (এপ্রিল ২৫) যে প্রশ্নগুলো আসার সম্ভাবনা ছিল এবং ২০২৬ ডিসেম্বরে যা আসতে পারে:

প্রথম বিষয়: Cyber Security Act, 2023। বাংলাদেশে Digital Security Act-এর জায়গায় এসেছে। এই আইনে সাইবার অপরাধের সংজ্ঞা এবং শাস্তির বিধান আছে।

দ্বিতীয় বিষয়: ADR (Alternative Dispute Resolution)। Arbitration Act, 2001 বাংলাদেশে। মামলার বিকল্প পদ্ধতি। বাংলাদেশ হাইকোর্ট ADR-কে উৎসাহিত করছে।

তৃতীয় বিষয়: Money Laundering Prevention Act। বাংলাদেশে এই আইনের গুরুত্ব বাড়ছে।

চতুর্থ বিষয়: Constitutional Law প্রশ্ন। ২০২৪-২০২৫ সালে বাংলাদেশে সাংবিধানিক পরিবর্তনের আলোচনা হয়েছে।

পঞ্চম বিষয়: International Law এবং Human Rights। আন্তর্জাতিক মানবাধিকার আইনের সাথে বাংলাদেশের দেশীয় আইনের সম্পর্ক।

### Cyber Security Act, 2023-এর মূল বিষয়

Digital Security Act, 2018 বাতিল করে Cyber Security Act, 2023 পাস হয়েছে।

মূল পরিবর্তন: কিছু অপরাধে সাজা কমানো হয়েছে। অপরাধের সংজ্ঞা আরও স্পষ্ট করা হয়েছে। Bail-এর বিধান কিছুটা সহজ হয়েছে।

রাজনৈতিক প্রেক্ষাপট: আন্তর্জাতিক সমালোচনার পরে Digital Security Act পরিবর্তন করা হয়েছে। Human Rights Watch এবং Reporters Without Borders বলেছিল পূর্বের আইনটি সাংবাদিক স্বাধীনতা দমন করছে।

মনে রাখার টেকনিক: "DSA গেল, CSA এলো। ২০১৮ গেল, ২০২৩ হলো।"

### ADR (Alternative Dispute Resolution)



Arbitration Act, 2001 বাংলাদেশে ADR-এর মূল ভিত্তি।

ADR-এর প্রকারভেদ:

Arbitration: দুই পক্ষ একজন নিরপেক্ষ ব্যক্তিকে বিচারক হিসেবে নিয়োগ করে। তার রায় বাধ্যতামূলক।

Mediation: একজন Mediator দুই পক্ষের মধ্যে সমঝোতা করিয়ে দেয়। রায় বাধ্যতামূলক নয়।

Conciliation: Mediator সক্রিয়ভাবে সমাধান প্রস্তাব করে।

Negotiation: দুই পক্ষ নিজেদের মধ্যে আলোচনা করে।

CPC Section 89A: বাংলাদেশের CPC-তে আদালত ADR-এর পরামর্শ দিতে পারে।

রাজনৈতিক উদাহরণ: ২০২৫ সালে বাংলাদেশ-ভারত সম্পর্কে যখন জলবন্টন নিয়ে বিরোধ হয় তখন আলোচনার (Negotiation) পথে সমাধান খোঁজা হয়। আন্তর্জাতিক ADR হলো UN-এর Good Offices বা UNCITRAL Arbitration। দেশীয় ADR-এর মতোই।

---

## অধ্যায় ১৫: বিষয়ভিত্তিক গভীর বিশ্লেষণ এবং কঠিন প্রশ্নের উত্তর

### কঠিন প্রশ্ন ১: Section 34 এবং Section 149 Penal Code একসাথে কীভাবে কাজ করে?

এই প্রশ্নটি Viva এবং Written উভয়তেই আসে।

উদাহরণ দিয়ে বোঝা:

গল্প: করিম, রহিম, জলিল, সালাম এবং বাশার মিলে একটি দোকান লুট করতে গেল। তারা সবাই জানত যে লুটের সময় হিংসা হতে পারে। লুটের সময় করিম দোকান মালিককে মারল এবং দোকান মালিক মারা গেল।

Section 149 প্রযোজ্য: পাঁচ জন মিলে Unlawful Assembly (Section 141) গঠন করেছে। তাদের Common Object হলো লুট। সেই Common Object-এর অগ্রগতিতে Murder হয়েছে। তাই Section 149 অনুযায়ী সবাই Murder-এর জন্য দায়ী।

Section 34 কখন প্রযোজ্য: যদি তিনজন মিলে এটা করত। তাহলে Unlawful Assembly হত না (৫ জন নেই)। কিন্তু তিনজনের Common Intention ছিল। তাই Section 34 প্রযোজ্য।

গুরুত্বপূর্ণ পার্থক্য: Section 34 এবং Section 149 একই সাথে প্রযোজ্য হতে পারে। পাঁচ বা তার বেশি জন থাকলে Section 149, যেকোনো সংখ্যায় Common Intention থাকলে Section 34।



## কঠিন প্রশ্ন ২: Dying Declaration কখন Corroboration ছাড়া Conviction-এর ভিত্তি হতে পারে?

Evidence Act Section 32 অনুযায়ী Dying Declaration Hearsay-র Exception। কিন্তু এটি একা কি Conviction-এর ভিত্তি হতে পারে?

বাংলাদেশের আইনি অবস্থান: Dying Declaration যদি সত্য এবং স্বেচ্ছায় দেওয়া হয় তাহলে এটি Corroboration ছাড়াও Conviction-এর ভিত্তি হতে পারে। তবে Magistrate-এর সামনে দেওয়া এবং ডাক্তারের Endorsement থাকলে বেশি গুরুত্ব পায়।

উদাহরণ: করিম মারা যাওয়ার আগে বলল "রহিম আমাকে বিষ খাইয়ে মেরেছে।" এই Dying Declaration যদি বিশ্বাসযোগ্য হয় তাহলে রহিমকে শুধু এই সাক্ষ্যের ভিত্তিতে দোষী সাব্যস্ত করা যেতে পারে।

পরীক্ষার টেকনিক: "Dying Declaration = মৃত্যুর দরজায় সত্য।"

## কঠিন প্রশ্ন ৩: Estoppel কি একটি Rule of Evidence নাকি Rule of Substantive Law?

Evidence Act Section 115-এ Estoppel একটি Rule of Evidence হিসেবে আছে। তবে বাস্তবে এটি Substantive Law-এর মতোও কাজ করে।

বিশ্লেষণ: Estoppel শুধু Evidence দেওয়া বন্ধ করে না। এটি বাস্তবিকভাবে একটি অধিকারও তৈরি করে। তাই এটি Evidence Rule হলেও Substantive Rights-এর উপর প্রভাব ফেলে।

রাজনৈতিক উদাহরণ: ২০২৪ সালে ভারত-বাংলাদেশ সম্পর্কে যখন কিছু ঘোষণা দেওয়া হয়েছিল তখন সেই ঘোষণার ভিত্তিতে বিভিন্ন পদক্ষেপ নেওয়া হয়েছিল। পরে যদি ভারত বলত "আমি ঐ ঘোষণা দিইনি" তাহলে Estoppel-এর মতো বাধা আসত। Promissory Estoppel International Law-এও আছে।

---

## অধ্যায় ১৬: পরীক্ষার দিনের সম্পূর্ণ কৌশল

### পরীক্ষার আগের রাতের কৌশল

পরীক্ষার আগের রাতে কী করবে:

প্রথমত, রাত ১০টার পরে নতুন কিছু পড়া বন্ধ। তোমার মস্তিষ্ক ইতিমধ্যে যা জানে তা রাতে আরও সংগঠিত হয়।

দ্বিতীয়ত, সব মনে রাখার টেকনিক এবং ফর্মুলাগুলো একবার দেখো। PBI, IRAC, RBA, ASDRO এই ফর্মুলাগুলো মনে করো।



তৃতীয়ত, প্রতিটি বিষয়ের সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section নম্বরগুলো দেখো।

চতুর্থত, আগামীকালের প্রস্তুতি করো। মানে পরীক্ষার হলের ঠিকানা, Admit Card, কলম ইত্যাদি গুছিয়ে নাও।

পঞ্চমত, ভালো ঘুমাও। ঘুমের সময় মস্তিষ্ক শেখা বিষয় সংগঠিত করে। একটা গবেষণায় দেখা গেছে যারা পরীক্ষার আগের রাতে ৭-৮ ঘন্টা ঘুমায় তারা যারা সারারাত জাগে তাদের চেয়ে ২০ শতাংশ ভালো পারফর্ম করে।

রাজনৈতিক জোক: জাতিসংঘের সাধারণ পরিষদের বৈঠকের আগের রাতে প্রতিটি দেশের কূটনীতিকরা নিজেদের বক্তৃতা প্রস্তুত করে। কিন্তু সবচেয়ে ভালো কূটনীতিকরা সেই রাতে ঘুমিয়ে পড়ে। কারণ তারা জানে ভালো ঘুম না হলে পরদিন কিছু কাজে লাগে না। তুমিও সেই বুদ্ধিমান কূটনীতিকের মতো ঘুমিয়ে পড়ো।

## পরীক্ষার সকালের কৌশল

পরীক্ষার সকালে কী করবে:

প্রথমত, সকালে উঠে হালকা নাস্তা করো। মস্তিষ্কের জন্য Glucose দরকার।

দ্বিতীয়ত, পরীক্ষার হলে যাওয়ার পথে মনে রাখার টেকনিকগুলো মাথায় ঘোরাও। PBI, IRAC, এই ধরনের সংক্ষিপ্ত ফর্মুলাগুলো।

তৃতীয়ত, পরীক্ষার হলে আগে পৌঁছাও। শেষ মিনিটে হুড়োহুড়ি করে গেলে মাথা গরম থাকে।

চতুর্থত, পরীক্ষা শুরু হলে প্রথম ৫ মিনিট সব প্রশ্ন পড়ো। কোনটা সহজ, কোনটা কঠিন সেটা বোঝো। সহজটা আগে করো।

পঞ্চমত, MCQ-তে প্রতিটি Option ভালো করে পড়ো। অনেক সময় দুটো Option প্রায় একইরকম মনে হয় কিন্তু একটুখানি পার্থক্য থাকে।

## MCQ পরীক্ষায় বিশেষ টেকনিক

Elimination Method: প্রথমে স্পষ্টভাবে ভুল Option বাদ দাও। তারপর বাকিগুলোর মধ্যে সঠিকটা খোঁজো।

Context Clue: প্রশ্নের মধ্যেই উত্তরের হিঁদ্র থাকে। প্রশ্নটা ভালো করে পড়লে অনেক সময় উত্তর বের হয়।

Common Trap: পরীক্ষায় "সবগুলোই সঠিক" বা "কোনোটিই সঠিক নয়" Option-এ সতর্ক থাকো। এগুলো প্রায়ই সঠিক উত্তর।



Guess করার নিয়ম: যদি কিছু না জানো তাহলে মাঝের Option (খ বা গ) Guess করো। কারণ পরীক্ষায় সঠিক উত্তর মাঝের Option-এ বেশি থাকে (এটা সার্বজনীন নিয়ম নয় কিন্তু একটা প্রবণতা)।

রাজনৈতিক জোক: CIA-র নামকরা Analyst-রা যখন Intelligence Assessment করে তখন "Elimination by Analysis" পদ্ধতি ব্যবহার করে। প্রথমে যা সত্য নয় বাদ দাও, তারপর যা সত্য তা বের করো। MCQ-তেও একই পদ্ধতি কাজ করে।

## অধ্যায় ১৭: সম্পূর্ণ ড্রিকি প্রশ্ন বিশ্লেষণ পার্ট ২

### ড্রিকি প্রশ্ন ১: Section 34 SRA এবং Section 34 CPC এবং Section 34 Penal Code

একই নম্বর তিনটি আলাদা আইনে আলাদা বিষয়।

Section 34 CPC: Costs বিষয়ক বিধান। Section 34 SRA: Declaratory Decree। Section 34 Penal Code: সংজ্ঞা বিভাগে "Officer" এর সংজ্ঞা।

মনে রাখার টেকনিক: "CPC-র ৩৪ = খরচ। SRA-র ৩৪ = ঘোষণা। Penal-এর ৩৪ = সংজ্ঞা।"

### ড্রিকি প্রশ্ন ২: Revision CPC Section 115 এবং Revision CrPC Section 401

দুটো Revision কিন্তু আলাদা।

CPC Section 115 = High Court-এর Revision। নিম্ন আদালতের আইনগত ভুলের বিরুদ্ধে। CrPC Section 401 = High Court-এর Revision। ফৌজদারি মামলায়।

পার্থক্য: CPC Revision-এ শুধু Jurisdiction বা আইনের ভুলে যাওয়া হয়। CrPC Revision-এ আরও ব্যাপক ক্ষমতা আছে।

### ড্রিকি প্রশ্ন ৩: Contempt of Court কোথায় আছে?

Contempt of Court সরাসরি CPC বা CrPC-তে নেই। এটি আলাদা আইনে আছে কিন্তু আদালতের Inherent Powers-এর অংশ।

Section 151 CPC = Inherent Powers। এর মাধ্যমে আদালত Contempt-এর জন্য ব্যবস্থা নিতে পারে।

High Court Division এর Contempt of Court ক্ষমতা সংবিধানের Article 108 থেকে আসে।

### ড্রিকি প্রশ্ন ৪: Plaint Rejection এবং Return-এর পার্থক্য



Order 7 Rule 11: Complaint Rejection। মানে মামলাটাই খারিজ। কোনো প্রতিকার নেই (অবশ্যই আপিল ছাড়া)।

Order 7 Rule 10: Complaint Return। মানে Complaint ফেরত দেওয়া যাতে সঠিক আদালতে দেওয়া যায়। এখানে মামলা শেষ হয় না।

মনে রাখার টেকনিক: "Return = ফেরত পাঠানো (আশা আছে)। Rejection = বাদ দেওয়া (মামলা শেষ)।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Complaint Rejection এবং Return-এর পার্থক্য কী?"

## অধ্যায় ১৮: পারিবারিক আইনের গভীর বিশ্লেষণ

### Muslim Family Laws Ordinance, 1961-এর গুরুত্বপূর্ণ বিধান

Section 4: যদি কোনো পুত্র পিতার মৃত্যুর আগে মারা যায় তাহলে সেই মৃত পুত্রের সন্তানরা Representation-এর মাধ্যমে দাদার সম্পত্তিতে ভাগ পাবে।

Section 5: বিবাহের Nikah-nama Registration বাধ্যতামূলক।

Section 6: Polygamy-র জন্য Arbitration Council-এর অনুমতি লাগবে।

Section 7: তালকের নোটিশ 90 দিনের মধ্যে Arbitration Council-এ পাঠাতে হবে।

Section 8: বিবাহিত মহিলা দেনমোহর এবং ভরণপোষণের দাবি করতে পারে।

Section 9: Maintenance বা ভরণপোষণ আদায়ের জন্য Arbitration Council-এ যেতে হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "MFLO ১৯৬১-এর মূল বিষয়: RPMAT। R = Representation (Section 4), P = Polygamy Control (Section 6), M = Marriage Registration (Section 5), A = Arbitration for Talaq (Section 7), T = Talaq Notice।"

রাজনৈতিক জোক: Muslim Family Laws Ordinance পাকিস্তান আমলে পাস হয়েছিল (১৯৬১) এবং বাংলাদেশে এখনও চলছে। পাকিস্তান এই আইন ধীরে ধীরে দুর্বল করেছে। ভারতে Triple Talaq নিষিদ্ধ করা হয়েছে (২০১৯)। বাংলাদেশে আইনটা মাঝামাঝি অবস্থায় আছে। আন্তর্জাতিকভাবে মুসলিম পারিবারিক আইন সংস্কারের আলোচনা চলছে।

## হিন্দু আইনের গভীর বিশ্লেষণ

Dayabhaga School বনাম Mitakshara School:



Dayabhaga School (বাংলাদেশ এবং পশ্চিমবঙ্গে): সম্পত্তি পাওয়া যায় পিতার মৃত্যুর পরে। পিতা জীবিত থাকলে সন্তান কোনো অধিকার দাবি করতে পারে না। Sapinda সম্পর্ক উত্তরাধিকারে গুরুত্বপূর্ণ।

Mitakshara School (ভারতের বেশিরভাগ অঞ্চলে): সম্পত্তি জন্মের সাথে সাথে পাওয়া যায়। পিতা জীবিত থাকলেও সন্তানের অংশ আছে।

মনে রাখার টেকনিক: "Day = Dayabhaga = মৃত্যুর পরে। Mita = Mitakshara = জন্ম থেকে।"

হিন্দু উত্তরাধিকারের ক্রম SSSWD: Son (পুত্র), Son's son (পৌত্র), Son's son's son (প্রপৌত্র), Widow (বিধবা), Daughter (কন্যা)।

## বাংলাদেশে ধর্মনিরপেক্ষ পারিবারিক আইনের আলোচনা

বাংলাদেশে এখনও আলাদা আলাদা ধর্মীয় পারিবারিক আইন আছে। ইউনিফর্ম পারিবারিক আইনের দাবি উঠছে।

আন্তর্জাতিক প্রেক্ষাপট: CEDAW (Convention on the Elimination of All Forms of Discrimination Against Women) বলে সব নারীর সমান অধিকার থাকতে হবে। বাংলাদেশ CEDAW-তে স্বাক্ষর করেছে কিন্তু কিছু ধর্মীয় বিধানের ব্যাপারে Reservation দিয়েছে।

পরীক্ষার দিক থেকে: এই বিষয়গুলো সরাসরি MCQ-তে নাও আসতে পারে কিন্তু Written এবং Viva-তে এলে এই প্রেক্ষাপট জানা দরকার।

## অধ্যায় ১১: আরও Mock প্রশ্ন এবং বিশেষ বিষয়

### বিষয়ভিত্তিক কঠিন MCQ

প্রশ্ন ক: CPC-তে "Decree" এবং "Order" এর মধ্যে পার্থক্য কী?

উত্তর: Decree হলো মামলার সব বা কিছু বিষয়ের উপর চূড়ান্ত সিদ্ধান্ত যা আপিলযোগ্য। Order হলো এমন সিদ্ধান্ত যা Decree নয়। Decree সবসময় আপিলযোগ্য কিন্তু Order সবসময় নয়। Decree-র সংজ্ঞা Section 2(2), Order-এর সংজ্ঞা Section 2(14)।

প্রশ্ন খ: "Abetment by Instigation" এবং "Abetment by Conspiracy"-র পার্থক্য কী?

উত্তর: Instigation মানে সরাসরি উৎসাহ দেওয়া। Conspiracy মানে পরিকল্পনায় অংশ নেওয়া। Instigation-এ একটি নির্দিষ্ট কাজ করতে বলা হয়। Conspiracy-তে একটি অপরাধমূলক পরিকল্পনার অংশ হওয়া।





প্রশ্ন গ: "Void Marriage" এবং "Voidable Marriage"-এর পার্থক্য কী? (Muslim Family Law-এর পরিপ্রেক্ষিতে)

উত্তর: Void Marriage শুরু থেকেই বাতিল। কোনো আইনি স্বীকৃতি নেই। যেমন নিজের বোনকে বিবাহ করা। Voidable Marriage শুরুতে বৈধ কিন্তু কিছু শর্তে বাতিল হতে পারে। যেমন জোরজবরদস্তিতে করা বিবাহ।

## Section নম্বর মেলানোর বিশেষ ব্যায়াম

এই ব্যায়ামে বাম দিকের Section নম্বরের সাথে ডান দিকের বিষয় মেলাও। পরীক্ষায় এই ধরনের প্রশ্ন আসে।

সিরিজ ১ (CPC): Section 11 = Res Judicata | Section 20 = Place of Suing | Section 96 = First Appeal | Section 115 = Revision | Order 39 = Temporary Injunction |

সিরিজ ২ (CrPC): Section 154 = FIR | Section 164 = Confession before Magistrate | Section 167 = Remand | Section 190 = Cognizance | Section 497 = Non-Bailable Bail |

সিরিজ ৩ (Penal Code): Section 34 = Common Intention | Section 107 = Abetment | Section 141 = Unlawful Assembly | Section 300 = Murder | Section 378 = Theft |

সিরিজ ৪ (Evidence Act): Section 25 = Police Confession inadmissible | Section 32 = Dying Declaration | Section 45 = Expert Evidence | Section 101 = Burden of Proof | Section 115 = Estoppel |

সিরিজ ৫ (SRA): Section 10 = Specific Performance (কখন পাবে) | Section 11 = Specific Performance (কখন পাবে না) | Section 34 = Declaratory Decree | Section 52 = Perpetual Injunction | Section 53 = Mandatory Injunction |

## অধ্যায় ২০: আন্তর্জাতিক রাজনীতি এবং আইনের গল্প

এই অধ্যায়টি মজাদার। পড়ো এবং মনে রেখে নাও।

### গল্প ১: Res Judicata এবং কাস্মীর বিরোধ

কাস্মীর নিয়ে ভারত-পাকিস্তান ১৯৪৮ সাল থেকে বিরোধ করছে। জাতিসংঘ নিরাপত্তা পরিষদে বহুবার এই বিষয়ে রেজুলেশন পাস হয়েছে।

জোক: যদি কাস্মীর বিরোধ বাংলাদেশের দেওয়ানি আদালতে যেত তাহলে Res Judicata-র প্রশ্ন উঠত। ১৯৪৮ সালে একবার জাতিসংঘ রেজুলেশন পাস করেছে। তাহলে কি ২০২৫ সালে আবার একই বিষয়ে রেজুলেশন চাওয়া





যাবে? Section 11 CPC বলত না। কিন্তু International Law-এ Res Judicata ততটা কঠোর নয়। তাই কান্স্ট্রিক্ট বিবোধ চলছেই।

মূল শিক্ষা: Section 11 CPC মনে রাখতে হলে কান্স্ট্রিক্টের কথা মনে করো। "একবার রায় = আর বিচার নয়।"

## গল্প ২: Bail এবং আন্তর্জাতিক রাজনীতি

২০২৪ সালে আর্জেন্টিনার প্রেসিডেন্ট আন্তর্জাতিক সম্পর্কে এমন কিছু করলেন যা আন্তর্জাতিক আইনে অপরাধ হিসেবে গণ্য হতে পারত। কিন্তু রাষ্ট্রনেতারা Diplomatic Immunity পান।

জোক: যদি একজন দেশের প্রেসিডেন্ট বাংলাদেশে আসেন এবং Non-Bailable অপরাধ করেন তাহলেও কি তাকে Bail দিতে হবে? আন্তর্জাতিক আইনে তিনি Diplomatic Immunity পাবেন। বাংলাদেশের CrPC Section 497 তখন কাজ করবে না। এই পার্থক্য জানলে Section 497 মনে থাকবে।

## গল্প ৩: FIR এবং বাংলাদেশের রাজনৈতিক বাস্তবতা

২০২৪-২০২৫ সালে বাংলাদেশে রাজনৈতিক পরিবর্তনের পরে হাজার হাজার FIR দায়ের হয়েছে। অনেকে আবার FIR দায়ের করতে পারেনি।

জোক: এত FIR হয়েছে যে থানার কম্পিউটার হয়তো বলছে "আর জায়গা নেই।" কিন্তু আইন বলে যেকোনো Cognizable Offence-এ FIR নিতে বাধ্য। Section 154 CrPC থানার কর্মকর্তাকে FIR রেকর্ড করার নির্দেশ দেয়। না নিলে SP-এর কাছে যেতে হবে। SP না নিলে Magistrate-এর কাছে।

মূল শিক্ষা: FIR = Section 154। না নিলে ওপরে যাও।

## গল্প ৪: Dying Declaration এবং গোয়েন্দা কাহিনী

James Bond যদি মারা যাওয়ার আগে বলে "M আমাকে মেরেছে" তাহলে এটা Dying Declaration হবে। Evidence Act Section 32 অনুযায়ী এটা প্রমাণ হিসেবে ব্যবহার করা যাবে। কিন্তু M হয়তো বলবে "Bond ভুল বলেছে।" তখন আদালতকে সিদ্ধান্ত নিতে হবে Dying Declaration বিশ্বাসযোগ্য কিনা।

মূল শিক্ষা: Dying Declaration = মৃত্যুর আগের কথা = Section 32 = প্রমাণ।

## অধ্যায় ২১: চূড়ান্ত রিভিশন এবং পার্ট ৯-এর সারসংক্ষেপ

### পার্ট ১ থেকে ৯-এর সম্পূর্ণ সারসংক্ষেপ



পার্ট ১-এ তুমি শিখেছিলে: পরীক্ষার কাঠামো, CPC-র মূল বিষয়। পার্ট ২-এ: CPC-র বিস্তারিত বিশ্লেষণ। পার্ট ৩-এ: CrPC। পার্ট ৪-এ: Penal Code। পার্ট ৫-এ: Evidence Act। পার্ট ৬-এ: SRA এবং Professional Ethics। পার্ট ৭-এ: Muslim Family Law। পার্ট ৮-এ: Hindu Law, Christian Law, GWA, Succession Act, Waqf Ordinance। পার্ট ৯-এ (এই বই): লিখিত পরীক্ষার নমুনা উত্তর, আন্তর্জাতিক তুলনামূলক বিশ্লেষণ, Mega Mock Set, Grand Revision এবং Viva প্রস্তুতি।

### সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ ২০টি Section (সব আইন মিলিয়ে)

১. CPC Section 11: Res Judicata। ২. CPC Order 39: Temporary Injunction (PBI)। ৩. CPC Section 20: Place of Suing। ৪. CrPC Section 154: FIR। ৫. CrPC Section 164: Confession before Magistrate। ৬. CrPC Section 167: Remand। ৭. CrPC Section 497: Non-Bailable Bail। ৮. Penal Code Section 300: Murder। ৯. Penal Code Section 34: Common Intention। ১০. Penal Code Section 149: Common Object। ১১. Penal Code Section 107: Abetment। ১২. Evidence Act Section 25: Police Confession inadmissible। ১৩. Evidence Act Section 32: Dying Declaration। ১৪. Evidence Act Section 101: Burden of Proof। ১৫. Evidence Act Section 115: Estoppel। ১৬. SRA Section 10: Specific Performance কখন পাবে। ১৭. SRA Section 34: Declaratory Decree। ১৮. Muslim Family Laws Ordinance Section 6: Polygamy Control। ১৯. GWA Section 17: Welfare of Child। ২০. Succession Act Section 59: Who can make a Will।

### শেষ মুহূর্তের সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ ট্রিকস

ট্রিক ১: যখন "কোন Section-এ আছে" প্রশ্ন আসে, তখন আইনের নাম এবং Section নম্বর একসাথে মনে করো।

ট্রিক ২: "কোন আদালতে" প্রশ্নে মনে রাখো উচ্চ আদালত সাধারণত উপরে এবং নিম্ন আদালত নিচে।

ট্রিক ৩: "কত দিনে" প্রশ্নে মনে রাখো CPC Written Statement ৩০ দিন (৯০ দিন সর্বোচ্চ), CrPC Remand সর্বোচ্চ ১৫ দিন।

ট্রিক ৪: Void এবং Voidable মনে রাখো। Void = শুরু থেকেই মৃত। Voidable = অসুস্থ কিন্তু বেঁচে আছে।

ট্রিক ৫: Murder এর সাজা মৃত্যুদণ্ড বা যাবজীবন (Section 302)। Culpable Homicide = যাবজীবন বা ১০ বছর (Section 304)।

## অধ্যায় ২২: বিশেষ রাজনৈতিক জোক সংকলন পার্ট ২

### আইনের বিষয়গুলো মনে রাখার জন্য আরও মজার গল্প



গল্প: UN Security Council এবং CPC Section 11

কল্পনা করো জাতিসংঘ নিরাপত্তা পরিষদ একটি দেশের আদালতের মতো। একবার কোনো বিষয়ে রেজুলেশন পাস হলে সেই বিষয়ে আবার আলোচনা করা কঠিন। এটা Res Judicata-র মতো। কিন্তু পার্থক্য হলো International Law-এ Veto Power আছে। তাই যেকোনো P5 সদস্য Veto দিলে রেজুলেশন পাস হয় না। CPC-তে কোনো Veto নেই। একবার সক্ষম আদালত রায় দিলে সেটা Res Judicata।

২০২৪ সালের পরিস্থিতি: গাজায় যুদ্ধবিরতির জন্য Security Council-এ বহু রেজুলেশন আনা হয়েছে। আমেরিকা Veto দিয়ে আটকেছে। যদি CPC Section 10 এর মতো "Stay" নিতে পারত তাহলে হয়তো যুদ্ধ থামত। কিন্তু International Law-এ সেই শক্তি নেই।

গল্প: NATO Article 5 এবং Section 34 Penal Code

NATO-র Article 5 বলে একজন সদস্যকে আক্রমণ করলে সবাইকে আক্রমণ করা হয়েছে বলে ধরা হবে। ২০২৩ সালে রাশিয়া ইউক্রেনে আক্রমণ করেছিল। ইউক্রেন NATO-র সদস্য না হওয়ায় Article 5 কাজ করেনি। কিন্তু যদি হত তাহলে সব NATO দেশ Common Intention সহ যুদ্ধে নামত। Section 34 Penal Code-এর মতো। Common Intention-এ সবাই দায়ী।

গল্প: Bail এবং Julian Assange

Julian Assange বছরের পর বছর ব্রিটেনে Bail-এর শর্তে ছিলেন, তারপর দূতাবাসে আশ্রয় নিয়েছিলেন। ২০২৪ সালে তিনি চুক্তির মাধ্যমে মুক্তি পেয়েছেন। আন্তর্জাতিক Bail-এর ধারণা বাংলাদেশের CrPC Section 497-এর মতো। Non-Bailable Offence-এর অভিযোগে Bail পাওয়া কঠিন।

গল্প: FIR এবং ICC

ICC তে কোনো যুদ্ধাপরাধের অভিযোগ দেওয়া FIR-এর মতো। Prosecution FIR নিলে তদন্ত শুরু। বাংলাদেশের থানায় FIR নিলে Police তদন্ত শুরু। একই প্রক্রিয়া ভিন্ন স্কেলে।

গল্প: Dying Declaration এবং গোয়েন্দা জগৎ

রাশিয়ার GRU Agent যখন ব্রিটেনে বিষ দিয়ে মারা যায় তখন মরার আগে কিছু বলে গেলে সেটা Dying Declaration হতে পারত। Salisbury Poisoning-এর ক্ষেত্রে অনেক Circumstantial Evidence ছিল কিন্তু কোনো Dying Declaration ছিল না।

## অধ্যায় ২৩: পার্ট ৯-এর নতুন বিষয় এবং ২০২৬ সালের Prediction

### ২০২৬ সালের পরীক্ষায় যা আসতে পারে

509 বার কাউন্সিল এনবোলমেন্ট পরীক্ষার শর্টকাট মাস্টার গাইড — © 2026 S M Nazmuz Sakib. All rights reserved. No part of this work may be copied, reproduced, or distributed without prior written permission. DOI: 10.5281/zenodo.19494434



সম্ভাবনা ৯৯ শতাংশ: Res Judicata (Section 11 CPC), FIR (Section 154 CrPC), Murder vs Culpable Homicide (Section 299 300 Penal Code), Burden of Proof (Section 101 Evidence Act)।

সম্ভাবনা ৯০ শতাংশ: Temporary Injunction (Order 39 CPC), Bail (Section 497 CrPC), Abetment (Section 107 Penal Code), Dying Declaration (Section 32 Evidence Act), Specific Performance (Section 10 SRA)।

সম্ভাবনা ৮০ শতাংশ: Remand (Section 167 CrPC), Common Intention vs Common Object (Section 34 vs 149), Estoppel (Section 115 Evidence Act), Declaratory Decree (Section 34 SRA), Muslim Family Laws Ordinance Section 6।

সম্ভাবনা ৭০ শতাংশ: Hindu Law (Dayabhaga School), Succession Act (Will, Probate), GWA Section 17, Cyber Security Act সংক্রান্ত।

সম্ভাবনা ৬০ শতাংশ: ADR এবং Arbitration Act, Waqf Ordinance, Contract Act সংক্রান্ত।

নতুন বিষয় যা ২০২৬-এ আসতে পারে:

Bangladesh-এর সাংবিধানিক পরিবর্তন সংক্রান্ত প্রশ্ন। Cyber Security Act, 2023-এর বিধান। Digital Evidence-এর গ্রহণযোগ্যতা। Anti-Corruption Commission Act-এর বিধান।

### ২০২৬ সালের Prediction MCQ Set (অতিরিক্ত ২৫ প্রশ্ন)

প্রশ্ন ১: Cyber Security Act কত সালে পাস হয়? ক) ২০১৮ খ) ২০২০ গ) ২০২৩ ঘ) ২০২৪ উত্তর: গ) ২০২৩

প্রশ্ন ২: Arbitration Act, 2001-এ Arbitrator নিয়োগের ন্যূনতম সংখ্যা কত? ক) একজন খ) তিনজন গ) পাঁচজন ঘ) দুটো বিকল্পই সঠিক উত্তর: ঘ) একজন বা তিনজন (বেজোড় সংখ্যা)

প্রশ্ন ৩: ADR-এর কোন পদ্ধতিতে সিদ্ধান্ত বাধ্যতামূলক নয়? ক) Arbitration খ) Mediation গ) উভয়ই ঘ) কোনোটিই নয় উত্তর: খ) Mediation

প্রশ্ন ৪: Bangladesh Constitution-এর Article 102 কোন বিষয়ে? ক) Fundamental Rights খ) High Court Division-এর Writ Jurisdiction গ) Supreme Court Appellate Division ঘ) Parliament উত্তর: খ) High Court Division-এর Writ Jurisdiction

প্রশ্ন ৫: Writ of Habeas Corpus কী করে? ক) সম্পত্তি ফেরত দেয় খ) অবৈধভাবে আটককৃত ব্যক্তিকে মুক্ত করে গ) নতুন তদন্তের নির্দেশ দেয় ঘ) আদালত পরিবর্তন করে উত্তর: খ) অবৈধভাবে আটককৃত ব্যক্তিকে মুক্ত করে



প্রশ্ন ৬: Mandamus Writ কখন দেওয়া হয়? ক) যখন কোনো সরকারি কর্তৃপক্ষ তার দায়িত্ব পালন করছে না থ) যখন সম্পত্তি অবৈধভাবে দখল করা হয়েছে গ) যখন কেউ অবৈধভাবে আটক আছে ঘ) যখন আদালতের রায় ভুল উত্তর: ক) যখন কোনো সরকারি কর্তৃপক্ষ তার দায়িত্ব পালন করছে না

প্রশ্ন ৭: Anti-Corruption Commission কোন সালে প্রতিষ্ঠিত? ক) ২০০২ থ) ২০০৪ গ) ২০০৬ ঘ) ২০০৮ উত্তর: থ) ২০০৪

প্রশ্ন ৮: Money Laundering Prevention Act কত সালে পাস হয়? ক) ২০০৯ থ) ২০১২ গ) ২০১৫ ঘ) ২০২০ উত্তর: থ) ২০১২ (সংশোধিত)

প্রশ্ন ৯: Digital Evidence কোন Section-এ গ্রহণযোগ্য? ক) Section 62 Evidence Act থ) Section 65A এবং 65B Evidence Act গ) Section 70 Evidence Act ঘ) Cyber Security Act Section 1 উত্তর: থ) Section 65A এবং 65B Evidence Act

প্রশ্ন ১০: VAWA (Violence Against Women Act) এর বাংলাদেশি সমতুল্য কোনটি? ক) Penal Code Section 498A থ) Cruelty to Women (Deterrent Punishment) Act, 2000 গ) Nari O Shishu Nirjatan Daman Ain, 2000 ঘ) Women and Children Repression Prevention Act, 2000 উত্তর: ঘ) Women and Children Repression Prevention Act, 2000

প্রশ্ন ১১: Bangladesh-এ "Nari O Shishu Nirjatan Daman Ain"-এর অধীনে অপরাধের বিচার কোথায় হয়? ক) Magistrate Court থ) Session Court গ) Tribunal (Nari O Shishu Nirjatan Daman Tribunal) ঘ) High Court উত্তর: গ) Tribunal

প্রশ্ন ১২: সর্বোচ্চ আদালত বাংলাদেশে কোনটি? ক) High Court Division থ) Appellate Division of the Supreme Court গ) Supreme Court of Bangladesh ঘ) Special Tribunal উত্তর: গ) Supreme Court of Bangladesh (যার দুটি বিভাগ: High Court Division এবং Appellate Division)

প্রশ্ন ১৩: Law Commission of Bangladesh কোন বিষয়ে কাজ করে? ক) আইনজীবীদের License দেয় থ) আইন সংস্কারের সুপারিশ করে গ) Enrollment Exam পরিচালনা করে ঘ) বিচারক নিয়োগ করে উত্তর: থ) আইন সংস্কারের সুপারিশ করে

প্রশ্ন ১৪: CPC-র Order 37 কোন বিষয়ে? ক) Summary Suit থ) Temporary Injunction গ) Execution ঘ) Receiver উত্তর: ক) Summary Suit (বিনিময় বিলের মতো বিষয়ে দ্রুত মামলা)

প্রশ্ন ১৫: কোন মামলায় Law of Limitation প্রযোজ্য নয়? ক) সম্পত্তির মামলায় থ) সরকারের বিরুদ্ধে মামলায় কিছু ক্ষেত্রে গ) Habeas Corpus Writ-এ ঘ) আদালতের অবমাননায় উত্তর: গ) Habeas Corpus Writ-এ (কারণ স্বাধীনতা কখনো Limitation-এর বিষয় নয়)



প্রশ্ন ১৬: CPC-র Order 38 কোন বিষয়ে? ক) Temporary Injunction খ) Arrest and Attachment before Judgment গ) Receiver ঘ) Execution উত্তর: খ) Arrest and Attachment before Judgment

প্রশ্ন ১৭: কোনটি Cognizable Offence? ক) Simple Hurt (Section 323) খ) Voluntarily Causing Grievous Hurt (Section 325) গ) উভয়ই ঘ) কোনোটিই নয় উত্তর: খ) Section 325 Cognizable, Section 323 Non-Cognizable

প্রশ্ন ১৮: Section 498A Penal Code-এর অধীনে Cognizance কে নিতে পারে? ক) Police Officer খ) First Class Magistrate গ) Second Class Magistrate ঘ) Any Court উত্তর: খ) First Class Magistrate

প্রশ্ন ১৯: Writ of Certiorari কী করে? ক) নিম্ন আদালতের রায় উচ্চ আদালতে আনে খ) সরকারি কর্তৃপক্ষকে কাজ করতে বলে গ) ব্যক্তিকে মুক্ত করে ঘ) নতুন Election করতে বলে উত্তর: ক) নিম্ন আদালতের রায় উচ্চ আদালতে আনে (এবং ভুল থাকলে বাতিল করে)

প্রশ্ন ২০: Prohibition Writ কী করে? ক) নিম্ন আদালত বা Tribunal-কে তার এখতিয়ারের বাইরে যাওয়া থেকে বিরত রাখে খ) ব্যক্তিকে মুক্ত করে গ) সরকারকে কাজ করতে বাধ্য করে ঘ) নতুন আইন বাতিল করে উত্তর: ক) নিম্ন আদালত বা Tribunal-কে তার এখতিয়ারের বাইরে যাওয়া থেকে বিরত রাখে

প্রশ্ন ২১: Quo Warranto Writ কখন দেওয়া হয়? ক) যখন কেউ অবৈধভাবে সরকারি পদ দখল করে খ) যখন সম্পত্তি অবৈধভাবে নেওয়া হয় গ) যখন আদালতের রায় ভুল ঘ) যখন পুলিশ ভুল করে উত্তর: ক) যখন কেউ অবৈধভাবে সরকারি পদ দখল করে

প্রশ্ন ২২: বাংলাদেশে কতটি Writ আছে? ক) চারটি খ) পাঁচটি গ) ছয়টি ঘ) সাতটি উত্তর: খ) পাঁচটি (Habeas Corpus, Mandamus, Prohibition, Certiorari, Quo Warranto)

প্রশ্ন ২৩: High Court Division কোথায় অবস্থিত? ক) ঢাকা খ) চট্টগ্রাম গ) রাজশাহী ঘ) উভয় ঢাকা ও চট্টগ্রাম উত্তর: ক) ঢাকা (প্রধান অফিস, তবে Circuit Bench চট্টগ্রাম এবং অন্যত্র)

প্রশ্ন ২৪: Appellate Division-এর বিচারক কতজন? ক) ৫ জন খ) ৭ জন গ) ৯ জন ঘ) পরিবর্তনশীল, Constitution অনুযায়ী নির্ধারিত উত্তর: ঘ) পরিবর্তনশীল (Constitution অনুযায়ী সংখ্যা নির্ধারণ হয়)

প্রশ্ন ২৫: Article 102 Bangladesh Constitution অনুযায়ী Fundamental Right লঙ্ঘনে কোন আদালতে যেতে হয়? ক) Session Court খ) High Court Division গ) Appellate Division ঘ) District Court উত্তর: খ) High Court Division

---

## পরিশিষ্ট: পার্ট ৯-এর সম্পূর্ণ বিষয়সূচি

পার্ট ৯-এ মোট ২৩টি অধ্যায় আছে।



অধ্যায় ১: লিখিত পরীক্ষার গাইড এবং IRAC ফর্মুলা। অধ্যায় ২: CPC লিখিত নমুনা উত্তর। অধ্যায় ৩: CrPC লিখিত নমুনা উত্তর। অধ্যায় ৪: Penal Code লিখিত নমুনা উত্তর। অধ্যায় ৫: Evidence Act লিখিত নমুনা উত্তর। অধ্যায় ৬: SRA লিখিত নমুনা উত্তর। অধ্যায় ৭: Professional Ethics লিখিত নমুনা উত্তর। অধ্যায় ৮: আন্তর্জাতিক তুলনামূলক বিশ্লেষণ। অধ্যায় ৯: পার্ট ১-৮ Grand Revision। অধ্যায় ১০: ২০২৬ ডিসেম্বর Mega Mock MCQ Set (১০০ প্রশ্ন)। অধ্যায় ১১: Viva-Voce প্রস্তুতি। অধ্যায় ১২: সংখ্যার মহা Grand Revision। অধ্যায় ১৩: আরও গভীর বিশ্লেষণ। অধ্যায় ১৪: সর্বশেষ আপডেট এবং ২০২৬ বিশেষ প্রস্তুতি। অধ্যায় ১৫: কঠিন প্রশ্নের উত্তর। অধ্যায় ১৬: পরীক্ষার দিনের কৌশল। অধ্যায় ১৭: ট্রিকি প্রশ্ন বিশ্লেষণ পার্ট ২। অধ্যায় ১৮: পারিবারিক আইনের গভীর রিভিশন। অধ্যায় ১৯: আরও Mock প্রশ্ন। অধ্যায় ২০: রাজনৈতিক জোক সংকলন পার্ট ২। অধ্যায় ২১: চূড়ান্ত রিভিশন। অধ্যায় ২২: বিশেষ রাজনৈতিক জোক পার্ট ২। অধ্যায় ২৩: ২০২৬ সালের Prediction এবং অতিরিক্ত Mock Set।

## পার্ট ১-এর সমাপনী: তুমি এখন প্রস্তুত

প্রিয় পরীক্ষার্থী,

তুমি পার্ট ১ শেষ করলে। এই নয়টি পার্টে তুমি যা শিখলে তা অন্য যেকোনো পরীক্ষার্থীর চেয়ে বেশি।

একটা কথা মনে রেখো।

২০২৫ সালের এপ্রিলে বার কাউন্সিল পরীক্ষায় ৪০ হাজার ৬২৭ জন পরীক্ষার্থী অংশ নিয়েছিল। তাদের মধ্যে যারা পাস করেছে তারা কিছু একটা আলাদা করেছে।

তারা শুধু বই পড়েনি। তারা আইন বুঝেছে। তারা Section মনে রেখেছে। তারা বিগত বছরের প্রশ্নের ধরন বুঝেছে।

তুমি এই নয়টি পার্ট পড়ে সেই কাজটা করেছ।

এখন আর একটাই কাজ বাকি। পরীক্ষা দেওয়া। এবং সেই পরীক্ষায় যা জানো তা নির্ভয়ে লেখা।

Henry Kissinger বলেছিলেন "The task of a leader is to get his people from where they are to where they have not been." এই বইয়ের কাজও তাই। তোমাকে যেখান থেকে তুলে নিয়ে যেখানে পৌঁছে দেওয়া।

তুমি এখন সেখানে পৌঁছে গেছ।

পরীক্ষায় ভালো করো। বাংলাদেশের আদালতে একজন ভালো আইনজীবী হও। মানুষের ন্যায়বিচার নিশ্চিত করো।





শুভকামনা।

**পার্ট ১০: চূড়ান্ত মাস্টারক্লাস, Contract Act, Limitation Act, Transfer of Property, ADR, সংবিধান, Cyber Law, নারী ও শিশু আইন এবং ২০২৬ ডিসেম্বর Grand Final Exam**

**লেখকের কথা: পার্ট ১০-এ স্বাগতম**

প্রিয় পরীক্ষার্থী,

তুমি পার্ট ১ থেকে পার্ট ৯ পার করে এসেছ। এই দীর্ঘ পথ পাড়ি দেওয়ার পরে এখন তুমি যেখানে আছ, সেখানে বেশিরভাগ প্রতিযোগী পৌঁছাতে পারে না। তারা দুই-তিনটা বই পড়ে হাল ছেড়ে দেয়। তুমি দেননি।

Henry Kissinger তাঁর বিখ্যাত বই "A World Restored"-এ লিখেছিলেন যে কূটনীতিতে সাফল্যের রহস্য হলো ধৈর্য। একই কথা বার কাউন্সিল পরীক্ষার জন্যও সত্য। তুমি ধৈর্য ধরে এগিয়ে এসেছ।

পার্ট ১০-এ আমরা কী কভার করব? এই পার্টে থাকছে Contract Act 1872-এর বিস্তারিত বিশ্লেষণ যা আগের পার্টে অল্প ছুঁয়ে গেছে। Limitation Act 1908 যা পরীক্ষায় বারবার আসে কিন্তু অনেকেই ঠিকমতো পড়ে না। Transfer of Property Act 1882 যা সম্পত্তি আইনের মূল ভিত্তি। Arbitration Act 2001 এবং ADR যা ২০২৪-২০২৫ সালে পরীক্ষায় নতুনভাবে গুরুত্বপূর্ণ হয়ে উঠেছে। বাংলাদেশের সংবিধান এবং Writ Jurisdiction যা Professional Ethics-এর সাথে যুক্ত। Cyber Security Act 2023 এবং Digital Evidence যা ২০২৬ সালের পরীক্ষায় আসার সম্ভাবনা অত্যন্ত বেশি। নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইন ২০০০। Money Laundering Prevention Act। Anti-Corruption Commission Act। এবং সর্বশেষ একটি সম্পূর্ণ Grand Revision এবং ২০২৬ সালের জন্য ১০০ প্রশ্নের Final Mock Exam।

২০২৫ সালের ২৫ এপ্রিলের MCQ পরীক্ষায় ৪০,৬২৭ জন পরীক্ষার্থী বসেছিল। তাদের মধ্যে ১৩,২৫৮ জন উত্তীর্ণ হয়েছে। অর্থাৎ পাসের হার মাত্র ৩২.৬ শতাংশ। মানে প্রতি ১০০ জনের মধ্যে ৬৮ জনই ফেল করেছে।

তুমি সেই ৩২ শতাংশের মধ্যে থাকবে। কারণ তুমি এই বইটা পড়েছ।

চলো শুরু করি।

**অধ্যায় ১: The Contract Act, 1872 (চুক্তি আইন)**

**বড় ছবিটা আগে বোঝো**





Contract Act হলো বাংলাদেশের ব্যবসায়িক এবং সামাজিক জীবনের ভিত্তি। প্রতিদিন তুমি অসংখ্য চুক্তি করছ, শুধু কাগজে সই না করেও। রিকশায় উঠলে একটা চুক্তি হলো। দোকান থেকে চা কিনলে একটা চুক্তি হলো। বাসায় বাড়িওয়ালাকে ভাড়া দিলে একটা চুক্তি হলো।

আন্তর্জাতিক সম্পর্কের উদাহরণ দিয়ে বুঝি। ২০২৪ সালে বাংলাদেশ এবং ভারতের মধ্যে Teesta River Water Sharing চুক্তি নিয়ে আলোচনা চলছিল। সেটাও একটা Contract। ২০২৩ সালে বাংলাদেশ-চীন বিভিন্ন অবকাঠামো প্রকল্পে চুক্তি স্বাক্ষর করেছিল। সেটাও Contract।

পার্থক্য হলো আন্তর্জাতিক চুক্তি Vienna Convention on the Law of Treaties 1969 দিয়ে নিয়ন্ত্রিত হয়। আর বাংলাদেশের ভেতরে দুই ব্যক্তির চুক্তি Contract Act 1872 দিয়ে নিয়ন্ত্রিত হয়।

মজার বিষয় হলো Contract Act 1872 সালে পাস হয়েছে কিন্তু এখনো কার্যকর। এটা ব্রিটিশ আমলের আইন যা ১৫০ বছরেরও বেশি সময় ধরে চলছে। কেন? কারণ মানুষের মধ্যে লেনদেনের মূল নীতিগুলো পরিবর্তন হয় না।

জোক: Vladimir Putin যখন ২০২২ সালে ইউক্রেনে আক্রমণ করলেন তখন তিনি Minsk Agreement লঙ্ঘন করলেন। সেটা Contract Breach-এর আন্তর্জাতিক সংস্করণ। কিন্তু আন্তর্জাতিক আইনে Specific Performance দিয়ে যুদ্ধ বন্ধ করানো যায় না। বাংলাদেশের Contract Act-এ অবশ্য Breach হলে কোর্টে যাওয়া যায়।

## Contract Act-এর সংজ্ঞা এবং মূল উপাদান

Section 2(h) অনুযায়ী Contract হলো এমন একটি Agreement যা আইন দ্বারা প্রয়োগযোগ্য।

সূত্রটা মনে রাখো: Agreement + Enforceability = Contract।

তাহলে Agreement কী? Section 2(e) বলে, যখন একজনের Proposal বা Offer অপরজন Accept করে তখন সেটা Agreement হয়।

মনে রাখার সহজ উপায়: Offer + Acceptance = Agreement এবং Agreement + Law = Contract।

এখন সবচেয়ে বিখ্যাত মনে রাখার ফর্মুলা:

"FOCLICAL" টেকনিক।

F = Free Consent (স্বাধীন সম্মতি) O = Offer and Acceptance (প্রস্তাব ও গ্রহণ) C = Consideration (প্রতিদান) L = Lawful Object (বৈধ উদ্দেশ্য) I = Intention to Create Legal Relation (আইনি সম্পর্ক তৈরির ইচ্ছা) C = Capacity of Parties (পক্ষের যোগ্যতা) A = Absence of Void Elements (বাতিলযোগ্য উপাদান না থাকা) L = Lawful Consideration (বৈধ প্রতিদান)



পরীক্ষায় প্রশ্ন আসে "একটি বৈধ চুক্তির উপাদান কী কী?" তখন FOCLICAL মনে রাখলেই হবে।

## Section 10 - Valid Contract-এর শর্ত

Section 10 হলো Contract Act-এর হৃদয়। এটা বলে কোন চুক্তিগুলো বৈধ।

"All agreements are contracts if they are made by the free consent of parties competent to contract, for a lawful consideration and with a lawful object, and are not hereby expressly declared to be void."

মনে রাখার ছড়া: "স্বাধীন সম্মতি, যোগ্য পক্ষ, বৈধ দান, বৈধ কাজ - এই চারটি মিললে চুক্তি বৈধ আজ।"

## Section 11 - Who is Competent to Contract? (চুক্তিতে যোগ্যতা)

এটা পরীক্ষায় প্রায়ই আসে। ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এই বিষয়ে প্রশ্ন এসেছে।

Section 11 বলে নিম্নলিখিত ব্যক্তিরা চুক্তিতে যোগ্য: প্রথমত, যে সাবালক (Major)। বাংলাদেশে সাবালকত্বের বয়স ১৮ বছর। দ্বিতীয়ত, যে সুস্থ মস্তিষ্কের (Sound Mind)। তৃতীয়ত, যাকে কোনো আইন চুক্তিতে অযোগ্য ঘোষণা করেনি।

মনে রাখার টেকনিক: "১৮ বছর, সুস্থ মাথা, আইনে বাধা নেই, চুক্তিতে পথ আছে।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "১৭ বছরের একজন ছাত্র একটি বাড়ি কেনার চুক্তি করল। এই চুক্তি কি বৈধ?" উত্তর: না। কারণ সে অপ্রাপ্তবয়স্ক। অপ্রাপ্তবয়স্কের চুক্তি Void Ab Initio অর্থাৎ শুরু থেকেই বাতিল। Section 11 এবং Mohori Bibee v Dharmodas Ghose (1903) কেস অনুযায়ী।

জোক: ডোনাল্ড ট্রাম্প যদি ৮ বছর বয়সে সাদা হাউস কেনার চুক্তি করতেন, সেটা Void Ab Initio হতো। কারণ ৮ বছরে সাবালকত্ব আসে না। Minor-এর চুক্তি সবসময় Void, কখনো Voidable নয়।

## Free Consent (স্বাধীন সম্মতি) - Section 13 থেকে 22

এই বিষয়টা পরীক্ষায় অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। কোন কোন কারণে সম্মতি স্বাধীন থাকে না সেটা Section 14 বলে।

Section 14 অনুযায়ী সম্মতি স্বাধীন নয় যখন সেটা নিম্নলিখিত কারণে হয়: প্রথম কারণ: Coercion বা জোরজবরদস্তি (Section 15) দ্বিতীয় কারণ: Undue Influence বা অন্যায প্রভাব (Section 16) তৃতীয় কারণ: Fraud বা প্রতারণা (Section 17) চতুর্থ কারণ: Misrepresentation বা মিথ্যা বিবৃতি (Section 18) পঞ্চম কারণ: Mistake বা ভুল (Section 20, 21, 22)

মনে রাখার ছড়া: "জোর, প্রভাব, ধোঁকা, মিথ্যা, ভুল - এই পাঁচে সম্মতি হয় কুল।"



অথবা মনে রাখো CUMFM টেকনিক: C = Coercion U = Undue Influence M = Mistake F = Fraud M = Misrepresentation

বিস্তারিত বিশ্লেষণ:

Coercion (Section 15): কোনো ব্যক্তিকে হুমকি দিয়ে বা সম্পত্তি আটকে রেখে চুক্তি করানো। উদাহরণ: "এই চুক্তিতে সই না করলে তোমার ব্যবসা বন্ধ করে দেব।" এই হুমকির মুখে করা চুক্তি Voidable।

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: ২০২২ সালে রাশিয়া গ্যাস সরবরাহ বন্ধ করার হুমকি দিয়ে ইউরোপের দেশগুলোকে চাপে ফেলেছিল। এটা আন্তর্জাতিক Coercion-এর মতো। Contract Act-এর Section 15 অনুযায়ী এই পরিস্থিতিতে করা চুক্তি Voidable হতো।

Undue Influence (Section 16): যখন একজন অপরজনের উপরে বেশি প্রভাব বিস্তার করে। যেমন ডাক্তার-রোগী, গুরু-শিষ্য, আইনজীবী-মক্কেল সম্পর্কে।

জোক: আইনজীবী তার মক্কেলকে বললেন "আমাকে ৫০ লাখ টাকা দাও, তোমার মামলা জেতাঁব।" এবং মক্কেল ভয়ে দিয়ে দিলেন। এটা Undue Influence-এর উদাহরণ। Section 16 এর আওতায় চুক্তিটি Voidable।

Fraud (Section 17): মিথ্যা তথ্য জেনেশুনে দিয়ে চুক্তি করানো।

মনে রাখো: Fraud = Janus (দুই মুখ - সত্য বলছে কিন্তু মিথ্যা জানছে)।

Misrepresentation (Section 18): মিথ্যা বিবৃতি কিন্তু সেটা না জেনে করা। অর্থাৎ ব্যক্তি নিজে সত্যি মনে করে মিথ্যা বলছে।

Fraud vs Misrepresentation পার্থক্য: Fraud-এ ব্যক্তি জেনেশুনে মিথ্যা বলে। Misrepresentation-এ ব্যক্তি না জেনে মিথ্যা বলে। উভয় ক্ষেত্রেই চুক্তি Voidable।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Fraud এবং Misrepresentation-এর মধ্যে পার্থক্য কী?" এটা পরীক্ষায় লিখিত প্রশ্ন হিসেবেও এসেছে।

## Consideration (প্রতিদান) - Section 2(d) এবং 25

Consideration মানে হলো চুক্তির বিনিময়ে কিছু দেওয়া বা নেওয়া।

Section 2(d): "When, at the desire of the promisor, the promisee or any other person has done or abstained from doing, or does or abstains from doing, or promises to do or to abstain from doing, something, such act or abstinence or promise is called a consideration for the promise."

সহজ বাংলা: চুক্তিতে প্রতিটি পক্ষকে কিছু দিতে হবে বা কিছু করতে হবে বা কিছু করা থেকে বিরত থাকতে হবে।



মনে রাখার ছড়া: "টাকা, কাজ, বিরতি তিনটিই Consideration-এর ভেতরি।"

Section 25 বলে Consideration ছাড়া চুক্তি বাতিল। তবে তিনটি ব্যতিক্রম আছে।

ব্যতিক্রম ১: স্বাভাবিক ভালোবাসা ও স্নেহ (Natural love and affection) - Section 25(1)। ব্যতিক্রম ২: অতীত স্বেচ্ছামূলক সেবা (Voluntary service) - Section 25(2)। ব্যতিক্রম ৩: সময়সীমা শেষ হওয়া ঋণ (Time-barred debt) - Section 25(3)।

মনে রাখার টেকনিক: "ভালোবাসা, সেবা, পুরনো ঋণ - এই তিনে Consideration নেই, চুক্তি তবু বৈধ।"

### **Void Agreement vs Voidable Contract (বাতিল চুক্তি বনাম বাতিলযোগ্য চুক্তি)**

এই পার্থক্যটা পরীক্ষায় প্রায় প্রতি বছরই আসে। ২০১৭, ২০১৮, ২০১৯, ২০২১, ২০২৩ সালে এসেছে।

Void Agreement হলো শুরু থেকেই মৃত, যেন মৃত ব্যক্তির সাথে হাত মেলানো।

Voidable Contract হলো অসুস্থ কিন্তু বেঁচে আছে, যদি চাও তো বাঁচাতে পার।

Void Agreement-এর কারণগুলো: Section 24 - বেআইনি Consideration বা Object, Section 26 - বিয়েকে বাধাগ্রস্ত করার চুক্তি, Section 27 - Trade Restraint-এর চুক্তি, Section 28 - Legal Proceedings-কে বাধাগ্রস্ত করার চুক্তি, Section 29 - অনিশ্চিত চুক্তি, Section 30 - Wagering (বাজি) চুক্তি।

মনে রাখার টেকনিক BWURLW: B = Bets/Wagering (বাজি) - Section 30 W = Wrongful restraint of trade - Section 27 U = Uncertain agreements - Section 29 R = Restrain of legal proceedings - Section 28 L = Lawful object না থাকলে - Section 24 W = Wedding (বিয়েকে বাধাগ্রস্ত করা) - Section 26

জোক: ২০২৪ সালে ক্রিকেট বাজিকরদের বিষয়ে আইন প্রয়োগের সময় অনেকে আদালতে গিয়ে বলেছিল "আমাদের চুক্তি বৈধ!" কিন্তু Contract Act Section 30 বলে Wagering Agreement সব সময় Void। ক্রিকেট World Cup-এ বাজি ধরার চুক্তি আদালতে গ্রাহ্য হবে না।

### **Section 73 - Compensation for Breach of Contract**

এটা পরীক্ষায় খুবই গুরুত্বপূর্ণ। ২০১৭, ২০১৯, ২০২১ সালে এসেছে।

Section 73 বলে: যখন চুক্তি ভঙ্গ হয় তখন যে ক্ষতি হয়েছে তার স্বাভাবিক ক্ষতিপূরণ পাওয়া যাবে। কিন্তু দূরবর্তী এবং অপ্রত্যাশিত ক্ষতির ক্ষতিপূরণ পাওয়া যাবে না।

Hadley v Baxendale (1854) Case: এই বিখ্যাত মামলাটি Section 73-কে ব্যাখ্যা করে। ক্ষতিপূরণের দুটি নিয়ম এখান থেকে এসেছে।



নিয়ম ১: সাধারণ ক্ষতিপূরণ যা স্বাভাবিকভাবে চুক্তি ভঙ্গ থেকে উদ্ভূত হয়। নিয়ম ২: বিশেষ ক্ষতিপূরণ যা উভয় পক্ষ চুক্তির সময় জানত।

মনে রাখার টেকনিক: "স্বাভাবিক ক্ষতি পাও, অস্বাভাবিক ক্ষতি ছাড়া।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Section 73 অনুযায়ী Breach of Contract-এ কী ধরনের ক্ষতিপূরণ পাওয়া যায়?"

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: ২০২৪ সালে Boeing-এর বিমান দুর্ঘটনার পরে ক্ষতিপূরণের প্রশ্ন উঠেছিল। এটাও Contract Law-এর Breach of Warranty-এর সাথে সম্পর্কিত। বাংলাদেশের বিমান সংস্থা যদি Boeing-এর সাথে চুক্তি ভঙ্গ করে তাহলে Section 73-এর মতো নীতি প্রযোজ্য হবে।

## Section 74 - Liquidated Damages এবং Penalty

Section 74 বলে: যদি চুক্তিতে আগে থেকে ক্ষতিপূরণের পরিমাণ নির্ধারিত থাকে, তাহলে আদালত ক্ষতিগ্রস্ত পক্ষকে যুক্তিসঙ্গত পরিমাণ ক্ষতিপূরণ দেওয়ার নির্দেশ দেবে, আগে নির্ধারিত পরিমাণের বেশি নয়।

সহজ বাংলা: চুক্তিতে "যদি ভাঙ তাহলে এত টাকা দিতে হবে" এটা লেখা থাকলে, আদালত সেই টাকার বেশি দিতে বলবে না।

মনে রাখার টেকনিক: "৭৩ = আনুমানিক হিসাব, ৭৪ = আগে ঠিক করা হিসাব।"

## অধ্যায় ২: The Limitation Act, 1908 (তামাদি আইন)

### সবচেয়ে বেশি ভুলে যাওয়া আইন

Limitation Act হলো পরীক্ষায় সেই আইন যার ব্যাপারে বেশিরভাগ পরীক্ষার্থী একটু অবহেলা করে। কিন্তু প্রতি বছরই এখান থেকে প্রশ্ন আসে।

এই আইনের মূল কথা সহজ: সময়মতো মামলা করো, নাহলে মামলা করার সুযোগ হারাবে।

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: UN General Assembly-তে যখন কোনো বিষয় উঠানো হয় তখন কিছু সময়সীমা থাকে। বাংলাদেশ-মিয়ানমার সমুদ্রসীমা বিরোধে ITLOS-এ মামলা করতে নির্দিষ্ট সময়ের মধ্যে যেতে হয়েছিল। বাংলাদেশ সময়মতো গিয়েছিল বলে ২০১২ সালে জিতেছিল।

জোক: স্বাধীনতার পরে যদি কেউ বলে "১৯৭১ সালে তুমি আমার জমি নিয়েছিলে" এবং ৫০ বছর পরে মামলা করতে যায়, Limitation Act তাকে বলবে "অনেক দেরি হয়ে গেছে ভাই।" সময় পেরিয়ে গেলে অধিকারও পেরিয়ে যায়।



## Limitation Act-এর মূল নীতি

ধারা ৩ (Section 3) বলে: Limitation সময় পার হলে মামলা খারিজ করতে হবে।

ধারা ৫ (Section 5) বলে: যদি যথেষ্ট কারণ থাকে তাহলে আদালত বিলম্ব মাফ করতে পারে। এটাকে বলে "Condonation of Delay"।

মনে রাখার টেকনিক: "৩ = সময় নেই, খারিজ। ৫ = কারণ আছে, মাফ।"

## সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ সময়সীমাগুলো

বিগত পরীক্ষায় যে সময়সীমাগুলো বারবার এসেছে তা নিচে দেওয়া হলো।

দেওয়ানি মামলার সময়সীমা (Article অনুযায়ী): সম্পত্তি পুনরুদ্ধারের মামলা: ১২ বছর (Article 142 বা 144)। চুক্তি ভঙ্গের মামলা: ৩ বছর। ক্ষতিপূরণের মামলা: ৩ বছর। ডিক্রি জারির মামলা: ১২ বছর (Article 136)।

মনে রাখার টেকনিক: "সম্পত্তি এবং ডিক্রি = ১২ বছর। বাকি সব সাধারণত = ৩ বছর।"

অ্যাপিলের সময়সীমা: জেলা আদালতে আপিল: ৩০ দিন। High Court-এ আপিল: ৯০ দিন। Appellate Division-এ আপিল: ৯০ দিন।

মনে রাখার ছড়া: "জেলায় ৩০, High-এ ৯০, Appellate-এ ৯০, এই তিনটি মনে রেখো।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৭ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Limitation Act Section 5-এ কোন আদালতে আবেদন করা যায় এবং কোন ধরনের আবেদনের জন্য?" উত্তর: Section 5 সব ধরনের মামলা এবং আপিলের জন্য প্রযোজ্য, তবে Original Suit-এ প্রযোজ্য নয় (Article 5-এর Proviso দেখো)।

২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল "সরকারের বিরুদ্ধে মামলায় Limitation সময়সীমা কতটুকু বেশি পাওয়া যায়?" উত্তর: Section 18 অনুযায়ী সরকারি বিষয়ে কিছু ক্ষেত্রে বাড়তি সময় পাওয়া যায়।

## Section 14 - Exclusion of Time (সময় বাদ দেওয়া)

Section 14 বলে: যদি বাদী ভুল আদালতে মামলা করে সেই সময়কাল Limitation-এ বাদ দেওয়া যাবে।

শর্ত: আদালতে মামলা করার প্রথম থেকেই সৎভাবে এবং সতর্কতার সাথে মামলা চালিয়েছে।

মনে রাখা: "ভুল কোর্টে গেছ, সময় নষ্ট হয়নি যদি সৎভাবে গিয়েছ।"



জোক: ২০২৫ সালে বাংলাদেশ এবং ভারতের মধ্যে ICJ-তে মামলা গেলে যদি কোনো পক্ষ ভুল Jurisdiction-এ আগে গিয়েছিল, সেই সময় কিছু ক্ষেত্রে বাদ দেওয়া হয়। ঠিক Limitation Act Section 14-এর মতো। আন্তর্জাতিক আইনেও একই নীতি।

## Section 18 - Acknowledgment of Liability (দায় স্বীকার)

Section 18 বলে: যদি কেউ লিখিতভাবে তার দায় স্বীকার করে তাহলে Limitation-এর সময় নতুনভাবে শুরু হয়।

মনে রাখার টেকনিক: "স্বীকার করলে সময় রিসেট।"

উদাহরণ: করিম রহিমের কাছ থেকে ২০১৫ সালে ১০ লাখ টাকা ধার নিয়েছে। ৩ বছরের Limitation শেষ হবে ২০১৮ সালে। কিন্তু ২০১৭ সালে করিম লিখিতভাবে বলল "আমি টাকা ফেরত দেব।" তখন ২০১৭ সাল থেকে নতুন ৩ বছর Limitation শুরু হবে।

## অধ্যায় ৩: The Transfer of Property Act, 1882 (সম্পত্তি হস্তান্তর আইন)

### সম্পত্তির রাজনীতি বোঝো

Transfer of Property Act বা সংক্ষেপে TP Act হলো সম্পত্তি কেনাবেচা, বন্ধক, লিজ, উপহার সবকিছুর মূল আইন।

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: ২০২৩ সালে চীন বিভিন্ন দেশে বন্দর কিনছিল, ক্রয় করছিল, লিজ নিচ্ছিল। এগুলো সব Transfer of Property-র আন্তর্জাতিক সংস্করণ। বাংলাদেশের মোংলা বন্দরে চীনা বিনিয়োগও এই ধারণার সাথে সম্পর্কিত।

জোক: যখন আমেরিকা ১৮০৩ সালে France থেকে Louisiana কিনেছিল (Louisiana Purchase), সেটা ছিল ইতিহাসের সবচেয়ে বড় Property Transfer। Napoleon বলেছিলেন "আমাকে টাকা দাও, আমি জমি দেব।" সেই নীতি আজও Transfer of Property Act-এ বিদ্যমান।

## Section 5 - Transfer of Property কী?

Section 5 বলে: Transfer of Property মানে হলো একজন জীবিত ব্যক্তি কর্তৃক অন্য একজন জীবিত ব্যক্তিকে সম্পত্তি হস্তান্তর করা।

মূল বৈশিষ্ট্য: উভয় পক্ষই জীবিত থাকতে হবে (Inter Vivos Transfer)।

মনে রাখার টেকনিক: "জীবিত থেকে জীবিতে, TP Act-এর মাধ্যমে।"





## সম্পত্তি হস্তান্তরের প্রকারভেদ

TP Act-এ বিভিন্ন ধরনের হস্তান্তর আছে।

Sale (বিক্রয়) Section 54: মূল্য নিয়ে মালিকানা হস্তান্তর। Mortgage (বন্ধক) Section 58: টাকার বিনিময়ে সম্পত্তি জামানত রাখা। Lease (লিজ) Section 105: নির্দিষ্ট সময়ের জন্য সম্পত্তি ব্যবহারের অধিকার দেওয়া। Gift (উপহার) Section 122: বিনামূল্যে স্বেচ্ছায় সম্পত্তি দেওয়া। Exchange (বিনিময়) Section 118: এক সম্পত্তির বদলে অন্য সম্পত্তি।

মনে রাখার টেকনিক SMLEG: S = Sale (বিক্রয়) M = Mortgage (বন্ধক) L = Lease (লিজ) E = Exchange (বিনিময়) G = Gift (উপহার)

### Section 54 - Sale of Immoveable Property (স্বাবর সম্পত্তির বিক্রয়)

Section 54 বলে: ১০০ টাকার বেশি মূল্যের স্বাবর সম্পত্তির বিক্রয় Registered Instrument (নিবন্ধিত দলিল)-এর মাধ্যমে হতে হবে।

মনে রাখার টেকনিক: "১০০ টাকার বেশি সম্পত্তি, নিবন্ধন ছাড়া বৈধ নয়।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল "কখন স্বাবর সম্পত্তির Registered Deed প্রয়োজন?" উত্তর: ১০০ টাকার বেশি মূল্যের স্বাবর সম্পত্তি হস্তান্তরে।

### Section 58 - Mortgage (বন্ধক)

Section 58 বলে: Mortgage হলো যখন কোনো ব্যক্তি ঋণ পরিশোধ বা দায়িত্ব পালনের জন্য সম্পত্তি জামানত রাখে।

Mortgage-এর প্রকারভেদ: Simple Mortgage (সাধারণ বন্ধক): সম্পত্তি দখল না দিয়ে ঋণ পরিশোধ না হলে সম্পত্তি বিক্রির অনুমতি। Usufructuary Mortgage: সম্পত্তি দখল দেওয়া এবং আয় ঋণে সমন্বয়। English Mortgage: নির্দিষ্ট তারিখে ঋণ পরিশোধ না হলে সম্পত্তি মর্টগেজিকে দিয়ে দিতে হবে। Equitable Mortgage: Title Deed জমা দিয়ে বন্ধক।

মনে রাখার টেকনিক SUEE: S = Simple Mortgage U = Usufructuary Mortgage E = English Mortgage E = Equitable Mortgage

জোক: ২০২৩ সালে গ্রীলিংকা IMF-এর কাছে ঋণের জন্য দেশের নীতি জামানত রেখেছিল। এটা Usufructuary Mortgage-এর মতো। আয় সমন্বয় করা। বাংলাদেশও IMF থেকে ঋণ নিয়েছে এবং অর্থনৈতিক সংস্কারের প্রতিশ্রুতি দিয়েছে। TP Act Section 58 এর মতোই কাজ।

### Section 105 - Lease (ইজারা)





Section 105 বলে: Lease হলো একজন ব্যক্তি কর্তৃক অন্য একজনকে নির্দিষ্ট সময়ের জন্য বা চিরতরে সম্পত্তি ব্যবহারের অধিকার দেওয়া।

Lessor = যে দেয়, Lessee = যে নেয়।

মনে রাখার টেকনিক: "Lessor = বড়, Lessee = ছোট। বড় ছোটকে দেয়।"

Lease কতদিনের জন্য রেজিস্ট্রেশন দরকার? এক বছরের বেশি Lease-এ রেজিস্ট্রেশন প্রয়োজন।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Section 105 অনুযায়ী Lease এবং License-এর পার্থক্য কী?"

উত্তর: Lease-এ Lessee-র Exclusive Possession থাকে, License-এ থাকে না।

## Section 122 - Gift (উপহার)

Section 122 বলে: Gift হলো স্বেচ্ছায় এবং বিনামূল্যে বিদ্যমান সম্পত্তির হস্তান্তর।

Gift-এর শর্ত: ১. স্বেচ্ছায় দিতে হবে। ২. Acceptance (গ্রহণ) থাকতে হবে। ৩. বর্তমান সম্পত্তি দিতে হবে (ভবিষ্যত সম্পত্তি Gift দেওয়া যায় না)।

Section 123: Gift-এর Registered Deed প্রয়োজন স্থাবর সম্পত্তির ক্ষেত্রে।

Section 126: কখন Gift বাতিল করা যায়? শর্ত লঙ্ঘন হলে বা মিথ্যা প্রতারণায় Gift নেওয়া হলে।

মনে রাখার ছড়া: "উপহার দাও স্বেচ্ছায়, নিবন্ধন করো ন্যায়, বর্তমান সম্পদ দাও, ভবিষ্যত বাতিল হবে আজ।"

## অধ্যায় ৪: The Arbitration Act, 2001 এবং ADR (বিকল্প বিরোধ নিষ্পত্তি)

### কেন ADR এখন এত গুরুত্বপূর্ণ?

২০২৪-২০২৫ সালে বাংলাদেশের আদালতে মামলার জট বেড়েছে। ৪০ লাখের বেশি মামলা বিচারাধীন। তাই সরকার বিকল্প বিরোধ নিষ্পত্তির পথে জোর দিচ্ছে।

আন্তর্জাতিক প্রেক্ষাপট: WTO-র Dispute Settlement Body হলো বাণিজ্য বিরোধের Arbitration-এর মতো। ICC International Court of Arbitration হলো আন্তর্জাতিক ব্যবসায়িক বিরোধের প্রধান কেন্দ্র।

জোক: ২০২৩ সালে সৌদি আরব এবং ইরানের মধ্যে China-র মধ্যস্থতায় সম্পর্ক স্বাভাবিক হলো। এটাও এক ধরনের Mediation। Contract Act-এর ভাষায় বলতে গেলে China হলো Mediator। ADR-এর আন্তর্জাতিক সংস্করণ।



## ADR-এর ধরন

ADR বা Alternative Dispute Resolution-এর তিনটি প্রধান ধরন আছে।

Arbitration: একজন বা তিনজন নিরপেক্ষ ব্যক্তি (Arbitrator) উভয় পক্ষের কথা শুনে সিদ্ধান্ত দেন। এই সিদ্ধান্ত (Award) বাধ্যতামূলক।

Mediation: একজন মধ্যস্থতাকারী উভয় পক্ষকে নিজেরা সমাধান করতে সাহায্য করেন। সিদ্ধান্ত বাধ্যতামূলক নয়।

Conciliation: Mediation-এর মতো কিন্তু Conciliator সক্রিয়ভাবে সমাধানের প্রস্তাব দেন।

মনে রাখার টেকনিক: Arbitration = জজের মতো সিদ্ধান্ত দেয় (বাধ্যতামূলক) Mediation = শিক্ষকের মতো পথ দেখায় (বাধ্যতামূলক নয়) Conciliation = কাউন্সেলরের মতো পরামর্শ দেয় (বাধ্যতামূলক নয়)

## Arbitration Act 2001-এর মূল বিষয়

Section 7 - Arbitration Agreement: লিখিতভাবে Arbitration-এ যাওয়ার চুক্তি।

Section 11 - Appointment of Arbitrators: Arbitrator-এর সংখ্যা বেজোড় হতে হবে। সাধারণত ১ জন বা ৩ জন।

মনে রাখার টেকনিক: "Arbitrator বেজোড়, টাই নেই তাই।" (কারণ সিদ্ধান্তে টাই হওয়া উচিত নয়।)

Section 34 - Setting Aside of Award: কোন কোন ক্ষেত্রে Award বাতিল করা যায়।

Award বাতিলের কারণগুলো: পক্ষের অক্ষমতা (Incapacity of party)। Arbitration Agreement অবৈধ। সঠিক Notice দেওয়া হয়নি। Public Policy-র বিরুদ্ধে।

মনে রাখার টেকনিক INPP: I = Incapacity N = Notice not given P = Public Policy violation P = Party agreement invalid

Section 36 - Enforcement of Award: Court Decree-র মতো Award প্রয়োগ করা যাবে।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Arbitration-এ Arbitrator-এর সংখ্যা কত হতে হবে?" উত্তর: বেজোড় সংখ্যা, সাধারণত ১ বা ৩।

২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Arbitration Award কীভাবে প্রয়োগ করা হয়?" উত্তর: Section 36 অনুযায়ী Court Decree হিসেবে।



## ADR এবং CPC-এর সম্পর্ক

CPC-র Order 32A এবং Section 89A (বাংলাদেশে সংযোজিত) Court-connected Mediation-এর বিধান দেয়।

এর মানে হলো মামলা চলতে চলতেও আদালত পক্ষগুলোকে Mediation-এ পাঠাতে পারে।

জোক: ২০২৪ সালে ট্রাম্প নির্বাচনে জেতার পরে বললেন "আমি Russia-Ukraine যুদ্ধ ২৪ ঘণ্টায় শেষ করব।" এটা Mediation-এর দাবি। CPC Order 32A-ও বলে আদালত যদি মনে করে মামলা Mediation-এ সমাধান হতে পারে, তাহলে পাঠাতে পারবে। ট্রাম্পের মতো "দ্রুত সমাধান" সবসময় কাজ করে না।

## অধ্যায় ৫: বাংলাদেশের সংবিধান এবং Writ Jurisdiction

### পেশাগত নৈতিকতার সাথে সংবিধানের সম্পর্ক

Professional Ethics অংশে বার কাউন্সিল পরীক্ষায় সংবিধানের বিষয়গুলো আসে। বিশেষত High Court Division-এর Writ Jurisdiction সম্পর্কে।

আন্তর্জাতিক প্রেক্ষাপট: আমেরিকার Supreme Court-এর "Judicial Review" ক্ষমতার মতো বাংলাদেশের High Court Division-এর Writ Jurisdiction। তবে পার্থক্য হলো বাংলাদেশের সংবিধানে Article 102-এ সরাসরি Writ-এর বিধান আছে।

২০২৪-২০২৫ সালে বাংলাদেশে রাজনৈতিক পরিবর্তনের পরে অনেক Habeas Corpus Petition দাখিল হয়েছে। এটা সংবিধানের Article 102-এর সরাসরি প্রয়োগ।

### Article 102 - High Court Division-এর Writ Jurisdiction

Article 102 অনুযায়ী High Court Division নিম্নলিখিত আদেশ দিতে পারে:

Mandamus: সরকারি কর্তৃপক্ষকে তার আইনি দায়িত্ব পালন করতে বাধ্য করা।

Certiorari: নিম্ন আদালত বা Tribunal-এর বেআইনি আদেশ বাতিল করা।

Prohibition: নিম্ন আদালত বা Tribunal-কে তার এখতিয়ারের বাইরে যাওয়া থেকে বিরত রাখা।

Habeas Corpus: অবৈধভাবে আটককৃত ব্যক্তিকে আদালতে হাজির করা এবং মুক্ত করা।

Quo Warranto: কেউ কোন পদে বসার যোগ্যতা আছে কিনা তা পরীক্ষা করা।



মনে রাখার টেকনিক MCPHQ: M = Mandamus (করতে বাধ্য করো) C = Certiorari (ওপরে আনো বাতিল করো) P = Prohibition (নিচে থামো) H = Habeas Corpus (বন্দী মুক্ত করো) Q = Quo Warranto (কে বসলে এই আসনে?)

এটা মনে রাখার আরেকটা উপায়: "মান্দে করবা, সার্টি বাতিলে, প্রো থামাবে, হেবি মুক্ত করবে, কো বসা মানবে না।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল "বাংলাদেশে কতটি Writ আছে?" উত্তর: পাঁচটি। ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Habeas Corpus কী এবং কখন দেওয়া হয়?"

## প্রতিটি Writ-এর বিস্তারিত

Habeas Corpus (ল্যাটিন: তোমার শরীর থাকুক): পুলিশ বা সরকার অবৈধভাবে কাউকে আটক রাখলে তাকে আদালতে হাজির করে মুক্তির আদেশ। এটা সবচেয়ে মৌলিক মানবাধিকারের রক্ষক।

জোক: ২০২৪-২০২৫ সালে বাংলাদেশে রাজনৈতিক পরিবর্তনের পরে অনেকে Habeas Corpus Petition করেছেন। ঠিক যেভাবে ২০২৩ সালে তুরস্কে ভূমিকম্পের পরে লোকজন ধ্বংসাবশেষের নিচে থাকা মানুষদের মুক্ত করতে চেয়েছিল, আইনের Habeas Corpus-ও একইভাবে মানুষকে অবৈধ কারাগার থেকে মুক্ত করে।

Mandamus (ল্যাটিন: আমরা আদেশ দিচ্ছি): সরকারি কর্মকর্তা তার দায়িত্ব পালন না করলে আদালত জোর করে করাতে পারে।

উদাহরণ: রাস্তা তৈরির চুক্তি করেও কাজ না করলে, পার্টি আদালতে গিয়ে Mandamus চাইতে পারে।

Certiorari (ল্যাটিন: নিশ্চিত হওয়া): নিম্ন আদালতের ভুল আদেশ উচ্চ আদালতে এনে বাতিল করা।

Prohibition: নিম্ন আদালত বা Tribunal যখন তার এখতিয়ারের বাইরে যাচ্ছে তখন থামানো।

Prohibition vs Certiorari পার্থক্য: Prohibition = আগে থামানো (Before Decision)। Certiorari = পরে বাতিল (After Decision)।

মনে রাখার টেকনিক: "Prohibition = প্রিভেন্টিভ, Certiorari = কিউরেটিভ।"

Quo Warranto (ল্যাটিন: কোন অধিকারে?): কেউ যদি অবৈধভাবে সরকারি পদে থাকে তাহলে আদালত তাকে সরিয়ে দিতে পারে।

জোক: ২০২৩ সালে পাকিস্তানে Imran Khan-এর সরকার থেকে অপসারণের প্রশ্নে Quo Warranto Petition করা হয়েছিল। বাংলাদেশেও ২০২৪-২০২৫ সালে বিভিন্ন পদে বসা ব্যক্তিদের যোগ্যতা নিয়ে Quo Warranto-র আলোচনা হয়েছে।



## অধ্যায় ৬: Cyber Security Act, 2023 এবং Digital Evidence

### নতুন যুগের আইন

২০২৩ সালে বাংলাদেশে Digital Security Act 2018 বাতিল করে Cyber Security Act 2023 পাস হয়েছে। এটা ২০২৬ সালের পরীক্ষায় আসার সম্ভাবনা অত্যন্ত বেশি।

আন্তর্জাতিক প্রেক্ষাপট: ২০২৪-২০২৫ সালে AI এবং Cybercrime নিয়ে সারা বিশ্বে আলোচনা হচ্ছে। OpenAI, Google, Microsoft সব কোম্পানি AI নিরাপত্তা নিয়ে কাজ করছে। বাংলাদেশের Cyber Security Act এই বৈশ্বিক প্রেক্ষাপটেই এসেছে।

জোক: ChatGPT যদি কাউকে হত্যার পরামর্শ দেয়, সেটা কি Cyber Crime? Cyber Security Act 2023 Section 17 অনুযায়ী Digital মাধ্যমে ক্ষতিকর কন্টেন্ট প্রকাশ করা অপরাধ। AI-ও এই আইনের আওতায় পড়ে।

### Cyber Security Act 2023-এর মূল ধারাগুলো

Section 17: মুক্তিযুদ্ধ, জাতির পিতা, জাতীয় সংগীত বা জাতীয় পতাকার বিরুদ্ধে প্রচারণা। সর্বোচ্চ শাস্তি ১০ বছর কারাদণ্ড এবং ১ কোটি টাকা জরিমানা।

Section 21: রাষ্ট্রের বিরুদ্ধে প্রচারণা বা আইনশৃঙ্খলা বাহিনীকে বিদ্রোহে প্ররোচিত করা। সর্বোচ্চ শাস্তি ১৪ বছর কারাদণ্ড বা ১ কোটি টাকা জরিমানা।

Section 24: Hacking বা অনুমতি ছাড়া Computer System-এ প্রবেশ। সর্বোচ্চ শাস্তি ৭ বছর কারাদণ্ড বা ২৫ লাখ টাকা জরিমানা।

Section 25: Digital মাধ্যমে মিথ্যা তথ্য প্রকাশ করে সমাজে বিশৃঙ্খলা তৈরি। সর্বোচ্চ শাস্তি ৫ বছর কারাদণ্ড বা ১০ লাখ টাকা জরিমানা।

Section 29: Digital মাধ্যমে মানহানি। সর্বোচ্চ শাস্তি ৩ বছর কারাদণ্ড বা ৫ লাখ টাকা জরিমানা।

মনে রাখার টেকনিক "মুক্তি-রাষ্ট্র-হ্যাক-মিথ্যা-মানহানি" এই পাঁচটি মনে রাখলেই মূল Section গুলো মনে থাকবে।

Digital Security Act 2018 vs Cyber Security Act 2023: DSA 2018-কে অনেক সমালোচক বলেছিলেন অতিরিক্ত কঠোর। CSA 2023-এ কিছু ধারা নরম করা হয়েছে। তবে মূল কাঠামো একই।

### Digital Evidence - Section 65A এবং 65B Evidence Act



Evidence Act 1872-এ Section 65A এবং 65B সংযোজন করা হয়েছে Digital Evidence গ্রহণযোগ্য করার জন্য।

Section 65A: Electronic Record কীভাবে প্রমাণ হিসেবে দেওয়া যাবে তার বিধান।

Section 65B: Electronic Record-এর Certificate (প্রত্যয়নপত্র) সম্পর্কিত বিধান।

মনে রাখার টেকনিক: "৬৫A = Digital Document দাখিল, ৬৫B = Certificate প্রয়োজন।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল "WhatsApp message কি আদালতে প্রমাণ হিসেবে ব্যবহার করা যায়?" উত্তর: হ্যাঁ, Section 65A এবং 65B-এর মাধ্যমে এবং প্রয়োজনীয় Certificate সহ।

জোক: ২০২৪ সালে আমেরিকার নির্বাচনে Social Media-তে অনেক মিথ্যা তথ্য ছড়িয়েছিল। এগুলো Digital Evidence হিসেবে আদালতে উপস্থাপন করা হয়েছিল। বাংলাদেশেও ২০২৪-২০২৫ সালে Facebook post, Twitter/X post আদালতে Digital Evidence হিসেবে ব্যবহার হয়েছে Section 65A অনুযায়ী।

---

## অধ্যায় ৭: নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইন, ২০০০ (সংশোধিত ২০২০)

### কেন এই আইন এত গুরুত্বপূর্ণ?

২০২৩-২০২৫ সালে বাংলাদেশে নারী ও শিশু নির্যাতনের মামলা অনেক বেড়েছে। বার কাউন্সিল পরীক্ষায় এই আইন থেকে নিয়মিত প্রশ্ন আসে।

আন্তর্জাতিক প্রেক্ষাপট: CEDAW (Convention on the Elimination of All Forms of Discrimination Against Women) বাংলাদেশ ১৯৮৪ সালে সই করেছে। নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইন CEDAW-এর বাস্তবায়নের একটি অংশ।

জোক: ২০২৫ সালে Nobel Peace Prize-এর একটি সম্ভাব্য প্রার্থী ছিলেন নারী অধিকারের জন্য লড়াইকারী একজন কর্মী। বাংলাদেশের আদালতে নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইন প্রয়োগ করা মানে এই আন্তর্জাতিক মানবাধিকারের স্থানীয় বাস্তবায়ন।

### আইনের মূল ধারাগুলো

এই আইনটিকে সংক্ষেপে "নারী ও শিশু আইন ২০০০" বলা হয়। ২০০৩, ২০১৩ এবং ২০২০ সালে সংশোধন হয়েছে।



Section 9: ধর্ষণ। সংজ্ঞা এবং শাস্তি। ধর্ষণের সংজ্ঞা: কোনো পুরুষ কর্তৃক তার স্ত্রী ব্যতীত যেকোনো নারীর সাথে তার সম্মতি ছাড়া বা ভয় দেখিয়ে বা প্রতারণা করে বা মানসিক বা শারীরিক অক্ষমতার কারণে সম্মতি নিয়ে শারীরিক সম্পর্ক স্থাপন।

শাস্তি: মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন কারাদণ্ড এবং অর্থদণ্ড। (২০২০ সংশোধনীতে মৃত্যুদণ্ডের বিধান যুক্ত হয়েছে।)

মনে রাখার টেকনিক: "Section 9 = ধর্ষণ = সর্বোচ্চ শাস্তি মৃত্যুদণ্ড।"

Section 10: যৌন নির্যাতন। শাস্তি: ১০ বছর পর্যন্ত কারাদণ্ড।

Section 11: এসিড নিষ্ক্ষেপ। শাস্তি: মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন।

Section 12: অপহরণ। শাস্তি: যাবজ্জীবন কারাদণ্ড বা মৃত্যুদণ্ড পরিস্থিতি অনুযায়ী।

Section 13: মুক্তিপণ। শাস্তি: মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন।

Section 14: শিশুর প্রতি নির্যাতন। শাস্তি: বিভিন্ন মেয়াদের কারাদণ্ড।

মনে রাখার ছড়া: "নয়ে ধর্ষণ, দশে যৌন, এগারোতে এসিড, বারোতে অপহরণ, তেরোতে মুক্তিপণ, চৌদ্দে শিশু।"

### বিশেষ বৈশিষ্ট্য: Nari O Shishu Nirjatan Daman Tribunal

এই আইনের অধীনে অপরাধের বিচার হয় বিশেষ Tribunal-এ, সাধারণ আদালতে নয়।

প্রতিটি জেলায় অন্তত একটি Nari O Shishu Nirjatan Daman Tribunal আছে।

মামলার সময়সীমা: Tribunal-কে ১৮০ দিনের মধ্যে মামলা নিষ্পত্তি করতে হবে।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইনে কোন আদালতে বিচার হয়?"

উত্তর: নারী ও শিশু নির্যাতন দমন ট্রাইব্যুনাল। ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল "এসিড নিষ্ক্ষেপের শাস্তি কী?"

## অধ্যায় ৮: Money Laundering Prevention Act, 2012

### কালো টাকার বিরুদ্ধে আইন

Money Laundering Prevention Act 2012 (MLPA) বাংলাদেশের অন্যতম গুরুত্বপূর্ণ আইন।





আন্তর্জাতিক প্রেক্ষাপট: FATF (Financial Action Task Force) হলো Money Laundering বিরোধী আন্তর্জাতিক সংস্থা। বাংলাদেশ FATF-এর Grey List-এ ছিল। MLPA 2012 সেই তালিকা থেকে বের হওয়ার চেষ্টার অংশ।

জোক: ২০২৩ সালে পানামা Papers-এর আপডেট বেরিয়েছিল যেখানে অনেক দেশের নেতাদের অবৈধ অর্থের বিষয় উঠে এসেছিল। MLPA 2012 অনুযায়ী এই ধরনের অর্থ Laundering করা গুরুতর অপরাধ। ট্রাম্প, পুটিন, বা যেকোনো নেতা বাংলাদেশে এই কাজ করলে Section 4-এ ধরা পড়তেন।

## MLPA 2012-এর মূল বিষয়

Section 2(v): Money Laundering-এর সংজ্ঞা। অবৈধভাবে অর্জিত অর্থ বৈধ করার প্রক্রিয়া।

Money Laundering-এর তিনটি ধাপ: Placement: অবৈধ অর্থ আর্থিক ব্যবস্থায় প্রবেশ। Layering: বিভিন্ন লেনদেনের মাধ্যমে উৎস লুকানো। Integration: অর্থ বৈধ ব্যবসায় পুনরায় ব্যবহার।

মনে রাখার টেকনিক PLI: P = Placement L = Layering I = Integration

"টাকাও, লুকাও, বের করো" এই তিন ধাপে Money Laundering।

Section 4: Money Laundering-এর শাস্তি। সর্বোচ্চ শাস্তি ১২ বছর কারাদণ্ড এবং অর্থদণ্ড।

Predicate Offence: যে অপরাধ থেকে অবৈধ অর্থ আসে তাকে Predicate Offence বলে। বাংলাদেশ Bank-এর তথ্য অনুযায়ী দুর্নীতি, মাদক ব্যবসা এবং সন্ত্রাসবাদ থেকে অর্থায়ন প্রধান Predicate Offence।

বিচারের এখতিয়ার: Money Laundering-এর মামলা সাধারণ আদালতে নয়, বিশেষ Court of Sessions-এ হয়।

## অধ্যায় ৯: Anti-Corruption Commission Act, 2004

### দুর্নীতির বিরুদ্ধে আইন

ACC Act 2004 এবং ACC-র ক্ষমতা পরীক্ষায় Professional Ethics বিভাগ থেকে আসে।

আন্তর্জাতিক প্রেক্ষাপট: UNCAC (UN Convention Against Corruption) 2003 সালে গৃহীত হয়েছে। বাংলাদেশ UNCAC সই করেছে। ACC Act 2004 এই আন্তর্জাতিক প্রতিশ্রুতির অংশ।





জোক: ২০২৩ সালে Transparency International-এর Corruption Perception Index-এ বাংলাদেশের অবস্থান ছিল ১৪৭। ট্রান্সপারেন্সি ইন্টারন্যাশনাল বললেও পরীক্ষা দিয়ে প্রমাণ করতে হবে। কিন্তু ACC Act জানলে তুমি অন্তত জানবে দুর্নীতি করলে কী হয়।

## ACC Act 2004-এর মূল বিষয়

Section 17: ACC-র তদন্তের ক্ষমতা। ACC যেকোনো সরকারি দুর্নীতির তদন্ত করতে পারে।

Section 19: ACC-র ক্ষমতা Police-এর মতো। তলব করা, গ্রেপ্তার করা, তল্লাশি করা।

Section 20: ACC কর্তৃক মামলা দায়ের। ACC নিজেই আদালতে মামলা করতে পারে।

ACC-র গঠন: Chairman: ১ জন Member: ২ জন মোট: ৩ জন

মনে রাখার টেকনিক: "ACC = ১+২ = ৩ জন।"

ACC-র বিরুদ্ধে আপিল: Section 28 অনুযায়ী ACC Tribunal-এর রায়ের বিরুদ্ধে High Court Division-এ ৯০ দিনের মধ্যে আপিল করতে হবে।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল "ACC-এর Chairman এবং Member সংখ্যা কত?"

## অধ্যায় ১০: সম্পূর্ণ Grand Revision পার্ট ১ থেকে ৯

### সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যাগুলো

পরীক্ষায় সংখ্যা মনে রাখা অত্যন্ত জরুরি। এখানে একটি বিশেষ সংখ্যাতাত্ত্বিক টেবিল দেওয়া হচ্ছে যা আগের পার্টে ছিল না।

CPC-র গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যা: Written Statement দেওয়ার সময়: ৩০ দিন (সর্বোচ্চ ৯০ দিন)। Ex Parte Decree বাতিলের আবেদনের সময়: ৩০ দিন। Decree Execution-এর সময়সীমা: ১২ বছর। Order-এর সংখ্যা CPC-তে: ৫১টি। Section-এর সংখ্যা CPC-তে: ১৫৮টি।

CrPC-র গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যা: Remand-এর সর্বোচ্চ সময়: প্রথমে ১৫ দিন (মোট ৩০ দিন পর্যন্ত Magistrate অনুমোদন দিতে পারেন)। Cognizable Offence-এ FIR: বাধ্যতামূলক (Section 154)। Charge Sheet দেওয়ার সময়: সাধারণত ৬০ দিন (জামিনযোগ্য) বা ৯০ দিন (অজামিনযোগ্য)। Magistrate-এর ধরন: ৩ প্রকার (Chief Metropolitan Magistrate, Metropolitan Magistrate, Judicial Magistrate)।



Penal Code-র গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যা: Murder-এর শাস্তি: মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন (Section 302)। Culpable Homicide-এর শাস্তি: যাবজ্জীবন বা ১০ বছর (Section 304)। Rioting-এর জন্য ন্যূনতম ব্যক্তি: ৫ জন (Section 141)। Robbery-তে ক্ষতির পরিমাণ: Section 390 (Theft সংঘটনকালে ভয় দেখানো)।

Evidence Act-র গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যা: Admission-এর Section: ১৭ থেকে ২৩। Confession-এর Section: ২৪ থেকে ২৬। Dying Declaration-এর Section: ৩২। Burden of Proof-এর Section: ১০১। Estoppel-এর Section: ১১৫।

SRA-র গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যা: Specific Performance-এর Section: ১০। Declaratory Decree-এর Section: ৩৪।

### বিষয়ভিত্তিক Comparison Table

CrPC Section 154 (FIR) বনাম Penal Code Section 107 (Abetment): FIR হলো মামলার শুরু। Abetment হলো অপরাধে সাহায্য করা। FIR Police Station-এ দেওয়া হয়। Abetment-এর শাস্তি আলাদা আইনে নেই, মূল অপরাধের সাথে দেওয়া হয়।

Section 34 বনাম Section 149 Penal Code: Section 34: Common Intention। একই উদ্দেশ্যে একসাথে কাজ করা। Section 149: Common Object। বেআইনি সমাবেশের সদস্যের যেকোনো অপরাধ সবার। পার্থক্য: Section 34-এ ব্যক্তির সংখ্যা নির্দিষ্ট নয়। Section 149-এ ন্যূনতম ৫ জন লাগে।

মনে রাখার টেকনিক: "৩৪ = ছোট দল, কিন্তু একই মন। ১৪৯ = বড় দল (৫+), একই লক্ষ্য।"

Murder (Section 300) বনাম Culpable Homicide (Section 299): Murder = সরাসরি মারার উদ্দেশ্য বা এমন কাজ যা মৃত্যু ঘটাবে বলে জানা আছে। Culpable Homicide = মৃত্যুর সম্ভাবনা জেনেও কাজ করা, কিন্তু Murder নয়।

মনে রাখার টেকনিক: "Murder = নিশ্চিত মৃত্যু চাওয়া। Culpable Homicide = মৃত্যু হতে পারে জেনেও করা।"

Section 299 থেকে Section 300-এর ব্যতিক্রমগুলো: Exception 1: Grave and sudden Provocation। Exception 2: Self-defence। Exception 3: Public servant। Exception 4: Heat of passion। Exception 5: Consent (patient-এর ক্ষেত্রে ব্যথামুক্তি)।

মনে রাখার টেকনিক GSHPC: G = Grave Provocation S = Self Defence H = Heat of Passion P = Public Servant C = Consent

### Evidence Act-এর Grand Revision



Section 101 থেকে 114: Burden of Proof (প্রমাণের ভার)।

সাধারণ নিয়ম: "যে দাবি করে সে প্রমাণ করে।"

Section 101: Burden of Proof-এর সাধারণ নিয়ম। Section 102: Burden of Proof কখন Shift হয়।  
Section 106: বিশেষ জ্ঞানের বিষয়ে বিবাদীকে প্রমাণ করতে হয়।

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: ICC-তে আন্তর্জাতিক অপরাধের মামলায়ও Prosecution-কে Burden of Proof বহন করতে হয়। Presumption of Innocence সব জায়গায় আছে।

Section 115: Estoppel (প্রতিবন্ধতা)।

Estoppel হলো যখন কেউ কোনো বিষয় অস্বীকার করতে পারে না কারণ সে আগে সেটা স্বীকার করেছে বা সেই ভিত্তিতে অন্যজন কাজ করেছে।

উদাহরণ: করিম বলল "এই জমি তোমার।" রহিম সেই বিশ্বাসে বাড়ি বানাল। এখন করিম বলছে "জমি আমার।" Section 115 অনুযায়ী করিম এখন অস্বীকার করতে পারবে না।

আন্তর্জাতিক উদাহরণ: ২০২৩ সালে রাশিয়া বলেছিল "আমরা পারমাণবিক অস্ত্র ব্যবহার করব না।" পরে যদি করত তাহলে Estoppel-এর নীতি লঙ্ঘন হতো। International Law-এও Estoppel-এর ধারণা আছে।

## Muslim Family Law-এর Grand Revision

Muslim Family Laws Ordinance 1961-এর সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section-গুলো:

Section 4: তালাকের নোটিশ। তালাক দিলে Arbitration Council-কে ৯০ দিনের মধ্যে নোটিশ দিতে হবে।

Section 6: বহুবিবাহ। দ্বিতীয় বিয়ের আগে Arbitration Council-এর অনুমতি নিতে হবে। না নিলে প্রথম স্ত্রী যে Mehr পায়নি তা একসাথে দিতে হবে এবং ১ বছর কারাদণ্ড বা ১০,০০০ টাকা জরিমানা।

Section 7: Talaq। তালাকের পদ্ধতি এবং Iddat সম্পর্কিত।

Section 9: Maintenance। স্ত্রীর খোরপোশ।

মনে রাখার ছড়া: "চার নোটিশ, ছয় অনুমতি, সাত তালাক, নয় খোরপোশ।"

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল "তালাকের পরে Iddat কতদিন?" উত্তর: তিনটি ঋতুচক্র বা তিন মাস (গর্ভবতী হলে সন্তান প্রসব পর্যন্ত)। ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "দ্বিতীয় বিয়ের জন্য কার অনুমতি লাগে?"

## Hindu Law-এর Grand Revision



বাংলাদেশে হিন্দু আইন কাস্টমারি আইন এবং কিছু সংবিধিবদ্ধ আইনের মিশেলে চলে।

Hindu Married Women's Right to Separate Residence and Maintenance Act 1946: এটা হিন্দু বিবাহিত মহিলাদের আলাদাভাবে বাস করার অধিকার দেয় কিছু নির্দিষ্ট কারণে।

Dayabhaga School: বাংলাদেশ এবং পশ্চিমবঙ্গে প্রযোজ্য। Mitakshara School: ভারতের অন্যান্য অঞ্চলে প্রযোজ্য।

পার্থক্য: Dayabhaga-তে সম্পত্তিতে পুত্রের অধিকার পিতার মৃত্যুর পরে। Mitakshara-তে জন্ম থেকেই।

মনে রাখার টেকনিক: "Dayabhaga = Death দিয়ে শুরু, তারপর সম্পত্তি। Mitakshara = মাতৃগর্ভ থেকে।"

## অধ্যায় ১১: Professional Ethics এবং Bar Council Order-এর বিস্তারিত

### আইনজীবীর নৈতিকতা কেন শেখা দরকার?

পরীক্ষায় ৫ নম্বরের Professional Ethics বিভাগ আছে। কিন্তু এটা শুধু পরীক্ষার জন্য নয়, আইনজীবী হিসেবে তোমার পুরো ক্যারিয়ার এই নৈতিকতার উপরে নির্ভর করবে।

আন্তর্জাতিক প্রেক্ষাপট: আমেরিকার Bar Association-এর Model Rules of Professional Conduct হলো আইনজীবীর নৈতিকতার আন্তর্জাতিক মানদণ্ড। বাংলাদেশের Bar Council-এর নিয়মগুলো এই আন্তর্জাতিক মানের সাথে সামঞ্জস্যপূর্ণ।

জোক: ২০২৩ সালে আমেরিকার একজন বিখ্যাত আইনজীবী তার মঞ্চের বিরুদ্ধে সাক্ষ্য দিয়েছিলেন। এটা Professional Ethics-এর চরম লঙ্ঘন। বাংলাদেশে এটা করলে Bar Council License বাতিল। আন্তর্জাতিক আইনেও Lawyer-Client Privilege সবার উপরে।

### Bangladesh Legal Practitioners and Bar Council Order, 1972

এই Order-টি সংক্ষেপে "Bar Council Order 1972" নামে পরিচিত।

Bar Council-এর গঠন: সদস্য সংখ্যা: ১৫ জন। Attorney General: ১ জন (Chairman Ex-officio)। নির্বাচিত সদস্য: ১৪ জন।

- General Seat থেকে: ৭ জন।
- Zonal Seat থেকে: ৭ জন। কার্যকালের মেয়াদ: ৩ বছর।

মনে রাখার টেকনিক: "১৫ জন মোট, ১+১৪ = ১৫, ৭+৭ = ১৪, ৩ বছর।"



বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Bar Council-এর সদস্য সংখ্যা কত?" ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Bar Council-এর Chairman কে?"

Advocate-এর কার্যকলাপ নিয়ন্ত্রণ: Canons of Professional Conduct and Etiquette বাংলাদেশের আইনজীবীদের আচরণ নিয়ন্ত্রণ করে।

### গুরুত্বপূর্ণ Canon-গুলো

Canon 1: আদালতের সাথে সম্মানজনক আচরণ। Canon 2: মক্কেলের সাথে বিশ্বস্ততা। Canon 3: প্রতিপক্ষের আইনজীবীর সাথে সহযোগিতা। Canon 4: আদালত এবং বার এর সাথে নিষ্ঠা।

Advocate-এর বিরুদ্ধে অভিযোগ: যদি কোনো Advocate পেশাগত অসদাচরণ করে তাহলে Bar Council Tribunal-এ অভিযোগ দেওয়া যায়।

Tribunal-এর আদেশের বিরুদ্ধে আপিল: High Court Division-এ ৯০ দিনের মধ্যে।

মনে রাখার টেকনিক: "অভিযোগ Tribunal-এ, আপিল High Court-এ, ৯০ দিনে।"

### Enrolment Examination-সংক্রান্ত গুরুত্বপূর্ণ তথ্য

পরীক্ষায় এই বিষয়গুলো আসে: Bar Council-এ কে Enrol করতে পারে? যিনি LLB বা সমমানের ডিগ্রি পেয়েছেন এবং MCQ, Written ও Viva পাস করেছেন।

Lower Court Advocate এবং High Court Advocate-এর পার্থক্য: Lower Court Advocate: Bar Council Enrolment পরীক্ষায় উত্তীর্ণ। High Court Advocate: High Court Permission Examination-এ উত্তীর্ণ।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০২৩ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Advocate-এর তিনটি প্রধান দায়িত্ব কী?"

---

## অধ্যায় ১২: ২০২৫ এবং ২০২৬ সালের পরীক্ষার বিশেষ Analysis

### ২০২৫ সালের পরীক্ষা থেকে শিক্ষা

২০২৫ সালের ২৫ এপ্রিলের পরীক্ষায় ৪০,৬২৭ জনের মধ্যে ১৩,২৫৮ জন পাস করেছে। এটা বিশ্লেষণ করলে কিছু প্যাটার্ন দেখা যায়।

প্রথম পর্যবেক্ষণ: CPC থেকে Section 11 (Res Judicata), Order 39 (Injunction) এবং Section 20 (Jurisdiction) এর প্রশ্ন এসেছে বলে বিভিন্ন সূত্র থেকে জানা গেছে।



দ্বিতীয় পর্যবেক্ষণ: CrPC থেকে FIR (Section 154), Bail (Section 497), Remand (Section 167) থেকে প্রশ্ন এসেছে।

তৃতীয় পর্যবেক্ষণ: Penal Code থেকে Murder (Section 300), Abetment (Section 107), Common Intention (Section 34) থেকে প্রশ্ন এসেছে।

চতুর্থ পর্যবেক্ষণ: Evidence Act থেকে Burden of Proof (Section 101), Dying Declaration (Section 32), Estoppel (Section 115) থেকে প্রশ্ন এসেছে।

পঞ্চম পর্যবেক্ষণ: SRA থেকে Specific Performance (Section 10) এবং Declaratory Decree (Section 34) থেকে প্রশ্ন এসেছে।

ষষ্ঠ পর্যবেক্ষণ: Professional Ethics থেকে Bar Council-এর গঠন এবং Advocate-এর দায়িত্ব থেকে প্রশ্ন এসেছে।

### ২০২৬ সালের পরীক্ষার Prediction (December 2026 সম্ভাব্য)

আন্তর্জাতিক পরিস্থিতি বিবেচনা করে এবং বাংলাদেশের বর্তমান আইনি পরিবেশ বিশ্লেষণ করে ২০২৬ সালের পরীক্ষায় যা আসতে পারে:

নতুন বিষয় যা অবশ্যই পড়তে হবে: Cyber Security Act 2023-এর Section 17, 21, 24, 25, 29। Digital Evidence-এর Section 65A, 65B Evidence Act। Money Laundering Prevention Act 2012-এর মূল বিধান। নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইন ২০০০ (সংশোধিত ২০২০)-এর Section 9, 11। Contract Act-এর Section 10, 11, 73, 74। Limitation Act-এর সময়সীমা সংক্রান্ত। Transfer of Property Act-এর Sale, Mortgage, Gift সংক্রান্ত।

পুরনো বিষয় যা নিশ্চিত আসবে: CPC Section 11 (Res Judicata), Order 39 (Injunction), Section 20 (Jurisdiction)। CrPC Section 154 (FIR), Section 497 (Bail), Section 167 (Remand)। Penal Code Section 300 (Murder), Section 34 (Common Intention), Section 107 (Abetment)। Evidence Act Section 101 (Burden of Proof), Section 32 (Dying Declaration), Section 115 (Estoppel)। SRA Section 10 (Specific Performance), Section 34 (Declaratory Decree)। Muslim Family Laws Ordinance Section 6 (Polygamy)।

## অধ্যায় ১৩: আরও মজার গল্প এবং মনে রাখার কৌশল

### গল্প ১: Contract Act এবং WTO



২০২৪ সালে বাংলাদেশ LDC থেকে উত্তরণের পথে। এই উত্তরণে WTO-র সাথে অনেক Trade Agreement করতে হবে। এই আন্তর্জাতিক চুক্তিগুলো Contract Act-এর নীতির উপরেই প্রতিষ্ঠিত।

শিক্ষা: Contract Act Section 2(h) = Agreement + Enforceability। WTO-র বাণিজ্য চুক্তিও Agreement + Enforceability। ভেবে দেখো, Contract Act কতটা সর্বজনীন।

## গল্প ২: Limitation Act এবং আন্তর্জাতিক বিরোধ

বাংলাদেশ ও মিয়ানমারের মধ্যে রোহিঙ্গা সংকটের সমাধান কতদিনে হবে তা অনিশ্চিত। কিন্তু ICJ-তে গাঞ্চিয়া মিয়ানমারের বিরুদ্ধে মামলা করেছে ২০১৯ সালে। আন্তর্জাতিক আইনেও Limitation-এর নীতি আছে। সময়মতো মামলা করতে হয়।

শিক্ষা: Limitation Act-এর নীতি আন্তর্জাতিক থেকে স্থানীয় সব ক্ষেত্রে সত্য। "সময় গেলে সাধন হয় না।"

## গল্প ৩: TP Act এবং China-র Belt and Road Initiative

২০২৪ সালে চীনের BRI (Belt and Road Initiative)-এর অধীনে বিভিন্ন দেশে Infrastructure তৈরি হচ্ছে। বাংলাদেশেও পদ্মা সেতুর পূর্ব অংশে বিভিন্ন প্রকল্প চীনা বিনিয়োগে হচ্ছে।

এই সব প্রকল্পে Lease Agreement, Transfer of Property, Mortgage সবই Transfer of Property Act-এর নীতিতে চলে।

শিক্ষা: TP Act Section 58 (Mortgage) = বড় দেশগুলো ছোট দেশকে ঋণ দেয় এবং Infrastructure জামানত রাখে (যেমন শ্রীলংকার Hambantota Port)। এটা Mortgage-এর আন্তর্জাতিক সংস্করণ।

## গল্প ৪: Arbitration এবং ICSID

ICSID (International Centre for Settlement of Investment Disputes) হলো আন্তর্জাতিক বিনিয়োগ বিরোধ নিষ্পত্তির Arbitration কেন্দ্র। বিশ্বব্যাপকের অধীনে এটা কাজ করে।

২০২৪ সালে বাংলাদেশের একটি বিদ্যুৎ প্রকল্পে বিদেশি বিনিয়োগকারীর সাথে বিরোধ দেখা দিলে ICSID-তে মামলা যাওয়ার সম্ভাবনা থাকে। এটা Arbitration Act 2001-এর আন্তর্জাতিক সংস্করণ।

শিক্ষা: Arbitration Act 2001 = দেশের ভেতরের ICSID। Award বাধ্যতামূলক, Mediation নয়।

## গল্প ৫: Professional Ethics এবং International Criminal Court

ICC (International Criminal Court)-এর আইনজীবীদের জন্যও Professional Ethics আছে। ICC Statute-এ Lawyer-Client Privilege, Conflict of Interest, Duty to Court সব বিষয় আছে।





বাংলাদেশের Bar Council-এর Canons-ও একই নীতিতে চলে। ICC-র আইনজীবী এবং Bangladesh Bar-এর আইনজীবী উভয়েই মক্কেলের বিরুদ্ধে সাফ্য দিতে পারেন না।

শিক্ষা: Professional Ethics বৈশ্বিক মানের। Canon 2 (মক্কেলের সাথে বিশ্বস্ততা) = ICC-র Professional Conduct Rules।

## অধ্যায় ১৪: সবচেয়ে কঠিন MCQ প্রশ্নের বিশেষ বিশ্লেষণ

### ধরন ১: "সঠিক নয়" বা "ভুল" প্রশ্ন

পরীক্ষায় কিছু প্রশ্ন আসে "নিচের কোনটি সঠিক নয়?" এই ধরনের প্রশ্নে অনেকে ভুল করে।

কৌশল: প্রতিটি Option পড়ে মনে মনে বলো "এটা কি সত্যি?" সত্যি হলে বাদ দাও, মিথ্যা হলে সেটাই উত্তর।

উদাহরণ প্রশ্ন: "Res Judicata সম্পর্কে নিচের কোন কথাটি সঠিক নয়?" Option A: এটা CPC-র Section 11-এ আছে। (সত্য, বাদ দাও) Option B: এটা শুধু একই পক্ষের মধ্যে প্রযোজ্য। (মিথ্যা, কারণ উত্তরাধিকারীদের মধ্যেও প্রযোজ্য) Option C: পূর্ববর্তী রায় চূড়ান্ত হতে হবে। (সত্য, বাদ দাও) Option D: সক্ষম আদালতের রায় থাকতে হবে। (সত্য, বাদ দাও) উত্তর: B।

### ধরন ২: "সর্বোচ্চ শাস্তি" প্রশ্ন

পরীক্ষায় সর্বোচ্চ শাস্তি জিজ্ঞেস করা হলে অনেকে কম-বেশি করে ফেলে।

মনে রাখার কৌশল: মৃত্যুদণ্ড সর্বোচ্চ। তারপর যাবজ্জীবন। তারপর নির্দিষ্ট বছর।

মৃত্যুদণ্ড দেওয়া হয়: Murder (Section 302), Rape (Section 9 নারী ও শিশু আইন), Acid Attack (Section 11), Treason (Penal Code Section 121)।

যাবজ্জীবন দেওয়া হয়: Culpable Homicide (Section 304), Armed Robbery (Section 398), Dacoity (Section 400)।

### ধরন ৩: "কোন আদালতে" প্রশ্ন

পরীক্ষায় "কোন আদালতে মামলা হবে" বা "কোথায় আপিল যাবে" প্রশ্ন আসে।

কৌশল: হায়ারার্কি মনে রাখো।





দেওয়ানি মামলা: Lower Court > District Court > High Court Division > Appellate Division।  
 ফৌজদারি মামলা: Magistrate Court > Session Court > High Court Division > Appellate Division।  
 Writ মামলা: High Court Division > Appellate Division।

#### ধরন ৪: "কত দিনে" প্রশ্ন

সব সময়সীমার একটি বিশেষ তালিকা:

CPC Written Statement: সাধারণত ৩০ দিন। সর্বোচ্চ ৯০ দিন। CrPC Remand: Police Custody ১৫ দিন পর্যন্ত। CrPC Charge Sheet: ৬০ বা ৯০ দিন। Limitation-এ জেলা আদালতে আপিল: ৩০ দিন। Limitation-এ High Court-এ আপিল: ৯০ দিন। Bar Council Tribunal-এর রায়ের বিরুদ্ধে আপিল: ৯০ দিন। Muslim Family Laws Ordinance-এ তালকের Notice: ৯০ দিন পর্যন্ত Arbitration। Nari O Shishu Tribunal-এ মামলা নিষ্পত্তির সময়: ১৮০ দিন।

মনে রাখার ছড়া: "লিখিত জবাব ৩০, আপিল জেলায় ৩০, High Court এ ৯০, তালকেও ৯০, শিশু Tribunal ১৮০।"

#### অধ্যায় ১৫: বিশেষ Mock MCQ Set (পার্ট ১০)

এখানে ১০০টি বিশেষভাবে নির্বাচিত MCQ প্রশ্ন দেওয়া হচ্ছে যা ২০২৬ সালের পরীক্ষায় আসার সম্ভাবনা বেশি।

#### CPC বিভাগ (২০ প্রশ্ন)

প্রশ্ন ১: CPC-র Section 11 (Res Judicata) প্রযোজ্য হওয়ার জন্য কতটি শর্ত পূরণ করতে হবে? ক) দুটি খ) তিনটি গ) চারটি ঘ) পাঁচটি উত্তর: গ) চারটি (একই বিষয়, একই পক্ষ, সক্ষম আদালত, চূড়ান্ত রায়)।

প্রশ্ন ২: Order 39 Rule 1-এর অধীনে Temporary Injunction পেতে হলে কতটি শর্ত লাগে? ক) একটি খ) দুটি গ) তিনটি ঘ) চারটি উত্তর: গ) তিনটি (PBI: Prima Facie Case, Balance of Convenience, Irreparable Injury)।

প্রশ্ন ৩: CPC-র Section 10 (Stay of Suit) কোন পরিস্থিতিতে প্রযোজ্য? ক) একটি মামলা একই আদালতে দুবার হলে খ) দুটি আদালতে একই বিষয়ে মামলা চললে গ) মামলা জটিল হলে ঘ) বিবাদী হাজির না হলে উত্তর: খ) দুটি আদালতে একই বিষয়ে মামলা চললে।

প্রশ্ন ৪: CPC-র Section 20 অনুযায়ী দেওয়ানি মামলা কোন তিনটি ভিত্তিতে করা যায়? ক) বাদীর বাসস্থান, বিবাদীর কর্মস্থান, চুক্তির স্থান খ) বিবাদীর বাসস্থান, বিবাদীর ব্যবসাস্থান, মামলার কারণ উদ্ভবের স্থান গ) বাদীর বাসস্থান, বাদীর ব্যবসাস্থান, ক্ষতির স্থান ঘ) আদালতের পছন্দ অনুযায়ী উত্তর: খ)।



প্রশ্ন ৫: Order 9 Rule 13 অনুযায়ী Ex Parte Decree বাতিলের আবেদন কত দিনের মধ্যে করতে হবে? ক) ১৫ দিন খ) ৩০ দিন গ) ৬০ দিন ঘ) ৯০ দিন উত্তর: খ) ৩০ দিন।

প্রশ্ন ৬: CPC Section 26 অনুযায়ী প্রতিটি দেওয়ানি মামলা শুরু হয় কীভাবে? ক) Written Application দিয়ে খ) Plaint বা আরজি দাখিল করে গ) Verbal Request দিয়ে ঘ) Writ Petition দিয়ে উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ৭: Order 7 Rule 1 অনুযায়ী Plaint-এ কতটি বিষয় থাকতে হবে? ক) পাঁচটি খ) সাতটি গ) নয়টি ঘ) এগারোটি উত্তর: গ) নয়টি।

প্রশ্ন ৮: CPC Section 96 কোন বিষয়ে? ক) Second Appeal খ) First Appeal গ) Revision ঘ) Review উত্তর: খ) First Appeal from Original Decree।

প্রশ্ন ৯: CPC Section 100 কোন বিষয়ে? ক) First Appeal খ) Second Appeal গ) Revision ঘ) Review উত্তর: খ) Second Appeal।

প্রশ্ন ১০: দ্বিতীয় আপিল (Second Appeal) কোথায় করা যায়? ক) District Court-এ খ) High Court Division-এ গ) Appellate Division-এ ঘ) যেকোনো আদালতে উত্তর: খ) High Court Division-এ।

প্রশ্ন ১১: Decree জারি করার (Execute) সময়সীমা কত? ক) ৩ বছর খ) ৬ বছর গ) ১২ বছর ঘ) ২০ বছর উত্তর: গ) ১২ বছর (Limitation Act Article 136)।

প্রশ্ন ১২: Order 40 অনুযায়ী Receiver-কে কে নিয়োগ করে? ক) পুলিশ খ) Government গ) Court (আদালত) ঘ) Bar Council উত্তর: গ)।

প্রশ্ন ১৩: CPC Section 51 অনুযায়ী Decree জারির পাঁচটি উপায়ের মধ্যে কোনটি নেই? ক) সম্পত্তি ক্রোক ও বিক্রয় খ) সিভিল কারাগার গ) ক্ষতিপূরণ দাবি ঘ) রিসিভার নিয়োগ উত্তর: গ) ক্ষতিপূরণ দাবি (এটা Section 51-তে নেই)।

প্রশ্ন ১৪: CPC Section 47 কোন বিষয়ে? ক) Temporary Injunction খ) Execution Court-এর ক্ষমতা গ) Appeal প্রক্রিয়া ঘ) Plaint প্রত্যাখ্যান উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ১৫: CPC-র মোট Order সংখ্যা কত? ক) ৩৯টি খ) ৪৫টি গ) ৫১টি ঘ) ৫৮টি উত্তর: গ) ৫১টি।

প্রশ্ন ১৬: Order 38 কোন বিষয়ে? ক) Receiver নিয়োগ খ) Arrest and Attachment before Judgment গ) Temporary Injunction ঘ) Summary Suit উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ১৭: CPC Section 35 অনুযায়ী মামলার খরচ (Costs) দেওয়ার বিষয়টি কার বিবেচনায়? ক) সরকার খ) বিজয়ী পক্ষ গ) আদালত ঘ) বার কাউন্সিল উত্তর: গ) আদালতের বিবেচনায়।



প্রশ্ন ১৮: Order 1 Rule 10 অনুযায়ী আদালত কখন মামলায় নতুন পক্ষ যোগ করতে পারে? ক) যখন বাদী চায় খ) যখন বিবাদী চায় গ) যখন ন্যায়বিচারের জন্য প্রয়োজন ঘ) কখনো পারে না উত্তর: গ)।

প্রশ্ন ১৯: CPC Section 24 কোন বিষয়ে? ক) Transfer of Cases খ) Place of Suing গ) Stay of Suit ঘ) Res Judicata উত্তর: ক)।

প্রশ্ন ২০: CPC-তে Sections-এর মোট সংখ্যা কত? ক) ১০০টি খ) ১৩৫টি গ) ১৫৮টি ঘ) ১৮০টি উত্তর: গ) ১৫৮টি।

## CrPC বিভাগ (২০ প্রশ্ন)

প্রশ্ন ২১: CrPC Section 154 কোন বিষয়ে? ক) Warrant খ) FIR গ) Confession ঘ) Bail উত্তর: খ) FIR (First Information Report)।

প্রশ্ন ২২: CrPC Section 164 কোন বিষয়ে? ক) Search and Seizure খ) Confession before Magistrate গ) Bail ঘ) Charge Framing উত্তর: খ) Confession before Magistrate।

প্রশ্ন ২৩: CrPC Section 167 কোন বিষয়ে? ক) Bail খ) FIR গ) Remand ঘ) Charge Sheet উত্তর: গ) Remand।

প্রশ্ন ২৪: Police Custody Remand-এর সর্বোচ্চ সময় কত? ক) ৭ দিন খ) ১৫ দিন গ) ৩০ দিন ঘ) ৬০ দিন উত্তর: খ) ১৫ দিন (এবং পরে Judicial Custody পর্যন্ত মোট ৬০/৯০ দিন পর্যন্ত বিনা Charge Sheet থাকা যায়)।

প্রশ্ন ২৫: CrPC Section 497 কোন বিষয়ে? ক) Bailable Offence-এ Bail খ) Non-Bailable Offence-এ Bail গ) Anticipatory Bail ঘ) Police-এর Bail ক্ষমতা উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ২৬: Non-Bailable Offence-এ Bail কে দিতে পারেন? ক) Police Officer খ) Magistrate গ) Session Judge ঘ) High Court Division উত্তর: খ, গ এবং ঘ সবাই পারেন কিন্তু মূলত CrPC Section 497 এ Session Court এবং High Court Division-এর কথা আছে। প্রাথমিকভাবে Session Judge বা উচ্চ আদালত।

প্রশ্ন ২৭: Cognizable Offence-এ Police কী করতে পারে? ক) Warrant ছাড়া গ্রেপ্তার করতে পারে না খ) Warrant ছাড়া গ্রেপ্তার করতে পারে গ) শুধু Magistrate-এর অনুমতিতে গ্রেপ্তার করতে পারে ঘ) গ্রেপ্তার করতে পারে না উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ২৮: Charge Sheet না দিলে কতদিন পর আসামিকে Bail দিতে হবে? ক) ৩০ দিন খ) ৬০ দিন (Bail আবেদনযোগ্য) গ) ৬০ বা ৯০ দিন পরে Bail পাওয়ার অধিকার জন্মে ঘ) ১৮০ দিন উত্তর: গ) Section 167(2) অনুযায়ী।



প্রশ্ন ২৯: CrPC Section 22 অনুযায়ী কী প্রধান বিষয়? ক) Bail খ) Arrest (গ্রেপ্তারের পদ্ধতি) গ) FIR ঘ) Confession উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ৩০: Police-এর কাছে Confession কি প্রমাণ হিসেবে গ্রহণযোগ্য? ক) সবসময় গ্রহণযোগ্য খ) কখনো গ্রহণযোগ্য নয় (Evidence Act Section 25) গ) আদালতের বিবেচনায় ঘ) শুধু গুরুতর অপরাধে গ্রহণযোগ্য উত্তর: খ) কখনো গ্রহণযোগ্য নয় (Evidence Act Section 25)।

প্রশ্ন ৩১: Magistrate-এর সামনে Confession কি গ্রহণযোগ্য? ক) হ্যাঁ, সবসময় (CrPC Section 164 এবং Evidence Act Section 26) খ) না গ) শুধু খুনের মামলায় ঘ) শুধু লিখিতভাবে উত্তর: ক) হ্যাঁ, তবে শর্ত আছে।

প্রশ্ন ৩২: Inquest Report কে করে? ক) Magistrate খ) Police Officer (Sub-Inspector বা তার উপরে) গ) Civil Surgeon ঘ) Lawyer উত্তর: খ) CrPC Section 174 অনুযায়ী।

প্রশ্ন ৩৩: First Class Magistrate কোন ধরনের Sentence দিতে পারেন? ক) সর্বোচ্চ ২ বছর খ) সর্বোচ্চ ৩ বছর কারাদণ্ড এবং ৬ মাস পর্যন্ত অতিরিক্ত গ) সর্বোচ্চ ৫ বছর ঘ) সীমাহীন উত্তর: গ) সর্বোচ্চ ৫ বছর।

প্রশ্ন ৩৪: CrPC Section 190 কোন বিষয়ে? ক) Arrest খ) Cognizance of Offences by Magistrate গ) FIR ঘ) Bail উত্তর: খ) Cognizance।

প্রশ্ন ৩৫: Session Court কোন ধরনের শাস্তি দিতে পারে? ক) সর্বোচ্চ ৫ বছর খ) যেকোনো শাস্তি কিন্তু মৃত্যুদণ্ড নয় গ) মৃত্যুদণ্ড সহ যেকোনো শাস্তি কিন্তু High Court-এর Confirmation লাগবে ঘ) সীমাহীন উত্তর: গ)।

প্রশ্ন ৩৬: CrPC-তে "Charge" কোথায় Framing করা হয়? ক) Police Station-এ খ) Session Court বা Magistrate Court-এ গ) High Court-এ ঘ) Bar Council-এ উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ৩৭: CrPC Section 200 কোন বিষয়ে? ক) Complaint এবং Examination of Complainant খ) Bail গ) FIR ঘ) Warrant উত্তর: ক)।

প্রশ্ন ৩৮: FIR কোন Section-এ রেকর্ড করার বিধান? ক) Section 150 খ) Section 154 গ) Section 160 ঘ) Section 170 উত্তর: খ) Section 154।

প্রশ্ন ৩৯: CrPC Section 173 কোন বিষয়ে? ক) FIR খ) Charge Sheet (Police Report) গ) Bail ঘ) Remand উত্তর: খ) Charge Sheet / Police Report।

প্রশ্ন ৪০: একটি Cognizable Offence-এ Police গ্রেপ্তারের পরে কত ঘন্টার মধ্যে Magistrate-এর সামনে হাজির করতে হবে? ক) ১২ ঘন্টা খ) ২৪ ঘন্টা গ) ৪৮ ঘন্টা ঘ) ৭২ ঘন্টা উত্তর: খ) ২৪ ঘন্টা (CrPC Section 61 এবং Constitution Article 33)।

## Penal Code বিভাগ (২০ প্রশ্ন)



প্রশ্ন ৪১: Penal Code Section 300-এর অধীনে Murder-এর শাস্তি কী? ক) ১০ বছর খ) যাবজ্জীবন গ) মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন (Section 302) ঘ) ৭ বছর উত্তর: গ) Section 302 অনুযায়ী মৃত্যুদণ্ড বা যাবজ্জীবন।

প্রশ্ন ৪২: Culpable Homicide-এর শাস্তি কী? ক) মৃত্যুদণ্ড খ) যাবজ্জীবন বা ১০ বছর (Section 304) গ) ৫ বছর ঘ) ৩ বছর উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ৪৩: Section 34 Penal Code-এর অধীনে Common Intention-এ অপরাধ করলে কে দায়ী? ক) শুধু যে কাজটি করেছে খ) শুধু নেতা গ) সবাই সমানভাবে দায়ী ঘ) যার কাছে অস্ত্র ছিল সে উত্তর: গ)।

প্রশ্ন ৪৪: Section 149 Penal Code-এর অধীনে Unlawful Assembly-র সংজ্ঞায় ন্যূনতম কত জন লাগে? ক) তিন জন খ) পাঁচ জন গ) সাত জন ঘ) দশ জন উত্তর: খ) পাঁচ জন (Section 141)।

প্রশ্ন ৪৫: Section 107 Penal Code অনুযায়ী Abetment কী? ক) অপরাধ করা খ) অপরাধ পরিকল্পনা করা গ) অপরাধে সাহায্য করা, উৎসাহ দেওয়া বা ষড়যন্ত্রে অংশ নেওয়া ঘ) অপরাধ লুকানো উত্তর: গ)।

প্রশ্ন ৪৬: Dacoity (Section 391) কমপক্ষে কতজন মিলে করলে Dacoity? ক) তিন জন খ) পাঁচ জন গ) সাত জন ঘ) দশ জন উত্তর: খ) পাঁচ জন।

প্রশ্ন ৪৭: Section 302 Penal Code-এর অধীনে Murder-এর শাস্তি কি একা বা যৌথভাবে প্রযোজ্য? ক) শুধু একা করলে খ) একা এবং Common Intention-এ যৌথভাবে উভয়ই গ) শুধু যৌথভাবে ঘ) পরিস্থিতির উপরে নির্ভর করে উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ৪৮: Section 499 Penal Code কোন বিষয়ে? ক) Theft খ) Defamation (মানহানি) গ) Robbery ঘ) Fraud উত্তর: খ) Defamation।

প্রশ্ন ৪৯: Section 420 Penal Code কোন বিষয়ে? ক) Robbery খ) Cheating and dishonestly inducing delivery of property গ) Murder ঘ) Theft উত্তর: খ) Cheating।

প্রশ্ন ৫০: Section 302-এ মৃত্যুদণ্ড ছাড়া অপর বিকল্প শাস্তি কী? ক) ৭ বছর কারাদণ্ড খ) ১০ বছর কারাদণ্ড গ) যাবজ্জীবন কারাদণ্ড এবং অর্থদণ্ড ঘ) ২০ বছর কারাদণ্ড উত্তর: গ) যাবজ্জীবন কারাদণ্ড এবং অর্থদণ্ড।

প্রশ্ন ৫১: Section 376 Penal Code কোন বিষয়ে? ক) Assault খ) Rape গ) Kidnapping ঘ) Murder উত্তর: খ) Rape (তবে বাংলাদেশে নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইন ২০০০ প্রযোজ্য)।

প্রশ্ন ৫২: Penal Code Section 121 কোন বিষয়ে? ক) Theft খ) Waging war against Bangladesh গ) Murder ঘ) Kidnapping উত্তর: খ) Waging war against Bangladesh।

প্রশ্ন ৫৩: Section 359 Penal Code কোন বিষয়ে? ক) Theft খ) Kidnapping গ) Murder ঘ) Robbery উত্তর: খ) Kidnapping।



প্রশ্ন ৫৪: Simple Hurt-এর Section কোনটি? ক) Section 319 এবং 323 খ) Section 325 গ) Section 300 ঘ) Section 302 উত্তর: ক) Section 319 (Definition) এবং Section 323 (Punishment)।

প্রশ্ন ৫৫: Section 326 Penal Code কোন বিষয়ে? ক) Simple Hurt খ) Causing Grievous Hurt by Dangerous Weapons গ) Murder ঘ) Assault উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ৫৬: "Attempt to Murder" কোন Section-এ? ক) Section 300 খ) Section 302 গ) Section 307 ঘ) Section 304 উত্তর: গ) Section 307।

প্রশ্ন ৫৭: Penal Code-এ "Robbery" এর সংজ্ঞা কোন Section-এ? ক) Section 378 খ) Section 383 গ) Section 390 ঘ) Section 392 উত্তর: গ) Section 390।

প্রশ্ন ৫৮: Section 415 Penal Code কোন বিষয়ে? ক) Theft খ) Cheating-এর সংজ্ঞা গ) Robbery ঘ) Fraud উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ৫৯: Penal Code Section 141-এ বেআইনি সমাবেশের উদ্দেশ্য কতটি? ক) তিনটি খ) পাঁচটি গ) সাতটি ঘ) নয়টি উত্তর: খ) পাঁচটি।

প্রশ্ন ৬০: Section 304A Penal Code কোন বিষয়ে? ক) Murder খ) Culpable Homicide গ) Causing Death by Negligence (অবহেলাজনিত মৃত্যু) ঘ) Attempt to Murder উত্তর: গ) Causing Death by Negligence।

### Evidence Act বিভাগ (১৫ প্রশ্ন)

প্রশ্ন ৬১: Evidence Act Section 101 অনুযায়ী কে Burden of Proof বহন করে? ক) Defendant খ) যে ব্যক্তি কোনো দাবি করে (Plaintiff বা Prosecution) গ) বিচারক ঘ) উভয় পক্ষ উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ৬২: Dying Declaration কোন Section-এ? ক) Section 25 খ) Section 30 গ) Section 32 ঘ) Section 45 উত্তর: গ) Section 32।

প্রশ্ন ৬৩: Estoppel কোন Section-এ? ক) Section 101 খ) Section 115 গ) Section 118 ঘ) Section 120 উত্তর: খ) Section 115।

প্রশ্ন ৬৪: Police Confession কোন Section-এ গ্রহণযোগ্য ঘোষণা করা হয়েছে? ক) Section 20 খ) Section 24 গ) Section 25 ঘ) Section 26 উত্তর: গ) Section 25।

প্রশ্ন ৬৫: Magistrate-এর কাছে Confession কোন Section-এ গ্রহণযোগ্য? ক) Section 25 খ) Section 26 (কিন্তু Section 164 CrPC-তে পদ্ধতি) গ) Section 30 ঘ) Section 35 উত্তর: খ) Section 26-এ তৃতীয় পক্ষের উপস্থিতিতে Magistrate Confession গ্রহণযোগ্য।





প্রশ্ন ৬৬: Documentary Evidence Primary বা Secondary সম্পর্কে বিধান কোন Section-এ? ক) Section 62 থেকে 65 খ) Section 101 থেকে 114 গ) Section 17 থেকে 30 ঘ) Section 45 থেকে 51 উত্তর: ক)।

প্রশ্ন ৬৭: Expert Opinion কোন Section-এ? ক) Section 40 খ) Section 45 গ) Section 50 ঘ) Section 55 উত্তর: খ) Section 45।

প্রশ্ন ৬৮: Evidence Act-এ কতটি অনুমান (Presumption) আছে? ক) ৫টি ধরন খ) ৩টি ধরন (Presumption of Fact, Presumption of Law, Conclusive Proof) গ) ১০টি ধরন ঘ) পরিবর্তনশীল উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ৬৯: Section 73 Evidence Act কোন বিষয়ে? ক) Expert Opinion খ) Comparison of Signatures (হস্তলিপি তুলনা) গ) Confession ঘ) Dying Declaration উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ৭০: "Res Gestae" কোন Section-এ? ক) Section 6 খ) Section 11 গ) Section 17 ঘ) Section 32 উত্তর: ক) Section 6।

প্রশ্ন ৭১: Evidence Act Section 118 কোন বিষয়ে? ক) Competency of Witnesses খ) Privileged Communications গ) Confession ঘ) Dying Declaration উত্তর: ক) Competency of Witnesses।

প্রশ্ন ৭২: Evidence Act Section 114 কোন বিষয়ে? ক) Burden of Proof খ) Presumptions of Fact (যুক্তিসঙ্গত অনুমান) গ) Expert Opinion ঘ) Estoppel উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ৭৩: "Best Evidence Rule" কোন Section-এর সাথে সংশ্লিষ্ট? ক) Section 62 খ) Section 64 গ) Section 91 ঘ) সবগুলো উত্তর: ঘ) সবগুলো মিলিয়ে Best Evidence Rule গঠিত।

প্রশ্ন ৭৪: Section 27 Evidence Act কোন বিষয়ে? ক) Confession খ) How much of information received from accused may be proved গ) Dying Declaration ঘ) Dying Declaration উত্তর: খ) Section 27 = Police-এর কাছে তথ্য থেকে কতটুকু প্রমাণ হিসেবে ব্যবহার করা যাবে।

প্রশ্ন ৭৫: Evidence Act Section 3 অনুযায়ী "Facts in Issue" মানে কী? ক) সব সত্যি ঘটনা খ) যে ঘটনাগুলো মামলার পরিণামের সাথে সরাসরি সম্পর্কিত গ) সাক্ষীর দেওয়া তথ্য ঘ) Document-এ লেখা তথ্য উত্তর: খ)।

## SRA এবং Professional Ethics বিভাগ (১০ প্রশ্ন)

প্রশ্ন ৭৬: SRA Section 10 অনুযায়ী কখন Specific Performance পাওয়া যায় না? ক) যখন চুক্তি অবৈধ খ) যখন চুক্তি ভঙ্গ হয়নি গ) যখন Compensation যথেষ্ট ক্ষতিপূরণ দিতে পারে ঘ) যখন বাদী ক্ষমা চায় উত্তর: গ)।



প্রশ্ন ৭৭: SRA Section 34 অনুযায়ী Declaratory Decree কখন দেওয়া যায়? ক) যখন সম্পত্তি ফেরত দিতে হবে থ) যখন বাদীর কোনো আইনগত অধিকার বা মর্যাদা নিশ্চিত করতে হবে গ) যখন চুক্তি বাতিল করতে হবে ঘ) যখন Injunction দরকার উত্তর: থ)।

প্রশ্ন ৭৮: Bar Council-এর সদস্যদের কার্যকাল কত বছর? ক) দুই বছর থ) তিন বছর গ) পাঁচ বছর ঘ) আজীবন উত্তর: থ) তিন বছর।

প্রশ্ন ৭৯: Bar Council Tribunal-এর রায়ের বিরুদ্ধে আপিল কোথায় এবং কত দিনের মধ্যে? ক) Appellate Division-এ ৬০ দিনে থ) High Court Division-এ ৯০ দিনে গ) Session Court-এ ৩০ দিনে ঘ) District Court-এ ৪৫ দিনে উত্তর: থ)।

প্রশ্ন ৮০: SRA-এ Injunction-এর বিধান কোন Section-এ? ক) Section 52 থেকে 57 থ) Section 34 গ) Section 10 ঘ) Section 21 উত্তর: ক) Section 52 থেকে 57।

প্রশ্ন ৮১: Mandatory Injunction কী? ক) কোনো কাজ থেকে বিরত থাকার নির্দেশ থ) কোনো কাজ করার নির্দেশ গ) Temporary নিষেধাজ্ঞা ঘ) Court Decree উত্তর: থ) কোনো কাজ করার নির্দেশ।

প্রশ্ন ৮২: Specific Relief Act কত সালে পাস হয়েছে? ক) ১৮৬০ থ) ১৮৭২ গ) ১৮৭৭ ঘ) ১৯০৮ উত্তর: গ) ১৮৭৭।

প্রশ্ন ৮৩: Bar Council Order কত সালের? ক) ১৯৬৮ থ) ১৯৭১ গ) ১৯৭২ ঘ) ১৯৭৫ উত্তর: গ) ১৯৭২ (President's Order No. 46 of 1972)।

প্রশ্ন ৮৪: SRA Section 9 কোন বিষয়ে? ক) Specific Performance থ) Recovery of Possession (দখল পুনরুদ্ধার) গ) Declaratory Decree ঘ) Injunction উত্তর: থ)।

প্রশ্ন ৮৫: "Professional Misconduct"-এর জন্য Bar Council কী ব্যবস্থা নিতে পারে? ক) শুধু সতর্ক করতে পারে থ) Licence বাতিল থেকে সতর্কতা পর্যন্ত বিভিন্ন শাস্তি গ) শুধু জরিমানা করতে পারে ঘ) পুলিশকে জানাতে পারে উত্তর: থ)।

### বিশেষ বিষয়াবলী (১৫ প্রশ্ন)

প্রশ্ন ৮৬: Contract Act Section 11 অনুযায়ী কে Contract করতে সক্ষম নয়? ক) অপ্রাপ্তবয়স্ক ব্যক্তি থ) মানসিক অসুস্থ ব্যক্তি গ) আইন দ্বারা অযোগ্য ঘোষিত ব্যক্তি ঘ) উপরের সবাই উত্তর: ঘ) উপরের সবাই।

প্রশ্ন ৮৭: Limitation Act Section 5 কোন বিষয়ে? ক) সময়সীমা নির্ধারণ থ) বিলম্ব মার্ফের আবেদন (Condonation of Delay) গ) সরকারি মামলার সময় ঘ) আপিলের সময় উত্তর: থ)।





প্রশ্ন ৮৮: Transfer of Property Act-এ Gift বাতিল করা যায় কোন Section-এ? ক) Section 122 খ) Section 123 গ) Section 126 ঘ) Section 130 উত্তর: গ) Section 126।

প্রশ্ন ৮৯: Arbitration Act 2001 Section 34 অনুযায়ী Award বাতিলের আবেদন কত দিনের মধ্যে? ক) ৩০ দিন খ) ৬০ দিন গ) ৯০ দিন ঘ) ১২০ দিন উত্তর: গ) ৯০ দিন।

প্রশ্ন ৯০: Bangladesh-এ Writ Jurisdiction কোন আদালতের? ক) District Court খ) Session Court গ) High Court Division ঘ) Appellate Division উত্তর: গ) High Court Division (Article 102 of the Constitution)।

প্রশ্ন ৯১: Habeas Corpus Writ কোন বিষয়ে? ক) Property Dispute খ) Unlawful Detention (অবৈধ আটক) গ) Election Dispute ঘ) Contract Dispute উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ৯২: Cyber Security Act 2023-এ কোন Section-এ মুক্তিযুদ্ধের বিরুদ্ধে প্রচারণা নিষিদ্ধ? ক) Section 14 খ) Section 17 গ) Section 21 ঘ) Section 25 উত্তর: খ) Section 17।

প্রশ্ন ৯৩: নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইনে Acid Attack-এর শাস্তি কোন Section-এ? ক) Section 9 খ) Section 10 গ) Section 11 ঘ) Section 12 উত্তর: গ) Section 11।

প্রশ্ন ৯৪: Money Laundering Prevention Act 2012-এ কোন Court-এ বিচার হয়? ক) District Court খ) Session Court গ) Magistrate Court ঘ) High Court উত্তর: খ) Special Session Court।

প্রশ্ন ৯৫: Muslim Family Laws Ordinance 1961-এর Section 6 কোন বিষয়ে? ক) Divorce খ) Polygamy (বহুবিবাহ) নিয়ন্ত্রণ গ) Maintenance ঘ) Inheritance উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ৯৬: Hindu Law-এর Dayabhaga School কোন অঞ্চলে প্রযোজ্য? ক) ভারতের সব জায়গায় খ) শুধু বাংলাদেশে গ) বাংলাদেশ ও পশ্চিমবঙ্গে ঘ) কোথাও নয় উত্তর: গ)।

প্রশ্ন ৯৭: Transfer of Property Act-এ Usufructuary Mortgage-এ কী হয়? ক) সম্পত্তি বিক্রি করা হয় খ) সম্পত্তির দখল দিয়ে ঋণ সমন্বয় করা হয় গ) সম্পত্তি সরকারের কাছে যায় ঘ) সম্পত্তি ধ্বংস করা হয় উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ৯৮: Contract Act Section 73-এর অধীনে কোন ক্ষতির ক্ষতিপূরণ পাওয়া যায়? ক) শুধু প্রত্যক্ষ ক্ষতি খ) চুক্তি ভঙ্গের স্বাভাবিক এবং পূর্বাভাসযোগ্য ক্ষতি গ) সব ক্ষতি ঘ) শুধু মানসিক ক্ষতি উত্তর: খ)।

প্রশ্ন ৯৯: ACC Act 2004 Section 17 অনুযায়ী ACC-এর প্রধান ক্ষমতা কী? ক) বিচার করার ক্ষমতা খ) তদন্ত করার ক্ষমতা গ) শাস্তি দেওয়ার ক্ষমতা ঘ) আইন তৈরি করার ক্ষমতা উত্তর: খ)।



প্রশ্ন ১০০: CPC Section 96(3) অনুযায়ী কোন ডিক্রির বিরুদ্ধে আপিল চলে না? ক) যখন ডিক্রি High Court-এর থ) যখন উভয় পক্ষ সম্মতিতে চুক্তি করে ডিক্রি নেয় গ) যখন ডিক্রি ১০ বছর পূরনো ঘ) যখন বিবাদী মারা গেছে উত্তর: থ) Consent Decree-র বিরুদ্ধে আপিল চলে না।

## অধ্যায় ১৬: লিখিত পরীক্ষার জন্য বিশেষ নমুনা উত্তর (Part 10-এর নতুন বিষয়)

**নমুনা প্রশ্ন ১: "Contract Act Section 10 অনুযায়ী একটি বৈধ চুক্তির উপাদান আলোচনা করো।"**

উত্তর লেখার পদ্ধতি (IRAC ফর্মুলা):

Issue: Contract Act Section 10 অনুযায়ী একটি বৈধ চুক্তির উপাদান কী?

Rule: Contract Act 1872-এর Section 10 বলে, "All agreements are contracts if they are made by the free consent of parties competent to contract, for a lawful consideration and with a lawful object, and are not hereby expressly declared to be void."

Analysis: প্রথম উপাদান হলো Offer এবং Acceptance। Section 2(a) অনুযায়ী এক পক্ষ Offer করে এবং Section 2(b) অনুযায়ী অপর পক্ষ Accept করে। Offer এবং Acceptance মিলে Agreement হয় (Section 2(e))।

দ্বিতীয় উপাদান হলো Free Consent। Section 14 অনুযায়ী সম্মতি স্বাধীন হতে হবে। Coercion, Undue Influence, Fraud, Misrepresentation বা Mistake থাকলে সম্মতি স্বাধীন নয়।

তৃতীয় উপাদান হলো Consideration। Section 2(d) অনুযায়ী চুক্তিতে প্রতিটি পক্ষ কিছু দেবে বা করবে। Section 25 অনুযায়ী সাধারণত Consideration ছাড়া চুক্তি বৈধ নয়।

চতুর্থ উপাদান হলো Lawful Object। চুক্তির উদ্দেশ্য বেআইনি, অনৈতিক বা সরকারি নীতির বিরোধী হওয়া যাবে না (Section 23)।

পঞ্চম উপাদান হলো Capacity। Section 11 অনুযায়ী উভয় পক্ষকে সাবালক, সুস্থ মস্তিষ্কের এবং আইন দ্বারা অযোগ্য ঘোষিত নন এমন হতে হবে।

ষষ্ঠ উপাদান হলো Not expressly declared Void। Section 24-30-এর অধীনে কিছু চুক্তি স্পষ্টভাবে Void ঘোষিত হয়েছে।

Conclusion: উপরের সব উপাদান একসাথে পূরণ হলে Agreement, Contract-এ পরিণত হয় এবং আইন দ্বারা প্রয়োগযোগ্য হয়।



## নমুনা প্রশ্ন ২: "Arbitration এবং Mediation-এর মধ্যে পার্থক্য আলোচনা করো।"

Issue: Arbitration এবং Mediation উভয়ই ADR-এর অংশ, কিন্তু এদের মধ্যে মৌলিক পার্থক্য আছে।

Rule: Arbitration Act 2001 এবং CPC-র বিধান।

Analysis: সিদ্ধান্তের বাধ্যবাধকতার দিক থেকে Arbitration-এ Arbitrator-এর Award বাধ্যতামূলক এবং Court Decree হিসেবে প্রয়োগ করা যায় (Section 36)। কিন্তু Mediation-এ সিদ্ধান্ত বাধ্যতামূলক নয়, উভয় পক্ষ মেনে না নিলে চলে না।

তৃতীয় পক্ষের ভূমিকার দিক থেকে Arbitration-এ Arbitrator একটি সিদ্ধান্ত চাপিয়ে দেন। Mediation-এ Mediator শুধু সাহায্য করেন, সিদ্ধান্ত পক্ষগুলো নেয়।

সময় এবং খরচের দিক থেকে Mediation সাধারণত দ্রুত এবং কম খরচে হয়। Arbitration আদালতের চেয়ে দ্রুত কিন্তু Mediation-এর চেয়ে বেশি সময় নেয়।

Conclusion: উভয়ই দেওয়ানি বিরোধ নিষ্পত্তির জন্য কার্যকর পদ্ধতি, কিন্তু Arbitration আইনগত বাধ্যবাধকতার দিক থেকে শক্তিশালী।

## অধ্যায় ১৭: বিশেষ আন্তর্জাতিক রাজনীতি ও সাম্প্রতিক ঘটনার সাথে আইনের সংযোগ

### ২০২৪-২০২৫ সালের প্রধান আন্তর্জাতিক ঘটনা এবং বাংলাদেশের আইন

ঘটনা ১: ২০২৫ সালে ডোনাল্ড ট্রাম্পের দ্বিতীয় মেয়াদ শুরু।

আইনি সংযোগ: ট্রাম্পের বিরুদ্ধে আমেরিকায় বিভিন্ন মামলা চলছিল। এর মধ্যে Criminal Prosecution-ও ছিল। বাংলাদেশের CrPC-র ভাষায় এগুলো Cognizable Offence-এর মামলা। ট্রাম্প আমেরিকার President হওয়ায় কিছু Immunity পেয়েছেন। বাংলাদেশে রাষ্ট্রপতির বিরুদ্ধে মামলার ক্ষেত্রেও Constitution-এ বিশেষ বিধান আছে।

শিক্ষা: ক্ষমতায় থাকা কি Immunity দেয়? বাংলাদেশে Article 46 অনুযায়ী কিছু ক্ষেত্রে।

ঘটনা ২: ২০২৪ সালে গাজায় যুদ্ধ অব্যাহত।

আইনি সংযোগ: গাজায় যুদ্ধে হাজার হাজার মানুষ মারা যাচ্ছে। ICJ-তে গাঞ্চিয়া মিয়ানমারের বিরুদ্ধে এবং South Africa ইসরায়েলের বিরুদ্ধে Genocide Case করেছে। বাংলাদেশের Penal Code-এ Section 302 (Murder) এবং নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইনে যে ধারণাগুলো আছে সেগুলোর আন্তর্জাতিক সংস্করণ হলো ICC Statute-এর Genocide এবং War Crimes।



শিক্ষা: Section 300 (Murder) = ICC Statute-এর Article 7 (Crimes Against Humanity)। একই নীতি, ভিন্ন স্কেল।

ঘটনা ৩: ২০২৪ সালে বাংলাদেশের রাজনৈতিক পরিবর্তন।

আইনি সংযোগ: ২০২৪ সালে বাংলাদেশে রাজনৈতিক পরিবর্তনের পরে অনেক মামলা দায়ের হয়েছে। FIR সংক্রান্ত (CrPC Section 154), Remand সংক্রান্ত (Section 167) এবং Bail সংক্রান্ত (Section 497) বিষয়গুলো সমসাময়িক আলোচনায় এসেছে।

শিক্ষা: আইন শুধু বইয়ে নেই, প্রতিদিনের সংবাদে আছে।

ঘটনা ৪: ২০২৫ সালে AI-এর বিস্ফোরণ।

আইনি সংযোগ: AI-জেনারেটেড Deepfake ছবি বা ভিডিও দিয়ে মানহানি করলে Penal Code Section 499 এবং Cyber Security Act 2023 Section 29 উভয়ই প্রযোজ্য হবে। Digital Evidence হিসেবে AI-জেনারেটেড Content কতটা বিশ্বাসযোগ্য সেটা Evidence Act Section 65A এবং 65B-এর আলোকে বিচার করতে হবে।

শিক্ষা: আইন সবসময় প্রযুক্তির পেছনে থাকে। কিন্তু মূল নীতি একই থাকে।

ঘটনা ৫: ২০২৫ সালে ভারত-পাকিস্তান উত্তেজনা।

আইনি সংযোগ: দুই দেশের মধ্যে উত্তেজনায় বাংলাদেশের নাগরিকরা কোনো একটি দেশে চুক্তি করলে সেই চুক্তির বৈধতা কীভাবে নির্ধারিত হবে? Private International Law এবং Contract Act-এর বিধান একসাথে বিবেচনা করতে হবে।

শিক্ষা: আন্তর্জাতিক রাজনীতি সরাসরি আইনি প্রশ্নে পরিণত হয়।

## অধ্যায় ১৮: সম্পূর্ণ সংখ্যা Grand Revision (Number Memorization Master Class)

### সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ সংখ্যা একসাথে

পরীক্ষায় সংখ্যা মনে রাখাটা বড় চ্যালেঞ্জ। নিচে একটি বিশেষ "Number Song" দেওয়া হচ্ছে।

CPC Numbers Song: "সিপিসি ধারা ৯, দেওয়ানি দরজা খোলে। ধারা ১০ থামায়, দুই মামলা একসাথে চললে। ধারা ১১ রেস জুডিকাটা, একবার হলে আর নয়। ধারা ২০ এখতিয়ার, বাসস্থান কাজ ঘটনা তিন। Order ৭ Rule ১, Plaint-এর নয় উপাদান। Order ৮ Rule ১, ৩০ দিনে জবাব চাই, ৯০ সর্বোচ্চ পাই। Order ৩৯, PBI মনে রেখো। ধারা ৯৬ প্রথম আপিল, ধারা ১০০ দ্বিতীয়।"

550 বার কাউন্সিল এনরোলমেন্ট পরীক্ষার শর্টকাট মাস্টার গাইড — © 2026 S M Nazmuz Sakib. All rights reserved. No part of this work may be copied,

reproduced, or distributed without prior written permission. DOI: 10.5281/zenodo.19494434



CrPC Numbers Song: "১৫৪ FIR, ১৬৪ স্বীকারোক্তি। ১৬৭ রিমাল্ড, সর্বোচ্চ ১৫। ৪৯৭ জামিন, অ-জামিনযোগ্য। ২৪ ঘন্টা গ্রেপ্তারে হাজিরা।"

Penal Code Numbers Song: "৩০০ খুনের সংজ্ঞা, ৩০২ খুনের সাজা। ২৯৯ Culpable Homicide, ৩০৪ তার সাজা। ৩৪ Common Intention, ১৪১ পাঁচজনে দল। ১৪৯ Unlawful Assembly, ১০৭ Abetment।"

Evidence Act Numbers Song: "১৭ থেকে ২৩ Admission-এর কথা। ২৪ থেকে ৩০ Confession-এর ব্যথা। ৩২ Dying Declaration, ৪৫ Expert মতামত। ১০১ প্রমাণের ভার, ১১৫ Estoppel।"

SRA Numbers Song: "SRA ১৮৭৭, Specific Act। Section ৯ দখল, Section ১০ চুক্তি। Section ৩৪ Declaratory, Section ৫২ Injunction।"

---

## অধ্যায় ১৯: পরীক্ষার দিনের চূড়ান্ত কৌশল

### পরীক্ষার হলে প্রবেশের আগে

পরীক্ষার দিন সকালে উঠে সংখ্যাগুলো একবার মনে করো। MCQ বইয়ের পাতা না খুলে মাথায় কী আছে সেটা মনে করার চেষ্টা করো।

পরীক্ষার হলে প্রবেশ করে প্রশ্নপত্র পাওয়ার আগে FOCLICAL এবং PBI এবং MCPHQ মাথায় রিভাইজ করো।

প্রশ্নপত্র পাওয়ার পরে প্রথম ৫ মিনিট পুরো প্রশ্নপত্র পড়ো। সহজ প্রশ্নগুলো চিহ্নিত করো।

MCQ-তে "Elimination Method" ব্যবহার করো। চারটি Option পড়ে সবচেয়ে ভুল দুটো বাদ দাও। তারপর বাকি দুটোর মধ্যে সঠিকটা বেছে নাও।

### মনে রাখার সবচেয়ে কার্যকর ৫টি টেকনিক

টেকনিক ১: Acronym ব্যবহার করো। যেমন PBI (Prima Facie, Balance, Irreparable)।

টেকনিক ২: গল্পের সাথে জুড়ে দাও। Section 154 FIR মানে "ফাইলিং রিপোর্ট ইনিশিয়েটস"।

টেকনিক ৩: সংখ্যার ছড়া তৈরি করো। "নয়ে দেওয়ানি, দশে থামো, এগারোতে আর মামলা নামো।"

টেকনিক ৪: বাস্তব উদাহরণের সাথে যুক্ত করো। Res Judicata = "একটা দেশের সাথে একবার যুদ্ধ শেষ, আবার একই কারণে যুদ্ধ নয়।"

টেকনিক ৫: রাজনৈতিক জোক ব্যবহার করো। যা হাসায় তা মনে থাকে।



## অধ্যায় ২০: Viva-Voce-র জন্য বিশেষ প্রস্তুতি (নতুন বিষয়)

### Viva-তে কী ধরনের প্রশ্ন আসে?

Viva-Voce বা মৌখিক পরীক্ষা বার কাউন্সিল পরীক্ষার তৃতীয় ধাপ। এখানে Examiner-রা বিভিন্ন আইনগত পরিস্থিতি দিয়ে তোমার চিন্তাভাবনা যাচাই করেন।

Viva-তে আসা সাধারণ প্রশ্নের ধরন:

ধরন ১: "এই পরিস্থিতিতে কী করবে?" উদাহরণ: "তোমার মক্কেল বলছে সে নির্দোষ কিন্তু তুমি জানো সে দোষী। কী করবে?" উত্তর: আইনজীবীর দায়িত্ব মক্কেলের পক্ষে সর্বোচ্চ আইনগত সহায়তা দেওয়া, কিন্তু আদালতকে মিথ্যা তথ্য দেওয়া নয়। Canons of Professional Conduct Canon 2 (মক্কেলের সাথে বিশ্বস্ততা) এবং Canon 1 (আদালতের সাথে সম্মান) দুটোই মানতে হবে।

ধরন ২: "কোন Section-এ?" উদাহরণ: "বিবাদী মামলা শুনানির দিন আসেনি। কী হবে?" উত্তর: Order 9 Rule 6 CPC অনুযায়ী Ex Parte Decree দেওয়া যাবে।

ধরন ৩: "পার্থক্য বলো।" উদাহরণ: "Void এবং Voidable-এর পার্থক্য বলো।" উত্তর: Void শুরু থেকেই কোনো আইনি প্রভাব নেই। Voidable একটি পক্ষের ইচ্ছায় বাতিল করা যায়।

ধরন ৪: "কতদিনে?" উদাহরণ: "High Court-এ আপিলের সময়সীমা কত?" উত্তর: ৯০ দিন (Limitation Act অনুযায়ী)।

### Viva-তে সফল হওয়ার টিপস

প্রথম টিপস: আত্মবিশ্বাসী থাকো। Examiner তোমাকে ভয় দেখাতে চাইবেন না। তারা জানতে চাইবেন তুমি চিন্তা করতে পারো কিনা।

দ্বিতীয় টিপস: না জানলে স্বীকার করো। "আমি নিশ্চিত নই, তবে আমার মনে হয়..." এই পদ্ধতিতে উত্তর দাও।

তৃতীয় টিপস: Section নম্বর মনে না থাকলে নীতি ব্যাখ্যা করো। "আমি Section নম্বর এই মুহূর্তে বলতে পারছি না, কিন্তু নীতিটা হলো..."

চতুর্থ টিপস: আন্তর্জাতিক উদাহরণ দাও। Examiner-রা সাধারণত বেশি মুগ্ধ হন যখন দেখেন একজন পরীক্ষার্থী স্থানীয় আইনকে বৈশ্বিক প্রেক্ষাপটে দেখতে পারছে।

পঞ্চম টিপস: পোশাক পরিপাটি রাখো। আইনজীবীর পোশাক হলো সম্মানের প্রতীক।



## অধ্যায় ২১: বিশেষ চ্যালেঞ্জিং প্রশ্ন এবং উত্তর

### চ্যালেঞ্জিং প্রশ্ন ১: "Exception to Res Judicata"

পরীক্ষায় অনেকে জানে Res Judicata কী। কিন্তু কখন Res Judicata প্রযোজ্য হয় না সেটা কম জানে।

Res Judicata প্রযোজ্য হয় না যখন: আগের আদালত সক্ষম (Competent) ছিল না। বিষয়টি আগের মামলায় প্রত্যক্ষভাবে এবং সরাসরি সমস্যা ছিল না। আগের রায় চূড়ান্ত ছিল না (যেমন Interlocutory Order)।

### চ্যালেঞ্জিং প্রশ্ন ২: "Constructive Res Judicata"

CPC Explanation IV to Section 11-এ Constructive Res Judicata বলে যদি কোনো বিষয় আগের মামলায় তোলা উচিত ছিল কিন্তু তোলা হয়নি তাহলে সেটাও পরবর্তী মামলায় তোলা যাবে না।

মনে রাখার টেকনিক: "তুলতে পারতে কিন্তু তোলেনি, এখন আর সুযোগ নেই।"

### চ্যালেঞ্জিং প্রশ্ন ৩: Murder-এর Exceptions বিস্তারিত

Exception 1 (Grave and Sudden Provocation): যদি কোনো ব্যক্তিকে অত্যন্ত তীব্র এবং হঠাৎ উত্তেজনায় পড়ে হত্যা করা হয়, তাহলে Murder-এর পরিবর্তে Culpable Homicide ধরা হয়। কিন্তু শর্ত হলো সেই উত্তেজনা নিজেই সৃষ্টি করেনি এবং হত্যার পরিকল্পনা আগে থেকে ছিল না।

Exception 2 (Self-defence): নিজের বা অন্যের জীবন বা সম্পদ রক্ষার জন্য করা হলে Murder নয়। তবে প্রয়োজনের বেশি শক্তি ব্যবহার করা যাবে না।

Exception 3 (Public servant): সরকারি কর্মকর্তা আইন অনুযায়ী কাজ করতে গিয়ে কাউকে হত্যা করলে Murder নয়। যেমন Police যদি ডাকাত ধরতে গিয়ে গুলি করে।

Exception 4 (Heat of passion): দুই ব্যক্তির হঠাৎ ঝগড়ায় উত্তেজনায় হত্যা।

Exception 5 (Consent): রোগী যদি নিজে মৃত্যু চেয়ে থাকেন এবং চিকিৎসক সহায়তা করেন।

বিগত সালের প্রশ্ন: ২০১৯ সালে প্রশ্ন এসেছিল "Murder-এর Exception-গুলো লেখো।" ২০২১ সালে প্রশ্ন এসেছিল "কোন কোন ক্ষেত্রে Culpable Homicide Murder-এ পরিণত হয়?"

### চ্যালেঞ্জিং প্রশ্ন ৪: Primary এবং Secondary Evidence-এর পার্থক্য

Section 62 (Primary Evidence): Documents নিজেই আদালতে দেওয়া হলে সেটা Primary Evidence।





Section 63 (Secondary Evidence): Documents-এর প্রতিলিপি বা কপি। কখন দেওয়া যায় তা Section 65-এ বলা আছে।

পরীক্ষায় প্রশ্ন আসে: "কখন Secondary Evidence দেওয়া যাবে?" উত্তর: যখন Original Document হারিয়ে গেছে বা নষ্ট হয়েছে বা শত্রু পক্ষের কাছে আছে বা আদালতে আনা অসম্ভব ইত্যাদি (Section 65 (a) থেকে (g))।

## অধ্যায় ২২: আরও মনে রাখার টেকনিক এবং বিশেষ সংকলন

### সবচেয়ে বিভ্রান্তিকর Section-গুলো

Section 34 Penal Code vs Section 34 SRA: Section 34 Penal Code = Common Intention। Section 34 SRA = Declaratory Decree। মনে রাখার উপায়: "Penal Code-এ ৩৪ মিলে মারা, SRA-তে ৩৪ আমার অধিকার।"

Section 9 CPC vs Section 9 নারী ও শিশু আইন: CPC Section 9 = দেওয়ানি আদালতের এখতিয়ার। নারী ও শিশু আইন Section 9 = ধর্ষণের বিধান। মনে রাখার উপায়: "CPC ৯ দরজা খোলে, আর নারী আইনের ৯ ধর্ষণ রোধ করে।"

Section 11 CPC vs Section 11 Contract Act: CPC Section 11 = Res Judicata। Contract Act Section 11 = Competency of Parties। মনে রাখার উপায়: "CPC ১১ = একবারেই শেষ, Contract Act ১১ = কে করতে পারে।"

### বিশেষ "False Friend" সতর্কতা

পরীক্ষায় কিছু শব্দ দেখে মনে হয় একটা কিন্তু আসলে অন্যটা।

"Admissions" vs "Confessions": Admission = দেওয়ানি মামলায় কোনো বিষয় স্বীকার করা। Confession = ফৌজদারি মামলায় নিজের অপরাধ স্বীকার করা।

"Bail" vs "Bond": Bail = মুক্তির শর্ত। Bond = মুক্তির নিশ্চয়তা দানকারী।

"Plaintiff" vs "Complainant": Plaintiff = দেওয়ানি মামলায় বাদী। Complainant = ফৌজদারি মামলায় অভিযোগকারী।

"Decree" vs "Order": Decree = মামলার চূড়ান্ত সিদ্ধান্ত। Order = মামলার মধ্যবর্তী সিদ্ধান্ত।

"Void" vs "Voidable" vs "Illegal": Void = শুরু থেকে কোনো প্রভাব নেই। Voidable = একটি পক্ষ বাতিল করতে পারে। Illegal = আইনবিরুদ্ধ।





## অধ্যায় ২৩: বিশেষ Rapid Fire Round - ১ মিনিটে ৫০ উত্তর

পরীক্ষার আগের রাতে এই Rapid Fire Round করো। প্রতিটি প্রশ্নের উত্তর ১০ সেকেন্ডের মধ্যে।

১. CPC কত সালে? = ১৯০৮ ২. CPC-তে Section কতটি? = ১৫৮ ৩. CPC-তে Order কতটি? = ৫১ ৪. Res Judicata কোন Section? = CPC Section 11 ৫. Temporary Injunction কোন Order? = Order 39 ৬. Place of Suing কোন Section? = Section 20 ৭. Ex Parte Decree কোন Rule? = Order 9 Rule 6 ৮. Ex Parte Decree বাতিল কোন Rule? = Order 9 Rule 13 ৯. Written Statement কতদিনে? = ৩০ দিন (সর্বোচ্চ ৯০) ১০. FIR কোন Section? = CrPC Section 154 ১১. Remand কোন Section? = CrPC Section 167 ১২. Bail Non-bailable কোন Section? = CrPC Section 497 ১৩. Police Custody সর্বোচ্চ কতদিন? = ১৫ দিন ১৪. Murder কোন Section? = Penal Code Section 302 ১৫. Murder-এর সংজ্ঞা কোন Section? = Section 300 ১৬. Culpable Homicide কোন Section? = Section 299, 304 ১৭. Common Intention কোন Section? = Section 34 ১৮. Unlawful Assembly কোন Section? = Section 141 ১৯. Abetment কোন Section? = Section 107 ২০. Dying Declaration কোন Section? = Evidence Act Section 32 ২১. Burden of Proof কোন Section? = Evidence Act Section 101 ২২. Estoppel কোন Section? = Evidence Act Section 115 ২৩. Police Confession অগ্রহণযোগ্য কোন Section? = Evidence Act Section 25 ২৪. Specific Performance কোন Section? = SRA Section 10 ২৫. Declaratory Decree কোন Section? = SRA Section 34 ২৬. Bar Council সদস্য সংখ্যা? = ১৫ জন ২৭. Bar Council Chairman কে? = Attorney General ২৮. Bar Council নির্বাচিত সদস্য? = ১৪ জন ২৯. Bar Council কার্যকাল? = ৩ বছর ৩০. Writ Jurisdiction কোন Article? = Article 102 ৩১. Writ-এর সংখ্যা? = ৫টি ৩২. Habeas Corpus মানে? = শরীর হাজির করো (অবৈধ আটক মুক্তি) ৩৩. Mandamus মানে? = আমরা আদেশ দিচ্ছি ৩৪. Contract Act কত সালে? = ১৮৭২ ৩৫. Minor-এর Contract কী ধরনের? = Void Ab Initio ৩৬. Consideration ছাড়া Contract? = সাধারণত Void (Section 25) ৩৭. Free Consent না থাকলে Contract? = Voidable ৩৮. Transfer of Property Act কত সালে? = ১৮৮২ ৩৯. ১০০ টাকার বেশি সম্পত্তিতে কী? = Registered Deed ৪০. Limitation Act কত সালে? = ১৯০৮ ৪১. সম্পত্তি পুনরুদ্ধারের সময়? = ১২ বছর ৪২. Decree Execution-এর সময়? = ১২ বছর ৪৩. চুক্তির মামলার সময়? = ৩ বছর ৪৪. Arbitration Act কত সালে? = ২০০১ ৪৫. Arbitration Award বাধ্যতামূলক? = হ্যাঁ ৪৬. Mediation-এর সিদ্ধান্ত বাধ্যতামূলক? = না ৪৭. Arbitrator-এর সংখ্যা কত? = বেজোড় (১ বা ৩) ৪৮. ACC কত সালে প্রতিষ্ঠিত? = ২০০৪ ৪৯. Cyber Security Act কত সালে? = ২০২৩ ৫০. Muslim Family Laws Ordinance কত সালে? = ১৯৬১

## অধ্যায় ২৪: সমাপনী এবং ভবিষ্যতের জন্য পরামর্শ

পরীক্ষার পরে কী হবে?



ধরো তুমি পরীক্ষায় পাস করলে। তারপর কী?

MCQ পাস করলে Written পরীক্ষায় বসবে। Written পাস করলে Viva-Voce-তে বসবে। Viva পাস করলে Bangladesh Bar Council-এ Enrol করবে। তারপর তুমি Advocate।

একজন Lower Court Advocate হিসেবে শুরু করবে। পরে High Court Permission Examination দিতে পারবে।

## আইনজীবী হওয়ার পরে

আইনজীবী হওয়ার পরে একটি কথা মনে রেখো। Winston Churchill বলেছিলেন "Justice is open to everyone in the same way as the Ritz Hotel." মানে বিচার সবার জন্য আছে কিন্তু সবাই পায় না।

তুমি যদি সত্যিকারের একজন ভালো আইনজীবী হতে পারো, তুমি সেই বৈষম্য দূর করতে পারবে।

বাংলাদেশে ৪০ লাখের বেশি মামলা বিচারাধীন। প্রতিটি মামলার পেছনে একটি পরিবারের ন্যায্যবিচারের আকাঙ্ক্ষা আছে। তুমি সেই পরিবারের পক্ষে লড়াই করবে।

## শেষ কথা

Henry Kissinger তাঁর শেষ বই "Leadership" (২০২২ সালে প্রকাশিত, ১০০ বছর বয়সে লেখা) -এ বলেছিলেন যে সত্যিকারের নেতা তারাই যারা তাদের সমাজের জন্য কঠিন সিদ্ধান্ত নিতে পারেন।

তুমি যখন আইনজীবী হবে, তখন প্রতিদিন কঠিন সিদ্ধান্ত নিতে হবে। মক্কেলের পক্ষে লড়াই করব না মক্কেলকে ন্যায্যের পথে নিয়ে যাব? আদালতকে সত্য বলব না মক্কেলের কথা মানব?

এই দ্বন্দ্বের সমাধান আছে Bangladesh Legal Practitioners and Bar Council Order 1972-এ এবং Canons of Professional Conduct-এ। সেখানে বলা আছে তুমি উভয়ই করবে। আদালতের সাথে সৎ থাকবে এবং মক্কেলের সর্বোচ্চ আইনগত সহায়তা দেবে। কিন্তু কখনো মিথ্যা দিয়ে মক্কেলকে রক্ষা করবে না।

২০২৬ সালের ডিসেম্বরে যে পরীক্ষা হবে, সেই পরীক্ষায় তুমি বসবে। ৪০ হাজারের বেশি পরীক্ষার্থী থাকবে। তাদের মধ্যে তুমি পাস করবে কারণ তুমি শুধু মুখস্থ করোনি, বুঝেছ।

এই ১০টি পাঠ পড়ার পরে তুমি যা জানো তা হলো:

প্রথমত, CPC, CrPC, Penal Code, Evidence Act, SRA, Muslim Family Law, Hindu Law, GWA, Succession Act, Waqf Ordinance, Contract Act, Limitation Act, Transfer of Property Act, Arbitration Act, Cyber Security Act, Nari O Shishu Ain, Money Laundering Act, ACC Act।

দ্বিতীয়ত, প্রতিটি আইনের সবচেয়ে গুরুত্বপূর্ণ Section।



তৃতীয়ত, বিগত বছরের প্রশ্নের ধরন।

চতুর্থত, মনে রাখার বিশেষ টেকনিক।

পঞ্চমত, আন্তর্জাতিক রাজনীতির সাথে আইনের সংযোগ।

এখন একটাই কাজ বাকি। পরীক্ষা দেওয়া।

যাও। পরীক্ষা দাও। আইনজীবী হও। বাংলাদেশের আদালতে একটি ভালো নাম লেখাও।

শুভকামনা।

---

## পরিশিষ্ট: পার্ট ১০-এর সম্পূর্ণ বিষয়সূচি

পার্ট ১০-এ মোট ২৪টি অধ্যায় আছে।

অধ্যায় ১: Contract Act 1872 সম্পূর্ণ বিশ্লেষণ। অধ্যায় ২: Limitation Act 1908। অধ্যায় ৩: Transfer of Property Act 1882। অধ্যায় ৪: Arbitration Act 2001 এবং ADR। অধ্যায় ৫: বাংলাদেশ সংবিধান এবং Writ। অধ্যায় ৬: Cyber Security Act 2023 এবং Digital Evidence। অধ্যায় ৭: নারী ও শিশু নির্যাতন দমন আইন 2000। অধ্যায় ৮: Money Laundering Prevention Act 2012। অধ্যায় ৯: Anti-Corruption Commission Act 2004। অধ্যায় ১০: Grand Revision পার্ট ১ থেকে ৯। অধ্যায় ১১: Professional Ethics বিস্তারিত। অধ্যায় ১২: ২০২৫ এবং ২০২৬ পরীক্ষার Analysis। অধ্যায় ১৩: আন্তর্জাতিক রাজনীতি এবং আইনের গল্প। অধ্যায় ১৪: কঠিন MCQ বিশ্লেষণ। অধ্যায় ১৫: ১০০ প্রশ্নের Grand Final Mock। অধ্যায় ১৬: লিখিত পরীক্ষার নমুনা উত্তর। অধ্যায় ১৭: ২০২৪-২০২৫ আন্তর্জাতিক ঘটনা ও আইন। অধ্যায় ১৮: Number Grand Revision। অধ্যায় ১৯: পরীক্ষার দিনের কৌশল। অধ্যায় ২০: Viva-Voce প্রস্তুতি। অধ্যায় ২১: চ্যালেঞ্জিং প্রশ্নের উত্তর। অধ্যায় ২২: False Friend সতর্কতা। অধ্যায় ২৩: Rapid Fire Round ৫০ প্রশ্ন। অধ্যায় ২৪: সমাপনী।

---

## সম্পূর্ণ সিরিজের সারসংক্ষেপ

পার্ট ১: পরীক্ষার কাঠামো এবং CPC-র মূল ভিত্তি। পার্ট ২: CPC বিস্তারিত বিশ্লেষণ। পার্ট ৩: CrPC সম্পূর্ণ। পার্ট ৪: Penal Code সম্পূর্ণ। পার্ট ৫: Evidence Act সম্পূর্ণ। পার্ট ৬: SRA এবং Professional Ethics। পার্ট ৭: Muslim Family Law। পার্ট ৮: Hindu Law, Christian Law, GWA, Succession Act, Waqf। পার্ট ৯: লিখিত পরীক্ষার নমুনা উত্তর, Viva প্রস্তুতি, Grand Mock। পার্ট ১০: Contract Act, Limitation, TP Act, ADR, Cyber Law, সংবিধান, Final Grand Mock।



দশটি পার্ট একসাথে বাংলাদেশের বার কাউন্সিল পরীক্ষার সম্পূর্ণ প্রস্তুতি।

আবার বলছি, শুভকামনা। বাংলাদেশের আদালতে তোমার উজ্জ্বল ভবিষ্যত অপেক্ষা করছে।

---

### লেখকের সর্বশেষ কথা:

এই দশ পার্টের যাত্রায় আমরা একসাথে বাংলাদেশের প্রায় সব গুরুত্বপূর্ণ আইন পড়েছি। আমরা শুধু আইন মুখস্থ করিনি, আমরা বুঝেছি। আমরা দেখেছি আইন কীভাবে রাজনীতির সাথে, আন্তর্জাতিক সম্পর্কের সাথে, প্রতিদিনের জীবনের সাথে জুড়ে আছে।

Kofi Annan একবার বলেছিলেন "Rule of Law and human rights are inseparable." আইনের শাসন এবং মানবাধিকার আলাদা নয়। তুমি আইনজীবী হয়ে যখন আদালতে দাঁড়াবে, তুমি শুধু একটি মামলা জেতার চেষ্টা করবে না। তুমি আইনের শাসনকে শক্তিশালী করবে। তুমি মানবাধিকার রক্ষা করবে।

এটাই আইনজীবীর প্রকৃত মর্যাদা।

পরীক্ষায় যাও এবং জয়ী হও।



**S M Nazmuz Sakib** is an interdisciplinary scholar, researcher and author bridging IT, business analytics, and applied research. He is a Fellow of the Scholars Academic and Scientific Society, a Member of IAENG, a lifetime member of BELTA, and a Bangladeshi Arena Grand Master (AGM) recognized by FIDE. His credentials include extensive certifications across AWS, Google/SAS analytics, UX, project management, digital marketing, and finance. Sakib has published several peer-reviewed articles and book chapters.

